तुलसीकृत रामायण।

बालकाण्ड।

श्रीमधुसूदनपण्डित और श्रीजगन्नाथसुकुलने शोधकर छपवाया॥

कलकत्ता स्कूलबुक् सोसायटी मिसनरी प्रेसमे छपी

वाक्य बिवरी समेत॥

सम्वत् १९१२, कार्त्तिक कृष्ण १२॥

समाचार ॥

दासगुसाईकीभाषा रामायण लोगोंने हरएक जगह अनेकबार छापा पर किसीने उसे सुधारने मे मन न दिया केवल अपना फायदा देखा यहां तक कि आजकलके छापे की पोथियां सो बरबाद हो गई हैं कि जिनको देख लोगोंका मन प्रसन्न नहीं होता यद्यपि रामचरित है पि अशुद्धता के कारण से उस मे भले लोगों की भी रुचो चली गई और ऐसे महात्मा गुसाईजी की उत्तम रचना को लोभियों ने किफायत के लिये खराब कर दिया और बंच कों पनी रचना मिलाय अनमोल वस्तु को बेमोल कर दिया यह देख स्कूलबुक् सोसाइटी के सूदन पण्डित और फोर्टविलियम कालिज के पंडित श्रीजगन्नाथ सुकुल ने कुछ अधिक खर्च थ की लिखी और कई एक छापे की पुरानी पोथियों का पाठ मिलाय अपने बुद्धिबल अनु- बडे परिश्रम से सम्बत् १९१३ मे पादरी नामिस साहिब के छापेखाने से छपवाया ॥

क्षेपक कथा भी इस मे दिया है पर अलग कर दिया है क्योंकि बहुतेरे लोगों की उस रुची है और कथा विशेष भी है लेनेवाले लोगों को स्कूलबुक सोसायटी या फोर्टविलियम ज में मिलेंगीं अथवा बडीबजार तुलापटी मे हिमतराम हरषचंद की कोठी मे सुंदर जमा- र के पास मिलेगी ॥

और जित ने कठिन पद हैं क्या भाषा क्या संस्कृत सबों का अर्थ कर अकारआदि क्रम से पवाय पोथी के अंत मे देदिया है जो पद कठिन मालूम हो उसे उसी क्रम से निकाल लेवे ॥

श्रीरामचन्द्राय नमः।

रामायण तुलसीकृत।

बालकाण्ड।

वर्णानामर्थसङ्घानां रसानां छन्दसामपि मङ्गलानाञ्च कर्त्तारौ वन्दे वाणीविनायकौ ॥१॥ भवानीशङ्करौ वन्दे श्रद्धा विश्वासरूपिणौ याभ्यां विना न पश्यन्ति सिद्धाः स्वान्तस्थमीश्वरं ॥ २ ॥ वन्दे बोधमयं नित्यं गुरुं शङ्कररूपिणं यमाश्रितोहि वक्रोपि चन्द्रः सर्वत्र वन्द्यते ॥३॥ सीतारामगुणग्राम पुण्यारण्यविहारिणौ वन्दे विशुद्धविज्ञानौ कवीश्वरकपीश्वरौ ॥ ४ ॥ उद्भवस्थितिसंहारकारिणीं क्लेशहारिणीं सर्वश्रेयस्करीं सीतां नतोहं रामवल्लभां ॥ ५ ॥ यन्मायावशवर्त्तिविश्वमखिलं ब्रह्मादिदेवासुरा यत्सत्वादमृषैव भाति सकलं रज्जौ यथाऽहेर्भ्रमः यत्पादः प्लवमेव भाति हि भवाम्भोधेस्तितीर्षावतां वन्देऽहं तमशेषकारणपरं रामाख्यमीशं हरिं॥ ६ ॥ नानापुराणनिगमागमसम्मतं यद्रामायणे निगदितं क्वचिदन्यतोपि स्वान्तः सुखायतुलसी रघुनाथ गाथा भाषानिबंधमतिमञ्जुलमातनोति ॥ ७ ॥

सो०। जेहिसुमिरतसिधिहोइ गणनायककरिवरबदन करौअनुग्रहसोइ बुद्धिराशिशुभगुणसदन।
मूकहोइबाचालु पंगुचढैगिरिवरगहन जासुकृपासुदयालु द्रवौसकलकलिमलदहन॥
नीलसरोरुहश्याम तरुणअरुणबारिजनयन करोसोममउरधाम सदाछीरसागरशयन।
कुंदइंदुसमदेह उमारमणकरुणाअयन जाहिदीनपरनेह करौकृपामर्दनमयन॥
बंदौंगुरुपदकंज कृपासिंधुनररूपहरि महामोहतमपुंज जासुबचनरविकरनिकर।

चौ०। बंदौंगुरुपदपदुमपरागा सुरुचिसुबाससरसअनुरागा अमियमूरिमयचूरणचारू शमनसकलभवरुजपरिवारू सुकृतशंभुतनविमलविभूती मंजुलमंगलमोदप्रसूती जनमनमंजुमुकुरमलहरणी कियेतिलकगुणगणवशकरणी श्रीगुरुपदनखमणिगणज्योती सुमिरतदिव्यदृष्टिहियहोती दलनमोहतमसंसप्रकासू बडेभाग्यउरआवहिजासू उघरहिंविमलविलोचनहियके मिटहिंदोषदुखभवरजनीके सूझहिंरामचरितमणिमाणिक गुप्तप्रगटजहंजोजेहिखानिक॥

दो०। यथासुअंजनआंजिदृग साधकसिद्धसुजान कौतुकदेखहिंशैलबन भूतलभूरिनिधान॥

चौ०। गुरुपदरजमृदुमंजुलअंजन नयनअमियदृगदोषविभंजन तेहिकरिविमलविवेकविलोचन बरणौरामचरितभवमोचन बंदौंप्रथममहीसुरचरणा मोहजनितसंशयसबहरणा सुजनसमाजसकलगुणखानी करौंप्रणामसप्रेमसुबानी साधुचरितशुभसरिसकपासू निरसविशदगुणमयफलजासू जोसहिदुखपरछिद्रदुरावा बंदनीयजेहिजगयशपावा मुदमंगलमयसंतसमाजू जोजगजंगमतीरथराजू रामभक्तिजहंसुरसरिधारा सरस्वतीब्रह्मविचारप्रचारा विधिनिषेधमयकलिमलहरणी कर्म्मकथारविनंदिनिवरणी हरिहरकथाबिराजतिबेनी सुनतसकलमुदमंगलदेनी बटबिश्वासअचलनिजधर्मा तीरथराजसमाजसुकर्मा सबहिसुलभसबदिनसबदेशा सेवतसादरशमनकलेशा अकथअलौकिकतीरथराऊ देइसद्यफलप्रगटप्रभाऊ॥

दो०। सुनिसमुझहिंजनमुदितमन मज्जहिंअतिअनुराग लहहिंचारिफलअछततनु साधुसमाजप्रयाग॥
चौ०। मज्जनफलदेखियततकाला काकहोहिंपिकवकौमराला सुनिआश्चर्य्यकरहिंजनिकोई सतसंगति-
महिमानहिगोई बालमीकनारदघटयोनी निजनिजमुखनिकहीनिजहोनी जलचरथलचरनभचरनाना
जेजडचेतनजीवजहाना मतिकीरतिगतिभूतिभलाई जबजेहियतनजहांजेहिपाई सोजानवसतसंगप्रभाऊ
लोकहुंवेदनआनउपाऊ बिनुसतसंगविवेकनहोई रामकृपाबिनुसुलभनसोई सतसंगतिमुदमंगलमूला
सोइफलसिद्धसबसाधनफूला शठसुधरहिंसतसंगतिपाई पारसपरसिकुधातुसुहाई बिधिबशसुजनकुसं-
गतिपरहीं फणिमणिसमनिजगुणअनुसरहीं विधिहरिहरकबिकोबिदबानी कहतसाधुमहिमासकुचानी
सोमोहिसनकहिजाननकैसें शाकवणिकमणिगुणगणजैसें॥
दो०। बंदौसंतसमानचित हितअनहितनहिकोउ अंजलिगतशुभसुमनजिमि समसुगंधकरदोउ॥
संतसरलचितजगतहित जानिशुभावसनेहु बालबिनयसुनिकरिकृपा रामचरणरतिदेहु॥
चौ०। बहुरिबंदिखलगणसतिभाए जेबिनकाजदाहिनेहुंवाए परहितहानिलाभजिन्हकेरे उजरेहरषवि-
षादबसेरे हरिहरयशराकेशराहुसे परअकाजभटसहसबाहुसे जेपरदोषलखहिंसहसाखी परहित-
घृतजिनकेमनमाखी तेजकृशानुरोषमहिषेशा अघअवगुणधनधनिकधनेशा उदयकेतुसमहितसबहीके
कुंभकरणसमसोवतनीके परअकाजलगितनुपरिहरहीं जिमिहिमउपलकृषीदलगरहीं बंदौखलजसशेष-
सरोषा सहसबदनबरनैपरदोषा पुनिप्रणवौंपृथुराजसमाना परअवसुनैसहसदशकाना बहुरिशक्रसम-
बिनवौतेही संततसुरानीकहितजेही वचनबज्रजेहिसदापियारा सहसनयनपरदोषनिहारा॥
दो०। उदासीनअरिमीतहित सुनतजरहिंखलरीति जानिपाणियुगजोरिकरि बिनतीकरौंसप्रीति।
चौ०। मैंआपनिदिशिकीन्हनिहोरा तिननिजओरनलाउबभोरा बायसपालियअतिअनुरागा होहिंनिरामि-
षकबहुंकिकागा बंदौसंतअसज्जनचरणा दुखप्रदउभयबीचकछुवरणा बिछुरतएकप्राणहरिलेहीं मिलत-
एकदारुणदुखदेहीं उपजहिंएकसंगजलमाहीं जलजजोकजिमिगुणविलगाहीं सुधासुरासमसाधुअसाधू
जनकएकजगजलधिअगाधू भलअनभलनिजनिजकरतूती लहतसुयशअपलोकबिभूती सुधासुधाकर-
सुरसरिसाधू गरलअनलकलिमलसरिव्याधू गुणअवगुणजानतसबकोई जोजेहिभावनीकतेहिसोई॥
दो०। भलेभलाईपैलहहिं लहहिंनिचाईनीच सुधासराहियअमरता गरलसराहियमीच।
चौ०। खलगहअगुणसाधुगुणगाहा उभयअपारउदधिअवगाहा तेहितेंकछुगुणदोषबखाने संग्रहत्या-
गनबिनुपहिचाने भलेउपोचसबबिधिउपजाये गनिगुणदोषवेदबिलगाये कहहिंवेदइतिहासपुराना
बिधिप्रपंचगुणअवगुणसाना दुखसुखपापपुण्यदिनराती साधुअसाधुसुजातिकुजाती दानवदेवऊंचअरुनीचू
अमियसजीवनिमाहुरमीचू मायाब्रह्मजीवजगदीशा लक्षअलक्षरंकअवनीशा काशीमगहसुरसरिकर्मनाशा
मरुमालवमहिदेवगवाशा स्वर्गनर्कअनुरागबिरागा निगमागमगुणदोषविभागा॥
दो०। जडचेतनगुणदोषमय विश्वकीन्हकरतार संतहंसगुणगहहिंपय परिहरिबारिबिकार॥
चौ०। असविवेकजबदेहिंविधाता तबतजिदोषगुणहिंमनराता कालसुभावकर्मवरिआई भलेउप्रकृतवश-
चूकभलाई सोसुधारिहरिजनजिमिलेहीं दलिदुखदोषबिमलयशदेहीं खलउकरइभलपाइसुसंगू

मिटहिनमलिनसुभावअभंगू लखिसुवेषजगबंचकजेऊ वेषप्रतापपूजियततेऊ उघरहिंअंतनहोयनिबाहू
कालनेमिजिमिरावणराहू कियेकुवेषसाधुसनमानू जिमिजगजामवंतहनुमानू हानिकुसंगसुसंगतिलाहू
लोकऊवेदविदितसबकाहू गगनचढैरजपवनप्रसंगा कीचहिमिलइनीचजलसंगा · साधुअसाधुसदन-
शुकशारी सुमिरहिंरामदेहिंगणगारी धूमकुसंगतिकारिखहोई लिखियपुराणमंजुमसिसोई सोइ-
जलअनलअनिलसंघाता होइजलदजगजीवनदाता ॥

दो०। ग्रहभेषजजलपवनपट पाइकुयोगसुयोग होइकुबस्तुसुवस्तुजग लखहिंसुलक्षणलोग ॥
समप्रकाशतमपाखदुऊं नामभेदविधिकीन्ह शशिपोषकशोषकसमुझि जगयशअपयशदीन्ह ॥
जडचेतनजगजीवजे सकलराममयजानि बंदौंसबकेपदकमल सदाजोरियुगपानि ॥
देवदनुजनरनागखग प्रेतपितरगन्धर्व बंदौंकिन्नररजनिचर कृपाकरहुअबसर्व ॥

चौ०। आकरचारिलाखचौरासी जातजीवनभजलथलवासी सियाराममयसबजगजानी करौंप्रणाम-
जोरियुगपाणी जानिकृपाकरिकिंकरमोहू सबमिलिकरहुछाडिछलछोहू निजबलबुद्धिभरोसमोहिनाहीं
तातेंबिनयकरउंसबपाहीं करणचहौंरघुपतिगुणगाहा लघुमतिमोरिचरितअवगाहा सूझनएकौअंग-
उपाऊ मममतिरंकमनोरथराऊ मतिअतिनीचऊंचिरुचिआछी चहियेअमियजगजुरैनछाछी क्षमि-
हहिंसज्जनमोरिढिठाई सुनिहहिंबालवचनमनलाई जौंबालककहतोतरिबाता सुनहिंमुदितमनपितु-
अरुमाता हंसिहंहिकूरकुटिलकुबिचारी जेपरदूषणभूषणधारी निजकवित्तकेहिनलागननीका सरस-
होउअथवाअतिफीका जेपरभणितसुनतहरषाहीं तेवरपुरुषबहुतजगनाहीं जगबहुनरसरितासमभाई
जेनिजबाढबढहिंजलपाई सज्जनसुकृतसिंधुसमकोई देखिपूरविधुबाढहिंजोई ॥

दो०। भागछोटअभिलाषबड करउंएकविश्वास पैहहिंसुखसुनिसुजनजन खलकरिहैंउपहास ॥

चौ०। खलपरिहासहोइहितमोरा काककहहिंकलकंठकठोरा हंसहिंबकदादुरचातकही हंसहिंमलिन-
खलबिमलबतकही कवितरसिकनरामपदनेहू तिन्हकहंसुखदहासरसएहू भाषाभणितमोरिमतिभोरी
हंसिवेयोगहंसेंनहिखोरी प्रभुपदप्रीतिनसामुझिनीकी तिन्हहिंकथासुनिलागिहिफीकी हरिहरपदरति-
मतिनकुतरकी तिन्हकहंमधुरकथारघुवरकी रामभक्तिभूषितजियजानी सुनिहहिंसुजनसराहिसुबानी
कबिनहोउंनहिंचतुरप्रबीना सकलकलासबविद्याहीना आखरअर्थअलंकृतनाना छंदप्रबंधअनेकविधाना
भावभेदरसभेदअपारा कवितदोषगुणविविधप्रकारा कवितविवेकएकनहिंमोरे सत्यकहौंलिखिकागदकोरे ॥

दो०। भणितिमोरिसबगुणरहित विश्वविदितगुणएक सोविचारिसुनिहहिंसुमति जिन्हकेबिमलविवेक ॥

चौ०। इहिंमहरघुपतिनामउदारा अतिपावनपुराणश्रुतिसारा मंगलभवनअमंगलहारी उमासहित-
जेहिजपुत्रिपुरारी भणितविचित्रसुकविकृतजोऊ रामनामबिनुसोहनसोऊ विधुवदनीसबभांतिसवांरी
सोहनवसनबिनावरनारी सबगुणरहितकुकविकृतबानी रामनामयशअंकितजानी सादरकहहिंसुनहिं-
बुधताही मधुकरसरिससंतगुणग्राही यदपिकवितगुणएकौनाहीं राम[illegible]प्रगटइहिंमाहीं सोइभरो-
समोरेमनआवा केहिनसुसंगबड़ापनपावा धूमउतजेसहजकरुआई अगरप्रसंगसुगंधबसाई भणि-
तिभदेसवस्तुभलिवरणी रामकथाजगमंगलकरणी ॥

छं०। मंगलकरनिकलिमलहरनितुलसीकथारघुनाथकी गतिकूरकवितासरितकीज्यौंपरमपावनपाथकी॥
प्रभुसुयशसंगतिभणितिभलिहोइहिसुजनमनभावनी भवअंगभूतिमसानकीसुमिरतसुहावनिपावनी॥

दो०। प्रियलागिहिअतिसबहिमम भणितिरामयशसंग दारुबिचारकिकरइकोउ बंदियमलयप्रसंग॥
श्यामसुरभिपयविशदअति गुणदकरहिंतेहिपान गिराग्रामसियरामयश गावहिंसुनहिंसुजान॥

चौ०। मणिमाणिकमुकुताछविजैसी अहिगिरिगजशिरसोहनतैसी नृपकिरीटतरुणीतनुपाई लहहिं-
सकलशोभाअधिकाई तैसहिंसुकविकवितबुधकहहीं उपजहिंअनतअनतछविलहहीं भक्तिहेतुविधि-
भवनबिहाई सुमिरतशारदआवतिधाई रामचरितसरबिनुअन्हवायें सोश्रमजाइनकोटिउपायें कवि-
कोविदअसहृदयबिचारी गावहिंहरिगुणकलिमलहारी कीन्हेप्राकृतजनगुणगाना सिरधुनिगिराला-
गिपछिताना हृदयसिंधुमतिसीपसमाना स्वातीशारदकहहिंसुजाना जोवरषैवरवारिविचारू होहिं-
कवितमुकुतामणिचारू॥

दो०। युक्तिबेधिपुनिपोहिये रामचरितवरताग पहिरहिंसज्जनविमलउर शोभाअतिअनुराग॥

चौ०। जेजनमेकलिकालकराला करतबवायसवेषमराला चलतकुपंथवेदमगछाडे कपटक-
लेवरकलिमलभांडे वंचकभक्तकहाइरामके किंकरकंचनकोहकामके तिनमहप्रथमरेखजगमोरी
धृगधरमध्वजधंधकधोरी जोअपनेअवगुणसबकहऊं बाढकथापारनहिलहऊं तातेंमैंअतिअलपबखाने
थोरेमहंजानिहहिंसयाने समुझिविविधविधिबिनतीमोरी कोउनकथासुनिदेइहिखोरी एतेहुपरक-
रिहहिंजेशंका मोहितेअधिकतेजड़मतिरंका कविनहोउंनहिचतुरकहाऊं मतिअनुरूपरामगुणगाऊं
कहंरघुपतिकेचरितअपारा कहंमतिमोरिनिरतसंसारा जेहिमारुतगिरिमेरुउडाहीं कहहुतूलकेहिले-
खेमाहीं समुझतअमितरामप्रभुताई करतकथामनअतिकदराई॥

दो०। शारदशेषमहेशविधि आगमनिगमपुराण नेतिनेतिकहिजासुगुण करहिंनिरंतरगान।

चौ०। सबजानतप्रभुप्रभुतासोई तदपिकहेबिनुरहानकोई तहांवेदअसकारणराषा भजनप्रभावभांतिबहु-
भाषा एकअनीहअरूपअनामा अजसच्चिदानन्दपरधामा व्यापकविश्वरूपभगवाना तेइधरिदेहचरितकृत-
नाना सोकेवलभक्तनहितलागी परमकृपालुप्रणतअनुरागी जेहिजनपरममताअरुछोहू तेहिकरुणाकर-
कीन्हनकोहू गएबहोरिगरीबनेवाजू सरलसबलसाहिबरघुराजू बुधवरनहिंहरियशअसजानी करहिंपुनीत-
सुफलनिजवानी तेहिबलमैंरघुपतिगुणगाथा कहिहौंनाइरामपदमाथा मुनिन्हप्रथमहरिकीरतिगाई
तेहिमगुचलतसुगममोहिभाई॥

दो०। अतिअपारजेसरितवर जोनृपसेतुकराहिं चढिपिपीलिकापरमलघु बिनुश्रमपारहिजाहिं॥

चौ०। एहिप्रकारबलमनहिंदढाई करिहौंरघुपतिकथासुहाई व्यासआदिकविपुंगवनाना जिन्हसादर-
हरिचरितबखाना चरणकमलबंदौंसबकेरे पुरवहुसकलमनोरथमोरे कलिकेकविनकरौंपरनामा जिन-
वरनेरघुपतिगुणग्रामा जेप्राकृतकविपरमसयाने भाषाजिन्हहरिचरितबखाने भयेजेअहहिंजेहोइहैंआगे
प्रणउंसबहिंकपटछलत्यागे होउप्रसन्नदेहुवरदानू साधुसमाजभणितसनमानू जोप्रबंधबुधनहिंआदरहीं
सोश्रमवादिबालकविकरहीं कीरतिभणितिभूतिभलिसोई सुरसरिसमसबकहंहितहोई रामसुकीरति-

भणितभदेसा असमंजसअसमोहिअंदेसा तुम्हरीक्रपासुलभसोउमोरे सिअनिसुहावनिटाटपटोरे करऊअनुग्रहअसजियजानो विमलयशहिंअनुहरऊसुवानो ॥

दो०। सरलकविनकीरतिविमल सोइआदरहिंसुजान सहजवयरविसराइरिपु जोसुनिकरहिंबखान ॥

सोनहोइविनुविमलमति मोहिमतिबलअतिथोर करऊक्रपाहरियशकहौं पुनिपुनिकरउंनिहोर ॥

कविकोविदरघुवरचरित मानसमंजुमराल बालविनयसुनिसुरुचिलखि मोपरहोऊक्रपाल ॥

सो०। बन्दौंमुनिपदकंज रामायणजिननिर्मयौ सखरसकोमलमंजु दोषरहितदूषणसहित ॥

बन्दौंचारिउवेद भववारिधिबोहितसरिस जिनहिनसपनेऊंखेद वरणतरघुपतिविशदयश ॥

बन्दौंविधिपदरेणु भवसागरजिनकीनयह संतसुधाशशिधेनु प्रगटेखलविषवारुणी ॥

दो०। विबुधविप्रबुधगुरुचरण बंदिकहौंकरजोरि होइप्रसन्नपुरवऊसकल मंजुमनोरथमोरि ॥

चौ०। पनिबन्दौंशारदसुरसरिता युगलपुनीतमनोहरचरिता मज्जनपानपापहरएका कहतसुनतइकहर-अविवेका गुरुपितुमातुमहेशभवानी प्रणऊंदीनवंधुदिनदानी सेवकस्वामिसखासियपीके हितनिरुपधिसब-विधितुलसीके कलिविलोकिजगहितहरगिरिजा शावरमंत्रजालजिनसिरजा अनमिलआखरअरथनजापू प्रगटप्रभावमहेशप्रतापू सोमहेशमोपरअनुकूला करौंकथामुदमंगलमूला सुमिरिशिवाशिवपाइपसाऊ वरणौंरामचरितचितचाऊ भणितिमोरिशिवक्रपाविभाती शशिसमाजमिलिमनऊंसुराती जोयहकथासनेह-समेता कहिंहहिंसुनिहहिंसमुझिसचेता होइहहिंरामचरणअनुरागी कलिमलरहितसुमंगलभागी ॥

दो०। सपनेऊंसांचऊमोहिपर जोहरगौरिपसाउ तौफुरहोउजोकहउंसब भाषाभणितप्रभाउ ॥

चौ०। बन्दौंअवधपुरीअतिपावनि सरजूसरिकलिकलुषनसावनि प्रणऊंपुरनरनारिवहोरी ममताजिन-परप्रभुहिनथोरी सियनिंदकअघओघनसाये लोकविशोकबनाइबसाये बन्दौंकौशल्यादिशिप्राची कीरति-जासुसकलजगमाची प्रगटेउजहंरघुपतिशशिचारू विश्वसुखदखलकमलतुषारू दशरथराउसहित-सवरानी सुक्रतसुमंगलमूरतिखानी करौंप्रणामकरममनवानी करऊक्रपासुतसेवकजानी जिनहिंविरचि-वडभयउविधाता महिमाअवधिरामपितुमाता ॥

सो०। बन्दौंअवधभुआल सत्यप्रेमजेहिरामपद विछुरतदीनदयाल प्रियतनतृणइवपरिहरेउ ॥

चौ०। प्रणवौंपरिजनसहितविदेहू जाहिरामपदगूढसनेहू योगभोगमहंराखेउगोई रामविलोकतप्रगटेउ-सोई प्रणवौंप्रथमभरतकेचरणा जासुनेमव्रतजाइनवरणा रामचरणपंकजमनजासू लुब्धमधुपइवतजैनपास बन्दौंलक्ष्मणपदजलजाता शीतलसुभगभक्तसुखदाता रघुपतिकीरतिविमलपताका दंडसमानभयोयशजाका शेषसहस्रसोजगकारण जोअवतरेउभूमिभयटारण सदासोसानुकूलरऊमोपर क्रपासिंधुसौमित्रिगुणाकर रिपुसूदनपदकमलनमामी सूरसुशीलभरतअनुगामी महावीरविनऊंहनुमाना रामजासुयशआपुबखाना ॥

सो०। बन्दौंपवनकुमार खलवनपावकज्ञानघन जासुहृदयआगार बसहिंरामशरचापधर ।

चौ०। कपिपतिऋक्षनिशाचरराजा अंगदादिजेकीससमाजा बन्दौंसबकेचरणसुहाये अधमशरीररामजिन-पाये रघुपतिचरणउपासकजेते खगमृगसुरनरअसुरसमेते बन्दौंपदसरोजसबकेरे जेविनुकामरामके-चेरे शुकसनकादिआदिमुनिनारद जेमुनिवरविज्ञानविशारद प्रणऊंसबहिधरणिधरिसीसा करऊक्रपा-

जनजानिमुनीशा जनकसुताजगजननिजानकी अतिशयप्रियकरुणानिधानकी ताकेयुगपदकमलमनाऊं जासुकृपानिरमलमतिपाऊं पुनिमनबचनकरमरघुनायक चरणकमलबन्दौंसबलायक राजिवनयनधरे-धनुसायक भक्तविपतिभंजनसुखदायक ॥

दो०। गिराअर्थजलवीचिसम कहियतभिन्ननभिन्न बन्दौंसीतारामपद जिनहिपरमपदखिन्न ॥

चौ०। बन्दौंरामनामरघुवरके हेतुकृशानुभानुहिमकरके बिधिहरिहरमयवेदप्राणसे अगुणअनूपमगुण-निधानसे महामंत्रजोइजपतमहेशू काशीमुक्तिहेतुउपदेशू महिमाजासुजानेगणराऊ प्रथमपूजियत नामप्रभाऊ जानआदिकविनामप्रतापू भयउशुद्धकरिउलटाजापू सहसनामसमसुनिशिववानी जपि-जेवीजशिवसंगभवानी हरषेहेतुहेरिहरहीको कियभूषणतियभूषणतीको नामप्रभाउजानशिवनीके काल-कूटफलदीन्हअमीके ॥

दो०। बरषाऋतुरघुपतिभगति तुलसीशालिसुदास रामनामवरवरणयुग आवणभादौंमास ॥

चौ०। आखरमधुरमनोहरदोऊ वरणविलोचनजनजियजोऊ सुमिरतसुलभसुखदसबकाहू लोकलाहु-परलोकनिबाहू कहतसुनतसुमिरतसुठिनीके रामलखनसमप्रियतुलसीके वरणतवरणप्रीतिविलगाती ब्रह्मजीवसमसहजसंघाती नरनारायणसरिससुभ्राता जगपालकविशेषजनत्राता भक्तिसुतियकलकरण-विभूषण जगहितहेतुविमलबिधुपूषण स्वादुतोषसमसुगतिसुधाके कमठशेषसमधरवसुधाके जनमनमंजु-कंजमधुकरसे जीहजसोमतिहरिहलधरसे ॥

दो०। एकछत्रइकमुकुटमणि सबवरणनपरजोउ तुलसीरघुवरनामके वरणविराजतदोउ ॥

चौ०। समुझतसरसनामअरुनामी प्रीतिपरस्परप्रभुअनुगामी नामरूपदोउईशउपाधी अकथअनादिसु-सामुझिसाधी कोवडछोटकहतअपराधू सुनिगुणभेदसमुझिहैंसाधू देखियरूपनामआधीना रूपज्ञान-नहिंनामविहीना रूपविशेषनामविनुजाने करतलगतनपरहिंपहिचाने सुमिरियनामरूपविनुदेखे आवत-हृदयसनेहविशेषे नामरूपगतिअकथकहानी समुझतसुखदनपरतबखानी अगुणसगुणबिचनामसुसाखी उभयप्रबोधकचतुरदुभाखी ॥

दो०। रामनाममणिदीपधरु जीहदेहरीद्वार तुलसीभीतरबाहिरौ जोचाहसिउजियार ॥

चौ०। नामजीहजपिजागहिंयोगी विरतिविचारप्रपंचवियोगी ब्रह्मसुखहिंअनुभवहिंअनूपा अकथअनामय-नामनरूपा जानाचहहिंगूढगतिजेऊ नामजीहजपिजानहिंतेऊ साधकनामजपहिंलयलाये होहिंसिद्ध-अणिमादिकपाये जपहिंनामजनआरतभारी मिटहिंकुसंकटहोहिंसुखारी रामभक्तजगचारिप्रकारा सुकृतीचारिउअनघउदारा चहुंचतुरनकहंनामअधारा ज्ञानीप्रभुहिविशेषपियारा चहुंयुगचहुंश्रुतिनाम-प्रभाऊ कलिविशेषनहिंआनउपाऊ ॥

दो०। सकलकामनाहीनजे रामभक्तिरसलीन नामसुप्रेमपियूषहृद तिनहुंकियेमनमीन ॥

चौ०। अगुणसगुणदोउब्रह्मसरूपा अकथअगाधअनादिअनूपा मोरेमतबडनामदुहूंते कियेजेहियुगनिज-बशनिजबूते प्रौढसुजनजनजानहिंजनकी कहउंप्रतीतिप्रीतिरुचिमनकी एकदारुगतदेखियएकू पावक-युगसमब्रह्मविवेकू उभयअगमयुगसुगमनामतें कहउंनामबडब्रह्मरामतें व्यापकएकब्रह्मअविनाशी

जडचेतनघनआनंदराशी असप्रभुहृदयअछतअविकारी सकलजीवजगदीनदुखारी नामनिरूपण-
नामयतनतें सोउप्रगटतजिमिमोलरतनतें ॥

दो०। निरगुणतइहिभांतिबड नामप्रभावअपार   कहउंनामबडरामतें निजबिचारअनुसार ॥
चौ०। रामभक्तहितनरतनुधारी सहिसंकटकियसाधुसुखारी नामसप्रेमजपतअनयासा भक्तहोहिंमुद-
मंगलवासा रामएकतापसतियतारी नामकोटिखलकुमतिसुधारी ऋषिहितरामसुकेतुसुताकी सहितसेन-
सुतकीन्हविजाकी सहितदोषदुखदासदुरासा दलइनामजिमिरबिनिशिनासा भंजेउरामआपुभवचापू भव-
भयभंजननामप्रतापू दंडकवनप्रभुकीन्हसुहावन जनमनअमितनामकियपावन निश्चरनिकरदलेउरघुनंदन
नामसकलकलिकलुषनिकंदन ॥

दो०। शवरीगीधसुसेवकनि सुगतिदीन्हरघुनाथ   नामउधारेअमितखल वेदविदितगुणगाथ ॥
चौ०। रामसुकंठविभीषणदोऊ राखेशरणजानसबकोऊ नामअनेकगरीवनिवाजे लोकवेदवरविरदविराजे
रामभालुकपिकटकबटोरा सेतुहेतुश्रमकीन्हनथोरा नामलेतभवसिंधुसुखाहीं करहुबिचारसुजनमन-
माहीं रामसकुलरणरावणमारा सीयसहितनिजपुरपगुधारा राजारामअवधरजधानी गावतगुणसुरमुनि-
वरवानी सेवकसुमिरतनामसप्रीती विनुश्रमप्रवलमोहदलजीती फिरतसनेहमगनसुखअपने नामप्रसाद-
सोचनहिंसपने ॥

दो०। ब्रह्मरामतेंनामबड बरदायकबरदानि   रामचरितशतकोटिमह लियेमहेशजियजानि ॥
चौ०। नामप्रसादशंभुअविनाशी साजअमंगलमंगलराशी शुकसनकादिसिद्धमुनियोगी नामप्रसादब्रह्म-
सुखभोगी नारदजानेउनामप्रतापू जगप्रियहरिहरहरिप्रियआपू नामजपतप्रभुकीन्हप्रसादू भक्तशिरो-
मणिभेप्रह्लादू ध्रुवसगलानिजपेउहरिनामू पायेउअचलअनूपमठामू सुमिरिपवनसुतपावननामू अपने-
वशकरिराखेउरामू अपरअजामिलगजगणिकाऊ भएमुक्तहरिनामप्रभाऊ कहउंकहांलगिनामबडाई
रामनसकहिंनामगुणगाई ॥

दो०। रामनामकोकल्पतरु कलिकल्याणनिवास   जोसुमिरतभयेभांगतें तुलसीतुलसीदास ॥
चौ०। चहुंयुगतीनिकालतिहुंलोका भएनामजपिजीवविशोका वेदपुराणसंतमतएहू सकलसुकृतफल-
रामसनेहू ध्यानप्रथमयुगमखयुगदूजे द्वापरपरितोषतप्रभुपूजे कलिकेवलमलमूलमलीना पापपयो-
निधिजनमनमीना नामकामतरुकालकराला सुमिरतशमनसकलजंजाला रामनामकलिअभिमतदाता
हितपरलोकलोकपितुमाता नहिंकलिकर्मनभक्तिविवेकू रामनामअवलंबनएकू कालनेमिकलिकपटनिधानू
नामसुमतिसमरथहनुमानू ॥

दो०। रामनामनरकेसरी कनककशिपुकलिकाल   जापकजनप्रह्लादजिमि पालहिंदलिसुरसाल ॥
चौ०। भायकुभायअनखआलसहूं नामजपतमंगलदिशिदशहूं सुमिरिसोनामरामगुणगाथा करौंनाइ-
रघुनाथहिंमाथा मोरिसुधारहिंसोसबभांती जासुकृपानहिंकृपाअघाती रामसुस्वामिकुसेवकमोसे निज-
दिशिदेखिदयानिधिपोसे लोकहुंवेदसुसाहेबरीति बिनयसुनतपहिचानतप्रीती गनीगरीवग्रामनरनागर
पंडितमढमलीनउजागर सुकविकुकविनिजमतिअनहारी नृपहिसराहतसबनरनारी साधसुजानसुशील-

नृपाला ईशअंशभवपरमकृपाला सुनिसनमानहिंसबहिंसुबानी भणितभक्तिमतिगतिपहिचानी यहप्राकृत-
महिपालसुभाऊ जानिशिरोमणिकोशलराऊ रीझतरामसनेहनिसोते कोजगमंदमलिनमतिमोते ॥

दो०। शठसेवककीप्रीतिरुचि रखिहहिंरामकृपालु उपलकिएजलजानजेहि सचिवसुमतिकपिभालु ।
हौंहुंकहावतसबकहत रामसहतउपहास साहेबसीतानाथसे सेवकतुलसीदास ॥

चौ०। अतिबडिमोरिढिठाईखोरी सुनिअघनरकहुंनाकसकोरी समुझिसहमिमोहिअपडरअपने सोसुधि-
रामकीन्हनहिंसपने सुनिअवलोकिसुचितचखुचाही भक्तिमोरिमतिस्वामिसराही कहतनसाइहोइअति-
नीकी रीझतरामजानिजनजीकी रहतनप्रभुचितचूककियेकी करतसुरतिसैवारहियेकी जेहिअघवधेउ-
व्याधजिमिवाली फिरिसुकंठसोइकीन्हकुचाली सोइकरतूतिविभीषणकेरी सपनेहुसोनरामहियहेरी
तेभरतहिंभेंटतसनमाने राजसभारघुवीरबखाने ॥

दो०। प्रभुतरुतरकपिडारपर तेकियआपुसमान तुलसीकहुंनरामसे साहेबशीलनिधान ॥
रामनिकाईरावरी हैसबहीकोनीक जोयहसांचोहैसदा तौनीकोतुलसीक ॥
इहिंविधिनिजगुणदोषकहि सबहिबहुरिसिरनाइ वरणौंरघवरविशदयश सुनिकलिकलुषनसाइ ॥

चौ०। याज्ञवल्क्यजोकथासुहाई भरद्वाजमुनिवरहिंसुनाई कहिहौंसोइसंवादबखानी सुनहुसकल-
सज्जनसुखमानी शंभुकीन्हयहचरितसुहावा बहुरिकृपाकरिउमहिंसुनावा सोशिवकाकभुसुंडिहिदीन्हा
रामभक्तिअधिकारीचीन्हा तेहिसनयाज्ञवल्क्यपुनिपावा तिन्हपुनिभरद्वाजप्रतिगावा तेश्रोतावकतासमशीला
समदरशीजानहिंहरिलीला जानहिंतीनिकालनिजज्ञाना करतलगतआमलकसमाना औरोजेहरिभक्त-
सुजाना कहहिंसुनहिंसमुझहिंविधिनाना ॥

दो०। मैंपनिनिजगुरुसनसुनी कथासुसूकरखेत समुझनहींतसुबालपन तबअतिरहेउंअचेत ॥
श्रोतावकताज्ञाननिधि कथारामकीगूढ किमिसमुझैयहजीवजड कलिमलग्रसितविमूढ ॥

चौ०। तदपिकहीगुरुवारहिवारा समुझिपरीकछुमतिअनसारा भाषाबंधकरबमैंसोई मोरेमनप्रबोध-
जेहिहोई जसकछुबुधिविवेकबलमोरे तसकहिहौंहियहरिकेप्रेरे निजसंदेहमोहभ्रमहरणी करौंकथा-
भवसरितातरणी बुधविश्रामसकलजनरंजनि रामकथाकलिकलुषविभंजनि रामकथाकलिपन्नगभरणी
पुनिविवेकपावककहंअरणी रामकथाकलिकामदगाई सुजनसजीवनमूरिसुहाई सोइवसुधातलसुधा-
तरंगिनि भवभंजनिभ्रमभेकभुअंगिनि असुरसेनसमनरकनिकंदिनि साधुविबुधकुलहितगिरिनंदिनि संत-
समाजपयोधिरमासी विश्वभारधरअचलछमासी यमगणमुहमसिजगयमुनासी जीवनमुक्तिहेतुजनुकाशी
रामहिप्रियपावनितुलसीसी तुलसीदासहितहियहुलसीसी शिवप्रियमेकलशैलसुतासी सकलसिद्धिप्रद-
संपतिरासी सदगुणसुरगणअंबअदितिसी रघुवरभक्तिप्रेमपरमितिसी ॥

दो०। रामकथामंदाकिनी चित्रकूटचितचारु तुलसीशुभगसनेहवन सियरघुबीरबिहारु ॥

चौ०। रामचरितचिंतामणिचारू संतसुमतितियशुभगसिंगारू जगमंगलगुणग्रामरामके दानिमुक्ति-
धनधर्मधामके सदगुरुज्ञानविरागयोगके विबुधवैद्यभवभीमरोगके जननिजनकसियरामप्रेमके बीज-
सकलव्रतधर्मनेमके शमनपापसंतापशोकके प्रियपालकपरलोकलोकके सचिवसुभटभूपतिबिचारके

कुंभजलोभउदधिअपारके कामक्रोधकलिमलकरिगणके केहरिशावकजनमनवनके अतिथिपूज्यप्रियतम-
पुरारिके कामदघनदारिददवारिके मंत्रमहामणिविषयव्यालके मेटनकठिनकुअंकभालके हरणमोह-
तमदिनकरकरसे सेवकशालिपालजलधरसे अभिमतदानिदेवतरुवरसे सेवतसुलभसुखदहरिहरसे
सुकविशरदनभमनउडुगणसे रामभक्तजनजीवनधनसे सकलसुकृतफलभूरिभोगसे जगहितनिरुपधि-
साधुलोगसे सेवकमनमानसमरालसे पावनगंगतरंगमालसे ॥

दो०। कुपथकुतर्ककुचालिकलि कपटदंभपाषंड दहनरामगुणग्रामइमि इंधनअनलप्रचंड ॥
रामचरितराकेशकर सरिससुखदसबकाहु सज्जनकुमुदचकोरचित हितविशेषबडलाहु ॥

चौ०। कीन्हप्रश्नजेहिभांतिभवानी जेहिविधिशंकरकहाबखानी सोसबहेतुकहबमैंगाई कथाप्रबंधविचित्र-
बनाई जिनयहकथासुनीनहिंहोई जनिआश्चर्य्यकरैंसुनिसोई कथाअलौकिकसुनहिंजेज्ञानी नहिंआश्चर्य्य-
करहिंअसजानी रामकथाकीमितिजगनाहीं असप्रतीतितिनकेमनमाहीं नानाभांतिरामअवतारा रामा-
यणशतकोटिअपारा कल्पभेदहरिचरितसुहाये भांतिअनेकमुनीसनगाये करियनसंशयअसउरआनी
सुनियकथासादररतिमानी ॥

दो०। रामअनंतअनंतगुण अमितकथाविस्तार सुनिआश्चर्य्यनमानिहहिं जिनकेविमलविचार ॥

चौ०। इहिविधिसबसंशयकरिदूरी सिरधरिगुरुपदपंकजधूरी पुनिसबहीविनवौंकरजोरी करतकथा-
जेहिलागनखोरी सादरशिवहिनाइअबमाथा वरणौंविशदरामगुणगाथा संबतसोरहसैइकतीसा करौं-
कथाहरिपदधरिसीसा नौमीभौमवारमधुमासा अवधपुरीयहचरितप्रकासा जेहिदिनरामजन्मश्रुतिगावहिं
तीरथसकलतहांचलिआवहिं असुरनागखगनरमुनिदेवा आयकरहिंरघुनायकसेवा जन्ममहोत्सवरचहिं-
सुजाना करहिंरामकलकीरतिगाना ॥

दो०। मज्जहिंसज्जनबृन्दबहु पावनसरजूनीर जपहिंरामधरिध्यानउर सुंदरश्यामशरीर ॥

चौ०। दरसपरसमज्जनअरुपाना हरैपापकहवेदपुराना नदीपुनीतअमितमहिमाअति कहिनसकैशारदा-
विमलमति रामधामदापुरीसुहावनि लोकसमस्तविदितजगपावनि चारिखानिजगजीवअपारा अवध-
तजेतनुनहिंसंसारा सबविधिपुरीमनोहरजानी सकलसिद्धिप्रदमंगलखानी विमलकथाकरकीन्हअरंभा
सुनतनसाहिंकाममददंभा रामचरितमानसयहनामा सुनतश्रवणपाइयविश्रामा मनकरिविषयअनल-
वनजरहीं होइंसुखीजेइहिंसरपरहीं रामचरितमानसमुनिभावन बिरचेउशंभुसुहावनपावन त्रिविधदोष-
दुखदारिददावन कलिकुचालिकलिकलुषनसावन रचिमहेशनिजमानसराखा पाइसुसमयशिवासन-
भाखा तातेरामचरितमानसवर धरेउनामहियहेरिहरषिहर कहौंकथासोइसुखदसुहाई सादर-
सुनहुसुजनमनलाई ॥

दो०। जसमानसजेहिविधिभयौ जगप्रचारजेहिहेतु अबसोइकहौंप्रसंगसब सुमिरिउमावृषकेतु ॥

चौ०। शंभुप्रसादसुमतिहियहुलसी रामचरितमानसकवितुलसी करउंमनोहरमतिअनुहारी सुजन-
सुचितसुनिलेहुसुधारी सुमतिभूमिथलहृदयअगाधू वेदपुराणउदधिघनसाधू वरषहिंरामसुयशवरवारी
मधुरमनोहरमंगलकारी लीलासगुणजोकहहिंबखानी सोइस्वच्छताकरैमलहानी प्रेमभक्तिजोवरणि-

नजाई सोइमधुरतासुशीतलताई सोजलसुकृतशालिहितहोई रामभक्तजनजीवनसोई मेधामहिगत-
सोजलपावन सिमिटिश्रवणमगुचलेउसुहावन भरेउसुमानसशिथिलथिराना सुखदशीतरुचिचारुचिराना ॥

दो० । सुठिसुंदरसंवादवर बिरचेउबुद्धिविचारि तेइयहिपावनसुभगसर घाटमनोहरचारि ॥

चौ० । सप्तप्रबंधसुभगसोपाना ज्ञाननयननिरखतमनमाना रघुपतिमहिमाअगुणअबाधा बरणवसोइवर-
वारिअगाधा रामसीययशसलिलसुधासम उपमावीचिविलासमनोरम पुरइनिसघनचारुचौपाई युक्तिमंजु-
मणिसीपसुहाई छंदसोरठासुन्दरदोहा सोइबहुरंगकमलकुलसोहा अरथअनूपसुभावसुभासा सोइ-
पगगमकरंदसुबासा सुकृतपुंजमंजुलअलिमाला ज्ञानविरागविचारमराला धुनिअवरेवकवितगुणजाती
मीनमनोहरतेबहुभांती अर्थधर्मकामादिकचारी • कहवज्ञानविज्ञानबिचारी नवरसजपतपयोगबिरागा
तेसबजलचरचारुतडागा सुकृतीसाधुनामगुणगाना तेविचित्रजलबिहंगसमाना संतसभाचहुंदिशिअंवराई
श्रद्धाऋतुवसंतसमगाई भक्तिनिरूपणविविधविधाना क्षमादयाद्रुमलताविताना संयमनियमफूलफलज्ञाना
हरिपदरतिरसवेदबखाना औरौकथाअनेकप्रसंगा तेइशुकपिकबहुवरणविहंगा ॥

दो० । पुलकवाटिकाबागवन सुखसुविहंगविहारु मालीसुमनसनेहजल सींचतलोचनचारु ॥

चौ० । जेगावहिंयहचरितसंभारे तेएहितालचतुररखवारे सदासुनहिंसादरनरनारी तेइसुरवरमानस-
अधिकारी अतिखलजेविषयीबककागा इहिंसरनिकटनजाहिंअभागा शंबुकभेकसिबारसमाना इहांन-
विषयकथारसनाना तेहिकारणआवतहियहारे कामीकाकवलाकबिचारे आवतइहिसरअतिकठिनाई
रामकृपाबिनुआइनजाई कठिनकुसंगकुपंथकराला तिन्हकेबचनव्याघ्रहरिव्याला गृहकारजनानाजंजाला
तेइअतिदुर्गमशैलविशाला वनबहुविषयमोहमदमाना नदीकुतर्कभयंकरनाना ॥

दो० । जेश्रद्धाशंबलरहित नहिंसंतनकरसाथ तिनकहंमानसअगमअति जिनहिंनप्रियरघुनाथ ॥

चौ० । जोकरिकष्टजाइपुनिकोई जातहिनीदजुडाईहोई जडताजाडविषमउरलागा गयहुनमज्जनपाव-
अभागा करिनजायसरमज्जनपाना फिरिआवैसमेतअभिमाना जोबहोरिकोउपूछनआवा सरनिंदाकरि-
ताहिसुनावा सकलविघ्नव्यापहिंनहिंतेही रामकृपाकरिचितवहिंजेही सोइसादरसरमज्जनकरहीं महा-
घोरत्रयतापनजरहीं तेनरयहसरतजहिंनकाऊ जिनकेरामचरितभलभाऊ जोनहाइचहइहिसरभाई
सोसतसंगकरौमनलाई असमानसमानसचखुचाही भइकविबुद्धिविमलअवगाही बढ्योहृदयआनंदउछाहू
उमगेउप्रेमप्रमोदप्रवाहू चलीसुभगकवितासरितासो रामबिमलयशजलभरितासो सरजूनामसुमंगलमूला
लोकवेदमतमंजुलकूला नदीपुनीतसुमानसनंदिनि कलिमलतटतरुमूलनिकंदिनि ॥

दो० । श्रोतात्रिविधसमाजपुर ग्रामनगरदुहुंकूल संतसभाअनुपमअवध सकलसुमंगलमूल ॥

चौ० । रामभक्तिसुरसरितहिजाई मिलीसुकीरतिसरजुसुहाई सानुजरामसमरयशपावन मिलेउमहा-
नदशोणसुहावन युगविचभक्तिदेवधुनिधारा सोहतिसहितसुविरतिविचारा त्रिविधतापत्रासकत्रिमुहानी
रामसरूपसिंधुसमुहानी मानसमूलमिलीसुरसरिहीं सुनतसुजनमनपावनकरहीं विचविचकथाविचित्र-
विभागा जनुसरितीरतीरवनबागा उमामहेशविवाहवराती तेजलचरअगणितबहुभांती रघुवरजन्मअनंद-
बधाई भंवरतरंगमनोहरताई ॥

दो०। बालचरितचहुंबंधुके वनजविपुलबहुरंग नृपरानीपरिजनसुकृत मधुकरवारिविहंग ॥
चौ०। सीयस्वयंवरकथासुहाई सरितसुहावनिसोछविछाई नदीनावपटुप्रश्नअनेका केवटकुशलउतर-
सविवेका पुनिअनुकथनपरस्परहोई पथिकसमाजसोहसरिसोई घोरधारभृगुनाथरिसानी घाटसुबंध-
रामबरबानी सानुजरामविवाहउछाहू सोशुभउमगसुखदसबकाहू कहतसुनतहरषहिंपुलकाहीं तेसु-
कृतीजनमुदितनहाहीं रामतिलकहितमंगलसाजा पर्वयोगजनुजुरेउसमाजा काईकुमतिकैकयीकेरी
परीजासुफलविपतिघनेरी ॥

दो०। शमनअमितउतपातसब भरतचरितजपयाग कलिअघखलअवगुणकथन तेजलमलबककाग ॥
चौ०। कीरतिसरितछहूंऋतुरूरी समयसुहावनिपावनिभूरी हिमहिमशैलसुताशिवव्याहू शिशिरसुखद-
प्रभुजन्मउछाहू वरनवरामविवाहसमाजू सोमुदमंगलमयऋतुराजू ग्रीषमदुसहरामवनगमनू पंथकथा-
खरआतपपवनू वर्षाघोरनिशाचररारी सुरकुलशालिसुमंगलकारी रामराजसुखविनयबडाई विशद-
सुखदसोइशरदसुहाई सतीशिरोमणिसियगुणगाथा सोइगुणअमलअनूपमपाथा भरतसुभाउसुशीतल-
ताई सदाएकरसवरणिनजाई ॥

दो०। अवलोकनिबोलनिमिलनि प्रीतिपरस्परहास भायपभलिचहुंबंधुकी जलमाधुरीसुबास ॥
चौ०। आरतिविनयदीनतामोरी लघुताललितसुवारिनखोरी अद्भुतसलिलसुनतगुणकारी आशपियास-
मनोमलहारी रामसुप्रेमहिंपोषतपानी हरतसकलकलिकलुषगलानी भवश्रमशोषकतोषकतोषा शमन-
दुरितदुखदारिददोषा कामक्रोहमदमोहनसावन विमलविवेकविरागबढावन सादरमज्जनपानकियेतें
मिटहिंपापपरितापहियेतें जिनयहिबारिनमानसधोये तेकायरकलिकालविगोये तृषितनिरखिरविकर-
भववारी फिरहिंमृगाजिमिजीवदुखारी ॥

दो०। मतिअनुहारिसुबारिबर गुणगणमनअन्हवाइ सुमिरिभवानीशंकरहिं कहकविकथासुहाइ ॥
भरद्वाजजिमिप्रश्नकिय याज्ञवल्क्यमुनिपाय प्रथममुख्यसंवादसोइ कहिहोंहेतुबुझाय ॥
अवरघुपतिपदपंकरुह हियधरिपायप्रसाद कहौंयुगलमुनिवर्यकर मिलनसुभगसंवाद ॥
चौ०। भरद्वाजमुनिबसहिंप्रयागा जिनहिंरामपदअतिअनुरागा तापसशमदमदयानिधाना परमारथ-
पथपरमसुजाना माघमकरगतरविजबहोई तीरथपतिहिंआवसबकोई देवदनुजकिन्नरनरश्रेणी सादर-
मज्जहिंसकलत्रिवेणी पूजहिंमाधवपदजलजाता परसिअक्षयबटहर्षितगाता भरद्वाजआश्रमअतिपावन
परमरम्यमुनिवरमनभावन तहांहोइमुनिऋषयसमाजा जाहिंजेमज्जनतीरथराजा मज्जहिंप्रातसमेतउछाहा
कहहिंपरस्परहरिगुणगाहा ॥

दो०। ब्रह्मनिरूपणधर्मविधि बरनहिंतत्त्वविभाग कहहिंभक्तिभगवंतकी संयुतज्ञानविराग ॥
चौ०। इहिंप्रकारभरिमकरनहाहीं पुनिसबनिजनिजआश्रमजाहीं प्रतिसंबतअसहोइअनन्दा मकरमज्जिगवन-
हिंमुनिवृन्दा एकबारभरिमकरनहाये सबमुनीशआश्रमनिसिधाये याज्ञवल्क्यमुनिपरमविवेकी भरद्वाजराखे-
उपदटेकी सादरचरणसरोजपखारे अतिपुनीतआसनबैठारे करिपूजामुनिसुयशबखानी बोलेअतिपुनीतमृदु-
वानी नाथएकसंशयबडमोरे करतलवेदतत्त्वसबतोरे कहतमोहिलागतभयलाजा जोनकहौंबडहोइअकाजा ॥

दो०। संतकहहिंअसनीतिप्रभु श्रुतिपुराणमुनिगाव होइनविमलविवेकउर गुरुसनकियेदुराव॥

चौ०। असबिचारिप्रगटौंनिजमोहू हरहुनाथकरिजनपरछोहू रामनामकरअमितप्रभावा संतपुराणउपनिषद्गावा संततजपतशंभुअविनाशी शिवभगवानज्ञानगुणराशी आकरचारिजीवजगअहहीं काशीमरतपरमपदलहहीं सोपिराममहिमामुनिराया शिवउपदेशकरतकरिदाया रामकवनप्रभुपूछौंतोहीं कहहुबुझाइकृपानिधिमोहीं एकरामअवधेशकुमारा तिनकरचरितविदितसंसारा नारीबिरहदुखलहेउअपारा भएउरोषरणरावणमारा॥

दो०। प्रभुसोइरामकिअपरकोउ जाहिजपतत्रिपुरारि सत्यधामसर्वज्ञतुम कहहुविवेकबिचारि॥

चौ०। जैसेंमिटैमोरभ्रमभारी कहहुसोकथानाथविस्तारी याज्ञवल्क्यबोलेमुसुकाई तुमहिंविदितरघुपतिप्रभुताई रामभक्ततुममनक्रमवानी चतुराईतुम्हारिमैंजानी चाहहुसुनैरामगुणगूढा कीन्हेउप्रश्नमनहुंअतिमूढा तातसुनहुसादरमनलाई कहउंरामकीकथासुहाई महामोहमहिषेशविशाला रामकथाकालिकाकराला रामकथाशशिकिरणसमाना संतचकोरकरहिंतेहिपाना ऐसेइसंशयकीन्हभवानी महादेवतबकहाबखानी॥

दो०। कहौंसोमतिअनुहारिअब उमाशंभुसंवाद भयउसमयजेहिहेतुजेहिं सुनिमुनिमिटहिंविषाद॥

चौ०। एकवारत्रेतायुगमाहीं शंभुगयेकुंभजऋषिपाहीं संगसतीजगजननिभवानी पूजेऋषिअखिलेश्वरजानी रामकथामुनिवर्यबखानी सुनीमहेशपरमसुखमानी ऋषिपूछाहरिभक्तिसुहाई कहीशंभुअधिकारीपाई कहतसुनतरघुपतिगुणगाथा कछुदिनतहांरहेगिरिनाथा मुनिसनबिदामांगित्रिपुरारी चलेभवनसंगदक्षकुमारी तेहिअवसरभंजनमहिभारा हरिरघुवंशलीन्हअवतारा पिताबचनतजिराजउदासी दंडकवनबिचरतअविनाशी॥

दो०। हृदयविचारतजातहर केहिविधिदरशनहोइ गुप्तरूपअवतरेउप्रभु गयेजानसबकोइ॥

सो०। शंकरउरअतिक्षोभ सतीनजानहिंमर्मसोइ तुलसीदरशनलोभ मनडरलोचनलालची॥

चौ०। रावणमरणमनुजकरराचा प्रभुविधिबचनकीनचहसांचा जौनहिंजाउंरहैपछतावा करतविचारनबनतबनावा इहिविधिभयेशोचवशईशा ताहीसमयजाइदशसीसा लीन्हनीचमारीचहिसंगा भयउतुरतसोइकपटकुरंगा करिछलमूढहरीबैदेही प्रभुप्रतापउरविदितनतेही मृगवधिबंधुसहितहरिआये आश्रमदेखिनयनजलछाये बिरहविकलनरइवरघुराई खोजतविपिनिफिरतदोउभाई कबहुंयोगवियोगनजाके देखाप्रगटबिरहदुखताके॥

दो०। अतिविचित्ररघुपतिचरित जानहिंपरमसुजान जेमतिमंदविमोहबश हृदयधरहिंकछुआन॥

चौ०। शंभुसमयतेहिरामहिंदेखा उपजाहियअतिहर्षविशेषा भरिलोचनछबिसिंधुनिहारी कुसमयजानिनकीन्हचिन्हारी जयसच्चिदानंदजगपावन असकहिचलेउमनोजनशावन चलेजातशिवसतीसमेता पुनिपुनिपुलकितकृपानिकेता सतीसोदशाशंभुकीदेखी उरउपजासंदेहविशेषी शंकरजगतबंद्यजगदीशा सुरनरमुनिसबनावतसीसा तिननृपसुतहिकीन्हपरनामा कहिसच्चिदानंदपरधामा भयेमगनछबितासुविलोकी अजहुंप्रीतिउररहतिनरोकी॥

दो०। ब्रह्मजोव्यापकबिरजअज अकलअनीहअभेद सोकिदेहधरिहोइनर जाहिनजानतबेद॥

चौ०। बिष्णुजोसुरहितनरतनुधारी सोउसर्बज्ञयथात्रिपुरारी खोजतसोकिअज्ञइवनारी ज्ञानधाम-श्रीपतिअसुरारी शंभुगिरापुनिमृषानहोई शिवसर्बज्ञजानसबकोई अससंशयमनभयउअपारा होइन-हृदयप्रबोधप्रचारा यद्यपिप्रगटनकहेउभवानी हरअंतरजामीसबजानी सुनहुसतीतवनारिसुभाऊ संशय-असनधरियउरकाऊ जासुकथाकुम्भजऋषिगाई भक्तिजासुमैंमुनिहिंसुनाई सोइममइष्टदेवरघुबीरा सेवतजाहिसदामुनिधीरा॥

छं०। मुनिधीरयोगीसिद्धसंततबिमलमनजेहिध्यावहीं कहिनेतिनिगमपुराणआगमजासुकीरतिगावहीं॥
सोइरामव्यापकब्रह्मभुवननिकायपतिमायाधनी अवतरेउअपनेभक्तहितनिजतंत्रनितरघुकुलमनी॥

सो०। लागनउरउपदेश यदपिकहेउशिवबारबहु बोलेबिहसिमहेश हरिमायाबलजानिजिय॥

चौ०। जोतुम्हरेमनअतिसंदेहू तोकिनजाइपरीक्षालेहू तबलगिबैठिरहौंबटछाहीं जबलगितुमऐहहु-मोहिपाहीं जैसेंजाइमोहभ्रमभारी करहुसोयतनबिबेकबिचारी चलीसतीशिवआयसुपाई करहिंबिचार-करौंकामाई उहांशंभुअसमनअनुमाना दक्षसुताकहंनहिंकल्याना मोरेहुकहेनसंशयजाहीं बिधिबिप-रीतभलाईनाहीं होइहिसोइजोरामरचिराखा कोकरितर्कबढावइशाखा असकहिलगेजपनहरिनामा गयीसतीजहंप्रभुसुखधामा॥

दो०। पुनिपुनिहृदयबिचारकरि धरिसीताकररूप आगेहोइचलीपंथतेहि जेहिआवतसुरभूप॥

चौ०। लक्ष्मणदीखउमाकृतबेषा चकितहृदयभ्रमभयउबिशेषा कहिनसकतकछुअतिगंभीरा प्रभु-प्रभावजानतमतिधीरा सतीकपटजानेउसुरस्वामी समदरसीसबअन्तरजामी सुमिरतजाहिमिटैअज्ञाना सोइसर्बज्ञरामभगवाना सतीकीन्हचहतहउंदुराऊ देखहुनारिसुभावप्रभाऊ निजमायाबलहृदयबखानी बोलेबिहसिराममृदुबानी जोरिपाणिप्रभुकीन्हप्रणामू पितासमेतलीन्हनिजनामू कहेउबहोरिकहांबृषकेतू बिपिनिअकेलिफिरहुकेहिहेतू॥

दो०। रामबचनमृदुगूढसुनि उपजाअतिसंकोच सतीसभीतमहेशपहं चलीहृदयबडसोच॥

चौ०। मैंशंकरकरकहानमाना निजअज्ञानरामपहंआना जाइउतरअबदेहौंकाहा उरउपजाअति-दारुणदाहा जानारामसतीदुखपावा निजप्रभावकछुप्रगटिजनावा सतीदीखकौतुकमगजाता आगे-रामसहितसियभ्राता फिरिचितवापाछेंप्रभुदेषा सहितबंधुसियसुंदरबेषा जहिंचितवतितहंप्रभुआसीना सेवहिंसिद्धमुनीशप्रबीना देखेशिवबिधिबिष्णुअनेका अमितप्रभावएकतेएका बंदतचरणकरतप्रभुसेवा बिबिधबेषदेखेसबदेवा॥

दो०। सतीबिधात्रीइंदिरा देखीअमितअनूप जेहिजेहिबेषअजादिसुर तेहितेहितनुअनुरूप॥

चौ०। देखेजहंतहंरघुपतिजेते शक्तिनसहितसकलसुरतेते जीवचराचरजेसंसारा देखेसकलअनेकप्रकारा पूजहिंप्रभुहिंदेवबहुबेषा रामरूपदूसरनहिंदेषा अवलोकेरघुपतिबहुतेरे सीतासहितसुबेषघनेरे सोइरघु-बरसोइलक्ष्मणसीता देखिसतीअतिभयीसभीता हृदयकंपतनुसुधिकछुनाहीं नयनमूंदिबैठीमगुमाहीं बहु-रिबिलोकेउनयनउघारी कछुनदीखतहंदक्षकुमारी पुनिपुनिनाइरामपदसीसा चलीतहांजहंरहेगिरीशा॥

दो०। गयीसमीपमहेशतब हंसिपूछीकुशलात कीन्हपरीक्षाकवनविधि कहहुसत्यसबबात ॥
चौ०। सतीसमुझिरघुवीरप्रभाऊ भयवशशिवसनकीन्हदुराऊ कछुनपरीक्षालीन्हगोसाईं कीन्हप्रणाम-
तुम्हारिहिनाईं जोतुमकहासोमृषानहोई मोरेमनप्रतीतिअसिसोई तवशंकरदेखेउधरिध्याना सतीजो-
कीन्हचरितसबजाना बहुरिराममायहिंसिरनावा प्रेरिसतिहिजेहिंझूठकहावा हरिइच्छाभावीबलवाना
हृदयबिचारतशंभुसुजाना सतीकीन्हसीताकरबेषा शिवउरभयउविषादविशेषा जोअबकरौंसतीसनप्रीती
मिटैभक्तिपथहोइअनीती ॥

दो०। परमप्रेमनहिंजाइतजि कियेप्रेमबडपाप प्रगटनकहतमहेशकछु हृदयअधिकसंताप ॥
चौ०। तबहिंशंभुप्रभुपदसिरनावा सुमिरतरामहृदयअसिआवा इहितनुसतिहिभेटमोहिनाहीं शिव-
संकल्पकीन्हमनमाहीं असबिचारिशंकरमतिधीरा चलेभवनसुमिरतरघुबीरा चलतगगनभइगिरासुहाई
जयमहेशभलिभक्तिदृढाई असप्रणतुमबिनुकरैकोआना रामभक्तसमरथभगवाना सुनिनभगिरासतीउर-
सोचू पूछाशिवहिंसमेतसकोचू कीन्हकवनप्रणकहहुकृपाला सत्यधामप्रभुदीनदयाला यदपिसतीपूछा-
बहुभांती तदपिनकहेउत्रिपुरआराती ॥

दो०। सतीहृदयअनुमानकिय सबजानासर्बज्ञ कीन्हकपटमैंशंभुसन नारिसहजजडअज्ञ ॥

सो०। जलपयसरिसबिकाइ देखहुप्रीतिकिरीतिभलि बिलगहोइरसजाइ कपटखटाईपरतही ॥
चौ०। हृदयसोचसमुझतनिजकरणी चिंताअमितजाइनहिंबरणी कृपासिंधुशिवपरमअगाधा प्रगटन-
कहेउमोरअपराधा शंकररुखअवलोकिभवानी प्रभुमोहितजेउहृदयअकुलानी निजअघसमुझिनकछु-
कहिजाई तपैअवाइवउरअधिकाई सतिहिससोचजानिबृषकेतू कहेउकथासुंदरसुखहेतू बरणतपंथ-
बिबिधइतिहासा बिश्वनाथपहुंचेकैलासा तहंपुनिशंभुसमुझिप्रणआपन बैठेबटतरकरिकमलासन शंकर-
सहजसरूपसंभारा लागिसमाधिअखंडअपारा ॥

दो०। सतीबसहिंकैलाशतब अधिकसोचमनमाहिं मर्मनकोऊजानकछु युगसमदिवससिराहिं ॥
चौ०। नितनवसोचसतीउरभारा कबजैहौंदुखसागरपारा मैंजोकीन्हरघुपतिअपमाना पुनिपतिबचन-
मृषाकरिजाना सोफलमोहिविधातादीन्हा जोकछुउचितरहासोकीन्हा अबविधिअसबूझियनहिंतोही
शंकरबिमुखजिआवहुमोही कहिनजाइकछुहृदयगलानी मनमहंरामहिंसुमिरिसयानी जोप्रभुदीन-
दयालुकहावा आरतिहरणवेदयशगावा तौमैंबिनयकरौंकरजोरी छूटैवेगिदेहअबमोरी जोमोरे-
शिवचरणसनेहू मनक्रमबचनसत्यब्रतयेहू ॥

दो०। तौसमदर्शीसुनियप्रभु करौसोवेगिउपाइ होइमरणजेहिबिनहिंश्रम दुसहविपत्तिबिहाइ ॥
चौ०। इहिबिधिदुखितप्रजेशकुमारी अकथनीयदारुणदुखभारी बीतेसंवतसहसस्ताशी तजीसमाधिशंभु-
अबिनाशी रामनामशिवसुमिरणलागे जानेउसतीजगतपतिजागे जाइशंभुपदबंदनकीन्हा सनमुख-
शंकरआसनदीन्हा लगेकहनहरिकथारसाला दक्षप्रजेशभयेतेहिकाला देखाविधिबिचारिसबलायक
दक्षहिकीन्हप्रजापतिनायक बडअधिकारदक्षजबपावा अतिअभिमानहृदयतबआवा नहिंकोउअसजन-
मेउजगमाहीं प्रभुतापाइजाहिमदनाहीं ॥

दो० । दच्छलियेमुनिबोलिसब करनलगेबडयाग   नेवतेसादरसकलसुर जेपावतमखभाग ॥
चौ० । किन्नरनागसिद्धगंधर्वा बधुनसमेतचलेसुरसर्वा बिष्णुबिरंचिमहेशबिहाई चलेसकलसुरयानबनाई
सतीबिलोकेगगनबिमाना जातचलेसुंदरबिधिनाना सुरसुंदरीकरहिंकलगाना सुनतश्रवणछूटहिंमुनि-
ध्याना पूछेउतबशिवकहेउबखानी पितायज्ञसुनिकछुहरषानी जोमहेशमोहिआयसुदेहीं कछुदिनजाय-
रहौंमिसएहीं पतिपरित्यागहृदयदुखभारी कहैनिजअपराधबिचारी बोलीसतीमनोहरबानी भय-
संकोचप्रेमरससानी ॥
दो० । पिताभवनउत्सवपरम जोप्रभुआयसुहोइ   तौमैंजाउंकृपायतन सादरदेखनसोइ ॥
चौ० । कहेउनीकमोरेमनभावा यहअनुचितनहिंनेवतपठावा दच्छसकलनिजसुताबुलाईं हमरेवयरतुमहुं-
बिसराई ब्रह्मसभाहमसनदुखमाना तेहितेंअजहुंकरहिंअपमाना जोबिनुबोलेजाहुभवानी रहैनशील-
सनेहनकानी यदपिमित्रप्रभुपितुगुरुगेहा जाइयबिनुबोलेहुनसंदेहा तदपिबिरोधमानजहंकोई तहां-
गयेकल्याणनहोई भांतिअनेकशंभुसमुझावा भावीबशनज्ञानउरआवा कहप्रभुजाहुजोबिनहिंबुलायें
नहिंभलिबातहमारेभायें ॥
दो० । कहिदेखाहरयतनबहु रहैनदच्छकुमारि   दियेमुख्यगणसंगतब बिदाकियेत्रिपुरारि ॥
चौ० । पिताभवनजबगयीभवानी दच्छत्रासकाहुनसनमानी सादरभलेहिमिलीइकमाता भगिनीमिलीं-
बहुतमुसुकाता दच्छनकछुपूछीकुशलाता सतिहिबिलोकिजरेसबगाता सतीजाइदेखेउतबयागा कतहुं-
नदीखशंभुकरभागा तबचितचढेउजोशंकरकहेऊ प्रभुअपमानसमुझिउरदहेऊ पाछिलदुखनहृदय-
असव्यापा जसयहभयउमहापरितापा यद्यपिजगदारुणदुखनाना सबतेकठिनजातिअपमाना समुझि-
सोचतिहिंभौअतिक्रोधा बहुबिधिजननीकीन्हप्रबोधा ॥
दो० । शिवअपमाननजाइसहि हृदयनहोतप्रबोध   सकलसभहिहठिहटकितब बोलीबचनसक्रोध ॥
चौ० । सुनहुसभासदसकलमुनिंदा कहीसुनीजिन्हशंकरनिंदा सोफलतुरतलहबसबकाहू भलीभांति-
पछितावपिताहू संतशंभुश्रीपतिअपबादा सुनियजहांतहंअसिमर्य्यादा काटियतासुजीभजुबसाई श्रवण-
मूंदिनहिंचलियपराई जगदातमामहेशपुरारी जगतजनकसबकेहितकारी पितामंदमतिनिंदततेही
दच्छशुक्रसंभवयहदेही तजिहौंतुरतदेहतेहिहेतू उरधरिचंद्रमौलिबृषकेतू असकहियोगअगिनितनुजारा
भयउसकलमखहाहाकारा ॥
दो० । सतीमरणसुनिशंभुगण लगेकरनमखखीस   यज्ञविध्वंसबिलोकिभृगु रक्षाकीन्हमुनीश ॥
चौ० । समाचारजबशंकरपाये बीरभद्रकरिकोपपठाये यज्ञविध्वंसजाइतिन्हकीन्हा सकलसुरन्हबिधि-
वतफलदीन्हा भइजगविदितदच्छगतिसोई जसकछुशंभुबिमुखकीहोई यहइतिहाससकलजगजाना
तातेमैंसंछेपबखाना सतीमरतहरिसनवरमागा जन्मजन्मशिवपदअनुरागा तेहिकारणहिमगिरिगृहजाई
जनमीपारवतीतनुपाई जबतेंउमाशैलगृहआई सकलसिद्धिसंपतितहंछाई जहंतहंमुनिनसुआश्रमकीन्हे
उचितवासहिमभूधरदीन्हे ॥
दो० । सदासुमनफलसहितसब द्रुमनवनानाजाति   प्रगटीसुंदरशैलपर मणिआकरबहुभांति ॥

चौ०। सरितासबपुनीतजलबहहीं खगमृगमधुपसुखीसबरहहीं सहजबयरसबजीवनत्यागा गिरिपरसकल-
करहिंअनुरागा सोहशैलगिरिजागृहआयें जिमिनररामभक्तिकेपायें नितनूतनमंगलगृहताह्व ब्रह्मा-
दिकगावहिंयशजाह्व नारदसमाचारसबपाये कौतुकहिमगिरिगेहसिधाये शैलराजबडआदरकीन्हा
पदपखारिवरआसनदीन्हा नारिसहितमुनिपदसिरनावा चरणसलिलसबभवनसिंचावा निजसौभाग्य-
बहुतगिरिबरणा सुताबोलिमेलीमुनिचरणा॥

दो०। त्रिकालज्ञसर्वज्ञतुम गतिसर्वत्रतुह्मारि कहहुसुताकेदोषगुण मुनिवरहृदयबिचारि॥

चौ०। कहमुनिबिहसिगूढमृदुबानी सुतातुम्हारिसकलगुणखानी सुंदरिसहजसुशीलसयानी नाम-
उमाअंबिकाभवानी सबलक्षणसंपन्नकुमारी होइहिसंततपियहिपियारी सदाअचलएहिकरअहिवाता
इहितेंयशपैहहिंपितुमाता होइहिपूज्यसकलजगमाहीं इहिसेवतकछुदुर्लभनाहीं इहिकरनामसुमिरि-
संसारा तियचढिहहिंपतिब्रतअसिधारा शैलसुलक्षणिसुतातुम्हारी सुनहुजेअबअवगुणदुइचारी अगुण-
अमानमातुपितुहीना उदासीनसबसंशयछीना॥

दो०। योगीजटिलअकामतन नगनअमंगलभेष अस्स्वामीइहिंकहंमिलिहि परीहस्तअसिरेख॥

चौ०। सुनिमुनिगिरासत्यजियजानी दुखदंपतिहिउमाहरषानी नारदहूंयहभेदनजाना दशाएक-
समुझतबिलगाना सकलसखीगिरिजागिरिमयना पुलकशरीरभरेजलनयना होइनमृषादेवऋषिभाखा
उमासोबचनहृदयधरिराखा उपजेउशिवपदकमलसनेहू मिलनकठिनमनयहसंदेहू जानिकुअवसर-
प्रीतिदुराई सखीउछंगबैठिपुनिजाई झूठनहोइदेवऋषिबानी सोचहिंदंपतिसखीसयानी उरधरिधीर-
कहैंगिरिराऊ कहहुनाथकाकरियउपाऊ॥

दो०। कहमुनीशहिमवंतसुनु जोबिधिलिखालिलार देवदनुजनरनागमुनि कोउनमेटनिहार॥

चौ०। तदपिएकमैंकहौंउपाई होइकरैजोदैवसहाई जसबरमैंबरणेउंतुमपाहीं मिलिहिउमहिंकछु-
संशयनाहीं जेजेबरकेदोषबखाने तेसबशिवपहंमैंअनुमाने जोबिबाहशंकरसनहोई दोषौगुणसमकह-
सबकोई जोअहिसेजशयनहरिकरहीं बुधकछुतिनकहंदोषनधरहीं भानुकृशानुसर्बरसखाहीं तिनकहं-
मंदकहतकोउनाहीं शुभअरुअशुभसलिलसबबहहीं सुरसरिकोउनअपावनकहहीं समरथकहंनहिं-
दोषगुसाईं रविपावकसुरसरिकीनाईं॥

दो०। जोअसईर्षाकरहिंनर जडविवेकअभिमान परहिंकल्पभरिनर्कमहिं जीवकिईशसमान॥

चौ०। सुरसरिजलकृतबारुणिजाना कबहुनसंतकरहिंतिहिपाना सुरसरिमिलैसुपावनजैसे ईशअनीशहि-
अंतरतैसे शंभुसहजसमरथभगवाना इहिंबिबाहसबबिधिकल्याना दुराराध्यपैअहहिंमहेशू आशुतोष-
पुनिकियेकलेशू जोतपकरैकुमारितुम्हारी भाविउमेटिसकैंत्रिपुरारी यद्यपिबरअनेकजगमाहीं इहिंकहं-
शिवतजिदूसरनाहीं वरदायकप्रणतारतिभंजन कृपासिंधुसेवकमनरंजन इच्छितफलबिनुशिवआराधें
लहइनकोटियोगजपसाधें॥

दो०। असकहिनारदसुमिरिहरि गिरिजहिदीन्हअसीस होइहियहिकल्याणअब संशयतजहुगिरीश॥

चौ०। कहिअसब्रह्मभवनमुनिगयेऊ आगिलचरितसुनहुजसभयेऊ पतिहिइकांतपायकहमयना नाथन-

मैंसमुझेउंमुनिबयना जोघरबरकुलहोइअनूपा करियबिबाहसुताअनुरूपा नतुकन्याबररहौकुमारी कंत-
उमाममप्राणपियारी जोनमिलिहिबरगिरिजहिंयोगू गिरिजडसहजकहहिंसबलोगू सोबिचारिपति-
करहुबिबाहू जेहिनबहोरिहोइउरदाहू असकहिपरोचरणधरिसीसा बोलेसहितसनेहगिरीशा बरु-
पावकप्रगटैशशिमांहीं नारदवचनअन्यथानाहीं ॥

दो०। प्रियासोचपरिहरहुसब सुमिरहुश्रीभगवान पारवतीजिननिर्मयउ सोइकरिहहिंकल्याण ॥

चौ०। अबजोतुमहिंसुतापरनेहू तोअसजाइसिखावनदेहू करैसोतपजेहिमिलहिंमहेशू आनउपाय-
नमिटिहिकलेशू नारदवचनसगर्भसहेतू सुंदरसबगुणनिधिबृषकेतू असबिचारितुमतजिसबशंका
सबहिभांतिशंकरअकलंका सुनिपतिबचनहर्षमनमाहीं गयोतुरतउठिगिरिजापाहीं उमहिंबिलोकिनयन-
भरिवारी सहितसनेहगोदबैठारी बारहिबारलेतिउरलाई गदगदकंठनकछुकहिजाई जगतमातु-
सर्बज्ञभवानी मातुसुखदबोलीमृदुबानी ॥

दो०। सुनहुमातुमैंदीखअस सपनसुनाऊंतोहि सुंदरगौरसुविप्रवर असउपदेशेउमोहि ॥

चौ०। करहुजाइतपशैलकुमारी नारदकहासोसत्यबिचारी मातुपितहिपुनियहमतभावा तपसुखप्रद-
दुखदोषनसावा तपबलरचैप्रपंचबिधाता तपबलबिष्णुसकलजगत्राता तपबलशंभुकरहिंसंहारा तपबल-
शेषधरहिंमहिभारा तपअधारसबसृष्टिभवानी करहुजाइतपअसजियजानी सुनतबचनबिस्मितमहतारी
सपनसुनायेउगिरिहिहंकारी मातुपितहिबहुबिधिसमुझाई चलीउमातपहितहरषाई प्रियपरिवारपिता-
अरुमाता भयेबिकलमुखआवनबाता ॥

दो०। बेदगिरामुनिआइतब सबहिंकहासमुझाइ पारवतीमहिमासुनत रहेप्रबोधहिपाइ ॥

चौ०। उरधरिउमाप्राणपतिचरणा जाइबिपिनिलागीतपकरणा अतिसुकुमारिननतनुतपयोगू पतिपद-
सुमिरितजेउसबभोगू नितनवचरणउपजअनुरागा बिसरीदेहतपहिमनलागा संबतसहसमूलफलखाये
शाकखाइशतबर्षगंवाये कछुदिनभोजनवारिबतासा कियेकठिनकछुदिनउपबासा बेलपातमहिपरेसुखाई
तीनिसहससंबतसोखाई पुनिपरिहरेउसुखानेउपर्णा उमानामितबभयउअपर्णा देखिउमहितपक्षीणशरीरा
ब्रह्मगिराभयीगगनगंभीरा ॥

दो०। भयउमनोरथसुफलतव सुनुगिरिराजकुमारि परिहरुदुसहकलेससब अबमिलिहहिंत्रिपुरारि ॥

चौ०। असतपकाहुनकीन्हभवानी भयेअनेकधीरमुनिज्ञानी अबउरधरहुब्रह्मबरबानी सत्यसदासंतत-
शुचिजानी आवैपिताबुलावनजबहीं हठपरिहरिघरजायहुतबहीं मिलहिंतुमहिंजबसप्तऋषीशा जानेहु-
तबप्रमाणवागीशा सुनतगिराबिधिगगनबखानी पुलकगातगिरिजाहरषानी उमाचरितमैंसुंदरगावा
सुनहुशंभुकरचरितसुहावा जबतेंसतीजाइतनुत्यागा तबतेंशिवमनभयेउबिरागा जपहिंसदारघुनायक-
नामा जहतहंसुनहिंरामगुणग्रामा ॥

दो०। चिदानंदसुखधामशिव बिगतमोहमदकाम बिचरहिंमहिधरिहृदयहरि सकललोकअभिराम ॥

चौ०। कतहुंमुनिनउपदेशहिंज्ञाना कतहुंरामगुणकरहिंबखाना यदपिअकामतदपिभगवाना भक्त-
बिरहदुखदुखितसुजाना इहिबिधिगयेउकालबहुबीती नितनवहोइरामपदप्रीती नेमप्रेमशंकरकरदेखा

अविचलहृदयभक्तिकीरेखा प्रगटेरामकृतज्ञकृपाला रूपशीलनिधितेजबिशाला बहुप्रकारशंकरहिसराहा तुमबिनुअसब्रतकोनिरबाहा बहुबिधिरामशिवहिसमुझावा पारवतीकरजन्मसुनावा अतिपुनीतगिरिजा-कीकरणी बिस्तरसहितकृपानिधिबरणी ॥

दो०। अबबिनतीममसुनहुशिव जोमोपरनिजनेहु जाइबिबाहहुशैलजहि यहमोहिमांगेदेहु ॥

चौ०। कहशिवयदपिउचितअसनाहीं नाथबचनपुनिमेटिनजाहीं सिरधरिआयसुकरियतुम्हारा परम-धरमयहनाथहमारा मातुपितागुरुप्रभुकीबानी बिनहिबिचारकरियशुभजानी तुमसबभांतिपरमहितकारी आज्ञासिरपरनाथतुम्हारी प्रभुतोषेउसुनिशंकरबचना भक्तिबिबेकधर्मयुतरचना कहप्रभुहरतुम्हारप्रण-रहेऊ अबउररांखेहुजोहमकहेऊ अंतर्ध्यानभयेअसभाखी शंकरसोइमूरतिउरराखी तबहिंसप्तऋषि-शिवपहंआये बोलेप्रभुअसबचनसुहाये ॥

दो०। पारवतीपहंजाइतुम प्रेमपरीक्षालेहु गिरिहिप्रेरिपठयेहुभवन दूरिकरेहुसंदेहु ॥

चौ०। ऋषिनगौरिदेखीतहंकैसी मूरतिवंततपस्याजैसी बोलेमुनिसुनुशैलकुमारी करहुकवनकारणतप-भारी केहिआराधहुकातुमचहहू हमसनसत्यमर्मसबकहहू सुनतऋषिनकेबचनभवानी बोलीगूढमनो-हरबानी कहतमर्ममनअतिसकुचाई हंसिहहुसुनिहमारिजडताई मनहठपरानसुनैशिखावा चहतबारि-परभीतिउठावा नारदकहासत्यसोइजाना बिनुपंखनहमचहहिंउडाना देखियमुनिअबिबेकहमारा चाहतपतिशंकरअबिकारा ॥

दो०। सुनतबचनबिहसेऋषय गिरिसंभवतवदेह नारदकरउपदेशसुनि कहहुबसेकोगेह ॥

चौ०। दक्षसुतन्हउपदेशिनजाई तिनफिरिभवननदेखेआई चित्रकेतुकरघरउनघाला कनककशिपु-करपुनिअसहाला नारदशिखजुसुनहिंनरनारी अवशिभवनतजिहोहिंभिखारी मनकपटीतनसज्जनचीन्हा आपसरिससबहीचहंकीन्हा तेहिकेबचनमानिविश्वासा तुमचाहहुपतिसहजउदासा निर्गुणनिलजकुबेष-कपाली अकुलअगेहदिगंबरब्याली कहहुकवनसुखअसबरपाये भलभूलिहुठगकेबौराये पंचकहेंशिव-सतीबिवाही पुनिअवडेरिमराइनिताही ॥

दो०। अबसुखसोवतसोचनहिं भीखमांगिभवखांहिं सहजएकाकिनकेभवन कबहुंकिनारिखटांहिं ॥

चौ०। अजहूंमानहुकहाहमारा हमतुमकहंबरनीकबिचारा अतिसुंदरशुचिसुखदसुशीला गावहिंवेद-जासुयशलीला दूषणरहितसकलगुणरासी श्रीपतिपुरबैकुंठनिवासी असबरतुमहिंमिलाउबआनी सुनत-बिहंसिकहबचनभवानी सत्यकहहुगिरिभवतनएहा हठनछूटछूटेबरुदेहा कनकौपुनिपषानतेंहोई जारेहुसहजनपरिहरसोई नारदबचननमैंपरिहरऊं बसौभवनउजरौनहिंडरऊं गुरुकेबचनप्रतीतिन-जेही सपनेहुसुगमनसुखसिधितेही ॥

दो०। महादेवअवगुणभवन विष्णुसकलगुणधाम जेहिकरमनरमजाहिसन ताहिताहिसनकाम ॥

चौ०। जोतुममिलितेउप्रथममुनीशा सुनतिउंशिखतुम्हारिधरिसीसा अबमैंजन्मशंभुहितहारा कोगुण-दोषहिंकरैबिचारा जौतुम्हरेहठहृदयबिशेषी रहिनजाइबिनुकियेबरेषी तौकौतुकिअन्हआलसनाहीं बरकन्याअनेकजगमांहीं जन्मकोटिलगिरगरहमारी बरौंशंभुनतरहौंकुमारी तजौंननारदकरउपदेशू

आपुकहहिंशतबारमहेशू मैंपापरौंकहैजगदंबा तुमगृहगवनकुभयउबिलंबा देखिप्रेमबोलेमुनिज्ञानी जयजयजयजगदंबभवानी ॥

दो०। तुममायाभगवानशिव सकलजगतपितुमात नाइचरणसिरमुनिचले पुनिपुनिहर्षितगात ॥

चौ०। जाइमुनिन्हहिमवंतपठाये करिबिनतीगिरिजहिंगृहल्याये बहुरिसप्तऋषिशिवपहंजाई कथाउमाकीसकलसुनाई भयेमगनशिवसुनतसनेहा हरषिसप्तऋषिगवनेगेहा मनथिरकरितबशंभुसुजाना लगेकरणरघुनायकध्याना तारकअसुरभयेउतेहिकाला भुजप्रतापबलतेजबिशाला तेइसबलोकलोकपतिजीते भयेदेवसुखसंपतिरीते अजरअमरसोजीतिनजाई हारेसुरकरिबिबिधलराई तबबिरंचिसनजाइपुकारे देखेबिधिसबदेवदुखारे ॥

दो०। सबसनकहाबुझायबिधि दनुजनिधनतबहोइ शंभुशुक्रसंभूतसुत इहिजीतैरणसोइ ॥

चौ०। मोरकहासुनिकरहुउपाई होइहिईश्वरकरिहिसहाई सतीजोतजोदक्षमखदेहा जनमीजाइहिमाचलगेहा तेइतपकीन्हशंभुपतिलागी शिवसमाधिबैठेसबत्यागी यदपिअहैअसमंजसभारी तदपिबातइकसुनहुहमारी पठबहुकामजाइशिवपाहीं करैक्षोभशंकरमनमाहीं तबहमजाइशिवहिंसिरनाई करवाउबबिबाहबरिआई इहिंबिधिभलहिदेवहितहोई मतअतिनीककहीसबकोई अस्तुतिसुरनकीन्हअतिहेतू प्रगटेउबिषमबाणझषकेतू ॥

दो०। सुरनकहीनिजबिपतिसब सुनिमनकीन्हबिचार शंभुबिरोधनकुशलमोहिं बिहसिकहेउअसमार ॥

चौ०। तदपिकरबमैंकाजतुम्हारा श्रुतिकहपरमधर्मउपकारा परहितलागितजैजोदेही संततसंतप्रशंसहिंतेही असकहिचलेउसबहिंसिरनाई सुमनधनुषकरसहितसहाई चलतमारअसहृदयबिचारा शिवबिरोधध्रुवमरणहमारा तबआपनप्रभावबिस्तारा निजबशकीनसकलसंसारा कोपेउजबहिंबारिचरकेतू क्षणमहंमिटेसकलश्रुतिसेतू ब्रह्मचर्य्यब्रतसंयमनाना धीरजधर्मज्ञानबिज्ञाना सदाचारजपयोगबिरागा सभयबिबेककटकसबभागा ॥

छं०। भागेबिबेकसहाइसहितसोसुभटसंयुगमहिमुरे सदग्रंथपर्वतकंदरनमहंजाइतेहिअवसरदुरे ॥
होनिहारकाकरतारकोरखवारजगखरभरपरा दुइमाथकेहिरतिनाथजेहिकहंकोपिधनुशरकरधरा ॥

दो०। जेसजीवजगअचरचर नारिपुरुषअसनाम तेनिजनिजमर्य्यादतजि भयेसकलबशकाम ॥

चौ०। सबकेहृदयमदनअभिलाखा लतानिहारिनवहिंतरुशाखा नदीउमगिअंबुधिकहंधाईं संगमकरहिंतलावतलाईं जहंअसिदशाजडनकीबरणी कोकहिसकैसचेतनकरणी पशुपक्षीनभजलथलचारी भयेकामबशसमयबिसारी मदनअंधव्याकुलसबलोका निशिदिननहिंअवलोकहिंकोका देवदनुजनरकिन्नरब्याला प्रेतपिशाचभूतबैताला इनकीदशानकहेउंबखानी सदाकामकेचेरेजानी सिद्धबिरक्तमहामुनियोगी तेपिकामबशभयेबियोगी ॥

छं०। भयेकामबशयोगीशतापसपामरनकीकोकहै देखहिंचराचरनारिमयजेब्रह्ममयदेखतरहे ॥
अबलाबिलोकहिंपुरुषमयजगपुरुषसबअबलामयं दुइदंडभरिब्रह्मांडभीतरकामकृतकौतुकअयं ॥

सो०। धरानकाहुधीर सबकेमनमनसिजहरे जेहिराखेउरघुबीर तेउबरेतेहिकालमहं ॥

चौ०। उभयघरीअसकौतुकभयऊ जबलगिकामशंभुपहंगयऊ शिवहिंबिलोकिसशंकेउमारू भयउ-
यथाथितिसबसंसारू भयेतुरतजगजीवसुखारे जिमिमदउतरिगयेमतवारे रुद्रहिंदेखिमदनभयमाना
दुराधर्षदुर्गमभगवाना फिरतलाजकछुकहिनहिंजाई मरणठानिमनरचेसिउपाई प्रगटेसितुरतरुचिर-
ऋतुराजा कुसुमितनवतरुराजबिराजा बनउपबनबापिकातडागा परमसुभगसबदिशाबिभागा जहंतहं-
जनुउमगतअनुरागा देखिमुएहुमनमनसिजजागा ॥

छं०। जागेउमनोभवमुएमनबनसुभगतानपरैकही शीतलसुगंधसुमंदमारुतमदनअनलसखासही ॥
बिकसेसरन्हिबहुकंजगुंजतपुंजमंजुलमधकरा कलहंसपिकशुकसरसरवकरिगाननाचहिंअपसरा ॥

दो०। सकलकलाकरिकोटिबिधि हारेउसेनसमेत चलीनअचलसमाधिशिव कोपेउहृदयनिकेत ॥

चौ०। देखिरसालबिटपबरशाखा तेहिपरचढेउमदनमनमाखा सुमनचापनिजशरसंधाने अतिरिस-
ताकिश्रवणलगिताने छाडेबिषमबिशिखउरलागे छूटिसमाधिशंभुतबजागे भयउईशमनक्षोभबिशेषी नयन-
उघारिसकलदिशिदेषी सैारभपल्लवमदनबिलोका भयउकोपकंपेउत्रयलोका तबशिवतीसरनयनउघारा
चितवतकामभयउजरिछारा हाहाकारभयउजगभारी डरपेसुरभयेअसुरसुखारी समुझिकामसुखसोच-
हिंभोगी भयेअकंटकसाधकयोगी ॥

छं०। योगीअकंटकभयेउपतिगतिसुनतिरतिमूर्छितभयी रोदतिबदतिबहुभांतिकरुणाकरतिशंकरपहंगयी ॥
अतिप्रेमकरिबिनतीबिबिधबिधिजोरिकरसन्मुखरही प्रभुआशुतोषकृपालुशिवअबलानिरखिबोलेसही ॥

दो०। अबतेंरतितवनाथकर होइहिनामअनंग बिनुबपुव्यापिहिसबहिंपुनि सुनुनिजमिलनप्रसंग ॥

चौ०। जबयदुबंशकृष्णअवतारा होइहिहरणमहामहिभारा कृष्णतनयहोइहिपतितोरा बचनअन्यथा-
होइनमोरा रतिगवनीसुनिशंकरबानी कथाअपरअबकहौंबखानी देवनसमाचारसबपाये ब्रह्मादिक-
बैकुंठसिधाये सबसुरविष्णुबिरंचिसमेता गयेजहांशिवकृपानिकेता पृथकपृथकतिनकीन्हप्रशंसा भयेप्रसन्न-
चंद्रअवतंसा बोलेकृपासिंधुबृषकेतू कहहुअमरआयेकेहिहेतू कहबिधितुमप्रभुअंतरजामी तदपि-
भक्तिबशबिनवउंस्वामी ॥

दो०। सकलसुरनकेहृदयअस शंकरपरमउछाह निजनयननिदेखाचहहिं नाथतुम्हारबिबाह ॥

चौ०। यहउत्सवदेखियभरिलोचन सोकछुकरियमदनमदमोचन कामजारिरतिकहंबरदीन्हा
कृपासिंधुयहअतिभलकीन्हा सासतिकरिपुनिकरहिपसाऊ नाथप्रभुनकरसहजसुभाऊ पारवतीतपकीन्ह-
अपारा करहुतासुअबअंगीकारा सुनिबिधिबचनसमुझिप्रभुबानी ऐसोइहोउकहासुखमानी तबदेवन-
दुंदुभीबजाई बरषिसुमनजयजयसुरसाईं अवसरजानिसप्तऋषिआये तुरतहिबिधिगिरिभवनपठाये
प्रथमगयेजहंरहीभवानी बोलेबचनमधुरछलसानी ॥

दो०। कहाहमारनसुनेहुतब नारदकरउपदेश अबभाझूठतुम्हारप्रण जारेउकाममहेश ॥

चौ०। सुनिबोलीमुसुकाइभवानी उचितकहेहुमुनिबरबिज्ञानी तुम्हरेजानकामहरजारा अबलगिशंभु-
रहेसबिकारा हमरेजानसदाशिवयोगी अजअनवद्यअकामअभोगी जोमैंशिवसेयेउंअसजानी प्रीति-
समेतकर्ममनबानी तौहमारप्रणसुनहुमुनीशा करिहहिंसत्यकृपानिधिईशा तुमजोकहाहरजारेउमारा

सोअतिबडअबिबेकतुम्हारा तातअनलकरसहजसुभाऊ हिमतेहिनिकटजाइनहिंकाऊ गयेसमीपसो-
अवशिनशाई जिमिसंपातिनिजपक्षगंवाई ॥

दे०। हियहरषेमुनिबचनसुनि देखिप्रीतिबिश्वास चलेभवानिहिंनाइसिर गयेहिमाचलपास ॥

चौ०। सबप्रसंगगिरिपतिहिसुनावा मदनदहनसुनिअतिदुखपावा बहुरिकहेउरतिकरबरदाना सुनि-
हिमवंतबहुतसुखमाना हृदयबिचारिशंभुप्रभुताई सादरमुनिबरलियेबुलाई सुदिनसुनखतसुघरीसुहाई
बेगिबेदबिधिलगनधराई पत्रीसप्तऋषिनसोइदीन्हा गहिपदबिनयहिमाचलकीन्हा जाइबिधिहिंतिन-
दीन्हसोपाती बांचतप्रीतिनहृदयसमाती लगनबांचिअजसबहिंसुनाई हरषेमुनिसबसुरसमुदाई सुमन-
बृष्टिनभबाजनबाजे मंगलकलशदशहुंदिशिसाजे ॥

दे०। लगेसंवारनसकलसुर बाहनबिबिधबिमान होहिंसगुणमंगलशुभग करहिंअप्सरागान ॥

चौ०। शिवहिंशंभुगणकरहिंसिंगारा जटामुकुटअहिमैारसंवारा कुंडलकंकणपहिरेव्याला तनबिभूति-
पटकेहरिछाला शशिल्लाटसुंदरसिरगंगा नयनतीनिउपबीतभुजंगा गरलकंठउरनरसिरमाला अशिव-
भेषशिवधामकृपाला करत्रिशूलअरुडमरुबिराजा चलेबसहचढिबाजहिंबाजा देखिशिवहिंसुरत्रियमुसु-
काहीं बरलायकदुलहिनिजगनाहीं बिष्णुबिरंचिआदिसुरब्राता चढिचढिबाहनचलेबराता सुरसमाज-
सबभांतिअनूपा नहिंबरातदूलहअनुरूपा ॥

दे०। बिष्णुकहाअसबिहसितब बोलिसकलदिशिराज बिलगबिलगहोइचलहुसब निजनिजसहितसमाज ॥

चौ०। बरअनुहारबरातनभाई हंसीकरैहहुपरपुरजाई बिष्णुबचनसुनिसुरमुसुकाने निजनिजसेन-
सहितबिलगाने मनहींमनमहेशमुसुकाहीं हरिकेव्यंगबचननहिंजाहीं अतिप्रियबचनसुनतहरिकेरे
भृंगीप्रेरिसकलगणटेरे शिवअनुसासनसुनिसबआये प्रभुपदजलजसीसतिननाये नानाबाहननानाबेषा
बिहसेशिवसमाजनिजदेषा कोउमुखहीनबिपुलमुखकाहू बिनुपदकरकोउबहुपदबाहू बिपुलनयनकोउ-
नयनबिहीना रिष्टपुष्टकोउअतितनुछीना ॥

छं०। तनुछीणकोउअतिपीनपावनकोउअपावनतनुधरे भूषणकरालकपालकरसबसद्यशोणिततनुभरे ॥
खरश्वानसुअरशृगालमुखगणबेषअगणितकोगनै बहुजिनिसप्रेतपिशाचयोगिनिभांतिबरननहिंबनै ॥

से०। नाचहिंगावहिंगीत परमतरंगीभूतसब देखतअतिबिपरीत बोलहिंबचनबिचित्रबिधि ॥

चौ०। जसदूलहतसिबनीबराता कैातुकबिबिधहोहिंमगुजाता इहांहिमाचलरचेउबिताना अतिबिचित्र-
नहिंजायबखाना शैलसकलजहंलगिजगमाहीं लघुबिशालनहिंबरनिसिराहीं बनसागरनदनदीतलावा
हिमगिरिसबकहंनेवतपठावा कामरूपसुंदरतनुधारी सहितसमाजसहितबरनारी आयेसकलहिमाचल-
गेहा गावहिंमंगलसहितसनेहा प्रथमहिंगिरिबहुगृहसंवराये यथायोगजहंतहंसबछाये पुरशोभा-
अवलोकिसुहाई लागैलघुबिरंचिनिपुणाई ॥

छं०। लघुलागिबिधिकीनिपुणताअवलोकिपुरशोभासही बनबागकूपतडागसरितासुभगतासककोकही ॥
मंगलबिपुलतोरणपताकाकेतुगृहगृहसोहहीं बनितापुरुषसुंदरचतुरछबिदेखिमुनिमनमोहहीं ॥

दे०। जगदंबाजहंअवतरी सोपुरबरनिनजाइ ऋद्धिसिद्धिसंपतिसकल नितनूतनअधिकाइ ॥

चौ०। नगरनिकटबरातसुनिआई पुरखरभरशोभाअधिकाई करिबनावसजिबाहननाना चलेलेन-
सादरअगवाना हियहरषेसुरसेननिहारी हरिहिदेखिअतिभयेसुखारी शिवसमाजजबदेखनलागे बिडरि-
चलेबाहनसबभागे धरिधीरजतहँरहेसयाने बालकसबलैजीवपराने गयेभवनपूछहिंपितुमाता कहहिं-
बचनभयकंपितगाता कहियकहाकहिजाइनबाता यमकरधारकिधौंबरियाता बरबौराहबरदअसवारा
व्यालकपालबिभूषणछारा॥

छं०। तनुछारव्यालकपालभूषणनगनजटिलभयंकरा संगभूतप्रेतपिशाचयोगिनिबिकटमुखरजनीचरा॥
जोजियतरहिहिबरातदेखतपुण्यबड़तिहिकरसही देखिहिसोउमाबिबाहघरघरबातअसिलरिकनकही॥

दो०। समुझिमहेशसमाजसब जननिजनकमुसुकाहिं बालबुझायेबिबिधबिधि निडरहोउडरनाहिं॥

चौ०। लैअगवानबरातहिंआये दियेसबहिंजनवाससुहाये मैनाशुभआरतीसंवारी संगसुमंगलगावहिं-
नारी कंचनथारसोहबरपानी परिछनचलीहरहिंहरषानी बिकटभेषजबरुद्रहिंदेषा अबलनिउरभयभयेउ-
बिशेषा भागिभवनपैठीअतित्रासा गयेमहेशजहांजनवासा मयनाहृदयभयेउदुखभारी लीन्हीबोलि-
गिरीशकुमारी अधिकसनेहगोदबैठारी श्यामसरोजनयनभरिवारी जेहिंबिधितुम्हहिंरूपअसदीन्हा
तेहिंजडबरबावरकसकीन्हा॥

छं०। कसकीन्हबरबौराहबिधिजेहिंतुमहिंसुंदरतादई जोफलचहियसुरतरुहिंसोबरबसबबूरहिंलागई॥
तुमसहितगिरितेंगिरौंपावकजरौंजलनिधिमहंपरौं घरजाउअपयशहोउजगजीवतबिबाहनहोंकरौं॥

दो०। भयोंबिकलअबलासकल दुखितदेखिगिरिनारि करिबिलापरोदतिबदति सुतासनेहसंभारि॥

चौ०। नारदकरमैंकहाबिगारा भवनमोरजिनबसतउजारा असउपदेशउमहिंजिनदीन्हा बौरेबरहिं-
लागितपकीन्हा सांचेहुउनकेमोहनमाया उदासीनधनधामनजाया परघरघालकलाजनभीरा बांझकि-
जानप्रसबकीपीरा जननिहिंबिकलबिलोकिभवानी बोलीयुतबिबेकमृदुबानी असबिचारिसोचहुमतिमाता
सोनटरैजोरचैबिधाता करमलिखाजोबावरनाहू तौकतदोषलगाइयकाहू तुमसनमिटहिंकिबिधिकेअंका
मातुव्यर्थजनिलेहुकलंका॥

छं०। जनिलेहुमातुकलंककरुणापरिहरहुअवसरनहीं दुखसुखजोलिखालिलारहमरेजावजहंपाउबनहीं॥
सुनिउमाबचनबिनीतकोमलसकलअबलासोचहीं बहुभांतिबिधिहिंलगाइदूषणनयनबारिबिमोचहीं॥

दो०। तेहिअवसरनारदसहित औऋषिसप्तसमेत समाचारसुनितुहिनगिरि गवनेतुरतनिकेत॥

चौ०। तबनारदसबहींसमुझावा पूरबकथाप्रसंगसुनावा मयनासत्यसुनहुममबानी जगदंबातबसुता-
भवानी अजाअनादिशक्तिअबिनाशिनि सदाशंभुअरधंगनिवासिनि जगसंभवपालनलयकारिणि निज-
इच्छालीलावपुधारिणि जनमोप्रथमदक्षगृहजाई नामसतीसुंदरतनुपाई तहउंसतीशंकरहिंबिवाहीं
कथाप्रसिद्धसकलजगमाहीं एकबारआवतिशिवसंगा देखेउरघुकुलकमलपतंगा भयउमोहशिवकहाक-
कीन्हा भ्रमबशबेषसीयकरलीन्हा॥

छं०। सियबेषसतीजोकीन्हतेहिंअपराधशंकरपरिहरी हरबिरहजाइबहोरिपितुकेयज्ञयोगानलजरी॥
अबजनमितुम्हरेभवननिजपतिलागिदारुणतपकिया असजानिसंशयतजहुगिरिजासर्बदाशंकरप्रिया॥

दो०। सुनिनारदकेबचनतब सबकरमिटाबिषाद छणमहंव्यापेउसकलपुर घरघरयहसंबाद ॥
चौ०। तबमयनाहिमवंतअनंदे पुनिपुनिपारबतीपदबंदे नारिपुरुषशिशुयुबासयाने नगरलोगसबअति-
हरषाने लगेहोनपुरमंगलगाना सजेसबहिंहाटकघटनाना भांतिअनेकभईजेंवनारा सूपशास्त्रजसकछु-
व्यवहारा सोजेंवनारकिजाइबखानी बसहिंभवनजेहिमातुभवानी सादरबोलेसकलबराती विष्णुबिरंचि-
देवसबजाती बिबिधपांतिबैठीजेंवनारा लगेपरोसननिपुणसुआरा नारिबृन्दसुरजेंवतजानी लागी-
देनगारिमृदुबानी ॥
छं०। गारीमधुरसुरदेहिंसुंदरिव्यंगबचनसुनावहीं भोजनकरहिंसुरअतिबिलंबबिनोदसुनिसचुपावहीं ॥
जेंवतजोबढ्योअनंदसोमुखकोटिहूंनपरैकह्यो अंचवाइदीन्हेपानगवनेबासजहंजाकोरह्यो ॥
दो०। बहुरिमुनिनहिमवंतकहं लगनजनाईआई समयबिलोकिबिवाहकर पठयेदेवबुलाइ ॥
चौ०। बोलिसकलसुरसादरलीन्हे सबहिंयथोचितआसनदीन्हे बेदीबेदबिधानसंवारी शुभगसुमंगल-
गावहिंनारी सिंहासनअतिदिव्यसुहावा जाइनबरणिबिरंचिबनावा बैठेशिवबिप्रन्हिसिरनाई हृदय-
सुमिरिनिजप्रभुरघुराई बहुरिमुनीशनउमाबुलाई करिशृंगारसखीलैआई देखतरूपसकलसुरमोहे
बरनैछबिअसजगकबिकोहै जगदंबिकाजानिभवभामा सुरनमनहिंमनकीन्हप्रणामा सुंदरतामर्य्याद-
भवानी जाइनकोटिहुंबदनबखानी ॥
छं०। कोटिहुंबदननहिंबनैबरणतजगजननिशोभामहा सकुचहिंकहतश्रुतिशेषशारदमंदमतितुलसीकहा॥
छबिखानिमातुभवानिगवनीमध्यमंडपशिवजहां अवलोकिसकहिंनसकुचिपतिपदकमलमनमधुकरतहां ॥
दो०। मुनिअनुसासनगणपतिहिं पूजेउशंभुभवानि कोउसुनिसंशयकरैजनि सुरअनादिजियजानि ॥
चौ०। जसबिबाहकीबिधिश्रुतिगाई महामुनिनसोसबकरवाई गहिगिरीशकुशकन्यापानी शिवहिंसमर्पी-
जानिभवानी पाणिग्रहणजबकीन्हमहेशा हियहरषेतबसकलसुरेशा वेदमंत्रमुनिबरउच्चरहीं जयजय-
जयशंकरसुरकरहीं बाजहिंबाजनबिबिधबिधाना सुमनवृष्टिनभभइबिधिनाना हरगिरिजाकरभयउबिबाहू
सकलभुवनभरिरहाउछाहू दासीदासतुरगरथनागा धेनुबसनमणिबस्तुबिभागा अन्नकनकभाजनभरि-
जाना दाइजदीन्हनजाइबखाना ॥
छं०। दाइजदियेबहुभांतिपुनिकरजोरिहिमभूधरकह्यो कादेउंपूरणकामशंकरचरणपंकजगहिरह्यो ॥
शिवकृपासागरसुसरकरपरितोषसबभांतिनकियो पुनिगहेउपदपाथोदमयनाप्रेमपरिपूरणहियो ॥
दो०। नाथउमाममप्राणसम गृहकिंकरीकरेहु छमेहुसकलअपराधअब होइप्रसन्नबरदेहु ॥
चौ०। बहुबिधिशंभुसासुसमुझाई गवनीभवनचरणसिरनाई जननीउमाबोलितबलीन्ही लैउछंगसुंदर-
सिखदीन्ही करहुसदाशंकरपदपूजा नारिधर्मपतिदेवनदूजा बचनकहतभरिलोचनबारी बहुरिलाइ-
उरलीन्हकुमारी कतबिधिसिरजिनारिजगमाहीं पराधीनसपनेहुंसुखनाहीं भइअतिप्रेमबिकलमहतारी
धीरजकीन्हकुसमयबिचारी पुनिपुनिमिलतिपरतिगहिचरणा परमप्रेमकछुजाइनबरणा सबनारिनमिलि-
भेंटिभवानी जाइजननिउरपुनिलपटानी ॥
छं०। जननिहिंबहुरिमिलिचलीउचितअसीससबकाहूंदई फिरिफिरिबिलोकतिमातुतनतबसखीलैशिवपहंगई

याचकसकलसंतोषिशंकरउमासहितभवनहिंचले सबअमरहरषेसुमनबरषिनिसाननभबाजहिंभले ॥

दो०। चलेसंगहिमवंततब पहुंचावनअतिहेतु बिबिधभांतिपरितोषकरि बिदाकीन्हवृषकेतु ॥

चौ०। तुरतभवनआयेगिरिराई सकलशैलसरलियेबुलाई आदरदानबिनयबहुमाना सबकरबिदा-
कीन्हहिमवाना जबहिंशंभुकैलाशहिंआये सुरसबनिजनिजलोकसिधाये जगतमातुपितुशंभुभवानी तेहि-
शृंगारनकहौंबखानी करहिंबिबिधबिधिभोगबिलासा गणनसमेतबसहिंकैलासा हरगिरिजाबिहारनित-
नयऊ इहिंबिधिबिपुलकालचलिगयऊ तबजनमेषटबदनकुमारा तारकअसुरसमरजिनमारा आगम-
निगमप्रसिद्धपुराना षटमुखजन्मकर्मजगजाना ॥

छं। जगजानषटमुखजन्मकर्मप्रतापपुरुषारथमहा तेहिहेतुमैंवृषकेतुसुतकरचरितसंक्षेपहिंकहा ॥
यहउमाशंभुबिवाहजेनरनारिकहहिंजेगावहीं कल्याणकाजबिवाहमंगलसर्बदासुखपावहीं ॥

दो०। चरितसिंधुगिरिजारमण बेदनपावहिंपार बरणैतुलसीदासकिमि अतिमतिमंदगंवार १॥

चौ०। शंभुचरितसुनिसरससुहावा भरद्वाजमुनिअतिसुखपावा बहुलालसाकथापरबाढी नयननीर-
रोमावलिठाढो प्रेमबिबशमुखआवनबानी दशादेखिहरषेमुनिज्ञानी अहोधन्यतबजन्ममुनीशा तुमहिं-
प्राणसमप्रियगौरीशा शिवपदकमलजिनहिंरतिनाहीं रामहिंतेसपनेहुंनसुहाहीं बिनुछलबिश्वनाथपदनेहु
रामभक्तकरलक्षणयेहु शिवसमकोरघुपतिब्रतधारी बिनुअघतजीसतीअसिनारी प्रणकरिरघुपतिभक्तिदृढाई
कोशिवसमरामहिंप्रियभाई ॥

दो०। प्रथमकहेमैंशिवचरित बूझामरमतुम्हार शुचिसेवकतुमरामके रहितसमस्तबिकार ॥

चौ०। मैंजानातुम्हारगुणशीला कहौंसुनहुंअबरघुपतिलीला सुनुमुनिआजुसमागमतोरे कहिनजाय-
जससुखमनमोरे रामचरितअतिअमितमुनीशा कहिनसकहिंशतकोटिअहीशा तदपियथाश्रुतकहौंबखानी
सुमिरिगिरापतिप्रभुधनुपानी शारददारुनारिसमस्वामी रामसूत्रधरअंतरजामी जेहिपरकृपाकरहिं-
जनजानी कविउरअजिरनचावहिंबानी प्रणउंसोइकृपालुरघुनाथा बरणउंबिशदतासुगुणगाथा परम-
रम्यगिरिबरकैलासू सदाजहांशिवउमानिवासू ॥

दो०। सिद्धतपोधनयोगिजन सुरकिन्नरमुनिबृन्द बसहिंतहांसुकृतीसकल सेवहिंशिवसुखकन्द ॥

चौ०। हरिहरबिमुखधर्मरतनाहीं तेनरतहांनसपनेहुंजाहीं तेहिगिरिपरबटबिटपबिशाला निननूतन-
सुंदरसबकाला त्रिबिधसमीरसुशीतलछाया शिवबिश्रामबिटपश्रुतिगाया एकबारतेहितरप्रभुगयऊ तरु-
बिलोकिउरअतिसुखभयऊ निजकरडासिनागरिपुछाला बैठेसहजहिंशंभुकृपाला कुंदइंदुबरगौरशरीरा
भुजप्रलंबपरिधनमुनिचीरा तरुणअरुणअंबुजसमचरणा नखदुतिभक्तहृदयतमहरणा भुजगभूतिभूषण-
त्रिपुरारी आननशरदचंद्रछबिहारी ॥

दो०। जटामुकुटसुरसरितसिर लोचननलिनबिशाल नीलकंठलावण्यनिधि सोहबालबिधुभाल ॥

चौ०। बैठेसोहकामरिपुकैसें धरेशरीरशान्तरसजैसें पारबतीभलिअवसरजानी गईशंभुपहंमातुभवानी
जानिप्रियाआदरअतिकीन्हा बामभागआसनहरदीन्हा बैठीशिवसमीपहरषाई पूरबजन्मकथाचितआई पति-
हियहेतुअधिकअनुमानी बिहसिउमाबोलीप्रियबानी कथाजोसकललोकहितकारी सोइपूछनचहशैलकुमारी

विश्वनाथममनाथपुरारी त्रिभुवनमहिमाविदिततुम्हारी चरअरुअचरनागनरदेवा सकलकरहिंपदपंकजसेवा॥

दो०। प्रभुसमर्थसर्वज्ञशिव सकलकलागुणधाम योगज्ञानवैराग्यनिधि प्रणतकल्पतरुनाम॥

चौ०। जौमोपरप्रसन्नसुखरासी जानियसत्यमोहिनिजदासी तौप्रभुहरहुमोरअज्ञाना कहिरघुनाथकथा-
विधिनाना जासुभवनसुरतरुतरहोई सहकिदरिद्रजनितदुखसोई शशिभूषणअसहृदयविचारी हरहु-
नाथममतिभ्रमभारी प्रभुजेमुनिपरमारथबादी कहहिंरामकहंब्रह्मअनादी शेषशारदावेदपुराना
सकलकरहिंरघुपतिगुणगाना तुमपुनिरामनामदिनराती सादरजपहुअनंगअराती रामसोअवधनृपति-
सुतसोई कीअजअगुणअलखगतिकोई॥

दो०। जौनृपतनयतोब्रह्मकिमि नारिविरहमतिभोरि देखिचरितमहिमासुनत भ्रमतिबुद्धिअतिमोरि॥

चौ०। जौअनीहव्यापकविभुकोऊ कहहुबुझाइनाथमोहिसोऊ अज्ञजानिरिसजनिउरधरहू जोहिविधि-
मोहमिटैसोइकरहू मैंवनदीखरामप्रभुताई अतिभयविकलनतुमहिंसुनाई तदपिमलिनमनबोधनआवा
सोफलभलीभांतिमैंपावा अजहूंकछुसंशयमनमोरे करहुकृपाविनऊंकरजोरे प्रभुतबमोहिबहुभांतिप्रबोधा
नाथसोसमुझिकरहुजनिक्रोधा तबकरअसविमोहमोहिनाहीं रामकथापररुचिमनमाहीं कहहुपुनीतराम-
गुणगाथा भुजगराजभूषणसुरनाथा॥

दो०। बंदौपदधरिधरणिसिर विनयकरौंकरजोरि बरणहुरघुबरविशदयश श्रुतिसिद्धांतनिचोरि॥

चौ०। यदपियोषिताअनअधिकारी दासीमनक्रमबचनतुम्हारी गूढ़ौतत्त्वनसाधुदुरावहिं आरतअधि-
कारीजहंपावहिं अतिआरतिपूछौंसुरराया रघुपतिकथाकहहुकरिदाया प्रथमसोकारणकहहुविचारी
निर्गुणब्रह्मसगुणबपुधारी पुनिप्रभुकहहुरामअवतारा बालचरितपुनिकहहुउदारा कहहुयथाजानकी-
विवाहा राजतजासोदूषणकाहा वनबसिकीन्हेउचरितअपारा कहहुनाथजिमिरावणमारा राजबैठि-
कीन्हीबहुलीला सकलकहहुशंकरसुखशीला॥

दो०। बहुरिकहहुकरुणायतन कीन्हजोअचरजराम प्रजासहितरघुवंशमणि किमिगवनेनिजधाम॥

चौ०। पुनिप्रभुकहहुसोतत्त्वबखानी जेहिविज्ञानमगनमुनिज्ञानी भक्तिज्ञानविज्ञानविरागा पुनिसब-
बरणहुसहितविभागा औरौरामरहस्यअनेका कहहुनाथअतिविमलविवेका जोप्रभुमैंपूछानहिंहोई
सोउदयालुराखहुजनिगोई तुमत्रिभुवनगुरुवेदबखाना आनजीवपामरकाजाना प्रश्नउमाकीसहज-
सुहाई छलविहीनसुनिशिवमनभाई हरहियरामचरितसबआये प्रेमपुलकलोचनजलछाये श्रीरघुनाथ-
रूपउरआवा परमानंदअमितसुखपावा॥

दो०। मगनध्यानरसदंडयुग पुनिमनबाहिरकीन्ह रघुपतिचरितमहेशतब हर्षितबरणैलीन्ह॥

चौ०। झूठौसत्यजाहिविनुजाने जिमिभुजंगविनुरजुपहिचाने जेहिजानेजगजाइहेराई जागेयथासपन-
भ्रमजाई बंदौबालरूपसोइरामू सबविधिसुलभजपतजसनामू मंगलभवनअमंगलहारी द्रवौसोदश-
रथअजिरविहारी करिप्रणामरामहिंत्रिपुरारी हरषिसुधासमगिराउचारी धन्यधन्यगिरिराजकुमारी
तुमसमाननहिंकोउउपकारी पूछेहुरघुपतिकथाप्रसंगा सकललोकजगपावनिगंगा तुमरघुबीरचरण-
अनरागी कीन्हेहुप्रश्नजगतहितलागी॥

दो०। रामकृपातेंपारवती सपनेहुँतवमनमाहिं शोकमोहसंदेहभ्रम ममविचारकछुनाहिं॥
चौ०। तदपिअशंकाकोन्हेहुसोई कहतसुनतसबकरहितहोई जिनहरिकथासुनीनहिंकाना श्रवणरंध्र-
अहिभवनसमाना नयननसंतदरसनहिंदेखा लोचनमोरपंखकरलेखा तेसिरकटुतुम्बरिसमतूला जेननमतहरिगुरुपदमूला जिनहरिभक्तिहृदैनहिंआनी जीवतशवसमानतेप्रानी जोनहिंकरहिरामगुणगाना
जीहसुदादुरजीहसमाना कुलिशकठोरनिठुरसोइछाती सुनिहरिचरितनजोहरषाती गिरिजासुनहुँराम-
करलीला सुरहितदनुजबिमोहनशीला॥
दो०। रामकथासुरधेनुसम सेवतसबसुखदानि संतसभासुरलोकसम कोनसुनैअसजानि॥
चौ०। रामकथासुंदरकरतारी संशयबिहंगउडावनिहारी रामकथाकलिबिटपकुठारी सादरसुनुगिरि-
राजकुमारी रामनामगुणचरितसुहाये जन्मकर्मअगणितश्रुतिगाये यथाअनंतरामभगवाना तथाकथा-
कीरतिगुणनाना तदपियथाश्रुतजसमतिमोरी कहिहौंदेखिप्रीतिअतितोरी उमाप्रश्नतवसहजसुहाई
सुखदसंतसंमतमुहिभाई एकबातनहिंमोहिंसोहानी यदपिमोहबशकहेहुभवानी तुमजोकहारामकोउ-
आना जेहिश्रुतिगावधरहिंमुनिध्याना॥
दो०। कहहिंसुनहिंअसअधमनर ग्रसेजेमोहपिशाच पाषंडीहरिपदबिमुख जानहिंझूठनसाँच॥
चौ०। अज्ञअकोविदअंधअभागी काईबिषयमुकुरमनलागी लंपटकपटीकुटिलविशेषी सपनेहुँसंत-
सभानहिंदेखी कहहिंतेवेदअसंमतबानी जिनहिंनसूझलाभनहिंहानी मुकुरमलिनअरुनयनबिहीना राम-
रूपदेखहिंकिमिदीना जिनकेअगुणनसगुणबिवेका जल्पहिंकल्पितबचनअनेका हरिमायाबशजगत-
भ्रमाहीं तिनहिंकहतकछुअघटितनाहीं बातुलभूतबिबसमतवारे तेनहिंबोलहिंबचनसंभारे जिनकृत-
महामोहमदपाना तिनकरकहाकरियनहिंकाना॥
सो०। असनिजहृदयबिचारि तजिसंशयभजुरामपद सुनुगिरिराजकुमारि भ्रमतमरविकरबचनमम॥
चौ०। सगुणहिंअगुणहिंनहिंकछुभेदा गावहिंमुनिपुराणबुधवेदा अगुणअरूपअलखअजजोई भक्त-
प्रेमबशसगुणसोहोई जोगुणरहितसगुणसोकैसें जलहिमउपलबिलगनहिंजैसें जासुनामभ्रमतिमिरपतंगा
तिहिकिमिकहियबिमोहप्रसंगा रामसच्चिदानंददिनेशा नहिंतहँमोहनिशालवलेशा सहजप्रकाशरूप-
भगवाना नहिंतहँपुनिविज्ञानविहाना हरषविषादज्ञानअज्ञाना जीवधर्मअहमितिअभिमाना रामब्रह्म-
व्यापकजगजाना परमानंदपरेशपुराना॥
दो०। पुरुषप्रसिद्धप्रकाशनिधि प्रगटपरावरनाथ रघुकुलमणिममस्वामिसोइ कहिशिवनायउमाथ॥
चौ०। निजभ्रमनहिंसमुझहिंअज्ञानी प्रभुपरमोहधरहिंजडप्रानी यथागगनघनपटलनिहारी झंपेउभानु-
कहहिंकुबिचारी चितवजोलोचनअंगुलिलायें प्रगटयुगलशशितेहिकेभायें उमारामबिषयकअसमोहा
नभतमधूमधूरिजिमिसोहा बिषयकरणसुरजीवसमेता सकलएकतेंएकसचेता सबकरपरमप्रकाशकजोई
रामअनादिअवधपतिसोई जगतप्रकाश्यप्रकाशकरामू मायाधीशज्ञानगुणधामू जासुसत्यतातेंजडमाया
भाससत्यइवमोहसहाया॥
दो०। रजतसीपमहँभासजिमि यथाभानुकरबारि यदपिमृषातिहुँकालसोइ भ्रमनसकैकोउटारि॥

चौ॰। इहिबिधिजगहरिआश्रितरहई यदपिअसत्यदेतदुखअहई ज्योंसपनेसिरकाटैकोई बिनुजागें-
दुखदूरिनहोई जासुकृपाअसभ्रममिटिजाई गिरिजासोइकृपालुरघुराई आदिअंतकोउजासुनपावा मति-
अनुमाननिगमअसगावा बिनुपदचलैसुनैबिनुकाना करबिनुकर्मकरैबिधिनाना आननरहितसकलरसभोगी
बिनुबाणीबक्ताबडयोगी तनुबिनुपरसनयनबिनुदेषा ग्रहैघ्राणबिनुबासअशेषा असंसबभांतिअलौकिक-
करणी महिमाजासुजाइनहिंबरणी ॥

दो॰। जेहिइमिगावहिंवेदबुध जाहिधरहिंमुनिध्यान सोइदशरथसुतभक्तहित कोशलपतिभगवान ॥

चौ॰। काशीमरतजन्तुअवलोकी जासुनामबलकरौंबिशोकी सोइप्रभुमोरचराचरस्वामी रघुबरसबउर-
अंतरजामी बिवसहुंजासुनामनरकहहीं जन्मअनेकसंचितअघदहहीं सादरसुमिरणजोनरकरहीं
भवबारिधिगोपदइवतरहीं रामसोपरमातमाभवानी तहंभ्रमअतिअबिहिततवबानी असंसंशयआनतउर-
माहीं ज्ञानबिरागसकलगुणजाहीं सुनिशिवकेभ्रमभंजनबचना मिटिगइसबकुतर्ककीरचना भइरघुपति-
पदप्रीतिप्रतीती दारुणअसंभावनाबीती ॥

दो॰। पुनिपुनिप्रभुपदकमलगहि जोरिपंकरुहपानि बोलीगिरिजाबचनबर मनहुंप्रेमरससानि ॥

चौ॰। शशिकरसमसुनिगिरातुम्हारी मिटामोहशरदातपभारी तुमकृपालुसबसंशयहरेऊ रामस्वरूप-
जानिमोहिपरेऊ नाथकृपाअवगयेउबिषादा सुखीभइउंप्रभुचरणप्रसादा अबमोहिआपनिकिंकरिजानी
यदपिसहजजडनारिअयानी प्रथमजोमैंपूछासोइकहहू जोमोपरप्रसन्नप्रभुअहहू रामब्रह्मचिन्मयअबिनाशी
सर्बरहितसबउरपुरबासी नाथधरेउनरतनुकेहिहेतू मोहिसमुझाइकहहुबृषकेतू उमाबचनसुनिपरम-
बिनीता रामकथापरप्रीतिपुनीता ॥

दो॰। हियहरषेकामारितब शंकरसहजसुजान बहुबिधिउमहिंप्रशंसिपुनि बोलेकृपानिधान ॥

सो॰। सुनुशुभकथाभवानि रामचरितमानसबिमल कहाभुशुंडिबखानि सुनाबिहगनायकगरुड ॥
सोइसंबादउदार जिहिंबिधिभाआगेकहब सुनहुरामअवतार चरितपरमसुंदरअनघ ॥
हरिगुणनामअपार कथारूपअगणितअमित मैंनिजमतिअनुसार कहौंउमासादरसुनहु ॥

चौ॰। सुनुगिरिजाहरिचरितसुहाये बिपुलबिशदनिगमागमगाये हरिअवतारहेतुजेहिहोई इदमित्थं-
कहिजाइनसोई रामअतर्क्यबुद्धिमनबानी मतहमारअससुनहुभवानी तदपिसंतमुनिवेदपुराना जस-
कछुकहहिंस्वमतिअनुमाना तसमैंसुमुखिसुनावउंतोही समुझिपरैजसकारणमोही जबजबहोइधर्मकी-
हानी बाढहिंअसुरअधमअभिमानी करहिंअनीतिजाइनहिंबरणी सीदहिंबिप्रधेनुसुरधरणी तबतब-
प्रभुधरिबिबिधशरीरा हरहिंकृपानिधिसज्जनपीरा ॥

दो॰। असुरमारिथापहिंसुरन्हि राखहिंनिजश्रुतिसेतु जगबिस्तारहिंबिशदयश रामजन्मकरहेतु ॥

चौ॰। सोइयशगाइभक्तभवतरहीं कृपासिंधुजनहिततनुधरहीं रामजन्मकेहेतुअनेका परमबिचित्रएकतें-
एका जन्मएकदुइकहौंबखानी सावधानसुनुसुमतिभवानी द्वारपालहरिकेप्रियदोऊ जयअरुबिजयजान-
सबकोऊ बिप्रशापतेदोनौंभाई तामसअसुरदेहतिनपाई कनककशिपुअरुहाटकलोचन जगतबिदित-
सुरपतिमदमोचन बिजयीसमरबीरबिख्याता धरिबराहबपुएकनिपाता होइनरहरिदूसरमारा
जनप्रहलादसुयशबिस्तारा ॥

दो०। भयेनिशाचरजाइते महाबीरबलवान कुंभकर्णरावणसुभट सुरबिजयीजगजान ॥
चौ०। मुक्तनभयेउहतेभगवाना तीनिजन्मद्विजबचनप्रमाना एकबारतिनकेहितलागी धरेउशरीरभक्त-
अनुरागी कश्यपअदितितहांपितुमाता दशरथकौशल्याविख्याता एककल्पइहिबिधिअवतारा चरित-
पवित्रकियेसंसारा एककल्पसुरदेखिदुखारे समरजलंधरसनसबहारे शंभुकीन्हसंग्रामअपारा दनुज-
महाबलमरैनमारा परमसतीअसुराधिपनारी तेहिबलताहिनजीतपुरारी ॥
दो०। छलकरिटारेउतासुब्रत प्रभुसुरकारजकीन्ह जबतेइजानेउमरमतब श्रापकोपकरिदीन्ह ॥
चौ०। तासुश्रापहरिकीन्हप्रमाना कौतुकनिधिकृपालुभगवाना तहांजलंधररावणभयऊ रणहतिराम-
परमपददयऊ एकजन्मकरकारणएहा जेहिलगिरामधरीनरदेहा प्रतिअवतारकथाप्रभुकेरी सुनिसुनि-
वरणीकविनघनेरी नारदश्रापदीन्हइकबारा कल्पएकतेहिलगिअवतारा गिरिजाचकितभईसुनिबानी
नारदबिष्णुभक्तमुनिज्ञानी कारणकवनश्रापमुनिदीन्हा काअपराधरमापतिकीन्हा यहप्रसंगमोहिकहहु-
पुरारी मुनिमनमोहसोअचरजभारी ॥
दो०। बोलेविहसिमहेशतब ज्ञानीमूढनकोइ जेहिजसरघुपतिकरहिंजब सोतसतेहिछणहोइ ॥
सो०। कहौंरामगुणगाथ भरद्वाजसादरसुनहु भवभंजनरघुनाथ भजुतुलसीतजिमानमद ॥
चौ०। हिमगिरिगुहाएकअतिपावनि बहसमीपसुरसरितसुहावनि आश्रमपरमपुनीतसुहावा देखिदेव-
ऋषिमनअतिभावा निरखिशैलश्रीबिपिनविभागा भयेउरमापतिपदअनुरागा सुमिरतहरिहिंश्रापगतिबाधी
सहजविमलमनलागिसमाधी मुनिगतिदेखिसुरेशडेराना कामहिंबोलिकीन्हसनमाना सहितसहायजाहु-
ममहेतू चलेउहरषिहियजलचरकेतू सुनासीरमनमहंअतित्रासा चहतदेवऋषिममपुरबासा जेकामी-
लोलुपजगमाहीं कुटिलकाकइवसबहिंडेराहीं ॥
दो०। सूखहाडलेभागशठ श्वाननिरखिमृगराज छीनिलेइजनिजानिजड तिमिसुरपतिहिनलाज ॥
चौ०। तेहिआश्रमहिंमदनजबगयेऊ निजमायाबसंतनिर्मयऊ कुसुमितविविधविटपबहुरंगा कूजहिं-
कोकिलगुंजहिंभृंगा चलीसुहावनित्रिविधबयारी कामकृशानुबढावनिहारी रंभादिकसुरनारिनवीना
सकलअसमशरकलाप्रवीना करहिंगानबहुताननरंगा बहुबिधक्रीडहिंपानिपतंगा देखिसहायमदन-
हरषाना कीन्हेसिपुनिप्रपंचविधिनाना कामकलाकछुमुनिहिनव्यापी निजभयडरेउमनोभवपापी सीम-
किचापिसकैकोउतासु बडरखवाररमापतिजासु ॥
दो०। सहितसहायसभीतअति मानिहारिमनमैन गहेसिजाइमुनिबरचरण कहिसुठिआरतबैन ॥
चौ०। भयेउननारदमनकछुरोषा कहिप्रियबचनकामपरितोषा नाइचरणशिरआयसुपाई गयेउ-
मदनतबसहितसहाई मुनिसुशीलताआपनिकरणी सुरपतिसभाजाइसबबरणी सुनिसबकेमनअचरज-
आवा मुनिहिंप्रशंसिहरिहिंसिरनावा तबनारदगवनेशिवपाहीं जीतिकामअहमितिममाहीं मारचरित-
शंकरहिंसुनावा अतिप्रियजानिमहेशसिखावा बारबारबिनवउंमुनितोही जिमियहकथासुनायउमोही
तिमिजनिहरिहिसुनावहुकबहूं चलेहुंप्रसंगदुरायहुतबहूं ॥
दो०। शंभुदीन्हउपदेशहित नहिंनारदहिसुहान भरद्वाजकौतुकसुनहु हरिइच्छाबलवान ॥
चौ०। रामकीन्हचाहैंसोइहोई करैअन्यथाअसनहिंकोई शंभुबचनमुनिमनहिंनभाये तबबिरंचिकेलोक-

सिधाये एकबारकरतलबरबीणा गावतहरिगुणगानप्रबीणा छीरसिंधुगवनेमुनिनाथा जहंबसश्रीनिवासश्रुतिमाथा हरषिमिलेउठिरमानिकेता बैठेआसनऋषिहिसमेता बोलेबिहसिचराचरराया बहुतदिननहिंकीन्हीमुनिदाया कामचरितनारदसबभाषे यद्यपिप्रथमबरजिशिवराषे अतिप्रचंडरघुपतिकीमाया जेहिनमोहअसकोजगजाया ॥

दो०। रूखबदनकरिबचनमृदु बोलेश्रीभगवान तुम्हरेसुमिरणतेमिटहिं मोहमारमदमान ॥

चौ०। सुनुमुनिमोहहोइमनताके ज्ञानबिरागहृदयनहिंजाके ब्रह्मचर्य्यब्रतरतमतिधीरा तुमहिंकिकरैमनोभवपीरा नारदकहेउसहितअभिमाना कृपातुम्हारिसकलभगवाना करुणानिधिमनदीखबिचारी उरअंकुरेउगर्बतरुभारी बेगिसोमैंडारिहौंउपारी प्रणहमारसेवकहितकारी मुनिकरहितममकौतुकहोई अवशिउपायकरबमैंसोई तबनारदहरिपदसिरनाई चलेहृदयअहमितिअधिकाई श्रीपतिनिजमायातबप्रेरी सुनहुकठिनकरणीतेहिकेरी ॥

दो०। बिरचेउमगमहंनगरतेहि शतयोजनबिस्तार श्रीनिवासपुरतेंअधिक रचनाबिबिधप्रकार ॥

चौ०। बसहिंनगरसुंदरनरनारी जनुबहुमनसिजरतितनुधारी तेहिपुरबसैशीलनिधिराजा अगणितहयगजसेनसमाजा शतसुरेशसमबिभवबिलासा रूपतेजबलनीतिनिवासा बिश्वमोहनीतासुकुमारी श्रीबिमोहजेहिरूपनिहारी सोहरिमायासबगुणखानी शोभातासुकिजाइबखानी करैस्वयंबरसोनृपबाला आयेतहंअगणितमहिपाला मुनिकौतुकीनगरतेहिगयऊ पुरबासिनसनबूझतभयऊ सुनिसबचरितभूपगृहआये करिपूजानृपमुनिबैठाये ॥

दो०। आनिदेखाईनारदहिं भूपतिराजकुमारि कहहुनाथगुणदोषसब इहिकरहृदयबिचारि ॥

चौ०। देखिरूपमुनिबिरतिबिसारी बडीबारलगिरहेनिहारी लक्षणतासुबिलोकिभुलाने हृदयहर्षनहिंप्रगटबखाने जोइहिबरैअमरसोहोई समरभूमितेहिजीतनकोई सेवहिंसकलचराचरताही बरैशीलनिधिकन्याजाही लक्षणसबबिचारिउरराषे कछुकबनाइभूपसनभाषे सुतासुलक्षणिकहिनृपपाहीं नारदचलेसोचमनमाहीं करौंजाइसोइयतनबिचारी जेहिप्रकारमोहिबरैकुमारी जपतपकछुनहोइइहिकाला हेबिधिमिलैकवनबिधिबाला ॥

दो०। इहिअवसरचाहियपरम शोभारूपबिशाल जोबिलोकिरीझैकुंवरि तबमेलैजयमाल ॥

चौ०। हरिसनमागौंसुंदरताई होइहिजातगहरअतिभाई मोरेहितहरिसमनहिंकोऊ इहिअवसरसहायसोहोऊ बहुबिधिबिनयकीन्हतेहिकाला प्रगटेउप्रभुकौतुकीकृपाला प्रभुबिलोकिमुनिनयनजुडाने होइहिकाजहियेहरषाने अतिआरतकहिकथासुनाई करहुकृपाप्रभुहोहुसहाई आपनरूपदेहुप्रभुमोही आनभांतिनहिंपावउंओही जेहिबिधिनाथहोइहितमोरा करौसोबेगिदासमैंतोरा निजमायाबलदेखिबिशाला हियहंसिबोलेदीनदयाला ॥

दो०। जेहिबिधिहोइहिपरमहित नारदसुनहुतुम्हार सोइहमकरबनआनकछु बचननमृषाहमार ॥

चौ०। कुपथमांगुरुजव्याकुलरोगी बैदनदेइसुनहुमुनियोगी इहिबिधिहिततुम्हारमैंठयऊ कहिअसअंतरहितप्रभुभयऊ मायाबिबशभयेमुनिमूढा समुझिनहींहरिगिरानिगूढा गवनेतुरततहांऋषिराई

जहांस्वयंबरभूमिबनाई निजनिजआसनबैठेराजा बहुबनावकरिसहितसमाजा मुनिमनहरषरूपअतिमोरे
मोहितजिआनबरिहिनहिंभोरे मुनिहितकारणकृपानिधाना दीन्हकुरूपनजाइबखाना सोचरित्रलखि-
काहुनपावा नारदजानिसबहिंसिरनावा ॥

दो० । रहेतहांदुइरुद्रगण तेजानहिंसबभेउ बिप्रभेषदेखनफिरहिं परमकौतुकीतेउ ॥

चौ० । जेहिसमाजबैठेमुनिजाई हृदयरूपअहमितिअधिकाई तहंबैठेमहेशगणदोऊ बिप्रभेषगतिलखैन-
कोऊ करहिंकूटनारदहिंसुनाई नीकिदीन्हहरिसुंदरताई रीझिहिराजकुंवरिछबिदेषी इनहिंबरिहि-
हरिजानिबिशेषी मुनिहिमोहमनहाथपराये हंसहिंशंभुगणअतिसचुपाये यदपिसुनहिंमुनिअटपटिबानी
समुझिनपरैबुद्धिभ्रमसानी काहुनलखासोचरितबिशेषी सोसरूपनृपकन्यादेषी मर्कटबदनभयंकरदेही
देखतहृदयक्रोधभातेही ॥

दो० । सखीसंगलैकुंवरितब चलिजनुराजमराल देखतिफिरैमहीपसब करसरोजजयमाल ॥

चौ० । जेहिदिशिबैठेनारदफूली सोदिशितेहिनबिलोकीभूली पुनिपुनिमुनिउकसहिंअकुलाहीं देखि-
दशाहरगणमुसुकाहीं धरिनृपतनुतहंगयउकृपाला कुंवरिहरषिमेलेउजयमाला दुलहिनिलैगेलछि-
निवासा नृपसमाजसबभयेउनिरासा मुनिअतिबिकलमोहमतिनाठी मणिगिरिगईछूटिजनुगांठी तब-
हरगणबोलेमुसुकाई निजमुखमुकुरबिलोकहुजाई असकहिदोउभागेभयभारी बदनदीखमुनिबारि-
निहारी भेषबिलोकिक्रोधअतिबाढा तिनहिंश्रापदीन्हाअतिगाढा ॥

दो० । होहुनिशाचरजाइतुम कपटीपापीदोउ हंसेहुहमहिंसोलेहुफल बहुरिहंसेउमुनिकोउ ॥

चौ० । पुनिजलदीखरूपनिजपावा तदपिहृदयसंतोषनआवा फरकतअधरकोपमनमाहीं सपदिचले-
कमलापतिपाहीं दैहौंश्रापकिमरिहौंजाई जगतमोरिउपहासकराई बीचहिंपंथमिलेदनुजारी संगरमा-
सोइराजकुमारी बोलेमधुरबचनसुरसाईं मुनिकहंचलेबिकलकीनाईं सुनतबचनउपजाअतिक्रोधा
मायाबशनरहामनबोधा परसंपदासकहुनहिंदेषी तुमरेईर्ष्याकपटबिशेषी मथतसिंधुरुद्रहिंबौरायेहु
सुरनप्रेरिबिषपानकरायेहु ॥

दो० । असुरसुराबिषशंकरहिं आपुरमामणिचारु स्वारथसाधककुटिलतुम सदाकपटब्यवहारु ॥

चौ० । परमस्वतंत्रनसिरपरकोई भावैमनहिंकरहुतुमसोई भलेहिमंदमंदहिभलकरहू बिस्मयहरष-
नहियकछुधरहू डहंकिडहंकिपरिचेहुसबकाहू अतिअशंकमनसदाउछाहू कर्मशुभाशुभतुमहिंनबाधा
अबलगितुमहिनकाहूसाधा भलेभवनअबबायनदीन्हा पावहुगेफलआपनकीन्हा बंचेहुमोहिजवनधरि-
देहा सोइतनुधरहुश्रापममयेहा कपिआकृतितुमकीन्हहमारी करिहहिंकीशसहाइतुम्हारी मम-
अपकारकीन्हतुमभारी नारिबिरहतुमहोबदुखारी ॥

दो० । श्रापसीसधरिहरषिहिय प्रभुसुरकारजकीन्ह निजमायाकीप्रबलता करषिकृपानिधिलीन्ह ॥

चौ० । जबहरिमायादूरिनिवारी नहिंतहंरमानराजकुमारी तबमुनिअतिसभीतहरिचरणा गहेपाहि-
प्रणतारतिहरणा मृषाहोउममश्रापकृपाला ममइच्छाकहदीनदयाला मैंदुर्बचनकहेउबहुतेरे कहमुनि-
पापमिटहिंकिमिमेरे जपहुजाइशंकरशतनामा होइहिहृदयतुरतबिश्रामा कोउनहिंशिवसमानप्रियमोरे

असप्रतीतित्यागेजुअनिभोरे जेहिपरकृपानकरहिंपुरारी सोनपावमुनिभक्तिहमारी असउरधरिमहिविचरहुजाई अबनतुमहिंमायानियराई ॥

दो०। बहुबिधिमुनिहिंप्रबोधिप्रभु तबभयेअंतर्ध्यान सत्यलोकनारदचले करतरामगुणगान ॥

चौ०। हरगणमुनिहिंजातपथदेषी बिगतमोहमनहर्षबिशेषी अतिसभीतनारदपहंआये गहिपदआरतबचनसुनाये हरगणहमनविप्रमुनिराया बडअपराधकीन्हफलपाया आपअनुग्रहकरहुकृपाला बोलेनारददीनदयाला निशिचरजायहोहुतुमदोऊ वैभवविपुलतेजबलहोऊ भुजबलबिश्वजितबतुमजबहिआ धरिहहिंविष्णुमनुजतनुतहिआ समरमरणहरिहाथतुम्हारा होइहहुमुक्तनपुनिसंसारा चलेयुगलमुनिपदसिरनाई भयेनिशाचरकालहिंपाई ॥

दो०। एककल्पइहिहेतुप्रभु लीन्हमनुजअवतार सुररंजनसज्जनसुखद हरिभंजनभुभार ॥

चौ०। इहिबिधिजन्मकर्महरिकेरे सुंदरसुखदबिचित्रघनेरे कल्पकल्पप्रतिप्रभुअवतरहीं चारुचरितनानाबिधकरहीं तबतबकथामुनीशनगाई परमपुनीतबिचित्रसुहाई बिबिधप्रसंगअनूपबखाने करहिंनसुनिआश्चर्य्यसयाने हरिअनंतहरिकथाअनंता कहहिंसुनहिंबहुबिधिश्रुतिसंता रामचंद्रकेचरितसुहाये कल्पकोटिलगिजाहिंनगाये यहप्रसंगमैंकहाभवानी हरिमायामोहहिंमुनिज्ञानी प्रभुकौतुकीप्रणतहितकारी सेवतसुलभसकलदुखहारी ॥

सो०। सुरनरमुनिकोउनाहिं जेहिनमोहमायाप्रबल असबिचारिमनमाहिं भजियमहामायापतिहिं ॥

चौ०। अपरहेतुसुनुशैलकुमारी कहौंबिचित्रकथाबिस्तारी जेहिकारणअजअगुणअनूपा ब्रह्मभयेकोशलपुरभूपा जोप्रभुबिपिनिफिरततुमदेषा बंधुसमेतकियेमुनिभेषा जासुचरितअवलोकिभवानी सतीशरीररहिउबौरानी अजहुंनछायामिटतितुम्हारी तासुचरितसुनुभ्रमरजुहारी लीलाकीन्हजोतेहिअवतारा सोसबकहिहौंमतिअनुसारा भरद्वाजसुनिशंकरबानी सकुचिसप्रेमउमामुसुकानी लगेबहुरिबरनैवृषकेतू सोअवतारभयउजेहिहेतू ॥

दो०। सोमैंतुमसनकहौंसब सुनुमुनीशमनलाइ रामकथाकलिमलहरणि मंगलकरणिसुहाइ ॥

चौ०। स्वायंभूमनुअरुशतरूपा जिनतेभइनरसृष्टिअनूपा दंपतिधर्मआचरणनीका अजहुंगावश्रुतिजिनकीलीका नृपउत्तानपादसुतताहू ध्रुवहरिभक्तभयेसुतजाहू लघुसुतनामप्रियब्रतताही वेदपुराणप्रशंसतजाही देवहूतिपुनितासुकुमारी जोमुनिकर्दमकीप्रियनारी आदिदेवप्रभुदीनदयाला जठरधरेउजेहिकपिलकृपाला सांख्यशास्त्रजिनप्रगटबखाना तत्त्वबिचारनिपुणभगवाना तेहिमनुराजकीन्हबहुकाला प्रभुआयसुबहुबिधिप्रतिपाला ॥

सो०। होइनविषयबिराग भवनबसतभाचौथपन हृदयबहुतदुखलाग जन्मगयउहरिभक्तिबिन ॥

चौ०। बरबसराजसुतहिंतबदीन्हा नारिसमेतगवनबनकीन्हा तीरथबरनैमिषविख्याता अतिपुनीतसाधकसिधिदाता बसहिंजहांमुनिसिद्धसमाजा तहंहियहरषिचलेमनुराजा पंथजातसोहहिंमतिधीरा ज्ञानभक्तिजनुधरेशरीरा पहुंचेजाइधेनुमतितीरा हरषिनहानेनिर्मलनीरा आयेमिलनसिद्धमुनिज्ञानी धर्मधुरंधरनृपऋषिजानी जहंजहंतीरथरहेसुहाये मुनिनसकलसादरकरवाये कृशशरीरमुनिपटपरिधाना संतसभानितसुनहिंपुराना ॥

दो०। द्वादशअक्षरमंत्रबर जपहिंसहितअनुराग बासुदेवपदपंकरुह दंपतिमनअतिलाग॥
चौ०। करहिंअहारशाकफलकंदा सुमिरहिंब्रह्मसच्चिदानंदा पुनिहरिहेतुकरनतपलागे बारिअहार-
मूलफलत्यागे उरअभिलाषनिरंतरहोई देखियनयनपरमप्रभुसोई अगुणअखंडअनंतअनादी जेहि-
चिंतहिंपरमारथबादी नेतिनेतिजेहिवेदनिरूपा चिदानंदनिरुपाधिअनूपा शंभुबिरंचिबिष्णुभगवाना
उपजहिंजासुअंशतेनाना ऐसेउप्रभुसेवकबशअहहीं भक्तहेतुलीलातनुगहहीं जौयहबचनसत्यश्रुतिभाषा
तौहमारपूजिहिअभिलाषा॥
दो०। इहिविधिबीतेबर्षषट सहसवारिआहार संबतसप्तसहस्रपुनि रहेसमीरअधार॥
चौ०। बरषसहस्रदशत्यागेउसोऊ ठाढेरहेएकपगदोऊ बिधिहरिहरतपदेखिअपारा मनुसमीपआये-
बहुबारा मांगहुबरबहुभांतिलुभाये परमधीरनहिंचलहिंचलाये अस्थिमात्रहोयरहेशरीरा तदपि-
मनागमिनहिंमनपीरा प्रभुसर्बज्ञदासनिजजानी गतिअनन्यतापसनृपरानी मांगमांगुबरभैनभबानी
परमगंभीरकृपामृतसानी मृतकजिआवनिगिरासुहाई श्रवणरंध्रहोइउरजबआई हृष्टपुष्टतनभयेउ-
सुहाये मानहुंअबहिंभवनतेआये॥
दो०। श्रवणसुधासमबचनसुनि पुलकप्रफुल्लितगात बोलेमनुकरिदंडवत प्रेमनहृदयसमात॥
चौ०। सुनुसेवकसुरतरुसुरधेनू बिधिहरिहरबंदितपदरेनू सेवतसुलभसकलसुखदायक प्रणतपालस-
चराचरनायक जौअनाथहितहमपरनेहू तौप्रसन्नहोययहबरदेहू जोसरूपबसशिवमनमाहीं जेहि-
कारणमुनियतनकराहीं जोभुशुंडिमनमानसहंसा सगुणअगुणजेहिनिगमप्रशंसा देखहिंहमसोरूपभरि-
लोचन कृपाकरहुप्रणतारतिमोचन दंपतिबचनपरमप्रियलागे मृदुलबिनीतप्रेमरसपागे भक्तबछलप्रभु
कृपानिधाना बिश्वबासप्रगटेभगवाना॥
दो०। नीलसरोरुहनीलमणि नीलनीरधरश्याम लाजहिंतनुशोभानिरखि कोटिकोटिशतकाम॥
चौ०। शरदमयंकबदनछबिसीवां चारुकपोलचिबुकदरग्रीवां अधरअरुणरदसुंदरनासा बिधुकर-
निकरबिनिंदकहासा नवअंबुजअंबकछबिनीकी चितवनिललितभावतीजीकी भृकुटिमनोजचापछबिहारी
तिलकललाटपटलदुतिकारी कुंडलमकरमुकुटसिरभ्राजा कुटिलकेशजनुमधुपसमाजा उरश्रीवत्सरुचिर-
बनमाला पदिकहारभूषणमणिजाला केहरिकंधरचारुजनेऊ बाहुबिभूषणसुंदरतेऊ करिकरसरिस-
सुभगभुजदंडा कटिनिषंगकरशरकोदंडा॥
दो०। तडितबिनिंदकपीतपट उदररेखबरतीनि नाभिमनोहरलेतिजनु यमुनभंवरछबिछीनि॥
चौ०। पदराजीवबरणिनहिंजाहीं मुनिमनमधुपबसहिंजेहिमाहीं बामभागशोभतिअनुकूला आदिशक्ति-
छबिनिधिजगमूला जासुअंशउपजहिंगुणखानी अगणितउमारमाब्रह्मानी भृकुटिबिलासजासुजगहोई
रामबामदिशिसीतासोई छबिसमुद्रहरिरूपबिलोकी इकटकरहेनयनपटरोकी चितवहिंसादररूपअनूपा
तृप्तिनमानहिंमनुशतरूपा हर्षबिबसतनुदशाभुलानी परेदंडइवगहिपदपानी सिरपरसेप्रभुनिजकरकंजा
तुरतउठायेकरुणापुंजा॥
दो०। बोलेकृपानिधानपुनि अतिप्रसन्नमोहिजानि मांगहुबरजोइभावमन महादानिअनुमानि॥

चौ०। सुनिप्रभुबचनजोरियुगपाणी धरिधीरजबोलेमृदुबाणी नाथदेखिपदकमलतुम्हारे अबपूजे-
सबकामहमारे एकलालसाबडिमनमाहीं सुगमअगमकहिजातसोनाहीं तुमहिंदेतअतिसुगमगुसाईं
अगमलागुमोहिनिजकृपिणाईं यथादरिद्रबिबुधतरुजाई बहुसंपतिमांगतसकुचाई तासुप्रभावनजानै-
सोई तथाहृदयममसंशयहोई सोतुमजानहुअन्तरजामी पुरवहुमोरमनोरथस्वामी सकुचबिहाइमांगु-
नृपमोहीं मोरेनहिंअदेयकछुतोहीं ॥

दो०। दानिशिरोमणिकृपानिधि नाथकहौंसतभाव चाहौंतुमहिंसमानसुत प्रभुसनकवनदुराव ॥

चौ०। देखिप्रीतिसुनिबचनअमोले एवमस्तुकरुणानिधिबोले आपसरिसखोजौंकहंजाई नृपतवतनय-
होबमैंआई शतरूपहिंबिलोकिकरजोरे देंबिमांगुबरजोरुचितोरे जोबरनाथचतुरनृपमांगा सोइकृपालु-
मोहिअतिप्रियलागा प्रभुपरंतुसुठिहोतिढिठाई यदपिभक्तहितनतुमहिसुहाई तुमब्रह्मादिजनकजगस्वामी
ब्रह्मसकलउरअंतरजामी अससमुझतमनसंशयहोई कहाजोप्रभुप्रमाणपुनिसोई जेनिजभक्तनाथतबअहईं
जोसुखपावहिंसोगतिलहईं ॥

दो०। सोइसुखसोइगतिसोइभगति सोइनिजचरणसनेहु सोइबिबेकसोइरहनिप्रभु मोहिकृपाकरिदेहु ॥

चौ०। सुनिमृदुगूढरुचिरबररचना कृपासिंधुबोलेमृदुबचना जोकछुरुचितुम्हरेमनमाहीं मैंसोदीन्ह-
सबसंशयनाहीं मातुबिबेकअलौकिकतोरे कबहुंनमिटिहिअनुग्रहमोरे बंदिचरणमनुकहेउबहोरी अवर-
एकबिनतीप्रभुमोरी सुतबिषयकतवपदरतिहोऊ मोहिबरुमूढकहैकिनकोऊ मणिबिनुफणिजिमिजलबिनु-
मीना ममजीवनतिमितुमहिंअधीना असबरमांगिचरणगहिरहेऊ एवमस्तुकरुणानिधिकहेऊ अबतुम-
ममअनुशासनमानी बसहुजाइसुरपतिरजधानी ॥

सो०। तहंकरिभोगबिशाल तातगयेकछुकालपुनि होइहहुअवधभुआल तबमैंहोबतुम्हारसुत ॥

चौ०। इच्छामयनरभेषसंवारे होइहोंप्रगटनिकेततुम्हारे अंशनसहितदेहधरिताता करिहौंचरितभक्त-
सुखदाता जेसुनिसादरनरबडभागी भवतरिहहिंममतामदत्यागी आदिशक्तिजेहिजगउपजाया सोउ-
अवतरहिमोरियहमाया पुरउबमैंअभिलाषतुम्हारा सत्यसत्यप्रणसत्यहमारा पुनिपुनिअसकहिकृपानिधाना
अन्तर्ध्यानभयेभगवाना दंपतिउरधरिभक्तिकृपाला तेहिआश्रमनिबसेकछुकाला समयपाइतनुतजि-
अनयासा जाइकीन्हअमरावतिबासा ॥

दो०। यहइतिहासपुनीतअति उमहिंकहेउबृषकेतु भरद्वाजसुनुअपरपुनि रामजन्मकरहेतु ॥

चौ०। सुनुमुनिकथापुनीतपुरानी जोगिरिजाप्रतिशंभुबखानी बिश्वबिदितइककैकयदेशू सत्यकेतुतहं-
बसैनरेशू धर्मधुरंधरनीतिनिधाना तेजप्रतापशीलबलवाना तेहिकेभयेयुगलसुतबीरा सबगुणधाम-
महारणधीरा रजधानीजेठेसुतआही नामप्रतापभानुअसताही अपरसुतहिंअरिमर्दननामा भुजबल-
अतुलअचलसंग्रामा भाइहिभाइपरस्परप्रीती सकलदोषछलबर्जितरीती जेठेसुतहिंराजनृपदीन्हा
हरिहितआपुगवनबनकीन्हा ॥

दो०। जबप्रतापरबिभयउनृप फिरीदोहाईदेश प्रजापालअतिबेदबिधि कतहुंनहींअघलेश ॥

चौ०। नृपहितकारकसचिवसुजाना, नामधर्मरुचिशुक्रसमाना सचिवसयानबंधुबलबीरा आपुप्रतापपुंज-

रणधीरा सेनसंगचतुरंगअपारा अमितसुभटसबसमरजुझारा सेनबिलोकिराउहरषाना अरुबाज-
गहगहेनिसाना बिजयहेतुकटकाइबनाई सुदिनसाधिनृपचलेउबजाई जहँतहँपरीअनेकलराई जीते-
सकलभूपबरिआई सप्तदीपभुजबलबशकीन्हा लैलैदंडछाडिनृपदीन्हा सकलअवनिमंडलतेहिकाला
एकप्रतापभानुमहिपाला ॥

दो०। स्वबशबिश्वकरिबाहुबल निजपुरकीन्हप्रवेश अर्थधर्म्मकामादिसुख सेवहिंसबैनरेश ॥

चौ०। भूपप्रतापभानुबलपाई कामधेनुभइभूमिसुहाई सबदुखबर्ज्जितप्रजासुखारी धर्मशीलसुंदरनरनारी
सचिवधर्मरुचिहरिपदप्रीती नृपहितहेतुसिखावतनीती गुरुसुरसन्तपितरमहिदेवा करैसदानृपसबकीसेवा
भूपधर्मजेवेदबखानै सकलकरैसादरसुखमानै दिनप्रतिदेइबिबिधबिधिदाना सुनैशास्त्रबरवेदपुराना
नानाबापीकूपतडागा सुमनबाटिकासुंदरबागा बिप्रभवनसुरभवनसुहाये सबतीरथनबिचित्रबनाये ॥

दो०। जहँलगिकहेपुराणश्रुति एकएकसबयाग बारसहस्रसहस्रनृप कियेसहितअनुराग ॥

चौ०। हृदयनकछुफलअनुसंधाना भूपबिवेकीपरमसुजाना करैजोधर्मकर्ममनबानी बासुदेवअर्पित-
नृपज्ञानी चढिबरबाजिबारइकराजा मृगयाकरसबसाजिसमाजा बिंध्याचलगंभीरबनगयऊ मृगपुनीत-
बहुमारतभयऊ फिरतबिपिननृपदीखबराहू जनुबनदुरेउशशिहिंग्रसिराहू बडबिधुनहिंसमातमुखमाहीं
मनहुंक्रोधबशउगिलतनाहीं कोलकरालदशनछबिगाई तनुबिशालपीवरअधिकाई घुरघुरातहयआरव-
पायें चकितबिलोकतकानउठायें ॥

दो०। नीलमहीधरशिखरसम देखिबिशालबराह चपरिचलेउहयसुटुकिनृप हांकिनहोइनिबाह ॥

चौ०। आवतदेखिअधिकरवबाजी चलाबराहमरुतगतिभाजी तुरतकीन्हनृपशरसंधाना महिमिलिगयेउ-
बिलोकतबाना तकितकितीरमहीशचलावा करिछलसुअरशरीरबचावा प्रगटतदुरतजाइमृगभागा
रिसबशभूपचलेउसंगलागा गयेउदूरिघनगहनबराहू जहँनाहिंगजबाजिनिबाहू अतिअकेलबनबिपुल-
कलेशू तदपिनमृगमगतजैनरेशू कोलबिलोकिभूपबडधीरा भागिपैठगिरिगुहागंभीरा अगमदेखिनृप-
अतिपछिताई फिरेउमहाबनपरेउभुलाई ॥

दो०। खेदखिन्नतृषितक्षुधित राजाबाजिसमेत खोजतव्याकुलसरितसर जलबिनुभयेउअचेत ॥

चौ०। फिरतबिपिनिआश्रमइकदेखा तहँबसनृपतिकपटमुनिभेषा जासुदेशनृपलीन्हछुडाई समरसेनतजि-
गयेउपराई समयप्रतापभानुकरजानी आपनअतिअसमयअनुमानी गयेउनगृहमनबहुतगलानी
मिलानराजहिंनृपअभिमानी रिसउरमारिरंकजिमिराजा बिपिनिबसैतापसकेसाजा तासुसमीपगवन-
नृपकीन्हा यहप्रतापरबितेइतबचीन्हा राउतृषितनहिंसोपहिचाना देखिसुभेषमहामुनिजाना उतरितुरग-
तेंकीन्हप्रणामा परमचतुरनकहेउनिजनामा ॥

दो०। भूपतितृषितबिलोकितेइ सरवरदीन्हदेखाइ मज्जनपानसमेतहय कीन्हनृपतिहरषाइ ॥

चौ०। गैश्रमसकलसुखीनृपभयऊ निजआश्रमतापसलैगयऊ आसनदीन्हअस्तरबिजानी पुनितापस-
बोलामृदुबानी कोतुमकसबनफिरहुअकेले सुंदरयुवाजीवपरहेले चक्रवर्तिकेलक्षणतोरे देखतदया-
लागिअतिमोरे नामप्रतापभानुअवनीशा तासुसचिवमैंसुनहुमुनीशा फिरतअहेरेपरेउंभुलाई बडेभाग्य-

देखउंपदआई हमकहंदुर्लभदरशतुम्हारा। जानतहौंकछुभलहोनिहारा। कहमुनितातभयेउअंधियारा।
योजनसत्तरनगरतुम्हारा॥

दो०। निशाघोरगंभीरवन पंथनहमसुजान वसहुआजुअसजानितुम जायेहुहोतबिहान॥
तुलसीजसिभवितव्यता तैसेमिलैसहाय आपुनआवैताहिपै किताहिनहांलेजाय॥

चौ०। भलेहिनाथआयसुधरिसीसा बांधितुरगतरुबैठमहीशा नृपबहुभांतिप्रशंसेउताही चरणबंदि-
निजभाग्यसराही पुनिबोलेउमृदुगिरासुहाई जानिपिताप्रभुकरौंढिठाई मोहिमुनीशसुतसेवकजानी
नाथनामनिजकहहुबखानी तेहिनजाननृपनृपहिंसोजाना भूपसुहृदयसोकपटसयाना बैरीपुनिछत्री-
पुनिराजा छलबलकीन्हचहैनिजकाजा समुझिराजसुखदुखितअराती अवाअनलइवसुलगैछाती सरल-
बचननृपकेसुनिकाना वयरसंभारिहृदयहरषाना॥

दो०। कपटबोरिबाणीमृदुल बोलेउयुक्तिसमेत नामहमारभिखारिअब निर्धनरहितनिकेत॥

चौ०। कहनृपजेविज्ञाननिधाना तुमसारिखेगलितअभिमाना सदाअपनपौरहहिंदुराये सबबिधिकुशल-
कुभेषबनाये तेहितेकहहिंसंतश्रुतिटेरे परमअकिंचनप्रियहरिकेरे तुमसमअधनभिखारिअगेहा होत-
बिरंचिशिवहिंसंदेहा योसिसोसितवचरणनमामी मोपरकृपाकरियअबस्वामी सहजप्रीतिभूपतिकीदेखी
आपविषैविश्वासविशेषी सबप्रकारराजहिंअपनाई बोलेउअधिकसनेहजनाई सुनसतिभावकहौंमहिपाला
इहांबसतबीतेबहुकाला।

दो०। अबलगिमोहिनमिलेउकोउ मैंनजनायेउंकाहु लोकमान्यताअनलसम करतपकाननदाहु॥

सो०। तुलसीदेखिसुबेष भूलहिंमूढनचतुरनर सुंदरकेकिहिंपेखि बचनसुधासमअशनअहि॥

चौ०। तातगुप्तरहौंजगमाहीं हरितजिकिमपिप्रयोजननाहीं प्रभुजानतसबबिनहिंजनाये कहहुकवन-
सिधिलोकरिझाये तुमशुचिसुमतिपरमप्रियमोरे प्रीतिप्रतीतिमोहिपरतोरे अबजोतातदुरावौंतोही
दारुणदोषबढैअतिमोही जिमिजिमितापसकथैउदासा तिमितिमिनृपहिहोइबिश्वासा देखास्ववशकर्म-
मनबानी तबबोलातापसबकध्यानी नामहमारएकतनुभाई सुनिनृपबोलेउपुनिसिरनाई कहहुनामकर-
अर्थबखानी मोहिसेवकअतिआपनजानी॥

दो०। आदिसृष्टिउपजीजबै तबउतपतिभइमोरि नामएकतनुहेतुतेहि देहनधरीबहोरि॥

चौ०। जनिआश्चर्य्यकरहुमनमाहीं सुततपतेंदुर्लभकछुनाहीं तपबलतेंजगसृजैबिधाता तपबलविष्णुभये-
परित्राता तपबलशंभुकरहिंसंहारा तपतेंअगमनकछुसंसारा भयउनृपहिंसुनिअतिअनुरागा कथापुरातन-
कहैसोलागा कर्मधर्मइतिहासअनेका करैनिरूपणबिरतिबिवेका उद्भवपालनप्रलयकहानी कहेसि-
अमितआश्चर्य्यबखानी सुनिमहीशतापसबशभयऊ आपननामकहनतबलयऊ कहतापसनृपजानौंतोही
कीन्हेउकपटलागुभलमोही॥

सो०। सुनुमहीशअसिनीति जहंतहंनामनकहहिंनृप मोहितोहिपरअतिप्रीति परमचतुरतानिरखितव॥

चौ०। नामतुम्हारप्रतापदिनेशा सत्यकेतुतवपितानरेशा गुरुप्रसादसबजानियराजा कहियनआपनिहिं-
जानिअकाजा देखितातनवसहजसुधाई प्रीतिप्रतीतिनीतिनिपुणाई उपजिपरीममतामनमोरे कहेउं-

कथानिजनृपतेनोरे अबप्रसन्नमैंसंशयनाहीं मांगुजोभूपभावमनमाहीं सुनिसुबचनभूपतिहरषाना गहि-
पदबिनयकीन्हबिधिनाना कृपासिंधुमुनिदरशनतोरे चारिपदारथकरतलमोरे प्रभुहिंतथापिप्रसन्नबिलोकी
मांगिअगमबरहोउंअशोकी ॥

दो०। जरामरणदुखरहिततनु समरनजीतैकोउ एकछत्ररिपुहीनमहि राजकल्पशतहोउ ॥

चौ०। कहतापसनृपऐसइहोऊ कारणएककठिनसुनुसोऊ कालौतवपदनाइहिसीसा एकबिप्रकुलछांडि-
महीशा तपबलबिप्रसदाबरियारा तिनकेकोपनकोउरखवारा जौबिप्रनवशकरहुनरेशा तौतववश-
बिधिबिष्णुमहेशा चलनब्रह्मकुलसेंबरिआई सत्यकहौंदोउभुजाउठाई बिप्रशापबिनुसुनुमहिपाला तोर-
नाशनहिंकवनेहुंकाला हरषेउराउबचनसुनितासू नाथनहोइमोरअबनासू तवप्रसादप्रभुकृपानिधाना
मोकहंसर्वकालकल्याना ॥

दो०। एवमस्तुकहिकपटमुनि बोलाकुटिलबहोरि मिलबहमारभुलानिज कहहुतोमोरिनखोरि ॥

चौ०। तातेंमैंतोहिबरजौंराजा कहेकथातवपरमअकाजा छठेश्रवणयहपरतकहानी नाशतुम्हारसत्य-
ममबानी यहप्रगटेअथवाद्विजशापा नाशतोरसुनुभानुप्रतापा आनउपायनिधनतवनाहीं जौंहरिहर-
कोपहिंमनमाहीं सत्यनाथपदगहिनृपभाषा द्विजगुरुकोपकहहुकोराषा राखैगुरुजोकोपबिधाता गुरु-
बिरोधनहिंकोउजगत्राता जौंनचलबहमकहेतुम्हारे होइनाशनहिंसोचहमारे एकहिडरडरपतमन-
मोरा प्रभुमहिदेवशापअतिघोरा ॥

दो०। होहिंबिप्रबशकवनबिधि कहहुकृपाकरिसोउ तुमतजिदीनदयालनिज हितूनदेखौंकोउ ॥

चौ०। सुनुनृपबिबिधयतनजगमाहीं कष्टसाध्यपुनिहोहिंकिनाहीं अहैएकअतिसुगमउपाई तहांपरंतु-
एककठिनाई ममआधीनयुक्तिनृपसोई मोरजाबतवनगरनहोई आजुलगेअरुजबतेंभयऊं काहूकेगृह-
ग्रामनगयऊं जोनजाबतवहोइअकाजू बनाआइअसमंजसआजू सुनिमहीपबोलेमृदुबानी नाथनिगम-
असनीतिबखानी बडेसनेहलघुनपरकरहीं गिरिनिजसिरनसदातृणधरहीं जलधिअगाधमौलिबहफेनू
संततधरणिधरतसिररेणू ॥

दो०। असकहिगहेनरेशपद स्वामीहोहुकृपालु मोहिलागिदुखसहियप्रभु सज्जनदीनदयालु ॥

चौ०। जानिनृपहिंआपनआधीना बोलातापसकपटप्रबीना सत्यकहौंभूपतिसुनुतोही जगमहंनहिंदुर्लभ-
कछुमोही अवशिकाजमैंकरिहौंतोरा मनक्रमबचनभक्ततैंमोरा योगयुक्तितपमंत्रप्रभाऊ फलैतबहिंजब-
करियदुराऊ जौनरेशमैंकरउंरसोई तुमपरसहुमोहिजाननकोई अन्नसोजोइजोइभोजनकरई सोइसोइ-
तवआयसुअनुसरई पुनितिनकेगृहजेवैंजोई तववशहोइभूपसुनुसोई जाइउपायरचहुनृपयेहू संबतभरि-
संकल्पकरेहू ॥

दो०। नितनूतनद्विजसहसशत बरेहुसहितपरिवार मैंतुम्हरेसंकल्पलगि दिनहिंकरबजेवनार ॥

चौ०। इहिबिधिभूपकष्टअतिथोरे होइहहिंसकलबिप्रबशतोरे करिहहिंबिप्रहोममखसेवा तेहिप्रसंग-
सहजहिंवशदेवा औरएकतोहिकहौंलखाऊ मैंयहिभेषनआउबकाऊ तुम्हरेउपरोहितकहंराया हरि-
आनबमैंकरिनिजमाया तपबलतेहिकरिआपुसमाना रखिहौंइहांबरषपरमाना मैंधरितासुभेषसुनुराजा

सबबिधितोरसंवारबकाजा गैनिशिबहुतशयनअबकोजे मोहितोहिभूपभेंटदिनतीजे मैंतपबलतोहितुरग-
समेता पहुंचैहौंसोवतहिनिकेता ॥

दो०। मैंआउबसोइभेषधरि पहिचानेहुनबमोहि जबएकांतबुलाइसब कथासुनाऊंतोहि ॥

चौ०। शयनकीन्हनृपआयसुमानी आसनजाइबैठछलज्ञानी श्रमितभूपनिद्राअतिआई सोकिमिसोव-
सोचअधिकाई कालकेतुनिशिचरतहंआवा जेहिसूकरहोइनृपहिंभुलावा परममित्रतापसनृपकेरा जानैसो-
अतिकपटघनेरा तेहिकेसतसुतअरुदशभाई खलअतिअजयदेवदुखदाई प्रथमहिंभूपसमरसबमारे
बिप्रसंतसुरदेखिदुखारे तेहिखलपाछिलबयरसंभारा तापसनृपमिलिमंत्रबिचारा जेहिरिपुछयसोइरचेसि-
उपाऊ भावीबशनजानकछुराऊ ॥

दो०। रिपुतेजसीअकेलअपि लघुकरिगणियनताहु अजहुंदेतदुखरबिशशिहिं सिरअवशेषितराहु ॥

चौ०। तापसनृपनिजसखहिनिहारी हरषिमिलेउउठिभयउसुखारी मित्रहिकहिसबकथासुनाई यातु-
धानबोलासुखपाई अवसाधेउंरिपुसुनहुनरेशा जौतुमकीन्हमोरउपदेशा परिहरिसोचरहहुतुमसोई
बिनुऔषधहिंव्याधिबिधिखोई कुलसमेतरिपुमूलबहाई चौथेदिवसमिलबमैंआई तापसनृपहिंबहुतपरितोषी
चलामहाकपटीअतिरोषी भानुप्रतापहिंबाजिसमेता पहुंचायेसिसोवतहिनिकेता नृपहिंनारिपहंशयन-
कराई हयगृहबांधेसिबाजिबनाई ॥

दो०। राजाकेउपरोहितहिं हरिलेगयउबहोरि लैराखेसिगिरिखोहमहं मायाकरिमतिभोरि ॥

चौ०। आपुबिरचिउपरोहितरूपा पराजाइतेहिसेजअनूपा जागेउनृपअनभयउबिहाना देखिभवनअति-
अचरजमाना मुनिमहिमामनमहंअनुमानी उठेगवहिंजेहिजाननरानी काननगयउबाजिचढितेही पुर-
नरनारिनजानेउकेही गयेयामयुगभूपतिआवा घरघरउत्सवबाजुबधावा उपरोहितहिंदीखजबराजा
चकितबिलोकिसुमिरिसोइकाजा युगसमनृपहिगएदिनतीनी कपटीमुनिपदरहमतिलीनी समयजानि-
उपरोहितआवा नृपहिमतोसबकहिसमुझावा ॥

दो०। नृपहर्षेपहिचानिगुरु भ्रमबशरहानचेत बरेतुरतशतसहसबर बिप्रकुटुंबसमेत ॥

चौ०। उपरोहितजेंवनारबनाई छरसचारिबिधिजसश्रुतिगाई मायामयतेइकीन्हरसोई व्यंजनबहुगनि-
सकैनकोई बिबिधमृगनकरआमिषरांधा तेहिमहंबिप्रमांसुखलसांधा भोजनकहंसबबिप्रबुलाये पद-
पखारिसादरबैठाये परसनलागुजबहिंमहिपाला भइअकाशबाणीतेहिकाला बिप्रबृन्दउठिउठिगृहजाहु
हैबडिहानिअन्नजनिखाहु भयउरसोईभूसुरमांसू सबद्विजउठेमानिबिश्वासू भूपबिकलमतिमोहभुलानी
भावीबशनआवमुखबानी ॥

दो०। बोलेबिप्रसकोपतब नहिंकछुकीन्हबिचार जाइनिशाचरहोहुनृप मूढसहितपरिवार ॥

चौ०। छत्रबंधुतैंबिप्रबोलाई घालैलियेसहितसमुदाई ईश्वरराखाधर्महमारा जैहसितैंसमेतपरिवारा
संबतमध्यनाशतवहोऊ जलदातानरहिहिकुलकोऊ नृपसुनिश्रापबिकलअतित्रासा भइबहोरिबरगिरा-
अकाशा बिप्रन्हश्रापबिचारिनदीन्हा नहिंअपराधभूपकछुकीन्हा चकितबिप्रसबसुनिनभबानी भूपगये-
जहंभोजनखानी तहंनअशननहिंबिप्रसुआरा फिरेउराउमनसोचअपारा सबप्रसंगमहिसुरनसुनाई
त्रसितपरेउअवनीअकुलाई ॥

दो०। भूपतिभावीमिटैनहिं यदपिनदूषणतोर कियेअन्यथाहोइनहिं बिप्रशापअतिघोर ॥

चौ०। असकहिसबमहिदेवसिधाये समाचारपुरलोगनपाये सोचहिंदूषणदैवहिंदेहीं बिरचतहंसकाक-
कियजेहीं उपरोहितहिभवनपहुंचाई असुरतापसहिंखबरिजनाई तेहिखलजहंतहंपत्रपठाये सजिसजि-
सेनभूपसबआये घेरिन्हिनगरनिसानबजाई बिबिधभांतिनितहोतिलराई जूझेसकलसुभटकैकरणी
बंधुसमेतपरेउनृपधरणी सत्यकेतुकुलकोइनबांचा बिप्रशापकिमिहोइअसांचा रिपुहिंजीतिनृपनगरबसाई
निजनिजपुरगयेजययशपाई ॥

दो०। भरद्वाजसुनुजाहिजब होतबिधाताबाम धूरिमेरुसमजनकयम ताहिव्यालसमदाम ॥

चौ०। कालपाइमुनिसुनुसोइराजा भयउनिशाचरसहितसमाजा दशशिरताहिबीशभुजदंडा रावण-
नामबीरबरिबंडा भूपअनुजअरिमर्दननामा भयेउसोकुंभकर्णबलधामा सचिवजोरहाधर्मरुचिजासू भयेउ-
बिमात्रबंधुलघुतासू नामबिभीषणजेहिजगजाना बिष्णुभक्तबिज्ञाननिधाना रहेजेसुतसेवकनृपकेरे भये-
निशाचरघोरघनेरे कामरूपखलजिनिसअनेका कुटिलभयंकरबिगतबिवेका कृपारहितहिंसकसबपापी
बरणिनजाइंबिश्वपरितापी ॥

दो०। उपजेयदपिपुलस्त्यकुल पावनअमलअनूप तदपिमहीसुरशापबश भयेसकलअघरूप ॥

चौ०। कीन्हबिबिधतपतीनिउभाई परमउग्रसोबरणिनजाई गयउनिकटतपदेखिबिधाता मांगहुबर-
प्रसन्नमैंताता करिबिनतीपदगहिदशसीसा बोलेउबचनसुनहुजगदीशा हमकाहुकरमरहिंनमारे
वानरमनुजजातिदुइवारे एवमस्तुतुमबडतपकीन्हा मैंब्रह्मामिलितेहिवरदीन्हा पुनिप्रभुकुंभकर्णपहंगयऊ
तेहिबिलोकिमनबिस्मयभयऊ जौयहखलनितकरबअहारा होइहिसबउजारिसंसारा शारदप्रेरिता-
सुमतिफेरी मांगेसिनींदमासषटकेरी ॥

दो०। गयेउबिभीषणपासतब कहापुत्रबरमांगु तेहिमांगेउभगवंतपद कमलअमलअनुरागु ॥

चौ०। तिनहिंदेइबरब्रह्मासिधाये हर्षिततेअपनेगृहआये मयतनुजामंदोदरिनामा परमसुंदरीनारि-
ललामा सोइमयदीन्हरावणहिंआनी भईसोयातुधानपतिरानी हर्षितभयउनारिभलिपाई पुनिदोउ-
बंधुबिबाहेसिजाई गिरित्रिकूटइकसिंधुमझारी बिधिनिर्मितदुर्गमअतिभारी सोइमयदानवबहुरिसंवारा
कनकरचितमणिभवनअपारा भोगवतीजसअहिकुलवासा अमरावतिजसशक्रनिवासा तिनतेंअधिकरम्य-
अतिबंका जगबिख्याततनामतेहिलंका ॥

दो०। खाइंसिंधुगंभीरअति चारिउदिशिफिरिआव कनककोटमणिखचितदृढ बरणिनजाइबनाव ॥
हरिप्रेरितजिहिकल्पजोइ जातुधानपतिहोय शूरप्रतापीअतुलबल दलसमेतबससोय ॥

चौ०। रहेतहांनिशिचरभटभारे तेसबसुरनसमरसंहारे अबतहंरहहिंशक्रकेप्रेरे रक्षककोटियक्षपति-
केरे दशमुखकबहुंखबरिअसिपाई सेनसाजिगढघेरेसिजाई देखिबिकटभटबडिकटकाई यक्षजीवलै-
गयेपराई फिरिसबनगरदशाननदेखा गयउसोचसुखभयउबिशेषा सुंदरसहजअगमअनुमानी कीन्ह-
तहांरावणरजधानी जेहिजसयोगबांटिगृहदीन्हे सुखीसकलरजनीचरकीन्हे एकबारकुबेरपहंधावा
पुष्पकयानजीतिलैआवा ॥

दो०। कौतुकहीकैलाशपुनि लीन्हेसिजाइउठाइ   मनहुँतौलिभटबाहुबल चलाअधिकसुखपाइ ॥
चौ०। सुखसंपतिसुतसेनसहाई जयप्रतापबलबुद्धिबडाई नितनूतनसबबाढतजाई जिमिप्रतिलाभलोभ-
अधिकाई अतिबलकुंभकर्णअसभ्राता जेहिकहँनहिंप्रतिभटजगजाता करिमदपानसोवषटमासा जागत-
होइतिहूंपुरत्रासा जौदिनप्रतिअहारकरसोई बिस्वबेगिसबचौपटहोई समरधीरनहिंजाइबखाना तेहि-
समअधिकनकोउबलवाना बारिदनादजेठसुततासू भटमहँप्रथमलीकजगजासू जेहिनहोइरणसन्मुखकोई
सुरपुरनितहिपरावनहोई ॥

दो०। कुमुखअकंपनकुलिशरद धूम्रकेतुअतिकाय   एकएकजगजीतिसक ऐसेसुभटनिकाय ॥
चौ०। कामरूपजानहिंसबमाया सपनेहुजिनकेधर्मनदाया दशमुखबैठसभाइकबारा देखिअमित-
आपनपरिवारा सुतसमूहजनपरिजननाती गनैकोपारनिशाचरजाती सेनबिलोकिसहजअभिमानी
बोलावचनक्रोधमदसानी सुनहुसकलरजनीचरयूथा हमरेबैरीबिबुधबरूथा तेसन्मुखनहिंकरहिंलराई
देखिसबलरिपुजाहिंपराई तिनकरमरणएकबिधिहोई कहौंबुझाइसुनहुअबसोई द्विजभोजनमख-
होमसराधा सबकहँजाइकरहुतुमबाधा ॥

दो०। छुधाछीणबलहीनसुर सहजहिंमिलिहहिंआइ   तबमारिहौंकिछाडिहौं भलीभांतिअपनाइ ॥
चौ०। मेघनादकहपुनिहँकरावा दीन्हसीखबलबयरबढावा जेसुरसमरधीरबलवाना जिनकेलरिबेकौ-
अभिमाना तिनहिंजीतिरणआनसिबांधी उठिसुतपितुअनुशासनसाधी इहिबिधिसबहीअज्ञादीन्हा आपुन-
चलेउगदाकरलीन्हा चलतदशाननडोलतअवनी गर्जतगर्भस्रवतसुररवनी रावणआवतसुनेउसकोहा
देवनतकेउमेरुगिरिखोहा दिगपालनकेलोकसिधाये सूनेसकलदशाननआये पुनिपुनिसिंहनादकरि-
भारी देइदेवतन्हिगारिप्रचारी रणमदमत्तफिरैजगधावा प्रतिभटखोजतकतहुंनपावा * यहांसे क्षेपक *
नारदमिलेकहेसिमुसुकाई देवकहांमुनिदेहुदिखाई सुनतअनखनारदहिंनभावा श्वेतद्वीपतिहितुरत-
पठावा सागरउतरिपारसोगयउ नारिबृन्दतहंदेखतभयउ तिन्हसनकहापतिन्हपहंजाहु कहेउकिआव-
निशाचरनाहु तबमैंतिनहिंजीतिसंग्रामा लैजैहौंतुमकहंनिजधामा सुनतबचनएकजरठरिसानी धाइ-
चरणगहिगगनउडानी गईदूरिधरिधरिझकझोरा डारिसिसिंधुमध्यअतिजोरा ॥

दो०। गयोपतालअचेतह्वै मरैनबिप्रप्रसाद   सावधानउठिगर्जपुनि हियेनहरषबिषाद ॥
चौ०। जीतेसिनागनगरसबझारी गयोबहुरिबलिलोकसुरारी बावनरावणआवतजाना कियेदेवऋषि-
सनअपमाना खेलतरहेनगरशिशुनाना निजबलतिनहिंदीन्हभगवाना धाइधरातिनपुरलैआये नगर-
नारिनरदेषनधाये बीशबाहुदशकन्धरभाई बिधियहगढनिकहांकीआई राखिनिबांधिखिजावहिंभारी
नामनकहेंसहैंबहुमारी बावनदीखबहुतसकुचाना तबहुडायदियकृपानिधाना चलातुरन्तनिशाचरनाहा
लाजशंकाकछुनहिंमनमाहा ॥

दो०। अतिनिर्लजदयारहित हिंसापरअतिप्रीति   रामबिमुखदशकन्धशठ तापरचाहतजीति ॥
भरद्वाजसुनुजाहिजब होइबिधाताबाम   मणिहुंकांचहोइजाइतब लखैनकौडीदाम ॥
चौ०। जबहंकहुंफिरतदेवद्विजपावै दंडलेइबहुत्रासदिखावै इहिआचरणफिरैदिनराती महामलिन-

मनखलउनपाती बहुरितुरतपंपापुरआवा बालिनामकपिपतिजिहिठांवा अवलोकेसिइकसरवरशोभा
जिहिमंनमहामुनिन्हकरलोभा तहांकपीशकरैनिजध्याना दशकंधरहिंदेखिमुसुकाना तबरावणबोला-
करिक्रोधा बकध्यानीकपिशठबिनबोधा नामतोरसुनिआयउंधाई देकपियुद्धकाडिकदराई ॥
  दो०। मोहिजीतेंबिनुसमरसुनु बृथाध्यानतवकीश कटकटाइकहरजनिचर रदनतीनिसैबीश ॥
चौ०। बालिकहाहठिकरियनरारी दशकंधरघरजाहुबिचारी बलतुम्हारएसोइहैभाई अजयचारि-
दिशिमैंसुनिपाई इहिबिधिबालिबहुतसमुझावा कबनिहुंभांतिबोधनहिंआवा तबसकोपउठिझपटिकपीशा
दृढगहिकांखचांपदशसीशा बालिहिबिसरिगईसुधिताहू इहिबिधिबिगतभएषटमाहू एकदिवसरवि-
अंजुलिसाजा कांखतेंनिसरिदशाननभाजा निलजअशंकआवपुनितहवां करजलकेलिसहसभुजजहवां ॥
  दो०। क्षोभेउजलभुजवीशबल बूडनलगीसमाज सहसबाहुअतिक्रोधमन मोहिंसमआनकोआज ॥
चौ०। जाइदीखतहंरावणठाढा जासुबिपुलभुजबलजलबाढा मायाप्रबलमहाबलभारी लंकेश्वरकहं-
धरिसिप्रचारी निरखितियनआचरजबिशाला बांधिराखकछुदिनहयशाला लज्जितदुष्टमष्टकरिरहई
रिसउरमारिकष्टबहुसहई सकलआईदेखहिंनरनारी मारहिंलातहसैंदैगारी नामनकहैरहैसकुचाना
बहुबिधिपूजहिंनृपतिसुजाना नृत्यकरैंरंभादिकनारी दशहुमाथदशदीपकबारी मुनिपुलस्तितबजाई-
छुडावा पुनिनलशापआइतिहिंपावा ॥
  दो०। मारगजातदीखअति अनुपमसुंदरिनारि चंदनपुष्पपत्रकर पूजनचलित्रिपुरारि ॥
चौ०। देखिउर्वशीमनसकुचानी तबरावणबोलामृदुबानी कोतुमनारिगमनकहंकीन्हा लज्जाबशतिहिं-
उतरनदीन्हा मनमदमत्तबिचारनकरेउ धनपतिपुत्रबधूकरधरेउ चोन्हिताहिपुनिशंकाआई घाटिकर्म
कीन्हपछिताई मनपछिताईशोचउरभयउ लंकेश्वरलंकाकहंगयउ बिकलउर्वशीअलकहिंआई नलकूबर-
सनबातजनाई दीन्हशापतिनक्रोधअपारा रावणबंशहोउक्षयकारा चलोशापलंकाकहंआई दशकंधर-
बैठाजिहिंठाई आगेआईठाढिभइशापा निरखिदशाननअतिभयकांपा ॥
  दो०। शापहिअंगीकारकरि मनमहंकीन्हबिचार दंडकारण्यपन्हसे लीन्हनहिं रोषेउलंकभुआर ॥
चौ०। दूतचारिपठएऋषिआश्रम निरखिबिसरिगणमुनिअधिआनम तिनसनतबपूछैहिंमुनिहाला कहहु-
कुशललंकेशभुआला कुशलतासुयहसुनहुमुनीशा करतुमसनचाहतदशसीसा सुनिसोबचनमहाभयपाई
करइंबिचारबिरतिबिसराई जिहिदरबारनीतिनहिंभाई खलमंडलीजुरीतहंआई कछुबिनदियेनहींगति-
आछी घटभरिरुधिरदियेतनपाछी दूतन्हसौंपिकहामुनिज्ञानी भूपहिंकहेउजाईयहबानी ॥
  दो०। घटउघरतक्षयहोइहहु सहितसकलपरिवार दूततुरतघटलेगये लंकापतिदरवार ॥
चौ०। रावणघटलखिपरमहुलासा तबदूतनमुनिबचनप्रकाशा सुनिमुनिशापउपजउरदाहू बोलाघटलइ-
उत्तरजाहू यतनसमेतधरणिधरिएहू जानिनपावबातयहकेहू लेइघटजनकदेशतेगये गाडतखेत्रमध्यतहं-
भये जनकयज्ञरचनातहंठयेउ चामीकरहलकरषतभयेउ प्रगटिअवनितेऋषयकुमारी कन्याकहिलीन्हो-
उरगारी नामजानकीपरमपुनीता नारदआइकहापानिसीता कहिसुकथाऋषिराउसिधाये बहुरिदूत-
लंकापुरआये चारिठावंहारालंकेशा देवनकोबहुदेतकलेशा * इहांतक * रविशशिपवनबरुणधनुधारी

अग्निकालयमसबअधिकारी किन्नरसिद्धमनुजसुरनागा हठिसबहीकेपंथहिलागा ब्रह्मसृष्टिजहंलगितनु-
धारी दशमुखबशवर्तीनरनारी आयसुकरहिंसकलभयभीता नवहिंआइनितचरणबिनीता ॥

दो०। भुजबलबिश्वबश्यकरि राखेसिकोउनस्वतंत्र मंडलीकमहिरावण राजकरैनिजमंत्र ॥
देवयक्षगंधर्बनर किन्नरनागकुमारि जीतिबरीनिजबाहुबल बहुसुंदरिबरनारि ॥

चौ०। इंद्रजीतसनजोकछुकहेऊ सोसबजनुपहिलेकरिरहेऊ प्रथमहिंजिनकहंआयसुदीन्हा तिन्ह-
करचरितसुनहुजोकीन्हा देखतभीमरूपसबपापी निशिचरनिकरदेवपरितापी करहिंउपद्रवअसुरनिकाया
नानारूपधरहिंकरिमाया जेहिबिधिहोइधर्मनिर्मूला सोसबकरहिंवेदप्रतिकूला जेहिजेहिदेशधेनुद्विज-
पावहिं नगरग्रामपुरआगिलगावहिं शुभआचरणकतहुंनहिंहोई देवबिप्रगुरुमाननकोई नहिंहरि-
भक्तियज्ञजपदाना सपनेहुंसुनियनवेदपुराना ॥

छं। जपयोगबिरागातपमखभागाश्रवणसुनैदशसीसा आपुनउठिधावैरहैनपावैधरिसबघालैखीसा ॥
असभ्रष्टअचाराभासंसाराधर्मसुनियनहिंकाना तेहिबहुबिधित्रासैदेशनिकासैजोकहवेदपुराना ॥

से०। बरणिनजाइअनीति घोरनिशाचरजोकरहिं हिंसापरअतिप्रीति तिनकेपापहिकवनमिति ॥

चौ०। बाढेबहुखलचोरजुआरी जेलंपटपरधनपरनारी मानहिंमातुपितानहिंदेवा साधुनसोंकरवावहिं-
सेवा जिनकेयहआचरणभवानी तेजानहुनिशिचरसमप्रानी अतिशयदेखिधर्मकीहानी परमसभीतधरा-
अकुलानी गिरिसरिसिंधुभारनहिंमोही जसमोहिगरुअएकपरद्रोही सकलधर्मदेखहिंबिपरीता कहिन-
सकैरावणभयभीता धेनुरूपधरिहृदयबिचारी गईतहांजहंसुरमुनिझारी निजसंतापसुनायेसिरोई
काहूतेकछुकाजनहोई ॥

छं०। सुरमुनिगंधर्बामिलिकरिसर्बागयेबिरंचिकेलोका संगगोतनुधारीभूमिबिचारीपरमबिकलभयशोका ॥
ब्रह्मासबजानामनअनुमानामोरोकछुनबसाई जाकरितैंदासीसोअबिनाशीहमरोतोरसहाई ॥

से०। धरणिधरहुमनधीर कहबिरंचिहरिपदसुमिरि जानतजनकीपीर प्रभुभंजहिंदारुणबिपति ॥

चौ०। बैठेसुरसबकरहिंबिचारा कहंपाइयप्रभुकरियपुकारा पुरबैकुंठजानकहकोई कोइकहपयनिधि-
महंबसुसोई जाकेहृदयभक्तिजसप्रीती प्रभुतेहिप्रगटसदायहरीती तेहिसमाजगिरिजामैंरहेऊं अवसर-
पायबचनइककहेऊं हरिव्यापकसर्बत्रसमाना प्रेमतेंप्रगटहोहिंमैंजाना देशकालदिशिबिदिशिहुमाहीं
कहहुसोकहांजहांप्रभुनाहीं अगजगमयसबरहितबिरागी पवनतेप्रगटहोहिंजिमिआगी मोरबचनसबके-
मनमाना साधुसाधुकरिब्रह्मबखाना ॥

दो०। सुनिबिरंचिमनहर्षतनु पुलकनयनबहनीर अस्तुतिकरअजजोरिकर सावधानमतिधीर ॥

छं०। जयजयसुरनायकजनसुखदायकप्रणतपालभगवंता गोद्विजहितकारीजयअसुरारीसिंधुसुताप्रियकंता ॥
पालनसुरधरणी अद्भुतकरणी मर्मनजानैकोई जोसहजकृपाला दीनदयाला करोअनुग्रहसोई ॥
जयजयअबिनाशी सबघटबासी व्यापकपरमानन्दा अभिगतिगोतीता चरितपुनीता मायारहितमुकुन्दा ॥
जेहिलागिबिरागीअतिअनुरागीबिगतमोहमुनिबृन्दा निशिबासरध्यावहिंहरिगुणगावहिंजयतिसच्चिदानन्दा
जेहिसृष्टिउपाई त्रिबिधबनाई संगसहायनदूजा सोकरहुअघारीचिन्तहमारी जानियभक्तिनपूजा ॥

जोभवभयभंजनजनमनरंजनगंजनबिपतिबरूथा मनबचक्रमबाणीछाडिसयानीशरणसकलसुरयूथा ॥
शारदश्रुतिशेषाऋषयअशेषाजाकहंकोउनहिंजाना जेहिदीनपियारेवेदपुकारेद्रवौसोश्रीभगवाना ॥
भववारिधिमंदरसबबिधिसुंदरगणमंदिरसुखपुंजा मुनिसिद्धसकलसुरपरमभयातुरनमतनाथपदकंजा ॥

दो०। जानिसभयसुरभूमिमुनि बचनसमेतसनेह गगनगिरागंभीरभइ हरणिशोकसंदेह ॥

चौ०। जनिडरपहुमुनिसिद्धसुरेशा तुमहिंलागिधरिहौंनरभेशा अंशनसहितमनुजअवतारा लैहौंदिन-करबंशउदारा कश्यपअदितिमहातपकीन्हा तिनकहंमैंपूरबबरदीन्हा तेदशरथकौशल्यारूपा कोशल-पुरीप्रगटनरभूपा तिनकेगृहअवतरिहौंजाई रघुकुलतिलकसोचारिउभाई नारदबचनसत्यसबकरिहौं परमशक्तिसमेतअवतरिहौं हरिहौंसकलभूमिगरुआई निर्भयहोहुदेवसमुदाई गगनब्रह्मबाणीसुनिकाना तुरतफिरेसुरहृदयजुडाना तबब्रह्माधरणिहिसमुझावा अभयभईभरोसजियआवा ॥

दो०। निजलोकहिंबिरंचिगये देवन्हइहैसिखाइ बानरतनुधरिधरणिमहं हरिपदसेवहुजाइ ॥

चौ०। गयेदेवसबनिजनिजधामा भूमिसहितपायेउबिश्रामा जोकछुआयसुब्रह्मैदीन्हा हर्षेदेवबिलंबनकीन्हा बनचरदेहधरीछितिमाहीं अतुलितबलप्रतापतिनपाहीं गिरितरुनखआयुधसबबीरा हरिमारगचितवहिं-रणधीरा गिरिकाननजहंतहंभरिपूरी रहनिजनिजअनीकरचिरूरी यहसबरुचिरचरितमैंभाषा अबसो सुनहुजोबीचहिराषा अवधपुरीरघुकुलमणिराऊ वेदबिदिततेहिदशरथनाऊ धर्मधुरंधरगुणनिधिज्ञानी हृदयभक्तिमतिशारंगपानी ॥

दो०। कौशल्यादिनारिप्रिय सबआचरणपुनीत पतिअनुकूलप्रेमदृढ हरिपदकमलबिनीत ॥

चौ०। एकबारभूपतिमनमाहीं भइगलानिमोरेसुतनाहीं गुरुगृहगयेतुरतमहिपाला चरणलागिकरि-बिनयबिशाला निजदुखसुखनृपगुरुहिसुनायउ कहिबसिष्टबहुबिधिसमुझायउ धरहुधीरहोइहहिंसुत-चारी त्रिभुवनबिदितभक्तभयहारी शृंगीऋषिहिबसिष्टबुलावा पुत्रलागिशुभयज्ञकरावा भक्तिसहितमुनि-आहुतिदीन्हे प्रगटेअगिनिचरूकरलीन्हे बोलेअनलप्रेमयुतबाणी अतिप्रसन्नतहिंपरैबखानी जोबसिष्ट-कछुहृदयबिचारा सकलकाजभासिद्धतुम्हारा यहहबिबांटिदेहुनृपजाई यथायोगजेहिभागबनाई ॥

दो०। तबअदृश्यपावकभये सकलसभहिसमुझाइ परमानंदमगननृप हर्षनहृदयसमाइ ॥

चौ०। तबहिंराउप्रियनारिबुलाईं कौशल्यादितहांचलिआईं अर्द्धभागकौशल्यहिंदीन्हा उभयभागआधे-करकीन्हा केकयिकहंनृपनैसोदयऊ रहेउसोउभयभागपुनिभयऊ कौशल्याकेकयीहाथधरि दीन्ह-सुमित्रहिमनप्रसन्नकरि इहिबिधिगर्भसहितसबनारी भयउहृदयहर्षितसुखभारी जादिनतेहरिगर्भहिआये सकललोकसुखसंपतिछाये मंदिरमहंसबराजहिंरानी शोभाशीलतेजकीखानी सुखयुतकछुककालचलि-गयऊ जेहिप्रभुप्रगटसोअवसरभयऊ ॥

दो०। योगलग्नग्रहबारतिथि सकलभयेअनुकूल चरअरुअचरहर्षयुत रामजन्मसुखमूल ॥

चौ०। नवमीतिथिमधुमासपुनीता शुक्लपक्षअभिजितहरिप्रीता मध्यदिवसअतिशीतनघामा पावनकाल-लोकबिश्रामा शीतलमंदसुरभिबहबाऊ हर्षितसुरसंतनमनचाऊ बनकुसुमितगिरिगणमणियारा स्रवहिं-सकलसरितामृतधारा सोअवसरबिरंचिजबजाना चलेसकलसुरसाजिबिमाना गगनबिमलसंकुलसुरयूथा

गावहिंगुणगंधर्बबरूथा बर्षहिंसुमनसुअंजलिसाजी गहगहगगनदुन्दुभीबाजी अस्तुतिकरहिंनागमुनि-
देवा बहुबिधिलावहिंनिजनिजसेवा ॥

दो०। सुरसमूहबिनतीकरि पहुंचेनिजनिजधाम जगनिवासप्रभुपरगटे अखिललोकबिश्राम ॥

छं०। भयेप्रगटकृपालादीनदयालाकौशल्याहितकारी हर्षितमहतारीमुनिमनहारीअद्भुतरूपनिहारी ॥
लोचनअभिरामातनुघनश्यामानिजआयुधभुजचारी भूषणबनमालानयनबिशालाशोभासिंधुखरारी ॥
कहदुहुंकरजोरीअस्तुतितोरीकेहिबिधिकरौंअनंता मायागुणज्ञानातीतअमानावेदपुराणभनंता ॥
करुणासुखसागरसबगुणआगरजेहिगावहिंश्रुतिसंता सोममहितलागीजनअनुरागीप्रगटभयेश्रीकंता ॥
ब्रह्मांडनिकायानिर्मितमायारोमरोमप्रतिवेदकहै ममउरसोबासीयहउपहासीसुनतधीरमतिथिरनरहै ॥
उपजाजबज्ञानाप्रभुमुसुकानाचरितबहुतबिधिकीन्हचहै कहिकथासुनाईमातुबुझाईजेहिप्रकारसुतप्रेमलहै॥
मातापुनिबोलीसोमतिडोलीतजहुतातयहरूपा कीजैशिशुलीलाअतिप्रियशीलायहसुखपरमअनूपा ॥
सुनिबचनसुजानारोदनठानाहोयबालकसुरभूपा यहचरितजेगावहिंहरिपदपावहिंतेनपरहिंभवकूपा ॥

दो०। बिप्रधेनुसुरसंतहित लीन्हमनुजअवतार निजइच्छानिर्मिततनु मायागुणगोपार ॥

चौ०। सुनिशिशुरुदनपरमप्रियबानी संभ्रमचलिआईंसबरानी हर्षितजहंतहंधाईंदासी आनंदमगन-
सकलपुरबासी दशरथपुत्रजन्मसुनिकाना मानहुंब्रह्मानंदसमाना परमप्रेममनपुलकशरीरा चाहत-
उठनकरतमतिधीरा जाकरनामसुनतशुभहोई मोरेगृहआवाप्रभुसोई परमानंदपूरिमनराजा कहा-
बुलाइबजावहुबाजा गुरुबसिष्टकहंगयउहंकारा आयेद्विजन्हसहितनृपद्वारा अनुपमबालकदेखिनजाई
रूपराशिगुणकहिनसिराई ॥

दो०। नवनांदीमुखश्राद्धकरि जातकर्मसबकीन्ह हाटकधेनुबसनमणि नृपबिप्रनकहंदीन्ह ॥

चौ०। ध्वजपताकतोरणपुरछावा कहिनजाइजेहिभांतिबनावा सुमनबृष्टिआकाशतेहोई ब्रह्मानंदमगन-
सबकोई बृन्दबृन्दमिलिचलीलुगाईं सहजसिंगारकियेउठिधाईं कनककलशमंगलभरिथारा गावत-
पैठहिंभूपदुआरा करिआरतीनिछावरकरहीं बारबारशिशुचरणनपरहीं मागधसूतबंदिगणगायक
पावनगुणगावहिंरघुनायक सर्बसदानदीन्हसबकाहू जेहिपावाराखानहिंताहू मृगमदचंदनकुंकुमसींचा
मचीसकलबीथिनबिचकीचा ॥

दो०। गृहगृहबाजबधावशुभ प्रगटभयेसुखकन्द हरषवंतसबजहंतहं नगरनारिनरबृन्द ॥

चौ०। केकयसुतासुमित्रादोऊ सुंदरसुतजनमतभईंओऊ वहसुखसंपतिसमयसमाजा कहिनशकैशारद-
अहिराजा अवधपुरीसोहैइहिभांती प्रभुहिमिलनआईजनुराती देखिभानुजनुमनसकुचानी तदपि-
बनीसंध्याअनुमानी अगरधूपजनुबहुअंधियारी उडैअबीरमनहुअरुणारी मंदिरमणिसमूहजनुतारा
नृपगृहकलशसोइंदुउदारा भवनबेदधुनिअतिमृदुबानी जनुखगमुखरसमयसुखसानी कौतुकदेखि-
पतंगभुलाना एकमासतेहिजातनजाना ॥

दो०। मासदिवसकादिवसभा मरमनजानैकोइ रथसमेतरबिथाकेऊ निशाकवनबिधिहोइ ॥

चौ०। यहरहस्यकाहूनहिंजाना दिनमणिचलेकरतगुणगाना देखिमहोत्सवसुरमुनिनागा चलेभवन-

बरणतनिजभागा औरौएककहौंनिजचोरी सुनगिरिजाअतिदृढमतितोरी काकभुशुंडिसंगहमदोऊ
मनुजरूपजानैंनहिंकोऊ परमानंदप्रेमसुखफूले बीथिनफिरहिंमगनमनभूले यहसबचरितजानपैसोई
कृपारामकीजापरहोई तेहिअवसरजोजेहिबिधिआवा दीन्हभूपजोजेहिमनभावा गजरथतुरगहेमगोहीरा
दीन्हेनृपनानाविधचीरा ॥

दो०। मनसंतोषसबनिके जहँतहँदेहिंअशीस सकलतनयचिरजीवहु तुलसिदासकेईश ॥

चौ०। कछुकदिवसबीतेइहिभांती जातनजानहिंदिनअरुराती नामकरणकरअवसरजानी भूपबोलि-
पठयेमुनिज्ञानी करिपूजाभूपतिअसभाषा धरियनामजोमुनिगुणिराखा इनकेनामअनेकअनूपा मैंनृप-
कहबस्वमतिअनुरूपा जोआनंदसिंधुसुखरासी शीकरतेत्रैलोक्यसुपासी सोसुखधामरामअसनामा
अखिललोकदायकबिश्रामा बिश्वभरणपोषणकरजोई ताकरनामभरतअसहोई जाकेसुमिरनतेरिपुनाशा
नामशत्रुहनवेदप्रकाशा ॥

दो०। लक्षणधामरामप्रिय सकलजगतआधार गुरुबसिष्टतेहिराखेउ लक्ष्मणनामउदार ॥

चौ०। धरेनामगुरुहृदयबिचारी वेदतत्त्वनृपतवसुतचारी मुनिजनधनसर्वसशिवप्राना बालकेलिरस-
तेहिसुखमाना बारेहितेनिजहितपतिजानी लक्ष्मणरामचरणरतिमानी भरतशत्रुहनदोनौंभाई प्रभुसेवक-
जसप्रीतिबढाई श्यामगौरसुंदरदोउजोरी निरखहिंछबिजननीतृणतोरी चारिउशीलरूपगुणधामा
तदपिअधिकसुखसागररामा हृदयअनुग्रहइंदुप्रकासा सूचतकिरणमनोहरहासा कबहुंउछंगकबहुं-
बरपालन मातुदुलारहिंकहिप्रियलालन ॥

दो०। व्यापकब्रह्मनिरंजन निर्गुणबिगतबिनोद सोअजप्रेमभक्तिबश कौशल्याकीगोद ॥

चौ०। कामकोटिछबिश्यामशरीरा नीलकंजबारिदगंभीरा अरुणचरणपंकजनखजोती कमलदलनबैठे-
जनुमोती रेखकुलिशध्वजअंकुशसोहैं नूपुरधुनिसुनिमुनिमनमोहैं कटिकिंकिणीउदरत्रयरेखा नाभि-
गंभीरजानजेहिदेखा भुजबिशालभूषणयुतभूरी हियहरिनखशोभाअतिरूरी उरमणिहारपदिककीशोभा
बिप्रचरणदेखतमनलोभा कंबुकंठअतिचिबुकसुहाई आननअमितमदनछबिछाई दुइदुइदशनअधरअरु-
णारे नासातिलककोबरनैपारे सुंदरश्रवणसुचारुकपोला अतिप्रियमधुरसुतोतरिबोला नीलकमलदोउ-
नयनबिशाला बिकटभृकुटिलटकनिबरभाला चिक्कणकचकुंचितगभुआरे बहुप्रकाररचिमातुसंवारे पीत-
झिंगुलियाततनपहिराये जानुपाणिबिचरतमहिभाये रूपसकहिंनहिंकहिश्रुतिशेषा सोजानैसपनेहुजिन्हदेषा ॥

दो०। सुखसंदोहमोहपर ज्ञानगिरागोतीत दंपतिपरमप्रेमबश करशिशुचरितपुनीत ॥

चौ०। इहिबिधिरामजगतपितुमाता कोशलपुरबासिनसुखदाता जिनरघुनाथचरणरतिमानी तिनकी-
यहगतिप्रगटभवानी रघुपतिबिमुखयतनकरकोरी कवनसकैभवबंधनछोरी जीवचराचरबशकरिराखे
सोमायाप्रभुसोभयभाखे भृकुटिबिलासनचावैताही असप्रभुछांडिभजियकहुकाही मनक्रमबचनछांडि-
चतुराई भजतहिंकृपाकरैंरघुराई इहिबिधिशिशुबिनोदप्रभुकीन्हा सकलनगरबासिनसुखदीन्हा
लैउछंगकबहुंहलरावै कबहुंपालनेघालिझुलावै ॥

दो०। प्रेममगनकौशल्या निशिदिनजातनजान सुतसनेहबशमाता बालचरितकरिगान ॥

चौ०। एकबारजननीअन्हवाये करिसिंगारपलनापौढाये निजकुलइष्टदेवभगवाना पूजाहेतुकीन्हपकवाना करिपूजानैवेद्यचढावा आपुगईजहंपाकबनावा बहुरिमातुतहंवांचलिआई भोजनकरतदेखरघुराई गइ-जननीशिशुपहंभयभीता देखाबालतहांपुनिसूता बहुरिआइदेखासुतसोई हृदयकंपमनधीरनहोई इहां-उहांदुइबालकदेखा मतिभ्रममोरिकिआनविशेषा देखिरामजननीअकुलानी प्रभुहंसिदीन्हमधुरमुसुकानी॥

दो०। दिखरावामातहिनिज अद्भुतरूपअखंड रोमरोमप्रतिराजहिं कोटिकोटिब्रह्मंड॥

चौ०। अगणितरविशशिशिवचतुरानन बहुगिरिसरितसिंधुमहिकानन कालकर्मगुणदोषसुभाऊ सोदेखाजोसुनानकाऊ देखीमायासबविधिगाढी अतिसभीतजोरेकरठाढी देखाजीवनचावैजाही देखी-भक्तिजोछोरैताही तनुपुलकितमुखबचननआवा नयनमूंदिचरणनसिरनावा बिस्मयवन्तिदेखिमहतारी भयेबहुरिशिशुरूपखरारी अस्तुतिकरिनजाइभयमाना जगतपितामैंसुतकरिजाना हरिजननिहिबहुविधि-समुझाई यहजनिकतहुंकहसिसुनमाई॥

दो०। बारबारकौशल्या बिनयकरैकरजोरि अबजनिकबहुंव्यापै प्रभुमोहिमायातोरि॥

चौ०। बालचरितहरिबहुविधिकीन्हा अतिअनंददासनकहंदीन्हा कछुककालबीतेसबभाई बडेभये-परिजनसुखदाई चूडाकरणकीन्हगुरुआई बिप्रदक्षिणापुनिबहुपाई परममनोहरचरितअपारा करत-फिरतचारिउसुकुमारा मनक्रमबचनअगोचरजोई दशरथअजिरबिचरप्रभुसोई भोजनकरतबुलावतराजा नहिंआवहिंतजिबालसमाजा कौशल्याजबबोलनजाई ठुमुकिठुमुकिप्रभुचलहिंपराई निगमनेतिशिवअंत-नपावा ताहिधरेजननीहठिधावा धूसरधूरभरेतनआये भूपतिबिहंसिगोदबैठाये॥

दो०। भोजनकरतचपलचित इतउतअवसरपाइ भाजिचलेकिलकतबदन दधिओदनलपटाइ॥

चौ०। बालचरितअतिसरलसुहाये शारदशेषशंभुश्रुतिगाये जिनकरमनइनसननहिंराता तेजगबंचित-कियेबिधाता भयेकुमारजबहिंसबभ्राता दीन्हजनेऊगुरुपितुमाता गुरुगृहगयेपढनरघुराई अलपकाल-विद्यासबपाई जाकीसहजश्वासश्रुतिचारी सोहरिपढयहकौतुकभारी विद्याबिनयनिपुणगुणशीला खेलहिं-खेलसकलनृपलीला करतलबाणधनुषअतिसोहा देखतरूपचराचरमोहा जिनबीथिनबिहरहिंसबभाई थकितहोहिंसबलोगलुगाई॥

दो०। कोशलपुरबासीनर नारिबृद्धअरुबाल प्राणहुतेप्रियलागहिं सबकहंरामकृपाल॥

चौ०। बंधुसखासंगलेहिंबुलाई बनमृगयानितखेलहिंजाई पावनमृगमारहिंजियजानी दिनप्रतिनृपहिं-देखावहिंआनी जेमृगरामबाणकेमारे तेतनुतजिसुरलोकसिधारे अनुजसखासंगभोजनकरहीं मातु-पिताआज्ञाअनुसरहीं जेहिबिधिसुखीहोहिंपुरलोगा करहिंकृपानिधिसोइसंयोगा बेदपुराणसुनहिंमन-लाई आपुकहहिंअनुजहिसमुझाई प्रातकालउठिकैरघुनाथा मातुपितागुरुनावहिंमाथा आयसुमांगि-करहिंपुरकाजा देखिचरितहरषहिंमनराजा॥

दो०। व्यापकअकलअनीहअज निर्गुणनामनरूप भक्तहेतुनानाबिधिहिं करतचरित्रअनूप॥

चौ०। यहसबचरितकहामैंगाई आगिलिकथासुनहुमनलाई बिश्वामित्रमहामुनिज्ञानी बसहिंबिपिनि-शुभआश्रमजानी तहंजपयज्ञयोगमुनिकरहीं अतिमारीचसुबाहुहिडरहीं देखतयज्ञनिशाचरधावहिं

करहिंउपद्रवमुनिदुखपावहिं गाधितनयमनचिंताव्यापी हरिबिनुमरहिंननिशिचरपापी तबमुनिबरमन-
कीन्हबिचारा प्रभुअवतरेउहरणमहिभारा इहिमिसुदेखौंप्रभुपदजाई करिबिनतीआनौंदोभाई ज्ञान-
बिरागसकलगुणअयना सोप्रभुमैंदेखबभरिनयना ॥

दो०। बहुबिधिकरतमनोरथ जातनलागीबार करिमज्जनसरजूसलिल गयेभूपदरबार ॥

चौ०। मुनिआगमनसुनाजबराजा मिलनगयउलैबिप्रसमाजा करिदंडवतमुनिहिसनमानी निजआसन-
बैठारिनिआनी चरणपखारिकीन्हअतिपूजा मोसमआजुधन्यनहिंदूजा बिबिधभांतिभोजनकरवावा मुनिबर-
हृदयहर्षअतिपावा पुनिचरणनमेलेसुतचारी रामदेखिमुनिबिरतिबिसारी भयेमगनदेखतमुखशोभा
जनुचकोरपूरणशशिलोभा तबमनहर्षिबचनकहराऊ मुनिअसकृपाकीन्हनहिंकाऊ केहिकारणआगमन-
तुम्हारा कहहुसोकरतनलाउबबारा असुरसमूहसंतावहिंमोही मैंयाचनआयेउंनृपतोही अनुजसमेत-
देहुरघुनाथा निशिचरबधमैंहोबसनाथा ॥

दो०। देहुभूपमनहर्षित तजहुमोहअज्ञान धर्मसुयशनृपतुमकहं इनकहंअतिकल्यान ॥

चौ०। सुनिराजाअतिअप्रियबानी हृदयकंपमुखदुतिकुंभिलानी चौथेपनपायेउंसुतचारी बिप्रबचननहिं-
कहेहुबिचारी मांगहुभूमिधेनुधनकोषा सर्बसदेउंआजुसहरोषा देहप्राणतेप्रियकछुनाहीं सोउमुनि-
देउंनिमिषइकमाहीं सबसुतप्रियमोहिप्राणकिनाईं रामदेतनहिंबनैगोसाईं कहंनिशिचरअतिघोर-
कठोरा कहंसुंदरसुतपरमकिशोरा सुनिनृपगिराप्रेमरससानी हृदयहर्षमानामुनिज्ञानी तबबसिष्ठबहु-
बिधिसमुझावा नृपसंदेहनाशकहंपावा अतिआदरदोतनयबुलाये हृदयलाइबहुभांतिसिखाये मेरे-
प्राणनाथसुतदोऊ तुममुनिपिताआननहिंकोऊ ॥

दो०। सौंपिभूपतिऋषिहिसुत बहुबिधिदेइअशीस जननीभवनगयेप्रभु चलेनाइपदसीस ॥

सो०। पुरुषसिंहदोबीर हर्षिचलेमुनिभयहरण कृपासिंधुमतिधीर अखिलबिश्वकारणकरण ॥

चौ०। अरुणनयनउरबाहुबिशाला नीलजलजतनश्यामतमाला कटिपटपीतकसेंबरभाथा रुचिरचाप-
शायकदुहुंहाथा श्यामगौरसुंदरदोभाई बिश्वामित्रमहानिधिपाई प्रभुब्रह्मण्यदेवमैंजाना मोहिहित-
पितातजेउभगवाना चलेजातमुनिदीन्हदिखाई सुनिताडकाक्रोधकरिधाई एकहिबाणप्राणहरिलीन्हा
दीनजानितेहिनिजपददीन्हा तबऋषिनिजनाथहिंजियचीन्हा बिद्यानिधिकहंबिद्यादीन्हा जातेलागन-
क्षुधापियासा अतुलितबलतनतेजप्रकाशा ॥

दो०। आयुधसकलसमर्पिकरि प्रभुनिजआश्रमआनि कंदमूलफलभोजन दियेभक्तहितजानि ॥

चौ०। प्रातकहामुनिसनरघुराई निर्भययज्ञकरहुतुमजाई होमकरणलागेमुनिझारी आपुरहेमखकी-
रखवारी सुनिमारीचनिशाचरकोही लैसहायधावामुनिद्रोही बिनुफरबाणरामतेहिमारा शतयोजनगा-
सागरपारा पावकशरसुबाहुपुनिमारा अनुजनिशाचरकटकसंवारा मारिअसुरद्विजनिर्भयकारी अस्तुति-
करहिंदेवमुनिझारी तहंपुनिकछुकदिवसरघुराया रहेकीन्हबिप्रनपरदाया भक्तिहेतुबहुकथापुराणा
कहेबिप्रयद्यपिप्रभुजाना तबमुनिसादरकहाबुझाई चरितएकदेखियप्रभुजाई धनुषयज्ञसुनिरघुकुलनाथा
हर्षिचलेमुनिबरकेसाथा आश्रमएकदीखमगमाहीं खगमृगजीवजन्तुतहंनाहीं पूछामुनिहिशिलाप्रभुदेखी
सकलकथाऋषिकहीबिशेषी ॥

दो०। गौतमनारिश्रापबश उपलदेहधरिधीर   चरणकमलरजचाहती कृपाकरहुरघुबीर ॥

छंद।

परसतपदपावनशोकनसावनप्रगटभईतपपुञ्जसही देखतरघुनायकजनसुखदायकसन्मुखहोइकरजोरिरही
अतिप्रेमअधीरापुलकशरीरामुखनहिंआवैबचनकही अतिशयबडभागीचरणनलागीयुगलनयनजलधारबही
धीरजमनकीन्हाप्रभुकहचीन्हारघुपतिकृपाभक्तिपाई   अतिनिर्मलबाणीअस्तुतिठानीज्ञानगम्यजयरघुराई ॥
मैंनारिअपावनप्रभुजगपावनरावणरिपुजनसुखदाई   राजिवलोचनभवभयमोचनपाहिपाहिशरणहिंआई ॥
मुनिश्रापजोदीन्हाअतिभलकीन्हापरमअनुग्रहमैंमाना देखिउंभरिलोचनहरिभवमोचनयहैलाभशंकरजाना
बिनतीप्रभुमोरीमैंमतिभोरीनाथनबरमागौंआना   पदकमलपरागारसअनुरागाममममनमधुपकरैपाना ॥
जेहिपदसुरसरितापरमपुनीताप्रगटभईशिवशीसधरी सोइपदपंकजजेहिपूजतअजममसिरधरेउकृपालहरी
इहिभांतिसिधारीगौतमनारीबारबारहरिचरणपरी   जोअतिमनभावासोबरपावागैपतिलोकअनन्दभरी ॥

दो०। असप्रभुदीनबंधुहरि कारणरहितकृपाल   तुलसिदासशठताहिभजु छाडिकपटजंजाल ॥

चौ०। चलेरामलक्ष्मणमुनिसंगा गयेजहांजगपावनिगंगा अनुजसहितप्रभुकीन्हप्रणामा बहुप्रकारसुखपायउरामा गाधिसुवनसबकथासुनाई जेहिप्रकारसुरसरिमहिआई तबप्रभुऋषिनसमेतअन्हाये बिबिधदानमहिदेवनपाये हर्षिचलेमुनिबृन्दसहाया बेगिबिदेहनगरनियराया पुररम्यतारामजबदेषी हरषेअनुजसमेतबिशेषी वापीकूपसरितसरनाना सलिलसुधासममणिसोपाना गुंजतमंजुमत्तरसभृंगा कूजतकलबहुबरणबिहंगा बरणबरणबिकसेजलजाता त्रिबिधसमीरसदासुखदाता ॥

दो०। सुमनबाटिकाबागबन बिपुलबिहंगनिवास   फूलतफलतसुपल्लवित सोहतपुरचहुंपास ॥

चौ०। बनैनबरणतनगरनिकाई जहांजाइमनतहांलुभाई चारुबजारबिचित्रअटारी मणिमयबिधिजनुस्वकरसंवारी धनिकबणिकबरधनदसमाना बैठेसकलबस्तुलैनाना चौहटसुंदरगलीसुहाई सन्ततरहहिंसुगंधसिंचाई मंगलमयमंदिरसबकेरे चित्रितजनुरतिनाथचितेरे पुरनरनारिशुभगशुचिसन्ता धर्मशीलज्ञानीगुणवन्ता अतिअनूपजहंजनकनिवास्न बिथकहिंबिबुधबिलोकिबिलास्न होतचकितचितकोटबिलोकी सकलभुवनशोभाजनुरोकी ॥

दो०। धवलधाममणिपुरटपट सुघटितनानाभांति   सियनिवाससुंदरसदन शोभाकिमिकहिजाति ॥

चौ०। शुभगद्वारसबकुलिशकपाटा भूपभीरनटमागधभाटा बनीबिशालबाजिगजशाला हयगजरथसंकुलसबकाला शूरसचिवसेनपबहुतेरे नृपगृहसरिससदनसबकेरे पुरबाहिरसरसरितसमीपा उतरेजहंतहंबिपुलमहीपा देखिअनूपएकअंवराई सबसुपाससबभांतिसुहाई कौशिककहेउमोरमनमाना इहांरहियरघुबीरसुजाना भलेहिनाथकहिकृपानिकेता उतरेतहंमुनिबृन्दसमेता बिश्वामित्रमहामुनिआये समाचारमिथिलापतिपाये ॥

दो०। संगसचिवशुचिभूरिभट भूसुरबरगुरुज्ञाति   चलेमिलनमुनिनायकहि मुदितराउइहिभांति ॥

चौ०। कीन्हप्रणामधरणिधरिमाथा दीन्हअशीसमुदितमुनिनाथा बिप्रबृन्दसबसादरबंदे जानिभाग्यबडराउअनंदे कुशलप्रश्नकहिबारहिबारा बिश्वामित्रनृपहिबैठारा तेहिअवसरआयेदोभाई गयेरहेदेख-

नफुलवाई श्यामगौरमृदुवयसकिशोरा लोचनसुखदबिश्वचितचोरा उठेसकलजबरघुपतिआये बिश्वामित्र-
निकटबैठाये भयेसबसुखीदेखिदोउभ्राता बारिबिलोचनपुलकितगाता मूरतिमधुरमनोहरदेखी भयउ-
बिदेहबिदेहबिशेषी ॥

दो०। प्रेममगनमनजानिनृप करिबिवेकधरिधीर बोलेउमुनिपदनाइसिर गद्गदगिरागंभीर ॥

चौ०। कहहुनाथसुंदरदोउबालक मुनिकुलतिलककिनृपकुलपालक ब्रह्मजोनिगमनेतिकहिगावा
उभयभेषधरिसोइकिआवा सहजबिरागरूपमनमोरा थकितहोतजिमिचंद्रचकोरा तातेंप्रभुपूछौंसदभाऊ
कहहुनाथजनिकरहुदुराऊ इन्हहिबिलोकतअतिअनुरागा बरबसब्रह्मसुखहिमनत्यागा कहमुनिबिहसि-
कहेहुनृपनीका बचनतुम्हारनहोइअलीका येप्रियसबहिजहांलगिप्राणी मनमुसुकाहिंरामसुनिबाणी रघु-
कुलमणिदशरथकेजाये ममहितलागिनरेशपठाये ॥

दो०। रामलषणदोउबंधुबर रूपशीलबलधाम मखराखेउसबसाखिजग जीतिअसुरसंग्राम ॥

चौ०। मुनितवचरणदेखिकहराऊ कहिनसकौंनिजपुण्यप्रभाऊ सुंदरश्यामगौरदोउभ्राता आनंदहूके-
आनंददाता इनकीप्रीतिपरस्परपावनि कहिनजाइमनभावसुहावनि सुनहुनाथकहमुदितबिदेहू ब्रह्म-
जीवइवसहजसनेहू पुनिपुनिप्रभुहिचितवनरनाहू पुलकगातउरअधिकउछाहू मुनिहिंप्रशंसिनाइपदसीसा
चलेउलिवाइनगरअवनीशा सुंदरसदनसुखदसबकाला तहांबासलैदीन्हभुआला करिपूजासबबिधि-
सेवकाई गयउराउगृहबिदाकराई ॥

दो०। ऋषयसंगरघुवंशमणि करिभोजनबिश्राम बैठेप्रभुभ्रातासहित दिवसरहाभरियाम ॥

चौ०। लषणहृदयलालसाबिशेषी जाइजनकपुरआइयदेषी प्रभुभयबहुरिमुनिहिसकुचाहीं प्रगटन-
कहहिंमनहिंमुसुकाहीं रामअनुजमनकीगतिजानी भक्तबछलताहियहुलसानी परमबिनीतसकुचिमुसुकाई
बोलेगुरुअनुशासनपाई नाथलषणपुरदेखनचहहीं प्रभुसकोचडरप्रगटनकहहीं जौंराउरआयसुमैंपाऊं
नगरदेखाइतुरतलैआऊं सुनिमुनीशकहबचनसप्रीती कसनरामराखहुतुमनीती धर्मसेतुपालकतुमताता
प्रेमबिबससेवकसुखदाता ॥

दो०। जाइदेखिआवहुनगर सुखनिधानदोउभाइ करहुसुफलसबकेनयन सुंदरबदनदिखाइ ॥

चौ०। मुनिपदकमलबंदिदोउभ्राता चलेलोकलोचनसुखदाता बालकबृन्ददेखिअतिशोभा लगेसंग-
लोचनमनलोभा पीतबसनपरिकरकटिभाथा चारुचापशरसोहतहाथा तनुअनुहरतसुचंदनखोरी
श्यामलगौरमनोहरजोरी केहरिकंधरबाहुबिशाला उरअतिरुचिरनागमणिमाला भ्रुभगश्रवणसरसो-
रुहलोचन बदनमयंकतापत्रयमोचन कानन्हकनकफूलछबिदेहीं चितवतचितहिचोरिजनुलेहीं चितवनि-
चारुभृकुटिबरबांकी तिलकरेखशोभाजनुचांकी ॥

दो०। रुचिरचौतनीभ्रुभगसिर मेचककुंचितकेश नखशिखसुंदरबंधुदोउ शोभासकलसुदेश ॥

चौ०। देखननगरभूपसुतआये समाचारपुरबासिनपाये धायेधामकामसबत्यागे मनहुरंकनिधिलूटन-
लागे निरखिसहजसुन्दरदोउभाई होहिंसुखीलोचनफलपाई युवतीभवनझरोखनिलागी निरखहिंराम-
रूपअनुरागी कहहिंपरस्परबचनसप्रीती सखिइनकोटिकामछबिजीती सुरनरअसुरनागमुनिमाहीं शोभा-

असिकहुंमुनियतनाहीं बिष्णुचारिभुजबिधिमुखचारी बिकटभेषमुखपंचपुरारी अपरदेवअसकोजगनाही इन्हिकबिसखिपटतरियेजाही ॥

दो०। बयकिशोरसुखमासदन श्यामगौरसुखधाम अंगअंगपरवारियै कोटिकोटिशतकाम ॥

चौ०। कहहुसखीअसकोतनुधारी जोनमोहयहरूपनिहारी कोउसप्रेमबोलीमृदुबानी जोमैंसुनासो-सुनहुसयानी येदोनृपदशरथकेढोटा बालमरालनिकेकलजोटा मुनिकौशिकमखकेरखवारे जिनरण-अजयनिशाचरमारे श्यामगातकलकंजबिलोचन जोमारीचसुभुजमदमोचन कौशल्यासुतसोसुखखानी नामरामधनुशायकपानी गौरकिशोरभेषवरकाछें करशरचापरामकेपाछें लक्ष्मणनामरामलघुभ्राता सुनु-सखितासुसुमित्रामाता ॥

दो०। बिप्रकाजकरिबंधुदोउ मगमुनिबधूउधारि आयेदेखनचापमख सुनिहरषींसबनारि ॥

चौ०। देखिरामछबिकोउइककहई योग्यजानकीयहवरअहई जौसखिइनहिंदेखिनरनाहू प्रणपरिहरि-हठिकरैबिबाहू कोउकहइन्हभूपतिपहिचाने मुनिसमेतसादरसनमाने सखिपरंतुप्रणराउनतजई बिधि-बशहठिअबिबेकहिभजई कोउकहजौभलअहैबिधाता सबकहंसुनियउचितफलदाता तौजानकिहि-मिलिहिबरएहू नाहिनआलीयहसंदेहू जौबिधिबशअसबनैसंयोगू तौकृतकृत्यहोइसबलोगू सखिहमरे-अतिआरतिताते कबहुकयेआवहिंइहिनाते ॥

दो०। नाहितहमकहंसुनहुसखि इन्हकरदरशनदूरि यहसंघटतबहोइजब पुण्यपुराकृतभूरि ॥

चौ०। बोलीअपरकहेउसखिनीका यहिबिबाहअतिहितसबहीका कोउकहशंकरचापकठोरा येश्यामल-मृदुगातकिशोरा सबअसमंजसअहैसयानी यहसुनिअपरकहैमृदुबानी सखिइनकहंकोउकोउअसकहहीं बडप्रभावदेखतलघुअहहीं परसिजासुपदपंकजधूरी तरीअहल्याकृतअघभूरी सोकिरहैबिनुशिवधनुतोरे यहप्रतीतिपरिहरियनभोरे जेहिबिरंचिरचिसीयसंवारी तेइश्यामलवररचेउबिचारी तासुवचनसुनिसब-हरषानी ऐसइहोउकहहिंमृदुबानी ॥

दो०। हियहरषहिंबरषहिंसुमन सुमुखिसुलोचनिबृन्द जाहिंजहांजहंबंधुदोउ तहंतहंपरमानन्द ॥

चौ०। पुरपूरबदिशिगेदोभाई जहांधनुपमखभूमिबनाई अतिबिस्तारचारुगचढारी बिमलबेदिका-रुचिरसंवारी चहुंदिशिकंचनमंचबिशाला रचेजहांबैठहिंमहिपाला तेहिपाछेंसमीपचहुंपासा अपर-मंचमंडलीबिलासा कछुकऊंचसबभांतिसुहाई बैठहिंनगरलोगसबआई तिनकेनिकटबिशालसुहाये धवलधामबहुबरणबनाये जहंबैठीदेखहिंपुरनारी यथायोग्यनिजकुलअनुहारी पुरबालककहिकहिमृदु-बचना सादरप्रभुहिंदेखावहिंरचना ॥

दो०। सबशिशुइहिमिसुप्रेमबश परसिमनोहरगात तनुपुलकहिंअतिहरषहिय देखिदेखिदोभ्रात ॥

चौ०। शिशुसबरामप्रेमबशजाने प्रीतिसमेतनिकेतबखाने निजनिजरुचिसबलेहिंबुलाई सहितसनेह-जाहिंदोभाई रामदेखावहिंअनुजहिरचना कहिमृदुमधुरमनोहरबचना लवनिमेषमहंभुवननिकाया रचैजासुअनुशासनमाया भक्तहेतुसोइदीनदयाला चितवतचकितधनुषमखशाला कौतुकदेखिचलेगुरु-पाहीं जानिबिलम्बत्रासमनमाहीं जासुत्रासडरकहंडरहोई भजनप्रभावदेखावतसोई कहिबातेंमृदु-मधुरसुहाई कियेबिदाबालकबरिआई ॥

दो०। सभयसप्रेमबिनीतअति सकुचसहितदोउभाइ गुरुपदपंकजनाइसिर बैठेआयसुपाइ ॥
चौ०। निशिप्रवेशमुनिआयसुदीन्हा सबहीसंध्याबंदनकीन्हा कहतकथाइतिहासपुराणी रुचिररजनि-
युगयामसिरानी मुनिबरशयनकीन्हतबजाई लगेचरणचापनदोउभाई जिनकेचरणसरोरुहलागी करत-
बिबिधजपयोगबिरागी तेदोउबंधुप्रेमजनुजीते गुरुपदकमलपलोटतप्रीते बारबारमुनिआज्ञादीन्हा रघुबर-
जाइशयनतबकीन्हा चापतचरणलषणउरलाये सभयसप्रेमपरमसुखपाये पुनिपुनिप्रभुकहसोवहुताता
पौढेधरिउरपदजलजाता ॥

दो०। उठेलषणनिशिबिगतसुनि अरुणशिखाधुनिकान गुरुतेपहिलेजगतपति जागेरामसुजान ॥
चौ०। सकलशौचकरिजाइनहाये नित्यनिबाहिगुरुहिसिरनाये समयजानिगुरुआयसुपाई लेनप्रसून-
चलेदोउभाई भूपबागबरदेखेउजाई जहंबसन्तऋतुरहीलुभाई लागेबिटपमनोहरनाना बरणबरणबर-
बेलिबिताना नवपल्लवफलसुमनसुहाये निजसंपतिसुरतरुहिलजाये चातककोकिलकीरचकोरा कूजत-
बिहंगनचतकलमोरा मध्यबागसरसोहसुहावा मणिसोपानबिचित्रबनावा बिमलसलिलसरसिजबहुरंगा
जलखगकूजतगुंजतभृंगा ॥

दो०। बागतडागबिलोकिप्रभु हरषेबंधुसमेत परमरम्यआरामयह जोरामहिसुखदेत ॥
चौ०। चहुंदिशिचितैपूछिमालीगन लगेलेनदलफूलमुदितमन तेहिअवसरसीतातहंआई गिरिजापूजन-
जननिपठाई संगसखीसबशुभगसयानी गावहिंगीतमनोहरबानी सरसमीपगिरिजागृहसोहा बरणि-
नजाइदेखिमनमोहा मज्जनकरिसरसखीसमेता गईमुदितमनगौरिनिकेता पूजाकीन्हअधिकअनुरागा
निजअनुरूपशुभगबरमांगा एकसखीसियसंगबिहाई गईरहीदेखनफुलवाई तेइदोउबंधुबिलोकेउजाई
प्रेमबिबससीतापहंआई ॥

दो०। तासुदशादेखीसखिन पुलकगातजलनयन कहुकारणनिजहरषकर पूछहिंसबमृदुबयन ॥
चौ०। देखनबागकुंवरदोउआये बयकिशोरसबभांतिसुहाये श्यामगौरकिमिकहौंबखानी गिराअनयन-
नयनबिनुबानी सुनिहरषींसबसखीसयानी सियहियअतिउतकंठाजानी एककहइनृपसुततेआली सुने-
जेमुनिसंगआएकाली निजनिजरूपमोहनीडारी कीन्हेस्वबशनगरनरनारी बरणतछबिजहंतहंसबलोगू
अवशिदेखियेदेखनजोगू तासुबचनअतिसियहिसुहाने दरशलागिलोचनअकुलाने चलीअग्रकरिप्रिय-
सखिसोई प्रीतिपुरातनिलखैनकोई ॥

दो०। सुमिरिसीयनारदबचन उपजीप्रीतिपुनीत चकितबिलोकतिसकलदिशि जनुशिशुमृगीसभीत ॥
चौ०। कंकणकिंकिणिनूपुरधुनिसुनि कहतलषणसनरामहृदयगुनि मानहुंमदनदुन्दुभीदीन्ही मनसा-
बिश्वबिजयकहंकीन्ही असकहिफिरिचितएतेहिओरा सियमुखशशिभयेनयनचकोरा भयेबिलोचनचारु-
अचंचल मनहुंसकुचिनिमितजेउदृगंचल देखिसीयशोभासुखपावा हृदयसराहतबचननआवा जनु-
बिरंचिसबनिजनिपुणाई बिरचिबिश्वकहंप्रगटदिखाई सुंदरताकहंसुंदरकरई छबिगृहदीपसिखाजनु-
बरई सबउपमाकबिरहोजुठारी केहिपटतरियबिदेहकुमारी ॥

दो०। सियशोभाहियबरणिप्रभु आपनिदशाबिचारि बोलेशुचिमनअनुजसन बचनसमयअनुहारि ॥

चौ०। तातजनकतनयायहसोई धनुषयज्ञजेहिकारणहोई पूजनगौरिसखीलैआई करतिप्रकाशफिरति-
फुलवाई जासुबिलोकिअलौकिकशोभा सहजपुनीतमोरमनछोभा सोसबकारणजानबिधाता फरकहिं-
शुभअंगसुनुभ्राता रघुबंशिनकरसहजशुभाऊ मनकुपंथपगधरैंनकाऊ मोहिअतिशयप्रतीतिजियकेरी
जेहिसपनेहुपरनारिनहेरी जिनकीलहहिंनरिपुरणपीठी नहिलावहिंपरतियमनडीठी मंगनलहहिंन-
जिनकेनाहीं तेनरबरथोरेजगमाहीं ॥

दो०। करतबतकहीअनुजसन मनसियरूपलुभान मुखसरोजमकरंदछबि करतमधुपइवपान ॥

चौ०। चितवतिचकितचहूंदिशिसीता कहंगयेनृपकिशोरमनचीता जहंबिलोकिमृगशावकनयनी जनु-
तहंबरषकमलसितश्रेनी लताओटतबसखिनलखाये श्यामलगौरकिशोरसुहाये देखिरूपलोचन-
ललचाने हरषेजनुनिजनिधिपहिचाने थकेनयनरघुपतिछबिदेखे पलकनहूंपरिहरीनिमेषे अधिक-
सनेहदेहभइभोरी शरदशशिहिजनुचितवचकोरी लोचनमगुरामहिंउरआनी दीन्हेपलककपाटसयानी
जबसियसखिनप्रेमबशजानी कहिनसकहिंकछुमनसकुचानी ॥

दो०। लताभवनतेप्रगटभे तेहिअवसरदोभाइ निकसेजनुयुगबिमलबिधु जलदपटलबिलगाइ ॥

चौ०। शोभासींवंशुभगदोबीरा नीलपीतजलजाभशरीरा काकपक्षशिरसोहतनीके गुच्छाबिचबिच-
कुसुमकलीके भालतिलकश्रमबिंदुसुहाये श्रवणशुभगभूषणछबिछाये बिकटभृकुटिकचघूंघरवारे
नवसरोजलोचनरतनारे चारुचिबुकनासिकाकपोला हासबिलासलेतजनुमोला मुखछबिकहिनजाइ-
मोहिपाहीं जोबिलोकिबहुकामलजाहीं उरमणिमालकंबुकलग्रीवां कामकलभकरभुजबलसींवां सुमन-
समेतवामकरदोना सांवरकुंवरसखीसुठिलोना ॥

दो०। केहरिकटिपटपीतधर सुखमाशीलनिधान देखिभानुकुलभूषणहिं बिसरासखिनअपान ॥

चौ०। धरिधीरजइकसखीसयानी सीतासनबोलीगहिपानी बहुरिगौरिकरध्यानकरेहू भूपकिशोर-
देखिकिनलेहू सकुचिसीयतबनयनउघारे सन्मुखदोरघुबंशनिहारे नखशिखदेखिरामकीशोभा सुमिरि-
पिताप्रणमनअतिछोभा परबशसखिनलखीजबसीता भयेगहरुसबकहहिंसभीता पुनिआउबइहिबिरिया-
काली असकहिमनबिहंसीइकआली गूढगिरासुनिसियसकुचानी भयेबिलंबमातुभयमानी धरिबडधीर-
रामउरआनी फिरिआपनप्रणपितुबशजानी ॥

दो०। देखनमिसुमृगबिहंगतरु फिरैबहोरिबहोरि निरखिनिरखिरघुबीरछबि बाढीप्रीतिनथोरि ॥

चौ०। जानिकठिनशिवचापबिसूरति चलीराखिउरश्यामलमूरति प्रभुजबजातजानकीजानी सुखसनेह-
शोभागुणखानी परमप्रेममयमृदुमसिकीन्ही चारुचित्तभीतरलिखिलीन्ही गईभवानीभवनबहोरी बंदि-
चरणबोलीकरजोरी जयजयजयगिरिराजकिशोरी जयमहेशमुखचंदचकोरी जयगजबदनषडाननमाता
जगतजननिदामिनिद्युतिगाता नहिंतवआदिमध्यअवसाना अमितप्रभाववेदनहिंजाना भवभौविभव-
पराभवकारिणि बिश्वबिमोहनिस्वबशबिहारिणि ॥

दो०। पतिदेवतासुतीयमहं मातुप्रथमतवरेख महिमाअमितनकहिसकहिं सहसशारदाशेष ॥

चौ०। सेवततोहिसुलभफलचारी बरदायिनित्रिपुरारिपियारी देविपूजिपदकमलतुम्हारे सुरनरमुनि-

सबहोहिंसुखारे मोरमनोरथजानहुनीके बसहुसदाउरपुरसबहीके कीन्हेउंप्रगटनकारणतेही
असकहिचरणगहेबैदेही बिनयप्रेमबशभईभवानी खसीमालमूरतिमसुकानी सादरसियप्रसादउरधरेऊ
बोलीगौरिहर्षहियभरेऊ सुनुसियसत्यअशीसहमारी पूजिहिमनकामनातुम्हारी नारदबचनसदाशुचि-
सांचा सोबरमिलिहिजाहिमनराचा ॥

छं०। मनजाहिराच्योमिलिहिसोबरसहजसुंदरसांवरो करुणानिधानसुजानशीलसनेहजानतरावरो ॥
इहिभांतिगौरिअशीससुनिसियसहितहियहरषितअली तुलसीभवानिहिंपूजिपुनिपुनिमुदितमनमंदिरचली ॥

सो०। जानिगौरिअनुकूल सियहियहर्षनजायकहि मंजुलमंगलमूल वामअंगफरकनलगे ॥

चौ०। हृदयसराहतसीयलुनाई गुरुसमीपगवनेदोभाई रामकहासबकौशिकपाहीं सरलसुभावछुआ-
छलनाहीं सुमनपाइमुनिपूजाकीन्ही पुनिअशीशदोभाइन्हदीन्ही सुफलमनोरथहोहुतुम्हारे राम-
लषणसुनिभयेसुखारे करिभोजनमुनिबरबिज्ञानी लगेकहनकछुकथापुरानी बिगतदिवसमुनिआयसुपाई
संध्याकरणचलेदोभाई प्राचीदिशिशशिउगेउसुहावा सियमुखसरिसदेखिसुखपावा बहुरिबिचारकीन्ह-
मनमाहीं सीयबदनसमहिमकरनाहीं ॥

दो०। जन्मसिंधुपुनिबंधुबिष दिनमलीनसकलंक सियमुखसमतापावकिमि चंद्रबापुरोरंक ॥

चौ०। घटैबढैबिरहिनिदुखदाई ग्रसैराहुनिजसंधिहिपाई कोकशोकप्रदपंकजद्रोही अवगुणबहुत-
चंद्रमातोही बैदेहीमुखपटतरदीन्हे होइदोषबडअनुचितकीन्हे सियमुखछबिबिधुव्याजबखानी गुरुपहं-
चलेनिशाबडिजानी करिमुनिचरणसरोजप्रणामा आयसुपाइकीन्हबिश्रामा बिगतनिशारघुनायकजागे
बंधुबिलोकिकहनअसलागे उगेउअरुणअवलोकहुताता पंकजकोकलोकसुखदाता बोलेलषणजोरि-
युगपाणी प्रभुप्रभावसूचकमृदुबाणी ॥

दो०। अरुणोदयसकुचेकुमुद उडुगणजोतिमलीन जिमितुम्हारआगमनसुनि भयेनृपतिबलहीन ॥

चौ०। नृपसबनखतकरहिंउजियारी टारिनसकहिंचापतमभारी कमलकोकमधुकरखगनाना हरषे-
सकलनिशाअवसाना ऐसेहिंप्रभुसबभक्ततुम्हारे होइहहिंटूटेधनुषसुखारे उदयभानुबिनुश्रमतमनाशा
दुरेनखतजगतेजप्रकाशा रबिनिजउदयव्याजरघुराया प्रभुप्रतापसबनृपनदिखाया तवभुजबलमहिमा-
उदघाटी प्रगटधनुषविघटनपरिपाटी बंधुबचनसुनिप्रभुमुसुकाने होइशुचिसहजपुनीतअन्हाने नित्य-
क्रियाकरिगुरुपहंआये चरणसरोजशुभगसिरनाये सतानंदतबजनकबुलाये कौशिकमुनिपहंतुरतपठाये
जनकबिनयतिनआयसुनाई हरषेबोलिलियेदोभाई ॥

दो०। सतानंदपदबंदिप्रभु बैठेगुरुपहंजाइ चलहुतातमुनिकहेउतब पठवाजनकबुलाइ ॥

चौ०। सीयस्वयंबरदेखियजाई ईशकाहिधौंदेहिंबडाई लषणकहायशभाजनसोई नाथकृपातवजापरहोई
हरषेमुनिसबमुनिबरबानी दीन्हअशीशसबहिंसुखमानी पुनिमुनिबृन्दसमेतकृपाला देखनचलेधनुष-
मखशाला रंगभूमिआयेदोभाई असिसुधिसबपुरबासिनपाई चलेसकलगृहकाजबिसारी बालकयुबा-
जरठनरनारी देखीजनकभीरिभइभारी शुचिसेवकसबलियेहंकारी तुरतसकललोगनपहंजाहू आसन-
उचितदेहुसबकाहू ॥

दो०। कहिमृदुबचनबिनीततिन बैठारेनरनारि उत्तममध्यमनीचलघु निजनिजथलअनुहारि ॥
चौ०। राजकुंवरतेहिअवसरआये मनहुंमनोहरताछबिछाये गुणसागरनागरबरबीरा सुंदरश्यामल-
गौरशरीरा राजसमाजबिराजतरूरे उडुगणमहंजनुयुगबिधुपूरे जिनकेरहीभावनाजैसी प्रभुमूरति-
देखीतिनतैसी देखहिंभूपमहारणधीरा मनहुंबीररसधरेंशरीरा डरेकुटिलनृपप्रभुहिनिहारी मनहुं-
भयानकमूरतिभारी रहेअसुरछलजोनृपबेषा तिनप्रभुप्रगटकालसमदेषा पुरबासिनदेखेदोभाई नर-
भूषणलोचनसुखदाई ॥
दो०। नारिबिलोकहिंहरषिहिय निजनिजरुचिअनुरूप जनुसोहतशृंगारधरि मूरतिपरमअनूप ॥
चौ०। बिदुषनप्रभुबिराटमयदीसा बहुमुखकरपगलोचनसीसा जनकजातिअवलोकहिंकैसें सजनसगे-
प्रियलागहिंजैसें सहितबिदेहबिलोकहिंरानी शिशुसमप्रीतिनजातबखानी योगिनपरमतत्त्वमयभासा
संतशुद्धमनसहजप्रकाशा हरिभक्तनदेखेउदोभ्राता इष्टदेवइवसबसुखदाता रामहिंचितवभावजेहिसीया
सोसनेहसुखनहिंकथनीया उरअनुभवतिनकहिसकसोऊ कवनप्रकारकहैकबिकोऊ इहिबिधिरहाजाहि-
जसभाऊ तेहितसदेखेउकोशलराऊ ॥
दो०। राजतराजसमाजमहं कोशलराजकिशोर सुंदरश्यामलगौरतनु बिश्वबिलोचनचोर ॥
चौ०। सहजमनोहरमूरतिदोऊ कोटिकामउपमालघुसोऊ शरदचंदनिंदकमुखनीके नीरजनयन-
भावतेजीके चितवनिचारुमारमदहरणी भावतिहृदयजायनहिंबरणी कलकपोलश्रुतिकुंडललोला चिबुक-
अधरसुंदरमृदुबोला कुमुदबंधुकरनिंदकहासा भृकुटीबिकटमनोहरनासा भालबिशालतिलकझलकाहीं
कचबिलोकिअलिअवलिलजाहीं पीतचौतनीसिरनसुहाई कुसुमकलीबिचबीचबनाई रेखारुचिरकंबुकल-
ग्रीवा जनुत्रिभुवनसुखमाकीसीवा ॥
दो०। कुंजरमणिकंठाकलित उरतुलसीकीमाल बृषभकंधकेहरिठवनि बलनिधिबाहुबिशाल ॥
चौ०। कटितूणीरपीतपटबांधे करशरधनुषबामबरकांधे पीतयज्ञउपबीतसुहाई नखशिखमंजुमहा-
छबिछाई देखिलोगसबभयेसुखारे इकटकलोचनटरहिंनटारे हरषेजनकदेखिदोभाई मुनिपदकमल-
गहेतबजाई करिबिनतीनिजकथासुनाई रंगअवनिसबमुनिहिदिखाई जहंजहंजाहिंकुंवरबरदोऊ
तहंतहंचकितचितवसबकोऊ निजनिजरुचिरामहिंसबदेषा कोउनजानकछुमर्मबिशेषा भलिरचनानृप-
सनमुनिकहेऊ राजामुदितमहासुखलहेऊ ॥
दो०। सबमंचनतेंमंचइक सुंदरबिशदबिशाल मुनिसमेतदोबंधुतहं बैठारेमहिपाल ॥
चौ०। प्रभुहिदेखिसबनृपहियहारे जनुराकेशउदयभयेतारे असिप्रतीतितिन्हकेमनमाहीं रामचाप-
तोरबसकनाहीं बिनुभंजेहुभवधनुषबिशाला मेलिहिसीयरामउरमाला असबिचारिगवनहुघरभाई जय-
प्रतापबलतेजगंवाई बिहसेअपरभूपसुनिबानी जेअबिबेकअंधअभिमानी तोरेहुधनुषब्याहअवगाहा
बिनुतोरेंकोकुंवरिबिवाहा एकबारकालहुकिनहोई सियहितसमरजितबहमसोई यहसुनिअपरभूप-
मुसुकाने धर्मशीलहरिभक्तसयाने ॥
सो०। सीयबिबाहबराम गर्बदूरिकरिनृपनकर जीतिकोसकसंग्राम दशरथकेरणबांकुरे ॥

चौ०। बृथामरहुजनिगालबजाई मनमोदकनहिंभूखबुताई शिखहमारिसुनुपरमपुनीता जगदंबा-जानहुजियसीता जगतपितारघुपतिहिंबिचारी भरिलोचनछबिलेहुनिहारी सुंदरसुखदसकलगुणरासी येदोबंधुशंभुउरबासी सुधासमुद्रसमीपबिहाई मृगजलनिरखिमरहुकतधाई करहुजाइजाकहंजोइभावा हमतोआजुजन्मफलपावा असकहिभलेभूपअनुरागे रूपअनूपबिलोकनलागे देखहिंसुरनभचढेबिमाना बरषहिंसुमनकरहिंकलगाना ॥

दो०। जानिसुअवसरसीयतब पठवाजनकबुलाइ चतुरसखीसुंदरिसकल सादरचलींलिवाइ ॥

चौ०। सियशोभानहिंजाइबखानी जगदंबिकारूपगुणखानी उपमासकलमोहिलघुलागी प्राकृतनारि-अंगअनुरागी सीयबरणितेहिउपमादेई कोकबिकहैअयशकोलेई जौपटतरियतीयसमसीया जगअस-युवतिकहांकमनीया गिरामुखरतनुअर्द्धभवानी रतिअतिदुखितअतनुपतिजानी बिषबारुणीबंधुप्रियजेही कहियरमासमकिमिवैदेही जौछबिसुधापयोनिधिहोई परमरूपमयकच्छपसोई शोभारजुमंदरशृंगारू मथैपाणिपंकजनिजमारू ॥

दो०। इहिबिधिउपजैलक्षिजब सुंदरतासुखमूल तदपिसकोचसमेतकवि कहहिंसीयसमतूल ॥

चौ०। चलींसंगलैसखीसयानी गावतिगीतमनोहरबानी सोहनवलतनुसुंदरिसारी जगतजननि-अतुलितछबिभारी भूषणसकलसुदेशसुहाये अंगअंगरचिसखिनबनाये रंगभूमिजबसियपगुधारी देखि-रूपमोहेनरनारी हरषिसुरनदुन्दुभीबजाई बरषिप्रसूनअपसरागाई पाणिसरोजसोहजयमाला औचक-चितैसकलमहिपाला सीयचकितचितरामहिचाहा भयेमोहबशसबनरनाहा मुनिसमीपबैठेदोभाई लगेललकिलोचननिधिपाई ॥ •

दो०। गुरुजनलाजसमाजबडि देखिसीयसकुचानि लगीबिलोकनसखिनतन रघुबीरहिउरआनि ॥

चौ०। रामरूपअरुसियछबिदेखी नरनारिनपरिहरीनिमेषी सोचहिंसकलकहतसकुचाहीं बिधिसन-बिनयकरहिंमनमाहीं हरुबिधिबेगिजनकजडताई मतिहमारिअसदेहुसुहाई बिनुबिचारप्रणतजिनरनाहू सीयरामकरकरैंबिबाहू जगभलकहहिंभावसबकाहू हठकीन्हेअंतहुउरदाहू यहलालसामगनसबलोगू बरसांवरोजानकीयोगू तवबंदीजनजनकबुलाये बिरदावलीकहतचलिआये कहनृपजाइकहहुप्रणमोरा चलेभाटहियहर्षनथोरा ॥

दो०। बोलेबंदीबचनबर सुनहुसकलमहिपाल प्रणबिदेहकरकहहिंहम भुजाउठाइबिशाल ॥

चौ०। नृपभुजबलबिधुशिवधनुराहू गरुअकठोरबिदितसबकाहू रावणबाणमहाभटभारे देखिशरासन-गवहिंसिधारे सोइपुरारिकोदंडकठोरा राजसमाजआजुजोइतोरा त्रिभुवनजयसमेतबैदेही बिनहि-बिचारबरैहठितेही सुनिप्रणसकलभूपअभिलाषे भटमानीअतिशयमनमाषे परिकरबांधिउठेअकुलाई चलेइष्टदेवनसिरनाई तमकिताकितकिशिवधनुधरहीं उठइनकोटिभांतिबलकरहीं जिनकेकछुबिचार-मनमाहीं चापसमीपमहीपनजाहीं ॥

दो०। तमकिधरहिंधनुमूढनृप उठइनचलहिंलजाइ मनहुंपाइभटबाहुबल अधिकअधिकगरुआइ ॥

चौ०। भूपसहसदशएकहिबारा लगेउठावनटरइनटारा डगैनशंभुशरासनकैसें कामीबचनसतीमनजैसें

सबनृपभयेयोगउपहासी जैसेबिनुबिरागसन्यासी कीरतिबिजयबीरताभारी चलेचापकरसरबसहारी
श्रीहतभयेहारिहियराजा बैठेनिजनिजजाइसमाजा नृपनबिलोकिजनकअकुलाने बोलेबचनरोषजनुसाने
दीपदीपकेभूपतिनाना आयेसुनिहमजोप्रणठाना देवदनुजधरिमनुजशरीरा बिपुलबीरआयेरणधीरा ॥

दो०। कुंवरिमनोहरिबिजयबडि कीरतिअतिकमनीय पावनहारबिरंचिजनु रचेउनधनुदमनीय ॥

चौ०। कहहुकाहियहलाभनभावा काहुनशंकरचापचढावा रहोचढाउबतोरबभाई तिलभरिभूमिन-
सकेछुडाई अबजनिकोउभाषैभटमानी बीरबिहीनमहीमैंजानी तजहुआशनिजनिजगृहजाहु लिखा-
नबिधिबैदेहिबिबाहु सुकृतजाइजौप्रणपरिहरऊं कुंवरिकुंवारिरहोकाकरऊं जौजनितौबिनुभटभूंइभाई
तौप्रणकरिहोतौनहंसाई जनकबचनसुनिसबनरनारी देखिजानकिहिभयेदुखारी माखेलषणकुटिलभइं-
भौहैं रदपुटफरकतनयनरिसौहैं ॥

दो०। कहिनसकतरघुबीरडर लगेबचनजनुबाण नाइरामपदकमलसिर बोलेगिराप्रमाण ॥

चौ०। रघुबंशिनमहंजहंकोउहोई तेहिसमाजअसकहइनकोई कहीजनकजसिअनुचितबानी बिद्यमान-
रघुकुलमणिजानी सुनहुभानुकुलपंकजभानू कहौसुभावनकछुअभिमानू जौराउरअनुशासनपाऊं
कंदुकइवब्रह्मांडउठाऊं कांचेघटजिमिडारौफोरी सकौमेरुमूलकइवतोरी तवप्रतापमहिमाभगवाना
कावापुरोपिनाकपुराना नाथजानिअसआयसुहोऊ कौतुककरौबिलोकियसोऊ कमलनालजिमिचाप-
चढावौ शतयोजनप्रमाणलैधावौ ॥

दो०। तोरौछत्रकदंडजिमि तवप्रतापबलनाथ जौनकरौप्रभुपदशपथ पुनिनधरौधनुहाथ ॥

चौ०। लषणसकोपबचनजबबोले डगमगानिमहिदिग्गजडोले सकललोकसबभूपडेराने सियहियहर्ष-
जनकसकुचाने गुरुरघुपतिसबमुनिमनमाहीं मुदितभयेपुनिपुनिपुलकाहीं सैनहिंरघुपतिलषणनिवारे
प्रेमसमेतनिकटबैठारे बिश्वामित्रसमयशुभजानी बोलेअतिसनेहमृदुबानी उठहुरामभंजहुभवचापू
मेटहुतातजनकपरितापू सुनिगुरुबचनचरणसिरनावा हर्षबिषादनकछुउरआवा ठाढभयेउठिसहज-
शुभाये ठवनियुबामृगराजलजाये ॥

दो०। उदितउदयगिरिमंचपर रघुबरबालपतंग बिकसेसन्तसरोजबन हरषेलोचनभृंग ॥

चौ०। नृपनकेरिआशानिशिनाशी बचननखतअवलीनप्रकाशी मानिमहीपकुमुदसकुचाने कपटीभूप-
उलूकलुकाने भयेबिशोककोकमुनिदेवा बरषहिंसुमनजनावहिंसेवा गुरुपदबंदिसहितअनुरागा राम-
मुनिनसनआयसुमांगा सहजहिंचलेसकलजगस्वामी मत्तमंजुकुंजरबरगामी चलतरामसबपुरनरनारी
पुलकपूरितनुभयेसुखारी बंदिपितरसुरसुकृतसंभारे जौकछुपुण्यप्रभावहमारे तौशिवधनुमृणालकिनाइं
तोरहिंरामगणेशगुसाइं ॥

दो०। रामहिप्रेमसमेतलखि सखिनसमीपबुलाइ सीतामातुसनेहबश बचनकहैबिलखाइ ॥

चौ०। सखिसबकौतुकदेखनहारे जोउकहावतहितूहमारे कोउनबुझाइकहइनृपपाहीं येबालकअसि-
हठभलनाहीं रावणबाणछुआनहिंचापा हारेसकलभूपकरिदापा सोधनुराजकुंवरकरदेहीं बालमराल-
किमंदरलेहीं भूपसयानपसकलसिरानी सखिबिधिगतिकछुजायनजानी बोलीचतुरसखीमृदुबानी

तेजवन्तलघुगणियनरानी कहंकुंभजकहंसिंधुअपारा शोषेउसुयशसकलसंसारा रविमंडलदेखतलघुलागा उदयतासुत्रिभुवनतमभागा ॥

दो॰। मंत्रपरमलघुजासुवश बिधिहरिहरसुरसर्ब महामत्तगजराजकहं वशकरअंकुशखर्ब ॥

चौ॰। कामकुसुमधनुशायकलीन्हे सकलभुवनअपनेबशकीन्हे देविनजियसंशयअसजानी भंजबधनुषरामसुनुरानी सखीबचनसुनिभइपरतीती मिटाबिषादबढीअतिप्रीती तबरामहिंबिलोकिबैदेही सभयहृदयबिनवतिजेहितेही मनहीमनमनायअकुलानी होहुप्रसन्नमहेशभवानी करहुसुफलआपनिसेवकाई करिहितहरहुचापगुरुआई गणनायकबरदायकदेवा आजुलगेकीन्हीतवसेवा बारबारबिनतीसुनिमोरी करहुचापगुरुताअतिथोरी ॥

दो॰। देखिदेखिरघुबीरतन सुरमनावधरिधीर भरेबिलोचनप्रेमजल पुलकावलीशरीर ॥

चौ॰। नीकेनिरखिनयनभरिशोभा पितुप्रणसुमिरिबहुरिमनछोभा अहहतातदारुणहठठानी समुझतनहिंकछुलाभनहानी सचिवसभयसिखदेइनकोई बुधसमाजबडअनुचितहोई कहंधनुकुलिशहुचाहिकठोरा कहंश्यामलमृदुगातकिशोरा बिधिकेहिभांतिधरौंउरधीरा सिरिषसुमनकिमिबेधिहहीरा सकलसभाकीमतिभइभोरी अबमोहिशंभुचापगतितोरी निजजडतालोगनपरडारी होहुहरुअरघुपतिहिनिहारी अतिपरितापसीयमनमाहीं लवनिमेषयुगसमचलिजाहीं ॥

दो॰। प्रभुहिचितैपुनिचितैमहि राजतलोचनलोल खेलतमनसिजमीनयुग जनुबिधुमंडलडोल ॥

चौ॰। गिराअलिनिमुखपंकजरोकी प्रगटनलाजनिशाअवलोकी लोचनजलरहुलोचनकोना जैसेपरमकृपणकरसोना सकुचीब्याकुलताबडिजानी धरिधीरजप्रतीतिउरआनी तनमनबचनमोरमनसांचा रघुपतिपदसरोजमनरांचा तौभगवानसकलउरबासी करिहहिंमुहिरघुपतिकीदासी जेहिकेजेहिपरसत्यसनेहू सोतेहिमिलतनकछुसंदेहू प्रभुतनचितैप्रेमप्रणठाना कृपानिधानरामसबजाना सियहिबिलोकितकेउधनुकैसे चितवगरुडलघुव्यालहिजैसे ॥

दो॰। लषणलखेउरघुबंशमणि ताकेउहरकोदंड पुलकिगातबोलेबचन चरणचापिब्रह्मंड ॥

चौ॰। दिशकुंजरहुकमठअहिकोला धरहुधरणिधरिधीरनडोला रामचहहिंशंकरधनुतोरा होहुसजगसुनिआयसुमोरा चापसमीपरामजबआये नरनारिनसुरसुकृतमनाये सबकरसंशयअरुअज्ञानू मंदमहीपनकरअभिमानू भृगुपतिकेरिगर्वगरुआई सुरमुनिवरनकेरिकदराई सियकरसोचजनकपछितावा रानिनकरदारुणदुखदावा शंभुचापबडबोहितपाई चढेजाइसबसंगबनाई रामबाहुबलसिंधुअपारा चहतपारनहिंकोउकनहारा ॥

दो॰। रामबिलोकेलोगसब चित्रलिखेसेदेषि चितईसीयकृपायतन जानीबिकलबिशेषि ॥

चौ॰। देखीबिपुलबिकलबैदेही निमिषबिहातकल्पसमतेही तृषितवारिबिनुजोतनत्यागा मुयेकरैकासुधातडागा कावर्षाजबकृषीसुखाने समयचूकपुनिकापछिताने असजियजानिजानकीदेषी प्रभुपुलकेलखिप्रीतिबिशेषी गुरुहिप्रणाममनहिंमनकीन्हा अतिलाघवउठाइधनुलीन्हा दमकेउदामिनिजिमिघनलयऊ पुनिधनुनभमंडलसमभयऊ लेतचढावतखैंचतगाढे काहुनलखादेखसबठाढे तेहिक्षणमध्यरामधनुतोरा भरेउभुवनधुनिघोरकठोरा ॥

छं०। भरिभुवनघोरकठोररवरबिबाजितजिमारगचले चिक्करहिंदिग्गजडोलमहिअहिकोलकूरमकलमले ॥
सुरअसुरमुनिकरकानदीन्हेसकलबिकलबिचारहीं कोदंडभंजेउरामतुलसीजयतिबचनउचारहीं ॥
सो०। शंकरचापजहाज सागररघुबरबाहुबल बूडेसकलसमाज चढेजेप्रथमहिमोहबश ॥
चौ०। प्रभुदोखंडचापमहिडारे देखिलोगसबभयेसुखारे कौशिकरूपपयोनिधिपावन प्रेमबारिअवगाहसुहावन रामरूपराकेशनिहारी बढीबीचिपुलकावलिभारी बाजेनभगहगहेनिसाना देवबधूनाचहिंकरिगाना ब्रह्मादिकसुरसिद्धमुनीशा प्रभुहिप्रशंसहिंदेहिंअसीशा बरषहिंसुमनरंगबहुमाला गावहिंकिन्नरगीतरसाला रहीभुवनभरिजयजयबानी धनुषभंगधुनिजातनजानी मुदितकहहिंजहंतहंनरनारी भंजेउरामशंभुधनुभारी ॥
दो०। बंदीमागधसूतगण बिरदबदहिंमतिधीर करहिंनिछावरिलोगसब हयगजधनमणिचीर ॥
चौ०। झांझमृदंगशंखसहनाई भेरिढोलदुन्दुभीसुहाई बाजहिंबहुबाजनेसुहाये जहंतहंयुवतिनमंगलगाये सखिनसहितहर्षितअतिरानी सूखतधानपराजनुपानी जनकलहेउसुखसोचबिहाई पैरतथकेथाहजनुपाई श्रीहतभयेभूपधनुटूटे जैसेंदिवसदीपछबिछूटे सियहियसुखबरणियकेहिभांती जनुचातकीपाइजलस्वाती रामहिंलषणबिलोकतकैसें शशिहिचकोरकिशोरकजैसें सतानंदतबआयसुदीन्हा सीतागमनरामपहंकीन्हा ॥
दो०। संगसखीसुंदरिचतुरि गावहिंमंगलचार गवनीबालमरालगति सुखमाअंगअपार ॥
चौ०। सखिनमध्यसियसोहतिकैसी छबिगणमध्यमहाछबिजैसी करसरोजजयमालसुहाई बिश्वबिजयशोभाजनुछाई तनुसकोचमनपरमउछाहू गूढप्रेमलखिपरैनकाहू जाइसमीपरामछबिदेषी रहिजनुकुंवरचित्रअवरेषी चतुरसखीलखिकहाबुझाई पहिरावहुजयमालसुहाई सुनतयुगलकरमालउठाई प्रेमबिबशपहिराइनजाई सोहतजनुयुगजलजसनाला शशिहिसभीतदेतजयमाला गावहिंछबिअवलोकिसहेली सियजयमालरामउरमेली ॥
सो०। रघुबरउरजयमाल देखिदेवबरषहिंसुमन सकुचेसकलभुआल जनुबिलोकिरविकुमुदगण ॥
चौ०। पुरअरुव्योमबाजनेबाजे खलभयेमलिनसाधुसबगाजे सुरकिन्नरनरनागमुनीशा जयजयसबकहिदेहिंअसीशा नाचहिंगावहिंबिबुधबधूटी बारबारकुसुमावलिछूटी जहंतहंविप्रवेदधुनिकरहीं बंदीबिरदावलिउच्चरहीं महिपातालनाकयशव्यापा रामबरीसियभंजेउचापा करहिंआरतीपुरनरनारी देहिंनिछावरिबित्तबिसारी सोहतसीयरामकीजोरी छबिशृंगारमनहुंइकठोरी सखीकहहिंप्रभुपदगहुसीता करतिनचरणपरसअतिभीता ॥
दो०। गौतमतियगतिसुरतिकरि नहिंपरसतिपदपानि मनबिहसेरघुबंशमणि प्रीतिअलौकिकजानि ॥
चौ०। तबसियदेखिभूपअभिलाषे कूरकपूतमूढमनमाषे उठिउठिपहिरिसनाहअभागे जहंतहंगालबजावनलागे लेहुछुडाइसीयकहकोऊ धरिबांधहुनृपबालकदोऊ तोरेंधनुषचाडनहिंसरई जीवतहमहिंकुंवरिकोबरई जौबिदेहकछुकरैसहाई जीतहुसमरसहितदोभाई साधुभूपबोलेसुनिबानी राजसमाजहिंलाजलजानी बलप्रतापबीरताबडाई नाकपिनाकहिसंगसिधाई सोइशूरताकिअबकहुंपाई असबुधितौबिधिमुहमसिलाई ॥

दो०। देखहुरामहिंनयनभरि तजिइरषामदमोह लषणरोषपावकप्रबल जानिशलभजनिहोहु॥

चौ०। बैनतेयबलिजिमिचहकागू जिमिशशचहहिंनागअरिभागू जिमिचहकुशलअकारणकोही सुख-
संपदाचहहिंशिवद्रोही लोभीलोलुपकीरतिचहई अकलंकताकिकामीलहई हरिपदविमुखपरमगतिचाहा
तसतुम्हारलालचनरनाहा कोलाहलसुनिसीयसकानी सखीलिवाइगईंजहंरानी रामसुभायचलेगुरुपाहीं
सियसनेहबरणतमनमाहीं रानिनसहितसोचबशसीया अबधौंबिधिहिकहाकरणीया भूपबचनसुनि-
इतउतनकहीं लषणरामडरबोलिनसकहीं॥

दो०। अरुणनयनभृकुटीकुटिल चितवतनृपनसकोप मनहुंमत्तगजगणनिरखि सिंहकिशोरहिचोप॥

चौ०। खरभरदेखिबिकलनरनारी सबमिलिदेहिंमहीपनगारी तेहिअवसरसुनिशिवधनुभंगा आयेभृगु-
कुलकमलपतंगा देखिमहीपसकलसकुचाने बाजझपटजनुलवालुकाने गौरशरीरभूतिभलिभ्राजा भाल-
बिशालत्रिपुण्ड्रबिराजा सीसजटाशशिबदनसुहावा रिसबशकछुकअरुणह्वैआवा भृकुटीकुटिलनयन-
रिसराते सहजहिंचितवतमनहुंरिसाते बृषभकंधउरबाहुबिशाला चारुजनेउमालमृगछाला कटिमुनि-
बसनतूणदुइबांधे धनुशरकरकुठारकलकांधे॥

दो०। सन्तभेषकरणीकठिन बरणिनजाइसरूप धरिमुनितनुजनुवीररस आयेजहंसबभूप॥

चौ०। देखतभृगुपतिभेषकराला उठेसकलभयबिकलभुआला पितुसमेतकहिकहिनिजनामा लगेकरण-
सबदंडप्रणामा जेहिसुभायचितवहिंहितजानी सोजानैजनुआयुखुटानी जनकबहोरिआयसिरनावा
सीयबुलायप्रणामकरावा आशिषदीन्हसखीहरषानी निजसमाजलैगईसयानी विश्वामित्रमिलेपुनिआई
पदसरोजमेलेदोभाई रामलषणदशरथकेढोटा दीन्हअशीसजानिभलजोटा रामहिचितयरहेथकि-
लोचन रूपअपारमारमदमोचन॥

दो०। बहुरिबिलोकिविदेहसन कहहुकहाअतिभीर पूछतजानअजानजिमि व्यापेउकोपशरीर॥

चौ०। समाचारकहिजनकसुनाये जेहिकारणमहीपसबआये सुनतबचनफिरिअनतनिहारे देखेचाप-
खंडमहिडारे अतिरिसबोलेबचनकठोरा कहुजडजनकधनुषकेइतोरा बेगिदेखाउमूढनतुआजू उलटौं-
महिजहंलगितवराजू अतिडरउतरदेतनृपनाहीं कुटिलभूपहरषेमनमाहीं सुरमुनिनागनगरनरनारी
सोचहिंसकलत्रासउरभारी मनपछितातिसीयमहंतारी बिधिसंवारिसबबातबिगारी भृगुपतिकरसुभाव-
सुनिसीता अर्द्धनिमेषकल्पसमबीता॥

दो०। सभयबिलोकेलोगसब जानिजानकीभीर हृदयनहर्षबिषादकछु बोलेश्रीरघुबीर॥

चौ०। नाथशंभुधनुभंजनिहारा होइहिकोउएकदासतुम्हारा आयसुकहाकहियकिनमोही सुनिरिसाय-
बोलेमुनिकोही सेवकसोइजोकरैसेवकाई अरिकरणीकरिकरियलराई सुनहुरामजेइशिवधनुतोरा
सहसबाहुसमसोरिपुमोरा सोबिलगाउबिहाइसमाजा नतुमारेजैहैंसबराजा सुनिमुनिबचनलषण-
मुसुकाने बोलेपरशुधरहिंअपमाने बहुधनुहींतोरेउंलरिकाईं कबहुंनअसिरिसकीन्हगोसाईं इहि-
धनुपरममताकेहिहेतू सुनिरिसायकहभृगुकुलकेतू॥

दो०। रेनृपबालककालबश बोलततोहिनसंभार धनहींसमत्रिपुरारिधनु बिदितसकलसंसार॥

चौ०। लषणकहाहंसिहमरेजाना सुनक्कदेवसबधनुषसमाना कात्तिलाभजीर्णधनुतोरे देखाराम-नयेकेभोरे छुवतटूटरघुपतिहिनदोषू मुनिबिनुकाजकरियकतरोषू बोलेचितयपरशुकोओरा रेशठसुने-सिसुभावनमोरा बालकबोलिबधौंनहिंतोही केवलमुनिजडजानेसिमोही बालब्रह्मचारीअतिकोही विश्व-बिदितक्षत्रीकुलद्रोही भुजबलभूमिभूपबिनुकीन्ही बिपुलबारमहिदेवनदीन्ही सहसबाक्कभुजछेदनहारा परशुबिलोकुमहीपकुमारा॥

दो०। मातुपितहिजनिसोचबश करसिमहीपकिशोर गर्भनकेअर्भकदलन परशुमोरअतिघोर॥

चौ०। बिहसिलषणबोलेमृदुबानी अहोमुनीशमहाभटमानी पुनिपुनिमोहिदेखावकुठारा चहतउडावन-फूंकिपहारा इहांकुंहडबतियाकोउनाहीं जोतर्जनिदेखतमरिजाहीं देखिकुठारशरासनबाना मैंकछु-कहासहितअभिमाना भृगुकुलसमुझिजनेउविलोकी जोकछुकहक्कसहौंरिसरोकी सुरमहिसुरहरिजन-अरुगाई हमरेकुलइनपरनसुराई बधेपापअपकीरतिहारे मारतहूंपांपरियतुम्हारे कोटिकुलिशसमबचन-तुम्हारा बृथाधरक्कधनुबाणकुठारा॥

दो०। जोबिलोकिअनुचितकहेउं छमक्कमहामुनिधीर सुनिसरोषभृगुबंशमणि बोलेगिरागंभीर॥

चौ०। कौशिकसुनक्कमंदयहबालक कुटिलकालबशनिजकुलघालक भानुबंशराकेशकलंकू निपटनिरंकुश-अबुधअशंकू कालकवरहोइहिक्षणमाहीं कहौंपुकारिखोरिमोहिनाहीं तुमहटकक्कजोचहक्कउवारा कहिप्रतापबलरोषहमारा लषणकहेउमुनिसुयशतुम्हारा तुमहिअक्तकोबरणैपारा अपनेमुखतुम-आपनिकरणी बारअनेकभांतिबक्कवरणी नहिंसंतोषतोपुनिकछुकहक्क जनिरिसरोकिदुसहदुखसहक्क बीरबृत्तितुमधीरअक्षोभा गारीदेतनपावक्कशोभा॥

दो०। शूरसमरकरणीकरहिं कहिनजनावहिंआपु विद्यमानरणपाइरिपु कायरकथहिंप्रलापु॥

चौ०। तुमतौकालहांकिजनुलावा बारबारमोहिलागिबुलावा सुनतलषणकेबचनकठोरा परशुसुधारि-धरेउकरघोरा अबजनिदेइदोषमोहिलोगू कटुबादीबालकबधयोगू बालबिलोकिबक्कतमैंबांचा अबयह-मरणहारभासांचा कौशिककहाछमियअपराधू बालदोषगुणगणहिंनसाधू करकुठारमैंअकरुणकोही आगेअपराधीगुरुद्रोही उतरदेतछाडौंबिनुमारें केवलकौशिकशीलतुम्हारें नतुइहिकाटिकुठारकठोरे गुरुहिउरिणहोतेउंश्रमथोरे॥

दो०। गाधिसुअनकहहृदयहंसि मुनिहिंहरिअरेसूझ अजगवखंडेउऊषजिमि अजक्कंनबूझअबूझ॥

चौ०। कहेउलषणमुनिशीलतुम्हारा कोनहिंजानबिदितसंसारा मातुहिंपितहिंउरिणभयेनीके गुरु-ऋणरहासोचबडजीके सोजनुहमरेमाथेकाढा दिनचलिगयेउव्याजबक्कबाढा अबआनियव्यवहरिया-बोली तुरतदेवमैंथैलीखोली सुनिकटुबचनकुठारसुधारा हाहाकहिसबलोगपुकारा भृगुबरपरशुदेखाव-क्कमोही बिप्रबिचारिबचौंनृपद्रोही मिलेनकबक्कंसुभटरणगाढे द्विजदेवताघरहीकेबाढे अनुचितकहि-सबलोगपुकारे रघुपतिसैनहिलषणनिवारे॥

दो०। लषणउतरआक्कतिसरिस भृगुपतिकोपकृशानु बढतदेखिजलसमबचन बोलेरघुकुलभानु॥

चौ०। नाथकरक्कबालकपरछोह्न सूधदूधमुखकरियनकोह्न जौपैप्रभुप्रभावकछुजाना तौकिबराबर-

करतअयाना जौलरिकाकछुअनुचितकरहीं गुरुपितुमातुमोदमनभरहीं करियकृपाशिशुसेवकजानी तुमसमशीलधीरमुनिज्ञानी रामबचनसुनिकछुकजुडाने कहिकछुलषणबहुरिमुसुकाने हंसतदेखिनख-शिखरिसब्यापी रामतोरभ्रातावडपापी गौरशरीरश्याममनमाहीं कालकूटमुखपयमुखनाहीं सहजटेढ-अनुहरैनतोही नीचमीचसमलखैनमोहीं ॥

दो०। लषणकहेउहंसिसुनहुमुनि क्रोधपापकरमूल जेहिबशजनअनुचितकरहिं चलहिंविश्वप्रतिकूल॥

चौ०। मैंतुम्हारअनुचरमुनिराया परिहरिकोपकरियअबदाया टूटचापनहिंजुरहिंरिसाने बैठियहोइ-हहिंपायपिराने जौअतिप्रियतोकरियउपाई जोरियकोउबडगुनियबुलाई बोलतलषणहिजनकडेराहीं मष्टकरहुअनुचितभलनाहीं थरथरकांपहिंपुरनरनारी छोटकुमारखोटअतिभारी भृगुपतिसुनिसुनि-निर्भयबानी रिसतनुजरैहोइबलहानी बोलेरामहिंदेइनिहोरा बंचौंबिचारिबंधुलघुतोरा मनमलीनतनु-सुंदरकैसे बिषरसभराकनकघटजैसे ॥

दो०। सुनिलछ्मणबिहसेबहुरि नयनतरेरेराम गुरुसमीपगवनेसकुचि परिहरिबाणीवाम॥

चौ०। अतिबिनीतमृदुशीतलबाणी बोलेरामजोरियुगपाणी सुनहुनाथतुमसहजसुजाना बालकबचन-करियनहिंकाना बररेबालकएकसुभाऊ इनहिंनसन्तबिदूषहिंकाऊ तिननाहींकछुकाजबिगारा अपराधी-मैंनाथतुम्हारा कृपाकोपबधबंधगुसाईं मोपरकरियदासकीनाईं कहियबेगिजेहिबिधिरिसजाई मुनि-नायकसोइकरियउपाई कहमुनिरामजाइरिसकैसे अजहुंअनुजतवचितवअनैसे इहिकेकंठकुठारनदीन्हा तौमैंकहाकोपकरिकीन्हा ॥

दो०। गर्भश्रवहिंअवनिप रवनि सुनिकुठारगतिघोर परशुअछतदेखौंजियत बैरीभूपकिशोर॥

चौ०। बहैनहाथदहैरिसछाती भाकुठारकुंठितनृपघाती भयउबामबिधिफिरेउसुभाऊ मोरेहृदय-कृपाकसिकाऊ आजुदैवदुखदुसहसहावा सुनिसौमित्रिबिहसिसिरनावा बाउकृपामूरतिअनुकूला बोलतबचनझरतजनुफूला जौपैकृपाजरैंमुनिगाता क्रोधभयेतनुराखुबिधाता देखुजनकहठिबालकयेहू कीन्हचहतजडयमपुरगेहू बेगिकरहुकिनआंखिनओटा देखतछोटखोटनृपढोटा बिहंसेलषणकहामुनि-पाहीं मूंदियआंखिकतहुंकोउनाहीं ॥

दो०। परशुरामतबरामप्रति बोलेबचनसक्रोध शंभुशरासनतोरिशठ करसिहमारप्रबोध॥

चौ०। बंधुकहैकटुसंमततोरे तूंछलबिनयकरसिकरजोरे करुपरितोषमोरसंग्रामा नाहिंतछाडुकहा-उबरामा छलतजिकरहुसमरशिवद्रोही बंधुसहिततनतुमारौंतोही भृगुपतितमकिकुठारउठाये मन-मुसुकाहिंरामसिरनाये गुणहुलषणकरहमपररोषू कतहुंसुधाइहुतेबडदोषू टेढजानिशंकासबकाहू बक्रचंद्रमहिग्रसैनराहू रामकहेउरिसतजियमुनीशा करकुठारआगेयहसीशा जेहिरिसजाइकरिय-सोइस्वामी मोहिजानिआपनअनुगामी ॥

दो०। प्रभुसेवकहिसमरकस तजहुविप्रबररोष भेषबिलोकिकहेसिकछु बालकहूंनहिंदोष॥

चौ०। देखिकुठारबाणधनुधारी भैलरिकहिरिसबीरबिचारी नामजानपैतुमहिनचीन्हा बंशसुभाव-उनरतेहिदीन्हा जौतुमअवतेहुमुनिकीनाईं पदरजसिरशिशुधरतगुसाईं छमहुचूकअनजानतकेरी

चहियबिप्रउरकृपाघनेरी हमहिंतुमहिंसरबरिकसनाथा कहहुनोकहांचरणकहंमाथा राममात्रलघु-
नामहमारा परशुसहितबडनामतुम्हारा देवएकगुणधनुषहमारे नवगुणपरमपुनीततुम्हारे सबप्रकार-
हमतुमसनहारे छमहुबिप्रअपराधहमारे ॥

दो०। बारबारमुनिबिप्रबर कहारामसनराम बोलेभृगुपतिसरुषहोइ तुहूंबंधुसमबाम ॥

चौ०। निपटहिद्विजकरिजानेहुमोही मैंजसबिप्रसुनाउंतोही चापस्रुवाशरआहुतिजानू कोपमोर-
अतिघोरकृशानू समिधसेनचतुरंगसुहाई महामहीपभयेपशुआई मैंइहिपरशुकाटिबलिदीन्हा समर-
यज्ञजगकोटिनकीन्हा मोरप्रभावबिदिततनहितोरे बोलेसिनिदरिबिप्रकेभोरे भंजेउचापदापबडबाढा
अहमितिमनहुंजीतिजगठाढा रामकहामुनिकहहुबिचारी रिसअतिबडिलघुचूकहमारी छुअतहिटूट-
पिनाकपुराना मैंकेहिहेतुकरौंअभिमाना ॥

दो०। जौहमनिदरहिंबिप्रबदि सत्यसुनहुभृगुनाथ तौअसकोजगसुभटजेहि भयबशनावहिंमाथ ॥

चौ०। देवदनुजभूपतिभटनाना समबलअधिकहोउबलवाना जौरणहमहिंप्रचारयकोऊ लरहिंसुखेन-
कालकिनहोऊ छत्रियतनुधरिसमरसकाना कुलकलंकतेहिपांवरजाना कहौंसुभावनकुलहिप्रशंसी
कालहुडरहिंनरणरघुबंशी बिप्रबंशकीअसिप्रभुताई अभयहोइजोतुमहिडेराई सुनिमृदुगूढबचनरघुपतिके
उघरेपटलपरशुधरमतिके रामरमापतिकरधनुलेहू खैंचहुमोरमिटैसंदेहू देतचापआपुहिचढिगयऊ
परशुराममनबिस्मयभयऊ ॥

दो०। जानारामप्रभावतब पुलकप्रफुल्लितगात जोरिपाणिबोलेबचन प्रेमनहृदयसमात ॥

चौ०। जयरघुबंशबनजबनभानू गहनदनुजकुलदहनकृशानू जयसुरबिप्रधेनुहितकारी जयमदमोह-
कोहभ्रमहारी बिनयशीलकरुणागुणसागर जयतिबचनरचनाअतिआगर सेवकसुखदशुभगसबअंगा
जयशरीरछबिकोटिअनंगा करौंकहामुखएकप्रशंसा जयमहेशमनमानसहंसा अनुचितबहुतकहेउंअज्ञाता
छमहुछमामंदिरदोउभ्राता कहिजयजयजयरघुकुलकेतू भृगुपतिगयेबनहितपहेतू अपभयकुटिलमहीप-
डेराने जहंतहंकायरगंवहिपराने ॥

दो०। देवनदीन्हीदुन्दुभी प्रभुपरबरषहिंफूल हरषेपुरनरनारिसब मिटामोहभयशूल ॥

चौ०। अतिगहगहेबाजनेबाजे सबहिमनोहरमंगलसाजे यूथयूथमिलिसुमुखिसुनयनी करहिंगान-
कलकोकिलबयनी सुखबिदेहकरबरणिनजाई जन्मदरिद्रमनहुंनिधिपाई बिगतत्रासभइसीयसुखारी
जनुबिधुउदयचकोरकुमारी जनककीन्हकौशिकहिप्रणामा प्रभुप्रसादधनुभंजेउरामा मोहिकृतकृत्य-
कीन्हदुहुंभाई अबजोउचितसोकहियगुसांई कहमुनिसुननरनाहप्रबीना रहाबिबाहचापआधीना टूटतही-
धनुभयउबिबाहू सुरनरनागबिदितसबकाहू ॥

दो०। तदपिजाइतुमकरहुअब यथाबंशब्यवहार बूझिबिप्रकुलबृद्धगुरु बेदबिदितआचार ॥

चौ०। दूतअवधपुरपठवहुजाई आनैंनृपदशरथहिंबुलाई मुदितराउकहिभलेहिकृपाला पठयेदूत-
अवधतेहिकाला बहुरिमहाजनसकलबुलाये आइसबनिसादरसिरनाये हाटबाटमंदिरसुरबासा
नगरसंवारहुचारिहुपासा हरषिचलेनिजनिजगृहआये पुनिपरिचारकबोलिपठाये रचहुबिचित्रबितान-

बनाई सिरधरिबचनचलेसचुपाई पठयेबोलिगुणीतिन्हनाना जेबितानबिधिकुशलसुजाना बिधिहि-
बंदितिन्हकीन्हअरंभा बिरचेकनककेदलीथंभा ॥

दो०। हरितमणिनकेपत्रफल पद्मरागकेफूल रचनादेखिबिचित्रअति मनबिरंचिकेभूल ॥

चौ०। बेणुहरितमणिमयसबकीन्हे सरससबर्णपरहिंनहिंचीन्हे कनककलितअहिबेलिबनाई लखिनहिं-
परैसबर्णसुहाई तेहिकेरचिपचिबंधबनाये बिचबिचमुकतादामसुहाये माणिकमरकतकुलिशपिरोजा
चीरकोरपचिरचेसरोजा कियेभृंगबहुरंगबिहंगा गुंजहिंकूजहिंपवनप्रसंगा सुरप्रतिमाखंभनगहिकाढी
मंगलद्रव्यलियेसबठाढी चौकेभांतिअनेकपुराईं सिंदुरमणिमयसहजसुहाईं ॥

दो०। सौरभपल्लवशुभगसुठि कियेनीलमणिकोर हेमबौरमरकतघवरि लसतपाटमयडोर ॥

चौ०। रचेरुचिरबरबंदनवारे मनहुंमनोभवफंदसंवारे मंगलकलशअनेकबनाये ध्वजपताकपटचमर-
सुहाये दीपमनोहरमणिमयनाना जाइनबरणिबिचित्रबिताना जेहिमंडपदुलहिनिबैदेही सोबरणैअसि-
मतिकबिकेही दूलहरामरूपगुणसागर सोबितानतिहुंलोकउजागर जनकभवनकीशोभाजैसी गृहगृह-
प्रतिपुरदेखियतैसी जेहिंतिरहुतितेहिसमयनिहारी तेहिलघुलगेभुवनदशचारी जोसंपदानीचगृहसोहा
सोबिलोकिसुरनायकमोहा ॥

दो०। बसैनगरजेहिलच्छिकरि कपटनारिबरभेष तेहिपुरकीशोभाकहत सकुचैशारदशेष ॥

चौ०। पहुंचेदूतरामपुरपावन हरषेनगरबिलोकिसुहावन भूपद्वारतिन्हखबरिजनाई दशरथनृपसुनि-
लियेबुलाई करिप्रणामतिन्हपातीदीन्ही मुदितमहीपआपउठिलीन्ही बारिबिलोचनबांचतपाती पुलक-
गातआईभरिछाती रामलषणउरकरबरचीठी रहिगयेकहतनखाटीमीठी पुनिधरिधीरपत्रिकाबांची
हरषीसभाबातसुनिसांची खेलतरहेतहांसुधिपाई आयेभरतसहितहैभाई पूछतअतिसनेहसकुचाई
तातकहांतेपातीआई ॥

दो०। कुशलप्राणप्रियबंधुदोउ अहहिंकहहुकेहिदेश सुनिसनेहसानेबचन बांचीबहुरिनरेश ॥

चौ०। सुनिपातीपुलकेदोभ्राता अधिकसनेहसमातनगाता प्रीतिपुनीतभरतकीदेषी सकलसभासुख-
लहेउबिशेषी तबनृपदूतनिकटबैठारे मधरमनोहरबचनउचारे भैयाकहहुकुशलदोबारे तुमनीकेनिज-
नयननिहारे श्यामलगौरधरेधनुभाथा बयकिशोरकौशिकमुनिसाथा पहिचानेहुतोकहहुसुभाऊ प्रेम-
बिबशपुनिपुनिकहराऊ जादिनतेंमुनिगयेलिवाई तबतेंआजुसांचिसुधिपाई कहहुबिदेहकवनबिधिजाने
सुनिप्रियबचनदूतमुसुकाने ॥

दो०। सुनहुमहीपतिमुकुटमणि तुमसमधन्यनकोउ रामलषणजिनकेतनय बिश्वबिभूषणदोउ ॥

चौ०। पूछनयोगनतनयतुम्हारे पुरुषसिंहतिहुंपुरउजियारे जिनकेयशप्रतापकेआगे शशिमलीनरबि-
शीतललागे तिनकहंकहियनाथकिमिचीन्हे देखियरबिकिदीपकरलीन्हे सीयस्वयंबरभूपअनेका
सिमिटेसुभटएकतेंएका शंभुशरासनकाहुनटारा हारेसकलभूपबरियारा तीनिलोकमहंजेभटमानी
सबकीशक्तिशंभुधनुभानी सकैउठाइसुरासुरमेरू सोउहियहारिगयउकरफेरू जेहिंकौतुकशिवशैल-
उठावा सोउतेहिसभापराभवपावा ॥

दो०। तहांरामरघुबंशमणि सुनियमहामहिपाल भंजेउचापप्रयासबिन जिमिगजपंकजनाल ॥

चौ०। सुनिसरोषभृगुनायकआये बहुतभांतितिनआंखिदेखाये देखिरामबलनिजधनुदीन्हा करिबहु-बिनयगवनबनकीन्हा राजनरामअतुलबलजैसे तेजनिधानलषणपुनितैसे कंपहिंभूपबिलोकतजाके जिमिगजहरिकिशोरकेताके देवदेखिनवबालकदोऊ अवनिआंखिनरआवनकोऊ दूतबचनरचनाप्रियलागी प्रेमप्रतापबीररसपागी सभासमेतराउअनुरागे दूतन्हिदेननिछावरलागे कहिअनीतितेमूंदेउकाना धर्मबिचारिसबहिसुखमाना ॥

दो०। तबउठिभूपबसिष्ठकहं दीन्हपत्रिकाजाइ कथासुनाईगुरुहिसब सादरदूतबुलाइ ॥

चौ०। सुनिबोलेमुनिअतिसुखपाई पुण्यपुरुषकहंमहिसुखछाई जिमिसरितासागरमहंजाहीं यद्यपि-ताहिकामनानाहीं तिमिसुखसंपतिबिनहिंबुलाये धर्मशीलपहंजाहिंसुभाये तुमगुरुबिप्रधेनुसुरसेवी तसि-पुनीतकौशल्यादेवी सुकृतीतुमसमानजगमाहीं भयउनहैकोउहोनेउनाहीं तुमतेंअधिकपुण्यबडकाके राजनरामसरिससुतजाके बीरबिनीतधर्मब्रतधारी गुणसागरबालकबरचारी तुमकहंसर्बकालकल्याना सजहुबरातबजाइनिसाना ॥

दो०। चलेउबेगिसुनिगुरुबचन भलेहिनाथसिरनाइ भूपतिगवनेभवनतब दूतहिबासदिवाइ ॥

चौ०। राजासबरनिबासबुलाई जनकपत्रिकाबांचिसुनाई सुनिसंदेससकलहरषानी अपरकथासब-भूपबखानी प्रेमप्रफुल्लितराजारानी मनहुंशिखिनसुनिबारिदबानी मुदितअशीसदेहिंगुरुनारी अति-आनंदमगनमहंतारी लेहिंपरस्परअतिप्रियपाती हृदयलगाइजुडावहिंछाती रामलषणकोकीरतिकरणी बारहिंबारभूपबरवरणी मुनिप्रसादकहिद्वारसिधाये रानिन्हतबमहिदेवबुलाये दियेदानआनंदसमेता चलेबिप्रबरआशिषदेता ॥

सो०। याचकलियेहंकारि दीन्हनिछावरिकोटिबिधि चिरजीवहुसुतचारि चक्रबर्तिदशरत्थके ॥

चौ०। कहतचलेपहिरेंपटनाना हरषिहनेगहगहेनिसाना समाचारसबलोगनपाये लागेघरघरहोन-बधाये भुवनचारिदशभरेउउछाहू जनकसुतारघुबीरबिबाहू सुनिशुभकथालोगअनुरागे मगगृहगली-संवारनलागे यद्यपिअवधसदैवसुहावनि रामपुरीमंगलमयपावनि तदपिप्रीतिकीरीतिसुहाई मंगल-रचनारचीबनाई ध्वजपताकपटचामरचारू छावापरमबिचित्रबजारू कनककलशतोरणमणिजाला हरददूबदधिअक्षतमाला ॥

दो०। मंगलमयनिजनिजभवन लोगनरचेबनाइ बीथीसींचीचतुरसब चौकेचारुपुराइ ॥

चौ०। जहंतहंयूथयूथमिलिभामिनि सजिनवसप्तसकलद्युतिदामिनि बिधुबदनीमृगशावकलोचनि निज-सरूपरतिमानबिमोचनि गावहिंमंगलमंजुलबानी सुनिकलरवकलकंठलजानी भूपभवनकिमिजाइबखाना बिश्वबिमोहनरचेउबिताना मंगलद्रव्यमनोहरनाना राजतबाजतबिपुलनिसाना कतहुंबिरदबंदीउच्चरहीं कतहुंवेदधुनिभूसुरकरहीं गावहिंसुंदरिमंगलगीता लैलैनामरामअरुसीता बहुतउछाहभवनअति-थोरा मानहुंउमगिचलाचहुंओरा ॥

दो०। शोभादशरथभवनकी कोकबिबरणैपार जहांसकलसुरसीसमणि रामलीन्हअवतार ॥

चौ०। भूपभरतपुनिलियेबुलाई हयगजस्यंदनसाजहुजाई चलहुबेगिरघुबीरबराता सुनतपुलकपूरेदोउ-
भ्राता भरतसकलसाहननोबुलाये आयसुदीन्हमुदितउठिधाये रचिरुचिजीनतुरगतिनसाजे बर्णबर्ण-
बरबाजिबिराजे शुभगसकलसुठिचंचलकरणी अयजिमिजरतधरतपगुधरणी नानाभांतिनजाहिंबखाने
निदरिपवनजनुचहतउडाने तिनसबछयलभयेअसवारा भरतसरिससबराजकुमारा सबसुंदरसबभूषण-
धारी करशरचापतूणकटिभारी ॥

दो०। छरेछबीलेछयलसब शूरसुजाननवीन   युगपदचरअसवारप्रति जेअसिकलाप्रवीन ॥

चौ०। बांधेबिरदबीररणगाढे निकसिभयेपुरबाहिरठाढे फेरहिंचतुरतुरगगतिनाना हरषहिंधुनिसुनि-
पणवनिसाना रथसारथिनबिचित्रबनाये ध्वजपताकमणिभूषणछाये चंवरचारुकिंकिणिधुनिकरहीं भानु-
यानशोभाअपहरहीं श्यामकर्णअगणितहयहोते तेतिन्हरथनसारथिनजोते सुंदरसकलअलंकृतसोहैं जिन-
हिबिलोकतमुनिमनमोहैं जेजलचलहिंथलहिंकीनाईं टापनबूडबेगअधिकाईं अस्त्रशस्त्रसबसाजसजाई
रथीसारथिनलियेबुलाई ॥

दो०। चढिचढिरथबाहिरनगर लागीजुरनबरात   होतशगुनसुंदरसबहि जोजेहिकारजजात ॥

चौ०। कलितकरिबरन्हपरीअंबारी कहिनजाइजेहिभांतिसंवारी चलेमत्तगजघंटबिराजे मनहुंशुभग-
सावनघनगाजे बाहनअपरअनेकबिधाना शिविकाशुभगसुखासनयाना तिनचढिचलेबिप्रबरबृंदा जन-
तनुधरेसकलश्रुतिछंदा मागधसूतबंदिगुणगायक चलेयानचढिजोजेहिलायक बेसरऊंटबृषभबहुजाती
चलेबस्तुभरिअगणितभांती कोटिनकांवरिचलेकहारा बिबिधबस्तुकोबरणैपारा चलेसकलसेवकसमुदाई
निजनिजसाजसमाजबनाई ॥

दो०। सबकेउरनिर्भरहरष पूरितपुलकशरीर   कबहिंदेखिहैंनयनभरि रामलषणदोउबीर ॥

चौ०। गरजहिंगजघंटाधुनिघोरा रथरवबाजिहींसचहुंओरा निदरिघनहिघूमरहिनिसाना निजपराय-
कछुसुनियनकाना महाभीरभूपतिकेद्वारे रजहोइजाइपखानपबारे चढीअटारिनदेखहिंनारी लिये-
आरतीमंगलथारी गावहिंगीतमनोहरनाना अतिअनंदनहिंजाइबखाना तबसुमंतदुइस्यंदनसाजी जोते-
रबिहयनिंदकबाजी दोउरथरुचिरभूपपहंआने नहिंशारदप्रतिजाहिंबखाने राजसमाजएकरथभ्राजा
दूसरतेजपुंजअतिराजा ॥

दो०। तेहिरथरुचिरबसिष्टकहं हरषिचढाइनरेश   आपुचढेउस्यंदनसुमिरि हरगुरुगौरिगणेश ॥

चौ०। सहितबसिष्टसोहनृपकैसें सुरगुरुसंगपुरंदरजैसें करिकुलरीतिबेदबिधिराऊ देखिसबहिंसब-
भांतिबनाऊ सुमिरिरामगुरुआयसुपाई चलेमहीपतिशंखबजाई हरषेबिबुधबिलोकिबराता बरषहिंसुमन-
सुमंगलदाता भयउकोलाहलहयगजगाजे व्योमबरातबाजनेबाजे सुरनरनारिसुमंगलगाई.सरसराग-
बाजहिंसहनाई घंटघंटिधुनिबरणिनजाई सरौकरैंपायकफहराई करहिंबिदूषककौतुकनाना हास-
कुशलकलगानसुजाना ॥

दो०। तुरगनचावहिंकुंवरबर अंकनिमृदंगनिसान   नागरनटचितवहिंचकित डिगहिंनतालबिधान ॥

चौ०। बनैनबरणतबनीबराता होइंशगुनसुंदरशुभदाता चाराचाखबामदिशिलेई मनहुंसकलमंगल-

कहिदेई दाहिनकागसुखेतसुहावा नकुलदरशसबकाहूनपावा सानुकूलबहत्रिबिधबयारी सघटसबाल-
आवबरनारी लोवाफिरिफिरिदरशदिखावा सुरभीसन्मुखशिशुहिपिआवा मृगमालादाहिनदिशिआई
मंगलगणजनुदीन्हदिखाई छेमकरीकहछेमबिशेषी श्यामाबामसुतरुपरदेषी सन्मुखआयउदधिअरुमीना
करपुस्तकदुइबिप्रप्रबीना ॥

दो०। मंगलमयकल्याणमय अभिमतफलदातार जनुसबसांचेहोनहित भयेशगुनएकबार ॥

चौ०। मंगलशगुनसुगमसबताके सगुणब्रह्मसुंदरसुतजाके रामसरिसबरदुलहिनिसीता समधीदशरथ-
जनकपुनीता सुनिअसब्याहशगुनसबनाचे अबकीन्हेबिरंचिहमसांचे इहिबिधिकीन्हबरातपयाना हय-
गजगाजहिंहनहिंनिसाना आवतजानिभानुकुलकेतू सरितनजनकबंधायेउसेतू बीचबीचबरबासबनाये
सुरपुरसरिससंपदाछाये अशनशयनबरबसनसुहाये पावहिंसबनिजनिजमनभाये नितनूतनसुखलखि-
अनुकूला सकलबरातिनमंदिरभूला ॥

दो०। आवतजानिबरातबर सुनिगहगहेनिसान सजिगजरथपदचरतुरग लेनचलेअगवान ॥

चौ०। कनककलशकलकोपरथारा भोजनललितअनेकप्रकारा भरेसुधासमसबपकवाना भांतिभांति-
नहिंजाहिंबखाना फलअनेकबरबस्तुसुहाई हरषिभेंटहितभूपपठाई भूषणबसनमहामणिनाना खगमृग-
हयगजबहुबिधयाना मंगलशगुनसुगंधसुहाये बहुतभांतिमहिपालपठाये दधिचिउराउपहारअपारा
भरिभरिकांवरिचलेकहारा अगवाननजबदीखबराता उरआनंदपुलकभरगाता देखिबनावसहितअगवाना
मुदितबरातिनहनेनिसाना ॥

दो०। हरषिपरस्परमिलनहित कछुकचलेबगमेल जनुआनंदसमुद्रदुइ मिलतबिहाइसुबेल ॥

चौ०। बरषिसुमनसुरसुंदरिगावहिं मुदितदेवदुन्दुभीबजावहिं बस्तुसकलराखीनृपआगे बिनयकीन्ह-
तिन्हअतिअनुरागे प्रेमसमेतराउसबलीन्हा भैबकसीसयाचकनदीन्हा करिपूजाबहुमानबडाई जनवासे-
कहंचलेलवाई बसनबिचित्रपांवडेपरहीं नृपदशरथतापरपगधरहीं देखिधनदधनमदपरिहरहीं बरषि-
सुमनसुरजयजयकरहीं अतिसुंदरदीन्हेउजनबासा जहंसबकहंसबभांतिसुपासा जानीसियबरातपुरआई
कछुनिजमहिमाप्रगटिजनाई हृदयसुमिरिसबसिद्धिबुलाई भूपपहुनईकरणपठाई ॥

दो०। सियआयसुसिरसिद्धिधरि गईंजहांजनवास लियेसंपदासकलसुख सुरपुरभोगबिलास ॥

चौ०। निजनिजबासबिलोकिबराती सुरसुखसकलसुलभसबभांती बिभवभेदकछुकाहुनजाना सकल-
जनककरकरहिंबखाना सियमहिमारघुनायकजानी हरषेहृदयहेतुपहिचानी पितुआगमनसुनतदोभाई
हृदयनअतिआनंदसमाई सकुचनकहिनसकतगुरुपाहीं पितुदरशनलालचमनमाहीं बिश्वामित्रबिनय-
बडिदेषी उपजाउरसन्तोषबिशेषी हरषिबंधुदोहृदयलगाये पुलकअंगलोचनजलछाये चलेजहांदशरथ-
जनवासे मनहुंसरोबरतकेपियासे ॥

दो०। भूपबिलोकेजबहिमुनि आवतसुतनसमेत उठेहरषिसुखसिंधुमहं चलेथाहसीलेत ॥

चौ०। मुनिहिंदंडवतकीन्हमहीशा बारबारपदरजधरिसीसा कौशिकराउलियेउरलाई कहिअसीस-
पूछीकुशलाई पुनिदंडवतकरतदोभाई देखिनृपतिउरसुखनसमाई सुतहियलाइदुसहदुखमेटे मृतक-

शरीरप्राणजनुभेंटे पुनिबसिष्टपदसिरतिननाये प्रेममुदितमुनिबरउरलाये विप्रवृन्दबंदेदुहुंभाई मनभावति-
असीसतिन्हपाई भरतसहानुजकीन्हप्रणामा लियेउठाइलाइउररामा हरषेलषणदेखिद्वौभ्राता मिले-
प्रेमपरिपूरितगाता ॥

दो०। पुरजनपरिजनजातिजन याचकमंत्रीमीत मिलेयथाबिधिसबहिप्रभु परमकृपालुविनीत ॥

चौ०। रामहिंदेखिबरातजुडानी प्रीतिकीरीतिनजाइबखानी नृपसमीपसोहहिंसुतचारी जनुधनधर्मादिक-
तनुधारी सुतन्हसहितदशरथकहंदेषी मुदितनगरनरनारिबिशेषी सुमनबरषिसुरहनहिंनिसाना नाक-
नटीनाचहिंकरिगाना सतानंदअरुविप्रसचिवगण मागधसूतबिदुषबंदीजन सहितबरातराउसनमाना
आयसुमांगिफिरेअगवाना प्रथमबरातलगनतआई तातेंपुरप्रमोदअधिकाई ब्रह्मानंदलोगसबलहहीं
बढउदिवसनिशिबिधिसनकहहीं ॥

दो०। रामसीयशोभाअवधि सुकृतअवधिदोउराज जहंतहंपुरजनकहहिंअस मिलिनरनारिसमाज ॥

चौ०। जनकसुकृतमूरतिबैदेही दशरथसुकृतरामधरिदेही इनसमकाहुनशिवअवराधे काहुनइन-
समानफलसाधे इन्हसमकोउनभयेउजगमाहीं हैनहिंकतहूंहोनेहुनाहीं हमसबसकलसुकृतकीरासी
भयेजगजन्मिजनकपुरबासी जिनजानकीरामछबिदेषी कोसुकृतीहमसरिसबिशेषी पुनिदेखबरघुबीर-
बिबाहू लेबभलीबिधिलोचनलाहू कहहिंपरस्परकोकिलबयनी यहिबिवाहबडलाहुसुनयनी बडेभाग-
बिधिबातबनाई नयनअतिथिहोइहैंदोभाई ॥

दो०। बारहिंबारसनेहबश जनकबोलाउबसीय लेनआइहहिंबंधुदोउ कोटिकामकमनीय ॥

चौ०। बिबिधभांतिहोइहिपहुनाई प्रियनकाहिअससासुरमाई तबतबरामलषणहिंनिहारी होइहहिंसब-
पुरलोगसुखारी सखिजसरामलषणकरजोटा तैसेइभूपसंगदुइढोटा श्यामगौरसबअंगसुहाये तेसब-
कहहिंदेखिजेआये कहाएकमैंआजुनिहारे जनुबिरंचिनिजहाथसंवारे भरतरामएकहिअनुहारी सहसा-
लखिनसकहिंनरनारी लषणशत्रुसूदनइकरूपा नखशिखतेसबअंगअनूपा मनभावहिंमुखबरणिनजाहीं
उपमाकहंत्रिभुवनकोउनाहीं ॥

छं०। उपमानकोउकहदासतुलसीकतहुंकबिकोबिदकहैं बलबिनयविद्याशीलशोभासिंधुइनसमयेलहैं ॥
पुरनारिसकलपसारिअंचलबिधिहिबचनसुनावहीं व्याहियसुचारिउभाइइहिंपुरहमसुमंगलगावहीं ॥

सो०। कहहिंपरस्परनारि बारिबिलोचनपुलकतनु सखिसबकरबपुरारि पुण्यपयोनिधिभूपदोउ ॥

चौ०। इहिबिधिसकलमनोरथकरहीं आनंदउमगिउमगिउरभरहीं जेनृपसीयस्वयंबरआये देखिबंधु-
सबतिनसुखपाये कहतरामयशबिशदबिशाला निजनिजभवनगयेमहिपाला गयेबीतिकछुदिनइहिभांती
प्रमुदितपुरजनसकलबराती मंगलमूललगनदिनआवा हिमऋतुअगहनमाससुहावा ग्रहतिथिनखत-
योगबरबारू लगनशोधिबिधिकीन्हबिचारू पठैदीन्हनारदसनसोई गुनीजनककेगणकनजोई सुनी-
सकललोगनयहबाता कहहिंज्योतिषीअहहिंबिधाता ॥

दो०। धेनुधूलिबेलाबिमल सकलसुमंगलमूल बिप्रनकहेउबिदेहसन जानिसमयअनुकूल ॥

चौ०। उपरोहितहिकहेउनरनाहा अबबिलंबकरकारणकाहा सतानंदतबसचिवबुलाये मंगलकलश-

साजिसबल्याये शंखनिसानपणावबहुबाजे मंगलकलशशगुनसबसाजे शुभगसुआसिनिगावहिंगीता करहिं-
वेदधुनिविप्रपुनीता लेनचलेसादरइहिभांती गयेजहांजनवासबराती कोशलपतिकरदेखिसमाजू अति-
लघुलगेतिनहिसुरराजू भयेउसमयअवधारियपाऊ यहसुनिपरानिसाननघाऊ गुरुहिपूछिकरिकुलविधि-
राजा चलेसंगमुनिसाजिसमाजा ॥

दो०। भाग्यविभवअवधेशकर देखिदेवब्रह्मादि लगेसराहनसहसमुख जानिजन्मनिजबादि ॥

चौ०। सुरनसुमंगलअवसरजाना बरषहिंसुमनबजाइनिसाना शिवब्रह्मादिकबिबुधबरूथा चढेबिमानन्ह-
नानायूथा प्रेमपुलकतनहृदयउछाहू चलेबिलोकनरामबिबाहू देखिजनकपुरसुरअनुरागे निजनिज-
लोकसबहिलघुलागे चितवहिंचकितबिलोकिबिताना रचनासकलअलौकिकनाना नगरनारिनररूप-
निधाना सुघरसुधर्मसुशीलसुजाना तिनहिंदेखिसबसुरसुरनारी भयेनखतजनुबिधुउजियारी बिधिहि-
भयउआश्चर्य्यविशेषो निजकरणीकछुकतहुंनदेषो ॥

दो०। शिवसमुझायेदेवसब जनिआश्चर्य्यभुलाहु हृदयबिचारहुधीरधरि सियरघुबीरबिबाहु ॥

चौ०। जिनकरनामलेतजगमाहीं सकलअमंगलमूलनसाहीं करतलहोहिंपदारथचारी तेसियराम-
कहेउकामारी इहिबिधिशंभसुरनसमुझावा पुनिआगेबरबसहचलावा देवनदेखेदशरथजाना महामोद-
मनपुलकितगाता साधुसमाजसंगमहिदेवा जनुतनुधरेकरहिंसुखसेवा सोहतसाथशुभगसुतचारी जनु-
अपबर्गसकलतनुधारी मरकतकनकबरणबरजोरी देखिसुरनभइप्रीतिनथोरी पुनिरामहिंबिलोकिहिय-
हरषे नृपहिसराहिसुमनतिन्हबरषे ॥

दो०। रामरूपनखशिखशुभग बारहिंबारनिहारि पुलकगातलोचनसजल उमासमेतपुरारि ॥

चौ०। केकिकंठद्युतिश्यामलअंगा तडितबिनिंदकबसनसुरंगा व्याहबिभूषणबिबिधबनाये मंगलमयसब-
भांतिसुहाये शरदबिमलबिधुबदनसुहावन नयननवलराजीवलजावन सकलअलौकिकसुंदरताई कहिन-
जाइमनहीमनभाई बंधुमनोहरसोहहिंसंगा जातनचावतचपलतुरंगा राजकुंवरंबरबाजिनचावहिं बंश-
प्रशंसकबिरदसुनावहिं जेहितुरंगपररामबिराजे गतिबिलोकिखगनायकलाजे कहिनजाइसबभांतिसुहावा
बाजिबेषजनुकामनचावा ॥

छं०। जनुबाजिबेषबनाइमनसिजरामहितअतिसोहहीं अपनेवबयबलरूपगुणगतिसकलभुवनबिमोहहीं ॥
जगमगितजीनजडावजोतिसुमोतिमानिकतेहिलगे किंकिणिललामलगामललितबिलोकसुरनरमुनिठगे ॥

दो०। प्रभुमनसहिंलयलीनमन चलतबाजिछबिपाव भूषितउडुगणतडितघन जनुवरबरहिनचाव ॥

चौ०। जेहिबरबाजिरामअसवारा तेहिशारदहुनबरणैपारा शंकररामरूपअनुरागे नयनपंचदशअति-
प्रियलागे हरिहितसहितरामजबजोहे रमासमेतरमापतिमोहे निरखिरामछबिबिधिहरषाने आठैनयन-
जानिपछिताने सुरसेनपउरबहुतउछाहू बिधितेडेवढेलोचनलाहू रामहिंचितवसुरेशसुजाना गौतम-
आपपरमहितमाना देवसकलसुरपतिहिसिहाहीं आजुपुरंदरसमकोउनाहीं मुदितदेवगणरामहिदेषी
नृपसमाजदुहुंहरषविशेषी ॥

छं०। अतिहर्षराजसमाजदुहुंदिशिदुन्दुभीबाजहिंघनी बरषहिंसुमनसुरहरषिकहिजयजयतिजयरघुकुलमनी।

इहिभांतिजानिबरातआवतबाजनेबहुबाजहीं रानीसुआसिनिबोलिपरिछनहेतुमंगलसाजहीं ॥

दो० । सजिआरतीअनेकबिधि मंगलसकलसंवारि चलींमुदितपरिछनकरण गजगामिनिबरनारि ॥

चौ० । बिधुबदनीमृगशावकलोचनि सबनिजतनुछबिरतिमदमोचनि पहिरेबरणबरणबरचीरा सकल-
बिभूषणसजेशरीरा सकलसुमंगलअंगबनाये करहिंगानकलकंठलजाये कंकणकिंकिणिनूपुरबाजहिं
चालबिलोकिकामगजलाजहिं बाजहिंबाजनबिबिधप्रकारा नभअरुनगरसुमंगलचारा शचीशारदारमा-
भवानी जेसुरतियशुचिसहजसयानी कपटनारिबरभेषबनाई मिलींसकलरनिवासहिआई करहिंगान-
कलमंगलबानी हरषबिबशसबकाहुनजानी ॥

छं० । कोजानकेहिआनंदबशसबब्रह्मबरपरिछनचली कलगानमधुरनिसानबरषहिंसुमनसुरशोभाभली ॥
आनंदकंदबिलोकिदूलहसकलहियहरषितभई अंभोजअंबकअंबुउमगिसुअंगपुलकावलिछई ॥

दो० । जोसुखभासियमातुमन देखिरामबरभेष सोनसकहिंकहिकल्पशत सहसशारदाशेष ॥

चौ० । नयननीरहठिमंगलजानी परिछनकरहिंमुदितमनरानी बेदबिहितअरुकुलव्यवहारू कीन्हभली-
बिधिसबपरिचारू पंचशब्दधुनिमंगलगाना पटपांवडेपरहिंबिधिनाना करिआरतीअर्घतिनदीन्हा राम-
गवनमंडपतबकीन्हा दशरथसहितसमाजबिराजे बिभवबिलोकिलोकपतिलाजे समयसमयसुरबरषहिंफूला
शांतिपढहिंमहिसुरअनुकूला नभअरुनगरकोलाहलहोई आपनपरकछुसुनैनकोई इहिबिधिराममंडपहिं-
आये अर्घदेइआसनबैठाये ॥

छं० । बैठारिआसनआरतीकरिनिरखिबरसुखपावहीं मणिबसनभूषणभूरिवारहिंनारिमंगलगावहीं ॥
ब्रह्मादिसुरबरबिप्रभेषबनाइकौतुकदेखहीं अवलोकिरघुकुलकमलरबिछबिसुफलजीवनलेखहीं ॥

दो० । नाऊबारीभाटनट रामनिछावरिपाइ मुदितअशीसहिंनाइसिर हर्षनहृदयसमाइ ॥

चौ० । मिलेजनकदशरथअतिप्रीती करिबैदिकलौकिकसबरीती मिलतमहादोराजबिराजे उपमाखोजि-
खोजिकबिलाजे लहीनकतहुंहारिहियमानी इनसमयेउपमाउरआनी समधीदेखिदेवअनुरागे सुमन-
बरषियशगावनलागे जगबिरंचिउपजावाजबते देखेसुनेव्याहबहुतबते सकलभांतिसमसाजसमाजू
समसमधीदेखेहमआजू देवगिरासुनिसुंदरिसांची प्रीतिअलौकिकदुहुंदिशिमाची देतपांवडेअर्घसुहाये
सादरजनकमंडपहिंल्याये ॥

छं० । मंडपबिलोकिबिचित्ररचनारुचिरतामुनिमनहरे निजपाणिजनकसुजानसबकहंआनिसिंहासनधरे ॥
कुलइष्टसरिसबसिष्टपूजेबिनयकरिआशिषलही कौशिकहिपूजतपरमप्रीतिकिरीतितौनपरैकही ॥

दो० । बामदेवआदिकऋषय पूजेमुदितमहीश दियेदिव्यआसनसबहि सबसनलहीअशीस ॥

चौ० । बहुरिकीन्हकोशलपतिपूजा जानिईशसमभावनदूजा कीन्हजोरिकरबिनयबडाई कहिनिजभाग्य-
बिभवबहुताई पूजेभूपतिसकलबराती समसमधीसादरसबभांती आसनउचितदियेसबकाहू कहौं-
कहामुखएकउछाहू सकलबरातजनकसनमानी दानमानबिनतीबरबानी बिधिहरिहरदिशिपतिदिनराऊ
जेजानहिंरघुबीरप्रभाऊ कपटबिप्रबरभेषबनाये कौतुकदेखहिंअतिसचुपाये पूजेजनकदेवसमजाने
दियेसुआसनबिनपहिचाने ॥

छं०। पहिचानकोकेहिजानसबहिअपानसुधिभोरीभई आनंदकंदविलोकिदूलहउभयदिशिआनंदमई॥
सुरलखेरामसुजानपूजेमानसिकआसनदये अवलोकिसरलसुभावप्रभुकोबिबुधमनप्रमुदितभये॥
दो०। रामचंद्रमुखचंदछबि लोचनचारुचकोर करतपानसादरसकल प्रेमप्रमोदनथोर॥
चौ०। समयबिलोकिबसिष्ठबुलाये सादरसतानंदसुनिआये बेगिकुंवरिअबआनहुजाई चलेमुदितमुनि-
आयसुपाई रानोसुनिउपरोहितबानी प्रमुदितसखिनसमेतसयानी बिप्रबधूकुलवृद्धबुलाई करिकुल-
रीतिसुमंगलगाई नारिभेषजसुरबरबामा सकलसुभायसुंदरीश्यामा तिनहिदेखिसुखपावहिंनारी बिनु-
पहिचानिप्राणतेंप्यारी बारबारसनमानहिंरानी उमारमाशारदसमजानी सीयसंवारिसमाजबनाई
मुदितमंडपहिंचलींलिवाई॥
छं०। चलिल्याइसीतहिंसखीसादरसजिसुमंगलभामिनी नवसप्तसाजेसुंदरीसबमत्तकुंजरगामिनी॥
कलगानसुनिमुनिध्यानत्यागहिंकामकोकिललाजहीं मंजोरनूपुरकलितकंकणतालगतिबरबाजहीं॥
दो०। सोहतिबनितावृन्दमहं सहजसुहावनिसीय छबिललनागणमध्यजनु सुखमातियकमनीय॥
चौ०। सियसुंदरताबरणिनजाई लघुमतिबहुतमनोहरताई आवतदेखिबरातिनसीता रूपराशिसब-
भांतिपुनीता सबहिंमनहिंमनकीन्हप्रणामा देखिरामभयेपूरणकामा हरषेदशरथसुतनसमेता कहिन-
जाइउरआनंदजेता सुरप्रणामकरिबर्षहिंफूला मुनिअशीसधुनिमंगलमूला गाननिसानकुलाहलभारी
प्रेमप्रमोदनगरनरनारी इहिबिधिसीयमंडपहिआई प्रमुदितशांतिपढहिंमुनिराई तेहिअवसरकरिबिधि-
व्यवहारू दुहुंकुलगुरुसबकीन्हअचारू॥
छं०। आचारकरिगुरुगौरिगणपतिमुदितबिप्रपुजावहीं सुरप्रगटपूजालेहिंदेहिंअशीशसुनिसुखपावहीं॥
मधुपर्कमंगलद्रव्यजोजेहिंसमयमुनिमनमहंचहैं भरेकनककोपरकलशसबकरलियेपरिचारकरहैं॥
कुलरीतिप्रीतिसमेतरविकहिदेतसबसादरकियो इहिभांतिदेवपुजाइसीतहिंशुभगसिंहासनदियो॥
सियरामअवलोकनपरस्परप्रेमकाहुनलखिपरै मनबुद्धिबरबाणोअगोचरप्रगटकबिकैसेकरै॥
दो०। होमसमयतनुधरिअनल अतिहितआहुतिलेहिं बिप्रभेषधरिबेदसब कहिबिबाहबिधिदेहिं॥
चौ०। जनकपाटमहिषीजगजानी सीयमातुकिमिजाइबखानी सुयशसुकृतसुखसुंदरताई सबसमेटि-
बिधिरचीबनाई समयजानिमुनिबरनबुलाई सुनतसुआसिनिसादरल्याई जनकबामदिशिसोहसुनयना
हिमगिरिसंगबनीजनुमयना कनककलशमणिकोपरहरे शुचिसुगंधमंगलजलपूरे निजकरमुदितराउ-
अरुरानी धरेरामकेआगेआनी पढहिंबेदमुनिमंगलबानी गगनसुमनझरिअवसरजानी बरबिलोकि-
दंपतिअनुरागे पायपुनीतपखारनलागे॥
छं०। लागेपखारनपायपंकजप्रेमतनुपुलकावली नभनगरगानिसानजयधुनिउमगिजनुचहुंदिशिचली॥
जेपदसरोजमनोजअरि उरसरसदैव बिराजहीं जेसुकृतसुमिरतबिमलतामनसकलकलिमलभाजहीं॥
जेपरसि मुनिबनिता लहीगतिरही जोपातकमई मकरंदजिनकोशंभुसिरशुचिताअवधिसुरबरनई॥
करिमधुपमुनिमनयोगिजनजेसेइअभिमतगतिलहैं तेपदपखारतभाग्यभाजनजनकजयजयसबकहैं॥
बरकुंवरिकरतलजोरिशाखोचारदोउकुलगुरुकरैं भयोपाणिग्रहणबिलोकिबिधिसुरमनुजमुनिआनंदभरैं॥

सुखमूलदूलह देखिदंपतिपुलकतनु हुलसेंहिये करिलोकबेदबिधान कन्यादाननृपभूषणदिये ॥
हिमवंतजिमिगिरिजामहेशहिंहरिहिंश्रीसागरदई तिमिजनकरामहिंसियसमर्पीबिश्वकलकीरतिनई ॥
इकठैारकरि जोरीशुभगपुनि गोरिमूरतिसांवरी करिहोमबिधिवतगांठिजोरी होनलागीभांवरी ॥

दो०। जयधुनिवंदीबेदधुनि मंगलगाननिसान सुनिहरषहिंबरषहिंबिबुध सुरतरुसुमनसुजान ॥

चौ०। कुंवरिकुंवरकलभांवरिदेहीं नयनलाभसबसादरलेहीं जाइनबरणिमनोहरजोरी जोउपमा-
कछुकहियसोथोरी रामसीयसुंदरपरिछाहीं जगमगाहिंमणिखंभनमाहीं मनहुंमदनरतिधरिबहुरूपा
देखहिंरामबिवाहअनूपा दरशनलालसासकुचनथोरी प्रगटतदुरतबहोरिबहोरी भयेमगनसबदेखनिहारे
जनकसमानअपानबिसारे प्रमुदितमुनिनभांवरीफेरी नेगसहितसबरीतिनिबेरी रामसीयसिरसिंदुरदेहीं
शोभाकहिनजातबिधिकेहीं अरुणपरागजलजभरिनीके शशिहिभूषअहिलोभअमीके बहुरिबसिष्टदीन्ह-
अनुशासन बरदुलहिनिबैठेइकआसन ॥

छं०। बैठेबरासनरामजानकिमुदितमनदशरथभये तनुपुलकपुनिपुनिदेखिअपनेसुकृतसुरतरुफलनये ॥
भरिभुवनरहा उछाहरामबिवाहभा सबहीकहा केहिभांतिबरणिसिरातरसना एकमुखमंगलमहा ॥
तबजनकपाइ बसिष्टआयसु व्याहसाजसंवारिकै मांडवी श्रुतिकीरतिउरमिलाकुंवरिलईहंकारिकै ॥
कुशकेतुकन्या प्रथमजो गुणशीलसुखशोभामयी सबरीतिप्रीतिसमेतकरिसो व्याहिनृपभरतहिदयी ॥
जानकीलघुभगिनीपरमसुंदरिशिरोमणिजानिकै सोजनकदीन्होव्याहिलषणहिसकलबिधिसनमानिकै ॥
जोहिनामश्रुतिकीरतिसुलोचनिसुमुखिसबगुणआगरी सोदईरिपुहदनहिंभूपतिरूपशीलउजागरी ॥
अनुरूपबरदुलहिनिपरस्परलखिसकुचिहियहरषहीं सबमुदितसुंदरतासराहहिंसुमनसुरगणबरषहीं ॥
सुंदरी सुंदरबरणबरसब एकमंडपराजहीं जनुजीव उरचारिउ अवस्थाबिभुनसहितबिराजहीं ॥

दो०। मुदितअवधपतिसकलसुत बधुनसमेतनिहारि जनुपायेमहिपालमणि क्रियनसहितफलचारि ॥

चौ०। जसरघुबीरव्याहबिधिबरणी सकलकुंवरव्याहेतेहिकरणी कहिनजाइकछुदाइजभूरी रहा-
कनकमणिमंडपपूरी कंबलबसनबिचित्रपटोरे भांतिभांतिबहुमोलनथोरे गजरथतुरगदासअरुदासी
धेनुअलंकृतकामदुहासी बस्तुअनेककरियकिमिलेखा कहिनजाइजानहिंजिनदेखा लोकपालअवलोकि-
सिहाने लीन्हअवधपतिसबसुखमाने दीन्हयाचकन्हजोजेहिभावा उबरासोजनवासहिआवा तबकर-
जोरिजनकमृदुबानी बोलेसबबरातसनमानी ॥

छं०। सनमानिसकलबरातआदर दानबिनयबडाइकै प्रमुदितमहामुनिबृन्दबंदे पूजिप्रेमलडाइकै ॥
सिरनाइदेवमनाइसबसनकहतकरसंपुटकियें सुरसाधुचाहतभावसिंधुकितोषजलअंजलिदियें ॥
करजोरिजनकबहोरिबंधुसमेतकोशलरायसों बोलेमनोहरबचनसानिसनेहशीलसुभायसों ॥
संबंधराजन रावरेहमबडे अवसबबिधिभये यहराजसाजसमेतसेवक जानिबी बिनुगथलये ॥
येदारिकापरिचारिकाकरि पालबीकरुणामयी अपराधछमिबोबोलिपठयेबहुतहौंढीठोदयी ॥
पुनिभानुकुलभूषणसकलसनमानबिधिसमधीकिये कहिजातनहिंबिनतीपरस्परप्रेमपरिपूरणहिये ॥
बृन्दारकागणसुमनबरषहिं राउजनवासहिचले दुन्दुभीधुनिअरुवेदधुनि नभनगरकौतूहलभले ॥

तबसखोंमंगलगानकरतिमुनीशआयसुपाइकै दूलहदुलहिनिनसहितसुन्दरिचलोंकुहबरल्याइकै ॥
दो०। पुनिपुनिरामहिंचितवसिय सकुचतिमनसकुचयन हरतमनोहरमीनछबि प्रेमपियासेनंयन ॥
चौ०। श्यामशरीरसुभायसुहावन शोभाकोटिमनोजलजावन यावकयुतपदकमलसुहाये मुनिमनमधुप-रहतजहंछाये पीतपुनीतमनोहरधोती हरतबालरविदामिनिजोती कलकिंकिणिकटिसूत्रमनोहर बाहुविशालविभूषणसोहर पीतजनेउमहाछबिदेई करमुद्रिकाचोरिचितलेई सोहतब्याहसाजसबसाजे उरआयतउरभूषणराजे पीतउपरनाकाखासोती दुहुंआंचरन्हलगेमणिमोती नयनकमलकलकुंडलकाना बदनसकलसौंदर्य्यनिधाना सुंदरभृकुटिमनोहरनासा भालतिलकरुचिरुचिरनिबासा सोहतमौर-मनोहरमाथे मंगलमयमुकुतामणिगाथे ॥
छं०। गाथेमहामणिमौरमंजुलअंगसबचितचोरहीं पुरनारिसुंदरबरबिलोकहिंनिरखिछबितृणतोरहीं ॥
मणिबसनभूषणवारिआरतिकरहिंमंगलगावहीं सुरसुमनबरषहिंसूतमागधबंदिसुयशसुनावहीं ॥
कुहबरहिंआनेकुंवरकुंवरिसुआसिनिन्हसुखपाइकै अतिप्रीतिलौकिकरीतिलागींकरणमंगलगाइकै ॥
लहकौरिगौरिशिखावरामहिंसीयसनसादरकहैं रनिवासहासबिलासरसबशजनमकोफलसबलहैं ॥
निजपाणिमणिमहंदेखिप्रतिमूरतिसरूपनिधानकी चालतिनभुजबल्लीबिलोकनिबिरहबशभइजानकी ॥
कौतुकबिनोदप्रमोदप्रेमनजाइकहिजानहिंअलीं बरकुंवरिसुंदरसकलसखिनलवाइजनबासहिंचलीं
तेहिसमयसुनियअशीसजहंतहंनगरनभआनंदमहा चिरजियहुजोरीचारुचारिउमुदितमनसबहीकहा
योगींद्रसिद्धमुनीशदेवबिलोकिप्रभुदुन्दुभिहनी चलेहरषिबरषिप्रसूननिजनिजलोकजयजयजयभनी ॥
दो०। सहितबधूटिनकुंवरसब तबआयेपितुपास शोभामंगलमोदभरि उमगेउजनुजनवास ॥
चौ०। पुनिजेंवनारभयउबहुभांती पठयेजनकबुलाइबराती परतपांवडेबसनअनूपा सुतनसमेतगवन-कियभूपा सादरसबकेपावंपखारे यथायोगपीढनबैठारे धोयेजनकअवधपतिचरणा शीलसनेहजाहिं-नहिंबरणा बहुरिरामपदपंकजधोये जेहरहृदयकमलमहंगोये तीनौभाइरामसमजानी धोयेचरण-जनकनिजपानी आसनउचितसबहिंनृपदीन्हे बोलिसूपकारीसबलीन्हे सादरलगेपरनपनवारे कनक-कीलमणिपरणसंवारे ॥
दो०। सूपोदनसुरभीसरपि सुंदरस्वादुपुनीत क्षणमहंसबकेपरुसिगे चतुरसुआरबिनीत ॥
चौ०। पंचकौरकरिजेंवनलागे गारिगानसुनिअतिअनुरागे भांतिअनेकपरेपकवाना सुधासरिसनहिं-जाहिंबखाना परुसनलगेसुआरसुजाना व्यंजनबिबिधनामकोजाना चारिभांतिभोजनबिधिगाई एकएक-बिधिबरणिनजाई छरसरुचिरव्यंजनबहुजाती एकएकरसअगणितभांती जेंवतदेहिंमधुरधुनिगारी लैलै-नामपुरुषअरुनारी समयसुहावनगारिबिराजा हंसतराउसुनिसहितसमाजा इहिबिधिसबहीभोजनकीन्हा आदरसहितआचमनलीन्हा ॥
दो०। देइपानपूजेजनक दशरथसहितसमाज जनवासेगवनेमुदित सकलभूपसिरताज ॥
चौ०। नितनूतनमंगलपुरमाहीं निमिषसरिसदिनयामिनिजाहीं बडेभोरभूपतिमणिजागे याचकगुण-गणगावनलागे देखिकुंवरबरबधुनसमेता किमिकहिजातमोदमनजेता प्रातक्रियाकरिगेगुरुपाहीं महा-

प्रमोदप्रेममनमाहीं करिप्रणामपूजाकरजोरी बोलेगिराअमियजनुबोरी तुम्हरीकृपासुनियमुनिराजा भयउआजुममपूरणकाजा अबसबबिप्रबुलाइगुसाईं देहुधेनुसबभांतिबनाईं सुनिगुरुकरिमहिपालबडाई पुनिपठयेमुनिबृन्दबुलाई ॥

दो०। बामदेवअरुदेवऋषि बालमीकजाबालि आयेमुनिवरनिकरतब कौशिकादितपशालि ॥

चौ०। दंडप्रणामसबहिंनृपकीन्हा पूजिसप्रेमबरासनदीन्हा चारिलक्षबरधेनुमंगाई कामसुरभिसमशीलसुहाई सबबिधिसकलअलंकृतकीन्ही मुदितमहीपमहिषनकहंदीन्ही करतबिनयबहुबिधिनरनाहू लहेउंआजुजगजीवनलाहू पाइअशीशमहीशअनंदा लियेबोलिपुनियाचकबृन्दा कनकबसनमणिहयगजस्यंदन दियेबूझिरुचिरबिकुलनंदन चलेपढतगावतगुणगाथा जयजयजयदिनकरकुलनाथा इहिबिधिरामबिबाहउछाहू शकैनबरणिसहसमुखजाहू ॥

दो०। बारबारकौशिकचरण सीसनाइकहराउ यहसबसुखमुनिराजतव कृपाकटाक्षप्रभाउ ॥

चौ०। जनकसनेहशीलकरतूती नृपसबभांतिसराहबिभूती दिनउठिबिदाअवधपतिमांगा राखहिंसहितजनकअनुरागा निततूतनआदरअधिकाई दिनप्रतिसहसभांतिपहुनाई नितनवनगरअनंदउछाहू दशरथगवनसुहाइनकाहू बहुतदिवसबीतेइहिभांती जनुसनेहरजुबंधेबराती कौशिकसतानंदतबजाई कहीबिदेहनृपहिंसमुझाई अबदशरथकहंआयसुदेहू यद्यपिछाडिनसकहुसनेहू भलेहिनाथकहिसचिवबुलाये कहिजयजीवसीसतिननाये ॥

दो०। अवधनाथचाहतचलन भीतरकरहुजनाव भयेप्रेमबशसचिवसुनि बिप्रसभासदराव ॥

चौ०। पुरवासीसुनिचलीबराता पूछतबिकलपरस्परबाता सत्यगवनसुनिसबबिलखाने मनहुंसांझसरसिजसकुचाने जहंजहंआवतबसेबराती तहंतहंसीधचलीबहुभांती बिबिधभांतिमेवापकवाना भोजनसाजनजाइबखाना भरिभरिबसहअपारकहारा पठयेजनकअनेकसुआरा तुरगलाखरथसहसपचीसा सकलसंवारेनखअरुसीसा मत्तसहसदशसिंधुरसाजे जिनहिंदेखिदिशिकुंजरलाजे कनकबसनमणिभरिभरिजाना महिषीधेनुबस्तुबिधिनाना ॥

दो०। दाइजअमितनसकियकहि दीन्हबिदेहबहोरि जोअवलोकतलोकपति लोकसंपदाथोरि ॥

चौ०। सबसमाजइहिभांतिबनाई जनकअवधपुरदीन्हपठाई चलिहिबरातसुनतसबरानी बिकलमीनगणजनुलघुपानी पुनिपुनिसीयगोदकरिलेहीं देइअशीससिखावनदेहीं होइहुसंततपियहिपियारी चिरअहिवातअसीसहमारी सासुससुरगुरुसेवाकरेहु पतिरुखलखिआयसुअनुसरेहु अतिसनेहबशसखीसयानी नारिधर्मसिखवहिंमृदुबानी सादरसकलकुंवरिसमुझाई राननिबारबारउरलाई बहुरिबहुरिभेंटहिंमहतारी कहहिंबिरंचिरचीकतनारी ॥

दो०। तेहिअवसरभाइनसहित रामभानुकुलकेतु चलेजनकमंदिरमुदित बिदाकरावनहेतु ॥

चौ०। चारिउभाइसुभायसुभाये नगरनारिनरदेखनधाये कोउकहचलनचहतहहिंआजू कीन्हबिदेहबिदाकरसाजू लेहुनयनभरिरूपनिहारी प्रियपाहुनेभूपसुतचारी कोजानैकेहिसुकृतसयानी नयनअतिथिकीन्हेबिधिआनी मरणशीलजिमिपावपियूषा सुरतरुलहैजन्मकरभूषा पावनारकीहरिपदजैसें

इनकरदरशनहमकहंतैसें निरखिरामशोभाउरधरहू निजमनफणिमूरतिमणिकरहू इहिबिधिसबहिनयन-फलदेना गयेकुंवरसबराजनिकेता ॥

दो० । रूपसिंधुसबबंधुलखि हरषिउठीरनिवास करहिंनिछावरिआरती महामुदितमनसास ॥

चौ० । देखिरामछबिअतिअनुरागी प्रेमबिवशपुनिपुनिपदलागी रहीनलाजप्रीतिउरछाई सहजसनेह-बरणिकिमिजाई भाइनसहितउबटिअन्हवाये छरसअशनअतिहेतुजेंवाये बोलेरामसुअवसरजानी शीलसनेहसकुचमयबानी राउअवधपुरचहतसिधाये बिदाहोनहितहमहिंपठाये मातुमुदितमनआयसु-देहू बालकजानिकरबनितनेहू सुनतबचनबिलखेउरनिवासू बोलिनसकहिंप्रेमबशसासू हृदयलगाइ-कुंवरिसबलीन्ही पतिनसौंपिबिनतीअतिकिन्ही ॥

छं०। करिबिनयसियरामहिंसमर्पीजोरिकरपुनिपुनिकहै बलिजाउंतातसुजानतुमकहंबिदितगतिसबकीअहै।

परिवारपुरजनमोहिराजहिप्राणप्रियसियजानिबो तुलसीसुशीलसनेहलखिनिजकिंकरीकरिमानिबो।

सो० । तुमपरिपूरणकाम ज्ञानिशिरोमणिभावप्रिय जनगुणगाहकराम दोषदलनकरुणायतन ॥

चौ० । असकहिरहीचरणगहिरानी प्रेमपंकजनुगिरासमानी सुनिसनेहसानीबरबानी बहुबिधिराम-सासुसनमानी रामबिदामांगतकरजोरी कीन्हप्रणामबहोरिबहोरी पाइअशीसबहुरिसिरनाई भाइन-सहितचलेरघुराई मंजुमधुरमूरतिउरआनी भईसनेहशिथिलसबरानी पुनिधीरजधरिकुंवरिहंकारी बारबारभेंटहिंमहतारी पहुंचावहिंफिरिमिलहिंबहोरी बढीपरस्परप्रीतिनथोरी पुनिपुनिमिलतिसखिन-बिलगाई बालबत्सजनुधेनुलवाई ॥

दो० । प्रेमबिबशनरनारिसब सखिनसहितरनिवास मानहुंकीन्हबिदेहपुर करुणाबिरहनिवास ॥

चौ० । शुकशारिकाजानकीजिआये कनकपिंजरनराखिपढाये व्याकुलकहहिंकहांबैदेही सुनिधीरज-परिहरैनकेही भयेबिकलखगमृगइहिभांती मनुजदशाकैसेंकहिजाती बंधुसमेतजनकतबआये प्रेम-उमगिलोचनजलछाये सीयबिलोकिधीरताभागी रहेकहावतपरमबिरागी लीन्हराउउरलाइजानकी मिटीमहामर्य्यादज्ञानकी समुझावतसबसचिवसयाने कीन्हसुभावअनवसरजाने बारहिबारसुताउरलाइ सजिसुंदरिपालकीमंगाई ॥

दो० । प्रेमबिबशपरिवारसब जानिसुलगननरेश कुंवरिचढाईपालकी सुमिरेसिद्धगणेश ॥

चौ० । बहुबिधिभूपसुतासमुझाई नारिधर्मकुलरीतिसिखाई दासीदासदियेबहुतेरे शुचिसेवकजेप्रिय-सियकेरे सीयचलतव्याकुलपुरवासी होहिंशगुनशुभमंगलरासी भूसुरसचिवसमेतसमाजा संगचले-पहुंचावनराजा रथगजबाजिबरातिनसाजे सुनिगहगहेबाजनेबाजे दशरथबिप्रबोलिसबलीन्हे दानमान-परिपूरणकीन्हे चरणसरोजधूरिधरिसीसा मुदितमहीपतिपाइअशीसा सुमिरिगजाननकीन्हपयाना मंगलमूलशगुनभयेनाना ॥

दो० । सुरप्रसूनबरषहिंहरषि करहिंअपछरागान चलेअवधपतिअवधपुर मुदितबजाइनिसान ॥

चौ० । नृपकरिबिनयमहाजनफेरे सादरसकलमांगनेटेरे भूषणबसनबाजिगजदीन्हे प्रेमपोषिठाढे-सबकीन्हे बारबारबिरदावलिभाषी फिरेसकलरामहिंउरराखी बहुरिबहुरिकोशलपतिकहहीं जनक-

प्रेमवशफिरानचहहीं पुनिकहभूपतिवचनसुहाये फिरियमहीपदूरिवडिआये राउबहोरिउतरिभयेठाढे प्रेमप्रवाहविलोचनबाढे तबबिदेहबोलेकरजोरी बचनसनेहसुधाजनुबोरी करौंकवनबिधिबिनयसुहाई महाराजमोहिदीन्हबडाई ॥

दो॰। कोशलपतिसमधीसजन सनमानेसबभांति मिलनपरस्परबिनयअति प्रीतिनहृदयसमाति ॥

चौ॰। मुनिमंडलीजनकसिरनावा आशिरबादसबहिसनपावा सादरपुनिभेंटेजामाता रूपशीलगुणनिधिसबभ्राता जोरिपंकरुहपाणिसुहाये बोलेबचनप्रेमजनुजाये रामकरौंकेहिभांतिप्रशंसा मुनिमहेशमनमानसहंसा करहिंयोगयोगीजेहिलागी कोहमोहममतामदत्यागी व्यापकब्रह्मअलखअविनाशी चिदानंदनिर्गुणगुणराशी मनसमेतजेहिजाननबानी तरकिनसकहिंसकलअनुमानी महिमानिगमनेतिकरिकहहीं जोतिहुंकालएकरसरहहीं ॥

दो॰। नयनबिषयमोकहंभयउ सोसमस्तसुखमूल सबहिसुलभजगजीवकहं भयेईशअनुकूल ॥

चौ॰। सबहिभांतिमोहिदीन्हबडाई निजजनजानिलीन्हअपनाई होइसहसदशशारदशेषा करहिंकल्पकोटिकभरिलेषा मोरभाग्यराउरगुणगाथा कहिनसिराहिंसुनियरघुनाथा मैंकछुकहौंएकबलमोरें तुमरीझहुसनेहसुठिथोरें बारबारमागौंकरजोरें मनपरिहरैचरणजनिभोरें सुनिबरबचनप्रेमजनुपोषे पूरणकामरामपरितोषे करिबरबिनयससुरसनमाने पितुकौशिकबसिष्ठसमजाने बिनतीबहुरिभरतसनकीन्ही मिलिसप्रेमपुनिआशिषदीन्ही ॥

दो॰। मिलेलषणरिपुसूदनहिं दीन्हअशीसमहीश भयेपरस्परप्रेमबश फिरिफिरिनावहिंसीस ॥

चौ॰। बारबारकरिबिनयबडाई रघुपतिचलेसंगसबभाई जनकगहेकौशिकपदजाई चरणरेणुसिरनयननलाई सुनुमुनीशसबदरशनतोरे अगमनकछुप्रतीतिमनमोरे जोसुखसुयशलोकपतिचहहीं करतमनोरथसकुचतअहहीं सोसुखसुयशसुलभमोहिस्वामी सबसिधितवदरशनअनुगामी कीन्हबिनयपुनिपुनिसिरनाई फिरेमहीपतिआशिषपाई चलीबरातनिसानबजाई मुदितछोटबडसबसमुदाई रामहिंनिरखिग्रामनरनारी पाइनयनफलहोहिंसुखारी ॥

दो॰। बीचबीचबरबासकरि मगलोगनसुखदेत अवधसमीपपुनीतदिन पहुंचीआयजिनेत ॥

चौ॰। हनेनिसानपणवबहुबाजे भेरिशंखधुनिहयगजगाजे झांझमृदंगडिमडिमीसुहाई सरसरागबाजैंसहनाई पुरजनआवतअकनिबराता मुदितसकलपुलकावलिगाता निजनिजसुंदरसदनसंवारे हाटबाटचौहटपुरद्वारे गलीसकलअरगजासिंचाई जहंतहंचौकेचारुपुराई बनाबजारनजातबखाना तोरणकेतुपताकबिताना सुफलपुंगिफलकदलिरसाला रोपेबकुलकदंबतमाला लगेसुभगतरुपरसतधरणी मणिमयआलबालकीकरणी ॥

दो॰। बिबिधभांतिमंगलकलश गृहगृहरचेसंवारि सुरब्रह्मादिसिहाहिंसब रघुबरपुरीनिहारि ॥

चौ॰। भूपभवनतेहिअवसरसोहा रचनादेखिमदनमनमोहा मंगलशगुनमनोहरताई ऋधिसिधिसुखसंपदासुहाई जनुउछाहसबसहजसुहाये तनुधरिधरिदशरथगृहआये देखनहेतुरामबैदेही कहहुलालसाहोइनकेही यूथयूथमिलिचलींसुआसिनि निजछबिनिदरहिंमदनबिलासिनि सकल-

सुमंगलसजोआरती गावहिंजनुबहुभेषभारती भूपतिभवनकुलाहलहोई जाइनबरणिसमयसुखसोई कौशल्यादिराममहतारी प्रेमबिबशतनुदशाबिसारी ॥

दो०। दियेदानबिप्रनबिपुल पूजिगणेशपुरारि प्रमुदितपरमदरिद्रजनु पाइपदारथचारि ॥

चौ०। प्रेमप्रमोदबिबशसबमाता चलहिंनचरणशिथिलसबगाता रामदरशहितअतिअनुरागीं परिछन-साजसजनसबलागीं बिबिधबिधानबाजनेबाजे मंगलमुदितसुमित्रासाजे हरददूबदधिपल्लवफूला पान-पुङ्गिफलमंगलमूला अक्षतअंकुररोचनलाजा मंजुलमंजरितुलसिबिराजा छुहेपुरटघटसहजसुहाये मदनशकुनिजनुनीडबनाये शगुनसुगंधनजाहिंबखानी मंगलसकलसजहिंसबरानी रचीआरतीबिबिध-बिधाना मुदितकरहिंकलमंगलगाना ॥

दो०। कनकथारभरिमंगलन्हि कमलकरनिलियेंमात चलींमुदितपरिछनकरन पुलकपल्लविलगात ॥

चौ०। धूपधूमनभमेचकभयऊ सावनघनघमंडजनुठयऊ सुरतरुसुमनमालसुरबरषहिं मनहुंबलाक-अवलिमनकरषहिं मंजुलमणिमयबंदनवारा मनहुंपाकरिपुचापसंवारा प्रगटहिंदुरहिंअटन्हपरभामिनि चारुचपलजनुदमकहिंदामिनि दुन्दुभिधुनिघनगरजहिंघोरा याचकचातकदादुरमोरा शुचिसुगंधबहु-बरषहिंबारी सुखीसकलससिपुरनरनारी समयजानिगुरुआयसुदीन्हा पुरप्रवेशरघुकुलमणिकीन्हा सुमिरिशंभुगिरिजागणराजा मुदितमहीपतिसहितसमाजा ॥

दो०। होहिंशगुनबरषहिंसुमन सुरदुन्दुभीबजाइ बिबुधबधूनाचहिमुदित मंजुलमंगलगाइ ॥

चौ०। मागधसूतबंदिनटनागर गावहिंयशतिहुंलोकउजागर जयधुनिबिमलबेदबरबानी दशदिशि-सुनियसुमंगलसानी बिपुलबाजनेबाजनलागे नभसुरनगरलोगअनुरागे बनेबरातीबरणिनजाहीं महा-मुदितमनसुखनसमाहीं पुरबासिनतबराउजुहारे देखतरामभिंभयेसुखारे करहिंनिछावरिमणिगणचीरा बारिबिलोचनपुलकशरीरा आरतिकरहिंमुदितपुरनारी हरषहिंनिरखिकुंवरबरचारी शिबिकासुभग-ओहारउघारी देखिदुलहिनिन्हहोहिंसुखारी ॥

दो०। इहिबिधिसबहीदेतसुख आयेराजदुआर मुदितमातुपरिछनकरहिं बधुनसमेतकुमार ॥

चौ०। करहिंआरतीबारहिंबारा प्रेमप्रमोदकहैकोपारा भूषणमणिपटनानाजाती करहिंनिछावरि-अगणितभांती बधुनसमेतदेखिसुतचारी परमानंदमगनमहतारी पुनिपुनिसीयरामछबिदेखी मुदित-सुफलजगजीवनलेखी सखीसीयमुखपुनिपुनिचाही गानकरहिंनिजसुकृतसराही बरषहिंसुमनछणहिं-छणदेवा नाचहिंगावहिंलावहिंसेवा देखिमनोहरचारिउजोरी शारदउपमासकलढंढोरी देतनबनहिं-निपटलघुलागी इकटकरहीरूपअनुरागी ॥

दो०। निगमनीतिकुलरीतिकरि अरघपांवडेदेत बधुनसहितसुतपरिछिसब चलींलिवाइनिकेत ॥

चौ०। चारिसिंहासनसहजसुहाये जनुमनोजनिजहाथबनाये तिनपरकुंवरिकुंवरबैठारे सादरपाय-पुनीतपखारे धूपदीपनैबेद्यबेदबिधि पूजेबरदुलहिनिमंगलनिधि बारहिंबारआरतीकरहीं ब्यजनचारु-चामरसिरढरहीं बस्तुअनेकनिछावरिहोहीं भरीप्रमोदमातुसबसोहीं पावापरमतत्त्वजनुयोगी अमृत-लहीजनुसन्ततरोगी जनमरंकजनपारसपावा अंधहिलोचनलाभसुहावा मूकबदनजनुशारदछाई मानहुं-समरशूरजयपाई ॥

दो०। इहिसुखतेंशतकोटिगुण पावहिंमातुअनंद भाइनसहितबिबाहिघर आयेरघुकुलचंद ॥
लोकरीतिजननीकरहिं बरदुलहिनिसकुचाहिं मोदबिनोदबिलोकिबड राममनहिंमुसुकाहिं ॥

चौ०। देवपितरपूजेबिधिनीकी पूजीसकलबासनाजीकी सबहिंबंदिमांगहिबरदाना भाइनसहितराम-
कल्याना अंतरहितसुरआशिषदेहीं मुदितमातुअंचलभरिलेहीं भूपतिबोलिबरातिन्हलीन्हे यानबसन-
मणिभूषणदीन्हे आयसुपाइराखिउररामहिं मुदितगयेसबनिजनिजधामहिं पुरनरनारिसकलपहिराये
घरघरबाजहिंअनंदबधाये याचकजनयाचहिंजोइजोई प्रमुदितराउदेहिंसोइसोई सेवकसकलबजनियां-
नाना पूरणकियेदानसनमाना ॥

दो०। देहिंअशीसजुहारिसब गावहिंगुणगणगाथ तबगुरुभूसुरसहितगृह गवनकीन्हनरनाथ ॥

चौ०। जोबसिष्ठअनुशासनदीन्हा लोकबेदबिधिसादरकीन्हा भूसुरभीरदेखिसबरानी सादरउठीं-
भाग्यबडजानी पायपखारिसकलअन्हवाये पूजिभलीबिधिभूपजेंवाये आदरदानप्रेमपरिपोषे देतअशीस-
चलेमनतोषे बहुबिधिकीन्हगाधिसुतपूजा नाथमोहिसमधन्यनदूजा कीन्हप्रशंसाभूपतिभूरी रानिन-
सहितलीन्हपगधूरी भीतरभवनदीन्हबरबासू मनजुगवतरहनृपरनिवासू पूजेगुरुपदकमलबहोरी कीन्ह-
बिनयमनप्रीतिनथोरी ॥

दो०। बधुनसमेतकुमारसब रानिनसहितमहीश पुनिपुनिबंदतगुरुचरण देतअशीसमुनीश ॥

चौ०। बिनयकीन्हउरअतिअनुरागे सुतसंपदाराखिसबआगे नेगमांगिमुनिनायकलीन्हा आशिरबाद-
बहुतबिधिदीन्हा उरधरिरामहिंसीयसमेता हरषिकीन्हगुरुगवननिकेता बिप्रबधूकुलबृद्धबुलाई चीर-
चारुभूषणपहिराई बहुरिबुलाइसुआसिनिलीन्ही रुचिबिचारिपहिरावनिदीन्ही नेगीनेगयोगसबलेहीं
रुचिअनुरूपभूपमणिदेहीं प्रियपाहुनेपूज्यजेजाने भूपतिभलीभांतिसनमाने देवदेखिरघुबीरबिबाहू
बरषिप्रसूनप्रशंसिउछाहू ॥

दो०। चलेनिसानबजाइसुर निजनिजपुरसुखपाइ कहतपरस्पररामयश हरषनहृदयसमाइ ॥

चौ०। सबबिधिसबहिंसमदिनरनाहू रहाहृदयभरिपूरिउछाहू जहंरनिवासतहांपगुधारे सहितबधूटिन-
कुंवरनिहारे लियेगोदकरिमोदसमेता कोकहिसकैभयउसुखजेता बधूसप्रेमगोदबैठारी बारबार-
हियहरषिदुलारी देखिसमाजमुदितरनिवासू सबकेउरआनंदबिलासू कहेउभूपजिमिभयेउबिबाहू
सुनिसुनिहरषहोतसबकाहू जनकराजगुणशीलबडाई प्रीतिरीतिसंपदासुहाई बहुबिधिभूपभाटजिमि-
बरणी रानीसबप्रमुदितसुनिकरणी ॥

दो०। सुतनसमेतनहाइनृप बोलिलियेगुरुज्ञाति भोजनकीन्हअनेकबिधि घरीपांचगइराति ॥

चौ०। मंगलगानकरहिंबरभामिनि भइसुखमूलमनोहरयामिनि अंचैपानसबकाहुनपाये स्रगसुगंध-
भूषितछबिछाये रामहिंदेखिरजायसुपाई निजनिजभवनचलेसिरनाई प्रेमप्रमोदबिनोदबडाई समय-
समाजमनोहरताई कहिनसकहिंश्रुतिशारदशेषू बेदबिरंचिमहेशगणेशू सोमैंकहौंकवनिबिधिबरणी
भूमिनागसिरधरैकिधरणी नृपसबभांतिसबहिंसनमानी कहिमृदुबचनबुलाईरानी बधूलरिकिनीपरघर-
आई राखेहुनयनपलककीनाई ॥

दो०। लरिकाश्रमितउनींदबश शयनकरावज्जजाइ   अस कहिगे बिश्रामगृह रामचरणचितलाइ ॥
चौ०। भूपबचनसुनिसहजसुहाये जडितकनकमणिपलंगडसाये सुभगसुरभिपयफेनुसमाना कोमल-
कलितसुपेतीनाना उपबरहणबरबरणिनजाहीं स्रगसुगंधमणिमंदिरमाहीं रतनदीपसुठिचारुचंदोवा
कहतनबनैजानजेहिजोवा सेजरुचिररचिरामउठाये प्रेमसमेतपलंगपौढाये आज्ञापुनिपुनिभाइनदीनी
निजनिजसेजशयनतिनकीनी देखिश्यामम्टदुमंजुलगाता कहहिंसप्रेमबचनसबमाता मारगजातभयावनि-
भारी केहिबिधिताततडकामारी ॥

दो०। घोरनिशाचरबिकटभट समरगनैनहिंकाज्ज   मारेसहितसहायकिमि खलमारीचसुबाज्ज ॥
चौ०। मुनिप्रसादबलितततुम्हारे ईशअनेककरवरेंटारे मखरखवारीकरिदुज्जंभाई गुरुप्रसादसब-
विद्यापाई मुनितियतरीलगतपगधूरी कीरतिरहीभुवनभरिपूरी कमठपीठपविकूटकठोरा नृपसमाजमहं-
शिवधनुतोरा बिश्वबिजययशजानकिपाई आयेभवनव्याहिसबभाई सकलअमानुषकर्मतुम्हारे केवल-
कौशिककृपासुधारे आजुसुफलजगजन्महमारे देखितातबिधुबदनतुम्हारे जेदिनगयेतुमहिंबिनुदेखे
तेबिरंचिजनिपारहिंलेखे ॥

दो०। रामप्रतोषीमातुसब कहिबिनीतबरबयन   सुमिरिशंभुगुरुबिप्रपद कियेनींदबशनयन ॥
चौ०। नींदज्जंबदनसोहसुठिलोना मनज्जंसांझसरसीरुहसोना घरघरकरहिंजागरणनारी देहिंपरस्पर-
मंगलगारी पुरीबिराजतिराजतरजनी रानीकहहिंबिलोकज्जसजनी सुंदरबिधुनसासुनैसोई फणिपति-
जनुशिरमणिउरगोई प्रातपुनीतकालप्रभुजागे अरुणचूडबरबोललनलागे बंदीमागधगुणगणगाये पुरजन-
द्वारजुहारनआये बंदिबिप्रसुरगुरुपितुमाता पाइअशीसमुदितसबभ्राता जननिन्हसादरबदननिहारे
भूपतिसंगद्वारपगुधारे ॥

दो०। कीन्हशौचसबसहजशुचि सरितपुनीतनहाइ   प्रातक्रियाकरितातपहं आयेचारिउभाइ ॥
चौ०। भूपबिलोकिलियेउरलाई बैठेहरषिरजायसुपाई देखिरामसबसभाजुडानी लोचनलाभअवधि-
अनुमानी पुनिवसिष्टमुनिकौशिकआये सुभगआसनन्हमुनिबैठाये सुतनसमेतपूजिपदलागे निरखिराम-
दोउरअनुरागे कहहिंबसिष्टधर्मइतिहासा सुनहिंमहीपसहितरनिवासा मुनिमनअगमगाधिसुतकरणी
मुदितवसिष्टबिपुलबिधिबरणी बोलेबामदेवसबसांची कीरतिकलितलोकतिज्जंमाची सुनिआनंदभयउसब-
काज्ह रामलषणउरअधिकउछाह्न ॥

दो०। मंगलमोदउछाहनित जाहिंदिवसइहिभांति   उमगीअवधअनंदभरि अधिकअधिकअधिकाति ॥
चौ०। सुदिनसाधिकरकंकणछोरे मंगलमोदबिनोदनथोरे नितनवसुखसुरदेखिसिहाहीं अवधजन्म-
याचहिंबिधिपाहीं बिश्वामित्रचलननितचहहीं रामसप्रेमबिनयबशरहहीं दिनदिनसदगुणभूपतिभाऊ
देखिसराहमहामुनिराऊ मांगतबिदाराउअनुरागे सुतनसमेतठाढभयेआगे नाथसकलसंपदातुम्हारी
मैंसेवकसमेतसुतनारी करबसदालरिकनपरछोह्न दरशनदेतरहबमुनिमोह्न असकहिराउसहितसुतरानी
परेउचरणमुखआवनबानी दीन्हअशीसबिप्रबज्जभांती चलेनप्रीतिरीतिकहिजाती रामसप्रेमसङ्गसबभाई
आयसुपाइफिरेपज्जंचाई ॥

दो०। रामरूपभूपतिभगति व्याहउछाहअनन्द जातसराहतमनहिंमन मुदितगाधिकुलचन्द ॥

चौ०। बामदेवरघुकुलगुरुज्ञानी बहुरिगाधिसुतकथाबखानी सुनिमुनिसुयशमनहिंमनराऊ बरणत-आपनपुण्यप्रभाऊ बहुरेलोगरजायसुभयऊ सुतनसमेतनृपतिगृहगयऊ जहंतहंरामव्याहयशगावा सुयशपुनीतलोकतिहुंछावा आयेव्याहिरामघरजबतें बसेअनंदअवधसबतबतें प्रभुबिबाहजसभयउउछाहा सकहिंनबरणिगिराअहिनाहा कविकुलजीवनपावनजानी रामसीययशमंगलखानी तेहितेमैंकछुकहा-बखानी करणपुनीतहेतुनिजबानी ॥

छं०। निजगिरापावनकरणकारणरामयशतुलसीकह्यौ रघुबीरचरितअपारबारिधिपारकविकौनेलह्यौ ॥
उपबीतव्याहउछाहमंगलसुनहिंसादरगावहीं बैदेहिरामप्रसादतेजनसर्बदासुखपावहीं ॥
सुनिगायकहैंगिरीशकन्याधन्यअधिकारीसही नितप्रीतिनूतनसुनतहरिगुणभक्तिअनुपमतेंलही॥
रघुबीरपदअनुरागजललोभागिबेगिबुझावई यहजानितुलसीदासमनक्रमबचनहरिगुणगावई ॥

दो०। कठिनकालमलग्रसिततनु साधनकछुकनहोइ यहबिचारिबिश्वासकरि हरिसुमिरैबुधसोइ ॥

सो०। मनहरिपदअनुराग करहुत्यागिनानाकपट महामोहनिशिजाग सोवतबीतेकालबहु ॥
सियरघुबीरबिबाह जेसप्रेमसादरसुनहिं तिनकहंसदाउछाह मंगलायतनरामयश ॥

इति श्रीरामचरितमानसे सकलकलिकलुषविध्वंसने बिमलबिज्ञानबैराग्यसंतोषसम्पादनो नाम तुलसीकृतबालकाण्डःप्रथमःसोपानःसमाप्तः ॥ * ॥

अथ अयोध्याकाण्ड।

श्लोक।

वामाङ्के च विभाति भूधरसुता देवापगा मस्तके भाले वालविधु र्गले च गरलं यस्योरसि व्यालराट् सोऽयं भूति विभूषणः सुरवरः सर्वाधिपः सर्वदा शर्वः सर्वगतः शिवः शशिनिभः श्रीशङ्करः पातुमाम्॥ १॥ प्रसन्नताम् यो न गतोभिषेकतस्तथा न मम्लौ वनवासदुःखतः मुखाम्बुज श्रीरघुनन्दनस्य मे सदास्तुतन्मञ्जुलमङ्गलप्रदम्॥ २॥ नीलाम्बुजश्यामलकोमलाङ्गम् सीता समारोपितबामभागम् पाणौ महाशायकचारुचापम् नमामि रामम् रघुवंशनाथम्॥ ३॥

दो०। श्रीगुरुचरणसरोजरज निजमनमुकुरसुधारि बरणौरघुबरबिमलयश जोदायकफलचारि॥

चौ०। जबतेरामव्याहिघरआये नितनवमंगलमोदबधाये भुवनचारिदशभूधरभारी सुकृतमेघबरषहिंसुखबारी ऋधिसिधिसंपतिनदीसुहाई उमगिअवधअंबुधिकहंआई मणिगणपुरनरनारिसुजाती शुचिअमोलसुंदरसबभांती कहिनजाइकछुनगरबिभूती जनुइतनीबिरंचिकरतूती सबबिधिसबपुरलोगसुखारी रामचन्द्रमुखचन्दनिहारी मुदितमातुसबसखीसहेली फलितबिलोकिमनोरथबेली रामरूपगुणशीलसुभाऊ प्रमुदितहोहिंदेखिसुनिराऊ॥

दो०। सबकेउरअभिलाषअस कहहिंमनाइमहेश आपुअछतजुवराजपद रामहिदेहिंनरेश॥

चौ०। एकसमयसबसहितसमाजा राजसभारघुराजबिराजा सकलसुकृतमूरतिनरनाहू रामसुयशसुनिअतिहिउछाहू नृपसबरहहिंकृपाअभिलाषे लोकपरहहिंप्रीतिरुषराषे त्रिभुवनतीनिकालजगमाहीं भूरिभागदशरथसमनाहीं मंगलमूलरामसुतजासू जोकछुकहियथोरसबतासू राउसुभावमुकुरकरलीन्हा बदनबिलोकिमुकुटसमकीन्हा श्रवणसमीपभयेसितकेशा मनहुंचौथपनअसउपदेशा नृपजुवराजरामकहंदेहू जीवनजन्मसुफलकरिलेहू॥

दो०। असबिचारिउरआनिनृप सुदिनसुअवसरपाइ तनुपुलकितमनमुदितअति गुरुहिसुनायउजाइ॥

चौ०। कहेउभुआलसुनियमुनिनायक भयेरामसबबिधिसबलायक सेवकसचिवसकलपुरबासी जेहमारअरिमित्रउदासी सबहिरामप्रियजेहिबिधिमोही प्रभुअशीसजनुतनुधरिसोही बिप्रसहितपरिवारगुसाईं करहिंछोहसबरौरेहिनाईं जेगुरुचरणरेणुसिरधरहीं तेजनुसकलबिभवबशकरहीं मुहिसमानअरुभयउनदूजे सबपायउंप्रभुपदरजपूजे अबअभिलाषएकमनमोरे पूजिहिनाथअनुग्रहतोरे मुनिप्रसन्नलखिसहजसनेहू कहेउनरेशरजायसुदेहू॥

दो०। राजनराउरनामयश सबअभिमतदातार फलअनुगामीमहिपमणि मनअभिलाषतुम्हार॥

चौ०। सबबिधिगुरुप्रसन्नजियजानी बोलेउराउबिहंसिमृदुबानी नाथरामकरियेजुवराजू कहियकृपाकरिकरियसमाजू मोहिअछतअसहोउउछाहू लहहिंलोगसबलोचनलाहू प्रभुप्रसादशिवसबैनिबाही यहैलालसाइकमनमाही पुनिनसोचतनुरहैकिजाऊ जेहिनहोइपाछेपछिताऊ सुनिमुनिदशरथबचन-

सुहाये मंगलमूलमोदअतिपाये सुनुनृपजासुबिमुखपछिताहीं जासुभजनबिनुजरनिनजाहीं भयेतुम्हार-
तनयसोस्वामी रामपुनीतप्रेमअनुगामी ॥

दो०। बेगिबिलंबनकरियनृप साजियसबैसमाज सुदिनसुमंगलतबहिजब रामहोहिंजुबराज ॥

चौ०। मुदितमहीपतिमंदिरआये सेवकसचिवसुमन्तबुलाये कहिजयजीवसीसतिननाये भूपसुमंगल-
बचनसुनाये प्रमुदितमोहिकहेउगुरुआजू रामहिराजदेहुजुबराजू जोपांचहिमतलागैनीका करहु-
हरषिहियरामहिंटीका मंत्रीमुदितसुनतप्रियबानी अभिमतबिरवपरेउजनुपानी बिनतीसचिवकरहिंकर-
जोरी जियहुजगतपतिबरषकरोरी जगमंगलभलकाजबिचारा बेगहिंनाथनलाइयबारा नृपहिमोदसुनि-
सचिवसुभाखा बढतबिटपजनुलहीसुशाखा ॥

दो०। कहेउभूपमुनिराजकर जोजोआयसुहोइ रामराजअभिषेकहित बेगिकरहुसोइसोइ ॥

चौ०। हरषिमुनीशकहेउमृदुबानी आनहुसकलसुतीरथपानी औषधमूलफूलफलनाना कहेनामगणि-
मंगलजाना चामरचमरबसनबहुभांती रोमपाटपटअगणितजाती मणिगणमंगलबस्तुअनेका जोजग-
योगभूपअभिषेका वेदविहितकहिसकलविधाना कहेउरचहुपुरबिबिधबिताना पनसरसालपुंगिफलकेरा
रोपहुबीथिनपुरचहुंफेरा रचहुमंजुमणिचौकेचारू कहहुबनावनबेगिबजारू पूजहुगणपतिगुरुकुलदेवा
सबबिधिकरहुभूमिसुरसेवा ॥

दो०। ध्वजपताकतोरणकलश सजहुतुरगरथनाग सिरधरिमुनिवरबचनसब निजनिजकाजहिंलाग ॥

चौ०। जेहिमुनीशजोआयसुदीन्हा सोजनुकाजप्रथमतेइकीन्हा बिप्रसाधुसुरपूजतराजा करतरामहित-
मंगलकाजा सुनतरामअभिषेकसुहावा बाजगहागहअवधबधावा रामसीयतनुशगुनजनाये फरकहिं-
मंगलअंगसुहाये पुलकिसप्रेमपरस्परकहहीं भरतआगमनसूचकअहहीं भयेबहुतदिनअतिअवसेरी
शगुनप्रतीतिभेंटप्रियकेरी भरतसरिसप्रियकोजगमाहीं यहैशगुनफलदूसरनाहीं रामहिंसोचबंधुदिन-
राती अंडन्हकमठहृदयजेहिभांती ॥

दो०। तेहिअवसरमंगलपरम सुनिहरषेउरनिवास शोभितलखिबिधुबढतजनु बारिधिबीचिबिलास ॥

चौ०। प्रथमजाइजिन्हखबरिजनाये भूषणबसनभूरितिनपाये प्रेमपुलकतनुमनअनुरागीं मंगलसाज-
सजनसबलागीं चौकेचारुसुमित्रापूरी मणिमयबिबिधभांतिअतिरूरी आनंदमगनराममहतारी दिये-
दानबहुबिप्रहंकारी पूजेउग्रामदेवसुरनागा कहेउबहोरिदेनबलिभागा जेहिबिधिहोइरामकल्याना
देहुदयाकरिसोवरदाना गावहिंमंगलकोकिलबयनी बिधुबदनीमृगशावकनयनी ॥

दो०। रामराजअभिषेकसुनि हियहरषींबरनारि लगींसुमंगलसजनसब बिधिअनुकूलबिचारि ॥

चौ०। तबनरनाहवसिष्ठबुलाये रामधामसिखदेनपठाये गुरुआगमनसुनतरघुनाथा द्वारआइनायेउ-
पदमाथा सादरअर्घदेइघरआने सोरहभांतिपूजिसनमाने गहेचरणसियसहितबहोरी बोलेराम-
कमलकरजोरी सेवकसदनस्वामिआगमनू मंगलमूलअमंगलदमनू तदपिउचितअसबोलिसप्रीती पठ-
इयनाथकाजअसनीती प्रभुतातजिप्रभुकीन्हसनेहू भयउपुनीतआजुममगेहू आयसुहोइसोकरियगुसाईं
सेवकलहैस्वामिसेवकाई ॥

दो०। सुनिसनेहसानेबचन मुनिरघुबरहिप्रशंस रामकसनतुमकहहुअस हंसबंशअवतंस॥

चौ०। बरणिरामगुणशीलसुभाऊ बोलेप्रेमपुलकिमुनिराऊ भूपसजेउअभिषेकसमाजू चाहतदेनतुमहिं-
जुबराजू रामकरहुसबसंयमआजू जौबिधिकुशलनिबाहैकाजू गुरुसिखदेइराउपहंगयऊ रामहृदयअस-
बिस्मयभयऊ जनमेएकसंगसबभाई भोजनशयनकेलिलरिकाई कर्णबेधउपबीतबिबाहा संगसंगसब-
भयउउछाहा बिमलबंशयहअनुचितएका अनुजबिहाइबडेहिअभिषेका प्रभुसप्रेमपछितानिसुहाई हरेउ-
भरतमनकीकुटिलाई॥

दो०। तेहिअवसरआयेलषण मगनप्रेमआनंद सनमानेप्रियवचनकहि रविकुलकैरबचंद॥

चौ०। बाजहिंबाजनबिबिधबिधाना पुरप्रमोदनहिंजाइबखाना भरतआगमनसकलमनावहिं आवहिं-
बेगिनयनफलपावहिं हाटबाटघरगलीअथाई कहहिंपरस्परलोगलोगाई कालिलगनभलिकेतिकबारा
पूजिहिबिधिअभिलाषहमारा कनकसिंहासनसीयसमेता बैठहिंरामहोइचितचेता सकलकहहिंकबहोइहि-
काल्हि बिघ्नमनावहिंदेवकुचाली तिनहिंसोहातनअवधबधावा चोरहिंचांदनिरातिनभावा शारदबोलि-
बिनयसुरकरहीं बारहिंबारपायलैपरहीं॥

दो०। बिपतिहमारिबिलोकिबडि मातुकरियसोइआजु रामजाहिंबनराजतजि होइसकलसुरकाजु॥

चौ०। सुनिसुरबिनयठाढिपछिताती भयिउंसरोजबिपिनहिमराती देखिदेवपुनिकहहिंनिहोरी मातुतोहिं-
नहिंथोरिउखोरी बिस्मयहर्षरहितरघुराऊ तुमजानहुरघुबीरसुभाऊ जीवकर्मबशदुखसुखभागी जाइये-
अवधदेवहितलागी बारबारगहिचरणसकोची चलीबिचारिबिबुधमतिपोची ऊंचनिवासनीचकरतूती
देखिनसकहिंपराइबिभूती आगिलकाजबिचारिबहोरी करिहैंचाहकुशलकबिमोरी हरषिहृदयदशरथ-
पुरआई जनुग्रहदशादुसहदुखदाई॥

दो०। नाममंथरामंदमति चेरिकेकयीकेरि अयशपिटारीताहिकरि गईगिरामतिफेरि॥

चौ०। देखिमंथरानगरबनावा मंगलमंजुलबाजुबधावा पूछिसिलोगन्हकाहउछाहू रामतिलकसुनिभाउर-
दाहू करैबिचारकुबुद्धिकुजाती होइअकाजकवनबिधिराती देखिलागमधुकुटिलकिराती जिमिगंव-
तकैलेउंकेहिभांती भरतमातुपहंगइबिलखानी काअनमनिहंसिहंसिकहरानी उतरनदेइसोलेइउसांसू
नारिचरितकरिढारतिआंसू हंसिकहरानिगालबडतोरे दीन्हलषणशिखअसमनमोरे तबहुंनबोलिचेरि-
बडिपापिनि छाडैश्वासकारिजनुसांपिनि॥

दो०। सभयरानिकहकहसिकिन कुशलराममहिपाल भरतलषणरिपुदमनसुनि भाकुबरीउरशाल॥

चौ०। कतसिखदेइहमहिंकोउमाई गालकरबकेहिकरबलपाई रामहिंछाडिकुशलकेहिआजू जाहि-
नरेशदेतजुबराजू भाकौशल्यहिबिधिअतिदाहिन देखतगर्बरहतउरनाहिन देखहुकसनजाइसबशोभा
जोअबलोकिमोरमनछोभा पूतबिदेशनसोचतुम्हारे जानतिहौबशनाहहमारे नींदबहुतप्रियसेजतुराई
लखहुनभूपकपटचतुराई सुनिप्रियबचनकुटिलमनजानी झुकीरानिअरहुअरगानी पुनिअसकबहुं-
कहसिघरफोरी तौधरिजीभकढावौंतोरी॥

दो०। कानेखोरेकूबरे कुटिलकुचालीजानि तियबिशेषपुनिचेरिकहि भरतमातुमुसुकानि॥

चौ०। प्रियबादिनिसिखदीन्हेउँतोहीं सपनेहुँतोपरकोपनमोहीं सुदिनसुमंगलदायकसोई तोरकहा-
फुरजादिनहोई जेठस्वामिसेवकलघुभाई यहदिनकरकुलरीतिसदाई रामतिलकजौंसाँचेहुँकाली मांगु-
देउँमनभावतआली कौशल्यासमसबमहतारी रामहिंसहजसुभावपियारी मोपरकरहिंसनेहबिशेषी
मैंकरिप्रीतिपरीक्षादेषी जौंबिधिजन्मदेइकरिछोहू होहिंरामसियपूतपतोहू प्राणतेअधिकरामप्रियमोरे
तिनकेतिलकछोभकसतोरे ॥

दो०। भरतशपथतोहिसत्यकहु परिहरिकपटदुराव हर्षसमयबिस्मयकरसि कारणमोहिसुनाव ॥

चौ०। एकहिबारआससबपूजी अबकछुकहबजीहकरिदूजी फोरैयोगकपारअभागा भलौकहतदुख-
रौरेहुलागा कहहिंझूठफुरबातबनाई तेप्रियतुमहिंकरुइमैंमाई हमहुंकहबअबठकुरसुहाती नाहिंतमौन-
रहबदिनराती करिकुरूपबिधिपरबशकीन्हा बवासोलुनियलहियजोदीन्हा कोउनृपहोउहमैंकाहानी
चेरिछांडिअबहोबकिरानी जारैयोगसुभावहमारा अनभलदेखिनजाइतुम्हारा तातेकछुकबातअनुसारी
छमबदेबिबडिचूकहमारी ॥

दो०। गूढकपटप्रियबचनसुनि तीयअधरबुधिरानि सुरमायाबशबैरिणिहि सुहृदजानिपतिआनि ॥

चौ०। सादरपुनिपुनिपूछतिओही शबरीगानमृगीजनुमोही तसिमतिफिरीअहैजसिभावी रहसीचेरि-
घातभलिफावी तुमपूछहुमैंकहतडेराऊं धरेहुमोरघरफोरीनाऊं सजिप्रतीतिगढिबहुबिधिछोली अवध-
साढसातीजनुबोली प्रियसियरामकहातुमरानी रामहिंतुमप्रियसोफुरबानी रहेप्रथमअबसोदिनबीते
समयपाइरिपुहोहिंपिरीते भानुकमलकुलपोषनिहारा बिनुजलजारिकरैसोइछारा जरतुम्हारिचहसवति-
उपारी रूंधहुकरिउपाइबरबारी ॥

दो०। तुमहिनसोचसुहागबल निजबशजानहुराव मनमलीनमुहमीठनृप राउरसरलसुभाव ॥

चौ०। चतुरगंभीरराममहतारी बीचपाइनिजकाजसंवारी पठयेभरतभूपननिऔरे राममातुमतजानब-
रौरे सेवहिंसकलसवतिमोहिनीके गर्बितभरतमातुबलपीके शालतुम्हारकौशिल्यहिमाई चतुरकपट-
नहिंपरतलखाई राजहितुमपरप्रीतिबिशेषी सवतिसुभावसकैनहिंदेखी रचिप्रपंचभूपहिंअपनाई राम-
तिलकहितलगनधराई इहिकुलउचितरामकहंटीका सबहिसुहाइमोहिसुठिनीका आगिलिबातसमुझि-
डरमोही देउदैवफिरिसोफलओही ॥

दो०। रचिपचिकोटिककुटिलपन कीन्हेसिकपटप्रबोध कहेसिकथासतसौतिकर जातेंबढैबिरोध ॥

चौ०। भावीबशप्रतीतिउरआई पूछिरानिनिजशपथदिवाई कापूछहुंतुमअजहुनजाना हितअनहित-
निजपशुपहिचाना भयेपाखदिनसजतसमाजू तुमसुधिपायेहुमोसनआजू खाइयपहिरियराजतुम्हारे
सत्यकहेनहिंदोषहमारे जौंअसत्यकछुकहबबनाई तौबिधिदेइहिमोहिसजाई रामहिंतिलककालिजौंभयऊ
तुमकहंबिपतिबीजबिधिबयऊ रेखाखैंचिकहौंबलुभाखी भामिनिभइहुदूधकीमाखी जौंसुतसहितकरहु-
सेवकाई तौघररहहुनआनउपाई ॥

दो०। कद्रूबिनतहिदीन्हदुख तुमहिकौशिल्यादेव भरतबंदिगृहसेइहैं रामलषणकरनेव ॥

चौ०। केकयसुतासुनतकटुबानी कहिनसकैकछुसहमिसुखानी तनुपसेवकेदलिजिमिकांपी कुबरी-

दशनजीहनबचापी कहिकहिकोटिककपटकहानी धीरजधरहुप्रबोधिसिरानी कीन्हेसिकठिनपढाइकुपाठू
जिमिननवैफिरिउकठिकुकाठू फिराकर्मप्रियलागुकुचाली बकिहिसराहनिमनहुंमराली सुनुमंथराबात-
फुरितोरी दहिनिआंखिनितफरकतिमोरी दिनप्रतिदेखौंरातिकुसपना कहौंनतोहिमोहबशअपना काह-
करौंसखिसूधसुभाऊ दहिनवामजानौंनहिंकाऊ ॥

दो०। अपनेचलतनआजुलगि अनभलकाहुककीन्ह केहिअघएकहिबारमोहि दैवदुसहदुखदीन्ह ॥

चौ०। नैहरजन्मभरबरुजाई जिअतनकरबसवतिसेवकाई अरिबशदैवजिआवैजाही मरणनीकतेहि-
जियबनचाही दीनबचनकहबहुबिधिरानी सुनिकुबरीतियमायाठानी असकसकहहुमानिमनऊना
सुखसुहागतुमकहंदिनदूना जोराउरअसअनभलताका सोपाइहियहफलपरिपाका जबतेंकुमतिसुना-
मैंस्वामिनि भूखनबासरनींदनयामिनि पूछ्यागुणिन्हरेखतिनखांची भरतभुआलहोबयहसांची भामिनि-
करहुतोकहौंउपाऊ हैंतुम्हरेसेवाबशराऊ ॥

दो०। परौंकूपतवबचनलगि सकौंपूतपतित्यागि कहसिमोरदुखदेखिबड कसनकरबहितलागि ॥

चौ०। कुबरीकरीकुबलिकैकेई कपटछुरीउरपाहनटेई लखैनरानिनिकटदुखकैसे चरैहरिततृणबलि-
पशुजैसे सुनतबातमृदुअंतकठोरी देतिमनहुंमधुमाहुरघोरी कहैचेरिसुधिअहैकिनाहीं स्वामिनिकहेहु-
कथामोहिपाहीं दुइबरदानभूपसनथाती मांगहुआजुजुडावहुछाती सुतहिराजरामहिंबनबासू देहु-
लेहुसबसवतिहुलासू भूपतिरामशपथजबकरई तबमांगहुजेहिबचननटरई होइअकाजआजुनिशबीते
बचनमोरप्रियमानहुजीते ॥

दो०। बडकुघातकरिपातकिनि कहेसिकोपगृहजाहु काजसंवारहुसजगसब सहसाजनिपतिआहु ॥

चौ०। कुबरिहिरानिप्राणप्रियजानी बारबारबडिबुद्धिबखानी तोहिसमहितनमोरसंसारा बहेजातकर
भयिसिअधारा जौबिधिपुरवमनोरथकाली करौंतोहिचषुपूतरिआली बहुबिधिचेरिहिआदरदेई कोप-
भवनगवनीकैकेई बिपतिबीजबर्षाऋतुचेरी भुंइभइकुमतिकैकयीकेरी पाइकपटजलअंकुरजामा बरदौ-
दलफलदुखपरिणामा कोपसमाजसाजसजिसोई राजकरततेहिकुमतिबिगोई राउनगरकोलाहलहोई
यहकुचालकछुजाननकोई ॥

दो०। प्रमुदितपुरनरनारिसब साजिसुमंगलचार इकप्रविशहिंइकनिकसहीं भीरभूपदरबार ॥

चौ०। बालसखासुनिहियहरषाहीं मिलिदशपांचरामपहंजाहीं प्रभुआदरहिंप्रेमपहिचानी पूछहिं-
कुशलक्षेममृदुबानी फिरहिंभवनप्रभुआयसुपाई करतपरस्पररामबडाई कोरघुबीरसरिससंसारा शील-
सनेहनिबाहनिहारा जेहिजेहियोनिकर्मबशभ्रमहीं तहंतहंईशदेहिंयहहमहीं सेवकहमस्वामीसियनाहू
होउनाथयहओरनिबाहू असअभिलाषनगरसबकाहू कैकयसुताहृदयअतिदाहू कोनकुसंगतिपाइनशाई
रहैननीचमतेगरुआई ॥

दो०। सांझसमयसानन्दनृप गयेकैकयीगेह गवननिठुरतानिपटकिय जनुधरिदेहसनेह ॥

चौ०। कोपभवनसुनिसकुचेराऊ भयबशअगुमगपरैनपाऊ सुरपतिबसैबाहुबलजाके नरपतिरहहिं-
सकलरुखताके सोसुनितियरिसगयेसुखाई देखहुकामप्रतापबडाई शूलकुलिशअसिअंगवनिहारे

नेरतिनाथसुमनशरमारे सभयनरेशप्रियापहंगयऊ देखिदशादुखदारुणभयऊ भूमिशयनपटमोट-
पुराना दियेडारितनुभूषणनाना कुमतिहिकसकुरूपताफावी अनअहिवातसोचुजनुभावी जाइनिकट-
नृपकहमृदुबानी प्राणप्रियाकेहिहेतुरिसानी ॥

छं०। केहिहेतुरानिरिसानिपरसतपाणिपतिहिनिवारई मानहुंसरोषभुअंगभामिनिविषमभांतिनिहारई ॥
दुइबासनारसनादशनबरमर्मठाहरदेखई तुलसीनृपतिभवितव्यताबशकामकौतुकलेखई ॥

से०। बारबारकहराउ सुमुखिसुलोचनिपिकबचनि कारणमोहिसुनाउ गजगामिनिनिजकोपकर ॥

चै०। अनहिततोरप्रियाकेइकीन्हा केहिदुइसिरकेहियमचहलीन्हा कहुकेहिरंकहिंकरौंनरेशू कहु-
केहिनृपहिनिकारौंदेशू सकौंतोरअरिअमरहुंमारी कहाकीटबपुरेनरनारी जानसिमोरसुभावबरोरू
तवमुखममदृगचन्दचकोरू प्रियाप्राणसुतसर्बसमोरे परिजनप्रजासकलबशतोरे जौकछुकहौंकपटकरि-
तोहीं भामिनिरामशपथशतमोहीं बिहसिमांगुमनभावतिबाता भूषणसाजुमनोहरगाता घरीकुघरी-
समुझिजियदेखू बेगिप्रियापरिहरहुकुबेखू ॥

दे०। यहसुनिमनगुणिशपथबडि बिहसिउठीमतिमंद भूषणसजतिबिलोकिमृग मनहुंकिरातिनिफंद ॥

चै०। पुनिकहराउसुहृदजियजानी प्रेमपुलकिमृदुमंजुलबानी भामिनिभयउतोरमनभावा घरघरनगर-
अनंदबधावा रामहिंदेउंकालिजुबराजू सजहुसुलोचनिमंगलसाजू दलकिउठीसुनिबचनकठोरा जनु-
छुइगयउपाकबरतोरा एसोपीरबिहसिउरगोई चोरनारिजिमिप्रगटनरोई लषीनभूपकपटचतुराई
कोटिकुटिलगुणगुरुपढाई यद्यपिनीतिनिपुणनरनाहू नारिचरितजलनिधिअवगाहू कपटसनेहबढाइ-
बहोरी बोलीबिहसिनयनमुखमोरी ॥

दे०। मांगुमांगुपैकहहुपिय कबहुंदेहुनलेहु देनकहेउबरदानदुइ तेउपावतसंदेहु ॥

चै०। जानेउंमर्मराउहसिकहई तुमहिकोहाबपरमप्रियअहई थातीराखिनमागेउकाऊ बिसरिगयो-
ममभोरसुभाऊ झूठहुंदोषहमहिंजनिदेहू दुइकेचारिमांगिकिनलेहू रघुकुलरीतिसदाचलिआई प्राण-
जाइबरुबचननजाई नहिंअसत्यसमपातकपुञ्जा गिरिसमहोहिंकिकोटिकगुञ्जा सत्यमूलसबसुकृतसुहाई
बेदपुराणबिदितमनुगाई तेहिपररामशपथकरिआई सुकृतसनेहअवधिरघुराई बातदृढाइकुमतिहसि-
बोली कुमतबिहंगकुलहजनुखोली ॥

दे०। भूपमनोरथसुभगबन सुखसुबिहंगसमाज भिल्लिनिजनुछाडनचहति बचनभयंकरबाज ॥

चै०। सुनहुप्राणपतिभावतजीका देहुएकबरभरतहिटीका दूसरबरमांगौंकरजोरे नाथमनोरथ-
पुरबहुमोरे तापसभेषबिशेषउदासी चौदहबर्षरामबनबासी सुनितियबचनभूपउरसोकू शशिकरछुवत-
बिकलजिमिकोकू गयेसहमिकछुकहिनहिंआवा जनुशचानबनझपटेउलावा बिबरणभयउनिपटमहिपालू
दामिनिहनेउमनहुंतरुतालू माथेहाथमूंदिदोउलोचन तनुधरिसोचलागुजनुसोचन मोरमनोरथसुर-
तरुफूला फरतकरिणिजनुहतेउसमूला अवधउजारिकीन्हकैकेई दीन्हेसिअचलबिपतिकैनेई ॥

दे०। कवनेअवसरकाभयउ गयउंनारिबिश्वास योगसिद्धफलसमयजिमि यतिहिअविद्यानाश ॥

चै०। इहिबिधिराउमनहिंमनदहई देखिकुभांतिकुमतिअसकहई भरतकिराउरपूतनहोही आनेहु-

मोलबेसाहिकिमोहीं जोसुनिशरसमलागतुम्हारे काहेनबोलेहुबचनसंभारे देहुउतरअसकहहु-
किनाहीं सत्यसिंधुतुमरघुकुलमाहीं देनकहेहुबरअबजनिदेहू तजहुसत्यजगअपयशलेहू सत्यसराहि-
कहेउबरदेना जानेहुलेइहिमांगिचबेना शिविदधीचिबलिजोकछुभाषा तनुधनतजेउबचनपनराषा अति-
कटुबचनकहतिकैकेई मानहुंलोनजरेपरदेई ॥

दो०। धर्मधुरंधरधीरधरि नयनउघारेराउ शिरधुनिलीन्हउसासअसि मारेसिमोहिकुठांउ ॥

चौ०। आगेदेखिबरनिरिसिभारी मनहुंरोषतरवारिउघारी मूठकुबुद्धिधारनिठुराई धरिकुबरीजनुसान-
बनाई लखेउमहीपकरालकठोरा सत्यकिजीवनलेइहिमोरा बोलेराउकठिनकरिछाती बाणीबिनयनताहि-
सोहाती मोरेभरतरामदोआंखी सत्यकहौंकरिशंकरसाखी प्रियाबचनकसकहसिकुभांती रीतिप्रतीति-
प्रीतिकरिघाती अबशिदूतमैंपठउबप्राता ऐहैंबेगिसुनतदोभ्राता सुदिनसाधिसबसाजसजाई देहौंभरत-
हिराजबजाई ॥

दो०। लोभनरामहिंराजकर बहुतभरतपरप्रीति मैंबडछोटबिचारकरि करतरहेउंनृपनीति ॥

चौ०। रामशपथशतकहौंसुभाऊ राममातुमोहिकहानकाऊ मैंसबकीन्हतोहिबिनुपूछे तातेपरेउ-
मनोरथछूछे रिसपरिहरुअबमंगलसाजू कछुदिनगयेभरतजुबराजू एकहिबातमोहिदुखलागा बर-
दूसरअसमंजसमांगा अजहूंहृदयदहततेहिआंचा रिसपरिहासकिसांचहुंसांचा कहुतजिरोषराम-
अपराधू सबकोउकहतरामसुठिसाधू तुहूंसराहसिकरसिसनेहू अबसुनिमोहिपरमसंदेहू जासुसुभाव-
अरिहुअनुकूला सोकिमिकरहिंमातुप्रतिकूला ॥

दो०। प्रियाहासरिसपरिहरहु मांगुबिचारिबिबेक जेहिदेखौंअबनयनभरि भरतराजअभिषेक ॥

चौ०। जियैमीनबरुबारिबिहीना मणिबिनुफणिकजियैदुखदीना कहौंसुभावनछलमनमाहीं जीवन-
मोररामबिनुनाहीं समुझिदेखुतैंप्रियाप्रबीना जीवनरामदरशआधीना सुनिमृदुबचनकुमतिअतिजरई
मनहुंअनलआहुतिघृतपरई कहहुकरहुकिनकोटिउपाया इहांनलागिहिराउरिमाया देहुकिलेहु-
अयशकरिनाहीं मोहिनबहुपरिपंचसोहाहीं रामसाधुतुमसाधुसुजाना राममातुभलितुमपहिचाना
जसकौशिलामोरभलताका तसफलदेउंउन्हैंकरिसाका ॥

दो०। होतप्रातमुनिभेषधरि जौंनरामबनजाहिं मोरमरणराउरअयश नृपसमुझहुमनमाहिं ॥

चौ०। असकहिकुटिलभईउठिठाढी मानहुंरोषतरंगिनिबाढी पापपहारप्रगटभईसोई भरीक्रोधजल-
जाइनजोई दोउबरकूलकठिनहठधारा भंवरकूबरीबचनप्रचारा ढाहतिभूपरूपतरुमूला चलीबिपति-
बारिधिअनुकूला लखीनरेशबातसबसांची तियमिसुमीचसीसपरनाची गहिपदबिनयकीन्हबैठारी जनि-
दिनकरकुलहोसिकुठारी मांगुमाथअबहींदेउंतोही रामबिरहजनिमारसिमोही राखुरामकहंजेहितेहि-
भांती नाहिंतजरिहिजन्मभरिछाती ॥

दो०। देखीव्याधिअसाध्यनृप परेउधरणिधुनिमाथ कहतपरमआरतबचन रामरामरघुनाथ ॥

चौ०। व्याकुलराउशिथिलसबगाता करिणिकल्पतरुमनहुंनिपाता कंठसूखमुखआवनबानी जिमिपाठीन-
दीनबिनुपानी पुनिकहकटुकठोरकैकेई मर्मपाछिजनुमाहुरदेई जौअंतहुअसकरतबरहेउ मांगु-

मांगुकेहिकेवलकहेऊ दइकिहोइएकसमयभुआलू हंसवठठाइफुलाइवगालू दानिकहाउवअरूक्रपणाई चाहियखेमकुशलरौताई छाडहुवचनकिधीरजधरहू जनिअवलाइवकरुणाकरहू तनुतियतनयधामधन-धरणी सत्यसिंधुकहंतृणसमवरणी ॥

दो०। मर्मबचनसुनिराउकह कछुकदोषनहितोर लागेउमोहिपिशाचजनु कालकहावतमोर ॥

चौ०। चहतनभरतभूपपदभोरे विधिवशकुमतिवसीउरतोरे सोसबमोरपापपरिणामू कछुनवसाइभयो-विधिवामू सुबसबसिहिफिरिअवधसुहाई सबगुणधामरामप्रभुताई करिहैंभाइसकलसेवकाई होइहैतिहुं-पुररामबडाई तोरकलंकमोरपछिताऊ मुयेहुनमिटिहिनजाइहिकाऊ अवतोहिनीकलागुकहुसोई लोचन-ओटबैठुमुखगोई जौलौंजियौंकहौंकरजोरी तौलौंजनिकछुकहसिबहोरी फिरिपछितैहसिअंतअभागी मारेसिगायनाहरुलागी ॥

दो०। परेउराउकहिकोटिविधि काहेकरसिनिदान कपटसयानिनकहतिकछु जागतिमनहुंमसान ॥

चौ०। रामरामरटिविकलभुआलू जनुबिनुपंखबिहंगबिहालू हृदयमनावभोरजनिहोई रामहिंजाइकहै-जनिकोई उदयकरहुजनिरविकुलगूरा अवधबिलोकिशूलहोइऊरा भूपप्रीतिकैकयिनिठुराई उभय-अवधिविधिरचीबनाई बिलपतनृपहिभयउभिनुसारा वीणावेणुशंखधुनिद्वारा पढहिंभाटगुणगावहिंगायक सुनतनृपहिलागहिंजनुशायक मंगलसकलसुहाइनकैसे सहगामिनीविभूषणजैसे तेहिनिशिनींदपरी-नहिंकाहू रामदरशलालसाउछाहू ॥

दो०। द्वारभीरसेवकसचिव कहहिंउदयरविदेखि जागेअजहुंनअवधपति कारणकवनविशेषि ॥

चौ०। पिछिलेपहरभूपनितजागा आजुहमहिबडअचरजलागा जाहुसुमंतजगावहुजाई कीजियकाज-रजायसुपाई गेसुमंतनृपमन्दिरपाहीं देखिभयानकजातडेराहीं धाइखाइजनुजातनहेरा मानहुंविपति-विषादबसेरा पूछतकोउनउत्तरकछुदेई गेजेहिभवनभूपकैकेई कहिजयजीवबैठिसिरनाई देखिभूप-गतिगयउसुखाई शोकविकलविवरणमहिपरेऊ मानहुंकमलमूलपरिहरेऊ सचिवसभीतसकैनहिंपूछी बोलीअशुभभरीशुभछूछी ॥

दो०। परीनराजहिनींदनिशि मर्मजानुजगदीश रामरामरटिभोरकिय हेतुनकहेउमहीश ॥

चौ०। आनहुरामहिंवेगिबुलाई समाचारतबपूछहुआई चल्योसुमंतराउरुखजानी लखीकुचालकीन्ह-कछुरानी सोचबिवशमहिपरैनपाऊ रामहिंबोलिकहिहिंकाराऊ उरधरिधीरजगयउदुआरे पूछहिं-सकलदेखिमनमारे समाधानमनकरिसबहीका गयेजहांदिनकरकुलटीका रामसुमंतहिआवतदेखा आदरकीन्हपितासमलेखा निरखिबदनकहिभूपरजाई रघुकुलदीपहिचलेलवाई रामकुभांतिसचिवसंग-जाहीं देखिलोगजहंतहंबिलखाहीं ॥

दो०। आइदीखरघुवंशमणि नरपतिनिपटकुसाज सहमिपरेउलखिसिंहिनिहि मनहुंवृद्धगजराज ॥

चौ०। सूखेअधरजरेसबअंगा मनहुंदीनमणिहीनभुअंगा सरुखसमीपदेखिकैकेई मानहुंमृत्युघरी-गणिदेई करुणामयरघुनाथसुभाऊ प्रथमदीखदुखसुनानकाऊ तदपिधीरधरिसमयविचारी पूछीमधुर-वचनमहतारी मोहिकहुमातुतातदुखकारण करिययत्नयेहिहोइनिवारण सुनहुरामसबकारणयेहू

राजहिंतुमपरबहुतसनेहू देनकहेउमोहिदुइबरदाना मांगउंजोकछुमोहिसोहाना सोसुनिभयेउभूप-
उरसोचू छाडिनसकहिंतुम्हारसकोचू ॥

दो०। सुतसनेहइतबचनउत संकटपरेउनरेश सकहुतोआयसुसीसधरि मेटहुकठिनकलेश ॥

चौ०। निधरकबैठिकहहिकटुबानी सुनतकठिनताअतिअकुलानी जीभकमानबचनशरनाना मनहुंभूप-
मृदुलक्ष्यसमाना जनुकठोरपनधरेशरीरा सीखधनुषविद्याबरबीरा सबप्रसंगरघुपतिहिसुनाई बैठीजनु-
तनुधरिनिठुराई मनमुसुकाहिंभानुकुलभानू रामसहजआनंदनिधानू बोलेबचनबिगतसबदूषण मृदु-
मंजुलजनुबागबिभूषण सुनुजननीसोइसुतबडभागी जोपितुमातुबचनअनुरागी तनयमातुपितुपोषनिहारा
दुर्लभजननीयहिसंसारा ॥

दो०। मुनिगणमिलनविशेषबन सबहिभांतिभलमोर तेहिमहंपितुआयसुबहुरि संमतजननीतोर ॥

चौ०। भरतप्राणप्रियपावहिंराजू बिधिसबबिधिमोहिसन्मुखआजू जौनजाउंबनऐसेहुकाजा प्रथमगणिय-
मोहिमूढसमाजा सेवअरंडकल्पतरुत्यागी परिहरिअमियलेहिंबिषमांगी तेउनपाइअससमयचुकाहीं
देखुबिचारिमातुमनमाहीं अंबएकदुखमोहिबिशेषी निपटबिकलनरनायकदेषी थोरिहिबातपितहिदुख-
भारी होतप्रतीतिनमोहिमहतारी राउधीरगुणउदधिअगाधू भामोतेंकछुबडअपराधू जातेमोहिनकहत-
कछुराऊ मोरशपथतोहिकहुसतिभाऊ ॥

दो०। सहजसरलरघुबरबचन कुमतिकुटिलकरिजान चलैजोंकजिमिबक्रगति यद्यपिसलिलसमान ॥

चौ०। रहसीरानिरामरुखपाई बोलीकपटसनेहजनाई शपथतुम्हारभरतकैआना हेतुनदूसरमैंकछु-
जाना तुमअपराधयोगनहिंताता जननीजनकबंधुसुखदाता रामसत्यतुमजोकछुकहहू तुमपितुमातु-
बचनरतअहहू पितहिबुझाइकहोबलिसोई चौथेपनअघअयशनहोई तुमसमसुवनसुकृतजेहिदीन्हे
उचितनतासुनिरादरकीन्हे लागहिकुमुखिबचनशुभकैसे मगहगयादिकतीरथजैसे रामहिमातुबचन-
सबभाये जिमिसुरसरिगतिसलिलसुहाये ॥

दो०। गैमुर्छारामहिसुमिरि नृपफिरिकरवटलीन्ह सचिवरामआगमनकहि बिनयसमयसमकीन्ह ॥

चौ०। जबनृपअकनिरामपगुधारे धरिधीरजतबनयनउघारे सचिवसंभारिराउबैठारे चरणपरतनृप-
रामनिहारे लियेसनेहबिकलउरलाई गइमणिफणिकबहुरिजिमिपाई रामहिचितैरहेनरनाहू चला-
बिलोचनबारिप्रबाहू शोकबिकलकछुकहैनपारा हृदयलगावतबारहिबारा बिधिहिंमनावरावमनमाहीं
जेहिरघुनाथनकाननजाहीं सुमिरिमहेशहिकहहिंनिहोरी बिनतीसुनहुसदाशिवमोरी आशुतोषतुम-
औढरदानी आरतिहरहुदीनजनजानी ॥

दो०। तुमप्रेरकसबकेहृदय सोमतिरामहिदेहु बचनमोरतजिरहहिंघर परिहरिशीलसनेहु ॥

चौ०। अयशहोउबरुसुयशनशाऊ नरकपरौंबरुसुरपुरजाऊ सबदुखदुसहसहावहुमोहीं लोचनओट-
रामजनिहोहीं असमनगुणतराउनहिंबोला पीपरपातसरसमनडोला रघुपतिपितहिप्रेमबशजानी पुनि-
कछुकहेउमातुअनुमानी देशकालअवसरअनुसारी बोलेबचनबिनीतबिचारी तातकहौंकछुकरौंढिठाई
अनुचितक्षमबजानिलरिकाई अतिलघुबातलागिदुखपावा काहुनकहिमोहिप्रथमजनावा देखिगुसाइंहिं-
पूछेउंमाता सुनिप्रसंगभोशीतलगाता ॥

दो०। मंगलसमयसनेहबश सोचपरिहरियतात आयसुदेइयहरषिहिय कहिपुलकेप्रभुगात ॥
चौ०। धन्यजन्मजगतीतलताहू पितहिप्रबोधचरितसुनिजाहू चारिपदारथकरतलताके प्रियपितुमातु-
प्राणसमजाके आयसुपालिजन्मफलपाई ऐहौंबेगहिहोउरजाई बिदामातुसनआवौंमांगी चलिहौंबनहिं-
बहुरिपगलागी असकहिरामगवनतबकीन्हा भूपशोकबशउतरनदीन्हा नगरव्यापिगईबातसतीछी
छुअतचढीजनुसबतनुबीछी सुनिभयेबिकलसकलनरनारी बेलिबिटपजनुलागदवारी जोजहंसुनैधुनै-
सिरसोई बडविषादनहिंधीरजहोई ॥
दो०। मुखसूखहिंलोचनस्रवहिं शोकनहृदयसमाइ मानहुंकरुणारसकटक उतरीअवधबजाइ ॥
चौ०। मिलिबनाइबिधिबातबिगारी जहंतहंदेहिंकेकयिहिगारी इहिपापिनिहिबूझिकापरेऊ छायभवन-
परपावकधरेऊ निजकरनयनकाढिचहदीखा डारिसुधाबिषचाहतचीखा कुटिलकठोरकुबुद्धिअभागी
भइरघुबंशबेणुबनआगी पल्लवबैठिपेडइनकाटा सुखमहंशोकठाटइहिंठाटा सदारामइहिप्राणसमाना
कारणकवनकुटिलपनठाना सत्यकहहिंकबिनारिसुभाऊ सबबिधिअगमअगाधदुराऊ निजप्रतिबिंबमुकुर-
गहिजाई जानिनजाइनारिगतिभाई ॥
दो०। कानहिपावकजरिसकै कानसमुद्रसमाइ कानकरैअबलाप्रबल केहिजगकालनखाइ ॥
चौ०। कासुनाइबिधिकाहसुनावा कादिखाइचहकाहदेखावा एककहैंभलभूपनकीन्हा बरबिचारिनहिं-
कुमतिहिदीन्हा जोहठिभयउसकलदुखभाजनु अबलाबिबशज्ञानगुणगाजनु एकधर्मपरमितिपहिचाने
नृपहिदोषनहिंदेहिंसयाने शिबिदधीचिहरिचंदकहानी एकएकसनकहहिंबखानी एकभरतकरसम्मत-
कहहीं एकउदासभावसुनिरहहीं कानमूंदिकररदगहिजीहा एककहहिंयहबातअलीहा सुकृतजाइ-
असकहततुम्हारे भरतरामकहंप्राणपियारे ॥
दो०। चंद्रस्रवैबरुअनलकण सुधाहोइबिषतूल सपनेहुकबहुनकरहिंकछु भरतरामप्रतिकूल ॥
चौ०। एकबिधातहिदूषणदेहीं सुधादिखाइदीन्हबिषजेहीं खरभरनगरसोचसबकाहू दुसहदाहउर-
मिटाउछाहू बिप्रबधूकुलमानजठेरी जेप्रियपरमकेकयीकेरी लगींदेनसिखशीलसराही बचनबाणसम-
लागहिंताही भरतनप्रियमोहिरामसमाना सदाकहहुयहसबजगजाना करहुरामपरसहजसनेहू केहि-
अपराधआजुबनदेहू कबहुनकीन्हसवतिअवरेहू प्रीतिप्रतीतिजानसबदेहू कौशल्याअबकाहबिगारा
तुमजेहिलागिबज्रपुरपारा ॥
दो०। सीयकिपियसंगपरिहरिहि लषणकिरहिहहिंधाम भरतकिभुजबराजपुर नृपकिजियहिंबिनुराम ॥
चौ०। असबिचारिजियछाडहुकोहू शोककलंककोठजनिहोहू भरतहिअवशिदेहुजुबराजू कानन-
कवनरामकरकाजू नाहिनरामराजकरभूखे धर्मधुरीणबिषयरसरूखे गुरुगृहबसहिंरामतजिगेहू नृपसन-
असबरदूसरलेहू रामसरिससुतकाननयोगू कहाकहहिंसुनितुमकहंलोगू जौनमानिहौकहेहमारे
नहिंलागिहिकछुहाथतुम्हारे जौपरिहासकीन्हकछुहोई तौकहिप्रगटजनावहुसोई उठहुबेगिसोइ-
करहुउपाई जेहिबिधिशोककलंकनशाई ॥
छं०। जेहिभांतिशोककलंकजाइउपाइकरिकुलपालहू हठिफेररामहिंजातबनजनिबातदूसरिचालहू ॥

जिमिभानुबिनुदिनप्राणबिनुतनुचंदबिनुजिमियामिनी तिमिअवधतुलसीदासप्रभुबिनुसमुझिधौंमनभामिनी॥

सो०। सखिन्हसिखावनदीन्ह सुनतमधुरपरिणामहित तेइकछुकाननकीन्ह कुटिलप्रबोधीकूवरी॥

चौ०। उतरुनदेइदुसहरुखरूखी मृगिन्हचितवजनुबाघिनिभूखी ब्याधिअसाधिजानितिनत्यागी चलीं-
कहतिमतिमन्दअभागी राजकरतइहिदैवबिगोई कीन्हेसिअसजसकरैनकोई इहिविधिबिलपहिंपुर-
नरनारी देहिंकुचालिहिकोटिकगारी जरहिंबिषमज्वरलेहिंउसासा कवनरामबिनुजीवनआशा बिकल-
बियोगप्रजाअकुलानी जिमिजलचरगणसूखतपानी अतिबिषादबसलोगलुगाईं गयेमातुपहंरामगुसाईं
मुखप्रसन्नचितचौगुनचाऊ इहिसोचजनिराखहिंराऊ॥

दो०। नवगयंदरघुबंशमणि राजअलानसमान छूटजानिबनगवनसुनि उरआनंदअधिकान॥

चौ०। रघुकुलतिलकजोरिदोउहाथा मुदितमातुपदनायउमाथा दीन्हअशीसलाइउरलीन्हे भूषण-
बसननिछावरिकीन्हे बारबारमुखचूम्बतिमाता नयननेहजलपुलकितगाता गोदराखिपुनिहृदयलगाई
श्रवतप्रेमरसपयदसुहाई प्रेमप्रमोदनकछुकहिजाई रंकधनदपदवीजनुपाई सादरसुन्दरबदननिहारी
बोलीमधुरबचनमहतारी कहहुतातजननीबलिहारी कबहिंलगनमुदमंगलकारी सुकृतशीलसुखसींव-
सुहाई जन्मलाभलहिअवधअघाई॥

दो०। जेहिचाहतनरनारिसब अतिआरतइहिभांति जिमिचातकचातकतृषित बृष्टिशरदऋतुस्वाति॥

चौ०। तातजाउंबलिबेगिअन्हाहू जोमनभावमधुरकछुखाहू पितुसमीपतबजायेहुभैया भइबड़िबार-
जाइबलिमैया मातुबचनसुनिअतिअनुकूला जनुसनेहसुरतरुकेफूला सुखमकरन्दभरेश्रीमूला निरखि-
राममनभंवरनभूला धर्मधुरीणधर्मगतिजानी कहेउमातुसनअतिमृदुबानी पितादीन्हमोहिकाननराजू
जहंसबभांतिमोरबड़काजू आयसुदेहुमुदितमनमाता जेहिमुदमंगलकाननजाता जनिसनेहबशडरपसि-
भोरे आनंदमातुअनुग्रहतोरे॥

दो०। बर्षचारिदशबिपिनबसि करिपितुबचनप्रमान आयपायपुनिदेखिहौं मनजनिकरसिमलान॥

चौ०। बचनबिनीतमधुररघुबरके शरसमलगेमातुउरकरके सहमिसूखिसुनिशीतलबानी जिमि-
जवासपरपावसपानी कहिनजाइकछुहृदयबिषादू जनुसहमेकरिकेहरिनादू नयनसलिलतनुथरथरकांपी
मांजामनहुंमीनकहंब्यापी धरिधीरजसुतबदननिहारी गद्गदबचनकहतिमहतारी तातपितहिंतुमप्राण-
पिआरे देखिमुदितनितचरिततुम्हारे राजदेनकहंशुभदिनसाधा कहेउजानबनकेहिअपराधा तात-
सुनावहुमोहिनिदानू कोदिनकरकुलभयउकृशानू॥

दो०। निरखिरामरुखसचिवसुत कारणकहेउबुझाइ सुनिप्रसंगरहिमूकगति दशाबरणिनहिंजाइ॥

चौ०। राखिनसकहिंनकहिसकजाहू दुहूंभांतिउरदारुणदाहू लिखतसुधाकरलिखिगाराहू बिधिगति-
बामसदासबकाहू धर्मसनेहउभयमतिघेरी भइगतिसांपछुछून्दरिकेरी राखौंसुतहिकरौंअनुरोधू धर्म-
जाइअरुबंधुबिरोधू कहौंजानबनतौबड़िहानी संकटसोचबिबशभइरानी बहुरिसमुझितियधर्मसयानी
रामभरतदोउसुतसमजानी सरलसुभावराममहतारी बोलीबचनधीरधरिभारी तातजाउंबलिकीन्हेउनीका
पितुआयसुसबधर्मकटीका॥

दो०। राजदेनकहिदीन्हबन मुहिनसोदुखलेस तुमबिनुभरतहिभूपतिहि प्रजहिप्रचंडकलेस॥
चौ०। जौकेवलपितुआयसुताता तौजनिजाहुजानिबलिमाता जौपितुमातुकहेउबनजाना तौकाननशत-
अवधसमाना पितुबनदेवमातुबनदेवी खगमृगचरणसरोरुहसेवी अंतहुउचिततृपहिबनबासू बय-
बिलोकिहियहोतहरासू बडभागीबनअवधअभागी जौरघुबंशतिलकतुमत्यागी जौसुतकहौंसंगमोहिलेहू
तुम्हरेहृदयहोइसंदेहू पुत्रपरमप्रियतुमसबहीके प्राणप्राणकेजीवनजीके तेतुमकहहुमातुबनजाऊं
मैंसुनिबचनबैठिपछिताऊं॥
दो०। यहबिचारिनहिंकरउंहठ झूठसनेहबढाइ मानिमातुकेनातबलि सुरतिबिसरिजनिजाइ॥
चौ०। देवपितरसबतुमहिगुसाईं राखहुपलकनयनकीनाईं अवधिअंबुप्रियपरिजनमीना तुमकरुणा-
करधर्मधुरीना असबिचारिसोइकरहुउपाई सबहिजियतजेहिभेंटहुआई जाहुसुखेनबनहिंबलिजाऊं
करिअनाथजनपरिजनगाऊं सबकरआजुसुकृतफलबीता भयेकरालकालबिपरीता बहुबिधिबिलपिचरण-
लपटानी परमअभागिनिआपुहिजानी दारुणदुसहदाहउरव्यापा बरणिनजाइबिलापकलापा रामउठाइ-
मातुउरलावा कहिमृदुबचनबहुतसमुझावा॥
दो०। समाचारतेहिसमयसुनि सीयउठीअकुलाइ जाइसासुपगकमलयुग बंदिबैठिसिरनाइ॥
चौ०। दीन्हअशीससासुमृदुबानी अतिसुकुमारिदेखिअकुलानी बैठिनमितमुखसोचतिसीता रूपराशि-
पतिप्रेमपुनीता चलनचहतबनजीवननाथा कवनसुकृतसनहोइहिसाथा कीतनुप्राणकिकेवलप्राना बिधि-
करतबकछुजातनजाना चारुचरणनखलेखतिधरणी नूपुरमुखरमधुरकबिबरणी मनहुंप्रेमबशबिनती-
करहीं हमहिंसीयपदजनिपरिहरहीं मंजुबिलोचनमोचतिबारी बोलीदेखिराममहतारी तातसुनहुसिय-
अतिसुकुमारी सासुससुरपरिजनहिंपियारी॥
दो०। पिताजनकभूपालमणि ससुरभानुकुलभानु पतिरबिकुलकैरवबिपिन बिधुगुणरूपनिधानु॥
चौ०। मैंपुनिपुत्रबधूप्रियपाई रूपराशिगुणशीलसुहाई नयनपुतरिइवप्रीतिबढाई राखेउंप्राणजानकिहि-
लाई कल्पबेलिजिमिबहुबिधिलाली सींचिसनेहसलिलप्रतिपाली फूलतफलतभयेबिधिबामा जानिनजाइ-
काहपरिणामा पलंगपीठतजिगोदहिंडोरा सियनदीनपगुअवनिकठोरा जीवनमूरिजिमिजुगवतरहेउं
दीपबातिनहिंटारनकहेउं सोसियचलनचहतिबनसाथा आयसुकहाहोइरघुनाथा चन्द्रकिरणरस-
रसिकचकोरी रबिरुखनयनशकैकिमिजोरी॥
दो०। करिकेहरिनिशिचरचरहिं दुष्टजंतुबनभूरि बिषबाटिकाकिसोहसुत सुभगसजीवनमूरि॥
चौ०। बनहितकोलकिरातकिशोरी रचीबिरंचिबिषयरसभोरी पाहनकृमिजिमिकठिनसुभाऊ तिनहिं-
कलेसनकाननकाऊ कैतापसतियकाननयोगू जिनतपहेतुतजासबभोगू सियबनबसिहितातकेहिभांती
चित्रलिखितकपिदेखिडेराती सुरसरसुभगबनजबनचारी डाबरयोगकिहंसकुमारी असबिचारिजस-
आयसुहोई मैंसिखदेउंजानकिहिसोई जौसियभवनरहैकहअंबा मोकहंहोइप्राणअवलंबा सुनिरघुबीर-
मातुप्रियबानी शीलसनेहसुधाजनुसानी॥
दो०। कहिप्रियबचनबिबेकमय कीन्हमातुपरितोष लगेप्रबोधनजानकिहि प्रगटिबिपिनगुणदोष॥

चौ०। मातुसमीपकहतसकुचाहीं बोलेसमयसमुझिमनमाहीं राजकुमारिसिखावनसुनहू आनभांति-
जियजनिकछुगुनहू आपनमोरनीकजौचहहू बचनहमारमानिघररहहू आयसुमोरसासुसेवकाई सब-
बिधिभामिनिभवनभलाई इहितेअधिकधर्मनहिंदूजा सादरसासुससुरपदपूजा जबजबमातुकरिहिसुधि-
मोरी होइहिप्रेमबिकलमतिभोरी तबतबतुमकहिकथापुराणी सुंदरिसमुझायेहुमृदुबाणी कहौंसुभाव-
शपथशतमोहीं सुमुखिमातुहितराखौंतोहीं॥

दो०। गुरुश्रुतिसम्मतधर्मफल पाइयबिनहिकलेश हठवशसबसंकटसहे गालवनहुषनरेश॥

चौ०। मैंपुनिकरिप्रमाणपितुबानी बेगिफिरबसुनुसुमुखिसयानी दिवसजातनहिंलागहिंबारा सुंदरि-
सिखवनसुनहुहमारा जौहठकरहुप्रेमबशबामा तौतुमदुखपाउबपरिणामा काननकठिनभयंकरभारी
घोरघामहिमबारिबयारी कुशकंटकमगकंकरनाना चलबपयादेहिबिनुपदत्राना चरणकमलमृदुमंजु-
तुम्हारे मारगअगमभूमिधरभारे कंदरखोहनदीनदनारे अगमअगाधनजाहिंनिहारे भालुबाघबृक-
केहरिनागा करहिंनादसुनिधीरजभागा॥

दो०। भूमिशयनबलकलबसन अशनकंदफलमूल तेकिसदासबदिनमिलहिं समयसमयअनुकूल॥

चौ०। नरअहाररजनीचरकरहीं कपटभेषबिधिकोटिनधरहीं लागैअतिपहारकरपानी बिपिनबिपति-
नहिंजातबखानी व्यालकरालबिहगबनघोरा निशिचरनिकरनारिनरचोरा डरपहिंधीरगहनसुधिआये
मृगलोचनितुमभीरुसुभाये हंसगवनितुमनहिंबनयोगू सुनिअपयशदैहहिंमोहिलोगू मानससलिल-
सुधाप्रतिपाली जियइकिलवणपयोधिमराली नवरसालबनबिहरणशीला सोहकिकोकिलबिपिनकरीला
रहहुभवनअसहृदयबिचारी चंद्रबदनिदुखकाननभारी॥

दो०। सहजसुहृदगुरुस्वामिसिख जोनकरैशिरमानि सोपछिताइअघाइउर अवशिहोइहितहानि॥

चौ०। सुनिमृदुबचनमनोहरपीके लोचननलिनभरेजलसीके शीतलसिखदाहकभइकैसें चकइहि-
शरदचांदनीजैसें उतरनआवबिकलबैदेही तजनचहतमोहिपरमसनेही बरबशरोकिबिलोचनबारी
धरिधीरजउरअवनिकुमारी लागिसासुपदकहकरजोरी छमबदेबिबडिअबिनयमोरी दीन्हप्राणपतिमोहि-
सिखसोई जेहिबिधिमोरपरमहितहोई मैंपुनिसमुझिदीखमनमाहीं पियबियोगसमदुखजगनाहीं॥

दो०। प्राणनाथकरुणायतन सुंदरसुखदसुजान तुमबिनुरघुकुलकुमुदबिधु सुरपुरनरकसमान॥

चौ०। मातुपिताभगिनीप्रियभाई प्रियपरिवारसुहृदसमुदाई सासुससुरगुरुसुजनसहाई सुतसुंदर-
सुशीलसुखदाई जहंलगिनाथनेहअरुनाते पियबिनुतियहितरणितेताते तनधनधामधरणिपुरराजू
पतिबिहीनसबशोकसमाजू भोगरोगसमभूषणभारू यमयातनासरिससंसारू प्राणनाथतुमबिनुजगमाहीं
मोकहंसुखदकतहुंकोउनाहीं जियबिनुदेहनदीबिनुबारी तैसहिनाथपुरुषबिनुनारी नाथसकलसुख-
साथतुम्हारे शरदबिमलबिधुबदननिहारे॥

दो०। खगमृगपरिजननगरबन बलकलबिमलदुकूल नाथसाथसुरसदनसम पर्णशालसुखमूल॥

चौ०। बनदेवीबनदेवउदारा करिहैंसासुससुरसमसारा कुशकिशलयसाथरीसुहाई प्रभुसंगमंजुमनोज-
तुराई कंदमूलफलअमियअहारू अवधसौधशतसरिसपहारू छिनछिनप्रभुपदकमलबिलोकी रहिहौं-

मुदितदिवसजिमिकोकी बनदुखनाथकहेबहुतेरे भयबिषादपरितापघनेरे प्रभुबियोगलवलेशसमाना सबमिलिहोहिंनकृपानिधाना असजियजानिसुजानशिरोमनि लेइयसंगमोहिछाडियजनि बिनतीबहुत-करौंकास्वामी करुणामयउरअंतरजामी ॥

दो०। राखियअवधतोअवधिलगि रहतजोजानियप्राण दीनबंधुसुंदरसुखद शीलसनेहनिधान ॥

चौ०। मोहिमगुचलतनहोइहिहारी क्षणक्षणचरणसरोजनिहारी सबहिभांतिपियसेवाकरिहौं मारग-जनितसकलश्रमहरिहौं पांवपखारिबैठितरुछाहीं करिहौंवायुमुदितमनमाहीं श्रमकणसहितश्याम-तनुदेखे कादुखसमयप्राणपतिपेखे सममहिपरतृणपल्लवडासी पायपलोटिहिसबनिशिदासी बारबार-मृदुमूरतिजोही लागिहिनापबयारिनमोही कोप्रभुसंगमोहिचितवनिहारा सिंहबधुहिजिमिशशकशिआरा मैंसुकुमारिनाथबनयोगू तुमहिंउचिततपमोकहंभोगू ॥

दो०। ऐसेउबचनकठोरसुनि जौनहृदयबिलगान तौप्रभुबिषमबियोगदुख सहिहैंपामरप्राण ॥

चौ०। असकहिसीयबिकलभइभारी बचनबियोगनसकीसंभारी देखिदशारघुपतिजियजाना हठिराखे-राखिहिनहिंप्राना कहेउकृपालुभानुकुलनाथा परिहरिसोचचलहुबनसाथा नहिंबिषादकरअवसरआजू बेगिकरहुबनगवनसमाजू कहिप्रियबचनप्रियासमुझाई लगेमातुपदआशिषपाई बेगिप्रजादुखमेटबआई जननीनिठुरबिसरिजनिजाई फिरिहिदशाबिधिबहुरिकिमोरी देखिहौंनैनमनोहरजोरी सुदिनसुघरी-तातकबहोई जननीजियतबदनबिधुजोई ॥

दो०। बहुरिबच्छकहिलालकहि रघुपतिरघुबरतात कबहिंबुलाइलगाइउर हरषिनिरखिहौंगात ॥

चौ०। लखिसनेहकातरिमहतारी बचननआवबिकलभइभारी रामप्रबोधकीन्हबिधिनाना समयसनेह-नजाइबखाना तबजानकीसासुपगलागी सुनियमायमैंपरमअभागी सेवासमयदैवबनदीन्हा मोर-मनोरथसुफलनकीन्हा तजबछोभजनिछाडबछोहू कर्मकठिनकछुदोषनमोहू सुनिसियबचनसासु-अकुलानी दशाकवनिबिधिकहौंबखानी बारहिबारलाइउरलीन्हो धरिधीरजशिखआशिषदीन्ही अचलहोउअहिवाततुम्हारा जबलगिगंगयमुनजलधारा ॥

दो०। सीतहिंसासुअशीससिख दीन्हअनेकप्रकार चलीनाइपदपदुमसिर अतिहितबारहिबार ॥

चौ०। समाचारजबलक्ष्मणपाये व्याकुलबिलखिबदनउठिधाये कंपपुलकतनुनयनसनीरा गहेचरण-अतिप्रेमअधीरा कहिनसकतकछुचितवतठाढे मीनदीनजनुजलतेंकाढे सोचहृदयबिधिकाहोनिहारा सबसुखसुकृतसिरानहमारा मोकहंकहाकहबरघुनाथा रखिहैंभवनकिलेहहिंसाथा रामबिलोकिबंधु-करजोरे देहगेहसबसनतृणतोरे बोलेबचनरामनयनागर शीलसनेहसरलसुखसागर तातप्रेमबशजनि-कदराहू समुझिहृदयपरिणामउछाहू ॥

दो०। मातुपितागुरुस्वामिसिख सिरधरिकरहिंसुभाय लहेउलाभतिनजन्मके नतरुजन्मजगजाय ॥

चौ०। असजियजानिसुनहुसिखभाई करौमातुपितुपदसेवकाई भवनभरतरिपुसूदननाहीं राउवृद्धमम-दुखमनमाहीं मैंबनजाउंतुमहिलेसाथा होइहिसबबिधिअवधअनाथा गुरुपितुमातुप्रजापरिवारू सब-कहंपरैदुसहदुखभारू रहहुकरहुसबकरपरितोषू नतरुतातहोइहिबड़दोषू जासुराजप्रियप्रजादुखारी

सोनृपअवशिनर्कअधिकारी रहहुतातअसिनीतिबिचारी सुनतलषणभयेव्याकुलभारी सियरेवदनहुखि-
गोकैसें परसततुहिनतामरसजैसें ॥

दो०। उतरनआवतप्रेमबश गहेचरणअकुलाइ नाथदासमैंस्वामितुम तजहुतौकहाबसाइ ॥

चौ०। दीन्हमोहिसिखनीकिगुसाईं लागतअगमअपनिकदराईं नरबरधीरधर्मधुरधारी निगमनीति-
केतेअधिकारी मैंशिशुप्रभुसनेहप्रतिपाला मंदरमेरुकिलेइमराला गुरुपितुमातुनजानौंकाहू कहौं-
सुभावनाथपतियाहू जहंलगिजगतसनेहसगाई प्रीतिप्रतीतिनीतिनिपुणाई मोरेसबैएकतुमस्वामी
दीनबंधुउरअंतरजामी धर्मनीतिउपदेशियताही कीरतिभूतिसुगतिप्रियजाही मनक्रमबचनचरणरतहोई
कृपासिंधुपरिहरियकिसोई ॥

दो०। करुणासिंधुसुबंधुके सुनिमृदुबचनबिनीत समुझायेउरलाइप्रभु जानिसनेहसभीत ॥

चौ०। मांगहुबिदामातुसनजाई आवहुबेगिचलहुबनभाई मुदितभयेसुनिरघुबरबानी भयेउलाभबड-
मिटीगलानी हरषितहृदयमातुपहंआये मनहुंअंधफिरिलोचनपाये जाइजननिपगनायेउमाथा मन-
रघुनंदनजानकिसाथा पूछेउमातुमलिनमनदेषी लषणकहेउसबकथाबिशेषी गईसहमिसुनिबचनकठोरा
मृगीदेखिजनुदवचहुंओरा लषणलखेउभाअनरथआजू इनसनेहबशकरबअकाजू मांगतबिदासभय-
सकुचाहीं जानसंगबिधिकहहिकिनाहीं ॥

दो०। समुझिसुमित्रारामसिय रूपसुशीलसुभाव नृपसनेहलखिधुनेउसिर पापिनिकीन्हकुदाव ॥

चौ०। धीरजधरेउकुअवसरजानी सहजसुहृदबोलीमृदुबानी ताततुम्हारिमातुबैदेही पितारामसब-
भांतिसनेही अवधतहांजहंरामनिवासू तहांदिवसजहंभानुप्रकासू जौपैसोयरामबनजाहीं अवधतुम्हार-
काजकछुनाहीं गुरुपितुमातुबंधुसुरसाईं सेइयसकलप्राणकीनाईं रामप्राणप्रियजीवनजीके स्वारथ-
रहितसखासबहीके पूजनीयप्रियपरमजहांते मानियसबहिरामकेनाते असजियजानिसंगबनजाहू लेहु-
तातजगजीवनलाहू ॥

दो०। भूरिभागभाजनभयेहु मोहिसमेतबलिजाउं जौतुम्हारमनछाडिछल कीन्हरामपदठाउं ॥

चौ०। पुत्रवतीयुबतीजगसोई रघुबरभक्तजासुसुतहोई नतरुबांझभलिबादिबियानी रामबिमुखसुत-
तेहितहानी तुम्हरेहिभागरामबनजाहीं दूसरहेतुतातकछुनाहीं सकलसुकृतकरफलसुतयेहू रामसीय-
पदसहजसनेहू रागरोषइरषामदमोहू जनिसपनेहुइनकेबशहोहू सकलप्रकारबिकारबिहाई मनक्रम-
बचनकरेहुसेवकाई तुमकहंबनसबभांतिसुपासू संगपितुमातुरामसियजासू जेहिनरामबनलहहिंकलेसू
सुतसोइकरेहुइहैउपदेसू ॥

छं०। उपदेशयहजेहिताततुम्हतेंरामसियसुखपावहीं पितुमातुप्रियपरिवारपुरसुखसुरतिबनबिसरावहीं ॥
तुलसीसुतहिसिखदेइआयसुदेइपुनिआशिषदई रतिहोउअबिरलअमलसियरघुबीरपदनितनितनई ॥

सो०। मातुचरणसिरनाइ लषणचलेशंकितहिये बागुरुबिषमतुराइ मनहुंभागमृगभागबश ॥

चौ०। गयेलषणजहंजानकिनाथा भयेमनमुदितपाइप्रियसाथा बंदिरामसियचरणसुहाये चलेसंगनृप-
मंदिरआये कहहिंपरसपरपुरनरनारी भलिबनाइबिधिबातबिगारी तनुकृशमनदुखबदनमलीना बिकल-

मनहुंमाखीमधुछीना करमींजहिंसिरधुनिपछिताहीं अनुबिनुपंखबिहंगअकुलाहीं भइबडिभीरभूपदरबारा
बरणिनजाइबिषादअपारा सचिवउठाइराउबैठारे कहिप्रियबचनरामपगुधारे सियसमेतदोउतनयनिहारी
व्याकुलभयेभूमिपतिभारी ॥

दो०। सीयसहितसुतशुभगदोउ देखिदेखिअकुलाइ बारहिंबारसनेहबश राउलियेउरलाइ ॥

चौ०। सकेनबोलिबिकलनरनाहू शोकबिवशउरदारुणदाहू नाइसीसपदअतिअनुरागा उठिरघुनाथ-
बिदातबमांगा पितुअशीसआयसुमोहिदीजे हर्षसमयबिस्मयकतकीजे तातकियेप्रियप्रेमप्रमादू यशजग-
जाइहोइअपबादू सुनिसनेहबशउठिनरनाहू बैठारेरघुपतिगहिबाहू सुनहुताततुमकहंमुनिकहहीं राम-
चराचरनायकअहहीं शुभअरुअशुभकर्मअनुहारी ईशदेइफलहृदयबिचारी करैजोकर्मपावफलसोई
निगमनीतिअसकहसबकोई ॥

दो०। औरकरैअपराधकोइ औरपावफलभोग अतिबिचित्रभगवंतगति कोजगजानैयोग ॥

चौ०। राउरामराखनहितलागी बहुतउपायकीन्हछलत्यागी लखेउरामरुखरहतनजाने धर्मधुरन्धर-
धीरसयाने तबनृपसीयलाइउरलीनी अतिहितबहुतभांतिसिखदीनी कहिबनकेदुखदुसहसुनाये सासु-
ससुरपितुसुखसमुझाये सियमनरामचरणअनुरागा घरनसुगमबनअगमनलागा औरौसबहिसीय-
समुझाई कहिकहिबिपिनिबिपतिअधिकाई सचिवनारिगुरुनारिसयानी सहितसनेहकहहिंमृदुबानी
तुमकहंतौनदीन्हबनबासू करहुजोकहहिससुरगुरुसासू ॥

दो०। सिखशीतलहितमधुरमृदु सुनिसीतहिंनसुहानि शरदचंदचांदनीलगत जनुचकईअकुलानि ॥

चौ०। सीयसकुचबशउतरनदेई सोसुनितमकिउठीकैकेई मुनिपटभूषणभाजनआनी आगेंधरिबोली-
मृदुबानी नृपहिप्राणप्रियतुमरघुबीरा शीलसनेहनछाडहिंभीरा सुकृतसुयशपरलोकनसाऊ तुमहि-
जानबनकहहिंनराऊ असबिचारिसोइकरौजुभावा रामजननिसिखसुनिसुखपावा भूपहिबचनबाणसम-
लागे करहिंनप्राणपयानअभागे शोकबिकलमुर्छितनरनाहू काहकरियकछुहृदनकाहू रामतुरतमुनि-
भेषबनाई चलेजनकजननीसिरनाई ॥

दो०। सजिबनसाजसमाजसब बनिताबंधुसमेत बंदिबिप्रगुरुचरणप्रभु चलेकरिसबहिअचेत ॥

चौ०। निकसिबसिष्ठद्वारभयेठाढे देखेलोगबिरहदवडाढे कहिप्रियबचनसबहिंसमुझाये बिप्रबृन्द-
रघुबीरबुलाये गुरुसनकहिबरषाशनदीन्हे आदरदानबिनयबहुकीन्हे याचकदानमानसन्तोषे मीत-
पुनीतप्रेमपरिपोषे दासीदासबुलाइबहोरी गुरुहिसौंपिबोलेकरजोरी सबकरसारसंभारगुसाईं करब-
जनकजननीकीनाईं बारहिंबारजोरियुगपाणी कहतरामसबसनमृदुबाणी सोइसबभांतिमोरहितकारी
जेहितेंरहनरनाहसुखारी ॥

दो०। मातुसकलमोरेबिरह जेहिनहोहिंदुखदीन सोउपायतुमकरबसब पुरजनपरमप्रबीन ॥

चौ०। इहिबिधिरामसबहिंसमुझावा गुरुपदपद्महरषिसिरनावा गणपतिगौरिगिरीशमनाई चलेअशीस-
पाइरघुराई रामचलतअतिभयेउबिषादू सुनिनजाइपुरआरतनादू कुशगुनलंकअवधअतिशोकू हर्षबिषाद-
बिबशसुरलोकू गैमूर्छातबभूपतिजागे बोलिसुमंतकहनअसलागे रामचलेबनप्राणनजाहीं केहिसुख-

लागिरहतननुमाहीं इहितेंकवनिव्यथाबलवाना जोदुखपाइतजहितनुप्राना पुनिधरिधीरकहहिंनरनाह लैरथसंगसखातुमजाह ॥

दो०। सुठिसुकुमारकुमारदोउ जनकसुतासुकुमारि रथचढाइदिखराइबन फिरेहुगयेदिनचारि॥

चौ०। जोनहिंफिरहिंधीरदोभाई सत्यसिंधुदृढव्रतरघुराई तौतुमविनयकरेहुकरजोरी फेरियप्रभुमिथिलेशकिशोरी जबसियकाननदेखिडेराई कहेहुमोरिसिखअवसरपाई सासुससुरअसकहेउसंदेसु पुत्रिफिरियबनबहुतकलेसु पितुगृहकबहुंकबहुंससुरारी रहेहुजहांरुचिहोइतुम्हारी इहिविधिकरेहुउपायकदंबा फिरइतोहोइप्राणअवलंबा नाहितमोरमरणपरिणामा कछुनवसाइभयेविधिबामा असकहिमूर्छिपरेमहिराऊ रामलषणसियआनिदेखाऊ ॥

दो०। पायरजायसुनाइसिर रथअतिबेगिबनाइ गयेजहांबाहरनगर सीयसहितदोभाइ ॥

चौ०। तबसुमंतनृपबचनसुनाये करिबिनतीरथरामचढाये चढिरथसीयसहितदोभाई चलेहृदयअवधहिंसिरनाई चलतरामलखिअवधअनाथा विकललोगलागेसबसाथा कृपासिंधुबहुबिधिसमुझावहिं फिरहिंप्रेमवशपुनिफिरिआवहिं लागतिअवधभयानिकभारी मानहुंकालरातिअंधियारी घोरजन्तुसबपुरनरनारी डरपहिंएकहिएकनिहारी घरमसानपरिजनजनुभूता सुतहितमीतमनहुंयमदूता बागनिबिटपबेलिकुंभिलाहीं सरितसरोवरदेखिनजाहीं ॥

दो०। हयगजकोटिककेलिमृग पुरपशुचातकमोर पिकरथांगशुकशारिका सारसहंसचकोर ॥

चौ०। रामबियोगविकलसबठाढे जहंतहंमनहुंचित्रलिखिकाढे नगरसकलबनगहवरभारी खगमृगविकलसकलनरनारी विधिकैकयिहिकिरातिनिकीनी जेइदवदुसहदशहुंदिशिदीनी सहिनसकेरघुवरबिरहागी चलेलोगसबव्याकुलभागी सबहिविचारकीन्हमनमाहीं रामलषणसियविनुसुखनाहीं जहांरामतहंसकलसमाजू विनुरघुवीरअवधकेहिकाजू चलेसाथअसमंत्रदृढाई सुरदुर्लभसुखसदनबिहाई रामचरणपंकजप्रियजिनहीं विषयभोगवशकरैंकितिनहीं ॥

दो०। बालकवृद्धबिहाइगृह लगेलोगसबसाथ तमसातीरनिवासकिय प्रथमदिवसरघुनाथ ॥

चौ०। रघुपतिप्रजाप्रेमबशदेखी सदयहृदयदुखभयउविशेषी करुणामयरघुनाथगुसाईं बेगिपाइयहपीरपराई कहिसप्रेममृदुवचनसुहाये बहुबिधिरामलोगसमुझाये कियेधर्मउपदेशघनेरे लोगप्रेमबशफिरहिंनफेरे शीलसनेहछाडिनहिंजाई असमंजसबशभेरघुराई लोगशोकश्रमबशगयेसोई कछुकदेवमायामतिमोई जबहियामयुगयामिनिबीती रामसचिवसनकहेउसप्रीती खोजमारिरथहांकहुताता आनउपायबनिहिनहिंबाता ॥

दो०। रामलषणसिययानचढि शंभुचरणसिरनाइ सचिवचलायेउतुरतरथ इतउतखोजदुराइ ॥

चौ०। आगेसकललोगभयेभोरु गयेरघुवीरभयौअतिसोरु रथकरखोजकतहुंनहिंपावहिं रामरामकहिचहुंदिशिधावहिं मनहुंबारिनिधिबूडजहाजू भयउविकलजनुवणिकसमाजू एकहिएकदेहिंउपदेशू तजेउरामहमजानिकलेशू निंदहिआपुसराहहिंमीना धृगजीवनरघुवीरबिहीना जौपैप्रियबियोगबिधिकीन्हा तौकसमरणनमांगेदीन्हा इहिविधिकरतप्रलापकलापा आयेअवधभरेपरितापा विषमबियोगनजाइबखाना अवधिआशराखहिंसवप्राना ॥

दो०। रामदरशहितनेमब्रत लगेकरणनरनारि मनहुंकोककोकीकमल दीनविहीनतमारि ॥
चौ०। सीतासचिवसहितदोभाई शृंगवेरपुरपहुंचेजाई उतरेरामदेवसरिदेषी कीन्हदंडवतहरषविशेषी
लषणसचिवसियकीन्हप्रणामा सबहिसहितसुखपायेउरामा गंगसकलमुदमंगलमूला सबसुखकरणि-
हरणिसबशूला कहिकहिकोटिककथाप्रसंगा रामविलोकतगंगतरंगा सचिवहिअनुजहिप्रियहिसुनाई
बिबुधनदीमहिमाअधिकाई मज्जनकीन्हपंथश्रमगयऊ शुचिजलपियतमुदितमनभयऊ सुमिरतजाहि-
मिटहिंभवभारू तेहिश्रमयहलौकिकव्यवहारू ॥

दो०। शुद्धसच्चिदानंदमय रामभानुकुलकेतु चरितकरतनरअनुहरत संसृतिसागरसेतु ॥
चौ०। यहसुधिगुहनिषादजबपाई मुदितलियेप्रियबंधुबुलाई लैफलमूलभेंटभरिभारा मिलनचल्यौ-
हियहर्षअपारा करिदंडवतभेंटधरिआगे प्रभुहिंविलोकतअतिअनुरागे सहजसनेहविबशरघुराई पूछेउ-
कुशलनिकटबैठाई नाथकुशलपदपंकजदेखे भयेउंभाग्यभाजनजनलेखे देवधरणिधनधामतुम्हारा
मैंजननीचसहितपरिवारा कृपाकरियपुरधारियपाऊ थापियजनसबलोगसिहाऊ कहेहुसत्यसबसखा-
सुजाना मोहिदीन्हपितुआयसुआना ॥

दो०। बर्षचारिदशबासबन मुनिब्रतभेषअहार ग्रामबासनहिंउचितसुनि गुहहिभयोदुखभार ॥
चौ०। रामलषणसियरूपनिहारी कहहिंसप्रेमनगरनरनारी तेपितुमातुकहहुसखिकैसे जिनपठएबन-
बालकऐसे एककहैंभूपतिभलकीन्हा लोचनलाहुहमहिंजिन्हदीन्हा तबनिषादपतिउरअनुमाना तरु-
शिंशिपामनोहरजाना लैरघुनाथहिंठामबतावा कहेउरामसबभांतिसुहावा पुरजनकरिजुहारगृहआये
रघुबरसंध्याकरणसिधाये गुहसंवारिसाथरीबनाई कुशकिशलयमृदुपरमसुहाई शुचिफलमूलमधुरमृदु-
जानी दोनाभरिभरिराखेसिआनी ॥

दो०। सियसुमंतभ्रातासहित कन्दमूलफलखाइ शयनकीन्हरघुबंशमणि पायपलोटतभाइ ॥
चौ०। उठेलषणप्रभुसोवतजानी कहिसचिवहिंसोवनमृदुबानी कछुकदूरिसजिबाणशरासन जागन-
लगेबैठिबीरासन गुहबुलाइपाहरूप्रतीती ठांवठांवराखेअतिप्रीती आपुलषणपहंबैठेउजाई कटिभाथाशर-
चापचढाई सोवतप्रभुहिनिहारिनिषादा भयेउप्रेमबशहृदयबिषादा तनुपुलकितलोचनजलबहई बचन-
सप्रेमलषणसनकहई भूपतिभवनसुसहजसुहावा सुरपतिसदननपटतरपावा मणिमयरचितचारुचौवारे
जनुरतिपतिनिजहाथसंवारे ॥

दो०। शुचिसुबिचित्रसुभोगमय सुमनसुगंधसुबास पलंगमंजुमणिदीपजहं सबविधिसकलसुपास ॥
चौ०। विविधवसनउपधानतुराई छीरफेनमृदुविशदसुहाई तहंसियरामशयननिशिकरहीं निजछबि-
रतिमनोजमदहरहीं तेसियरामसाथरीसोये श्रमितबसनबिनजाहिनजोये मातुपितापरिजनपुरवासी
सखासुशीलदासअरुदासी जुगवहिंजिनहिंप्राणकीनाई महिसोवतसोरामगुसाई पिताजनकजगबिदित-
प्रभाऊ ससुरसुरेशसखारघुराऊ रामचन्द्रपतिसोबैदही महिसोवतिबिधिबामनकेही सियरघुबीरकि-
काननयोगू कर्मप्रधानसत्यकहलोगू ॥

दो०। केकयनन्दिनिमंदमति कठिनकुटिलपनकीन्ह जेहिरघुनंदनजानकिहि सुखअवसरदुखदीन्ह ॥

चौ०। भइदिनकरकुलबिटपकुठारी कुमतिकीन्हसबबिस्वदुखारी रामसीयमहिसयननिहारी भयेउ-
बिषादनिषादहिभारी बोलेलषणमधुरमृदुबानी ज्ञानबिरागभक्तिरससानी कोउनकाहुदुखसुखकरदाता
निजकृतकर्मभोगसबभ्राता योगबियोगभोगभलमंदा हितअनहितमध्यमभ्रमफंदा जनममरणजहंलगि-
जगजालू संपतिबिपतिकर्मअरुकालू धरणिधामधनपुरपरिवारू स्वर्गनरकजहंलगिव्यवहारू देखिय-
सुनियगुणियमनमाहीं मोहमूलपरमारथनाहीं ॥

दो०। सपनेहोइभिखारिनृप रंकनाकपतिहोइ जागेलाभनहानिकछु तिमिप्रपंचजियजोइ ॥

चौ०। असबिचारिनहिंकोजियरोषू बादिकाहुनहिंदोजियदोषू मोहनिशासबसोवनिहारा देखहिं-
स्वप्नअनेकप्रकारा इहिजगयामिनिजागहिंयोगी परमारथपरिपंचबियोगी जानियतबहिंजीवजगजागा
जबसबबिषयबिलासबिरागा होइबिवेकमोहभ्रमभागा तबरघुबीरचरणअनुरागा सखापरमपरमारथएहु
मनक्रमबचनरामपदनेहु रामब्रह्मपरमारथरूपा अबिगतिअलखअनादिअनूपा सकलबिकाररहितगत-
भेदा कहिनितिनेतिनिरूपहिंबेदा ॥

दो०। भक्तभूमिभूसुरसुरभि सुरहितलागिकृपाल करतचरितधरिमनुजतनु सुनतमिटैजगजाल ॥

चौ०। सखासमुझिअसपरिहरिमोहू सियरघुबीरचरणरतहोहू कहतरामगुणभाभिनुसारा जागेजग-
मंगलदातारा सकलशौचकरिरामअन्हाये शुचिसुजानबटछीरमंगाये अनुजसहितशिरजटाबनाये
देखिसुमंतनयनजलछाये हृदयदाहअतिबदनमलीना कहकरजोरिबचनअतिदीना नाथकहेउअस-
कोशलनाथा लैरथजाहुरामकेसाथा बनदिखाइसुरसरिअन्हवाई आनेहुबेगिफेरिदोउभाई लषणराम-
सियआनेहुफेरी संशयसकलसकोचनिबेरी ॥

दो०। नृपअसकहेउगुसाइंजस कहियकरौंबलिसोइ करिबिनतीपायनपरेउ दीनबालजिमिरोइ ॥

चौ०। तातकृपाकरिकीजियसोई जातेअवधअनाथनहोई मंत्रिहिरामउठाइप्रबोधा तातधर्ममतुतुम-
सबशोधा शिबिदधीचिहरिचन्दनरेशा सहेधर्महितकोटिकलेशा रंतिदेवबलिभूपसुजाना धर्मधरेउ-
सहिसंकटनाना धर्मनदूसरसत्यसमाना आगमनिगमपुराणबखाना मैंसोइधर्मसुलभकरिपावा तजे-
सोतिहुंपुरअपयशछावा संभावितकहंअपयशलाहू मरणकोटिसमदारुणदाहू तुमसनतातबहुतकाकहऊं
दियेउतरफिरिपातकलहऊं ॥

दो०। पितुपदगहिकहिकोटिबिधि बिनयकरबकरजोरि चिन्ताकवनिहुबातकी तातकरियजनिमोरि ॥

चौ०। तुमपुनिपितुसमानहितमोरे बिनतीकरौंतातकरजोरे सबबिधिसोइकरतव्यतुम्हारे दुखनपाव-
नृपसोचहमारे सुनिरघुनाथसचिवसंबादू भयेउसपरिजनबिकलनिषादू पुनिकछुलषणकहेउकटुबानी
प्रभुबरजेउबडअनुचितजानी सकुचिरामनिजशपथदिवाई लषणसंदेसकहबजनिजाई कहसुमंतपुनि-
भूपसंदेसू सहिनसकिहिसियबिपिनकलेसू जेहिबिधिअवधआवफिरिसीया सोइरघुनाथतुमहिकरणीया
नतरुनिपटअवलंबबिहीना मैंनजियबजिमिजलबिनुमीना ॥

दो०। मैकेससुरेसकलसुख जबहिंजहांमनमान तबतहंरहबसुखेनसिय जबलगिबिपतिबिहान ॥

चौ०। बिनतीकीन्हभूपजेहिभांती आरतिप्रीतिनसोकहिजाती पितुसंदेससुनिकृपानिधाना सियहि-

दीन्हसिखकोटिबिधाना सासुससुरगुरुप्रियपरिवारू फिरहुतौसबकरमिटैषभारू सुनिपतिबचनकहति-
बैदेही सुनहुप्राणपतिपरमसनेही प्रभुकरुणामयपरमबिबेकी तनुतजिरहतिछांहकिमिछेकी प्रभाजाइ-
कहंभानुबिहाई कहंचंद्रिकाचंद्रतजिजाई पतिहिप्रेममयबिनयसुनाई कहतिसचिवसनगिरासुहाई तुम-
पितुससुरसरिसहितकारी उतरदेउंफिरिअनुचितभारी॥

दो०। आरतबशसन्मुखभइउं बिलगनमानबतात आरजसुतपदकमलबिनु बादिजहांलगनात॥

चौ०। पितुबैभवबिलाससैंदीठा नृपमणिमुकुटमिलतपदपीठा सुखनिधानअसपितुगृहमोरे पति-
बिहीनमनभावनभोरे ससुरचक्कवयकोशलराऊ भुवनचारिदशप्रगटप्रभाऊ आगेहोइजेहिसुरपतिलेई
अर्द्धसिंहासनआसनदेई ससुरएतादृशअवधनिवासू प्रियपरिवारमातुसमसासू बिनुरघुपतिपदपदुम-
परागा मोहिकोउसपनेहुंसुखदनलागा अगमपंथबनभूमिपहारा करिकेहरिसरसरितअपारा कोल-
किरातकुरंगबिहंगा मोहिसबसुखदप्राणपतिसंगा॥

दो०। सासुससुरसनमोरिहुति बिनयकरबपरिपाय मोरसोचजनिकरियकछु मैंबनसुखीसुभाय॥

चौ०। प्राणनाथप्रियदेवरसाथा बीरधुरीणधरेधनुभाथा नहिंमगुश्रमभ्रमदुखमनमोरे मोहिलगिसोच-
करियजनिभोरे सुनिसुमंतसियशीतलबानी भयेबिकलजनुफणिमणिहानी नयननसूझसुनैनहिंकाना
कहिनसकैकछुअतिअकुलाना रामप्रबोधकीन्हबहुभांती तदपिहोइनहिंशीतलछाती यतनअनेकसाथ-
हितकीन्हा उचितउतररघुनंदनदीन्हा मेटिजाइनहिंरामरजाई कठिनकर्मगतिकछुनबसाई रामलषण-
सियपदसिरनाई फिरेबणिकजिमिमूरगंवाई॥

दो०। रथहांकेहयरामतनु हेरिहेरिहिहिनाहिं देखिनिषादबिषादबश सिरधुनिधुनिपछिताहिं॥

चौ०। जासुबियोगबिकलपशुऐसे प्रजामातुपितुजीवहिंकैसे बरबशरामसुमंतपठाये सुरसरितीरआपु
चलिआये मांगीनावनकेवटआना कहैतुम्हारमरममैंजाना चरणकमलरजकहंसबकहई मानुषकरणि-
मूरिकछुअहई छुअतशिलाभइनारिसुहाई पाहनतेनकाठकठिनाई तरणिउमुनिघरनीहोइजाई बाट-
परेमोरिनावउड़ाई यहप्रतिपालैसबपरिवारू नहिंजानौंकछुऔरकबारू जौप्रभुअवशिपारगाचहहू
तौपदपदुमपखारणकहहू॥

छं०। पदपद्मधोइचढ़ाइनावननाथउतराईचहौं मोहिरामराउरिआनिदशरथशपथसबसांचीकहौं॥
बरुतीरमारहिंलषणपैजबलगिनपावपखारिहौं तौलगिनतुलसीदासनाथकृपालुपारउतारिहौं॥

सो०। सुनिकेवटकेबैन प्रेमलपेटेअटपटे बिहंसेकरुणाऐन चितैजानकीलषणतन॥

चौ०। कृपासिंधुबोलेमुसुकाई सोइकरहुजेहिनावनजाई बेगिआनिजलपावपखारू होतबिलंबउतारहु-
पारू जासुनामसुमिरतएकबारा उतरहिंनरभवसिंधुअपारा सोकृपालुकेवटहिनिहोरा जेहिकियेजग-
तिहुंपगहुतेथोरा पदनखनिरखिदेवसरिहरषी सुनिप्रभुबचनमोहमतिकरषी केवटरामरजायसुपावा
पानिकठवताभरिलैआवा अतिआनंदउमगिअनुरागा चरणसरोजपखारनलागा बरषिसुमनसुरसकल-
सिहाहीं इहिसमपुण्यपुञ्जकोउनाहीं॥

दो०। पदपखारिजलपानकरि आपुसहितपरिवार पितरपारकरिप्रभुहिपुनि मुदितगयेउलैपार॥

चौ०। उतरिठाढभयेसुरसरिरेता सीयरामगुहलषणसमेता केवटउतरिदंडवतकीन्हा प्रभुसकुचेइहि-
कछुनहिंदीन्हा पियहियकीसियजाननिहारी मनिमुंदरीमनमुदितउतारी कहेउक्रपालुलेहुउतराई
केवटचरणगहेउअकुलाई नाथआजुहमकाहनपावा मिटेदोषदुखदारिददावा बहुतकालमैंकीन्ह-
मजूरी आजुदीन्हविधिसबभरिपूरी अबकछुनाथनचाहियमोरे दीनदयालअनुग्रहतोरे फिरतिबार-
जोकछुमोहिदेवा सोप्रसादमैंशिरधरिलेवा ॥

दो०। बहुतकीन्हहठलषणप्रभु नहिंकछुकेवटलेइ बिदाकीन्हकरुणायतन भक्तिबिमलबरदेइ ॥

चौ०। तबमज्जनकरिरघुकुलनाथा पूजिपारथीनायउमाथा सियसुरसरिहिकहाकरजोरी मातुमनोरथ-
पुरउबमोरी पतिदेवरसंगकुशलबहोरी आइकरौंजेहिपूजातोरी सुनिसियबिनयप्रेमरससानी भइतब-
बिमलबारिबरबानी सुनुरघुबीरप्रियाबैदेही तवप्रभावजगबिदितनकेही लोकपहोहिंबिलोकततोरे
तोहिसेवहिंसबसिधिकरजोरे तुमजोहमहिंबडिबिनयसुनाई क्रपाकीन्हमोहिदीन्हबडाई तदपिदेविमैं-
देवअशीसा सुफलहोनहितनिजबागीशा ॥

दो०। प्राणनाथदेवरसहित कुशलकोशलाआइ पूरिहिसबमनकामना सुयशरहिहिजगछाइ ॥

चौ०। गंगबचनसुनिमंगलमूला मुदितसीयसुरसरिअनुकूला तबप्रभुगुहहिकहाघरजाहू सुनतसूख-
मुखभाउरदाहू दीनबचनगुहकहकरजोरी बिनयसुनियरघुकुलमणिमोरी नाथसाथरहिपंथदिखाई
करिदिनचारिचरणसेवकाई जेहिबनजाइरहबरघुराई पर्णकुटीमैंकरबसुहाई तबमोकहंजसदेवरजाई
सोकरिहौंरघुबीरदुहाई सहजसनेहरामलखिताहू संगलीन्हगुहहृदयहुलाहू पुनिगुहज्ञातिबोलिसब-
लीन्हा करिपरितोषबिदातबकीन्हा ॥

दो०। तबगणपतिशिवसुमिरिप्रभु नाइसुरसरिहिमाथ सखाअनुजसियसहितबन गवनकीन्हरघुनाथ ॥

चौ०। तेहिदिनभयेउबिटपतरबासू लषणसखासबकीन्हसुपासू प्रातप्रातक्रतकरिरघुराई तीरथराज-
दीखप्रभुजाई सचिवसत्यश्रद्धाप्रियनारी माधवसरिसमीतहितकारी चारिपदारथभराभंडारू पुण्यप्रदेश-
देशअतिचारू क्षेत्रअगमगढगाढसुहावा सपनेहुजिन्हप्रतिपक्षनपावा सेनसकलतीरथबरबीरा कलुष-
अनीकदलनरणधीरा संगमसिंहासनसुठिसोहा छत्रअक्षयबटमुनिमनमोहा चंवरयमुनजलगंगतरंगा
देखिहोहिंदुखदारिदभंगा ॥

दो०। सेवहिंसुक्रतीसाधुशुचि पावहिंसबमनकाम बंदीवेदपुराणगण कहहिंबिमलगुणग्राम ॥

चौ०। कोकहिसकैप्रयागप्रभाऊ कलुषपुंजकुंजरम्रगराऊ असतीरथपतिदेखिसुहावा सुखसागररघु-
बरसुखपावा कहिसियअनुजहिंसखहिंसुनाई श्रीमुखतीरथराजबडाई करिप्रणामदेखतबनबागा कहत-
महातमअतिअनुरागा इहिबिधिआइबिलोकेउबेनी सुमिरतसकलसुमंगलदेनी मुदितनहाइकीन्हशिव-
सेवा पूजियथाबिधितीरथदेवा तबप्रभुभरद्वाजपहंआये करतदंडवतमुनिउरलाये मुनिमनमोदनकछु-
कहिजाई ब्रह्मानंदराशिजनुपाई ॥

दो०। दीन्हअशीसमुनीशउर अतिअनंदअसजानि लोचनगोचरसुक्रतफल मनहुंकियेबिधिआनि ॥

चौ०। कुशलप्रश्नकरिआसनदीन्हा पूजिप्रेमपरिपूरणकीन्हा कंदमूलफलअंकुरनीके दियेआनिमुनि-

मनहुंश्रमोके सीयलषणजनसहितसुहाये अतिरुचिराममूलफलखाये भयेबिगतश्रमरामसुखारे भरद्वाजमृदुबचनउचारे आजुसुफलतपतीरथजागू आजुसुफलजपयोगबिरागू सुफलसकलशुभसाधनसाजू रामतुमहिंअवलोकतआजू लाभअवधिसुखअवधिनदूजी तुम्हरेदरशआससबपूजी अबकरिकृपादेहुबरएहु निजपदसरसिजसहजसनेहु ॥

दो०। कर्मबचनमनछाडिछल जबलगिजननतुम्हार तबलगिसुखसपनेहुनहीं कियेकोटिउपचार ॥

चौ०। सुनिमुनिबचनरामसकुचाने भावभक्तिआनंदअघाने तबरघुबरमुनिसुयशसुहावा कोटिभांतिकहिसबहिसुनावा सोबडसोसबगुणगणगेहु जेहिमुनीशतुमआदरदेहु मुनिरघुबीरपरस्परनवहीं बचनअगोचरसुखअनुभवहीं यहसुधिपाइप्रयागनिवासी बटुतापसमुनिसिद्धउदासी भरद्वाजआश्रमसबआये देखनदशरथसुवनसुहाये रामप्रणामकीन्हसबकाहु मुदितभयेलहिलोचनलाहु देहिंअशीसपरमसुखपाई फिरेसराहतसुंदरताई ॥

दो०। रामकीन्हबिश्रामनिशि प्रातप्रयागनहाइ चलेसहितसियलषणजन मुदितमुनिहिसिरनाइ ॥

चौ०। रामसप्रेमकहेउमुनिपाहीं नाथकहियहमकेहिमगजाहीं सुनिमुनिबिहसिरामसनकहहीं सुगमसकलमगतुमकहंअहहीं साथलागिमुनिशिष्यबुलाये सुनिमनमुदितपचासकआये सबहिरामपदप्रेमअपारा सबहिकहहिंमगदीखहमारा मुनिबटुचारिसंगतबदीन्हे जिन्हबहुजन्मसुकृतबडकीन्हे करिप्रणाममुनिआयसुपाई प्रमुदितहृदयचलेरघुराई ग्रामनिकटजबनिसरहिंजाई देखहिंदरशनारिनरधाई होहिंसनाथजन्मफलपाई फिरहिंदुखितमनसंगपठाई ॥

दो०। बिदाकीन्हबटुबिनयकरि फिरेपाइमनकाम उतरिनहानेयमुनजल जोशरीरसमश्याम ॥

चौ०। सुनततीरबासीनरनारी धायेनिजनिजकाजबिसारी लषणरामसियसुंदरताई देखिकरहिंनिजभाग्यबडाई अतिलालसासबहिमनमाहीं नांवगांवपूछतसकुचाहीं जेतिनमहंबयबृद्धसयाने तिन्हकरियुक्तिरामपहिचाने सकलकथाकहितिनहिंसुनाई बनहिचलेपितुआयसुपाई सुनिसबिषादसकलपछिताहीं रानीरायकीन्हभलनाहीं रामलषणसियरूपनिहारी सोचसनेहबिकलनरनारी तेपितुमातुकहोसखिकैसे जिनपठयेबनबालकऐसे ॥

दो०। तबरघुबीरअनेकबिधि सखहिसिखावनदीन्ह रामरजायसुसीसधरि गवनभवनतिन्हकीन्ह ॥

चौ०। पुनिसियरामलषणकरजोरी यमुनहिकीन्हप्रणामबहोरी गवनेसीयसहितदोभाई रबितनयाकरिकरतबडाई पथिकअनेकमिलहिंमगजाता कहहिंसप्रेमदेखिदोउभ्राता राजलक्षणसबअंगतुम्हारे देखिसोचहियहोतहमारे मारगचलहुपयादेहिपाये ज्योतिषझूठहमारेभाये अगमपंथगिरिकाननभारी तेहिमंहसाथनारिसुकुमारी करिकेहरिबनजाइनजोई हमसंगचलहिंजोआयसुहोई जावजहांलगितहंपहुंचाई फिरबबहोरितुमहिंसिरनाई ॥

दो०। इहिबिधिबूझहिंप्रेमबश पुलकगातजलनैन कृपासिंधुफेरहिंतिनहिं करिबिनतीमृदुबैन ॥

चौ०। जेपुरग्रामबसहिंमगमाहीं तिनहिनागसुरनगरसिहाहीं केहिसुकृतीकेहिघरीबसाये धन्यपुण्यमयपरमसुहाये जहंजहंरामचरणचलिजाहीं तेहिसमानअमरावतिनाहीं पुण्यपुञ्जमगनिकटनिवासी

तिनहिंसराहहिंसुरपुरबासी जोभरिनयनबिलोकहिंरामहिं सीतालषणसहितघनश्यामहिं जेहिंसरसरित-
रामअवगाहहिं तिनहिंदेवसरसरितसराहहिं जेहितरुतरप्रभुबैठहिंजाई करहिंकल्पतरुतासुबडाई
परसिरामपदपद्मपरागा मानतिभूमिभूरिनिजभागा ॥

दो०। छाहकरहिंघनबिबुधगण बरषहिंसुमनसिहाहिं देखतगिरिबनबिहंगमृग रामचलेमगुजाहिं ॥

चौ०। सीतालषणसहितरघुराई गांवनिकटजबनिसरहिंजाई सुनिसबबालबृद्धनरनारी चलहिंतुरत-
गृहकाजबिसारी रामलषणसियरूपनिहारी पाइनयनफलहोहिंसुखारी सजलनयनअतिपुलकशरीरा
सबभयेमगनदेखिदोबीरा बरणिनजाइदशातिन्हकेरी लहीरंकजनुसुरमणिढेरी एकहिंएकबोलिसिख-
देहीं लोचनलाहुलेहुछणएही रामहिंदेखिएकअनुरागे चितवतचलेजातसंगलागे एकनयनमगुछबि-
उरआनी होहिंशिथिलतनुमानसबानी ॥

दो०। एकदेखिबटछांहभलि डासिमृदुलतृणपात कहहिंगंवाइयछणकश्रम गवनबअबहिंकिप्रात ॥

चौ०। एककलशभरिआनहिंपानी अंचइयनाथकहहिंमृदुबानी सुनिप्रियबचनप्रीतिअतिदेखी राम-
कृपालुसुशीलबिशेषी जानीसीयअमितमनमाहीं घरिकबिलंबकीन्हबटछाहीं मुदितनारिनरदेखहिंशोभा
रूपअनूपदेखिमनलोभा इकटकसबसोहहिंचहुंओरा रामचंद्रमुखचंद्रचकोरा तरुणतमालबरणतनु-
सोहा देखतकामकोटिमनमोहा दामिनिबरणलषणसुठिनीके नखसिखशुभगभावतेजीके मुनिपट-
कटिन्ह कसेतूणीरा सोहतकरकमलन्हधनुतीरा ॥

दो०। जटामुकुटशीसनशुभग उरभुजनयनबिशाल शरदपर्बबिधुबदनबर लसतस्वेदकणजाल ॥

चौ०। बरनिनजाइमनोहरजोरी शोभाअमितमोरिमतिथोरी रामलषणसियसुंदरताई सबचितवहिं-
मतिमनचितलाई थकेनारिनरप्रेमपियासे मनहुंमृगीमृगदेखिदियासे सीयसमीपग्रामतियजाहीं पूछत-
अतिसनेहसकुचाहीं बारबारसबलागहिंपाये कहहिंबचनमृदुसरलसुहाये राजकुमारिबिनयहमकरहीं
तियसुभावकछुपूछतडरहीं स्वामिनिअबिनयछमबहमारी बिलगुनमानबजानिगंवारी राजकुंवरदोउसहज-
सलोने इनतेलहिदुतिमरकतसोने ॥

दो०। श्यामलगौरकिशोरबर सुंदरसुखमाऐन शरदसर्बरीनाथमुख शरदसरोरुहनैन ॥

चौ०। कोटिमनोजलजावनिहारे सुमुखिकहहुकोअहहिंतुम्हारे सुनिसनेहमयमंजुलबानी सकुचि-
सीयमनमहंमुसुकानी तिनहिंबिलोकिबिलोकेउधरणी दुहुंसकोचसकुचतिबरबरणी सकुचिसप्रेमबाल-
मृगनयनी बोलीमधुरबचनपिकबयनी सहजसुभावशुभगतनुगोरे नामलषणलघुदेवरमोरे श्यामबरण-
बिशालभुजनैना अतिसुंदरबोलतमृदुबैना बहुरिबदनबिधुअंचलढांकी पियतनचितैभौंहकरिबांकी खंजन-
मंजुतिरीछेनयनी निजपतिकहेउतिनहिंसियसयनी भईमुदितसबग्रामबधूटी रंकन्हरतनराशिजनुलूटी ॥

दो०। अतिसप्रेमसियपायपरि बहुबिधिदेहिंअशीस सदासोहागिनिहहुतुम जबलगिमहिअहिशीस ॥

चौ०। पारबतीसमपतिप्रियहोहू देबिनहमपरछांडबछोहू पुनिपुनिबिनयकरहिंकरजोरी जौइहिमारग-
फिरियबहोरी दरशनदेबजानिनिजदासी लखीसीयसबप्रेमपियासी मधुरबचनकहिकहिपरितोषी जनु-
कुमुदिनीकौमुदीपोषी तबहिंलषणरघुबररुखजानी पूछेउमगुलोगनमृदुबानी सुनतनारिनरभयेदुखारी

पुलकितअंगबिलोचनबारी मिटामोदमनभयेमलीने बिधिनिधिदीन्हलीन्हजनुछीने समुझिकर्मगति-
धीरजकीन्हा शोधिसुगममगुतिन्हकहिदीन्हा ॥

दो०। लषणजानकीसहितबन गवनकीन्हरघुनाथ फेरेसबप्रियबचनकहि लियेलाइमनसाथ ॥

चौ०। फिरतनारिनरअतिपछिताहीं दैवहिंदोषदेहिंमनमाहीं सहितबिषादपरस्परकहहीं बिधिकरतब-
सबउलटेअहहीं निपटनिरंकुशनिठुरनिशंकू जेहिंशशिकीन्हसरुजसकलंकू रूखकल्पतरुसागरखारा तेइ-
पठयेबनराजकुमारा जौपैइनहिंदीन्हबनबासू कीन्हबादिबिधिभोगबिलासू येबिचरहिंमगुबिनुपदत्राना
रचेबादिबिधिबाहननाना येमहिपरहिंडासिकुशपाता शुभगसेजकतकीन्हबिधाता तरुतरबासइनहिं-
बिधिदीन्हा धवलधामरचिकतिश्रमकीन्हा ॥

दो०। जौयेमुनिपटधरजटिल सुंदरसुठिसुकुमार बिबिधभांतिभूषणबसन बादिकियेकरतार ॥

चौ०। जौयेकंदमूलफलखाहीं बादिसुधादिअशनजगमाहीं एककहहिंयेसहजसुहाये आपुप्रगट-
भयेबिधिनबनाये जहंलगिबेदकहेउबिधिकरणी श्रवणनयनमनगोचरबरणी देखहुखोजिभुवनदशचारी
कहंअसपुरुषकहांअसिनारी इनहिंदेखिबिधिमनअनुरागा पटतरयोगबनावनलागा कीन्हबहुतश्रम-
एकनआये तेहिइरषाबनआनिदुराये एककहहिंहमबहुतनजानहिं आपुहिपरमधन्यकरिमानहिं
तेपुनिपुण्यपुञ्जहमलेखे जेदेखहिंदेखिहहिंजिन्हदेखे ॥

दो०। इहिबिधिकहिकहिबचनप्रिय लेहिंनयनभरिनीर किमिचलिहैंमारगअगम सुठिसुकुमारशरीर ॥

चौ०। नारिसनेहबिकलसबहोहीं चकईसांझसमयजिमिसोहीं मृदुपदकमलकठिनमगजानी गहबरि-
हृदयकहहिंमृदुबानी परसतमृदुलचरणअरुणारे सकुचतिमहिजिमिहृदयहमारे जौजगदीशइनहिं-
बनदीन्हा कसनसुमनमयमारगकीन्हा जौमांगेपाइयबिधिपाहीं राखियसखिइन्हआंखिनमाहीं जेनर-
नारिनअवसरआये तेसियरामनदेखनपाये सुनिसरूपपूछहिंअकुलाई अबलगिगयेकहांलगिभाई सम-
रथधाइबिलोकहिंजाई प्रमुदितफिरहिंनयनफलपाई ॥

दो०। अबलाबालकबृद्धजन करमीजहिंपछिताहिं होहिंप्रेमबशलोगइमि रामजहांजहंजाहिं ॥

चौ०। गांउंगांउंअसहोइअनंदू देखिभानुकुलकैरवचंदू जेकछुसमाचारसुनिपावहिं तेनृपरानिहिं-
दोषलगावहिं कहहिंएकअतिभलनरनाहू दीन्हहमहिंजिन्हलोचनलाहू कहहिंपरस्परलोगलुगाई
बातेंसरलसनेहसुहाई तेपितुमातुधन्यजेजाये धन्यसोनगरजहांतेंआये धन्यसोशैलदेशबनगाऊं जहं-
जहंजाहिंधन्यसोठाऊं सुखपायोबिरंचिरचितेही जेइन्हकेसबभांतिसनेही रामलषणसियकथासुहाई
रहीसकलमगकाननछाई ॥

दो०। इहिबिधिरघुकुलकमलरबि मगलोगनसुखदेत जाहिंचलेदेखतबिपिन सियसौमित्रिसमेत ॥

चौ०। आगेरामलषणपुनिपाछे तापसभेषबिराजतकाछे उभयमध्यसियशोभतिकैसी ब्रह्मजीवबिचमाया-
जैसी बहुरिकहौंछबिजसमनबसई जनुमधुमदनमध्यरतिलसई उपमाबहुरिकहौंजियजोही जनुबुध-
बिधुबिचरोहिणिसोही प्रभुपदरेखबीचबिचसीता धरहिंचरणमगुचलहिंसभीता सीयरामपदअंकबराये
लषणचलहिंमगदाहिनबाये रामलषणसियप्रीतिसुहाई बचनअगोचरकिमिकहिजाई खगमृगमगन-
देखिछबिहोही लियेचोरिचितरामबटोही ॥

दो०। जिन्हजिन्हदेखेपथिकप्रिय सीयसहितदोउभाइ भवमगअगमअनंदते बिनुश्रमरहेसिराइ॥
चौ०। अजहुंजासुउरसपनेहुकाउ बसहिंरामसियलषणबटाउ राममधामपथपाइहिसोई जोपथ-
पावकबहुंमुनिकोई तबरघुबीरश्रमितसियजानी देखिनिकटबटसीतलपानी तहंबसिकंदमूलफलखाई
प्रातनहाइचलेरघुराई देखतबनसरसैलसुहाये बालमीकआश्रमप्रभुआये रामदीखमुनिबाससुहावन
सुंदरगिरिकाननजलपावन सरनिसरोजबिटपबनफूले गुञ्जतमंजुमधुपरसभूले खगमृगबिपुलकुलाहल-
करहीं रहितबैरप्रमुदितमनचरहीं॥

दो०। सुचिसुंदरआश्रमनिरखि हरषेराजिवनैन सुनिरघुबरआगमनमुनि आगेआयेलैन॥
चौ०। मुनिकहंरामदंडवतकीन्हा आसिरबादबिप्रबरदीन्हा देखिरामछबिनयनजुडाने करिसनमान-
आश्रमहिंआने तबमुनिआसनदियेसुहाये मुनिबरअतिथिप्राणप्रियपाये कन्दमूलफलमधुरमंगाये सिय-
सौमित्रिरामफलखाये बालमीकमनआनंदभारी मंगलमूरतिनयननिहारी तबकरकमलजोरिरघुराई
बोलेबचनश्रवणसुखदाई तुमत्रिकालदरसीमुनिनाथा बिश्वबदरिजिमितुम्हरेहाथा असकहिप्रभुसब-
कथाबखानी जेहिजेहिभांतिदीन्हबनरानी॥

दो०। तातबचनपुनिमातुमत भाइभरतअसराउ मोकहंदरसतुम्हारप्रभु सबममपुण्यप्रभाउ॥
चौ०। देखिपायमुनिरायतुम्हारे भयेसुक्रतसबसुफलहमारे अबजहंराउरआयसुहोई मुनिउदेगन-
पावहिंकोई मुनितापसजिनतेंदुखलहहीं तेनरेशबिनुपावकदहहीं मंगलमूलबिप्रपरितोषू दहैकोटि-
कुलभूसुररोषू असजियजानिकहियसोइठाऊं सियसौमित्रिसहिततहंजाऊं तहंरचिरुचिरपर्णतृणशाला
बासकरौंकछुकालकृपाला सहजसरलसुनिरघुबरबानी साधुसाधुबोलेमुनिज्ञानी कसनकहहुअसरघु-
कुलकेतू तुमपालकसंततश्रुतिसेतू॥

छं०। श्रुतिसेतुपालकरामतुमजगदीशमायाजानकी जोसृजतिजगपालतिहरतिरुखपाइकृपानिधानकी॥
जोसहससीसअहीशमहिधरलषणसचराचरधनी सुरकाजधरिनरराजतनुचलेदलनखलनिशिचरअनी॥
सो०। रामसरूपतुम्हार बचनअगोचरबुद्धिपर अबिगतिअकथअपार नेतिनेतिनितनिगमकह॥
चौ०। जगपेखनतुमदेखनिहारे बिधिहरिशंभुनचावनहारे तेउनजानहिंमरमतुम्हारा औरतुमहिंको-
जाननिहारा सोजानैजेहिदेहुजनाई जानततुम्हैतुमहिंहोइजाई तुम्हरीकृपातुमहिंरघुनंदन जानत-
भक्तभक्तिउरचंदन चिदानंदमयदेहतुम्हारी बिगतबिकारजानअधिकारी नरतनुधरेहुसन्तसुरकाजा
कहहुकरहुजसप्राकृतराजा रामदेखिसुनिचरिततुम्हारे जडमोहहिंबुधहोहिंसुखारे तुमजोकहहु-
करहुसबसांचा जसकाछियतसनाचियनाचा॥

दो०। पूछेहुमोहिकिरहौंकहां मैंपूछतसकुचाउं जहंनहोहुतहंदेहुकहि तुमहिंदिखावौंठाउं॥
चौ०। सुनिमुनिबचनप्रेमरससाने सकुचिराममनमहंमुसुकाने बालमीकहंसिकहहिंबहोरी बाणीमधुर-
अमियरसबोरी सुनहुरामअबकहौंनिकेता बसहुजहांसियलषणसमेता जिनकेश्रवणसमुद्रसमाना कथा-
तुम्हारिसुभगसरिनाना भरहिंनिरन्तरहोहिंनपूरे तिनकेहियेसदनसुभरूरे लोचनचातकजिनकरिराखे
रहहिंदरसजलधरअभिलाखे निदरहिंसरितसिंधुसरभारी रूपबिंदुजलहोहिंसुखारी तिनकेहृदय-
सदनसुखदायक बसहुलषणसियसहरघुनायक॥

दो०। यशतुम्हारमानसबिमल हंसिनिजीहाजासु   मुकताहलगुणगणचुनइ बसहुरामहियतासु ॥
चौ०। प्रभुप्रसादसुचिसुभगसुबासा सादरजासुलहैनितनासा तुमहिनिबेदितभोजनकरहीं प्रभुप्रसाद-
पटभूषणधरहीं सीसनवहिंसुरगुरुद्विजदेषी प्रीतिसहितकरिबिनयबिशेषी करनितकरहिंरामपदपूजा
रामभरोसहृदयनहिंदूजा चरणरामतीरथचलिजाहीं रामबसहुतिनकेमनमाहीं मंत्रराजनितजपहिं-
तुम्हारा पूजहिंतुमहिसहितपरिवारा तर्पणहोमकरहिंबिधिनाना बिप्रजेंवाइदेहिंबहुदाना तुमतेंअधिक-
गुरुहिजियजानी सकलभावसेवहिंसनमानी ॥

दो०। सबकरिमांगहिंएकफल रामचरणरतिहोउ   तिनकेमनमंदिरबसहु सियरघुनंदनदोउ ॥
चौ०। कामक्रोधमदमाननमोहा लोभनछोभनरागनद्रोहा जिन्हकेकपटदंभनहिंमाया तिन्हकेहृदय-
बसहुरघुराया सबकेप्रियसबकेहितकारी दुखसुखसरिसप्रशंसागारी कहहिंसत्यप्रियबचनबिचारी जागत-
सोवतशरणतुम्हारी तुमहिछांडिगतिदूसरिनाहीं रामबसहुतिन्हकेउरमाहीं जननीसमजानहिंपरनारी
धनपरायबिषतेंबिषभारी जेहरषहिंपरसंपतिदेषी दुखितहोहिंपरबिपतिबिशेषी जिनहिंरामतुमप्राणपियारे
तिनकेउरशुभसदनतुम्हारे ॥

दो०। स्वामिसखापितुमातुगुरु जिनकेसबतुमतात   तिनकेमनमंदिरबसहु सीयसहितदोउभ्रात ॥
चौ०। अवगुणतजिसबकेगुणगहहीं बिप्रधेनुहितसंकटसहहीं नीतिनिपुणजिनकीजगलीका घरतुम्हार-
तिनकेमननीका गुणतुम्हारसमुझहिंनिजदोषू जेहिसबभांतितुम्हारभरोसू रामभक्तप्रियलागहिंजेही
तेहिउरबसहुसहितबैदेही जातिपांतिधनधर्मबडाई प्रियपरिवारसदनसुखदाई सबतजितुमहिरहैलौलाई
ताकेहृदयबसहुरघुराई स्वर्गनर्कअपबर्गसमाना जहंतहंदेखधरेधनुबाना मनक्रमबचनजोराउरचेरा
रामकरहुताकेउरडेरा ॥

दो०। जाहिनचाहियकबहुंकछु तुमसनसहजसनेह   बसहुनिरंतरतासुउर सोराउरनिजगेह ॥
चौ०। इहिबिधिमुनिबरठामदेखाए बचनसप्रेमराममनभाए कहमुनिसुनहुभानुकुलनायक आश्रम-
कहौंसमयसुखदायक चित्रकूटगिरिकरहुनिवासू तहंतुम्हारसबभांतिसुपासू शैलसुहावनकाननचारू
करिकेहरिमृगबिहंगबिहारू नदीपुनीतपुराणबखानी अत्रितीयनिजतपबलआनी सुरसरिधारनाम-
मंदाकिनि जोसबपातकपोतकडाकिनि अत्रिआदिमुनिबरतहंबसहीं करहिंयोगजपतपतनुकसहीं चलहु-
सफलश्रमसबकरकरहू रामदेहुगौरवगिरिबरहू ॥

दो०। चित्रकूटमहिमाअमित कहीमहामुनिगाइ   आइअन्हानेसरितबर सीयसहितदोउभाइ ॥
चौ०। रघुबरकहेउलषणभलघाटू करहुकतहुंअबठाहरठाटू लषणदीखतबउतरकरारा चहुंदिशि-
फिरेउधनुषजिमिनारा नदीपनचसरशमदमदाना सकलकलुषकलिसाउजनाना चित्रकूटजनुअचलअहेरी
चूकनघातमारमुठभेरी असकहिलषणठामदेखरावा थलबिलोकिरघुपतिसुखपावा रमेउराममनदेवन्ह-
जाना चलेसहितसुरपतिपरधाना कोलकिरातभेषधरिआये रचेउपर्णतृणसदनसुहाये बरनिनजाइ-
मंजुदुइशाला एकललितलघुएकबिशाला ॥

दो०। लषणजानकीसहितप्रभु राजतपर्णनिकेत   सोहमदनमुनिभेषजनु रतिऋतुराजसमेत ॥

चौ०। अमरनागकिन्नरदिगपाला चित्रकूटआयेतेहिकाला रामप्रणामकीन्हसबकाहू मुदितदेव-लहिलोचनलाहू बरषिसुमनकहदेवसमाजू नाथसनाथभयेहमआजू करिबिनतीदुखदुसहसुनाये हरषित-निजनिजगेहसिधाये चित्रकूटरघुनंदनछाये समाचारसुनिसुनिमुनिआये आवतदेखिमुदितमुनिवृन्दा कीन्हदंडवतरघुकुलचन्दा मुनिरघुबरहिंलाइउरलेहीं सुफलहोनहितआशिषदेहीं सियसौमित्रिरामछबि-देखहिं साधनसकलसुफलकरिलेखहिं॥

दो०। यथायोगसनमानिप्रभु बिदाकियेमुनिवृन्द करहिंयोगजपयज्ञतप निजआश्रमनस्वछन्द॥

चौ०। यहसुधिकोलकिरातन्हपाई हरषेजनुनवनिधिघरआई कंदमूलफलभरिभरिदोना चलेरंक-जनुलूटनसोना तिनमहंजिन्हदेखेदोउभ्राता औरतिनहिंपूछहिंमगुजाता कहतसुनतरघुबीरनिकाई आयसबनदेखेरघुराई करहिंजोहारिभेंटधरिआगे प्रभुहिंबिलोकतअतिअनुरागे चित्रलिखेजनुजहंतहंठाढे पुलकशरीरनयनजलबाढे रामसनेहमगनसबजाने कहिप्रियबचनसकलसनमाने प्रभुहिंजोहारिबहोरि-बहोरी बचनबिनीतकहहिंकरजोरी॥

दो०। अबहमनाथसनाथसब भयेदेखिप्रभुपाय भाग्यहमारेआगमन राउरकोशलराय॥

चौ०। धन्यभूमिबनपंथपहारा जहंजहंनाथपावतुमधारा धन्यबिहगमृगकाननचारी सुफलजन्मभये-तुमहिंनिहारी हमसबधन्यसहितपरिवारा देखिनयनभरिदरशतुम्हारा कीन्हवासभलठामबिचारी इहां-सकलऋतुरहबसुखारी हमसबभांतिकरबसेवकाई करिकेहरिअहिबाघबराई बनबीहडगिरिकंदरखोहा सबहमारप्रभुपगपगजोहा तहंतहंतुमहिंअहेरखेलाउब सरनिर्झरसबठामदेखाउब हमसेवकपरिवार-समेता नाथनसकुचबआयसुदेता॥

दो०। वेदबचनमुनिमनअगम तेप्रभुकरुणाऐन बचनकिरातनकेसुनत जिमिपितुबालकबैन॥

चौ०। रामहिंकेवलप्रेमपियारा जानिलेहुजोजाननिहारा रामसकलबनचरपरितोषे कहिमृदुबचनप्रेम-परिपोषे बिदाकियेसिरनाइसिधाये प्रभुगुणकहतसुनतघरआये इहिबिधिसीयसहितदोउभाई बसहिं-बिपिनसुरमुनिसुखदाई जबतेंआइरहेरघुनायक तबतेंभौबनमंगलदायक फूलहिंफलहिंबिटपबिधिनाना मंजुललितबरबेलिबिताना सुरतरुसरिससुभावसुहाये मनहुंबिबुधबनपरिहरिआये गुञ्जतमंजुलमधुकर-श्रेनी त्रिबिधबयारिबहैसुखदेनी॥

दो०। नीलकंठकलकंठशुक चातिकचक्रचकोर भांतिभांतिबोलहिंबिहग श्रवणसुखदचितचोर॥

चौ०। करिकेहरिकपिकोलकुरंगा बिगतबयरबिचरहिंइकसंगा फिरतअहेररामछबिदेखी होहिंमुदित-मृगवृन्दबिशेषी बिबुधबिपिनजहंलगिजगमाहीं देखिरामबनसकलसिहाहीं सुरसरिसरस्वतिदिनकर-कन्या मेकलसुतागोदावरिधन्या सबसरिसिंधुनदीनदनाना मंदाकिनिकरकरहिंबखाना उदयअस्त-गिरिअरुकैलासू मंदरमेरुसकलसुरवासू शैलहिमाचलआदिकजेते चित्रकूटयशगावहिंतेते देवमुदित-मनसुखनसमाई बिनुश्रमबिपुलबड़ाईपाई॥

दो०। चित्रकूटकेबिहंगमृग बेलिबिटपतृणजाति पुण्यपुञ्जसबधन्यअस कहहिंदेवदिनराति॥

चौ०। नयनवंतरघुपतिहिंबिलोकी पाइजन्मफलहोहिंबिशोकी परसिचरणरजअचरसुखारी भयेपरम-

पदकेअधिकारी सोवनशैलसुभायसोहावन मंगलमयअतिपावनपावन महिमाकहिअकवनिबिधिताहू सुख-
सागरजहंकीन्हनिबाहू पयपयोधितजिअवधबिहाई जहंसियरामलषणरहेआई कहिनसकहिंसुख-
भाजसकानन जौशतसहससहोहिंसहसानन सोमैंबरणिकहैाबिधिकेहो डावरकमठकिमंदरलेही सेवहिं-
लषणकर्ममनबानी आइनशीलसनेहबखानी ॥

दो०। छणछणलखिसियरामपद जानिआपुपरनेह करतलषणसपनेनहिन बंधुमातुपितुगेह ॥

चै०। रामसंगसियरहहिंसुखारी पुरपरिजनगृहसुरतिबिसारी छणछणपियबिधुबदननिहारी प्रमुदित-
मनजंचकोरकुमारी नाहनेहनितबढतबिलोकी हरषितरहतिदिवसजिमिकोकी सियमनरामचरण-
अनुरागा अवधसहससमबनप्रियलागा पर्णकुटीप्रियप्रीतमसंगा प्रियपरिवारकुरंगबिहंगा सासुससुरसम-
मुनितियमुनिबर अशनअमियसमकंदमूलफर नाथसाथसाथरोसुहाई मयनशयनशतसमसुखदाई
लोकपहोहिंबिलोकतजासू तेहिकिमोहसकबिषयबिलासू ॥

दो०। सुमिरतरामहिंतजहिंजन तृणसमबिषयबिलासु रामप्रियाजगजननिसिय कछुनआचरजतासु ॥

चै०। सीयलषणजेहिबिधिसुखलहहीं सोइरघुनाथकरैंजोइकहहीं कहहिंपुरातनिकथाकहानी सुनहिं-
लषणसियअतिसुखमानी जबजबरामअवधसुधिकरहीं तबतबबारिबिलोचनभरहीं सुमिरिमातुपितु-
परिजनभाई भरतसनेहशीलसेवकाई कृपासिंधुप्रभुहोहिंदुखारी धीरजधरहिंकुसमयबिचारी लखिसिय-
लषणबिकलहोइजाहीं जिमिपुरुषहिंअनुसरपरिछाहीं प्रियाबंधुगतिलखिरघुनंदन धीरकृपालुभक्तउर-
चंदन लगेकहनकछुकथापुनीता सुनिसुखलहहिंलषणअरुसीता ॥

दो०। रामलषणसीतासहित सोहतपर्णनिकेत जिमिबासवबसुअमरपुर शचीजयंतसमेत ॥

चै०। जुगवहिंप्रभुसियअनुजहिकैसे पलकबिलोचनगोलकजैसे सेवहिंलषणसीयरघुबीरहिं जिमि-
अबिबेकीपुरुषशरीरहिं इहिबिधिप्रभुबनबसहिंसुखारी खगमृगसुरतापसहितकारी कहेउंरामबनगवन-
सुहावा सुनहुसुमंतअवधजिमिआवा फिरेउनिषादप्रभुहिंपहुंचाई सचिवसहितरथदेखेउआई मंत्री-
बिकलबिलोकिनिषादू कहिनसकहिंजसभयउबिषादू रामरामसियलषणपुकारी परेउधरणितलव्याकुल-
भारी देखिदक्षिणदिशिहयहिहिनाहीं जिमिबिनुपंखबिहगअकुलाहीं ॥

दो०। नहिंतृणचरहिंनपिअहिंजल मोचतलोचनबारि व्याकुलभयेउनिषादगण रघुबरबाजिनिहारि ॥

चै०। धरिधीरजतबकहहिंनिषादू अबसुमंतपरिहरहुबिषादू तुमपंडितपरमारथज्ञाता धरहुधीरलखि-
बामबिधाता बिबिधकथाकहिकहिमृदुबानी रथबैठारोबरबशआनी शोकशिथिलरथसकहिंनहांकी रघु-
बरबिरहपीरउरबांकी तरफराहिंमगुचलहिंनघोरे बनमृगमनहुंआनिरथजोरे अटकिपरहिंफिरिहिन-
वहिंपोछे रामबियोगबिकलदुखतीछे जोकहरामलषणबैदेही हिकरिहिकरिहयहेरहिंतेही बाजिबिरह-
गतिकिमिकहिजाती बिनुमणिफणिकबिकलजेहिभांती ॥

दो०। भयेनिषादबिषादबश देखतसचिवतुरंग बोलिसुसेवकचारितब दियेसारथीसंग ॥

चै०। गुहसारथिहिफिरोपहुंचाई बिरहबिषादबरणिनहिंजाई चलेअवधलैरथहिनिषादा होतछणहिं-
छणमगनबिषादा सोचसुमंतबिकलदुखदीना धिकजीवनरघुबीरबिहीना रहिहिनअंतहुअधमशरीरू

यश्रनलहेउबिकुरनरघुबीह भयेअयशअवश्रअवश्रप्राना कौनहेतुनहिंकरतपयाना अहहमंदमनिअवसर-
चूका अजहुंनहृदयहोतदुइटूका मीजिहाथसिरधुनिपछिताई मनहुंकृपणधनराशिगवांई बिरदबांधि-
बरबीरकहाई चलेसमरजनुसुभटपराई ॥

दो०। बिप्रबिबेकीबेदबिद संमतसाधुसुजाति जिमिधोखेमदपानकरि सचिवसोचतेहिभांति ॥

चौ०। जिमिकुलीननियसाधुसयानी पतिदेवताकर्ममनबानी रहैकर्मबशपरिहरिनाह सचिवहृदय-
तिमिदारुणदाह लोचनसजलडीठिभइथोरी सुनैनश्रवणबिकलमतिभोरी सूखहिंअधरलागिमुखलाटी
जियनजाइउरअवधिकपाटी बिबरणभयेउनजाइनिहारी मारेसिमनहुंपितामहतारी हानिगलानिबिपुल-
मनव्यापी यमपुरपंथसोचजिमिपापी बचननआवहृदयपछिताई अवधकाहमैंदेखबजाई रामरहितरथ-
देखिहिजोई सकुचिहिमोहिबिलोकतसोई ॥

दो०। धाइपूछिहहिंमोहिजब बिकलनगरनरनारि उतरदेबमैंसबहिनब हृदयबज्रबैठारि ॥

चौ०। पूछिहहिंदीनदुखितसबमाता कहबकाहमैंतिनहिंबिधाता पूछिहहिंजबहिंलषणमहतारी कहि-
हौंकवनसंदेससुखारी रामजननिजबआइहिधाई सुमिरिबच्छजिमिधेनुलवाई पूछतउतरदेबमैंतेही
गेबनरामलषणबैदेही जेइपूछिहितेहिउत्तरदेवा जाइअवधअवयहसुखलेवा पूछहिंजबहिंराउदुखदीना
जीवनजासुरामआधीना दैहौंउतरकवनमुहलाई आयेउंकुशलकुंवरपहुंचाई सुनतलषणसियरामसंदेसू
तृणइवतनुपरिहरबनरेसू ॥

दो०। हृदयनबिदरतपंकजिमि बिछुरतप्रीतमनीर जानतहौंमोहिदीन्हबिधि यहजातनाशरीर ॥

चौ०। इहिबिधिकरतपंथपछितावा तमसातीरतुरतरथआवा बिदाकियेकरिबिनयनिषादू फिरेपाय-
परिबिकलबिषादू पैठतनगरसचिवसकुचाई जनुमारेसिगुरुब्राह्मणगाई बैठिबिटपतरदिवसगवांवा सांझ-
समयतेइअवसरपावा अवधप्रवेशकीन्हअंधिआरे पैठभवनरथराखिदुआरे जिन्हजिन्हसमाचारसुनिपाये
भूपद्वाररथदेखनआये रथपहिचानिबिकललखिघोरे गरहिंगातजिमिआतपओरे नगरनारिनरव्याकुलकैसे
निघटतनीरमीनगणजैसे ॥

दो०। सचिवआगमनसुनतसब बिकलभईरनिवास भवनभयंकरलागतेहि मानहुंप्रेतनिवास ॥

चौ०। अतिआरतसबपूछहिंरानी उतरनआवबिकलभइबानी सुनैनश्रवणनयननहिंसूझा कहहुकहां-
नृपजेहितेहिबूझा दासिन्हदीखसचिवबिकलाई कौशिल्यागृहगईलिवाई जाइसुमन्तदीखकसराजा
अमियरहितजनुचंदबिराजा आसनशयनबिभूषणहीना परेउभूमितलनिपटमलीना लेइउसाससोच-
इहिभांती सुरपुरतेजनुखंसेउययाती लेतसोचभरिछणछणछाती जनुजरिपंखपरेउसंपाती रामरामकह-
रामसनेही पुनिकहरामलषणबैदेही ॥

दो०। देखिसचिवजयजीवकहि कीन्हेसिदंडप्रणाम सुनतउठेव्याकुलनृपति कहुसुमन्तकहंराम ॥

चौ०। भूपसुमन्तलीन्हउरलाई बूडतकछुअधारजनुपाई सहितसनेहनिकटबैठारी पूछतराउनयन-
भरिबारी रामकुशलकहुसखासनेही कहंरघुनाथलषणबैदेही आनेहुफेरिकिबनहिंसिधाये सुनत-
सचिवलोचनजलछाये शोकबिकलपुनिपूछनरेसू कहुसियरामलषणसंदेसू रामरूपगुणशीलसुभाऊ

सुमिरिसुमिरिउरसोचतराऊ राजसुनाइदीन्हबनबाऊ सुनिमनभयेउनहरषहराऊ सोसुतबिछुरतगयेन-
प्राना कोपापीबडमोहिसमाना ॥

दो०। सखारामसियलषणजहं तहांमोहिपहुंचाउ नाहितचाहतचलनअब प्राणकहौंसतभाउ ॥

चौ०। पुनिपुनिपूछतमंत्रिहिराऊ प्रीतमसुअनसंदेससुनाऊ सुनहुसखासोइकरियउपाऊ रामलषण-
सियनैनदिषाऊ सचिवधीरधरिकहमृदुबानी महाराजतुमपंडितज्ञानी बीरसुधीरधुरंधरदेवा साधु-
समाजसदातुमसेवा जन्ममरणसबदुखसुखभोगा हानिलाभप्रियमिलनवियोगा कालकर्मवशहोहिंगुसाईं
बरवशरातिदिवसकीनाईं सुखहर्षहिंजडदुखबिलखाहीं दोउसमधीरधरहिंमनमाहीं धीरजधरहुबिवेक-
बिचारी छांडियसोचसकलहितकारी ॥

दो०। प्रथमबासतमसाभयेउ दूसरसुरसरितीर न्हाइरहेजलपानकरि सियसमेतदोउबीर ॥

चौ०। केवटकीन्हबहुतसेवकाई सोयामिनिसिंगबेरगवांई होतप्रातबटछीरमंगावा जटामुकुटनिजसीस-
बनावा रामसखातबनावमंगाई प्रियाचढाइचढेरघुराई लषणधरेधनुबाणबनाई आपुचढेप्रभुआयसु-
पाई बिकलबिलोकिमोहिरघुबीरा बोलेमधुरबचनधरिधीरा तातप्रणामतातसनकहेहु बारबारपद-
पंकजगहेहु करबिपायपरिबिनयबहोरी तातकरियजनिचिंतामोरी बनमगुमंगलकुशलहमारे कृपा-
अनुग्रहपुण्यतुम्हारे ॥

छं०। तुम्हरेअनुग्रहतातकाननजातसबसुखपाइहौं प्रतिपालिआयसुकुशलदेखनपायपुनिफिरिआइहौं ॥
जननीसकलपरितोषिकरिपरिपायकरिबिनतीघनी तुलसीकरेहुसोइयत्नजेहिबिधिकुशलरहकोशलधनी ॥

सो०। गुरुसनकहबसंदेश बारबारपदपद्मगहि करबसोइउपदेश जेहिनसोचमोहिअवधपति ॥

चौ०। पुरजनपरिजनसकलनिहोरी तातसुनायहुबिनतीमोरी सोइसबभांतिमोरहितकारी जातेंरहनर-
नाहसुखारी कहबसंदेसभरतकेआये नीतिनतजबराजपदपाये पालहुप्रजहिकर्ममनबानी सेयेहुमातु-
सकलसमजानी औरनिबाहबभायपभाई करिपितुमातुसुजनसेवकाई तातभांतितेहिराखबराऊ सोच-
मोरजेहिकरहिंनकाऊ लषणकहेउकछुबचनकठोरा बरजिरामपुनिमोहिनिहोरा बारबारनिजशपथ-
दिवाई कहबिनतातलषणलरिकाई ॥

दो०। कहिप्रणामकछुकहनलिय सियभइशिथिलसनेह थकितबचनलोचनसजल पुलकपल्लवितदेह ॥

चौ०। तेहिअवसररघुबररुखपाई केवटपारहिंनावचलाई रघुकुलतिलकचलेइहिभांती देखेउंठाढ-
कुलिशकरिछाती मैंआपनकिमिकहउंकलेश जिअतफिरेउंलैरामसंदेश असकहिसचिवबचनरहिगयेऊ
हानिगलानिसोचबशभयेऊ सुनतसुमंतबचननरनाहू परेउधरणिउरदारुणदाहू तलफतबिषममोहमन-
मापा मांजामनहुंमीनकहंव्यापा करिबिलापसबरोवहिंरानी महाबिपतिकिमिजाइबखानी सुनिबिलाप-
दुखहूंदुखलागा धीरजहूंकरधीरजभागा ॥

दो०। भयउकोलाहलअवधअति सुनिनृपराउरसोर बिपुलबिहगबनपरेउनिशि मानहुंकुलिशकठोर ॥

चौ०। प्राणकंठगतभयेउभुआलू मणिबिहीनजिमिव्याकुलव्यालू इंद्रियसकलबिकलभइंभारी जनु-
सरसरसिजबनबिनुबारी कौशल्यानृपदीखमलीना रबिकुलरबिअंथयेजनुदीना उरधरिधीररामसहतारी

बोलीबचनसमयअनुहारी नाथसमुझिमनकरियबिचारू रामबियोगपयोधिअपारू कर्णधारतुमअवधि-
जहाजू चढेउसकलप्रियबणिकसमाजू धीरजधरियतोपाइयपारू नाहितबूडहिंसबपरिवारू जौंजिय-
धरियबिनयपियमोरी रामलषणसियमिलबबहोरी ॥

दो०। प्रियाबचनमृदुसुनतनृप चितयउआंखिउघारि तलफतमीनमलीनजनु सींचतशीतलवारि ॥

चौ०। धरिधीरजउठिबैठुभुआलू कहुसुमंतकहंरामकृपालू कहांलषणकहंरामसनेही कहंप्रियपुत्रबधू-
बैदेही बिलपतराउबिकलबहुभांती भइयुगसरिससिरातिनराती तापसअंधशापसुधिआई कौशल्यहिं-
सबकथासुनाई भयउबिकलबरणतइतिहासा रामरहितधिकजीवनआशा सोतनुराखिकरबमैंकाहा
जेइनप्रेमपणमोरनिबाहा हारघुनन्दनप्राणपिरीते तुमबिनुजिअतबहुतदिनबीते हाजानकीलषणहारघुबर
हापितुहितचितचातकजलधर ॥

दो०। रामरामकहिरामकहि रामरामकहिराम तनुपरिहरिरघुबरबिरह राउगयेसुरधाम ॥

चौ०। जियनमरणफलदशरथपावा अंडअनेकअमलयशछावा जियतरामबिधुबदननिहारी रामबिरह-
मरिमरणसंवारी शोकबिकलसबरोवहिंरानी रूपशीलबलतेजबखानी करहिंबिलापअनेकप्रकारा परहिं-
भूमितलबारहिंबारा बिलपहिंबिकलदासअरुदासी घरघररुदनकरहिंपुरबासी अंथयेउआजुभानुकुल-
भानू धर्मअवधिगुणरूपनिधानू गारीसकलकैकयिहिदेहीं नयनबिहीनकीन्हजगजेहीं इहिबिधिबिलपत-
रैनिबिहानी आयेसकलमहामुनिज्ञानी ॥

दो०। तबबसिष्टमुनिसमयसम कहिअनेकइतिहास शोकनिवारेउसबहिकर निजबिज्ञानप्रकास ॥

चौ०। तेलनावभरिनृपतनुराखा दूतबुलाइबहुरिअसभाखा धावहुबेगिभरतपहंजाहू नृपसुधिकतहुं-
कहहुजनिकाहू इतनैकहेहुभरतसनजाई गुरुबुलाइपठयेदोभाई सुनिमुनिआयसुधावनधाये चलेबेगि-
बरबाजिलजाये अनरथअवधअरंभेउजबतें कुशगुनहोहिंभरतकहंतबतें देखहिंरातिभयानकसपना जागि-
करहिंकटुकोटिकलपना बिप्रजेंवाइदहिंदिनदाना शिवअभिषेककरहिंबिधिनाना मांगहिहृदयमहेश-
मनाई कुशलमातुपितुपरिजनभाई ॥

दो०। इहिबिधिसोचतभरतमन धावनपहुंचेजाइ गुरुअनुशासनश्रवणसुनि चलेगणेशमनाइ ॥

चौ०। चलेसमोरबेगिहयहांके लांघतसरितशैलबनबांके हृदयसोचबडकछुनसोहाई असजानहिं-
जियजाउंउडाई एकनिमेषबरषसमजाई इहिबिधिभरतनगरनियराई अशगुनहोहिंनगरपैठारा रटहिं-
कुभांतिकुखेतकरारा खरशृगालबोलहिंप्रतिकूला सुनिसुनिहोहिंभरतउरशूला शीतलसरसरिताबनबागा
नगरबिशेषभयावनलागा खगमृगहयगजजाहिंनजोये रामबियोगकुरोगबिगोये नगरनारिनरनिपट-
दुखारी मनहुंसबनिसबसंपतिहारी ॥

दो०। पुरजनमिलहिंनकहहिंकछु गंवहिजोहारहिंजाहिं भरतकुशलपूछिनसकहिं भयबिषादमनमाहिं ॥

चौ०। हाटबाटनहिंजाइनिहारी जनुपुरदशदिशिलागिदवारी आवतसुतसुनिकेकयनंदिनि हरषीरबि-
कुलजलरुहचंदिनि सजिआरतीमुदितउठिधाई द्वारहिंभेंटिभवनलैआई भरतदुखितपरिवारनिहारा
मानहुंतुहिनबनजबनमारा कैकेयीहरषितइहिभांती मनहुंमुदितदवलाइकिराती सुतहिंससोचदेखि-

मनमारे पूछतिनैहरकुशलहमारे सकलकुशलकहिभरतसुनाई पूछीनिजकुलकुशलभलाई कहुकहंतात-
कहांसबमाता कहंसियरामलषणप्रियभ्राता॥

दो०। सुनिसुतबचनसनेहमय कपटनीरभरिनैन भरतश्रवणमनशूलसम पापिनिबोलीबैन॥

चौ०। तातबातमैंसकलसंवारी भइमंथरासहायबिचारी कछुककाजबिधिबीचबिगारेउ भूपतिसुरपति-
पुरपगुधारेउ सुनतभरतभयेबिकलबिषादा जनुसहमेउकरिकेहरिनादा ताततातहातातपुकारी परेउ-
भूमितलव्याकुलभारी चलततदेखनपायेउंतोही तातनरामहिंसौंपेहुमोही बहुरिधीरधरिउठेसंभारी
कहुपितुमरणहेतुमहतारी सुनिसुतबचनकहतिकैकेई मर्मपाछिजनुमाहुरदेई आदिहितेंसबआपनि-
करणी कुटिलकठोरमुदितमनबरणी॥

दो०। भरतहिंबिसरेउपितुमरण सुनतरामबनगौन हेतुअपनपुनिजानिजिय थकितरहेधरिमौन॥

चौ०। बिकलबिलोकिसुतहिंसमुझावति मनहुंजरेपरलोनलगावति तातराउनहिंसोचनयोगू बिढइ-
सुकृतजसकीन्हेउभोगू जीवतसकलजन्मफलपाये अंतअमरपतिसदनसिधाये असअनुमानिसोचपरिहरहू
सहितसमाजराजपुरकरहू सुनिसुठिसहमेउराजकुमारा पाकेक्षतजनुलागुअंगारा धीरजधरिभरिलेहिंउ-
सासा पापिनिसबहिभांतिकुलनाशा जौपैकुरुचिरहीअसितोही जनमतकाहेनमारेसिमोही पेडकाटितैं-
पालवसींचा मीनजिअनहितबारिउलीचा॥

दो०। हंसबंशदशरथजनक रामलषणसेभाइ जननीतूजननीभई बिधितेंकछुनबसाइ॥

चौ०। जबतैंकुमतिकुमतजियठयऊ खंडखंडहोइहृदयनगयऊ बरमांगतमनभइनहिंपीरा जरिनजीह-
मुहंपरेउनकीरा भूपप्रतीतितोरिकिमिकीन्ही मरणकालबिधिमतिहरिलीन्ही बिधिहुंननारिहृदयगति-
जानी सकलकपटअघअवगुणखानी सरलसुशीलधर्मरतराऊ सोकिमिजानहिंतीयसुभाऊ असकोजीव-
जंतुजगमाहीं जेहिरघुनाथप्राणप्रियनाहीं भेअतिअहितरामतेउतोहीं कोतूअहसिसत्यकहुमोहीं जोहु-
सिसोहसिमुहमसिलाई आंखिओटउठिबैठहिजाई॥

दो०। रामबिरोधीहृदयतें प्रगटकीन्हबिधिमोहि मोसमानकोपातकी बादिकहौंकछुतोहि॥

चौ०। सुनिशत्रुघ्नमातुकुटिलाई जरहिंगातरिसकछुनबसाई तेहिअवसरकुबरीतहंआई बसनबिभूषण-
बिबिधबनाई लखिरिसभरेउलषणलघुभाई बरतअनलघृतआहुतिपाई हुमगिलाततकिकूबरमारा परि-
मुहभरिमहिकरतिपुकारा कूबरटूटेउफूटकपारू दलितदशनमुखरुधिरप्रचारू आहिदइयमैंकाहनशावा
करतनीकफलअनइसपावा पुनिरिपुहनलखिनखशिखखोटी लगेघसीटनधरिधरिझोटी भरतदयानिधि-
दीन्हछुडाई कौशल्यापहिंगेदोभाई॥

दो०। मलिनबसनबिबरणबिकल कृशशरीरदुखभार कनककमलबरबेलिबन मानहुंहनीतुषार॥

चौ०। भरतहिंदेखिमातुउठिधाई मूर्छितअवनिपरीझंवआई देखतभरतबिकलभयेभारी परेचरण-
तनुदशाबिसारी मातुतातकहंदेहिदेखाई कहंसियरामलषणदोभाई कैकयिकतजनमीजगमांझा जौ-
जनमीभइकाहेनबांझा कुलकलंकजेहिजनमेउमोही अपयशभाजनप्रियजनद्रोही कोत्रिभुवनमोहिसरिस-
अभागी गतिअसितोरिमातुजेहिलागी पितुसुरपुरबनरघुकुलकेतू मैंकेवलसबअनरथहेतू धिकमोहि-
भयेउंबेणुबनआगी दुसहदाहदुखदूषणभागी॥

दो०। मातुभरतकेवचनमृदु सुनिपुनिउठीसंभारि लियेउठाइलगाइउर लोचनमोचनिवारि ॥
चौ०। सरलसुभायमायहियलाये अतिहितमनडुंरामफिरिआये भेंटेउबडुरिलषणलघुभाई शोकसने-
हनहृदयसमाई देखिसुभावकहतसबकोई राममातुअसिकाहेनहोई माताभरतगोदबैठारे आंसुपोंछि-
मृदुबचनउचारे अजडुंबच्छबलिधीरजधरह्र कुसमयसमुझिशोकपरिहरह्र जनिमानहुहियहानिगलानी
कालकर्मगतिअघटितजानी काहुहिदोषदेहुजनिताता भामोहिसबबिधिबामबिधाता जोएसेहुदुखमोहिजि-
आवा अजहुंकोजानैकातेहिभावा ॥

दो०। पितुआयसुभूषणबसन ताततजेरघुबीर बिसमयहर्षनहृदयकछु पहिरेबलकलचीर ॥
चौ०। मुखप्रसन्नमनरागनरोषू सबकरसबबिधिकरिपरितोषू चलेबिपिनसुनिसियसंगलागी रहैनराम-
रामचरणअनुरागी सुनतहिलषणचलेउठिसाथा रहैनयतनकियेरघुनाथा तबरघुपतिसबहीसिरनाई
चलेसंगसियअरुलघुभाई रामलषणसियबनहिसिधाये गईनसंगनप्राणपठाये यहसबभाइन्हआंखिन्ह-
आगे तउनतजाततनुजोवअभागे मोहिनलाजनिजनेहनिहारी रामसरिससुतमैंमहतारी जियैमरैभल-
भूपतिजाना मोरहृदयशतकुलिशसमाना ॥

दो०। कौशल्याकेवचनसुनि भरतसहितरनिवास व्याकुलबिलपतराजगृह मानहुंशोकनिवास ॥
चौ०। बिलपहिंबिकलभरतदोभाई कौशल्यालियहृदयलगाई भांतिअनेकभरतसमुझाये कहिबिवेक-
बरबचनसुनाये भरतहुमातुसकलसमुझाई कहिपुराणश्रुतिकथासुहाई छलबिहीनशुचिसरलसुवाणी
बोलेभरतजोरियुगपाणी जेअघमातुपितागुरुमारें गाइगोठमहिसुरपुरजारें जेअघतियबालकबधकीन्हे
मीतमहीपतिमाहुरदीन्हे जेपातकउपपातकअहहीं कर्मबचनमनभवकविकहहीं तेपातकमोहिहोउ-
बिधाता जौयहहोइमोरमतमाता ॥

दो०। जेपरिहरिहरिहरचरण भजहिंभूतगणघोर तिन्हकीगतिमोहिदेउबिधि जौजननीमतमोर ॥
चौ०। बेंचहिंवेदधर्मदुहिलेहीं पिशुनपरावपापकहिदेहीं कपटीकुटिलकलहप्रियक्रोधी वेदबिदूषक-
बिश्वबिरोधी लोभीलंपटलोलुपवारा जेताकहिंपरधनपरदारा पावउंमैंतिन्हकरिगतिघोरा जौजननी-
यहसंमतमोरा जेनहिसाधुसंगअनुरागे परमारथपथबिमुखअभागे जेनभजहिंहरिनरतनुपाई जिन्हहिन-
हरिहरसुयशसुहाई तजिश्रुतिपंथबामपथचलहीं बंचकबिरचिभेषजगछलहीं तिन्हकीगतिमोहिशंकरदेउ
जननीजौयहजानौंभेऊ ॥

छं०। मनबचनकर्महुपायतनकरदासमैंसुनुमातुरी उरबसतरामसुजानजानतप्रीतिअरुछलचातुरी ॥
असकहतलोचनबहतजलतनुपुलकनखलेखनमही हियलायलियबहोरिजननीजानिप्रभुपदरतसही ॥

दो०। मातुभरतकेबचनसुनि साचेसरलसुभाय कहतिरामप्रियताततुम सदाबचनमनकाय ॥
चौ०। रामप्राणतेंप्राणतुम्हारे तुमरघुपतिहिप्राणतेंप्यारे बिधुबिषचुवैअवैहिमआगी होइबारिचर-
बारिबिरागी भयेज्ञानबरुमिटैनमोहू तुमरामहिंप्रतिकूलनहोहू मततुम्हारअसजेजगकहहीं तेसपनेहुं-
सुखसुगतिनलहहीं असकहिमातुभरतहियलाये थनपयश्रवहिंनयनजलछाये करतबिलापबिपुलइहभांती
बैठेबीतिगईसबराती बामदेववसिष्ठमुनिआये सचिवमहाजनसकलबुलाये मुनिबहुभांतिभरतउपदेशे
कहिपरमारथवचनसुदेशे ॥

दो०। तातहृदयधीरजधरहु करहुजोअवसरआजु उठेभरतगुरुबचनसुनि करनकहेउसबकाजु ॥
चौ०। नृपतनुवेदविहितअन्हवावा परमबिचित्रबिमानबनावा गहिपदभरतमातुसबराषी रहींराम-
दरशनअभिलाषी चंदनअगरभारबहुआये अमितअनेकसुगंधसुहाये सरजुतीररचिचिताबनाई जनु-
सुरपुरसोपानसुहाई इहिबिधिदाहक्रियासबकीन्ही बिधिवतन्हाइतिलांजलिदीन्ही शोधिसमृतिसबवेद-
पुराना कीन्हभरतदशगात्रबिधाना जहंजसमुनिबरआयसुदीन्हा तहंतससहसभांतिसबकीन्हा भये-
बिशुद्धदियेसबदाना धेनुबाजिगजवाहननाना ॥

दो०। सिंहासनभूषणबसन अन्नधरणिधनधाम दियेभरतलहिभूमिसुर भेपरिपूरणकाम ॥
चौ०। पितुहितभरतकीन्हजसिकरणी सोमुखलाखजाइनहिंबरणी सुदिनशोधिमुनिबरतबआये सकल-
महाजनसचिवबुलाये बैठेराजसभासबजाई पठयेबोलिभरतदोभाई भरतबसिष्ठनिकटबैठारे नीतिधर्म-
मयबचनउचारे प्रथमकथासबमुनिबरबरणी कैकयिकठिनकीन्हजसिकरणी भूपधर्मब्रतसत्यसराहा जेहि-
तनुपरिहरिप्रेमनिबाहा कहतरामगुणशीलसुभाऊ सजलनयनपुलकेमुनिराऊ बहुरिलषणसियप्रीति-
बखानी शोकसनेहमगनमुनिज्ञानी ॥

दो०। सुनहुभरतभावीप्रबल बिलखिकहेउमुनिनाथ हानिलाभजीवनमरण यशअपयशबिधिहाथ ॥
चौ०। असबिचारिकेहिदीजियदोषू व्यर्थकाहिपरकीजियरोषू तातबिचारकरहुमनमाहीं सोचयोग-
दशरथनृपनाहीं सोचियबिप्रजोवेदबिहीना तजिनिजधर्मबिषयलयलीना सोचियनृपतिजोनीतिनजाना
जेहिनप्रजाप्रियप्राणसमाना सोचियबैश्यकृपणधनवानू जोनअतिथिशिवभक्तिसुजानू सोचियशूद्रबिप्र-
अपमानी मुखरमानप्रियज्ञानगुमानी सोचियपुनिपतिबंचकनारी कुटिलकलहप्रियइच्छाचारी सोचिय-
बटुनिजब्रतपरिहरई जोनहिंगुरुआयसुअनुसरई ॥

दो०। सोचियगृहीजोमोहबश करैधर्मपथत्याग सोचिययतीप्रपंचरत बिगतबिबेकबिराग ॥
चौ०। बैषानससोइसोचनयोगू तपबिहायजेहिभावैभोगू सोचियपिशुनअकारणक्रोधी जननिजनक-
गुरुबन्धुबिरोधी सबबिधिसोचियपरअपकारी निजतनुपोषकनिर्दयभारी सोचनीयसबहीबिधिसोई जोन-
छाडिछलहरिजनहोई सोचनीयनहिंकोशलराऊ भुवनचारिदशप्रगटप्रभाऊ भयउनअहैनअबहोनिहारा
भूपभरतजसपितातुम्हारा बिधिहरिहरसुरपतिदिशिनाथा बरणहिंसबदशरथगुणगाथा ॥

दो०। कहहुतातकेहिभांतिकोउ करिहिबडाईतासु रामलषणतुमशत्रुहन सरिससुअनशुचिजासु ॥
चौ०। सबप्रकारभूपतिबडभागी बादिबिषादकरियतेहिलागी यहसुनिसमुझिसोचपरिहरहू सिरधरि-
राजरजायसुकरहू रायराजपदतुमकहंदीन्हा पिताबचनफुरचाहियकीन्हा तजेरामजेहिबचनहिलागी
तनुपरिहरेउरामबिरहागी नृपहिबचनप्रियनहिंप्रियप्राणा करहुतातपितुबचनप्रमाणा करहुसीसधरि-
भूपरजाई हैतुमकहंसबभांतिभलाई परशुरामपितुआज्ञाराखी मारीमातुलोकसबसाखी तनययया-
तिहिंयौबनदयऊ पितुआज्ञाअघअयशनभयऊ ॥

दो०। अनुचितउचितबिचारतजि जेपालहिंपितुबैन तेभाजनसुखसुयशके बसहिंअमरपतिऐन ॥
चौ०। अवशिनरेशबचनफुरकरहू पालहुप्रजाशोकपरिहरहू सुरपुरनृपपाइहिपरितोषू तुमकहंसुकृत-

सुयशनहिंदोषू वेदविहितसंमतसबहीका जेहिपितुदेइसोपावैटीका करहुराजपरिहरहुगलानी मानहु-
मोरवचनहितजानी सुनिसुखलहबरामवैदेही अनुचितकहबनपंडितकेही कौशल्यादिसकलमहतारी
तेउप्रजासुखहोहिंसुखारी मरमतुम्हाररामकरजानिहिं सोसबबिधितुमसनभलमानिहिं सैांपेहुराज-
रामकेआये सेवाकरेहुसनेहसुहाये॥

दो०। कीजियगुरुआयसुअवशि कहहिंसचिवकरजोरि रघुपतिआयेंउचितजस तबतसकरबबहोरि॥

चौ०। कौशल्याधरिधीरजकहई पूतपितागुरुआयसुअहई सोआदरियकरियहितमानी तजियबिषाद-
कालगतिजानी बनरघुपतिसुरपुरनरनाहू तुमइहिभांतिताानकदराहू परिजनप्रजासचिवकहअंबा तुमहीं-
सुतसबकहंअवलंबा लखिबिधिबामकालकठिनाई धीरजधरहुमातुबलिजाई सिरधरिगुरुआयसुअनु-
सरहू प्रजापालिपरिजनदुखहरहू गुरुकेबचनसचिवअभिनंदन सुनतभरतहियहितअनुचंदन सुनीबहोरि-
मातुमृदुबानी शीलसनेहसरलरससानी॥

छं०। सानीसरलरसमातुबाणीसुनिभरतव्याकुलभये लोचनसरोरुहस्रवतसींचतबिरहउरअंकुरनये॥
सोदशादेखतसमयतेहिबिसरीसबहिसुधिदेहकी तुलसीसराहतसकलसादरसीवंसहजसनेहकी॥

सो०। भरतकमलकरजोरि धर्मधुरंधरधीरधरि बचनअमियजनुबोरि देतउचितउत्तरसबहिं॥

चौ०। मोहिउपदेशदीन्हगुरुनीका प्रजासचिवसंमतसबहीका मातुउचितपुनिआयसुदीन्हा अवशि-
सीसधरिचाहौंकीन्हा गुरुपितुमातुस्वामिहितबानी सुनिमनमुदितकरियभलजानी उचितकिअनुचित-
कियेबिचारू धर्मजाइसिरपातकभारू तुमतौदेहुसरलशिखसोई जोआचरतमोरहितहोई यद्यपियह-
समुझतहौंनीके तदपिहोतपरितोषनजीके अबतुमबिनयमोरिसुनिलेहू मोहिअनुहरतशिखावनदेहू
उत्तरदेउंछमबअपराधू दुखितदोषगुणगणहिंनसाधू॥

दो०। पितुसुरपुरसियरामबन करणकहहुमोहिराज इहितेजानहुमोरहित कैआपनबडकाज॥

चौ०। हितहमारसियपतिसेवकाई सोहरिलीन्हमातुकुटिलाई मैंअनुमानिदीखमनमाहीं आनउपाय-
मोरहितनाहीं शोकसमाजराजकेहिलेखें लषणरामसियपदबिनुदेखें बादिबसनबिनुभूषणभारू बादि-
बिरतिबिनुब्रह्मबिचारू सरुजशरीरबादिबहुभोगा बिनुहरिभक्तिजायजपयोगा जायजीवबिनुदेहसुहाई
बादिमोरसबबिनुरघुराई जाउंरामपहंआयसुदेहू एकहिअंकमोरहितयेहू मोहिनृपकरिआपनभल-
चहहू सोसनेहजडताबशकहहू॥

दो०। कैकेयीसुतकुटिलमति रामबिमुखगतलाज तुमचाहतसुखमोहबश मोहिसेअधमकेराज॥

चौ०। कहौंसांचसबसुनिपतियाहू चाहियधर्मशीलनरनाहू मोहिराजहठिदेहहुजबहीं रसारसातल-
जाइहितबहीं मोहिसमानकोपापनिबासी जेहिलगिसीयरामबनबासी रायरामकहंकाननदीन्हा बिछु-
रतगमनअमरपुरकीन्हा मैंशठसबअनरथकरहेतू बैठबातसबसुनउंसचेतू बिनुरघुबीरबिलोकियबासू
रहैप्राणसहिजगउपहासू रामपुनीतबिषयरसरूखे लोलुपभूपभोगकेभूखे कहंलगिकहउंहृदयकठिनाई
निदरिकुलिशजेहिंलहीबडाई॥

दो०। कारणतेकारजकठिन होइदोषनहिंमोर कुलिशअस्थितेउपलते लोहकरालकठोर॥

चौ०। कैकेयीभवननुअनुरागे पामरप्राणअघाइंअभागे जौंप्रियबिरहप्राणप्रियलागे देखबसुनबबहुत-
अवआगे लषणरामसियकहंबनदीन्हा पठयअमरपुरपतिहितकीन्हा लीन्हबिधवपनअपयशआपू दीन्हेउ-
प्रजहिशोकसंतापू मोहिदीन्हसुखसुयशसुराजू कीन्हकेकयीसबकरकाजू इहितेंमोरकाहअबनीका तेहि-
परदेनकहहुतुमटीका केकयिजठरजन्मिजगमाहीं यहमोहिकहंकछुअनुचितनाहीं मोरिबातसबबिधिहि-
बनाई प्रजापंचकतकरहुसहाई ॥

दो०। ग्रहग्रहीतपुनिबातबश तेहिपुनिबीछीमार ताहिपिआइयबारुणी कहहुकवनउपचार ॥

चौ०। केकयिसुअनयोगजगजोई चतुरबिरंचिरचेउमोहिसोई दशरथतनयरामलघुभाई दीन्हमोहि-
बिधिबादिबडाई तुमसबकहहुकढावनटीका रायराजसबहीकहंनीका उतरदेउंकेहिबिधिकेहिकेही
कहहुसुखेनयथारुचिजेही मोहिकुमातुसमेतबिहाई कहहुकहिहिकोकीन्हभलाई मोहिबिनुकोसचरा-
चरमाहीं जेहिसियरामप्राणप्रियनाहीं परमहानिसबकहंबडलाहू अदिनमोरनहिंदूषणकाहू संशयशील-
प्रेमबशअहहू सबैउचितसबजोकछुकहहू ॥

दो०। राममातुसुठिसरलचित मोपरप्रेमबिशेषि कहहिंसुभावसनेहबश मोरिदीनतादेखि ॥

चौ०। गुरुबिबेकसागरजगजाना जिन्हहिबिश्वकरबदरिसमाना मोकहंतिलकसाजसजिसोऊ भाबिधि-
बिमुखबिमुखसबकोऊ परिहरिरामसीयजगमाहीं कोउनकहिहिमोरमतनाहीं सोमैंसुनबसहबसुखमानी
अंतहुंकीचतहांजहंपानी डरनमोहिजगकहिहिकिपोचू परलोकहुकरनाहिनसोचू एकैबडिउरदुसह-
दवारी मोहिलगिभेसियरामदुखारी जीवनलाहुलषणभलपावा सबतजिरामचरणमनलावा मोरजन्मरघु-
बरबनलागी झूठकाहपछिताउंअभागी ॥

दो०। आपनिदारुणदीनता सबहिकहेउंसमुझाय देखेबिनुरघुबीरपद जियकीजरनिनजाय ॥

चौ०। आनउपायमोहिनहिंसूझा कोजियकीरघुबरबिनुबूझा एकहिआंकइहैमनमाहीं प्रातकालचलिहौं-
प्रभुपाहीं यद्यपिमैंअनभलअपराधी भइमोहिकारणसकलउपाधी तदपिशरणसन्मुखमोहिदेखी छमिसब-
करिहहिंकृपाबिशेषी शीलसकुचसुठिसरलसुभाऊ कृपासनेहसदनरघुराऊ अरिहुकअनभलकीन्हनरामा
मैंशिशुसेवकयद्यपिबामा तुम्हपैपांचमोरभलमानी आयसुआशिषदेहुसुबानी जेहिसुनिबिनयमोहिजन-
जानी आवहिंबहुरिरामरजधानी ॥

दो०। यद्यपिजन्मकुमातुतें मैंशठसदासदोस आपनजानिनत्यागिहैं मोहिरघुबीरभरोस ॥

चौ०। भरतबचनसबकहंप्रियलागे रामसनेहसुधाजनुपागे लोगबियोगबिषमबिषदागे मंत्रसजीव-
सुनतजनुजागे मातुसचिवगुरुपुरनरनारी सकलसनेहबिकलभैंभारी भरतहिकहहिंसराहिसराही राम-
प्रेममूरतितनुआही तातभरतअसकाहेनकहहू प्राणसमानरामप्रियअहहू जोपामरआपनिजडताई
तुमहिसुगाइमातुकुटिलाई सोशठकोटिकपुरुषसमेता बसहिंकल्पशतनरकनिकेता अहिअघअवगुण-
मणिनहिंगहई हरैगरलदुखदारिदहई ॥

दो०। अवशिचलियबनरामपहं भरतमंत्रभलकीन्ह शोकसिंधुबूडतसबहि तुमअवलंबनदीन्ह ॥

चौ०। भासबकेमनमोदनथोरा जनुघनधुनिसुनिचातकमोरा चलबप्रातलखिनिर्णयनीके भरतप्राण-

प्रियभेसबहीके मुनिह्विंबंदिभरतह्विसिरनाई चलेसकलघरबिदाकराई धन्यभरतजीवनजगमाहीं शील-
सनेहसराहतजाहीं कहह्विंपरस्परभावडकाजू सकलचलैकरसाजह्विंसाजू जेह्विराखह्विंघररखवारी
सोजानैजनुगरदनिमारी कोउकहंरहनकह्वियनह्विंकाहू कोनचहैजगजीवनलाहू ॥

दो०। जरौसुसंपतिसदनसुख सुहृदमातुपितुभाइ सन्मुखहोतजोरामपद करैनसहजसहाइ ॥

चौ०। घरघरबाहनसाजह्विंनाना हर्षहृदयपरभातपयाना भरतजाइघरकीन्हबिचारू नगरबाजिगज-
भवनभंडारू संपतिसबरघुपतिकैआही जौबिनुयतनचलौंतजिताही तौपरिणामनमोरिभलाई पापि-
शिरोमणिसांइदोहाई करह्विंस्वामिह्वितसेवकसोई दूषणकोटिदेइकिनकोई असबिचारिशुचिसेवक-
बोले जेसपनेहुंनिजधर्मनडोले कहिसबमर्मधर्मसबभाषा जोजेह्विलायकसोतहंराषा करिसबयतनराखि-
रखवारे राममातुपहंभरतसिधारे ॥

दो०। आरतजननीजानिसब भरतसनेहसुजान कहेउसजावनपालकी सुखदसुखासनजान ॥

चौ०। चक्कचक्कइइवपुरनरनारी चलबप्रातउरआरतिभारी जागतसबनिशिभयउबिहाना भरतबुलाये-
सचिवसुजाना कहेउलेहुसबतिलकसमाजू बनह्विंदेवमुनिरामह्विंराजू बेगचलहुसुनिसचिवजोहारे
तुरततुरगरथनागसंवारे अरुंधतीअरुअगिनिसमाजू रथचढिचलप्रथममुनिराजू बिप्रबृन्दचढिबाहननाना
चलेसकलतपतेजनिधाना नगरलोगसबसजिसजियाना चित्रकूटकहंकीन्हपयाना शिविकासुभगनजाइ-
बखानी चढिचढिचलतभईंसबरानी ॥

दो०। सौंपिनगरशुचिसेवकन्हि सादरसबह्विंचलाइ सुमिरिरामसियचरणतब चलेभरतदोभाइ ॥

चौ०। रामदरशह्वितसबनरनारी जनुकरिकरिणिचलेतकिबारी बनसियरामसमुझिमनमाहीं सानुज-
भरतपयादेह्विजाहीं देखिसनेहलोगअनुरागे उतरिचलेहयगजरथत्यागे जाइसमीपराखिनिजडोली
राममातुमृदुबाणीबोली तातचढहुरथबलिमहतारी होइह्विप्रियपरिवारदुखारी तुम्हरेचलतचलिह्विसब-
लोगू सकलशोककृशनह्विंमगुयोगू सिरधरिबचनचरणसिरनाई रथचढिचलतभयेदोभाई तमसाप्रथम-
दिवसकरिबासू दूसरगोमतितीरनिवासू ॥

दो०। पयअहारफलअशनइक निशिभोजनइकलोग करतरामह्वितनेमब्रत परिहरिभूषणभोग ॥

चौ०। सईतीरबसिचलेबिहाने शृंगबेरपुरसबनियराने समाचारसबसुनेउनिषादा हृदयबिचार-
करैसबिषादा कारणकवनभरतबनजाहीं हैकछुकपटभावमनमाहीं जौपैजियनहोतिकुटिलाई तौकत-
लीन्हिसंगकटकाई जानह्विंसानुजरामह्विंमारी करौंअकंटकराजसुखारी भरतनराजनीतिउरआनी तब-
कलंकअबजीवनहानी सकलसुरासुरजुरह्विंजुझारा रामह्विंसमरनजोतनिहारा काआचर्यभरतअसकरहीं
नह्विंबिषबेलिअमियफलफरहीं ॥

दो०। असबिचारिगुहज्ञातिसन कहेउसजगसबहोहु हथवासहुबोरहुतरणि कीजियघाटारोहु ॥

चौ०। होइसजोइलरौकहुघाटा ठाटहुसकलमरणकेठाटा सन्मुखलोहभरतसनलेऊं जियतनसुरसरि-
उतरणदेऊं समरमरणपुनिसुरसरितीरा रामकाजक्षणभंगुशरीरा भरतभाइनृपमैंजननीचू बडेभाग-
असिपाइयमीचू स्वामिकाजुकरिहौंरणरारी यशलहुधवलभुवनदशचारी तजहुंप्राणरघुनाथनिहोरे

दुहुंहाथमुदमोदकमोरे साधुसमाजनजाकरलेखा रामभक्तमहंजासुनरेखा जायजियतजगसोमहि-
भाहू जननीयोबनबिटपकुठाहू ॥

दो०। बिगतबिषादनिषादपति सबहिबढायउछाहु सुमिरिराममांगेउतुरत तरकसधनुषसनाहु ॥

चै।०। बेगिहिभाइसजहुसंजोऊ सुनिरजायकदरायनकोऊ भलेनाथसबकहहिंसहर्षा एकहिएक-
बढावहिंकर्षा चलेनिषादजुहारिजुहारी सूरसकलरणरूचैसुरारी सुमिरिरामपदपंकजपनहीं भाथा-
बांधिचढावहिंधनुहीं आगरिपहिरिकूंडिसिरधरहीं फरसाबांससेलसमकरहीं एककुशलअतिओडनखांडे
कूदहिंगगनमनहुंक्षितिछांडे निजनिजसाजसमाजबनाई गुहराउतहिंजुहारेजाई देखिसुभटसबलायक-
जाने लैलैनामसकलसनमाने ॥

दो०। भाइहुलावहुधोखजनि आजुकाजबडमोहु सुनिसरोषबोलेसुभट बीरअधीरनहोहु ॥

चै।०। रामप्रतापनाथबलतोरे करहिंकटकबिनुभटबिनुघोरे जियतपावनहिंपाछेंधरहीं रुंडमुंडमय-
मेदिनिकरहीं दीखनिषादनाथभलटोलू कहेउबजाऊजुझाउढोलू इतनाकहतछींकभइबायें कहेउ-
शकुनिअन्हखेतसुहायें बूढएककहशगुनबिचारी भरतहिमिलियनहोइहिरारी रामहिंभरतमनावनजाहीं
शगुनकहैअसबिग्रहनाहीं सुनिगुहकहैनीककहबूढा सहसाकरिपछिताहिंबिमूढा भरतसुभावशीलबिनु-
बूझे बडिहितहानिजानिबिनुजूझे ॥

दो०। गहहुघाटभटसिमिटिसब लेउमर्ममिलिजाय बूझिमित्रअरिमध्यगति तबतसकरबउपाय ॥

चै।०। लखबसनेहसुभावसुहाये बैरप्रीतिनहिंदुरतदुराये असकहिभेंटसंजोवनलागे कंदमूलफल-
खगमृगमांगे मीनपीनपाठीनपुराने भरिभरिभारकहारन्हआने सकलसाजसजिमिलनसिधाये मंगल-
मूलशगुनशुभपाये देखिदूरितेंकहिनिजनामू कीन्हमुनीशहिंदंडप्रणामू जानिरामप्रियदीन्हअशीसा
भरतहिकहेउबुझायमुनीशा रामसखासुनिस्यंदनत्यागा चलेउतरिउमगतअनुरागा गांवजातिगुह-
नांवसुनाई कीन्हजुहारिमाथमहिलाई ॥

दो०। करतदंडवतदेखितेहि भरतलीन्हउरलाइ मनहुलषणसनभेंटभइ प्रेमनहृदयसमाइ ॥

चै।०। भेंटभरतताहिअतिप्रीती लोगसिहाहिंप्रेमकैरीती धन्यधन्यधुनिमंगलमूला सुरसराहितेहि-
बरषहिंफूला लोकबेदसबभांतिहिनीचा जासुछांहछुइलेइयसींचा तेहिभरिअंकरामलघुभ्राता मिलत-
पुलकपरिपूरितगाता रामरामकहिजेजमुहाहीं तिनहिनपापपुञ्जसमुहाहीं इहितैारामलायउरलीन्हा
कुलसमेतजगपावनकीन्हा करमनाशजलसुरसरिपरई तेहिकोकहहुसीसनहिंधरई उलटानामजपत-
जगजाना बाल्मीकभएब्रह्मसमाना ॥

दो०। श्वपचशबरखसजमनजड पावंरकोलकिरात रामकहतपावनपरम होतभुवनबिख्यात ॥

चै।०। नहिंअचरजयुगयुगचलिआई केहिनदीन्हरघुबीरबडाई रामनाममहिमासुरकहहीं सुनिसुनि-
अवधलोगसुखलहहीं रामसखहिमिलिभरतसप्रेमा पूछहिंकुशलसुमंगलक्षेमा देखिभरतकरशीलसनेहू
भानिषादतेहिसमयबिदेहू सकुचसनेहमोदमनबाढा भरतहिचितवतइकटकठाढा धरिधीरजपदबंदि-
बहोरी बिनयसप्रेमकरतकरजोरी कुशलमूलपदपंकजपेखी मैंतिहुंकालकुशलनिजलेखी अबप्रभुपरम-
अनुग्रहतोरे सहितकोटिकुलमंगलमोरे ॥

दो०। समुझिमोरिकरतूतिकुल प्रभुमहिमाजियजोइ जोनभजैरघुबीरपद जगबिधिबंचितसोइ ॥
चौ०। कपटीकायरकुमतिकुजाती लोकबेदबाहिरसबभांती रामकीन्हआपनजबहीतें भयेउंभुवन-
भूषणतबहीतें देखिप्रीतिसुनिबिनयसुहाई मिलेबहोरिभरतलघुभाई कहिनिषादनिजनामसुबानी
सादरसकलजुहारीरानी जानिलषणसमदेहिंअशीसा जियहुसुखीशतलाखबरीसा निरखिनिषादनगर-
नरनारी भयेसुखीजनुलषणनिहारी कहहिंलहेउयहजीवनलाहू भेंटेउरामभद्रभरिबाहू सुनिनिषाद-
निजभागबडाई प्रमुदितमनमइंचलेउलिवाई ॥
दो०। सनकारेसेवकसकल चलेस्वामिरुखपाइ घरतरुतरसरबागबन बासबनायेउजाइ ॥
चौ०। शृंगबेरपुरभरतदीखजब भयेसनेहबशअंगशिथिलतब सोहतदियेनिषादहिंलागू जनुतनुधरे-
बिनयअनुरागू इहिबिधिभरतसेनसबसंगा दीखजाइजगपावनिगंगा रामघाटकहंकीन्हप्रणामा भामन-
मगनमिलेजनुरामा करहिंप्रणामनगरनरनारी मुदितब्रह्ममयबारिनिहारी करिमज्जनमांगहिकरजोरी
रामचंद्रपदप्रीतिनथोरी भरतकहेउसुरसरितवरेनू सकलसुखदसेवकसुरधेनू जोरिपाणिबरमांगौएहू
सीयरामपदसहजसनेहू ॥
दो०। इहिबिधिमज्जनभरतकरि गुरुअनुशासनपाइ मातुनहानीजानिसब डेराचलेलवाइ ॥
चौ०। जहंतहंलोगन्हडेराकीन्हा भरतसोधसबहीकरलीन्हा गुरुसेवाकरिआयसुपाई राममातुपहिंगे-
दोभाई चरणचांपिकहिकहिमृदुबानी जननीसकलभरतसनमानी भाइहिसौंपिमातुसेवकाई आपु-
निषादहिंलीन्हबुलाई चलेसखाकरसोंकरजोरे शिथिलशरीरसनेहनथोरे पूछतसखहिंसोठांवदेखाऊ
नेकुनयनमनजरनिजुडाऊ जहंसियरामलषणनिशिसोये कहतभरेजललोचनकोये भरतबचनसुनि-
भयेउबिषादू तुरततहांलैगयेउनिषादू ॥
दो०। जहंशिंशिपापुनीततरु रघुबरकियबिश्राम अतिसनेहसादरभरत कीन्हेउदंडप्रणाम ॥
चौ०। कुशसाथरीनिहारिसुहाई कीन्हप्रणामप्रदक्षिणलाई चरणरेखरजआंखिन्हलाई बनैनकहतप्रीति-
अधिकाई कनकबिंदुदुइचारिकदेखे राखेसीससीयसमलेखे सजलबिलोचनहृदयगलानी कहतसखा-
सनवचनसुबानी श्रीहतसीयबिरहदुतिहीना यथाअवधनरनारिमलीना पिताजनकदेउंपटतरकेही
करतलभोगयोगजगजेही ससुरभानुकुलभानुभुआलू जेहिसिहातअमरावतिपालू प्राणनाथरघुनाथ-
गुसांई जोबडहोतसोरामबडाई ॥
दो०। पतिदेवतासुतीयमणि सीयसाथरीदेषि बिहरतहृदयनहहरिमम पबितेंकठिनबिशेषि ॥
चौ०। लालनयोगलषणलघुलोने भेनभाइअसअहहिंनहोने पुरजनप्रियपितुमातुदुलारे सिय-
रघुबीरहिप्राणपियारे मृदुमूरतिसुकुमारसुभाऊ तातिबाउतनलागिनकाऊ तेबनसहहिंबिपतिसबभांती
निदरेकोटिकुलिशयहछाती रामजनमिजगकीन्हउजागर रूपशीलसुखसबगुणसागर पुरजनपरिजन-
गुरुपितुमाता रामसुभावसबहिंसुखदाता बैरिउरामबडाईकरहीं बोलनिमिलनिबिनयमनहरहीं शारद-
कोटिकोटिशतशेषा करिनसकहिंप्रभुगुणगणलेषा ॥
दो०। सुखस्वरूपरघुबंशमणि मंगलमोदनिधान तेसोवतकुशडासिमहि बिधिगतिअतिबलवान ॥

चौ०। रामसुनादुखकाननकाज जीवनतरुजिमिजुगवतराज पलकनैनफणिमणिजेहिभांती जुगवहिं-
जननिसकलदिनराती तेअबफिरतबिपिनिपदचारी कंदमूलफलफूलअहारी धिककैकेयिअमंगलमूला
भइसिप्राणप्रियतमप्रतिकूला मैंधिकधिकअघउदधिअभागी सबउतपातभयेउजेहिलागी कुलकलंककरि-
सृजेउबिधाता सांइद्रोहमोहिकीन्हकुमाता सुनिसप्रेमसमुझावनिषादू नाथकरियकतबादिबिषादू राम-
तुमहिंप्रियतुमप्रियरामहिं यहनिरदोषदोषबिधिबामहिं॥

छं०। बिधिबामकीकरणीकठिनजेइमातुकीन्हीबावरी तेहिरातिपुनिपुनिकरहिंप्रभुसादरसराहनरावरी॥
तुलसीनतुमसोरामप्रीतमकहतहौंसौंहेंकिये परिणाममंगलजानिअपनेआनियेधीरजहिये॥

सो०। अंतरजामीराम सकुचसप्रेमकृपायतन चलियकरियबिश्राम यहबिचारदृढआनिमन॥

चौ०। सखावचनसुनिउरधरिधीरा बासचलेसुमिरतरघुबीरा यहसुधिपाइनगरनरनारी चलेबिलोकन-
आरतभारी परदक्षिणकरिकरहिंप्रणामा देहिंकैकेयिहिखोरिनिकामा भरिभरिबारिबिलोचनलेहीं
बामबिधातहिंदूषणदेहीं एकसराहहिंभरतसनेहू कोउकहनृपतिनिबाहेउनेहू नीदहिंआपुसराहि-
निषादहिं कोकहिसकैबिमोहबिषादहिं इहिबिधिरातिलोगसबजागा भाभिनुसारगुजारालागा गुरुहिं-
सुनावचढाइसुहाई नईनावसबमातुचढाई दंडचारिमहंभासबपारा उतरिभरततबसबहिंसंभारा॥

दो०। प्रातक्रियाकरिमातुपद बंदिगुरुहिसिरनाइ आगेकियेनिषादगण दीन्हेउकटकचलाइ॥

चौ०। कियेउनिषादनाथअगुआई मातुपालकीसकलचलाई साथबुलाइभाइलघुदीन्हा बिप्रन्हसहित-
गवनगुरुकीन्हा आपुसुरसरिहिंकीन्हप्रणामू सुमिरेलषणसहितसियरामू गवनेभरतपयादेहिपाये कोतल-
संगजाहिंडोरिआये कहहिंसुसेवकबारहिंबारा होइयनाथअश्वअसवारा रामपयादेहिंपांवसिधाये हम-
कहंरथगजबाजिबनाये सिरभरजाउंउचितअसमोरा सबतेंसेवकधर्मकठोरा देखिभरतगतिसुनिमृदुबानी
सबसेवकगणगरहिंगलानी॥

दो०। भरततीसरेपहरकहं कीन्हप्रवेशप्रयाग कहतरामसियरामसिय उमगिउमगिअनुराग॥

चौ०। झलकाझलकतपायन्हकैसें पंकजकोशओसकणजैसें भरतपयादेहिंआयेआजू भयेदुखितसुनि-
सकलसमाजू खबरिलीन्हसबलोगनहाये कीन्हप्रणामत्रिबेणिहिंआये सबहिसितासितनीरनहाने
दियेदानमहिसुरसनमाने देखतश्यामलधवलहिलोरे पुलकशरीरभरतकरजोरे सकलकामप्रदतीरथ-
राऊ वेदबिदितजगप्रगटप्रभाऊ मांगौंभीखत्यागिनिजधरमू आरतकाहनकरहिंकुकरमू असजिय-
जानिसुजानिसुदानी सफलकरौंजगयाचकबानी॥

दो०। अर्थनधर्मनकामरुचि गतिनचहौंनिर्बान जन्मजन्मरतिरामपद यहबरदाननआन॥

चौ०। जानहिंरामकुटिलकरिमोही लोगकहौगुरुसाहबद्रोही सीतारामचरणरतिमोरे अनुदिनबढौ-
अनुग्रहतोरे जलदजन्मभरिसुरतिबिसारे याचतजलपबिपाहनडारे चातकरटनिघटेघटिजाई बढेप्रेम-
सबभांतिभलाई कनकहिबानचढैजिमिदाहे तिमिप्रीतमपदनेमनिबाहे भरतबचनसुनिमांझत्रिबेनी भइ-
मृदुबाणिसुमंगलदेनी तातभरततुमसबबिधिसाधू रामचरणअनुरागअगाधू बादिगलानिकरहुमनमाहीं
तुमसमरामहिंप्रियकोउनाहीं॥

दो०। तनुपुलकेहियहर्षसुनि बेणिबचनअनुकूल भरतधन्यकहिधन्यकहि नभसुरबरषहिंफूल ॥
चौ०। प्रमुदिततीरथराजनिवासी बैषानसबटुगृहीउदासी कहहिंपरस्परमिलिदशपांचा भरतसनेह-
शीलशुचिसांचा सुनतरामगुणगानसुहाये भरद्वाजमुनिवरपहंआये दंडप्रणामकरतमुनिदेखे मूरतिवंत-
भागनिजलेखे धाइउठाइलाइउरलीन्हे दीन्हअशीसकृतारथकीन्हे आसनदीन्हनाइसिरबैठे चहतसकुच-
गृहजनुभजिपैठे मुनिपूछबकछुयहबडसोचू बोलेऋषिलखिशीलसंकोचू सुनहुभरतहमसबसुधिपाई
बिधिकरतबपरकछुनबसाई ॥
दो०। तुमगलानिजियजनिकरहु समुझिमातुकरतूति तातकैकयिहिदोषनहिं गईगिरामतिधूति ॥
चौ०। इहौकहतभलकहिहिनकोऊ लोकबेदबुधसंमतदोऊ ताततुम्हारबिमलयशगाई पाइहिलोकहुं-
वेदबडाई लोकवेदसंमतसबकहई जेहिपितुराजदेइसोलहई राउसत्यब्रततुमहिंबुलाई देतराजसुख-
धर्मबडाई रामगवनबनअनरथमूला जोसुनिसकलबिश्वभइशूला सोभावीबशरानिअयानी करिकुचालि-
अंतहुंपछितानी तहंउंतुम्हारअलपअपराधू कहैसोअधमअयानअसाधू करतेहुराजतुम्हहिनहिंदोषू
रामहिहोतसुनतसंतोषू ॥
दो०। अबअतिकीन्हेहुभरतभल तुम्हहिंउचितमतएहु सकलसुमंगलमूलजग रघुबरचरणसनेहु ॥
चौ०। सोतुम्हारधनजीवनप्राना भूरिभागकोतुमहिंसमाना यहतुम्हारअचरजनहिंताता दशरथसुअन-
रामप्रियभ्राता सुनहुभरतरघुपतिमनमाहीं प्रेमपात्रतुमसमकोउनाहीं लषणरामसीतहिंअतिप्रीती निशि-
सबतुम्हहिंसराहतबीती जानामर्मअन्हातप्रयागा मगनहोहिंतुम्हरेअनुरागा तुमपरअससनेहरघुबरके
सुखजीवनजगजसजडनरके यहनअधिकरघुबीरबडाई प्रणतकुटुम्बपालरघुराई तुमतौभरतमोरमतयेहू
धरेदेहजनुरामसनेहू ॥
दो०। तुमकहंभरतकलंकयह हमसबकहंउपदेश रामभक्तिरससिंधुहित भायहसमयगणेश ॥
चौ०। नवबिधुबिमलताततयशतोरा रघुबरकिंकरकुमुदचकोरा उदैसदाअंथइहिकबहूना घटिहिन-
जगनभदिनदिनदूना कोकत्रिलोकप्रीतिअतिकरहीं प्रभुप्रतापरविछबिहिनहरहीं निशिदिनसुखदसदा-
सबकाहू ग्रसहिंनकैकयिकरतबराहू पूरणरामसुप्रेमपियूषा गुरुअपमानदोषनहिंदूषा रामभक्तिअब-
अमियअघाहू कीन्हेउसुलभसुधावसुधाहू भूपभगीरथसुरसरिआनी सुमिरतसकलसुमंगलखानी दशरथ-
गुणगणबरणिनजाहीं अधिककहाजेहिसमजगनाहीं ॥
दो०। जासुसनेहसकोचबश रामप्रगटभेआय जेहरहियनयनन्हकबहुं निरखेनाहिंअघाय ॥
चौ०। कीरतिबिधुतुमकीन्हअनूपा जहंबशरामप्रेममृगरूपा ताततगलानिकरहुजियजाये डरहुदरिद्र-
हिपारसपाये सुनहुभरतहमझूठनकहहीं उदासीनतापसबनरहहीं सबसाधनकरसुफलसुहावा लषण-
रामसियदरशनपावा तेहिफलकरफलदरशतुम्हारा सहितप्रयागसुभागहमारा भरतधन्यतुमजगयश-
लयऊ कहिअसप्रेममगनमुनिभयऊ सुनिमुनिबचनसभासदहरषे साधुसराहिसुमनसुरबरषे धन्यधन्य-
धुनिगगनप्रयागा सुनिसुनिभरतमगनअनुरागा ॥
दो०। पुलकगातहियरामसिय सजलसरोरुहनैन करिप्रणाममुनिमंडलिहि बोलेगदगदबैन ॥

चौ०। मुनिसमाजअरुतीरथराजू साँचेहुसपथअघाइअकाजू यहिविधजोकछुकहियबनाई इहिसमनहिं-
कछुअवअधमाई तुमसरवग्यकहौंसतिभाऊ उरअंतरजामीरघुराऊ मोहिनमातुकरतबकरसोचू नहिं-
दुखजियजगजानहिंपोचू नाहिनडरबिगरहिपरलोकू पितुमरिबेकरमोहिनसोकू सुकृतसुयशभरिभुवन-
सुहाये लक्ष्मणरामसरिससुतपाये रामबिरहतजितनुक्षणभंगू भूपसोचकरकवनप्रसंगू रामलषणसियबिनु-
पगपनही करिमुनिवेषफिरहिंबनबनही ॥

दो०। अजिनबसनफलअशनमहि शयनडासिकुशपात बसितरुतरनितसहतदुख हिमतपबरषाबात॥

चौ०। यहदुखदाहदहैनितछाती भूखनवासरनीदनराती यहकुरोगकरऔषधनाहीं शोधेउंसकल-
विश्वमनमाहीं मातुकुमतबढईअघमूला तेहिहमारहितकीन्हबसूला कलिकुकाठकरकीन्हकुयंत्रू गाडि-
अवधिपढिकठिनकुमंत्रू मोहिलगियहकुठाटतेहिठाटा घालिसिसबजगबारहबाटा मिटैकुयोगरामफिरि-
आयें बसैअवधनहिंआनउपायें भरतबचनसुनिमुनिसुखपाई सबहिकीन्हबहुभांतिबडाई तातकरहु-
जनिसोचविशेषी सबदुखमिटिहिरामपददेषी ॥

दो०। करिप्रबोधमुनिवरकहेउ अतिथिप्राणप्रियहोहु कंदमूलफलफूलहम देहिंलेहुकरिछोहु॥

चौ०। सुनिमुनिबचनभरतहियसोचू भयउकुअवसरकठिनसकोचू जानिगरुअगुरुगिरावहोरी चरण-
बंदिबोलेकरजोरी सिरधरिआयसुकरियतुम्हारा परमधर्मयहनाथहमारा भरतबचनमुनिबरमनभाये
शुचिसेवकसबनिकटबुलाये चाहियकीन्हभरतपहुनाई कंदमूलफलआनहुजाई भलेहिनाथकहितिन्ह-
सिरनाये प्रमुदितनिजनिजकाजसिधाये मुनिहिसोचपाहुनबडनेवता तसिपूजाचाहियजसदेवता सुनि-
ऋधिसिधिअणिमादिकआई आयसुहोइसोकरैंगुसांई ॥

दो०। रामबिरहव्याकुलभरत सानुजसकलसमाज पहुनाईकरिहरहुश्रम कहेउमुदितमुनिराज॥

चौ०। ऋधिसिधिसिरधरिमुनिबरबानी बडभागिनिआपुहिअनुमानी कहहिंपरस्परसिधिसमुदाई
अतुलितअतिथिरामलघुभाई मुनिपदबंदिकरियसोइआजू होइसुखीसबराजसमाजू असकहिरचिररचे-
गृहनाना जेबिलोकिबिलखाहिंबिमाना भोगबिभूतिभूरिभरिराखे देखतजिन्हहिंअमरअभिलाषे दासी-
दाससाजसबलीन्हे जुगवतरहहिंमनहिंमनदीन्हे सबसमाजसजिसिधिपलमाहीं जेसुखसपनेहुंसुरपुर-
नाहीं प्रथमहिंबासदियेसबकेही सुंदरसुखदयथारुचिजेही ॥

दो०। बहुरिसपरिजनभरतकहं ऋषिआयसुअसदीन्ह बिधिबिस्मयदायकबिभव मुनिबरतपबलकीन्ह॥

चौ०। मुनिप्रभावजबभरतबिलोका सबलघुलगेलोकपतिलोका सुखसमाजनहिंजाइबखानी देखत-
बिरतिबिसारहिंज्ञानी आसनशयनसुबसनबिताना बनवाटिकाबिहगमृगनाना सुरभिफूलफलअमिय-
समाना बिमलजलाशयबिविधबिधाना अशनपानशुचिअमितअमोसे देखिलोगसकुचातजमोसे सुर-
सुरभीसुरतरुसबहीके लखिअभिलाषसुरेशशचीके ऋतुबसंतबहत्रिबिधबयारी सबकहंसुलभपदारथ-
चारी स्रकचंदनबनितादिकभोगा देखिहर्षबिस्मयबशलोगा ॥

दो०। संपतिचकईभरतचक मुनिआयसुखेलवार तेहिनिशिआश्रमपींजरा राखेभाबिनुसार॥

चौ०। कीन्हनिमज्जनतीरथराजा नाइमुनिहिंसिरसहितसमाजा ऋषिआयसुअशीससिरराखी करि-

दंडवतविनयबड़भागी पयगतिकुअवसाथसबलीन्हे चलेचित्रकूटहिंचितदीन्हे रामसखाकरदीन्हेलागू चलतदेहधरिजनुअनुरागू नहिंपदत्राणसीसनहिंछाया प्रेमनेमब्रतधर्मअमाया लषणरामसियपंथकहानी पूछतसखहिंकहतमृदुबानी रामबासथलविटपबिलोके उरअनुरागरहतनहिंरोके देखिदशासुरबरषहिं-फूला भइमृदुमहिमगुमंगलमूला ॥

दो०। कियेजाहिंछायाजलद सुखदबहैबरबात तसमगुभयउनरामकहं जसभाभरतहिजात ॥

चौ०। जड़चेतनजगजीवघनेरे जेचितयेप्रभुजिन्हप्रभुहेरे तेसबभयेपरमपदयोगू भरतदरशभेषजभव-रोगू यहबड़िबातभरतकैनाहीं सुमिरतजिन्हहिंराममनमाहीं बारेकरामकहतजगजेऊ होततरणतारण-नरतेऊ भरतरामप्रियपुनिलघुभ्राता कसनहोइमगुमंगलदाता सिद्धसाधुमुनिबरअसकहहीं भरथहिं-निरखिहर्षहियलहहीं देखिप्रभावसुरेशहिंसोचू जगभलभलहिंपोचकहंपोचू गुरुसनकहेउकरहुप्रभुसोई रामहिंभरतहिंभेंटनहोई ॥

दो०। रामसकोचीप्रेमबश भरतसप्रेमपयोधि बनीबातबिगरनचहत करिययतनछलसोधि ॥

चौ०। बचनसुनतसुरगुरुमुसुकाने सहसनयनबिनुलोचनजाने कहगुरुबादिछोभछलछाड़ू इहां-कपटकरिहोइयभाड़ू मायापतिसेवकसनमाया करियतउलटिपरैसुरराया तबककुकीन्हरामरुखजानी अबकुचालिकरिहोइहिहानी सुनुसुरेशरघुनाथसुभाऊ निजअपराधरिसाहिंनकाऊ जोअपराधभक्तकर-करई रामरोषपावकसोजरई लोकहुंवेदबिदितइतिहासा यहमहिमाजानहिंदुरबासा भरतसरिसको-रामसनेही जगजपुरामरामजपुजेही ॥

दो०। मनहुंनआनियअमरपति रघुबरभक्तअकाज अयशलोकपरलोकदुख दिनदिनशोकसमाज ॥

चौ०। सुनुसुरेशउपदेशहमारा रामहिंसेवकपरमपियारा मानतसुखसेवकसेवकाई सेवकबैरबैर-अधिकाई यद्यपिसमनहिंरागनरोषू गहहिंनपापपुण्यगुणदोषू कर्मप्रधानबिश्वकरिराखा जोजसकरसो-तसफलचाखा तदपिकरहिंसमबिषमबिहारा भक्तअभक्तहृदयअनुसारा अगुणअलेखअमानएकरस रामसगुणभयेभक्तप्रेमबश रामसदासेवकरुचिराखी वेदपुराणसाधुसुरसाखी असजियजानितजहु-कुटिलाई करहुभरतपदप्रीतिसुहाई ॥

दो०। रामभक्तपरहितनिरत परदुखदुखीदयाल भक्तशिरोमणिभरततें जनिडरपहुसुरपाल ॥

चौ०। सत्यसिंधुप्रभुसुरहितकारी भरतरामआयसुअनुसारी स्वारथबिबशबिकलतुमहोहू भरतदोष-नहिंराउरमोहू सुनिसुरबरसुरगुरुबरबानी भाप्रबोधमनमिटीगलानी बरषिप्रसूनहर्षिसुरराऊ लगे-सराहनभरतसुभाऊ इहिविधिभरतचलेमगुजाहीं दशादेखिमुनिसिद्धसिहाहीं जबहिंरामकहिलेहिंउ-सासा उमगतप्रेममनहुंचहुंपासा द्रवहिंबचनसुनिकुलिशपषाना पुरजनप्रेमनजाइबखाना बीचबासकरि-यमुनहिंआये निरखिनीरलोचनजलछाये ॥

दो०। रघुबरबरणबिलोकिबर बारिसमेतसमाज होतबिरहबारिधिमगन चढेबिबेकजहाज ॥

चौ०। यमुनातीरतेहिदिनकरिबासू भयेउसमयसमसबहिंसुपासू रातिहिंघाटघाटकीतरणी आईं-अगणितजाइंनबरणी प्रातपारभेएकहिखेवा तोषेरामसखाकरिसेवा चलेअन्हाइनदिहिंसिरनाई साथ-

निषादनाथलघुभाई आगेमुनिबरबाहनआछे राजसमाजजाइसबपाछे तेहिपाछेंदोबंधुपयादे भूषण-
बसनबेषसुठिसादे सेवकसुहृदसचिवसुतसाथा सुमिरतलषणसीयरघुनाथा जहंजहंरामबासबिश्रामा
तहंतहंकरहिंसुप्रेमप्रणामा ॥

दो०। मगबासीनरनारिसुनि धामकामतजिधाइ देखिस्वरूपसनेहबश मुदितजन्मफलपाइ ॥

चौ०। कहहिंसप्रेमएकइकपाहीं रामलषणसखिहोहिंकिनाहीं वयबपुबरणरूपसोइआली शीलसनेह-
सरिससमचाली बेषनसोसखिसीयनसंगा आगेअनीचलीचतुरंगा नहिंप्रसन्नमुखमानसखेदा सखि-
संदेहहोतइहिभेदा तासुतर्कतियगणमनमानी कहहिंसकलतोहिसमनसयानी तेहिसराहिबाणीफुरपूजी
बोलीमधुरबचनतियदूजी कहिसप्रेमसबकथाप्रसंगू जेहिबिधिरामराजरसभंगू भरतहिबहुरिसराहन-
लागी शीलसनेहसुभावसुभागी ॥

दो०। चलतपयादेखातफल पितादीन्हतजिराज जातमनावनरघुबरहिं भरतसरिसकोआज ॥

चौ०। भायपभक्तिभरतआचरणू कहतसुनतदुखदूषणहरणू जोकछुकहियथोरसखिसोई रामबंधुअस-
काहेनहोई हमसबसानुजभरतहिदेखें भयेधन्ययुबतीजनलेखें सुनिगुणदेखिदशापछिताहीं केकयि-
जननियोगसुतनाहीं कोउकहदूषणरानिहिनाहिन बिधिसबभांतिहमहिंजोदाहिन कहंहमलोकवेद-
बिधिहीना लघुकुलतियकरतूतिमलीना बसहिंकुदेशकुगांवकुठामा कहंयहदरशपुण्यपरिणामा अस-
अनंदअचरजप्रतिग्रामा जनुमरुभूमिकल्पतरुजामा ॥

दो०। भरतदरशदेखतखुलेउ मगलोगन्हकरभाग जनुसिंघलबासिन्हभयेउ बिधिबशसुलभप्रयाग ॥

चौ०। निजगुणसहितरामगुणगाथा सुनतजाहिंसुमिरतरघुनाथा तीरथमुनिआश्रमसुरधामा निरखि-
निमज्जहिंकरहिंप्रणामा मनहींमनमांगहिंबरयेहू सीयरामपदपद्मसनेहू मिलहिंकिरातकोलबनबासी
बैषानसबटुयतीउदासी करिप्रणामपूछहिंजेहितेही केहिबनलषणरामबैदेही तेप्रभुसमाचारसबकहहीं
भरतहिंदेखिजन्मफललहहीं जेजनकहहिंकुशलहमदेखे तेप्रियरामलषणसमलेखे इहिबिधिबूझतसबहिं-
सुबानी सुनतरामबनबासकहानी ॥

दो०। तेहिबासरबसिप्रातहीं चलेसुमिरिरघुनाथ रामदरशकीलालसा भरतसरिससबसाथ ॥

चौ०। मंगलशगुनहोहिंसबकाहू फरकहिंसुखदबिलोचनबाहू भरतहिसहितसमाजउछाहू मिलिहहिं-
राममिटिहिदुखदाहू करतमनोरथजसजियजाके जाहिंसनेहसुरासबछाके शिथिलअंगमगुपगु-
डगिडोलहिं बिह्वलबचनप्रेमबशबोलहिं रामसखातेहिसमयदेखावा शैलशिरोमणिसहजसुहावा जासु-
समीपसरितपयतीरा सीयसमेतबसहिंदोबीरा देखिकरहिंसबदंडप्रणामा कहिजयजानकिजीवनरामा
प्रेममगनअसराजसमाजू जनुफिरिअवधचलेरघुराजू ॥

दो०। भरतप्रेमतेहिसमयजस तसकहिसकैनशेषु कबिहिअगमजिमिब्रह्मसुख अहममलिनजनेषु ॥

चौ०। सकलसनेहशिथिलरघुबरके गयेकोशदुइदिनकरढरके जलथलदेखिबसेनिशिबीते कीन्ह-
गवनरघुनाथपिरीते उहांरामरजनीअवशेषा जागेसीयसपनअसदेखा सहितसमाजभरतजनुआये नाथ-
बियोगतापतनुताये सकलमलिनमनदीनदुखारी देखीसासुआनअनुहारी सुनिसियसपनभरेजललोचन

भयेसोचबशशोचबिमोचन लषणसपनयहनीकनहोई कठिनकुचाहसुनाइहिकोई असकहिबंधुसमेत-
अन्हाने पूजिपुरारिसाधुसनमाने ॥
छं०। सनमानिसुरमुनिबंदिबैठेउतरदिशिदेखतभये नभधूरिखगमृगभूरिभागेबिकलप्रभुआश्रमगये ॥
तुलसीउठेअवलोकिकारणकाहचितसचकितरहे सबसमाचारकिरातकोल्हनआइतेहिअवसरकहे ॥
सो०। सुनतसुमंगलबैन मनप्रमोदतनुपुलकभर शरदसरोरुहनैन तुलसीभरेसनेहजल ॥
चै०। बहुरिसोचबशभेसियरमनू कारणकवनभरतआगमनू एकआइअसकहाबहोरी सेनसंगचतुरंगन-
थोरी सोसुनिरामहिभाअतिसोचू इतपितुबचउतबंधुसकोचू भरतसुभावसमुझिमनमाहीं प्रभुचितहित-
थितिपावतनाहीं समाधानतबभायहजाने भरतकहेमहंसाधुसयाने लषणलखेउप्रभुहृदयखभारू कहत-
समयसमनीतिबिचारू बिनुपूछेककुकहउंगुसांई सेवकसमयनढीठढिठाई तुमसर्वज्ञशिरोमणिस्वामी
आपनिसमुझिकहौंअनुगामी ॥
दो०। नाथसुहृदसुठिसरलचित शीलसनेहनिधान सबपरप्रीतिप्रतीतिजिय जानियआपुसमान ॥
चै०। बिषयीजीवपाइप्रभुताई मूढमोहबशहोहिंजनाई भरतनीतिरतसाधुसुजाना प्रभुपदप्रेमसकल-
जगजाना तेऊआजुराजपदपाई चलेधर्ममरयादमिटाई कुटिलकुबंधुकुअवसरताकी जानिरामबनबास-
एकाकी करिकुमंत्रमनसाजिसमाजू आयेकरणअकंटकराजू कोटिप्रकारकलपिकुटिलाई आयेदल-
बटोरिदौभाई जौजियहोतिनकपटकुचाली केहिसोहातरथबाजिगजाली भरतहिदोषदेइकोजाये जग-
बौराइराजपदपाये ॥
दो०। शशिगुरुतियगामीनहुख चढेउभूमिसुरयान लोकबेदतेंबिमुखभा अधमकोबेनुसमान ॥
चै०। सहसबाहुसुरनाथत्रिसंकू केहिनराजमददीन्हकलंकू भरतकीन्हयहउचितउपाऊ रिपुरण-
रनराखबकाऊ एककीन्हिनहिंभरतभलाई निदरेरामजानिअसहाई समुझिपरिहिसोआजुबिशेषी
समरसरोषरामरुखदेषी इतनाकहतनीतिरसभूला रणरसबिटपपुलकजिमिफूला प्रभुपदबंदिसीसरज-
राषी बोलेसत्यसहजबलभाषी अनुचितनाथनमानबमोरा भरतहमहिंउपचारनथोरा कहंलगिसहिय-
रहियमनमारे नाथसाथधनुहाथहमारे ॥
दो०। क्षत्रिजातिरघुकुलजनम रामअनुजजगजान लातहुमारेचढतसिर नीचकोधूरिसमान ॥
चै०। उठिकरजोरिरजायसुमांगा मनहुंबीररससोवतजागा बांधिजटासिरकटिकसिभाथा साजि-
शरासनशायकहाथा आजुरामसेवकयशलेऊं भरतहिसमरसिखावनदेऊं रामनिरादरकरफलपाई
सोवहुसमरसेजदौभाई आइबनाभलसकलसमाजू प्रगटकरौंरिसिपाछिलिआजू जिमिकरिनिकरदलै-
मृगराजू लेइलपेटिलवाजिमिबाजू तैसेहिंभरतहिसेनसमेता सानुजनिदरिनिपातौंखेता जौसहायकर-
शंकरआई तदपिहतौंरणरामदोहाई ॥
दो०। अतिसरोषभाषेलषण लखिसुनिशपथप्रमान सभयबिलोकतलोकपति चाहतभभरिभगान ॥
चै०। जगभैमगनगगनभैबानी लषणबाहुबलबिपुलबखानी तातप्रतापप्रभावतुम्हारा कोकहिसकको-
जाननिहारा अनुचितउचितकाजककुहोई समुझिकरियभलकहसबकोई सहसाकरिपाछेपछिताहीं

कहहिंबेदबुधलोकबुधनाहीं सुनितुरबचनलषणसकुचाने रामसीयसादरसनमाने कहीतातनुमनीतिसुहाई
सबतेकठिनराजमदभाई जोअंचवतमातहिन्टपतेई नाहिनसाधुसभाजिन्हसेई सुनऊलषणभलभरत-
सरीषा बिधिप्रपंचमहंसुनानदीषा ॥

दो०। भरतहिहोइनराजमद बिधिहरिहरपदपाइ कबहुंकिकांजीशीकरन्हि छीरसिंधुबिनशाइ ॥
चौ०। तिमिरतरुणतरणिहिंसकगिलई गगनमगनमकुमेघहिमिलई गोपदजलबूडहिंघटयोनी सहज-
छमाबरुछाडहिंछोनी मशकफूंकबरुमेरुउडाई होइनन्टपमदभरतहिंभाई लषणतुम्हारशपथपितुआना
शुचिसुबंधुनहिंभरतसमाना सगुणछीरअवगुणजलताता मिलैरचैपरपंचबिधाता भरतहंसरबिबंशतडागा
जनमिकीन्हगुणदोषबिभागा गहिगुणपयतजिअवगुणबारी निजयशजगतकीन्हउजिआरी कहतभरत-
गुणशीलसुभाऊ प्रेमपयोधिमगनरघुराऊ ॥

दो०। सुनिरघुबरबाणीबिबुध देखिभरतपरहेतु सकलसराहतरामसो प्रभुकोकृपानिकेतु ॥
चौ०। जौनहोतजगजन्मभरतको सकलधरमधुरधरणिधरतको कबिकुलअगमभरतगुणगाथा को-
जानैतुमबिनुरघुनाथा लषणरामसियसुनिसुरबानी अतिसुखलहेउनजाइबखानी इहांभरतसबसहित-
सुहाये मंदाकिनीपुनीतअन्हाये सरितसमीपराखिसबलोगा मांगिमातुगुरुसचिवनियोगा चलेभरत-
जहंसियरघुराई साथनिषादनाथलघुभाई समुझिमातुकरतबसकुचाहीं करतकुतर्ककोटिमनमाहीं राम-
लषणसियसुनिममनाऊं उठिजनिअनतजाहिंतजिठाऊं ॥

दो०। मातुमतेमहंजानिमोहि जोकछुकरहिंसोथोर अघअवगुणतजिआदरहिं समुझिआपनीओर ॥
चौ०। जौपरिहरहिंमलिनमनजानी जौसनमानहिंसेवकमानी मोरेशरणरामकीपनहीं रामसुस्वामि-
दोषसबजनहीं जगयशभाजनचातकमीना नेमप्रेमनिजनिपुणनबीना असमनगुणतचलेमगुजाता सकुच-
सनेहशिथिलसबगाता फेरतिमनकुमातुकृतखोरी चलतभक्तिबलधीरजधोरी जबसमुझहिंरघुनाथसुभाऊ
तबपथपरतउतावलपाऊ भरतदशातेहिअवसरकैसी जलप्रवाहजलअलिगतिजैसी देखिभरतकरसोच-
सनेहू भानिषादतिहिसमयबिदेहू ॥

दो०। लगेहोनमंगलशगुन सुनिगुणिकहतनिषाद मिटिहिसोचहोइहिहरष पुनिपरिणामबिषाद ॥
चौ०। सेवकबचनसत्यसबजाने आश्रमनिकटजाइनियराने भरतदीखबनशैलसमाजू मुदितछुधित-
जनुपाइसुनाजू ईतिभीतिजनुप्रजादुखारी त्रिबिधतापपीडितग्रहमारी जाइसुराजसुदेशसुखारी भईभरत-
गतितेहिअनुहारी रामबासबनसंपतिभ्राजा सुखीप्रजाजनुपाइसुराजा सचिवबिरागबिबेकनरेशू बिपिन-
सुहावनपावनदेशू भटकमनीयशैलरजधानी शांतिसुमतिशुचिसुंदररानी सकलअंगसंपन्नसुराऊ राम-
चरणआश्रितचितचाऊ ॥

दो०। जीतिमोहमहिपालदल सहितबिबेकभुआल करतअकंटकराजपुर सुखसंपदासुकाल ॥
चौ०। बनप्रदेशमुनिवासघनेरे जनुपुरनगरगांवगणखेरे बिपुलबिचित्रबिहगम्टगनाना प्रजासमाजन-
जाइबखाना खरहाकरिहरिबाघबराहा देखिमहिषवृकसाजसराहा बैरबिहाइचरहिंएकसंगा जहंतहं-
मनहुंसेनचतुरंगा झरनाझरहिंमत्तगजगाजहिं मनहुंनिसानबिबिधबिधिबाजहिं चक्रचकोरचातकशुक-

पिकगण कूजतमंजुमरालमुदितमन अलिगणगावतनाचतमोरा जनुसुराजमंगलचहुंओरा बेलिबिटप-
तृणसफलसफूला सबसमाजमुदमंगलमूला ॥

दो॰। रामशैलशोभानिरखि भरतहृदयअतिप्रेम तापसतपफलपाइजिमि सुखीसिरानेनेम ॥

चौ॰। तबकेवटऊंचेचढिजाई कहाभरतसनभुजाउठाई नाथदेखियहबिटपबिशाला पाकरिजंबुरसाल-
तमाला तिन्हतरुबरन्हमध्यबटसोहा मंजुबिशालदेखिमनमोहा नीलसघनपल्लवफललाला अबिचलछांह-
सुखदसबकाला मानहुंतिमिरअरुणमयरासी बिरचीबिधिसकेलिसुखमासी तेहितरुसरितसमीपगुसाई
रघुबरपर्णकुटीजहंछाई तुलसीतरुबरबिबिधसुहाये कहुंसियपियकहुंलषणलगाये बटछायावेदिकाबनाई
सियनिजपाणिसरोजसुहाई ॥

दो॰। जहंबैठेमुनिगणसहित नितसियरामसुजान सुनहिंकथाइतिहाससब आगमनिगमपुरान॥

चौ॰। सखाबचनसुनिबिटपनिहारी उमगेभरतबिलोचनबारी करतप्रणामचलेदोभाई कहतप्रीति-
शारदसकुचाई हर्षहिंनिरखिरामपदअंका मानहुंपारसपायेउरंका रजसिरधरिहियनैननिलावहिं रघु-
बरमिलनसरिससुखपावहिं देखिभरतगतिअकथअतीवा प्रेममगनमृगखगजडजीवा सखहिसनेहबिवश-
मगुभूला कहिसुपंथसुरबरषहिंफूला निरखिसिद्धसाधकअनुरागे सहजसनेहसराहनलागे होतनभूतल-
भावभरतको अचरसचरचरअचरकरतको ॥

दो॰। प्रेमअमियमंदरबिरह भरतपयोधिगंभीर मथिप्रगटेसुरसाधुहित कृपासिंधुरघुबीर ॥

चौ॰। सखासमेतमनोहरजोटा लखउनलषणसघनबनओटा भरतदीखप्रभुआश्रमपावन सकल-
सुमंगलसदनसुहावन करतप्रवेशमिटादुखदावा जनुयोगीपरमारथपावा देखेभरतलषणप्रभुआगे पूछत-
बचनकहतअनुरागे सीसजटाकटिमुनिपटबांधे तूणकसेकरशरधनुकांधे वेदीपरमुनिसाधुसमाजू सीय-
सहितराजतरघुराजू बलकलबसनजटिलतनुश्यामा जनुमुनिबेषकीन्हरतिकामा करकमलन्हधनुशायक-
फेरत जीकीजरनिहरतहंसिहेरत ॥

दो॰। लसतमंजुमुनिमंडली मध्यसीयरघुनंद ज्ञानसभाजनुतनुधरे भक्तिसच्चिदानंद ॥

चौ॰। सानुजसखासमेतमगनमन बिसरेहर्षशोकसुखदुखगण पाहिनाथकहिपाहिगुसाईं भूतल-
परेलकुटकीनाईं बचनसप्रेमलषणपहिचाने करतप्रणामभरतजियजाने बंधुसनेहसरसइहिओरा
उतसाहिबसेवाबरजोरा मिलिनजाइनहिंगुदरतबनई सुकविलषणमनकीगतिभनई रहेराखिसेवापरभारू
चढीचंगजनुखैंचखेलारू कहतसप्रेमनाइमहिमाथा भरतप्रणामकरतरघुनाथा उठेरामसुनिप्रेमअधीरा
कहुंपटकहुंनिषंगधनुतीरा ॥

दो॰। बरबशलियेउठाइउर लायेकृपानिधान भरतरामकीमिलनिलखि बिसरेउसबहिअपान ॥

चौ॰। मिलनिप्रीतिकिमिजाइबखानी कविकुलअगमकर्ममनबानी परमप्रेमपूरणदोभाई मनबुधिचित-
अहमितिबिसराई कहहुसुप्रेमप्रगटकोकरई केहिछायाकबिमतिअनुसरई कबिहिअर्थआखरबलसांचा
अनुहरतालगतिहिनटनाचा अगमसनेहभरतरघुबरके जहंनजाइमनबिधिहरिहरके सोमैंबरणिकहौं-
केहिभांती बाजसुरागकिगाडरितांती मिलनिबिलोकिभरतरघुबरकी सुरगणसभयधुकधकीधरकी
समुझायेसुरगुरुजडजागे बरषिप्रसूनप्रशंसनलागे ॥

दो०। मिलिसप्रेमरिपुसूदनहि केवटभेंटेउराम भूरिभाइभेंटेभरत लछमणकरतप्रणाम ॥
चौ०। भेंटेउलषणललकिलघुभाई बहुरिनिषादलीन्हउरलाई पुनिमुनिगणदुहुंभाइन्हबंदे अभिमत-
आशिषपाइअनंदे सानुजभरतउमगिअनुरागा धरिसिरसियपदपद्मपरागा पुनिपुनिकरतप्रणामउठाये
सियकरकमलपरसिबैठाये सीयअसीसदीन्हमनमाहीं मगनसनेहदेहसुधिनाहीं सबबिधिसानुकूललखि-
सीता भेअसोचउरअपडरबीता कोउकछुकहैनकोउकछुपूछा प्रेमभरामननिजगतिछूछा तेहिअवसर-
केवटधीरजधरि जोरिपाणिबिनवतप्रणामकरि ॥

दो०। नाथसाथमुनिनाथके मातुसकलपुरलोग सेवकसेनपसचिवसब आयेबिकलबियोग ॥
चौ०। शीलसिंधुसुनिगुरुआगमनू सीयसमीपराखिरिपुदमनू चलेसबेगरामतेहिकाला धीरधर्मधुरदीन-
दयाला गुरुहिंदेखिसानुजअनुरागे दंडप्रणामकरणप्रभुलागे मुनिबरधाइलियेउरलाई प्रेमउमगिभेंटे-
दोभाई प्रेमपुलकिकेवटकहिनामू कीन्हदूरितेदंडप्रणामू रामसखाऋषिबरबशभेंटे जनुमहिलुटतसनेह-
समेटे रघुपतिभक्तिसुमंगलमूला नभसराहिसुरबरषहिफूला इहिसमनिपटनीचकोउनाहीं बडवसिष्ट-
समकोजगमाहीं ॥

दो०। जेहिलखिलषणहुंतेअधिक मिलेमुदितमुनिराउ सोसीतापतिभजनकौ प्रगटप्रतापप्रभाउ ॥
चौ०। आरतलोगरामसबजाना करुणाकरसुजानभगवाना जोजेहिंभांतिरहाअभिलाषी तेहितेहिकी-
तैसीरुचिराषी सानुजमिलिपलमहंसबकाहू कीन्हदूरिदुखदारुणदाहू यहबडिबातरामकैनाहीं जिमिघट-
कोटिएकरबिछाहीं मिलिकेवटहिंउमगिअनुरागा पुरजनसकलसराहहिंभागा देखीरामदुखितमहतारी
जनुसुबेलिअवलीहिममारी प्रथमरामभेंटेकैकेयी सरलसुभावभक्तिमतिभेई पगपरिकीन्हप्रबोधबहोरी
कालकर्मबिधिसिरधरिखोरी ॥

दो०। भेंटेरघुबरमातुसब करिप्रबोधपरितोष अंबईशआधीनजग काहुनदेइयदोष ॥
चौ०। गुरुतियपदबंदेदोभाई सहितबिप्रतियजेसंगआई गंगगौरिसमसबसनमानी देहिंअशीसमुदित-
मृदुबानी गहिपदलगेसुमित्राअंका जनुभेंटीसंपतिअतिरंका पुनिजननीचरणन्हदोभ्राता परेप्रेमव्याकुल-
सबगाता अतिअनुरागअंबउरलाये नयनसनेहसलिलअन्हवाये तेहिअवसरकरहर्षबिषादू किमिकबि-
कहैमूकजिमिस्वादू मिलिजननिहिंसानुजरघुराऊ गुरुसनकहेउकिधारियपाऊ पुरजनपाइमुनीशनियोगू
जलथलतकितकिउतरे लोगू ॥

दो०। महिसुरमंत्रीमातुगुरु गनेलोगलियेसाथ पावनआश्रमगमनकिय भरतलषणरघुनाथ ॥
चौ०। सीयआइमुनिबरपगलागी उचितअशीसलहीमनमांगी गुरुपतिनिहिमुनितियन्हसमेता मिलि-
सप्रेमकहिजाइनजेता बंदिबंदिपदसियसबहीके आशिरबचनलहेप्रियजीके सासुसकलजबसीयनिहारी
मूंदेउनयनसहमिसुकुमारी परीबधिकबशमनहुंमराली काहकीन्हकरतारकुचाली तिन्हसियनिरखि-
निपटदुखपावा सोसबसहियजोदैवसहावा जनकसुतातबउरधरिधीरा नीलनलिनलोयनभरिनीरा
मिलीसकलसासुन्हसियजाई तेहिअवसरकरुणामहिछाई ॥

दो०। लागिलागिपगसबनिसिय भेंटतिअतिअनुराग हृदयअशीसहिंप्रेमबश रहियहुभरीसोहाग ॥

चौ०। विकलसनेहसीयसबरानी बैठनसबहिकहेउगुरुज्ञानी प्रथमकहीजगगतिमुनिनाथा कहेउ-
कछुकपरमारथगाथा नृपकरसुरपुरगमनसुनावा सुनिरघुनाथदुसहदुखपावा मरणहेतुनिजनेहविचारी
भेअतिविकलधीरधुरधारी कुलिशकठोरसुनतकटुबाणी बिलपतलषणसीयसबरानी शोकबिकलअति-
सकलसमाजू मानहुंराजअकाजेउआजू मुनिबरबहुरिरामसमुझाये सहितसमाजसुसरितअन्हाये ब्रत-
निरंबुतेहिदिनप्रभुकीन्हा मुनिहुंकहेजलकाहुनलीन्हा ॥

दो०। भोरभयेरघुनंदनहिं जोमुनिआयसुदीन्ह श्रद्धाभक्तिसमेतप्रभु सोसबसादरकीन्ह ॥

चौ०। करिपितुक्रियावेदजसिबरणी भेपुनीतपातकतमतरणी जासुनामपावकअघतूला सुमिरतसकल-
सुमंगलमूला शुद्धसोभयेउसाधुसंमतअस तीरथआवाहनसुरसरिजस शुद्धभयेदुइवासरबीते बोलेगुरु-
सनरामपिरीते नाथलोगसबनिपटदुखारी कन्दमूलफलअंबुअहारी सानुजभरतसचिवसबमाता देखि-
मोहिंपलजिमियुगजाता सबसमेतपुरधारियपाऊ आपुइहांअमरावतिराऊ बहुतकहेउंसबकियेउंढिठाई
उचितहोइतसकरियगुसाईं ॥

दो०। धर्महेतुकरुणायतन कसनकहहुअसराम लोगदुखितदिनदुइदरश देखिलहहिंबिश्राम ॥

चौ०। रामबचनसुनिसभयसमाजू जनुजलनिधिमहंबिकलजहाजू सुनिमुनिगिरासुमंगलमूला भयेउ-
मनहुंमारुतअनुकूला पावनपयतिहुंकालअन्हाहीं जेहिबिलोकिअघआघनशाहीं मंगलमूरतिलोचन-
भरिभरि निरखहिंहरषिदंडवतकरिकरि रामशैलबनदेखनजाहीं जहंसुखसकलसकलदुखनाहीं झरना-
झरहिंसुधासमबारी त्रिविधतापहरत्रिविधबयारी बिटपबेलितृणअगणितजाती फलप्रसूनपल्लवबहुभांती
सुंदरिशिलासुखदतरुछाहीं जाइबरणिबनछबिकेहिपाहीं ॥

दो०। सरनिसरोरुहजलबिहग कूजतगुञ्जतभृङ्ग बैरबिगतबिहरतबिपिनि मृगविहंगबहुरङ्ग ॥

चौ०। कोल्हकिरातभीलबनबासी मधुशुचिसुंदरस्वादुसुधासी भरिभरिपर्णकुटीरचिरूरी कंदमूल-
फलअंकुरजूरी सबहिंदेहिंकरिबिनयप्रणामा कहिकहिस्वादभेदगुणनामा देहिंलोगबहुमोलनलेहीं
फेरतरामदोहाईदेहीं कहहिंसनेहमगनमृदुबानी मानतसाधुप्रेमपहिचानी तुमसुकृतीहमनीचनिषादा
पावादरशनरामप्रसादा हमहिंअगमअतिदरशतुम्हारा जसमरुधरणिदेवसरिधारा रामकृपालनिषाद-
नेवाजा परिजनप्रजाचहियजसराजा ॥

दो०। यहजियजानिसकोचतजि करियछोहलखिनेहु हमहिंकृतारथकरणलगि फलतृणअंकुरलेहु ॥

चौ०। तुमप्रियपाहुनबनपगुधारे सेवायोगनभाग्यहमारे देवकहाहमतुमहिंगुसाईं ईन्धनपात-
किरातमिताईं यहहमारिअतिबडिसेवकाई लेहिंनबासनबसनचुराई हमजडजीवजीवगणघाती कुटिल-
कुचालीकुमतिकुजाती पापकरतनिशिबासरजाहीं नहिंपटकटिनहिंपेटअघाहीं सपनेहुधर्मबुद्धिकसकाऊ
यहरघुनंदनदरशप्रभाऊ जबतेंप्रभुपदपद्मनिहारे मिटेदुसहदुखदोषहमारे बचनसुनतपुरजनअनुरागे
तिन्हकेभागसराहनलागे ॥

छं०। लागेसराहनभागसबअनुरागबचनसुनावहीं बोलनिमिलनिसियरामचरणसनेहलखिसुखपावहीं ॥
नरनारिनिदरहिंनेहनिजसुनिकोल्हभिल्लन्हकीगिरा तुलसीकृपारघुवंशमणिकीलोहलैनौकातरा ॥

सो०। बिहरहिंबनचहुंओर प्रतिदिनप्रमुदितलोगसब जलज्यौंदादुरमोर भयेपीनपावसप्रथम॥
चौ०। पुरनरनारिमगनअतिप्रीती बासरजाहिंपलकसमबीती सीयसासुप्रतिबेषबनाई सादरकरहिं-
सरिससेवकाई लखाननमर्मरामबिनुकाहू मायासबसियमायामाहू सीयसासुसेवाबशकीन्ही तिन्हलहि-
सुखसिखआशिषदीन्ही लखिसियसहितसरलदोभाई कुटिलरानिपछितानिअघाई अवनिजमहिंयाचति-
कैकेयी मोहिनबीचबिधिमीचुनदेई लोकहुंवेदबिदितकबिकहहीं रामबिमुखथलनरकनलहहीं यह-
संशयसबकेमनमाहीं रामगवनबिधिअवधकिनाहीं॥

दो०। निशिननींदनहिंभूखदिन भरतबिकलसुठिसोच नीचकीचबिचमगनजस मीनहिंसलिलसकोच॥
चौ०। कीन्हिमातुमिसुकालकुचाली ईतिभीतिजसपाकतशाली केहिविधिहोइरामअभिषेकू मोहिअव-
करतउपायनएकू अवशिफिरहिंगुरुआयसुमानी मुनिपुनिकहबरामरुचिजानी मातुकहेंबहुरहिंरघुराऊ
रामजननिहठकरबकिकाऊ मोहिअनुचरकरकेतिकबाता तेहिमहंकुसमयबामबिधाता जौंहठकरौंतोनिपट-
कुकरमू हरगिरितेंगुरुसेवकधरमू एकौयुक्तिनमनठहरानी सोचतभरतहिरैनिसिरानी प्रातअन्हाइप्रभुहि-
सिरनाई बैठतपठयेऋषयबुलाई॥

दो०। गुरुपदकमलप्रणामकरि बैठेआयसुपाइ बिप्रमहाजनसचिवसब जुरेसभासदआइ॥
चौ०। बोलेमुनिबरसमयसमाना सुनहुसभासदभरतसुजाना धर्मधुरीणभानुकुलभानू राजारामस्ववश-
भगवानू सत्यसिंधुपालकश्रुतिसेतू रामजन्मजगमंगलहेतू गुरुपितुमातुबचनअनुसारी खलदलदलनदेव-
हितकारी नीतिप्रीतिपरमारथस्वारथ कोउनरामसमजानयथारथ बिधिहरिहरशशिरविदिशिपाला माया-
जीवकरमकलिकाला अहिपमहिपजहंलगिप्रभुताई योगसिद्धिनिगमागमगाई करिबिचारजियदेखहुनीके
रामरजायसीससबहीके॥

दो०। राखेरामरजायरुख हमसबकरहितहोइ समुझिसयानेकरहुअब सबमिलिसंमतसोइ॥
चौ०। सबकहंसुखदरामअभिषेकू मंगलमूलमोदमगुएकू केहिविधिअवधचलहिंरघुराई कहहुसमुझि-
सोइकरौंउपाई सबसादरसुनिमुनिबरबानी नयपरमारथस्वारथसानी उतरनआवलोगभेभोरे तबसिर-
नाइभरतकरजोरे भानुबंशभेभूपघनेरे अधिकएकतेंएकबडेरे जन्महेतुसबकहंपितुमाता करमशुभा-
शुभदेइबिधाता दलिदुखसजैसकलकल्याना असिअशीसराउरिजगजाना सोगुसांईबिधिगतिजेइछेकी
शकैकोटारिटेकजोटेकी॥

दो०। बूझियमोहिंउपायअब सोसबमोरअभाग सुनिसनेहमयबचनगुरु उरउपजाअनुराग॥
चौ०। तातबातफुरिरामकृपाही रामबिमुखसुखसपनेहुंनाही सकुचौंतातकहतएकबाता अरधतजहिं-
बुधसरबशजाता तुम्हकाननगवनहुदोभाई फिरिअहिंलषणसीयरघुराई सुनिशुभवचनहर्षेदोभ्राता
भेप्रमोदपरिपूरणगाता मनप्रसन्नतनुतेजबिराजा जनुजियराउरामभेराजा बहुतलाभलोगन्हलघुहानी
समदुखसुखसबरोवहिंरानी कहहिंभरतमुनिकहासोकीन्हे फलजगजीवनअभिमतदीन्हे काननकरउं-
जन्मभरिबासू इहितेअधिकनमोरसुपासू॥

दो०। अंतरजामीरामसिय तुमसरबज्ञसुजान जौफरकहहुतोनाथनिज कीजियबचनप्रमान॥

चौ०। भरतबचनसुनिदेखिसनेहू सभासहितमुनिभयेउबिदेहू भरतशीलमहिमाजलरासी मुनिमति-ठाढितीरअबलासी गाचहपारयतनबहुहेरा पावतिनावनबोहितबेरा औरकरहिंकोभरतबडाई सरसि-सीपकोसिंधुसमाई भरतमुनिहिमनभीतरपाये सहितसमाजरामपहंआये प्रभुप्रणामकरिदीन्हसुआसन बैठेसबसुनिमुनिअनुशासन बोलेमुनिबरबचनबिचारी देशकालअवसरअनुहारी सुनहुरामसरबज्ञ-सुजाना धर्मनीतिगुणज्ञाननिधाना ॥

दो०। सबकेउरअंतरबसहु जानहुभावकुभाउ पुरजनजननीभरतहित होइसोकहियउपाउ ॥

चौ०। आरतकहहिंबिचारिनकाऊ सूझजुआरिहिआपनदाऊ सुनिमुनिबचनकहतरघुराऊ नाथ-तुम्हारेहिहाथउपाऊ सबकरहितरुखराउरराखे आयसुकरियमुदितफुरभाखे प्रथमजोआयसुमोकहं-होई माथेमानिकरौंसिखसोई पुनिजेहिकहंजसहोबरजाई सोसबभांतिकरिहिसेवकाई कहमुनिराम-सत्यतुमभाषा भरतसनेहबिचारनराषा तेहितेकहौंबहोरिबहोरी भरतभक्तिभैममतिभोरी मोरेजान-भरतरुचिराखी जोकीजियसोशुभशिवसाखी ॥

दो०। भरतबिनयसादरसुनिय करियबिचारबहोरि करबसाधुमतलोकमत न्टपनैनिगमनिचोरि ॥

चौ०। गुरुअनुरागभरतपरदेषी रामहृदयआनंदबिशेषी भरतहिधर्मधुरंधरजानी निजसेवकतनु-मानसबानी बोलेगुरुआयसुअनुकूला बचनमंजुम्टदुमंगलमूला नाथशपथपितुचरणदोहाई भयेउन-भुवनभरतसमभाई जेगुरुपदअंबुजअनुरागी तेलोकहुंबेदहुंबडभागी राउरजापरअसअनुरागू को-कहिशकैभरतकरभागू लखिलघुबंधुबुद्धिसकुचाई करतबदनपरभरतबडाई भरतकहहिंसोकियेभलाई असकहिरामरहेअरगाई ॥

दो०। तबमुनिबोलेभरतसन सबसकोचतजितात कृपासिंधुप्रियबंधुसन कहहुहृदयकीबात ॥

चौ०। सुनिमुनिबचनरामरुखपाई गुरुसाहेबअनुकूलअघाई लखिअपनेसिरसबछरभारू कहिन-सकहिंककुकरैंबिचारू पुलकशरीरसभाभेठाढे नीरजनयननेहजलबाढे कहबमोरमुनिनाथनिबाहा इहितेअधिककहौंमैंकाहा मैंजानौंनिजनाथसुभाऊ अपराधिहुपरकोहनकाऊ मोपरकृपासनेहबिशेषी खेलतखुनसकबहुंनहिंदेषी शिशुपनतेंपरिहरेउनसंगू कबहुंनकीन्हमोरमनभंगू मैंप्रभुकृपारीतिजिय-जोही हारेहुखेलजितावहिंमोही ॥

दो०। मैंहुंसनेहसकोचबश सनमुखकहेउंनबैन दरशनतृप्तनआजुलगि प्रेमपियासेनैन ॥

चौ०। बिधिनसकेउसहिमोरदुलारा नीचबीचजननीमिसुपारा इहौकहतमोहिआजुनशोभा आपनि-समुझिसाधुशुचिकोभा मातुमंदिमैंसाधुसुचाली उरअसआनतकोटिकुचाली फरैकिकोदवबालि-सुशाली मुकुताप्रवैकिशंबुकताली सपनेहुदोषकलेशनकाहू मोरअभागउदधिअवगाहू बिनशमुझेनिज-अघपरिपाकू जानेउजायजननिकहकाकू हृदयहेरिहारेउंसबओरा एकहिभांतिभलेहिभलमोरा गुरु-गुसाइंसाहिबसियरामू लागतमोहिनीकपरिणामू ॥

दो०। साधुसभाप्रभुगुरुनिकट कहौंसुथलसतिभाउ प्रेमप्रपंचकिझूठफुर जानहिंमुनिरघुराउ ॥

चौ०। भूपतिमरणप्रेमपणराखी जननीकुमतिजगतसबसाखी देखिनजाहिंबिकलमहतारी जरहिंदुसह-

ज्वरपुरनरनारी मह्वोंसकलअनरथकरमूला सोसुनिसमुझिसहीसबसूला सुनिबनगवनकीन्हरघुनाथा
करिमुनिभेषलषणसियसाथा बिनुपनहीअरुप्यादेहिपाये शंकरसाखिरह्योंइहिघाये बहुरिनिहारि-
निषादसनेहू कुलिशकठिनउरभयउनबेहू अबसबआंखिन्हदेखेउंआई जियतजीवजडसबैसहाई
जिन्हहिंनिरखिमगुसांपिनिबीछी तजहिंविषमबिषतामसतीछी ॥

दो०। तेइरघुनंदनलषणसिय अनहितलागेजाहि तासुतनयतजिदुसहदुख दैवसहावैकाहि ॥

चौ०। सुनिअतिबिकलभरतबरबानी आरतिप्रीतिबिनयनैसानी शोकमगनसबसभाखभारू मनहुंकमल-
बनपरयोतुषारू कहिअनेकबिधिकथापुरानी भरतप्रबोधकीन्हमुनिज्ञानी बोलेउचितबचनरघुनंदू दिन-
करकुलकैरवबनचंदू तातजीयजनिकरहुगलानी ईशअधीनजीवनगतिजानी तीनिकालत्रिभुवनमतमोरे
पुण्यश्लोकतातनतुतोरे उरआनततुमपरकुटिलाई जाइलोकपरलोकनशाई दोषदेहिंजननिहिंजड-
तेई जिन्हगुरुसाधुसभानहिंसेई ॥

दो०। मिटहिंपापपरिपंचसब अखिलअमंगलभार लोकसुयशपरलोकसुख सुमिरतनामतुम्हार ॥

चौ०। कहौंसुभावसत्यशिवसाखी भरतभूमिरहराउरिराखी तातकुतर्ककरहुजनिजाये बैरप्रेमनहिं-
दुरैदुराये मुनिगणनिकटबिहंगमृगजाहीं बाधकबधिकबिलोकिपराहीं हितअनहितपशुपंक्षिउजाना
मानुषतनुगुणज्ञाननिधाना ताततुम्हहिमैंजानौंनीके करौंकहाअसमंजसजीके राखेउराउसत्यमोहित्यागी
तनुपरिहरेउप्रेमप्रणलागी तासुबचनमेटतमनसोचू तेहितेअधिकतुम्हारसकोचू तापरगुरुमोहिआय-
सुदीन्हा अवशिजोकहहुचहौंसोइकीन्हा ॥

दो०। मनप्रसन्नकरिसकुचतजि कहहुकरौंसोआज सत्यसिंधुरघुबरबचन सुनिभासुखीसमाज ॥

चौ०। सुरगणसहितसभयसुरराजू सोचोंहंचाहतहोनअकाजू करतबिचारबनतकछुनाहीं रामशरण-
सबगेमनमाहीं बहुरिबिचारपरस्परकहहीं रघुपतिभक्तभक्तिबशअहहीं सुधिकरिअंबरीषदुर्बासा भे-
सुरसुरपतिनिपटनिरासा सहेसुरन्हबहुकालबिषादा नरहरिकियेप्रगटप्रह्लादा लगिलगिकानकहहिं-
धुनिमाथा अबसुरकाजभरतकेहाथा आनउपायनदेखियदेवा मानतरामसुसेवकसेवा हियसप्रेमसेवहु-
सबभरतहि निजगुणशीलरामबशकरतहि ॥

दो०। सुनिसुरमतसुरगुरुकहेउ भलतुम्हारबडभाग सकलसुमंगलमूलजग भरतचरणअनुराग ।

चौ०। सीतापतिसेवकसेवकाई कामधेनुशतसरिससुहाई भरतभक्तितुम्हरेमनआई तजहुसोचबिधि-
बातबनाई देखुदेवपतिभरतप्रभाऊ सहजसुभावबिबशरघुराऊ मनथिरकरहुदेवडरनाहीं भरतहिजानि-
रामपरिछाहीं सुनिसुरगुरुसुरसंमतसोचू अंतरजामीप्रभुहिसकोचू निजसिरभारभरतजियजाना करत-
कोटिबिधिउरअनुमाना करिबिचारमनदीन्हीठीका रामरजायसुआपननीका निजपनतजिराखेउमन-
मोरा छोहसनेहकीन्हनहिंथोरा ॥

दो०। कीन्हअनुग्रहअमितअति सबबिधिसीतानाथ करिप्रणामबोलेभरत जोरिजलजयुगहाथ ॥

चौ०। कहउंकहावउंकाअबस्वामी कृपाअंबुनिधिअंतरजामी गुरुप्रसन्नसाहिबअनुकूला मिटीमलिन-
मनकलपितसूला अपडरडरउंनसोचसमूले रविहिनदोषदेवदिशभूले मोरअभागमातुकुटिलाई बिधि-

गतिबिषमकालकठिनाई पांवरोपिसबमिलिमोहिघाला प्रणतपालपणआपनपाला यहनइरीतिनरा-
उरिहोई लोकऊंवेदबिदितनहिंगोई जगअनभलभलएकगुसाईं कहियहोइभलकासुभलाईं देवदेव-
तरुसरिससुभाऊ सनमुखबिमुखनकाऊहिकाऊ ॥

दो० । जाइनिकटपहिचानितरु छांहशमनसबसोच मांगतअभिमतपावफल राउरंकभलपोच ॥

चौ० । लखिसबबिधिगुरुस्वामिसनेहू मिटेउछोभनहिंमनसंदेहू अबकरुणाकरकोजियसोई जन-
हितप्रभुचितछोभनहोई जोसेवकसाहिबसंकोची निजहितचहैतासुमतिपोची सेवकहितसाहिबसेवकाई
करैसकलसुखलोभबिहाई स्वारथनाथफिरेसबहीका कियेरजाइकोटिबिधिनीका यहस्वारथपरमा-
रथसारू सकलसुकृतफलसुगतिसिंगारू देवएकबिनतीसुनिमोरी उचितहोइतसकरबबहोरी तिलक-
समाजसाजिसबआना करियसुफलप्रभुजोमनमाना ॥

दो० । सानुजपठइयमोहिबन कीजियसबहिसनाथ नातरुफेरियबंधुदोउ नाथचलौंमैंसाथ ॥

चौ० । नतरुजाहिंबनतीनिउभाई बहुरियसीयसहितरघुराई जेहिबिधिप्रभुप्रसन्नमनहोई करुणासागर-
कोजियसोई देवदीन्हसबमोपरभारू मोरेनीतिनधर्मबिचारू कहौंबचनसबस्वारथहेतू रहतनआरत-
केचितचेतू उतरदेइसुनिस्वामिरजाई सोसेवकलखिलाजलजाई असमैंअवगुणउदधिअगाधू स्वामि-
सनेहसराहतसाधू अबकृपालमोहिंसोमतभावा सकुचस्वामिमनजाइनपावा प्रभुपदशपथकहौंसतिभाऊ
जगमंगलहितएकउपाऊ ॥

दो० । प्रभुप्रसन्नमनसकुचतजि जोजेहिआयसुदेव सोसिरधरिधरिकरिहिसब मिटिहिअनटअवरेव ॥

चौ० । भरतबचनशुचिसुनिहियहरषे साधुसराहिसुमनसुरबरषे असमंजसबशअवधनिवासी प्रमुदित-
मनतापसबनबासी चुपरहिगेरघुनाथसकोची प्रभुगतिदेखिसभासबसोची जनकदूततेहिअवसरआये
मुनिबसिष्टसुनिबेगिबुलाये करिप्रणामतिन्हरामनिहारे बेषदेखिभेनिपटदुखारे दूतन्हिमुनिबरपूछीबाता
कहहुबिदेहभूपकुशलाता सुनिसकुचाइनाइमहिमाथा बोलेचरबरजोरेहाथा बूझबराउरसादरसाईं
कुशलहेतुसोभयेउगुसाईं ॥

दो० । नाहितकोशलनाथके साथकुशलगईनाथ मिथिलाअवधबिशेषतें जगसबभयउअनाथ ॥

चौ० । कोशलपतिगतिसुनिजनकौरा भेसबलोगशोकबशबौरा जेहिदेखातेहिसमयबिदेहू नामसत्य-
असलागनकेहू रानिकुचालिसुनतमहिपालहिं सूझनकछुजसमणिबिनुव्यालहिं भरतराजरघुबरबनबासू
भामिथिलेशहिहृदयहरासू नृपबूझेबुधसचिवसमाजू कहहुबिचारिउचितकाआजू समुझिअवधअस-
मंजसदोऊ चलियकिरहियनकहकछुकोऊ नृपतिधीरधरिहृदयबिचारी पठयेअवधचतुरचरचारी
बूझिभरतसतभाउकुभाऊ आयेहुबेगिनहोइलखाऊ ॥

दो० । गयेअवधचरभरतगति बूझिदेखिकरतूति चलेचित्रकूटहिभरत चारचलेतिरहूति ॥

चौ० । दूतन्हआइभरतकोकरणी जनकसमाजयथामतिबरणी सुनिगुरुपुरजनसचिवमहीपति भेसब-
सोचसनेहबिकलमति धरिधीरजकरिभरतबडाई लियेसुभटसाहनीबुलाई घरपुरदेशराखिरखवारे
हयगजरथबहुयानसंवारे दुघरीसाधिचलेततकाला कियबिश्रामनमगुमहिपाला भोरहिआजुनहाइ-

प्रयागा चलेयमुनउतरनसबलागा खबरिलेनहमपठयेनाथा तिन्हकहिअसमहिनायेउमाथा साथ-
किरातछसातकदीन्हे मुनिबरतुरतबिदाचरकीन्हे ॥

दो०। सुनतजनकआगमनसब हरषेउअवधसमाज रघुनन्दनहिंसकोचबड सोचबिबशसुरराज ॥

चौ०। गरइगलानिकुटिलकैकेयी काहिकहैकेहिदूषणदेयी असमनआनिमुदितनरनारी भयेउ-
बहोरिरहबदिनचारी इहिप्रकारगतबासरसोऊ प्रातअन्हानलगेसबकोऊ करिमज्जनपूजहिंनरनारी
गणपतिगौरिपुरारितमारी रमारमणपदबंदिबहोरी बिनवहिंअंजलिअंचलजोरी राजारामजानकीरानी
आनंदअवधिअवधरजधानी सुबसबसैफिरिसहितसमाजा भरतहिंरामकरहिंजुबराजा इहिसुखसुधा-
सींचिसबकाहू देवदेहुजगजीवनलाहू ॥

दो०। गुरुसमाजभाइन्हसहित रामराजपुरहोउ अछतरामराजाअवध मरियमांगसबकोउ ॥

चौ०। सुनिसनेहमयपुरजनबानी निंदहियोगबिरतिमुनिज्ञानी इहिबिधिनित्यकर्मकरिपुरजन रामहिं-
करहिंप्रणामपुलकितन ऊंचनीचमध्यमनरनारी लहहिंदरशनिजनिजअनुहारी सावधानसबहीसनमानहिं
सकलसराहतकृपानिधानहिं लरिकाईतेंरघुबरबानी पालतनीतिप्रीतिपहिचानी शीलसकोचसिंधुरघुराऊ
सुमुखसुलोचनसरलसुभाऊ कहतरामगुणगणअनुरागे सबनिजभागसराहनलागे हमसमपुण्यपुञ्ज-
जगथोरे जिनहिंरामजानतकरिमोरे ॥

दो०। प्रेममगनतेहिसमयसब सुनिआवतमिथिलेश सहितसभासंभ्रमउठे रविकुलकमलदिनेश ॥

चौ०। आगेगवनकीन्हरघुनाथा भाइसचिवगुरुपुरजनसाथा गिरिबरदीखजनकपतिजबहीं करिप्रणाम-
त्यागारथतबहीं रामदरशलालसाउछाहू पथश्रमलेशकलेशनकाहू मनतहंजहंरघुबरबैदेही बिनुमन-
तनुदुखसुखसुधिकेही आवतजनकचलेइहिभांती सहितसमाजप्रेममदमांती आयेनिकटदेखिअनुरागे
सादरमिलनपरस्परलागे लगेजनकमुनिगणपदबंदन ऋषिन्हप्रणामकीन्हरघुनंदन भाइनसहितराम-
मिलिराजहिं चलेलवाइसमेतसमाजहिं ॥

दो०। आश्रमसागरशांतरस पूरणपावनपाथ सेनमनहुंकरुणासरित लियेजातरघुनाथ ॥

चौ०। बोरतिज्ञानबिरागकरारे बचनसशोकमिलतनदनारे सोचउसाससमीरतरंगा धीरजतटतरुबर-
करभंगा बिषमबिषादतुराबतिधारा भयभ्रमभंवरअबर्तअपारा केवटबुधविद्याबडिनावा सकहिंनखेइएक-
नहिंआवा बनचरकोलकिरातबिचारे थकेबिलोकिपथिकहियहारे आश्रमउदधिमिलीजबजाई मनहुं-
उठेउअंबुधिअकुलाई शोकबिकलदोराजसमाजा रहानज्ञाननधीरजलाजा भूपरूपगुणशीलसराही
रोचहिंशोकसिंधुअवगाही ॥

छं०। अवगाहिशोकसमुद्रसोचहिंनारिनरव्याकुलमहा दैदोषसकलसरोषबोलहिंबामबिधिकीन्होकहा ॥
सुरसिद्धतापसयोगिजनमुनिदशादेखिबिदेहकी तुलसीनसमरथकोउजोतरिसकसरितसनेहकी ॥

सो०। कियेअमितउपदेश जहंतहंलोगन्हमुनिबरन धीरजधरियनरेश कहेउबसिष्ठबिदेहसन ॥

चौ०। जासुज्ञानरविभवनिशिनाशा बचनकिरणमुनिकमलबिकाशा तेहिकिमोहममहिमानियराई यह-
सियरामसनेहबडाई बिषयीसाधकसिद्धसयाने त्रिबिधजीवजगवेदबखाने रामसनेहसरसमनजासू

साधुसभावउआदरनाह सोहनरामप्रेमबिनुज्ञाना कर्णधारबिनुजिमिजलयाना मुनिबहुबिधिबिदेह-
समुझाये रामघाटसबलोगअन्हाये सकलसोकसंकुलनरनारी सोवासरबीतेउबिनुवारी पशुखगमृगन्ह-
नकीन्हअहारा प्रियपरिजनकरकवनबिचारा ॥

दो०। दोसमाजनिमिराजरघु राजनहानेप्रात बैठेसबबटबिटपतर मनमलीनकृशगात ॥

चौ०। जेमहिसुरदशरथपुरबासी जेमिथिलापतिनगरनिवासी हंसबंशगुरुजनकपुरोधा जिन्हजगमगु-
परमारथशोधा लगेकहनउपदेशअनेका सहितधर्मनयबिरतिबिबेका कौशिककहिकहिकथापुरानी
समुझाईसबसभासुबानी तबरघुनाथकौशिकहिंकहेऊ नाथकालिजलबिनुसबरहेऊ मुनिकहउचितकहत-
रघुराई गयउबीतिदिनपहरअढाई ऋषिरुखलखिकहतिरहुतिराजू इहांउचितनहिंअशनअनाजू कहा-
भूपभलसबहिसोहाना पाइरजायसुचलेनहाना ॥

दो०। तेहिअवसरफलफूलदल मूलअनेकप्रकार लैआयेबनचरबिपुल भरिभरिकांवरिभार ॥

चौ०। कामदभेगिरिरामप्रसादा अवलोकतअपहरतबिषादा सरसरिताबनभूमिबिभागा जनुउमगत-
आनंदअनुरागा बेलिबिटपसबसफलसफूला बोलतखगमृगअतिअनुकूला तेहिअवसरबनअधिकउछाहू
त्रिबिधसमीरसुखदसबकाहू जाइनबरणिमनोहरताई जनुमहिकरतिजनकपहुनाई तबसबलोगनहाइ-
नहाई रामजनकमुनिआयसुपाई देखिदेखितरुबरअनुरागे जहंतहंपुरजनउतरनलागे दलफलफूल-
कंदबिधिनाना पावनसुंदरसुधासमाना ॥

दो०। सादरसबकहंरामगुरु पठयेभरिभरिभार पूजिपितरसुरअतिथिगुरु लगेकरणफलहार ॥

चौ०। इहिबिधिबासरबीतेचारी रामनिरखिनरनारिसुखारी दुहूंसमाजअसरुचिमनमाहीं बिनुसिय-
रामफिरबभलनाहीं सीतारामसंगबनवासू कोटिअमरपुरसरिससुपासू परिहरिलषणरामबैदेही जेहि-
घरभावबामबिधितेही दाहिनदैवहोइजबसबहीं रामसमीपबसियबनतबहीं मंदाकिनिमज्जनतिहुंकाला
रामदरशमुदमंगलमाला अटनरामगिरिवनतापसथल अशनअमियसमकंदमूलफल सुखसमेतसंवत-
दुइसाता पलसमहोहिंनजानियजाता ॥

दो०। इहिसुखयोगनलोगसब कहहिंकहांअसिभाग सहजसुभावसमाजदुहुं रामचरणअनुराग ॥

चौ०। इहिबिधिसकलमनोरथकरहीं बचनसप्रेमसुनतमनहरहीं सीयमातुतेहिसमयपठाई दासी-
देखिसुअवसरआई सावकाससुनिसबसियसासू आईजनकराजरनिवासू कौशल्यासादरसनमानी
आसनदीन्हसमयसमआनी शीलसनेहसरसदुहुंओरा द्रवहिंदेखिसुनिकुलिशकठोरा पुलकशिथिलतनु-
बारिबिलोचन महिनखलिखनलगींसबसोचन सबसियरामप्रेमकीमूरति जनुकरुणाबहुभेषबिसूरति
सीयमातुकहबिधिबुधिबांकी जिमिपयफेनुफोरपबिटांकी ॥

दो०। सुनियसुधादेखियगरल सबकरतूतिकराल जहंतहंकाकउलूकबक मानससकृतमराल ॥

चौ०। सुनिससोचकहदेबिसुमित्रा बिधिगतिअतिबिपरीतबिचित्रा जोसृजिपालैहरैबहोरी बालकेलि-
समबिधिमतिभोरी कौशल्याकहदोषनकाहू कर्मबिबशदुखसुखछतिलाहू कठिनकर्मगतिजानबिधाता
सोशुभअशुभकर्मफलदाता ईश्वरआइसीससबहीके उतपतिथितिलयबिषहुअमीके देबिमोहबशसोचिय-

बाढी बिधिप्रपंचअसअचलअनादी भूपतिजियबमरबउरआनी सोचियसखिलखिनिजहितहानी सीय-
मातुकहसत्यसुबानी सुकृतिअवधिअवधपतिरानी ॥

दो०। लषणरामसियजाहिंबन भलपरिणामनपोच गहबरिहियकहकौशिला मोहिभरतकरसोच ॥

चौ०। ईशप्रसादअशीसतुम्हारी सुतसुतबधूसुरसरितावारी रामशपथमैंकीन्हिनकाऊ सोकरिसखी-
कहौंसतिभाऊ भरतशीलगुणबिनयबडाई भायपभक्तिभरोसभलाई कहतशारदहुकैमतिहीचे सागर-
सीपकिजाहिंउलीचे जानौंसदाभरतकुलदीपा बारबारमोहिकहेउमहीपा कसेकनकमणिपारिखपाये
पुरुषपरिखियेसमयसुभाये अनुचितआजुकहबअसमोरा शोकसनेहसयानपथोरा सुनिसुरसरिसम-
पावनिबानी भईंसनेहबिकलसबरानी ॥

दो०। कौशल्याकहधीरधरि सुनहुदेविमिथिलेशि कोबिबेकनिधिबल्लभहि तुमहिंसकैउपदेशि ॥

चौ०। रानिरायसनअवसरपाई आपनिभांतिकहबसमुझाई राखियलषणभरतगवनहिंबन जौंयहमत-
मानैमहीपमन तौभलयतनकरबसुबिचारी मोरेसोचभरतकरभारी गूढसनेहभरतमनमाहीं रहेनीक-
मोहिलागतनाहीं लखिसुभावसुनिसरलसुबानी सबभइमगनकरुणरससानी नभप्रसूनझरिधन्यधन्यधुनि
शिथिलसनेहसिद्धयोगीमुनि सबरनिवासथकितलखिरहेऊ तबधरिधीरसुमित्राकहेऊ देविदंडयुग-
यामिनिबीती राममातुसुनिउठीसप्रीती ॥

दो०। बेगिपायधारियथलहि कहसनेहसतिभाय हमरेतौअबईशगति कैमिथिलेशसहाय ॥

चौ०। लखिसनेहसुनिबचनबिनीता जनकप्रियागहिपांवपुनीता देविउचितअसबिनयतुम्हारी दशरथ-
घरनिराममहतारी प्रभुअपनेनीचहुंआदरहीं अगिनिधूमगिरिसिरतृणधरहीं सेवकराउकर्ममनबानी
सदासहायमहेशभवानी रौरेअंगयोगजगकोहै दीपसहायकिदिनकरसोहै रामजाइबनकरिसुरकाजू
अचलअवधपुरकरिहहिंराजू अमरनागनररामबाहुबल सुखबसिहहिंअपनेअपनेथल यहसबयागबल्क्य-
कहिराखा देविनहोइमुधामुनिभाषा ॥

दो०। असकहिपगुपरिप्रेमअति सियहितबिनयसुनाइ सियसमेतसियमातुतब चलीसुआयसुपाइ ॥

चौ०। प्रियपरिजनहिमिलीबैदेही जोजेहियोगभांतितसतेही तापसभेषजानकिहिंदेखी भेसबबिकल-
बिषादबिशेषी जनकरामगुरुआयसुपाई चलेथलहिसियदेखीआई लीन्हिलाइउरजनकजानकी पाहुनि-
पावनिप्रेमप्राणकी उरउमगेउअंबुधिअनुरागू भयउभूपमनमनहुंप्रयागू सियसनेहबटबाढतजोहा तापर-
रामप्रेमशिशुसोहा चिरंजीविमुनिज्ञानबिकलजनु बूडतलहेउबालअवलंबनु मोहमगनमतिनहिंबिदेहकी
महिमासियरघुबरसनेहकी ॥

दो०। सियपितुमातुसनेहबश बिकलनसकीसंभारि धरणिसुताधीरजधरेउ समयसुधर्मबिचारि ॥

चौ०। तापसभेषजनकसियदेखी भयउप्रेमपरितोषबिशेषी पुत्रिपबित्रकियेकुलदोऊ सुयशधवलजगकह-
सबकोऊ जितिसुरसरिकीरतिसरितोरी गवनकीन्हबिधिअंडकरोरी गंगअवनिथलतीनिबडेरे इहिकिये-
साधुसमाजघनेरे पितुकहसत्यसनेहसुबानी सीयसकुचिमनमनहुंसमानी पुनिपितुमातुलीन्हउरलाई
सिखआशिषहितदीन्हिसुहाई कहतिनसीयसकुचमनमाहीं इहांबसबरजनोभलनाहीं लखिरुखरानि-
जनायउराऊ हृदयसराहतशीलसुभाऊ ॥

दो०। बारबारमिलिभेंटिसिय बिदाकीन्हसनमानि कहीसमयसिरभरतगति रानिसुबानिसयानि॥

चौ०। सुनिभूपालभरतव्यवहारू सोनसुगंधसुधाससिसारू मूदेसजलनयनपुलकेतन सुयससराहन-
लगेमुदितमन सावधानसुनुसुमुखिसुलोचनि भरतकथाभवबंधबिमोचनि धरमराजनयब्रह्मबिचारू
इहांयथामतिमोरप्रचारू सोमतिमोरिभरतमहिमाहीं कहैकाछलिछुअतिनछांहीं बिधिगणपतिअहिपति-
सिवसारद कबिकोबिदबुधबुद्धिबिसारद भरतचरितकीरतिकरतूती धर्मसीलगुणबिमलबिभूती समुझत-
सुनतसुखदसबकाहू सुचिसुरसरिरुचिनिदरिसुधाहू॥

दो०। निरवधिगुणनिरुपमपुरुष भरतभरतसमजानि कहीसुमेरुकिसेरसम कबिकुलमतिसकुचानि॥

चौ०। अगमसबहिबरणतबरबरणी जिमिजलहीनमीनगमुधरणी भरतअमितमहिमासुनुरानी जानहिं-
रामनसकहिंबखानी बरणिसप्रेमभरतसनभाऊ तियजियकीरुचिलखिकहराऊ बहुरहिंलषणभरतबनजाहीं
सबकरभलसबकेमनमाहीं देविपरंतुभरतरघुबरकी प्रीतिप्रतीतिजाइनहिंतरकी भरतसनेहअवधि-
ममताके यद्यपिरामस्वामिसमताके परमारथस्वारथसुखसारे भरतनसपनेहुंमनहुंनिहारे साधन-
सिद्धिरामपदनेहू मोहिलखिपरतभरतमतयेहू॥

दो०। भोरेहुंभरतनपेलिहहिं मनमहंरामरजाइ करियनसोचसनेहबस कहेउभूपबिलखाइ॥

चौ०। रामभरतगुणगुणतसप्रीती निसिदंपतिहिपलकसमबीती राजसमाजप्रातयुगजागे न्हाइन्हाइ-
सुरपूजनलागे गेनहाइगुरुपहंरघुराई बन्दिचरणबोलेरुखपाई नाथभरतपुरजनमहतारी सोचबिकल-
बनबासदुखारी सहितसमाजराउमिथिलेसू बहुतदिवसभेसहतकलेसू उचितहोइसोकीजियनाथा
हितसबहीकररौरेहाथा असकहिअतिसकुचेरघुराऊ मुनिपुलकेलखिसीलसुभाऊ तुमबिनुरामसकल-
सुखसाजा नरकसरिसदुहुंराजसमाजा॥

दो०। प्राणप्राणकेजीवजीयके जियसुखकेसुखराम तुमतजितातसोहातगृह जिन्हहितिन्हहिंबिधिबाम॥

चौ०। सोसुखकरमधरमजरिजाऊ जहंनरामपदपंकजभाऊ योगकुयोगज्ञानअज्ञानू जहांनरामप्रेम-
परधानू तुमबिनुदुखीसुखीतुमतेही तुमजानहुजियजोजेहिकेही राउरआयसुसिरसबहीके बिदित-
कृपालहिगतिसबनीके आपुआश्रमहिधारियपाऊ भयेसनेहसिथिलमुनिराऊ करिप्रणामतबरामसिधाये
ऋषिधरिधीरजनकपहंआये रामबचनगुरुनृपहिंसुनाये सीलसनेहसुभावसुहाये महाराजअबकीजिय-
सोई सबकरधर्मसहितहितहोई॥

दो०। ज्ञाननिधानसुजानसुचि धर्मधीरनरपाल तुमबिनुअसमंजसशमन कोसमर्थइहिकाल॥

चौ०। सुनिमुनिबचनजनकअनुरागे लखिगतिज्ञानबिरागबिरागे सिथिलसनेहगुणतमनमाहीं आये-
इहांकीन्हभलनाहीं रामहिरायकहेउबनजाना कीन्हआपुप्रियप्रेमप्रमाना हमअबबनतेंबनहिंपठाई
प्रमुदितफिरबबिबेकबढाई तापसमुनिमहिसुरगतिदेखी भयेप्रेमबशबिकलबिशेषी समयसमुझिधरिधीरज-
राजा चलेभरतपहंसहितसमाजा भरतआयआगेंहोयलीन्हा अवसरसरिससुआसनदीन्हा तातभरत-
कहतिरहुतिराऊ तुमहिंबिदितरघुबीरसुभाऊ॥

दो०। रामसत्यब्रतधर्मरत सबकरसीलसनेहु संकटसहतसकोचबस कहियजोआयसुदेहु॥

चौ०। सुनिततनुपुलकिनयनभरिबारी बोलेभरतधीरधरिभारी प्रभुप्रियपूज्यपितासमआपू कुलगुरुसम-
हितमायनबापू कौशिकादिमुनिसहितसमाजू ज्ञानअंबुनिधिआपुनआजू शिशुसेवकआयसुअनुगामी
जानिमोहिंसिखदेइयस्वामी इहिसमाजथलबूझबराउर मनमलीनमैंबोलबबाउर छोटेबदनकहौंबडिबाता
छमबतातलखिबामबिधाता आगमनिगमप्रसिद्धपुराना सेवाधरमकठिनजगजाना स्वामिधर्मस्वारथहि-
बिरोधू बधिरअंधप्रेमहिनप्रबोधू ॥

दो०। राखिरामरुखधर्मब्रत पराधीनमोहिजानि सबकेसंमतसर्बहित करियप्रेमपहिचानि ॥

चौ०। भरतबचनसुनिदेखिसुभाऊ सहितसमाजसराहतराऊ सुगमअगममृदुमंजुकठोरा अर्थअमित-
अतिआखरथोरा ज्योंमुखमुकुरमुकरनिजपाणी गहिनजाइअसअद्भुतबाणी भूपभरतमुनिसाधुसमाजू
गेजहंबिबुधकुमुदद्विजराजू सुनिसुधिसोचबिकलसबलोगा मनहुंमीनगणनवजलयोगा देवप्रथमकुल-
गुरुगतिदेखी निरखिबिदेहसनेहबिशेखी रामभक्तिमयभरतनिहारे सुरस्वारथीहहरिहियहारे सबकहं-
रामप्रेममयपेखा भयेअलेखसोचबशलेखा ॥

दो०। रामसनेहसकोचबश कहससोचसुरराज रचहुप्रपंचहिंपंचमिलि नाहितभयउअकाज ॥

चौ०। सुरन्हसुमिरिशारदासराही देविदेवशरणागतपाही फेरिभरतमतिकरिनिजमाया पालुबिबुध-
कुलकरिछलछाया बिबुधबिनयसुनिदेविसयानी बोलीसुरस्वारथिजडजानी मोसनकहहुभरतमतिफेरू
लोचनसहसनसूझसुमेरू बिधिहरिहरमायाबडिभारी सोनभरतमतिसकैनिहारी सोमतिमोहिकहतकरु-
भोरी चंदिनिकरकिचंदकरिचोरी भरतहृदयसियरामनिवासू तहंकितिमिरजहंतरणिप्रकासू असकहि-
शारदगइबिधिलोका बिबुधबिकलनिशिमानहुंकोका ॥

दो०। सुरस्वारथीमलीनमन कीन्हकुमंत्रकुठाट रचिप्रपंचमायाप्रबल भयभ्रमअरतिउचाट ॥

चौ०। करिकुचालिसोचतसुरराजू भरतहाथसबकाजअकाजू गयेजनकरघुनाथसमीपा सनमानेसब-
रघुकुलदीपा समयसमाजधर्मअबिरोधा बोलेतबरघुबंशपुरोधा जनकभरतसंबादसुनाई भरत-
कहावतिकहीसुहाई तातरामजसआयसुदेहू सोसबकरैमोरमतयेहू सुनिरघुनाथजोरियुगपाणी बोले-
सत्यसरलमृदुबाणी बिद्यमानआपुनमिथिलेशू मोरकहासबभांतिभदेशू राउररायरजायसुहोई राउरि-
शपथसहीसिरसोई ॥

दो०। रामशपथसुनिमुनिजनक सकुचेसभासमेत सकलबिलोकहिंभरतमुख बनैनउत्तरदेत ॥

चौ०। सभासकुचबशभरतनिहारी रामबंधुधरिधीरजभारी कुसमयदेखिसनेहसंभारा बढतबिंध्यजिमि-
घटजनिवारा शोककनकलोचनमतिछोनी हरीबिमलगुणगणजगयोनी भरतबिवेकबराहबिशाला
अनायासउधरेतेहिकाला करिप्रणामसबकहंकरजोरी रामराउगुरुसाधुनिहोरी छमबआजुअति-
अनुचितमोरा कहउंबदनमृदुबचनकठोरा हियसुमिरीशारदासुहाई मानसतेमुखपंकजआई बिमल-
बिबेकधर्मनयशाली भरतभारतीमंजुमराली ॥

दो०। निरखिबिबेकबिलोचनन्हि शिथिलसनेहसमाज करिप्रणामबोलेभरत सुमिरिसीयरघुराज ॥

चौ०। प्रभुपितुमातुसुहृदगुरुस्वामी पूज्यपरमहितअंतरजामी सरलसुसाहिबशीलनिधानू प्रणतपाल-

सरबग्यसुजानू समरथसरनागतहितकारी गुनगाहकअवगुनअघहारी स्वामिगुसाँइहिसरिसगुसाँई मोहिसमानमैंस्वामिदोहाई प्रभुपितुबचनमोहबसपेली आयउँइहाँसमाजसकेली जगभलपोचऊँच-अरुनीचू अमीअमरपदमाहुरमीचू रामरजायमेटिमनमाहीं देखासुनाकतहुँकोउनाहीं सोमैंसबबिधि-कीन्हिढिठाई प्रभुमानीसनेहसेवकाई ॥

दो० । कृपाभलाईआपनी नाथकीन्हभलमोर दूषणभेभूषणसरिस सुयशचारुचहुँओर ॥

चौ० । राउरिरीतिसुबानिबडाई जगतबिदितनिगमागमगाई क्रूरकुटिलखलकुमतिकलंकी नीचनिशील-निरीसनिशंकी तेउसुनिशरणसामुहेंआये सकृतप्रणामकियेअपनाये देखिदोषकबहुँनउरआने सुनि-गुणसाधुसमाजबखाने कोसाहिबसेवकहिनेवाजी आपुसमानसाजसबसाजी निजकरतूतिनसमुझिय-सपने सेवकसकुचसोचउरअपने सोगुसाँइनहिंदूसरकोपी भजाउठाइकहौंप्रणरोपी पशुनाचतशुक-पाठप्रबीना गुणगतिनटपाठकआधीना ॥

दो० । योंसुधारिसनमानिजन कियेसाधुसिरमोर कोकृपालबिनुपालिहै बिरदाबलिबरजोर ॥

चौ० । शोकसनेहकिबालसुभायें आयउँलाउरजायसुबायें तबहुँकृपालहेरिनिजओरा सबहिभाँति-भलमानेउमोरा देखेउँपायसुमंगलमूला जानेउँस्वामिसहजअनुकूला बडेसमाजबिलोकेउँभागू बडी-चूकसाहिबअनुरागू कृपाअनुग्रहअंगअघाई कीन्हिकृपानिधिसबअधिकाई राखामोरदुलारगुसाँई अपने-शीलसुभावभलाई नाथनिपटमैंकीन्हढिठाई स्वामिसमाजसकोचबिहाई अबिनयबिनययथारुचिबानी क्षमियदेवअतिआरतजानी ॥

दो० । सुहृदसुजानसुसाहिबहि बहुतकहबबडिखोरि आयसुदेइयदेवअब समयसुधारियमोरि ॥

चौ० । प्रभुपदपद्मपरागदुहाई सत्यसुकृतसुखसीमसुहाई सोकरिकहौंहियेअपनेकी रुचिजागत-सोवतसपनेकी सहजसनेहस्वामिसेवकाई स्वारथछलफलचारिबिहाई आज्ञासमनसुसाहिबसेवा सोप्रसादजनपावैदेवा असकहिप्रेमबिबशभेभारी पुलकशरीरबिलोचनबारी प्रभुपदकमलगहेअकुलाई समयसनेहनसोकहिजाई कृपासिंधुसनमानिसुबाणी बैठायेसमीपगहिपाणी भरतबिनयसुनिदेखिसुभाउ शिथिलसनेहसभारघुराउ ॥

छं० । रघुराउशिथिलसनेहसाधुसमाजमुनिमिथिलाधनी मनमहँसराहतभरतभायपभक्तिकीमहिमाघनी ॥

भरतहिप्रशंसतबिबुधबरषतसुमनमानसमलिनसे तुलसीबिकलसबलोगसुनिसकुचेनिशागमनलिनसे ॥

सो० । देखिदुखारीदीन दुहुँसमाजनरनारिसब मघवामहामलीन मुयेमारिमंगलचहत ॥

चौ० । कपटकुचालिसीमसुरराजू परअकाजप्रियआपनकाजू काकसमानपाकरिपुरीती छलीमलीन-कतहुँपरतीती प्रथमकुमतिकरिकपटसकेला सोउचाटसबकेसिरमेला सुरमायासबलोगबिमोहे राम-प्रेमअतिशयनबिछोहे भयेउचाटबशमनथिरनाहीं क्षणबनरुचिक्षणसदनसोहाहीं दुबिधमनोगतिप्रजा-दुखारी सरितसिंधुसंगमजिमिबारी दुचितकतहुँपरितोषनलहहीं एकएकसनमर्मनकहहीं लखिहिय-हँसिकहकृपानिधानू सरिसश्वानमघवानिजवानू ॥

दो० । भरतजनकमुनिगणसचिव साधुसचेतबिहाइ लागीदेवमायासबहि यथायोगजनपाइ ॥

चौ०। कृपासिंधुलखिलोगदुखारे निजसनेहसुरपतिछलभारे सभाराउगुरुमहिसुरमंत्री भरतभक्ति-सबकीमतियंत्री रामहिंचितवतचित्रलिखेसे सकुचतबोलतबचनसिखेसे भरतप्रीतिनितविनयबडाई सुनत-सुखदवरणतकठिनाई जासुबिलोकिभक्तिलवलेशू प्रेममगनमुनिगणमिथिलेशू महिमातासुकहैकिमि-तुलसी भक्तिप्रभावसुमतिहियहुलसी आपुछोटमहिमाबडिजानी कविकुलकानिमानिसकुचानी कहिन-सकतगुणरुचिअधिकाई मतिगतिबालबचनकीनाई ॥

दो०। भरतबिमलयशबिमलबिधु सुमतिचकोरकुमारि उदितबिमलजनहृदयनभ इकटकरहीनिहारि ॥

चौ०। भरतसुभावनसुगमनिगमहू लघुमतिचापलताकविक्षमहू कहतसुनतसतिभावभरतको सीयराम-पदहोइनरतको सुमिरतभरतहिप्रेमरामको जेहिनसुलभतेहिसमनबामको देखिदयालदशासबहीकी रामसुजानजानिजनजीकी धर्मधुरीणधीरनयनागर सत्यसनेहशीलसुखसागर देशकाललखिसमय-समाजू नीतिप्रीतिपालकरघुराजू बोलेबचनबाणिसरबससे हितपरिणामसुनतशशिरससे तातभरततुम-धर्मधुरीणा लोकवेदविधिपरमप्रवीणा ॥

दो०। कर्मबचनमानसबिमल तुमसमानतुमतात गुरुसमाजलघुबंधुगुण कुसमयकिमिसहिजात॥

चौ०। जानहुताततरणिकुलरीती सत्यसिंधुपितुकीरतिप्रीती समयसमाजलाजगुरुजनकी उदासीन-हितअनहितमनकी तुमहिंबिदितसबहीकरमरमू आपनमोरपरमहितधरमू मोहिसबभांतिभरोसतुम्हारा तदपिकहौंअवसरअनुसारा तातताबिनुबातहमारी केवलकुलगुरुकृपासुधारी नतरुप्रजापुरजनपरिवारू हमहिंसहितसबहोतदुखारू जौबिनुअवसरअथवदिनेशू जगकेहिकहहुनहोइकलेशू तसउतपाततात-विधिकीन्हा मुनिमिथिलेशराखिसबलीन्हा ॥

दो०। राजकाजसबलाजपति धर्मधरणिधनधाम गुरुप्रभावपालिहिसबहि भलहोइहिपरिणाम ॥

चौ०। सहितसमाजतुम्हारहमारा घरबनगुरुप्रसादरखवारा मातुपितागुरुस्वामिनिदेशू सकलधर्म-धरणीधरशेषू सोतुमकरहुकरावहुमोहू तातरणिकुलपालकहोहू साधनएकसकलसिधिदेनी कीरति-सुगतिभूतिमयबेनी सोबिचारिसहिसंकटभारी करहुप्रजापरिवारसुखारी बांटिबिपतिसबहीमोहिभाई तुमहिंअवधिभरिअतिकठिनाई जानितुमहिंमृदुकहौंकठोरा कुसमयताननअनुचितमोरा होहिंकुठाव-सुबंधुसहाये ओडियहाथअसनिकेघाये ॥

दो०। सेवककरपदनयनसे मुखसोसाहिबहोइ तुलसीप्रीतिकिरीतिसुनि सुकविसराहहिंसोइ ॥

चौ०। सभासकलसुनिरघुबरबानी प्रेमपयोधिअमियजनुसानी शिथिलसमाजसनेहसमाधी देखिदशा-चुपशारदसाधी भरतहिभयेउपरमसंतोषू सनमुखस्वामिबिमुखदुखदोषू मुखप्रसन्नमनमिटाविषादू भाजनुगूंगहिगिराप्रसादू कीन्हसप्रेमप्रणामबहोरी बोलेपाणिपंकरुहजोरी नाथभयउसुखसाथगयेकौ लहेउंलाभजगजन्मभयेकौ अबकृपालजसआयसुहोई करौंसीसधरिसादरसोई सोअवलंबदेवमोहिदेई अवधिपारपावउंजेहिसेई ॥

दो०। देवदेवअभिषेकहित गुरुअनुशासनपाइ आनेउंसबतीरथसलिल तेहिकहंकाहरजाइ ॥

चौ०। एकमनोरथबडमनमाहीं सभयसकोचजातकहिनाहीं कहहुतातप्रभुआयसुपाई बोलेबाणि-

सनेहसुहाई चित्रकूटमुनिथलतीरथबन खगमृगसरसरिनिर्झरगिरिगन प्रभुपदअंकितअवनिविशेषी
आयसुहोइतोआवौंदेषी अवशिअत्रिआयसुसिरधरहू तातबिगतभयकाननचरहू मुनिप्रसादबनमंगल-
दाता पावनपरमसोहावनभ्राता ऋषिनायकजहंआयसुदेहीं राखेहुतीरथजलथलतेहीं सुनिप्रभुबचन-
भरतसुखपावा मुनिपदकमलमुदितसिरनावा ॥

दो०। भरतरामसंबादसुनि सकलसुमंगलमूल सुरस्वारथीसराहिकुल हरषितबरषहिंफूल ॥

चौ०। धन्यभरतजयरामगुसांई कहतदेवहरषतबरिआई मुनिमिथिलेशसभासबकाहू भरतबचनसुनि-
भयेउउछाहू भरतरामगुणग्रामसनेहू पुलकिप्रशंसतराउबिदेहू सेवकस्वामिसुभावसुहावन नेमप्रेम-
अतिपावनपावन मतिअनुसारसराहनलागे सचिवसभासदसबअनुरागे सुनिमुनिरामभरतसंबादू दुहुं-
समाजहियहर्षबिषादू राममातुदुखसुखसमजानी कहिगुणदोषप्रबोधीरानी एककरहिंरघुबीरबडाई
एकसराहतभरतभलाई ॥

दो०। अत्रिकहेउतबभरतसन शैलसमीपसुकूप राखियतीरथतोयतहं पावनअमलअनूप ॥

चौ०। भरतअत्रिअनुशासनपाई जलभाजनसबदियेचलाई सानुजआपुअत्रिमुनिसाधू सहितगयेजहं-
कूपअगाधू पावनपाथपुण्यथलराखा प्रमुदितप्रेमअत्रिअसभाखा तातअनादिसिद्धथलएहू लोपेउकाल-
बिदितनहिंकेहू तबसेवकन्हसरसथलदेषा कीन्हसुजलहितकूपबिशेषा बिधिबशभयेउबिश्वउपकारू
सुगमअगमअतिधर्मबिचारू भरतकूपअबकहिहहिंलोगा अतिपावनतीरथजलयोगा प्रेमसनेमनिमज्जत-
प्राणी होइहहिंबिमलकर्ममनबाणी ॥

दो०। कहतकूपमहिमासकल गयेजहांरघुराउ अत्रिसुनायेउरघुबरहि तीरथपुण्यप्रभाउ ॥

चौ०। कहतधर्मइतिहाससप्रीती भयेउभोरनिशिसोसुखबीती नित्यनिबाहिभरतदोउभाई रामअत्रिगुरु-
आयसुपाई सहितसमाजसाजसबसादे चलेरामबनअटनपयादे कोमलचरणचलतबिनुपनहीं भैमृदु-
भूमिसकुचिमनमनहीं कुशकंटककांकरीकुराई कटुककठोरकुबस्तुदुराई महिमंजुलमृदुमारगकीन्हे
बहतसमीरत्रिबिधसुखलीन्हे सुमनबरषिसुरघनकरिछाहीं बिटपफूलफलतृणमृदुलाहीं मृगबिलोकि-
खगबोलिसुबानी सेवहिंसकलरामप्रियजानी ॥

दो०। सुलभसिद्धिसबप्राकृतहुं रामकहतजंमुहात रामप्राणप्रियभरतकहं यहनहोइबडिबात ॥

चौ०। इहिबिधिभरतफिरतबनमाहीं नेमप्रेमलखिमुनिसकुचाहीं पुण्यजलाश्रयभूमिबिभागा खगमृग-
तरुतृणगिरिबनबागा चारुबिचित्रपवित्रबिशेषी बूझतभरतदिव्यसबदेषी सुनिमनमुदितकहतऋषिराऊ
हेतुनामगुणपुण्यप्रभाऊ कतहुंनिमज्जनकतहुंप्रणामा कतहुंबिलोकतबनअभिरामा कतहुंबैठिमुनि-
आयसुपाई सुमिरतसीयसहितदोउभाई देखिसुभावसनेहसुसेवा देहिंअशीसमुदितबनदेवा फिरहिंगये-
दिनपहरअढाई प्रभुपदकमलबिलोकहिंआई ॥

दो०। देखेथलतीरथसकल भरतपांचदिनमांझ कहतसुनतहरिहरसुयश गयउदिवसभइसांझ ॥

चौ०। भोरन्हाइसबजुरासमाजू भरतभूमिसुरतिरहुतिराजू भलदिनआजुजानिमनमाहीं रामकृपाल-
कहतसकुचाहीं गुरुनृपभरतसभाअवलोकी सकुचिरामफिरिअवनिबिलोकी शीलसराहिसभासबसोची

कहुंनरामसमस्वामिसकोची भरतसुजानरामरुखदेषी उठिसप्रेमधरिधीरबिशेषी करिदंडवतकहतकर-
ओरी राखीनाथसकलरुचिमोरी मोहिलगिसबहिसहेउसंतापू बहुतभांतिदुखपावाआपू अबगुसांइ-
मोहिदेउरजाई सेवौंअवधअवधिलगिजाई ॥

दो०। जेहिउपायपुनिपायजन देखियदीनदयाल सोसिखदेइयअवधिलगि कोशलपालकृपाल ॥

चौ०। पुरजनपरिजनप्रजागुसाईं सबशुचिसरससनेहसगाईं राउरबदिभलभवदुखदाहू प्रभुबिनुबादि-
परमपदलाहू स्वामिसुजानजानिसबहीकी रुचिलालसारहनिजनजीकी प्रणतपालपालहिंसबकाहू
देवदुहूंदिशिओरनिबाहू असमोहिसबबिधिभूरिभरोसो कियेबिचारनसोचखरोसो आरतिमोरिनाथ-
करछोहू दुहूंमिलिकीन्हढीठहठिमोहू यहबडदोषदूरिकरिस्वामी तजिसकोचसिखइयअनुगामी भरत-
बिनयसुनिसबहिंप्रशंसा छीरनीरबिवरणगतिहंसा ॥

दो०। दीनबंधुसुनिबंधुके बचनदीनछलहीन देशकालअवसरसरिस बोलेरामप्रबीन ॥

चौ०। ताततुम्हारिमोरिपरिजनकी चिन्तागुरुहिन्टपहिघरबनकी माथेपरगुरुमुनिमिथिलेशू हमहिं-
तुमहिंसपनेहुंनकलेशू मोरतुम्हारपरमपुरुषारथ स्वारथसुयशधरमपरमारथ पितुआयसुपालियदुहुं-
भाई लोकवेदभलभूपभलाई गुरुपितुमातुस्वामिसिखपालै चलतसुमगुपगुपरतनखालै असबिचारिसब-
सोचबिहाई पालहुअवधअवधिभरिजाई देशकोशपरजनपरिवारू गुरुपदरजहिलागछरभारू तुममुनि-
मातुसचिवसिखमानी पालहुपुहुमिप्रजारजधानी ॥

दो०। मुखिआमुखसोचाहिये खानपानकोयेक पालैपोषैसकलअंग तुलसीसहितबिवेक ॥

चौ०। राजधर्मसरबशइतनोई जिमिमनमांहमनोरथगोई बंधुप्रबोधकीन्हबहुभांती बिनुअधारमन-
तोषनशांती भरतशीलगुरुसचिवसमाजू सकुचसनेहबिबशरघुराजू प्रभुकरिकृपापांवरीदीन्ही सादर-
भरतशीसधरिलीन्ही चरणपीठकरुणानिधानके जनयुगजामिकप्रजाप्राणके संपुटभरतसनेहरतनके
आखरयुगजनुजीवयतनके कुलकपाटकरकुशलकरमके बिमलनयनसेवासुधर्मके भरतमुदितअवलंब-
लहेते असमुखजससियरामरहेते ॥

दो०। मांगेउबिदाप्रणामकरि रामलियेउरलाइ लोगउचाटेअमरपति कुटिलकुअवसरपाइ ॥

चौ०। सोकुचालिसबकहंभइनीकी अवधिआशसबजीवनजीकी नतरुलषणसियरामबियोगा हहरि-
मरतसबलोगकुरोगा रामकृपाअवरेवसुधारी बिबुधधारभइगुणदगोहारी भेंटतभुजभरिभाइभरतसो
रामप्रेमरसकहिनपरतसो तनमनबचनउमगिअनुरागा धीरधुरंधरधीरजत्यागा बारिजलोचनमोचत-
बारी देखिदशासुरसभादुखारी मुनिगणगुरुजनधीरजनकसे ज्ञानअनलमनकसेकनकसे जेबिरंचिनिर्लेप-
उपाये पदुमपत्रजिमिजलजलजाये ॥

दो०। तेउबिलोकिरघुबरभरत प्रीतिअनूपअपार भयेमगनमनतनबचन सहितबिरागबिचार ॥

चौ०। जहांजनकगुरुगतिमतिभोरी प्राकृतप्रीतिकहतबडिखोरी बरणतरघुबरभरतबियोगू सुनिकठोरकवि-
जानिहिलोगू सोसकोचबशअकथसुबानी समयसनेहसुमिरिसकुचानी भेंटिभरतरघुबरसमुझाये पुनि-
रिपुदमनहरषिहियलाये सेवकसचिवभरतरुखपाई निजनिजकाजलगेसबजाई सुनिदारुणदुखदुहूंसमाजा

लगेचलनकेसाजनसाजा प्रभुपदपद्मबंदिदोभाई चलेसीसधरिरामरजाई मुनितापसबनदेवनिहोरी सबसनमानिबहोरिबहोरी ॥

दो०। लषणहिभेंटिप्रणामकरि सिरधरिसियपदधूरि   चलेसप्रेमअशीससुनि सकलसुमंगलमूरि ॥

चौ०। सानुजराममृपहिसिरनाई कीन्हिबहुतबिधिबिनयबडाई देवदयाबशबडदुखपायेउ सहितसमाजकाननहिआयेउ पुरपगुधारियदेहुअशीशा कीन्हधीरधरिगमनमहीशा मुनिमहिदेवसाधुसनमाने बिदाकियेहरिहरसमजाने सासुसमीपगएदोभाई फिरेबंदिपदआशिषपाई कौशिकबामदेवजाबाली परिजनपुरजनसचिवसुचाली यथायोगकरिबिनयप्रणामा बिदाकियेसबसानुजरामा नारिपुरुषलघुमध्यबडेरे सबसनमानिकृपानिधिफेरे ॥

दो०। भरतमातुपदबंदिप्रभु शुचिसनेहमिलिभेंटि   बिदाकीनसजिपालकी सकुचसोचसबमेटि ॥

चौ०। परिजनमातुपितहिमिलिसीता फिरीप्राणप्रियप्रेमपुनीता करिप्रणामभेंटीसबसासू प्रीतिकहतकबिहियनहुलासू सुनिसिखअभिमतआशिषपाई रहीसीयदुहुंप्रीतिसमाई रघुपतिपटुपालकीमंगाई करिप्रबोधसबमातुचढाई बारबारहिलिमिलिदोभाई समसनेहजननीपहुंचाई साजिबाजिगजबाहननाना भूपभरतदलकीन्हपयाना हृदयरामसियलषणसमेता चलेजाहिंसबलोगअचेता बसहबाजिगजपशुहियहारे चलेजाहिंपरबशमनमारे ॥

दो०। गुरुगुरुतियपदबंदिप्रभु सीतालषणसमेत   फिरेहर्षबिस्मयसहित आयेपर्णनिकेत ॥

चौ०। बिदाकीन्हसनमानिनिषादू चलेउहृदयबडबिरहबिषादू कोलहकिरातभिल्लबनचारी फेरेफिरेजोहारिजुहारी प्रभुसियलषणबैठिबटछाहीं प्रियपरिजनबियोगबिलखाहीं भरतसनेहसुभावसुबानी प्रियाअनुजसनकहतबखानी प्रीतिप्रतीतिबचनमनकरणी श्रीमुखरामप्रेमबशबरणी तेहिअवसरखगमृगजलमीना चित्रकूटचरअचरमलीना बिबुधबिलोकिदशारघुबरकी बरषिसुमनकहिगतिघरघरकी प्रभुप्रणामकरिदीन्हभरोसो चलेमुदितमनडरनखरोसो ॥

दो०। सानुजसीयसमेतप्रभु राजतपर्णकुटीर   भक्तिज्ञानबैराग्यजनु सोहतधरेशरीर ॥

चौ०। मुनिमहिसुरगुरुभरतभुआलू रामबिरहसबसाजबेहालू प्रभुगुणग्रामगुणतमनमाहीं सबचुपचापचलेमगुजाहीं यमुनाउतरिपारसबभयेऊ सोबासरबिनुभोजनगयेऊ उतरिदेवसरिदूसरबासू रामसखासबकीन्हसुपासू सईउतरिगोमतीनहाये चौथेदिवसअवधपुरआये जनकरहेपुरबासरचारी राजकाजसबसाजसंभारी सौंपिसचिवगुरुभरतहिराजू तिरहुतिचलेसाजिसबसाजू नगरनारिनरगुरुसिखमानी बसेसुखेनरामरजधानी ॥

दो०। रामदरशलगिलोगसब करतनेमउपबास   तजितजिभूषणभोगसुख जिअतअवधिकीआस ॥

चौ०। सचिवसुसेवकभरतप्रबोधे निजनिजकाजपाइसिखसोधे पुनिसिखदीन्हबोलिलघुभाई सौंपीसकलमातुसेवकाई भूसुरबोलिभरतकरजोरे करिप्रणामबरबिनयनिहोरे ऊंचनीचकारजभलपोचू आयसुदेबनकरबसकोचू परिजनपुरजनप्रजाबुलाये समाधानकरिसुबसबसाये सानुजगेगुरुगेहबहोरी करिदंडवतकहतकरजोरी आयसुहोइतोरहौंसनेमा बोलेमुनितनुपुलकिसप्रेमा समुझबकहबकरबतुमसोई धर्मसारजगहोइहिजोई ॥

दो०। मुनिसिखपाइअशीसबडि गणकबोलिदिनसाधि   सिंहासनप्रभुपादुका बैठारीनिरुपाधि ॥

चौ०। राममातुगुरुपदसिरनाई प्रभुपदपीठरजायसुपाई नंदिग्रामकरिपर्णकुटीरा कीन्हनिवासधर्मधुरधीरा जटाजूटसिरमुनिपटधारी महिखनिकुशसाथरीसंवारी असनवसनआसनव्रतनेमा करतकठिनऋषिधर्मसप्रेमा भूषणबसनभोगसुखभूरी मनतनबचनतजेतृणतूरी अवधराजसुरराजसिहाहीं दशरथधनलखिधनदलजाहीं तेहिपुरबसतभरतबिनुरागा चंचरीकजिमिचंपकबागा रमाविलासरामअनुरागीतजतभवनजिमिनरबडभागी ॥

दो०। रामप्रेमभाजनभरत बडोनयहकरतूति   चातकहंससराहियत टेकबिबेकबिभूति ॥

चौ०। देहदिनहिंदिनदूबरिहोई घटनतेजबलमुखछबिसोई नितनवरामप्रेमप्रणपीना बढतधर्मदलमननमलीना जिमिजलनिघटतशरदप्रकाशे बिलसतबेतसुबनजबिकाशे शमदमसंयमनेमउपासा नखतभरतहियबिमलअकासा ध्रुवबिश्वासअवधिराकासी स्वामिसुरतिसुरबीथिबिकासी रामप्रेमबिधुअचलअदोषा सहितसमाजसोहनितचोषा भरतरहनिसमुझनिकरतूती भक्तिबिरतिगुणबिमलबिभूती बरणतसकलसुकविसकुचाहीं शेषगणेशगिरागमनाहीं ॥

दो०। नितपूजतप्रभुपांवरी प्रीतिनहृदयसमाति   मांगिमांगिआयसुकरत राजकाजबहुभांति ॥

चौ०। पुलकगातहियसियरघुबीरू जीहनामजपुलोचननीरू लषणरामसियकाननबसहीं भरतभौनबसितपतनकसहीं दुहुंदिशिसमुझिकहतसबलोगू सबविधिभरतसराहनयोगू सुनिब्रतनेमसाधुसकुचाहीं देखिदशामुनिराजलजाहीं परमपुनीतभरतआचरणू मधुरमंजुमुदमंगलकरणू हरणकठिनकलिकलुषकलेशू महामोहनिशिदलनदिनेशू पापपुञ्जकुञ्जरमृगराजू शमनसकलसंतापसमाजू जनरंजनभंजनभवभारू रामसनेहसुधाकरसारू ॥

छं०। सियरामप्रेमपियूषपूरणहोतजन्मनभरतको   मुनिमनअगमयमनियमशमदमबिषमब्रतआचरतको ॥
दुखदाहदारिददंभदूषणसुयशमिसअपहरतको कलिकालतुलसीसेशठहिहठिरामसनमुखकरतको ॥

सो०। भरतचरितकरिनेम तुलसीजेसादरसुनहिं   सीयरामपदप्रेम अवशिहोइभवरसबिरति ॥

इति श्रीरामचरितमानसे सकलकलिकलुषविध्वंसने विमलविज्ञानवैराग्यसम्पादनो नाम
तुलसीकृतअयोध्याकाण्डद्वितीयः सोपानः समाप्तः ॥

अथ आरण्यकाण्ड।

श्लोक।

मूलं धर्मतरोर्विवेकजलधेः पूर्णेन्दुमानन्ददम् वैराग्याम्बुजभास्करम् ह्यघहरं ध्वान्तापहम् तापहं मोहाम्भोधरपुञ्जपाटनविधौ खेशंभवंशङ्करम् वन्दे ब्रह्मकुलं कलङ्कशमनं श्रीरामभूपप्रियम् ॥ १ ॥ सान्द्रानन्दपयोदसौभगतनुम्पीताम्बरं सुन्दरम् पाणौ बाणशरासनं कटिलसत्तूणीरभारंवरम् राजीवायत-लोचनंधृतजटाजूटेन संशोभितम् सीतालक्ष्मणसंयुतं पथिगतं रामाभिरामं भजे ॥ २ ॥

सो०। उमारामगुणगूढ पंडितमुनिपावहिंबिरति पावहिंमोहबिमूढ जोहरिबिमुखनधर्मरति ॥

चौ०। पूरणभरतप्रीतिमैंगाई मतिअनुरूपअनूपसुहाई अबप्रभुचरितसुनौअतिपावन करतजोबनसुर-नरमुनिभावन एकबारचुनिकुसुमसुहाये निजकरभूषणरामबनाये सीतहिंपहिरायेप्रभुसादर बैठेफटिक-शिलापरभाधर सुरपतिसुतधरिवायसबेषा शठचाहतरघुपतिबलदेषा जिमिपिपीलिकासागरथाहा महा-मंदमतिपावनचाहा सीताचरणचोंचहतिभागा मूढमंदमतिकारणकागा चलारुधिररघुनायकजाना सींकधनुषशायकसंधाना ॥

दो०। अतिकृपालरघुनायक सदादीनपरनेह तासनआइकीन्हछल मूरखअवगुणगेह ॥

चौ०। बिनापराधप्रभुहतैंनकाऊ अवसरपरेग्रसैशशिराऊ जबप्रभुलीन्हसींकधनुबाना क्रोधजानिभा-अनलसमाना प्रेरितमंत्रब्रह्मशरधावा चलाभाजिबायसभयपावा धरिनिजरूपगयेउपितुपाहीं रामबिमुख-राखातिन्हनाहीं भानिराशउपजीउरत्रासा यथाचक्रभयऋषिदुर्बासा ब्रह्मधामशिवपुरसबलोका फिरा-श्रमितव्याकुलभयशोका काहुबैठनकहानओही राखिकोसकैरामकरद्रोही मातुमृत्युपितुशमनसमाना सुधाहोइबिषसुनुहरिजाना मित्रकरैशतरिपुकीकरणी ताकहंबिबुधनदीबैतरणी सबजगताहिअनलतेंताता जोरघुबीरबिमुखसुनुभ्राता ॥

दो०। जिमिजिमिभाजतशक्रसुत व्याकुलअतिदुखदीन तिमितिमिधावतरामशर पाछेपरमप्रबीन ॥

चौ०। बचहिंउरगबरुग्रसैखगेसा रघुपतिशरकुटिबचबअंदेसा नारददेखाबिकलजयंता लागिदया-कोमलचितसंता दूरिहितेकहिप्रभुप्रभुताई भजेजानबहुबिधिसमुझाई पठवातुरतरामपहंताही कहसि-पुकारिप्रणतहितपाही आतुरसभयगहेसिपदजाई त्राहित्राहिदयालरघुराई अतुलितबलअतुलितप्रभुताई मैंमतिमंदजानिनहिंपाई निजकृतकर्मजनितफलपायेउं अबप्रभुपाहिशरणतकिआयेउं सुनिकृपालुअति-आरतबानी एकनयनकरितजाभवानी ॥

सो०। कीन्हमोहबशद्रोह यद्यपितेहिकरबधउचित प्रभुछाडेउकरिछोह कोकृपालुरघुबीरसम ॥

चौ०। रघुपतिचित्रकूटबसिनाना चरितकरतअतिसुधासमाना बहुरिरामअसमनअनुमाना होइहि-भीरसबहिमोहिजाना सकलमुनिन्हसनबिदाकराई सीतासहितचलेदौभाई अत्रिकेआश्रमप्रभुचलिगयेऊ सुनतमहामुनिहर्षितभयेऊ पुलकितगातअत्रिउठिधाये देखिरामआतुरचलिआये करतदंडवतमुनि-

उरलाये प्रेमबारिद्वौजनअन्हवाये देखिरामछबिनयनजुडाने सादरनिजआश्रमतबआने करिपूजाकहि-
बचनसुहाये दियेमूलफलप्रभुमनभाये ॥

सो०। प्रभुआसनआसीन भरिलोचनशोभानिरखि मुनिबरपरमप्रबीण जोरिपाणिअस्तुतिकरत ॥

छं०। नमामिभक्तवत्सलंकृपालुशीलकोमलं भजामितेपदाम्बुजंअकामिनांस्वधामदं ॥
निकामश्यामसुंदरंभवाम्बुनाथमंदरं प्रफुल्लकंजलोचनंमदादिदोषमोचनं ॥
प्रलंबबाहुविक्रमंप्रभोप्रमेयवैभवं निषंगचापशायकंधरेत्रिलोकनायकं ॥
दिनेशवंशमंडनंमहेशचापखंडनं मुनींद्रसंतरंजनंसुरारिवृन्दगंजनं ॥
मनोजवैरिवंदितंअजादिदेवसेवितं विशुद्धबोधविग्रहंसमस्तदूषणापहं ॥
नमामिइंदिरापतिंसुखाकरंसतांगतिं भजेसशक्तिसानुजंशचीपतिप्रियानुजं ॥
त्वदंघ्रिमूलयेनराभजंतिहीनमत्सरा पतंतिनोभवार्णवेवितर्कवीचिसंकुलं ॥
विविक्तवासनाःसदाभजंतिमुक्तिदंमुदा निरस्यइंद्रियादिकंप्रयांतितेगतिंस्वकां ॥
त्वमेकमद्भुतंप्रभुंनिरीहमीश्वरंविभुं जगद्गुरुंचशाश्वतंतुरीयमेककेवलं ॥
भजामिभाववल्लभंकुयोगिनांसुदुर्लभं स्वभक्तकल्पपादपंसमस्तसेव्यमन्वहं ॥
अनूपरूपभूपतिंनतोहमुर्विजापतिं प्रसीदमेनमामितेपदाब्जभक्तिदेहिमे ॥
पठंतियेस्तवंइदंनरादरेणतेपदं ब्रजन्तिनात्रसंशयंत्वदीयभक्तिसंयुतं ॥

दो०। बिनतीकरिमुनिनाइसिर कहकरजोरिबहोरि चरणसरोरुहनाथजनि कबहुंतजैमतिमोरि ॥

चौ०। जन्मजन्मतवपदसुखकंदा बढ़ौप्रेमचकोरजिमिचंदा देखिराममुनिबिनयप्रणामा बिबिधभांति-
पायउबिश्रामा अनुसूयाकेपदगहिसीता मिलीबहोरिसुशीलबिनीता जोसियसकललोकसुखदाता
अखिलकोटिब्रह्मांडकिमाता तेपाईसियमुनिबरभामिनी सुखीभईकुमुदिनिजौंयामिनी ऋषिपतिनी-
मनसुखअधिकाई आशिषदेइनिकटबैठाई दिव्यबसनभूषणपहिराये जेनितनूतनअमलसुहाये जाहि-
निरखिदुखदूरिपराहीं गरुडजानिजिमिपन्नगजाहीं ॥

दो०। ऐसेबसनबिचित्रसुठि दियेसोयकहंआनि सनमानीप्रियबचनकहि प्रीतिनजाइबखानि ॥

चौ०। कहऋषिबधूसरलमृदुबानी नारिधर्मकछुव्याजबखानी मातुपिताभ्राताहितकारी मितसुख-
प्रदसुनुराजकुमारी अमितदानिभर्त्ताबैदेही अधमसोनारिजोसेवनतेही धीरजधर्ममित्रअरुनारी आपद-
कालपरखियेचारी वृद्धरोगबशजडधनहीना अंधबधिरक्रोधीअतिदीना ऐसेहुपतिकरकियअपमाना
नारिपावयमपुरदुखनाना एकैधर्मएकब्रतनेमा कायबचनमनपतिपदप्रेमा जगपतिब्रताचारिबिधिअहहीं
वेदपुराणसन्तअसकहहीं ॥

दो०। उत्तममध्यमनीचलघु सकलकहउंसमुझाइ आगेसुनहिंतेभवतरहिं सुनहुसीयचितलाइ ॥

चौ०। उत्तमकेअसबसमनमाहीं सपनेहुआनपुरुषजगनाहीं मध्यमपरपतिदेखहिंकैसे भ्रातापितापुत्र-
निजजैसे धर्मबिचारिसमुझिकुलरहहीं सोनिकृष्टतियश्रुतिअसकहहीं बिनुअवसरभयतेंरहजोई जानेहु-
अधमनारिजगसोई पतिबंचकपरपतिरतिकरई रौरवनरककल्पशतपरई क्षणसुखलागिजन्मशतकोटी

दुखनसमुझतेहिसमकोखोटो बिनुश्रमनारिपरमगतिलहई पतिब्रतधर्मछाड़िछलगहई पतिप्रतिकूल-
जनमिजहंजाई बिधवाहोयपाइतरुणाई ॥

सो०। सहजअपावनिनारि पतिसेवतशुभगतिलहहिं यशगावतश्रुतिचारि अजहुंतुलसिकाहरिहिप्रिया ॥
सुनुसीतातवनाम सुमिरिनारिपतिब्रतकरहिं तुमहिप्राणप्रियराम कहेउंकथासंसारहित ॥

चौ०। सुनिजानकीपरमसुखपावा सादरतासुचरणसिरनावा तबमुनिसनकहकृपानिधाना आयसु-
होउजाउंबनआना संततमोपरकृपाकरेहु सेवकजानितजेहुजनिनेहु धर्मधुरंधरप्रभुकीबानी सुनि-
सप्रेमबोलेमुनिज्ञानी जासुकृपाअजशिवसनकादी चहतसकलपरमारथबादी तेतुमरामअकामपियारे
दीनबंधुमृदुबचनउचारे अबजानीमैंश्रीचतुराई भजियतुमहिंसबदेवबिहाई जेहिसमानअतिशय-
नहिंकोई ताकरशीलकसनअसहोई केहिबिधिकहौंजाहुअबस्वामी कहहुनाथतुमअंतरजामी अस-
कहिप्रभुबिलोकिमुनिधीरा लोचनजलबहपुलकशरीरा ॥

छं०। तनुपुलकनिर्भरप्रेमपूरणनयनमुखपंकजदिये मनज्ञानगुणगोतीतप्रभुमैंदीखजपतपकाकिये ॥
जपयोगधर्मसमूहतेनरभक्तिअनुपमपावई रघुबीरचरितपुनीतनिशिदिनदासतुलसीगावई ॥

दो०। कलिमलशमनदमनमन रामसुयशसुखमूल सादरसुनहिंजेताहिपर रामरहहिंअनुकूल ॥

सो०। कठिनसुकलिमलकोश धर्मनज्ञाननयोगतप परिहरिसकलभरोस रामभजहिंतेचतुरनर ॥

दो०। मुनिहुंकिअस्तुतिकीन्हप्रभु दीन्हसुभगबरदान सुमनबृष्टिनभसंकुल जयजयकृपानिधान ॥

चौ०। मुनिपदकमलनाइकरिशीशा चलेबनहिंसुरनरमुनिईशा आगेरामअनुजपुनिपाछे मुनिबरभेष-
बनेअतिकाछे उभयबीचसियसोहतिकैसी ब्रह्मजीवबिचमायाजैसी उपमाबहुरिकहौंजियजोही बिधु-
बुधमध्यरोहिणीसोही सरिताबनगिरिअवघटघाटा पतिपहिचानिदेहिंबरबाटा जहंजहंजाहिंदेवरघुराया
करहिंमेघनभतहंतहंछाया आश्रमबिपुलदीखबनमाहीं देवसदनतेहिपटतरनाहीं बहुतडागसुंदरअम-
राई भांतिभांतिसबमुनिनलगाई दिव्यबिटपबनचहुंदिशिसोहैं देखतसकलसुरनमनमोहैं ॥

दो०। निजनिजआश्रमवेदिका तिहिपरतुलसिबिराज अनुजजानकीसहिततहां राजतभेरघुराज ॥
आनिसुआश्रममुदितमन पूजिपहुनईकीन कंदमूलफलअमियसम आनिरामकहदीन ॥

चौ०। अनुजसीयसहभोजनकीन्हा जोजिहिंभावसुभगबरदीन्हा होतप्रभातमुनिन्हसिरनावा आशीर्बाद-
सबहिसनपावा सुमिरिउमासुरसिद्धगणेशा पुनिप्रभुचलेसुनहुबिहगेशा बनअनेकसुंदरगिरिनाना
लांघतचलेजाहिंभगवाना मिलाअसुरबिराधमगुजाता गरजतघोरकठोररिसाता रूपभयंकरमानहुंकाला
बेगवंतधाएउजिमिब्याला गगनदेवगणमुनिबरनाना तेहिलखहृदयहारिभयमाना गहेत्रिशूलपाणिअति-
घोरा केहरिमारिबांधिचहुंओरा तुरतहिसोसीतहिलैगयेऊ रामहृदयकछुबिस्मयभयेऊ समुझाहृदय-
कैकयीकरणी कहाअनुजसनबहुबिधिबरणी बहुरिलषणरघुबरहिप्रबोधा पांचबाणकाढेकरिक्रोधा ॥

छं०। भयेक्रोधलषणसंधानिधनुशरमारितेहिव्याकुलकियो पुनिउठिनिशाचरराखिसीतहिंशूललैधावतभयो ॥
जनुकालदंडकरालधावाबिकलसबखगमृगभये धनुतानिश्रीरघुबंशमणिपुनिकाटितेहिरजसमकिये ॥

दो०। बहुरिएकशरमारेउ पराधरणिधुनिमाथ उठाप्रबलपुनिगर्जेउ चलाजहांरघुनाथ ॥

चौ०। ऐसेकहतनिशाचरधावा अबनहिंबचहुतुमहिमैंखावा आवप्रबलदहिविविधिजनुभूधर होइहि-
कहाकहहिंव्याकुलसुर तासुतेजशतमरुतसमाना टूटहिंतरुबहुउडहिंपषाना जीवजंतुजहंलगिरहेजेते
व्याकुलभाजिचलेसबतेते उरगसमानजोरिशरसाता आवनहोरघुबीरनिपाता तुरतहिरुचिरहुपतेहिपावा
देखिदुखीनिजधामपठावा तासुअस्थिगाडेउप्रभुधरणी देवमुदितलखिप्रभुकीकरणी सीताआइचरण-
लिपटानी अनुजसहिततबचलेभवानी उहांशक्रजहंमुनिशरभंगा आयेसकलदेवनिजसंगा गयेकहनप्रभु-
देनसिखावन दिशबलभेदबसतजहांरावन ॥

दो०। सुरपतिसंशयतमसम रघुपतितेजदिनेश रावणजीवननिशिसम बीतेहुटहिंकलेश ॥

चौ०। सुनासीरप्रभुनिहिलणदेखा जनुधरेतेजपुञ्जमुनिबेखा तुरंगचारिबलमरुतसमाना रथरविसमनहिं-
जायबखाना छितिनपरसअंतरहितरहई स्वेतछत्रचामरसिरढरई अनुजहिप्रियहिकहासमुझाई सुरपति-
महिमागुणप्रभुताई जिहिकारणबासवतहांआये सोकछुबचनकहननहिंपाये बोचहिसुनिआइबप्रभुकेरा
कहिसारथीतुरतरथफेरा दूरहितेंकरिप्रभुहिप्रणामा हरषिसुरेशगयउनिजधामा प्रभुआयेजहंमुनिशर-
भंगा सुंदरअनुजजानकीसंगा ॥

दो०। देखिराममुखपंकज मुनिबरलोचनभृङ्ग सादरपानकरतअति धन्यधन्यशरभङ्ग ॥

चौ०। कहमुनिसुनुरघुबीरकृपाला शंकरमानसराजमराला जातरहेउंबिरंचिकेधामा सुनेउंश्रवणबन-
आवनरामा चितवतपंथरहेउंदिनराती अबप्रभुदेखिजुडानीछाती नाथसकलसाधनमैंहीना कीन्हीकृपा-
जानिजनदीना सोकछुदेवनमोरनिहोरा निजपणराखेउजनमनचोरा तबलगिरहहुदीनहितलागी
जबलगिमिलौंतुम्हैंतनुत्यागी योगयज्ञजपतपब्रतकीन्हा प्रभुकहंदेइभक्तिबरलीन्हा इहिविधिसररचिमुनि-
शरभंगा बैठेहृदयछाडिसबसंगा ॥

दो०। सीताअनुजसमेतप्रभु नीलजलदतनुश्याम ममहियबशहुनिरंतर सगुणरूपश्रीराम ॥

चौ०। असकहियोगअग्निततनुजारा रामकृपाबैकुण्ठसिधारा तातेमुनिहरिलीननभयेऊ प्रथमहिंभेद-
भक्तिबरलयेऊ ऋषिनिकायमुनिबरगतिदेषी सुखीभयेनिजहृदयबिशेषी अस्तुतिकरहिंसकलमुनिबृन्दा
जयतिप्रणतहितकरुणाकन्दा पुनिरघुनाथचलेबनआगे मुनिबरबृन्दपुलकिसंगलागे अस्थिसमूहदेखि-
रघुराया पूछामुनिन्हलागिअतिदाया जानतहहुकापूछहुस्वामी समदरशीतुमअंतरजामी निशिचर-
निकरसकलमुनिखाये सुनिरघुनाथनयनजलछाये ॥

दो०। निशिचरहीनकरौंमहि भुजउठाइप्रणकीन्ह सकलमुनिन्हकेआश्रमन्ह जाइजाइसुखदीन्ह ॥

चौ०। मुनिअगस्तिकरशिष्यसुजाना नामसुतीक्षणरतभगवाना मनक्रमबचनरामपदसेवक सपनेहुं-
आनभरोसनदेवक प्रभुआगमनश्रवणसुनिपावा करतमनोरथआतुरधावा हेबिधिदीनबंधुरघुराया
मोसेशठपरकरिहहिंदाया सहितअनुजमोहिरामगुसाईं मिलिहहिंनिजसेवककीनाईं मोरेजिय-
भरोसदृढनाहीं भक्तिनबिरतिज्ञानमनमाहीं नहिंसतसंगयोगजपजागा नहिंदृढचरणकमलअनुरागा
एकबानिकरुणानिधानकी सोप्रियजाकेगतिनआनकी ॥

छं०। सोपरमप्रियअतिपातकोजिन्हकबहुंप्रभुसुमिरणकरयो तेआजुमैंनिजनयनदेखौंपूरिपुलकितहियभरयो ॥

जेपदसरोजअनेकमुनिकरिध्यानकबहुंनआवहीं तेरामश्रीरघुबंशमणिप्रभुप्रेमतेसुखपावहीं ॥
दो०। पन्नगारिसुनुप्रेमसम भजननदूसरआन यहबिचारिमुनिपुनिपुनि करतरामगुणगान ॥
चौ०। होइहहिंसुफलआजुममलोचन देखिबदनपंकजभवमोचन निर्भरप्रेममगनमुनिज्ञानी कहिन-
जाइसोइदशाभवानी दिशिअहबिदिशिपंथनहिंसूझा कोमैंचलेउंकहांनहिंबूझा कबहुंकफिरिपाछेपुनि-
जाई कबहुंकनृत्यकरैगुणगाई अबिरलप्रेमभक्तिमुनिपाई प्रभुदेखहिंतरुओटलुकाई अतिशयप्रीति-
देखिरघुबीरा प्रगटेहृदयहरणभवभीरा मुनिमगुमांझअचलहोइबैसा पुलकशरीरपनसफलजैसा तब-
रघुनाथनिकटचलिआये देखिदशानिजजनमनभाये ॥
सो०।रामसुसहजसुभाव सेवकदुखदारिददमन मुनिसनकहप्रभुआव उठउठद्विजममप्राणसम ॥
चौ०। मुनिहिंरामबहुभांतिजगावा जागनध्यानजनितसुखपावा भूपरूपतबरामदुरावा हृदयचतुर्भुज-
रूपदिखावा मुनिअकुलाइउठातबकैसे बिकलहीनमणिबिनुफणिजैसे आगेदेखिरामतनुश्यामा सीता-
अनुजसहितसुखधामा परेउलकुटइवचरणन्हलागी प्रेममगनमुनिबरबडभागी भुजबिशालगहिलियेउठाई
परमप्रीतिराखेउउरलाई मुनिहिमिलतअससोहकृपाला कनकतरुहिजनुभेंटुतमाला रामबदनबिलोकि-
मुनिठाढा मानहुंचित्रमांझलिखिकाढा ॥
दो०। तबमुनिहृदयधीरधरि गहिपदबारहिबार निजआश्रमप्रभुआनिकरि पूजाबिबिधप्रकार ॥
चौ०। कहमुनिप्रभुसुनुबिनतीमोरी अस्तुतिकरौंकवनिबिधितोरी महिमाअमितमोरिमतिथोरी रवि-
सन्मुखखद्योतअंजोरी श्यामतामरसदामशरीरं जटामुकुटपरिधनमुनिचीरं पाणिचापशरकटितूणीरं
नौमिनिरंतरश्रीरघुबीरं मोहबिपिनघनदहनकृशानुं संतसरोरुहकाननभानुं निशिचरकरिवरूथमृगराजं
त्रातुसदानोभवखगबाजं अरुणनयनराजीवसुवेशं सीतानयनचकोरनिशेशं हरहृदमानसराजमरालं
नौमिरामउरबाहुबिशालं संशयसर्पग्रसनउरगादं शमनसकलसंतापबिपादं भयभंजनरंजनसुरयूथं त्रातु-
सदानोकृपावरूथं निर्गुणसगुणबिषमसमरूपं ज्ञानगिरागोतीतमनूपं अमलअखिलमनवद्यमपारं नौमि-
रामभंजनमहिभारं भक्तकल्पपादपआरामं तर्जनक्रोधलोभमदकामं अतिनागरसागरभवसेतुं त्रातु-
सदादिनकरकुलकेतुं अतुलितभुजप्रतापबलधामं कलिमलबिपुलबिभंजननामं धर्मवर्मनर्मदगुणग्रामं
संततसंतत्रातुतुमरामं यदपिबिरजव्यापकअबिनाशी सबकेहृदयनिरंतरबासी तदपिअनुजसियसहित-
खरारी बसहुमनसिममकाननचारी जेजानहिंतेहिजानहुस्वामी सगुणअगुणउरअंतरजामी जोकोशल-
पतिराजिवनयना करौसोरामहृदयममअयना ॥
सो०। मायाबशजिमिजीव रहहिंसदासंततमगन तिमिलागहुमोहिप्रीय करुणाकरसुंदरसुखद ॥
चौ०। असअभिमानजाइजनिभोरे मैंसेवकरघुपतिपतिमोरे रामभक्तितजिचहकल्याना सोनरअधम-
शृगालसमाना सुनिमुनिबचनराममनभाये बहुरिहरषिमुनिबरउरलाये परमप्रसन्नजानिमुनिमोही
जोबरमांगुदेउंमैंतोही मुनिकहमैंबरकबहुंनयाचा समुझिनपरैझूठकासांचा तुमहिंनीकलागरघुराई
सोमोहिदेहुदाससुखदाई अबिरलभक्तिबिरतिबिज्ञाना होहुसकलगुणज्ञाननिधाना प्रभुजोदीन्हसो-
बरमैंपावा अबसोदेहुमोहिजोभावा ॥

दो०। अनुजजानकीसहितप्रभु चापबाणधरराम   ममहियगगनइंदुइव बसहुसदानिःकाम ॥
चौ०। एवमस्तुकहिरमानिवासा हरषिचलेकुंभजऋषिपासा मुनिप्रणामकरियुगकरजोरी सुनहुनाथ-
कहुबिनतीमोरी बहुतदिवसगुरुदरशनपाये भयेमोहिंइहिआश्रमआये अबप्रभुसंगजाउंगुरुपाहीं तुम-
कहंनाथनिहोरानाहीं चलेजातमगतबपदकंजा देखिहौंजोबिराधमदगंजा देखिकृपानिधिमुनिचतुराई
लियेसंगबिहंसेदोभाई पंथकहतनिजभक्तिअनूपा मुनिआश्रमपहुंचेसुरभूपा आश्रमदेखिमहाशुचिसुंदर
सरितसरोवरकाननभूधर जलचरथलचरजीवजहीते बैरनकरहिंप्रीतिसबहीते ॥

दो०। तरुबहुविधिविहंगमृग बोलतबिबिधप्रकार   बसहिंसिद्धमुनितपकरहिं महिमागुणआगार ॥
चौ०। तुरतसुतीक्षणगुरुपहंगयऊ करिदंडवतकहतअसभयऊ नाथकोशलाधीशकुमारा आयेमिलन-
जगतआधारा रामअनुजसमेतबैदेही निशिदिनदेवजपतहहुजेही सुनतअगस्तितुरतउठिधाये हरिहिं-
बिलोकिनयनजलछाये मुनिपदकमलपरेदोभाई ऋषिअतिप्रीतिलियेउरलाई सादरकुशलपूछिमुनिज्ञानी
आसनपरबैठारेआनी पुनिकरिबहुप्रकारप्रभुपूजा मोहिसमभागवंतनहिंदूजा जहंलगिरहेअपरमुनि-
वृन्दा हर्षेसबबिलोकिसुखकन्दा ॥

दो०। मुनिसमूहमहंबैठुप्रभु सन्मुखसबकीओर   शरदइंदुजनुचितवत मानहुनिकरचकोर ॥
चौ०। पाइसुथलजलहरषितमीना पारसपाइसुखीजिमिदीना प्रभुहिनिरखिसुखभाइहिभांती चातक-
यथापाईजलस्वाती तबरघुबीरकहामुनिपाहीं तुमसनप्रभुदुरावकछुनाहीं तुमजानहुजेहिकारणआयेउं
तातेतातनकहिसमुझायेउं अबसोइमंत्रदेहुप्रभुमोही जेहिप्रकारमारौंसुरद्रोही द्विजद्रोहीनबचहिंमुनिराई
जिमिपंकजबनहिमऋतुपाई मुनिमुसकानेसुनिप्रभुबानी पूछहुनाथमोहिकाजानी तुम्हरेभजनप्रभाव-
अघारी जानौंमहिमाकछुकतुम्हारी ॥

सो०। भृकुटीनिरखतनाथ रहतसदापदकमलतर   जिनडारेनिजहाथ बिबिधबिधानासिद्धहर ॥
चौ०। अतिकरालसबपरजगजाना औरौकहौंसुनियभगवाना डूमरितरुबिशालतबमाया फलब्रह्मांड-
अनेकनिकाया जीवचराचरजंतुसमाना भीतरबसहिंनजानहिंआना तेफलभक्षककठिनकराला तबभय-
डरतसदासोउकाला तेतुमसकललोकपतिसाईं पूछेहुमोहिमनुजकीनाईं यहबरमागौंकृपानिकेता
बसहुहृदयसियअनुजसमेता अबिरलभक्तिविरतिसतसंगा चरणसरोरुहप्रीतिअभंगा यद्यपिब्रह्मअखंड-
अनंता अनुभवगम्यभजहिंजेहिसंता असतवरूपबखानौंजानौं फिरिफिरिसगुणब्रह्मरतिमानौं ॥

दो०। जेहिजीवनपरतवकृपा संततरहतहुलास   तिनकीमहिमाकोकहै जेअनन्यप्रियदास ॥
चौ०। संततदासन्हदेहुबडाई तातेमोहिपूछेहुरघुराई हैप्रभुपरममनोहरठाऊं पावनपंचबटीतेहिनाऊं
गोदावरीनदीतहंबहई चारिहुयुगप्रसिद्धसोअहई दंडकबनपुनीतप्रभुकरहू उग्रशापमुनिवरकैहरहू
बासकरहुतहंरघुकुलराया कीजैसकलमुनिन्हपरदाया   चलेराममुनिआयसुपाई तुरतहिपंचबटी-
नियराई दिव्यलताद्रुमप्रभुमनभाये निरखिरामतेभयेउसुहाये लषणरामसियचरणनिहारी कानन-
अघगाभासुखकारी ॥

दो०। गीध्रराजसोंभेटभइ बहुबिधिप्रीतिदृढाइ   गोदावरीसमीपप्रभु रहेपर्णगृहछाइ ॥

चौ०। जबतेंरामकीन्हतहंबासा सुखीभयेमुनिबीतीत्रासा गिरिबननदीतालछबिछाये दिनदिनप्रति-
अतिहोतसुहाये खगम्टगबृन्दअनंदितरहहीं मधुपमधुरगुंजतछबिलहहीं सोबनबरणिनसकअहिराजा
जहांप्रगटरघुबीरबिराजा एकबारप्रभुसुखआसीना लक्ष्मणबचनकहेछलहीना सुरनरमुनिसचराचरसाईं
मैंपूछौंनिजप्रभुकीनाईं मोहिसमुझाइकहौसोइदेवा सबतजिकरौंचरणरजसेवा कहहुज्ञानबिराग-
अरुमाया कहहुसोभक्तिकरहुजेहिदाया ॥

दो०। ईश्वरजीवहिभेदप्रभु सकलकहहुसमुझाइ जातेंहोइचरणरति शोकमोहभ्रमजाइ ॥

चौ०। थोरेमहंसबकहौंबुझाई सुनहुतातमतिमनचितलाई मैंअरुमोरतोरतैंमाया जेहिबशकीन्हेजीव-
निकाया गोगोचरजहंलगिमनजाई सोसबमायाजानेहुभाई तेहिकरभेदसुनहुतुमसोऊ विद्याअपर-
अविद्यादोऊ एकदुष्टअतिशयदुखरूपा जावशजीवपराभवकूपा एकरचैजगगुणबशजाके प्रभुप्रेरितनहिं-
निजबलताके ज्ञानमानजहंएकौनाहीं देखतब्रह्मरूपसबमाहीं कहियतातसोपरमबिरागी तृणसमसिद्धि-
तीनिगुणत्यागी ॥

दो०। मायाईशनआपुकहं जानिकहैसोजीव बंधमोक्षप्रदसर्वपर मायाप्रेरकशीव ॥

चौ०। धर्मतेंबिरतियोगतेंज्ञाना ज्ञानमोक्षप्रदवेदबखाना जातेंबेगिद्रवौंमैंभाई सोममभक्तिभक्तसुख-
दाई सोस्वतंत्रअवलंबनआना तेहिआधीनज्ञानबिज्ञाना भक्तितातअनुपमसुखमूला मिलैजुसंतहोय-
अनुकूला भक्तिकेसाधनकहौंबखानी सुगमपंथमोहिपावहिंप्रानी प्रथमहिंबिप्रचरणअतिप्रीती निजनिज-
धर्मनिरतश्रुतिरीती इहिकरफलपुनिबिषयबिरागा तबममचरणउपजअनरागा श्रवणादिकनवभक्तिदृढाहीं
ममलीलारतिअतिमनमाहीं सन्तचरणपंकजअतिप्रेमा मनक्रमबचनभजनदृढनेमा गुरुपितुमातुबंधुपति-
देवा सबमोहिकहंजानैदृढसेवा ममगुणगावतपुलकशरीरा गद्गदगिरानयनबहनीरा कामआदिमददंभ-
नजाके तातनिरंतरबसमैंताके ॥

दो०। बचनकर्ममनमोरिगति भजनकरैंनिःकाम तिन्हकेहृदयकमलमहं करौंसदाबिश्राम ॥

चौ०। भक्तियोगसुनिअतिसुखपावा लक्ष्मणप्रभुचरणन्हसिरनावा नाथसुनेगतममसंदेहा भयउज्ञान-
उपजेउनवनेहा अनुजबचनसुनिप्रभुमनभाये हरषिरामनिजहृदयलगाये इहिबिधिगयेकछुकदिनबीती
कहतबिरागज्ञानगुणनीती सूर्पनखारावणकीबहिनी दुष्टहृदयदारुणजिमिअहिनी पंचबटीसोगइएकबारा
देखिबिकलभइयुगलकुमारा भ्रातापितापुत्रउरगारी पुरुषमनोहरनिरखतनारी होइबिकलसकमन-
नहिंरोकी जिमिरबिमणिद्रवरबिहिबिलोकी ॥

दो०। अधमनिशाचरिकुटिलअति चलीकरणउपहास सुनुखगेशभावीप्रबल भाषहनिशिचरनाश ॥

चौ०। रुचिररूपधरिप्रभुपहंआई बोलीबचनमधुरमुसुकाई तुमसमपुरुषनमोसमनारी यहसंयोगबिधि-
रचाबिचारी ममअनुरूपपुरुषजगनाहीं देखेउंखोजिलोकतिहुंमाहीं तातेंअबलगिरहीकुमारी मनमाना-
कछुतुमहिनिहारी सीतहिंचितइकहीप्रभुबाता अहैकुमारमोरलघुभ्राता गइलक्ष्मणरिपुभगिनीजानी
प्रभुबिलोकिबोलेमृदुबानी सुंदरिसुनुमैंउन्हकरदासा पराधीननहिंतोरसुपासा प्रभुसमरथकोशलपुर-
राजा जोकछुकरहिंउन्हैसबछाजा ॥

दो०। केहरिसमनहिंकरिबर लवाकिबाजसमान प्रभुसेवकइमिजानहु मानहुबचनप्रमान ॥
चौ०। सेवकसुखचहमानभिखारी व्यसनीधनसुभक्तिव्यभिचारी लोभीयशचहचारगुमानी नभदुहि-
दूधचहतकोउप्रानी पुनिफिरिरामनिकटसोआई प्रभुलक्ष्मणपहंबहुरिपठाई लक्ष्मणकहातोहिसोबरई
जोतृणतोरिलाजपरिहरई तबखिसिआनिरामपहंगई रूपभयंकरप्रगटतिभई बिथुरेकेशरदनबिकराला
भृकुटीकुटिलकरनलगिगाला सोतहिसभयदेखिरघुराई कहाअनुजसननैनबुझाई अनुजराममनकीगति-
जानी उठेरिसाइसोसुनहुभवानी ॥
दो०। लक्ष्मणअतिलाघवतिहि नाककानबिनुकीन्ह ताकेकररावणकहं मनहुंचुनौतीदीन्ह ॥
चौ०। नाककानबिनभइबिकरारा जनुश्रवशैलगेरुकैधारा खरदूषणपहंगइबिलपाता धिकधिकतव-
पौरुषबलभ्राता तेइपूछासबकहेसिबुझाई यातुधानसुनिसेनबनाई चौदहसहससुभटसंगलीन्हे जिन्ह-
सपनेहुरणपीठिनदीन्हे धायेनिशिचरनिकरबरूथा जनुसपक्षकज्जलगिरियूथा नानाबाहननानाकारा
नानाआयुधघोरअपारा श्यामघटादेखतनभकेरो तहंवासवधनुमनहुंउबेरो सूर्पनखहिंआगेंकरिलीन्ही
अशुभरूपश्रुतिनासाहीनी ॥
दो०। निजनिजबलसबमिलिकहहिं एकहिएकसुनाइ बाजनबाजुजुझाऊ हर्षनहृदयसमाइ ॥
चौ०। अशगुनअमितहोहिंभयकारी गणहिंनमृत्युबिबशभयेझारी गर्जहिंतर्जहिंगगनउडाहीं देखि-
कटकभटअतिहरषाहीं कोउकहजियतधरहुदोभाई धरिमारहुतियलेहुछडाई कोउकहसुनौसत्यहम-
कहहीं काननफिरहिंबीरकोउअहहीं एकैकहामष्टभैरहहू खरकेआगेअसजनिकहहू बहुबिधिकहत-
बचनरणधोरा आयेसकलजहांरघबीरा धूरिपूरिनभमंडलरहेऊ रामबोलाइअनुजसनकहेऊ लैजान-
किहिंजाहुगिरिकंदर आवानिशिचरकटकभयंकर रहेहुसजगसुनिप्रभुकैबाणी चलेसहितसियशरधनु-
पाणी देखिरामरिपुदलचलिआवा बिहंसिकठिनकोदंडचढावा ॥
छं०। कोदंडकठिनचढाइप्रभुसिरजटाबांधतसोहक्यों मरकतशैलपरलसतदामिनिकोटिसजगभुजंगज्यों ॥
कटिकसिनिषंगबिशालभुजगहिचापबिशिखसुधारिकै चितवतमनहुंमृगराजप्रभुगजराजघटानिहारिकै ॥
सो०। आइगयेबगमेल धरहुधरहुधायेसुभट यथाबिलोकिअकेल बालरविहिघेरतदनुज ॥
चौ०। घेरिरहेनिशिचरसमुदाई दंडकखगमृगचलेपराई प्रभुबिलोकिशरसकहिंनडारी थकितभये-
रजनीचरझारी सचिवबोलिबोलेखरदूषण यहकोउनृपबालकनरभूषण सुरनरनागअसुरमुनिजेते देखे-
सुनेहतेहमकेते हमभरिजनमसुनहुसबभाई देखीनहिंअसिसुंदरताई यद्यपिभगिनिहिंकीन्हकुरूपा
बधलायकनहिंपुरुषअनूपा देहुतुरतनिजनारिदुराई जीवतभवनजाहुदोभाई मोरकहातुमताहिसुनावहु
तासुबचनसुनिआतुरआवहु ॥
दो०। भयेकालबशमूढसब जानहिंनहिंरघुबीर मशकफंककिमिमेरुउड सुनहुगरुडमतिधीर ॥
चौ०। दूतन्हकहारामसनजाई सुनतरामबोलेमुसुकाई आजुभयोउबडभागहमारा तुम्हरेप्रभुअस-
कीन्हबिचारा हमछत्रीमृगयाबनकरहीं तुमसेखलमृगखोजतफिरहीं रिपुबलवंतदेखिनहिंडरहीं एक-
बारकालहुसननरहीं यद्यपिमनुजदनुजकुलघालक मुनिपालकखलशालकबालक जौनहोइबलघरफिरि-

जाइ समरबिमुखमैंहतौनकाइ रणचढिकरियकपटचतुराई रिपुपरकृपापरमकदराई दूतन्हजाइ-
तुरतसबकहेऊ सुनिखरदूषणउरअतिदहेऊ ॥

छं०। उरदहेउकहेउकिधरहुधावहुबिकटभटरजनीचरा शरचापतोमरशक्तिशूलकृपाणपरिघपरशुधरा ॥
प्रभुकीन्हधनुषटकोरप्रथमकठोरघोरभयामहा भयेबधिरव्याकुलयातुधाननज्ञानतेहिअवसररहा ॥

दो०। सावधानहोइधाय जानिसबलआराति लागेबरषणरामपर अस्त्रशस्त्रबहुभांति ॥
तिन्हकेआयुधतिलसम करिकाटेरघुबीर तानिशरासनश्रवणलगि पुनिछाडेनिजतीर ॥

छं०। तबचलेबाणकराल फुंकरतजनुबहुव्याल कोपेउसमरश्रीराम चलेबिशिखनिसितनिकाम ॥
अवलोकिखरतरतीर मुरिचलेनिशिचरबीर इकएककोनसंभार करतातमातुपुकार ॥
कोउकहैखरकहाकीन्ह जोयुद्धइनसनलीन्ह जाकौबाणअतिहिकराल ग्रसेआयमानहुकाल ॥
भयेकुद्धतीनौभाइ जोभागिरणतेजाइ तेहिबधबहमनिजपानि फिरेमरणमनमहंठानि ॥

दो०। उमाएकनिजप्रभुहिबश पुनिइनकेबडभाग तरणचहहिंप्रभुशरलगे बिनायोगजपयाग ॥

छं०। आयुधअनेकप्रकार सनमुखतेकरहिंप्रहार रिपुपरमकोपेजानि प्रभुधनुषशरसंधानि ॥
छाडेबिपुलनाराच लगेकटनबिकटपिशाच उरसीसकरभुजचरन जहंतहंलगेमहिपरन ॥
चिक्करतलागतबान धरपरतकुधरसमान भटकटततनुशतखंड पुनिउठतकरिपाषंड ॥
नभउडतबहुभुजमुण्ड बिनुमौलिधावतरुण्ड खगकंककागशृगाल कटकटहिंकठिनकराल ॥

छं०। कटकटहिंजंबुकभूतप्रेतपिशाचखप्परसाजहीं बैतालबीरकपालतालबजाइयोगिनिनाचहीं ॥
रघुबीरबाणप्रचंडखंडहिंभटनकेउरभुजशिरा जहंतहंपरहिंउठिलरहिंधरुधरुकरहिंसकलभयंकरा ॥
अंत्रावलीलैउडतगीद्धपिशाचकरगहिधावहीं संग्रामपुरबासीमनहुंबहुबालगुड्डिउडावहीं ॥
मारेपछारेउरबिदारेबिपुलभटकहरतपरे अवलोकिनिजदलबिकलभटत्रिशिरादिखरदूषणफिरे ।
शरशक्तितोमरपरशुशूलकृपाणएकहिबारहीं करिकोपश्रीरघुबीरपरअगणितनिशाचरडारहीं ॥
प्रभुनिमिषमहंरिपुशरनिबारिप्रचारिडारेशायका दशदशबिशिखउरमांझमारेसकलनिशिचरनायका।
महिपरतउठिभटभिरतपुनिपुनिकरतमायाअतिघनी सुरडरतचौदहसहस्रनिशिचरएकसररघुकुलमनी
सुरमुनिसभयप्रभुदेखिमायानाथअतिकौतुककरयो। देखहिंपरस्पररामकरिसंग्रामरिपुदललरिमरयो ॥

दो०। रामरामकरितनुतजहिं पावहिंपदनिर्बान करिउपायरिपुमारेउ क्षणमहंकृपानिधान ॥
हरषितबरषहिंसुमनसुर बाजहिंगगननिशान अस्तुतिकरिकरिसबचले शोभितबिबिधबिमान ॥

चौ०। जबरघुनाथसमररिपुजीते सुरनरमुनिसबकेदुखबीते तबलक्ष्मणसीतहिलेआये प्रभुपदपरतहरषि-
उरलाये सीतानिरखिश्याममृदुगाता परमप्रेमलोचननअघाता पंचबटीबसिश्रीरघुनायक करतचरित-
सुरमुनिसुखदायक धुआंदेखिखरदूषणकेरा जाइसुपनखैंरावणप्रेरा बोलीबचनक्रोधकरिभारी देश-
कोशकीसुरतिबिसारी करसिपानसोवसिदिनराती सुधिनतोहिसिरपरआराती राजनीतिबिनुधनबिनु-
धर्मा हरिहिसमर्पेबिनुसतकर्मा बिद्याबिनुबिबेकउपजाये श्रमफलपढेकियेअरुपाये संगतेयतीकुमंत्रते-
राजा मानतेज्ञानपानतेलाजा प्रीतिप्रणयबिनुमदतेगुनी नाशहिंबेगिनीतिअससुनी ॥

सो०। रिपुरुजपावकपाप प्रभुअहिगणियनछोटकरि असकहिविविधविलाप करिलागीरोदनकरन॥

दो०। सभामांझपरिव्याकुल बहुप्रकारकहिरोइ तोहिजियतदशकंधर मोरिकिअसिगतिहोइ॥

चौ०। सुनतसभासदउठिअकुलाई समुझाईगहिबांहबिठाई कहलंकेशकहसिनिजबाता केइतवनासा-
काननिपाता अवधन्रपतिदशरथकेजाये पुरुषसिंहबनखेलनआये समुझिपरीमोहिउन्हकीकरणी रहित-
निशाचरकरिहैंधरणी जिनकरभुजबलपाइदशानन अभैभयेमुनिबिचरहिंकानन देखतबालककालसमाना
परमधीरधन्वीगुणनाना अतुलितबलप्रतापदौभ्राता खलबधरतसुरमुनिसुखदाता शोभाधामरामअसनामा
तिन्हकेसंगइकनारिललामा॥

सो०। अतिसुकुमारिपियारि पटनरयोगनआहिकोउ मैंमनदीखबिचारि जहांरहैतेहिसमनकोउ॥

चौ०। रूपराशिबिधिनारिसंवारी रतिशतकोटितासुबलिहारी अजहुंजायदेखबतुमजबहीं होइहौ-
बिकलतासुबशतबहीं जीवनमुक्तलोकबशताके दशमुखसुनुसुंदरिअसिजाके तासुअनुजकाटीश्रुतिनासा
सुनितवभगिनीकरिपरिहासा बिनुअपराधअसहालहमारी अपराधीकिमिबचहिंसुरारी खरदूषणसुनि-
लागुहारी क्षणमहंसकलकटकउनमारी खरदूषणत्रिशिराकरघाता सुनिदशसीससजरासबगाता भये-
सोचबशनहिंबिश्रामा बीतहिंपलमानहुंशतयामा॥

दो०। सूर्पनखहिसमुझाइकरि बलबोलेसिबहुभांति भवनगयेउअतिसोचबश नींदपरीनहिंराति॥

चौ०। सुरनरअसुरनागमहिमाहीं मोरेअनुचरसमकोउनाहीं खरदूषणमासमबलवंता तिन्हकोमारै-
बिनुभगवंता सुररंजनभंजनमहिभारा जौजगनाथलीन्हअवतारा तौमैंजाइबैरहठिकरऊं प्रभुशरतेंभव-
सागरतरऊं होयभजननहिंतामसदेहा मनक्रमबचनमंत्रदृढएहा जौनररूपभूपसुतकोऊ हरिहौंनारि-
जीतिरणदोऊ चलाअकेलयानचढितहां बसमारीचसिंधुतटजाहां रथअनूपजोरेखरचारी बेगवंत-
इमिजिमिउरगारी॥

छं०। उरगारिसमअतिबेगबरणनजायनहिंउपमाकहो सिरछत्रशोभितश्यामतनजनुचमरस्वेतबिराजहीं॥
इहिभांतिनाघतसरितशैलअनेकवापीसोहहीं बनबागउपवनबाटिकाशुचिनगरमुनिमनमोहहीं॥

दो०। बहुतडागशुचिबिहंगम्टग बोलतबिबिधप्रकार इहिबिधिआयेउसिंधुतट शतयोजनबिस्तार॥

चौ०। सुंदरजीवबिबिधबिधिजाती करहिंकुलाहलदिनअरुराती कूदहिंतेगरजहिंघननाईं महाबली-
बलबराणनजाईं कनकबालुसुंदरसुखदाई बैठहिंसकलजंतुतहांआई तिहिपरदिव्यलतातरुलागे जिहिं-
देखतमुनिमनअनुरागे गुहाबिबिधबिधिरहहिंबनाई बरणतशारदमतिसकुचाई चाहियजहांतपिनकर-
बासा तहांनिशाचरकरहिंनिवासा दशमुखदेखिसकलसकुचाने जेजडजीवअजीवपराने इहांरामजसि-
युक्तिबनाई सुनहुउमासोकथासुहाई॥

दो०। लक्ष्मणगयेबनहिंजब लेनमूलफलकंद जनकसुतासनबोले बिहंसिकृपासुखकन्द॥

चौ०। सुनहुप्रियाब्रतरुचिरसुशीला मैंकछुकरबललितनरलीला तुमपावकमहंकरहुनिवासा जौलगि-
करौंनिशाचरनाशा जबहिरामसबकहेउबखानी प्रभुपदधरिहियअनलसमानी निजप्रतिबिंबराखितहं-
सीता तैसइशीलस्वरूपबिनीता लक्ष्मणहूंयहमर्मनजाना जोकछुचरितरचोभगवाना दशमुखगयेउजहां-

मारीचा नाइमाथस्वारथरतनीचा नवनिनीचकैअतिदुखदाई जिमिअंकुशधनुउरगबिलाई भयदायक-
खलकोप्रियबानो जिमिअकालकेकुसुमभवानो ॥

दो० । करिपूजामारीचतब सादरपूछीबात कवनहेतुमनव्यग्रअति एकसरआयेउतात ॥

चौ० । दशमुखसकलकथातेहिआगे कहीसहितअभिमानअभागे होहुकपटमृगतुमछलकारी जेहि-
बिधिहरिआनौंनृपनारी तेइपुनिकहासुनहुदशसीशा तेनररूपचराचरईशा तासोंतातबैरनहिंकोजै
मारेमरियजियायेजोजै मुनिमखराखनगयेउकुमारा बिनुफरशररघुपतिमोहिमारा शतयोजनआयेउं-
क्षणमाहीं तिन्हसनबैरकियेभलनाहीं भइमतिकोटभृङ्गकोनाई जहंतहंमैंदेखोंदोउभाई जौनरतातनदपि-
अतिशूरा तिनहिबिरोधनआइहिपूरा ॥

दो० । जेइताडिकासुबाहुहति खंडेउहरकोदंड खरदूषणत्रिशिराबधेउ मनुजकिअसबरिबंड ॥

चौ० । राक्षसनामसुनतदशकंधर रहतप्राणनहिंममउरअंतर जाहुभवनकुलकुशलबिचारी सुनतजरा-
दीन्हेसिबहुगारी गुरुजिमिमूढकरसिममबोधा कहुजगमोहिसमानकोयोधा तबमारीचहृदयअनुमाना
इनहिबिरोधेनहिंकल्याना शस्त्रीमर्मीप्रभुशठधनी बैद्यबंद्यकबिमानसगुनी उभयभांतिदेखानिजमरणा
तबताकेसिरघुनायकशरणा उतरदेतमोहिबधिहिअभागे कसनमरौंरघुपतिशरलागे असजियजानि-
दशाननसंगा चलारामपदप्रेमअभंगा मनअतिहर्षजनावनतेही आजुदेखिहौंपरमसनेही ॥

छं० । निजपरमप्रीतमदेखिलोचनसुफलकरिसुखपाइहौं श्रीसहितअनुजसमेतकृपानिकेतपदमनलाइहौं ॥
निर्बाणदायकक्रोधजाकरभक्तएसेहिबशकरी निजपाणिशरसंधानिसोमोहिबधहिंसुखसागरहरी ॥

दो० । ममपाछेंधरधावत धरेशरासनबान फिरिफिरिप्रभुहिबिलोकिहौं धन्यनसोममआन ॥

चौ० । सीतालक्षणसहितरघुराई जेहिबनबसहिंमुनिन्हसुखदाई तेहिबननिकटदशाननगयेऊ तब-
मारीचकपटमृगभयेऊ अतिबिचित्रकछुबरणिनजाई कनकदेहमणिरचितबनाई सीतापरमरुचिरमृगदेखा
अंगअंगसुमनोहरबेखा सुनहुदेवरघुबीरकृपाला इहिमृगकरअतिसुंदरछाला सत्यसिंधुप्रभुबधकरिएही
आनहुचर्मकहीबैदेही तबरघुपतिजानासबकारण उठेहरषिसुरकाजसंवारण मृगबिलोकिकटिपरिकर-
बांधा करतलचापरुचिरशरसाधा प्रभुलक्ष्मणहिंकहासमुझाई फिरतबिपिननिशिचरबहुभाई सीताकेरि-
करेहुरखवारी बुधिबिवेकबलसमयबिचारी ॥

दो० । असकहिचलेतहांप्रभु जहांकपटमृगनीच देवहर्षबिस्मयबिबश चातकबरषाबीच ॥

चौ० । प्रभुहिबिलोकिचलामृगभाजो धायेरामशरासनसाजो निगमनेतिशिवध्याननपावा मायामृग-
पाछेसोधावा कबहिंनिकटपुनिदूरिपराई कबहुंकप्रगटैकबहुंछपाई प्रगटतदुरतकरतछलभूरी इहि-
बिधिप्रभुहिगयोलइदूरी तबतकिरामकठिनशरमारा धरणिपरेउकरिघोरचिकारा लक्ष्मणकरप्रथमहिं-
लैनामा पाछेंसुमिरेसिमनमहंरामा प्राणतजतप्रगटेसिनिजदेहा सुमिरेसिरामसमेतसनेहा अंतरप्रेम-
तासुपहिचाना मुनिदुर्लभगतिदीन्हिसुजाना ॥

दो० । बिपुलसुमनसुरबर्षहिं गावहिंप्रभुगुणगाथ निजपददीन्हेअसुरकहं दीनबंधुरघुनाथ ॥

चौ० । खलबधितुरतफिरेरघुबीरा सोहचापकरकटितूणीरा आरतगिरासुनीजबसीता कहलक्ष्मण-

सनपरमसभीता जाऊबेगिसंकटतवभ्राता लक्ष्मणबिहंसिकहासुनुमाता भृकुटिबिलासहृष्टिलयहोई सपनेऊसंकटपरैकिसोई सोपिगयेमोहिरघुपतिथाती जौनजिजाउंतोपनहिंक्वाती यहजियजानिसुनऊ-ममभ्राता पूछतकहबकुबनिमैंबाता मर्मबचनसीताजबबोली हरिप्रेरितलक्ष्मणमतिडोली चहुंदिशिरेख-खिंचाइअहीशा बारबारनायेउपदसीसा बनदिशिदेवसौंपिसबकाहू चलेजहांरावणशशिराहू चितवहिं-लषणसियहिफिरिकैसे नजनवत्सनिजमातहिजैसे ॥

दो०। एकडरतडररामके दूजेसोयअकेलि लषणतेजतनुहतभये जिमिडाढीदवबेली ॥

चौ०। शून्यबीचदशकंधरदेषा आवानिकटयतीकेभेषा जाकेडरसुरअसुरडेराहीं निशिननींददिन-अन्ननखाहीं सोदशसीसश्वानकीनाईं इतउतचितैचलाभंडिहाईं जिमिकुपंथपगदेतखगेशा रहनतेजबल-बुधिलवलेशा करिअनेकबिधिछलचतुराई मांगेउभीखदशाननजाई अतिथिजानिसियकंदमूलफल देनलगीतेइकीन्हबहुरिछल कहदशमुखसुनुसुंदरिबानी बांधीभोखनलेउंसयानी बिधिगतिबामकाल-कठिनाई रेखलांघिसियबाहिरआई ॥

दो०। बिश्वभरनिअघदलदलनि करणिसकलसुरकाज जानानहिंतेहिसमयतहं दशसिरकपटकेसाज ॥

चौ०। नानाबिधिकहिकथासुहाई राजनीतिभयप्रीतिदेखाई कहसीतासुनुयतीगुसाईं बोलेहुबचनदुष्ट-कीनाईं तबरावणनिजरूपदेखावा भइसभीतजबनामसुनावा कहसीताधरिधीरजगाढा आइगयेप्रभुरहु-खलठाढा जिमिहरिबधुहिक्षुद्रशशिचाहा भयेसिकालबशनिशचरनाहा बायसकरचहखगपतिसमता सिंधुसमानहोइकिमिसरिता खरकिहोइसुरधेनुसमाना जाहुभवननिजसुनुअज्ञाना सुनतबचनदश-सीसलजाना मनमंहचरणबंदिसुखमाना ॥

दो०। क्रोधवंततबरावण लीन्हेसिरथबैठाइ चलेउगगनपथआतुर भयरथहांकिनजाइ ॥

चौ०। हाजगदीशदेवरघुराया केहिअपराधबिसारेहुदाया आरतिहरणशरणसुखदायक हारघुकुल-सरोजदिननायक हालक्ष्मणतुम्हारनहिंदोषा सोफलपायेउंकीन्हेउंरोषा कैकेयीमनजोकछुरहेऊ सोबिधिआजुमोहिदुखदयऊ पंचबटीकेखगमृगजाती दुखीभयेबनचरबहुभांती बिबिधबिलापकरति-बैदेही भूरिकृपाप्रभुदूरिसनेही बिपतिमोरिकोप्रभुहिसुनावा पुरोडाशचहरासभखावा सीताकरबिलाप-सुनिभारी भयेउचराचरजीवदुखारी ॥

दो०। बहुबिधिकरतिबिलापनभ लियेजातदशसीस डरतनखलबरपाइभल जोदीन्होअजईश ॥

चौ०। गृध्रराजसुनिआरतबानी रघुकुलतिलकनारिपहिचानी अधमनिशाचरलीन्हेजाई जिमिमलेछ-बशकपिलागाई अहहप्रथमतनुममबलमाहीं तदपिजाइदेखौंबलताही सीतापुत्रिकरसिजनित्रासा करि-हौंयातुधानकरनाशा धावाक्रोधवंतखगकैसें छूटैपबिपर्बतकहंजैसें रेरेदुष्टठाढकिनहोही निर्भयचलेसि-नजानेसिमोही आवतदीखकृतांतसमाना फिरिदशकंधकरतअनुमाना कीमैंनाककिखगपतिहोई मम-बलजानिसहितपतिसोई जानाजरठजटायूयेहा ममकरतीरथछाडिहिदेहा ॥

दो०। ममभुजबलनहिंजानत आवतमपन्हसहाइ समरचढैतौइहिहतौं जियतननिजयहजाइ ॥

चौ०। सुनतगृध्रक्रोधातुरधावा कहसुनुरावणमोरसिखावा तजिजानकिहिकुशलगृहजाहू नाहित-

असहोइहिबज्रबाङ्ग रामरोषपावकअतिघोरा होइहिसकलशलभकुलतोरा उतरनदेतदशाननयोधा तबहिंगृध्रधावाकरिक्रोधा धरिकचबिरथकीन्हमहिगिरा सीतहिराखिगृध्रपुनिफिरा दशमुखउठिक्रतशर-संधाना गृध्रआइकाटेउधनुबाना चोचन्हमारिबिदारेसिदेही दंडएकभइमूर्क्षातेही ॥

दो०। जेइरावणनिजवशकिये मुनिगणसिद्धसुरेश तेहिरावणसनसमरअति घोरबीरगृध्रेश ॥

चौ०। सुरतिभयेसोपुनिउठिधावा मारेनगृध्रसमुखनबआवा कोन्हेसिबक्रजबयुद्धखगेशा थक्तिनभयेतब-जरठगिधेशा तबसक्रोधनिशिचरखिसियाना काढेसिपरमकरालक्रपाना काटेपंखपराखगधरणी सुमिरि-रामकरिअङ्गुतकरणी मनमहंगृध्रपरमसुखमाना रामकाजममलागेउप्राना सोतहियानचढाइबहोरी चलाउतावलत्रासनथोरी करतिबिलापजातिनभसीता व्याधाबशजनुमृगीसभीता गिरिपरबैठेकपिन्ह-निहारी कहिहरिनामदीन्हपटडारी इहिबिधिसीतहिसोलैगयऊ बनअशोकमहंराखतभयऊ ॥

दो०। हारिपराखलबङ्गतबिधि भयअरुप्रीतिदिखाइ तबअशोकपादपतरे राखेसियतनकराइ ॥

चौ०। उहांबिधातामनअनुमाना सुरपतिबोलिमंत्रअसठाना तातजनकतनयापहंजाङ्ग सुधिनपावजिहि-निशिचरनाङ्ग असकहिबिबिधिसुंदरहबिआनी सोपिबङ्गरिबोलेमृदुबानी इहिभक्षणक्रतसुधानप्यासा बरषसहसदशसंशयनाशा सोप्रसादलैआयसुपाई चलेहृदेसुमिरतरघुराई कङ्कुबासवमायानिजमोई रक्षकरहेगयेतहंसोई तदपिडरतसीतापहंआएउ करिप्रणामनिजनामसुनाएउ निश्चयजानसुरेशसुजाना पिताजनकदशरथसममाना करिपरितोषदूरिकरिशोका हव्यखवाइगयेनिजलोका ॥

दो०। जेहिबिधिकपटकुरंगसंग धाइचलेश्रीराम सोक्रबिसीताराखिउर रटतिरहतिहरिनाम ॥

चौ०। रघुपतिअनुजहिआवतदेषी मनबङ्गचिंताकीन्हिबिशेषी जनकसुतापरिहरेङ्गअकेली आयेङ्गतात-बचनममपेली निशिचरनिकरफिरहिंबनमाहीं ममनसीताआश्रमनाहीं अहहतातभलकीन्हेउनाहीं सियबिहीनममजीवनकाही इहितेंकवनिबिपतिबडिभाई खोयउंसोयकाननहिंआई गहिपदकमलअनुज-करजोरी कहेउनाथकछुमोरिनखोरी अनुजसमेतगयउप्रभुतहवां गोदाबरितटआश्रमजहवां आश्रम-देखिजानकीहीना भयेबिकलजसप्राक्रतदीना ॥

दो०। काननरहेउतडागइव चकचकईसियराम रावणनिशिबिछुरनकिये दुखबीतेचङ्गंयाम ॥

चौ०। परदुखहरणशोकदुखनाहीं भाबिषादतिन्हकेमनमाहीं हागुणखानिजानकीसीता रूपशीलब्रतनेम-पुनीता लक्ष्मणसमुझायेबङ्गभांती पूकतचलेलतातरुपांती हेखगमृगहेमधुकरश्रेनी तुमदेखीसीता-मृगनैनी खंजनशुककपोतमृगमीना मधुपनिकरकोकिलाप्रबीना कुन्दकलीदाडिमदामिनी शरदकमल-शशिहेभामिनी बरुणपासमनोजधनुहंसा गजकेहरिनिजसुनतप्रशंसा श्रीफलकनककदलिहरषाहीं नेकुनशंकसकुचमनमाहीं सुनुजानकीतोहिबिनुआजू हर्षेसकलपाइजनुराजू किमिसहिजातअनख-तोहिपाहीं प्रियाबेगिप्रगटसिकसनाहीं इहिबिधिबिलपतखोजतस्वामी मनङ्गमहाबिरहीअतिकामी ॥

दो०। फणिमणिहीनदीनजिमि मीनहीनजिमिबारि तिमिव्याकुलभयेलषणतहं रघुबरदशानिहारि ॥

चौ०। धरिउरधीरबुझावहिंरामहिं तजहिंनशोकअधिकसुखधामहिं पूरणकामरामसुखराशी मनुज-चरितकरअजअबिनाशी सरबरअमितनदीगिरिखोहा बङ्गबिधिरामलषणतहंजोहा सोचहृदेकछुकहि-

नहिंआवा टूटधनुषशरआगेपावा कछुंकछुंश्रोणितदेखियकैसे श्रावणजलभाडाबरजैसे कहतराम-
लक्ष्मणहिबुझाई काहूकीन्हयुद्धइहिठाई आगेपरागृध्रपतिदेखा सुमिरतरामचरणकीरेखा ॥

दो० । करसरोजसिरपरसेउ कृपासिंधुरघुबीर   निरखिरामछबिधाममुख बिगतभईसबपीर ॥

चौ० । तबकहगृध्रबचनधरिधीरा सुनहुरामभंजनभवभीरा नाथदशाननयहगतिकीन्ही तेहिखलजनक-
सुताहरिलीन्ही लैदक्षिणदिशिगयेउगुसाईं बिलपतिअतिकुररीकीनाईं दरशलागिप्रभुराखेउंप्राना
चलनचहतअबकृपानिधाना रामकहातनुराखहुताता मुखमुसुकाइकहीतेइबाता जाकरनाममरतमुख-
आवा अधमौमुक्तहोइश्रुतिगावा सोममलोचनगोचरआगे राखौंदेहनाथकेहिलागे जलभरिनयन-
कहारघुराई तातकर्मनिजतेगतिपाई परहितबसजिन्हकेमनमाहीं तिन्हकहंजगदुर्लभकछुनाहीं तनुतजि-
तातजाहुममधामा देउंकहातुमपूरणकामा गृध्रदेहतजिधरिहरिरूपा भूषणबहुपटपीतअनूपा श्याम-
गातबिशालभुजचारी अस्तुतिकरतनयनभरिबारी ॥

छं० । जयरामरूपअनूपनिर्गुणसगुणगुणप्रेरकसही   दशशीसबाहुप्रचंडखंडनचापशरमंडनमही ॥
पाथोदगातसरोजमुखराजीवआयतलोचनं   नितनौमिरामकृपालबाहुबिशालभवभयमोचनं ॥
बलमप्रमेयमनादिमजमव्यक्तमेकमगोचरं   गोविंदगोपरद्वंदहरबिज्ञानघनधरणीधरं ॥
जेराममंत्रजपंतसंतअनंतजनमनरंजनं   नितनौमिरामअकामप्रियकामादिखलदलगंजनं ॥
जेहिश्रुतिनिरंतरब्रह्मव्यापकबिरजअजकहिगावहीं करिज्ञानध्यानबिरागयोगअनेकमुनिजेहिध्यावहीं ॥
सोप्रगटकरुणाकंदशोभाबृन्दअगजगमोहई   ममहृदयपंकजभृंगअंगअनंगबहुछबिसोहई ॥
जोअगमसुगमस्वभावनिर्मलअसमसमशीतलसदा पश्यन्तियंयोगीयतनकरिकर्ममनगोबशयदा ॥
सोरामरमानिबाससन्ततदासबसत्रिभुवनधनी   ममउरबसहुसोशमनसंसृतिजासुकीरतिपावनी ॥

दो० । सीताहरणतातजनि कहेहुपितासनजाय   जौमैंरामतौकुलसहित कहिहिदशाननआय ॥
अविरलभक्तिमांगिबर गृध्रगयउहरिधाम   तेहिकीक्रियायथोचित निजकरकीन्हीराम ॥

चौ० । कोमलचितअतिदीनदयाला कारणबिनुरघुनाथकृपाला गृध्रअधमखगआमिषभोगी गतितेहि-
दीन्हजोयाचतयोगी सुनहुउमातेलोगअभागी हरितजिहोहिंबिषयअनुरागी पुनिसीतहिखोजतदोभाई
चलेबिलोकतबनबहुताई संकुललताबिटपघनकानन बहुखगमृगतहंगजपंचानन आवतपंथकबंधनिपाता
तेइंसबकहीशापकीबाता दुर्बासामोहिदीन्हीशापा प्रभुपदपेखिमिटासोपापा सुनुगंधर्बकहौंमैंतोही मोहि-
नसुहाइब्रह्मकुलद्रोही ॥

दो० । मनक्रमबचनकपटतजि जोकरभूसुरसेव   मोहिसमेतबिरंचिशिव बशताकेसबदेव ॥

चौ० । शापतताडतपुरुषकहंता बिप्रपूज्यअसगावहिंसंता पूजियबिप्रशीलगुणहीना शूद्रनगुणगणज्ञान-
प्रबीना कहिनिजधर्मताहिसमुझावा निजपदप्रीतिदेखिमनभावा रघुपतिचरणकमलसिरनाई गयउगगन-
आपनिगतिपाई ताहिदेइगतिरामउदारा शबरीकेआश्रमपगुधारा शबरीदीखरामगृहआये मुनिके-
बचनसमुझिजियभाये सरसिजलोचनबाहुबिशाला जटामुकुटसिरउरबनमाला श्यामगौरसुंदरदोभाई
शबरीपरीचरणलपटाई प्रेमभगनमुखबचननआवा पुनिपुनिपदसरोजसिरनावा सादरजललैचरणपखारे
पुनिसुंदरआसनबैठारे ॥

दो०। कंदमूलफलसरसअति दियेरामकहंआनि प्रेमसहितप्रभुखाएउ बारहिंबारबखानि॥

चौ०। पाणिजोरिआगेभइठाढी प्रभुहिबिलोकिप्रीतिअतिबाढी केहिविधिअस्तुतिकरौंतुम्हारी अधम-
जातिमैंजडमतिभारी अधमतेअधमअधमअतिनारी तिनमहंमैंअतिमंदगंवारी कहरघुपतिसुनुभामिनि-
बाता मानौंएकभक्तिकरनाता जातिपातिकुलधर्मबडाई धनबलपरिजनगुणचतुराई भक्तिहीननरसोहै-
कैसे बिनुजलबारिददेखियजैसे नवधाभक्तिकहौंतोहिपाही सावधानसुनुधरुमनमाही प्रथमभक्तिसन्तन-
करसंगा दूसरिरतिममकथाप्रसंगा॥

दो०। गुरुपदपंकजसेवई तीसरिभक्तिअमान चौथिभक्तिममगुणगण करैकपटतजिगान॥

चौ०। मंत्रजापममदृढविश्वासा पंचमभजनसोवेदप्रकासा छठदमशीलबिरतबहुकर्मा निरतनिरंतर-
सज्जनधर्मा सप्तमसबमोहिमयजगदेखै मोतेसन्तअधिककरिलेखै अष्टमयथालाभसन्तोषा सपनेहु-
नहिंदेखैपरदोषा नवमसरलसबसोंछलहीना ममभरोसजियहरषनदीना नवमहंएकौजिन्हकेहोई नारि-
पुरुषसचराचरकोई सोअतिशयप्रियभामिनिमोरे सकलप्रकारभक्तिदृढतोरे योगिवृन्ददुर्लभगतिजोई
तोकहंआजुसुलभभईसोई ममदरशनफलपरमअनूपा जीवपावनिजसहजस्वरूपा॥

दो०। सबप्रकारतवभागबड ममचरणन्हअनुराग तवमहिमाजेहिउरबसहि तासुपरमबडभाग॥

चौ०। सुनिशुभवचनहर्षकहंपाई पुनिबोलेप्रभुगिरासुहाई जनकसुताकैसुधिहिभामिनी जानहिकहहु-
करिबरगामिनी पंपासरहिजाहुरघुराई मुनिवरबिपुलरहेजहंछाई ऋषिमतंगमहिमागुणभारी जीव-
चराचररहतसुखारी बैरनकरकाहूसनकोई जासनबैरप्रीतिकरुसोई शिखरसुहावनकाननफूले खग-
मृगजीवजंतुअनुकूले करहुसफलश्रमसबकरजाई तहंहोइहिसुग्रीवमिताई सोसबकहिहिदेवरघुबीरा
जानतहूंपूछतमतिधीरा बारबारप्रभुपदसिरनाई प्रेमसहितसबकथासुनाई॥

छं०। कहिकथासकलबिलोकिहरिमुखहृदयपदपंकजधरे तजियोगपावकदेहहरिपदलीनभइजहंनहिंफिरे॥
नरबिबिधकर्मअधर्मबहुमतशोकप्रदसबत्यागहू बिश्वासकरिकहदाससुलसोरामपदअनुरागहू॥

दो०। जातिहीनिअघजन्ममहि मुक्तकीन्हिअसिनारि महामंदमनसुखचहसि ऐसेप्रभुहिबिसारि॥

चौ०। चलेरामत्यागावनसोऊ अतुलितबलनरकेहरिदोऊ बिरहीइवप्रभुकरतबिषादा कहतकथा-
अनेकसंबादा लक्ष्मणदेखहुकाननशोभा देखतकेहिकरमननहिंछोभा नारिसहितसबखगमृगवृन्दा
मानहुंमोरिकरतहहिंनिन्दा हमहिंदेखिमृगनिकरपराहीं मृगीकहहिंतुमकहंभयनाहीं तुमआनंद-
करहुमृगजाये कंचनमृगखोजनयेआये संगलाइकरिणीकरिलेहीं मानहुमोहिशिखावनदेहीं शास्त्र-
सुचिन्तितपुनिपुनिदेखिय भूपसुसेवितबशनहिंलेखिय राखियनारियदपिउरमाहीं युवतीशास्त्रन्टपतिबश-
नाहीं देखहुतातबसंतसुहावा प्रियाहीनमोहिंभयउपजावा॥

दो०। बिरहबिकलबलहीनमोहिं जानेसिनिपटअकेल सहितबिपिनमधुकरखगन्ह मदनकीन्हबगमेल॥
देखिगयेभ्रातासहित तासुदूतसुनिबात डेरादीन्हेउमनहुतिन्ह कटकहटकिनहिंजात॥

चौ०। बिटपबिशालबताअरुझानी बिबिधबितानदियेजनुतानी कदलितालबरध्वजापताका देखिनमोह-
धीरमनजाका बिबिधभांतिफूलेतरुनाना जनुबानैतबनेबहुबाना कहुंकहुंसुन्दरबिटपसुहाये जनुभट-

विलगविलगहोइछाये कूजतपिकमानहुंगजमाते ढेकमहोखऊंटबिसराते मोरचकोरकीरबरबाजी पारावतमरालसबताजी तीतरलावकपदचरयूथा बरणिनजाइमनोजबरूथा रथगिरिशिलादुन्दुभीझरणा चातकबंदीगुणगणबरणा मधुकरमुखरभेरिसहनाई त्रिविधबयारिबसीठीआई चतुरंगिनीसेनसबलीन्हे बिचरतसबहिंचुनौतीदीन्हे लक्ष्मणदेखहुकामअनीका रहहिंधीरतिन्हकैजगलीका इहिकेएकपरमबलनारी तेहितेउबरसुभटसोइभारी ॥

दो०। ताततीनिअतिप्रबलखल कामक्रोधअरुलोभ मुनिविज्ञानधाममन करहिंनिमिषिमहंछोभ ॥
लोभकेइच्छादंभबल कामकेकेवलनारि क्रोधकेपरुषवचनबल मुनिबरकहहिंविचारि ॥

चौ०। गुणातीतसचराचरस्वामी रामउमासबअन्तरजामी कामिन्हकेदीनतादेखाई धीरन्हकेमनबिरतिदृढाई क्रोधमनोजलोभमदमाया छूटहिंसकलरामकीदाया सोनरइंद्रजालनहिंभूला जापरहोइसोनटअनुकूला उमाकहौंमैंअनुभवअपना हरिकोभजनसत्यजगसपना पुनिप्रभुगयेसरोवरतीरा पंपानामसुभगगंभीरा सन्तहृदयजसनिर्मलबारी बांधेघाटमनोहरचारी जहंतहंपियहिंबिबिधमृगनीरा जनुउदारगृहयाचकभीरा ॥

दो०। पुरइनिसघनओटजल बेगिनपाइयमर्म मायाछन्ननदेखिये जैसेनिर्गुणब्रह्म ॥
सुखीमीनसबएकरस अतिअगाधजलमाहिं यथाधर्मशीलन्हके दिनसुखसंयुतजाहिं ॥

चौ०। बिकसेसरसिजनानारङ्गा मधुरसुखदगुञ्जतबहुभृङ्गा बोलतजलकुकुटकलहंसा प्रभुबिलोकिजनुकरतप्रशंसा चक्रवाकबकखगसमुदाई देखतवनैबरणिनहिंजाई सुंदरखगगणगिरासुहाई जातपथिकजनुलेतबुलाई तालसमीपमुनिन्हगृहछाये चहुंदिशिकाननबिटपसुहाये चंपकबकुलकदंबतमाला पाटलपनसपलासरसाला नवपल्लवकुसुमिततरुनाना चंचरीकपटलीकरगाना शीतलमंदसुगंधसुहाऊ सन्ततबहैमनोहरबाऊ कुहूकुहूकोकिलधुनिकरहीं सुनिरबसरसध्यानमुनिटरहीं ॥

दो०। फूलेफलेविटपसब रहेभूमिनियराइ परउपकारीपुरुषजिमि नवहिंसुसंपतिपाइ ॥

चौ०। देखिरामअतिरुचिरतलावा मज्जनकीन्हपरमसुखपावा देखीसुंदरतरुबरछाया बैठेअनुजसहितरघुराया तहंपुनिसकलदेवमुनिआये अस्तुतिकरिनिजधामसिधाये बैठेपरमप्रसन्नकृपाला कहतअनुजसनकथारसाला बिरहवंतभगवंतहिदेखी नारदमनभासोचविशेषी मोरिश्रापकरिअंगीकारा सहतरामनानादुखभारा ऐसेप्रभुहिंविलोकौंजाई पुनिनबनिहिअसिअवसरआई यहविचारिनारदकरबीना गयेजहांप्रभुसुखआसीना गावतरामचरितमृदुबानी प्रेमसहितबहुभांतिबखानी करतदंडवतलियेउठाई राखेबडीबारउरलाई स्वागतपूंछिनिकटबैठारे लक्ष्मणसादरचरणपखारे ॥

दो०। नानाविधविनतीकरि प्रभुप्रसन्नजियजानि नारदबोलेवचनतव जोरिसरोरुहपानि ॥

चौ०। सुनहुउदारपरमरघुनायक सुंदरअगमसुगमबरदायक देहुएकबरमांगौंस्वामी यद्यपिजानहुअंतरजामी जानहुमुनितुममोरसुभाऊ जनसनकबहुंकिकरौंदुराऊ कवनिबस्तुअसिप्रियमोहिलागी जोमुनिवरनसकहुतुममांगी जनकहंकछुअदेयनहिंमोरे असबिश्वासतजहुजनिभोरे तबनारदबोलेहरषाई असबरमांगौंकरौंढिठाई यद्यपिप्रभुकेनामअनेका श्रुतिकहअधिकएकतेएका रामसकलनामन्हतेअधिका होउनाथअघखगगणबधिका ॥

दो०। राकारजनीभक्तितव रामनामसोइसोम अपरनामउडुगणबिमल बसहुभक्तउरव्योम ॥
एवमस्तुमुनिसनकहेउ कृपासिंधुरघुनाथ तबनारदमनहरषअति प्रभुपदनाएउमाथ ॥

चौ०। अतिप्रसन्नरघुनाथहिजानी पुनिनारदबोलेमृदुबानी रामजबहिंप्रेरेहुनिजमाया मोहेहुमोहिं-
सुनहुरघुराया तबबिबाहचाहौंमैंकीन्हा प्रभुकेहिकारणकरैनदीन्हा सुनुमुनितोहिकहौंसहरोसा
भजहिंमोहितजिसकलभरोसा करौंसदातिन्हकीरखवारी जिमिबालकहिंराखुमहतारी गहशिशुबच्छ-
अनलअहिधाई तहंराखैजननीअरगाई प्रौढभयेतेहिसुतपरमाना प्रीतिकरैनहिंपाछिलिबाता मोरेप्रौढ-
तनयसमज्ञानी बालकसुतसमदासअमानी जनहिमोरबलनिजबलताही दुहुंकहंकामक्रोधरिपुआही
यहबिचारिपंडितमोहिभजहीं पाएहुज्ञानभक्तिनहिंतजहीं ॥

दो०। कामक्रोधलोभादिमद प्रबलमोहकीधारि तिन्हमहंअतिदारुणदुखद मायारूपीनारि ॥

चौ०। सुनुमुनिकहपुराणश्रुतिसंता मोहबिपिनकहंनारिबसंता जपतपनेमजलाशयझारी होइग्रीषमशोषै-
सबनारी कामक्रोधमदमत्सरभेका इन्हहिहरषप्रदबरषाएका दुर्बासनाकुमुदसमुदाई तिन्हकहंशरद-
सदासुखदाई धर्मसकलसरसीरुहबृन्दा होइहिमतिन्हहिंदेतिदुखमन्दा पुनिममताजवासबहुताई पलुहै-
नारिशिशिरऋतुपाई पापउलूकनिकरसुखकारी नारिनिबिडरजनीअंधिआरी बुधिबलशीलसत्यसबमीना
बनशीसमत्रियकहहिंप्रबीना ॥

दो०। अवगुणमूलशूलप्रद प्रमदासबदुखखानि तातेकीन्हनिवारण मुनिमैंयहजियजानि ॥

चौ०। सुनिरघुपतिकेबचनसुहाये मुनितनुपुलकिनयनभरिआये कहहुकवनप्रभुकीअसिरीती सेवक-
परममताअतिप्रीती जेनभजहिंअसप्रभुभ्रमत्यागी ज्ञानरंकमतिमंदअभागी पुनिसादरबोलेमुनिनारद
सुनहुरामबिज्ञानबिशारद संतन्हकेलक्षणरघुबीरा कहहुरामभंजनभवभीरा सुनुमुनिसंतनकेगुणकहऊं
जेहितेमैंउन्हकेबशरहऊं षटबिकारतजिअनघअकामा अचलअकिंचनशुचिसुखधामा अमितबोधपरमा-
रथभोगी सत्यसारकबिकोबिदयोगी सावधानमानदमदहीना धीरभक्तिगतिपरमप्रबीना ॥

दो०। गुणागारसंसारदुख रहितबिगतसंदेह तजिममचरणसरोजप्रिय तिन्हकहंदेहनगेह ॥

चौ०। निजगुणसुनतश्रवणसकुचाहीं परगुणसुनतअधिकहरषाहीं समशीतलनहिंत्यागहिंनीती सरल-
सुभावसबहिसनप्रीती जपतपब्रतदमसंयमनेमा गुरुगोबिंदबिप्रपदप्रेमा श्रद्धाक्षमामइत्रीदाया मुदिता-
ममपदप्रीतिअमाया बिरतिबिबेकबिनयबिज्ञाना बोधयथारथबेदपुराना दंभमानमदकरहिनकाऊ भूलि-
नदेहिंकुमारगपाऊ गावहिंसुनहिंसदाममलीला हेतुरहितपरहितरतशीला सुनुमुनिसाधुन्हकेगुणजेते
कहिनसकहिंशारदश्रुतितेते ॥

छं०। कहिसकनशारदशेषनारदसुनतपदपंकजगहे असदीनबंधुकृपालअपनेभक्तगुणनिजमुखकहे ॥
सिरनाइबारहिबारचरणन्हब्रह्मपुरनारदगये तेधन्यतुलसीदासआसबिहाइजेहरिरंगरये ॥

दो०। रावणारियशपावन गावहिंसुनहिंजेलोग रामभक्तिदृढपावहीं बिनुबिरागजपयोग ॥
दीपशिखासमयुबतिजन मनजनिहोसिपतंग भजहिरामतजिकाममद करहिसदासतसंग ॥

इति श्रीरामचरितमानसे सकलकलिकलुषबिध्वंसने बिमलबिज्ञानबैराग्यसम्पादनो नाम
तुलसीकृतआरण्यकाण्डस्तृतीयः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु सिद्धिरस्तु ॥

अथ किसकिंदाकाण्ड।

श्लोक।

कुन्देन्दीवरसुन्दरावतिबलौ विज्ञानधामावुभौ शोभाढ्यौवरधन्विनौ श्रुतिनुतौ गोविप्रवृन्दप्रियौ माया मानुषरूपिणौ रघुवरौ सद्धर्मवर्म्मौ हि तौ सीतान्वेषणतत्परौ पथिगतौ भक्तिप्रदौ देहिनः ॥ १ ॥ ब्रह्माम्भोधिसमुद्भवं कलिमलप्रध्वंसनं चाव्ययं श्रीमच्छम्भुमुखेन्दुसुन्दरवरे संशोभितं सर्वदा संसारामय-भेषजं सुमधुरं श्रीजानकी जीवनं धन्यास्ते कृतिनः पिबन्ति सततं श्रीरामनामामृतं ॥ २ ॥

सो०। मुक्तिजन्ममहिजानि ज्ञानखानिअघहानिकर जहंबसशंभुभवानि सोकाशीसेइयकसन ॥
जरतसकलसुरवृन्द बिषमगरलजेहिपानकिय तेहिनभजसिमतिमन्द कोकृपालुशंकरसरस ॥

चौ०। आगेचलेबहुरिरघुराई ऋष्यमूकपर्वतनियराई तहंरहसचिवसहितसुग्रीवा आवतदेखिअतुल-बलसीवा अतिसभीतकहसुनुहनुमाना पुरुषयुगलबलरूपनिधाना धरिबटुरूपदेखुतैंजाई कहेसिमोहि-निजसैनबुझाई पठवाबालिहोइमनमैला भागौंतुरततजौंयहशैला विप्ररूपधरिकपितहंगयऊ माथनाइ-पूछतअसभयऊ कोतुमश्यामलगौरशरीरा छत्रीरूपफिरहुबनबीरा कठिनभूमिकोमलपदगामी कवन-हेतुबनविचरहुस्वामी मृदुलमनोहरसुन्दरगाता सहतदुसहबनआतपबाता कैतुमतीनिदेवमहंकोऊ नरनारायणकैतुमदोऊ ॥

दो०। जगकारणतारणभवहिं भंजनधरणीभार कैतुमअखिलभुवनपति लीन्हमनुजअवतार ॥

चौ०। सुनिबोलेरघुबंशकुमारा बिधिकरलिखाकोमेटनहारा कोशलेशदशरथकेजाये हमपितुवचन-मानिबनआये नामरामलक्ष्मणदौभाई संगनारिसुकुमारिसुहाई इहांहरीनिशिचरवैदेही खोजतबिप्र-फिरहिंहमतेही आपनचरितकहाहमगाई कहहुबिप्रनिजकथाबुझाई प्रभुपहिचानिपरेउगहिचरणा सोसुखउमाजाइनहिंबरणा पुलकिततनुमुखआवनबचना देखतरुचिरबेषकीरचना पुनिधीरजधरि-अस्तुतिकीन्हा हर्षहृदयनिजनाथहिचीन्हा मैंअजानहोइपूछासाईं तुमकसपूछहुनरकीनाईं तवमाया-बशफिरौंभुलाना तातेंनहिंप्रभुपदपहिचाना ॥

दो०। एकमंदमैंमोहबश कौसहृदयअज्ञान पुनिप्रभुमोहिबिसारेहु दीनबंधुभगवान ॥

चौ०। यदपिनाथबहुअवगुणमोरे सेवकप्रभुहिपरैनहिंभोरे नाथजीवतवमायामोहा सोनिस्तरैतुम्हारे-छोहा तापरमैंरघुबीरदुहाई जानौंनहिंकछुभजनउपाई सेवकसुतपितुमातुभरोसे रहैअसोचबनैप्रभु-पोसे असकहिचरणपरेउअकुलाई निजतनुप्रगटप्रीतिउरछाई तबरघुपतिउठाइउरलावा निजलोचन-जलसींचिजुडावा सुनुकपिजियजनिमानसिऊना तैंममप्रियलक्ष्मणतेंदूना समदरशीमोहिकहसबकोई सेवकप्रियअनन्यगतिहोई ॥

दो०। सोअनन्यअसजाहिकै मतिनटरैहनुमन्त मैंसेवकसचराचर रूपराशिभगवन्त ॥

चौ०। देखिपवनसुतपतिअनुकूला हृदयहर्षबीतीसबशूला नाथशैलपरकपिपतिरहई सोसुग्रीवदास- तवअहई तासननाथमइत्रीकीजै दीनजानितेहिअभयकरीजै सोसीताकरखोजकराइहि जहंतहंमरकट- कोटिपठाइहि इहिविधिसकलकथासमुझाई लियेदोउजनपीठिचढाई जबसुग्रीवरामकहंदेखा अतिशय- जन्मधन्यकरिलेखा सादरमिलेनाइपदमाथा भेंटेअनुजसहितरघुनाथा कपिकेमनविचारयहरीती करिहहिंबिधिमोसनयेप्रीती ॥

दो०। तबहनुमन्तउभयदिशि कहिसबकथाबुझाइ पावकसाखीदेइकरि जोरीप्रीतिदृढाइ ॥

चौ०। कीन्हप्रीतिकछुबीचनराखा लक्ष्मणरामचरितसबभाखा कहसुग्रीवनयनभरिबारी मिलिहिनाथ- मिथिलेशकुमारी मंत्रिनसहितइहांएकबारा बैठरहेउंकछुकरतबिचारा गगनपंथदेखीमैंजाता परबश- परीबहुतबिलखाता रामरामहारामपुकारी ममदिशिदेखिदीन्हपटडारी मांगारामतुरतसोदीन्हा पट- उरलाइसोचअतिकीन्हा कहसुग्रीवसुनहुरघुबीरा तजहुशोकमनआनहुधीरा सबप्रकारकरिहौंसेवकाई जेहिविधिमिलिहिजानकीआई ॥

दो०। सखाबचनसुनिहरषे रघुपतिकरुणासींव कारणकवनबसहुबन मोसनकहुसुग्रीव ॥

चौ०। नाथबालिअरुमैंदोभाई प्रीतिरहीकछुबरणिनजाई मयसुतनिहिमायवीनाऊं आवासोप्रभुहमरे- गाऊं अर्द्धरातिपुरद्वारपुकारा बालिहुरिपुबलसहैनपारा धावाबालिदेखिसोभागा मैंपुनिगयउंबंधुसंग- लागा गिरिबरगुहापैठसोजाई बालिमोहितबकहाबुझाई परखेहुमोहिएकपखवारा नहिंआवौंतौ- जानेहुमारा मासदिवसतहंरहेउंखरारी निसरीरुधिरधारतहंभारी तबमैंनिजमनकीन्हबिचारा जाना- असुरबंधुकहंमारा बालिहतेसिमोहिमारिहिआई शिलाद्वारदैचलेउंपराई मंत्रिन्हपुरदेखाबिनुसाईं दीन्हेउराजमोहिबरिआई बालीताहिमारिगृहआवा देखिमोहिजियभेदबढावा रिपुसमानमोहिमारे- सिमारी हरिलीन्हेसिसर्बसअरुनारी ताकेभयरघुबीरकृपाला सकलभुवनमैंफिरेउंबिहाला इहांशापबश- आवतनाहीं तदपिसभीतरहौंमनमाहीं सुनिसेवकदुखदीनदयाला फरकिउठेदोभुजाविशाला ॥

दो०। सुनुसुग्रीवमैंमारिहौं बालिहिएकहिबाण ब्रह्मरुद्रशरणागतहु गयेनउबरहिंप्राण ॥

चौ०। जेनमित्रदुखहोहिंदुखारी तिन्हैबिलोकतपातकभारी निजदुखगिरिसमरजकैजाना मित्रकेदुख- रजमेरुसमाना जिनकेअसिमतिसहजनआई तेशठहठकतकरतमिताई कुपथनिवारिसुपंथचलावा गुणप्रगटैअवगुणहिंदुरावा देतलेतमनशंकनधरहीं बलअनुमानसदाहितकरहीं बिपतिकालकरशत- गुणनेहा श्रुतिकहसत्यमित्रगुणएहा आगेकहमृदुबचनबनाई पाछेंअनहितमनकुटिलाई जाकरचित- इहिगतिसमभाई असकुमित्रपरिहरेभलाई सेवकशठनृपकृपणकुनारी कपटीमित्रशूलसमचारी सखा- सोचत्यागहुबलमोरे सबविधिकरबकाजमैंतोरे कहसुग्रीवसुनौरघुबीरा बालिमहाबलअतिरणधीरा दुंदुभिअस्थितालदिखराये बिनुप्रयासरघुनाथढहाये देखिअमितबलबाढीप्रीती बालिबधनकरभइपरतीती बारहिबारनाइपदसीसा प्रभुहिजानिमनहर्षकपीशा उपजाज्ञानबचनतबबोला नाथकृपामनभयेउअडोला सुखसंपतिपरिवारबडाई सबपरिहरिकरिहौंसेवकाई येसबरामभक्तिकेबाधक कहहिंसंततवपद- अवराधक शत्रुमित्रदुखसुखजगमाहीं मायाकृतपरमारथनाहीं बालिपरमहितजासुप्रसादा मिलेहुराम-

तुमशमनविषादा सपनेजेहिसनहोइलराई जागेसमुझतमनसकुचाई अबप्रभुकृपाकरहुइहिभांती सब-
तजिभजनकरौंदिनराती सुनिबिरागसंयुतकपिबाणी बोलेबिहंसिरामधनुपाणी जोकछुकहेउसत्यसबसोई
सखाबचनममम्रषानहोई नटमरकटइवसबहिनचावत रामखगेशवेदअसगावत लैसुग्रीवसंगरघुनाथा
चलेचापशायकगहिहाथा तबरघुपतिसुग्रीवपठावा गर्जेसिजाइनिकटबलपावा सुनतबालिक्रोधातुरधावा
गहिकरचरणनारिसमुझावा सुनुपतिजिनहिमिलासुग्रींवा तेदोबंधुतेजबलसींवा कोशलेशसुतलक्ष्मणरामा
कालहुजीतिशकहिंसंग्रामा सोइरघुबीरहृदेमहंआनहु कांडहुमोहकहाममानहु ॥

दो०। कहाबालिसुनुभीरुप्रिय समदरशीरघुनाथ जौकदापिमोहिमारिहैं तौपुनिहोवसनाथ ॥

चौ०। असकहिचलामहाअभिमानी तृणसमानसुग्रीवहिंजानी बालिदेखिसुग्रीवहिठाढा हृदयक्रोध-
पुनिबहुविधिबाढा भिरेउभयबालीअतितरजा मुष्टिकमारिमहाधुनिगरजा तबसुग्रीवविकलहोइभागा
मुष्टिप्रहारबज्रसमलागा मैंजोकहारघुबीरकृपाला बंधुनहोइमोरयहकाला एकरूपतुमभ्रातादोऊ तेहि-
भ्रमतेनहिंमारेउंसोऊ करपरसासुग्रीवशरीरा तनुभाकुलिशगईसबपीरा मेलीकंठसुमनकीमाला पठवा-
पुनिबलदेइबिशाला पुनिनानाविधभईलराई बिटपवोटदेखहिंरघुराई ॥

दो०। बहुछलबलसुग्रीवकरि हृदयहारिभयमानि मारावालिहिरामतब हियेमांझशरतानि ॥

चौ०। पराबिकलमहिशरकेलागे पुनिउठिबैठदेखुप्रभुआगे श्यामगातशिरजटाबनाये अरुणनयनशर-
चापचढाये पुनिपुनिचितैचरणचितदीन्हे सुफलजन्ममानाप्रभुचीन्हे हृदयप्रीतिमुखबचनकठोरा बोला-
चितैरामकीओरा धर्महेतुअवतरेहुगुसाईं मारेहुमोहिव्याधकीनाईं मैंबैरीसुग्रींवपिआरा कारण-
कवननाथमोहिमारा अनुजबधूभगिनीसुतनारी सुनुशठयेकन्यासमचारी इन्हैकुदृष्टिबिलोकैजोई ताहि-
बधेकछुपापनहोई मूढतोहिअतिशयअभिमाना नारिसिखावनकरेसिनकाना ममभुजबलआश्रिततेहिजानी
माराचहसिअधमअभिमानी ॥

दो०। सुनहुरामस्वामीसुभग चलनचातुरीमोरि प्रभुअजहूंमैंपातकी अंतकालगतितोरि ॥

चौ०। सुनतरामअतिकोमलबाणी बालिसीसपरसानिजपाणी अचलकरौंतनुराखहुप्राणा बालिकहा-
सुनुकृपानिधाना जन्मजन्ममुनियतनकराहीं अंतरामकहिआवतनाहीं जासुनामबलशंकरकाशी देत-
सबहिसमगतिअबिनाशी ममलोचनगोचरसोइआवा बहुरिकिअसप्रभुबनिहिबनावा ॥

छं०। सोनयनगोचरजासुगुणनितिनेतिकहिश्रुतिगावहीं जितिपवनमनगोनिरसकरिमुनिध्यानकबहुंकपावहीं
मोहिजानिअतिअभिमानबशप्रभुकहेउराखुशरीरहीं असकवनशठहठकाटिसुरतरुवारिकरहिंकरीरहीं
अबनाथकरिकरुणाबिलोकहुदेवयहबरमांगऊं जेहियोनिजनमैंकर्मबशतहंरामपदअनुरागऊं ॥
यहतनयममसमबिनयबलकल्याणपदप्रभुदीजियै गहिबांहसुरनरनाहआंगददासआपनकीजियै ॥

दो०। रामचरणदृढप्रीतिकरि बालिकीन्हतनुत्याग सुमनमालजिमिकंठते गिरतनजानैनाग ॥

चौ०। रामबालिनिजधामपठावा नगरलोगसबव्याकुलधावा नानाविधबिलापकरतारा छूटेकेशन-
देहसंभारा पुनिपुनितासुसीसउरधरई बदनबिलोकिहृदयदुखदहई मैंपतितुमहिंबहुतसमुझावा
कालबिवशपियमनहिनआवा अंगदकहकछुकहननपायहु बीचहिसुरपुरप्राणपठायहु ताराबिकल-

देखिरघुराया दीन्हज्ञानहरिलीन्हीमाया छितिजलपावकगगनसमीरा पंचरचितयहअधमशरीरा प्रगटसोतनुतवआगेसोवा जीवनित्यतुमकेहिलगिरोवा उपजाज्ञानचरणतबलागी लीन्हेसिपरमभक्ति-बरमागी उमादारुयोषितकीनाईं सबहिनचावतरामगुसाईं तबसुग्रीवहिंआयसुदीन्हा मृतककर्म-विधिवतसबकीन्हा रामकहाअनुजहिंसमुझाई राजदेहुसुग्रीवहिंजाई रघुपतिचरणनाइकरिमाथा चलेसकलप्रेरितरघुनाथा ॥

दो०। लक्ष्मणतुरतबुलावा पुरजनविप्रसमाज राजदीन्हसुग्रीवकहं अंगदकहंयुवराज ॥

चौ०। उमारामसमहितजगमाहीं गुरुपितुमातुबंधुकोउनाहीं सुरनरमुनिसबकीयहरीती स्वारथ-लागिकरैंसबप्रीती बालित्रासव्याकुलदिनराती तनुबिबरणचिंताजरछाती सोसुग्रीवकीन्हकपिराऊ अति-कोमलरघुवीरसुभाऊ ऐसेप्रभुकहंजेपरिहरहीं काहिनबिपतिजालनरपरहीं पुनिसुग्रीवहिलीन्हिबुलाई बहुप्रकारनृपनीतिसिखाई कहप्रभुसुनुसुग्रीवहरीशा पुरनजाउंदशचारिबरीशा गतग्रीषमबरषाऋतुआई रहिहौंनिकटशैलपरछाई अंगदसहितकरहुतुमराजू सन्ततहृदयराखिममकाजू तबसुग्रीवभवनफिरि-आये रामप्रवर्षणगिरिपरछाये ॥

दो०। प्रथमहिंदेवनगिरिगुहा राखीरुचिरबनाइ रामकृपानिधिकछुदिन बासकरहिंगेआइ ॥

चौ०। सुंदरबनकुसुमिततरुशोभा गुञ्जतचंचरीकमधुलोभा कंदमूलफलपत्रसुहाये भयेबहुत-जबतेंप्रभुआये देखिमनोहरशैलअनूपा रहेतहंअनुजसहितसुरभूपा मंगलरूपभयेबनतबते कीन्ह-निवासरमापतिजबते मधुकरखगमृगतनुधरिदेवा करहिंसिद्धमुनिप्रभुकीसेवा फटिकशिलाअतिसुभ्र सुहाई सुखआसीनतहांद्वौभाई कहतअनुजसनकथाअनेका भक्तिबिरतिनृपनीतिबिबेका बरषाकाल-मेघनभछाये गरजतलागतपरमसुहाये ॥

दो०। लक्ष्मणदेखहुमोरगण नाचतबारिदपेखि गृहीबिरतिरतहरषजस विष्णुभक्तकहंदेखि ॥

चौ०। घनघमंडनभगरजतघोरा प्रियाहीनडरपतमनमोरा दामिनिदमकिरहैघनमाहीं खलकीप्रीति-यथाथिरनाहीं बरषहिंजलदभूमिनियराये यथानवहिंबुधविद्यापाये बुन्दअघातसहैंगिरिकैसे खलके-बचनसन्तसहजैसे छुद्रनदीभरिचलिउतराई जसथोरेधनखलबौराई भूमिपरतभाडाबरपानी जिमि-जीवहिमायालपटानी सिमिटिसिमिटिजलभरैतलावा जिमिसदगुणसज्जनपहंआवा सरिताजलजल-निधिमहंजाई होइअचलजिमिजनहरिपाई ॥

दो०। हरितभूमितृणसंकुल समुझिपरैनहिंपंथ जिमिपाखंडबिबादते लुप्तभयेसदग्रंथ ॥

चौ०। दादुरधुनिचहुंओरसुहाये वेदपढैंजनुबटुसमुदाये नवपल्लवभेविटपअनेका साधकमनजसहोइ-बिबेका अर्कजवासपातबिनुभयऊ जिमिसुराज्यखलउद्यमगयऊ खोजतपंथमिलैनहिंधूरी करैक्रोधजिमि-धर्महिंदूरी शशिसंपन्नसोहमहिकैसी उपकारीकीसंपतिजैसी निशितमघनखद्योतबिराजा जनुदंभिन-करजुरासमाजा महाबृष्टिचलिफूटिकियारी जिमिस्वतंत्रहोइबिगरहिंनारी कृषीनिरावहिंचतुरकिशाना जिमिबुधतजहिंमोहमदमाना देखियचक्रवाकखगनाही कलिहिपाइजिमिधर्मपराही ऊषरबरसैतृण-नहिंजामा सन्तहृदयजसउपजनकामा बिबिधजंतुसंकुलमहिभ्राजा बढैप्रजाजिमिपाइसुराजा जहंतहं-पथिकरहेथकिनाना जिमिइन्द्रियगणउपजेज्ञाना ॥

दो०। कबहुप्रबलचलमारुत जहंतहंमेघबिलाहिं जिमिकपूतकुलउपजे सम्पतिधर्मनशाहिं॥
कबहुंदिवसमहंनिबिडतम कबहुंकप्रगटपतंग उपजैबिनशैज्ञानजिमि पाइसुसंगकुसंग॥

चौ०। बरषाबिगतशरदऋतुआई देखहुलक्ष्मणपरमसुहाई फूलेकाशसकलमहिछाई जनुबरषाकृत-
प्रगटबुढाई उदितअगस्तिपंथजलशोषा जिमिलोभहिशोषैसंतोषा सरितासरजलनिर्मलसोहा संत-
हृदयजसगतमदमोहा रसरसशोषसरितसरपानी ममतात्यागकरहिंजिमिज्ञानी जानिशरदऋतुखंजन-
आये पाइसमयजिमिसुकृतसुहाये पंकनरेणुसोहअसिधरणी नीतिनिपुणनृपकीजसिकरणी जलसंकोच-
बिकलभएमीना अबुधकुटुम्बीजिमिधनहीना बिनुघननिर्मलसोहअकाशा जिमिहरिजनपरिहरिसबआशा
कहुंकहुंवृष्टिशारदीथोरी कोउएकपावभक्तिजिमिमोरी॥

दो०। चलेहरषितजिनगरनृप तापसबणिकभिखारि जिमिहरिभक्तिपाइजन तजहिंआश्रमीचारि॥

चौ०। सुखीमीनजहंनीरअगाधा जिमिहरिशरणनएकौबाधा फूलेकमलसोहसरकैसे निर्गुणब्रह्म-
सगुणभयेजैसे गुञ्जतमधुकरनिकरअनूपा सुंदरखगरवनानारूपा चक्रवाकमनदुखनिशिपेखी जिमि-
दुर्जनपरसंपतिदेखी चातकरटततृषाअतिवोही जिमिसुखलहैनशंकरद्रोही शरदातपनिशिशशिअप-
हरई संतदरशजिमिपातकटरई देखहिंबिधुचकोरसमुदाई चितवहिंहरिजनहरिजिमिपाई मशकदंश-
बीतेहिमत्रासा जिमिद्विजद्रोहकियेकुलनाशा॥

दो०। भूमिजीवसंकुलरहे गयेशरदऋतुपाइ सतगुरुमिलेतेजाहिंजिमि संशयभ्रमसमुदाइ॥

चौ०। बरषागतनिर्मलऋतुआई सुधिनतातसीताकीपाई एकबारकैसेहुंसुधिपावौं कालहुजीतिनिमिष-
महंल्यावौं कतहुंरहैजौजीवतिहोई तातयतनकरिआनौंसोई सुग्रीवहुंसुधिमोरिबिसारी पावाराजकोश-
पुरनारी जेहिशायकमैंमाराबाली तेहिशरहतौंमूढकहंकाली जासुकृपाछूटैमदमोहा ताकहंउमाकि-
सपनेहुकोहा जानहिंयहचरित्रमुनिज्ञानी जिन्हरघुबीरचरणरतिमानी लक्ष्मणक्रोधवंतप्रभुजाना धनुष-
चढाइगहेकरबाना॥

दो०। तबअनुजहिसमुझावा रघुपतिकरुणासींव भयदेखाइलैआवहु तातसखासुग्रींव॥

चौ०। इहांपवनसुतहृदयबिचारा रामकाजसुग्रीवबिसारा निकटजाइचरणनसिरनावा चारिहुबिधि-
तेहिकहिसमुझावा सुनिसुग्रीवपरमभयमाना बिषयमोरहरिलीन्हेउज्ञाना अबमारुतसुतदूतसमूहा पठ-
वहुजहंतहंबानरयूहा कहेहुपक्षमहंआवनजोई मोरेकरताकरवधहोई तबहनुमंतबुलायेदूता सबकर-
करिसनमानबहूता भयअरुप्रीतिनीतिदिखराई चलेसकलचरणनसिरनाई तेहिअवसरलक्ष्मणपुरआये
क्रोधदेखिजहंतहंकपिधाये॥

दो०। धनुषचढाइकहातब जारिकरौंपुरछार व्याकुलनगरदेखितब आवाबालिकुमार॥

चौ०। चरणनाइसिरबिनतीकीन्हा लक्ष्मणअभयबांहतेहिदीन्हा क्रोधवंतलक्ष्मणसुनिकाना कह-
कपीशअतिशयअकुलाना तुमहनुमंतसंगलैतारा करिबिनतीसमुझाउकुमारा तारासहितजाइहनुमाना
चरणबंदिप्रभुसुयशबखाना करिबिनतीमंदिरलैआये चरणपखारिपलंगबैठाये तबकपीशचरणनसिरनावा
गहिभुजलक्ष्मणकंठलगावा नाथबिषयसममदकछुनाहीं मुनिमनमोहकरइक्षणमाहीं सुनतबिनीत-

बचनसुखपावा लक्ष्मणतेहिबहुबिधिसमुझावा पवनतनयसबकथासुनाई जेहिबिधिगयेदूतसमुदाई॥

दो०। हरषिचलेसुग्रीवतब अंगदादिकपिसाथ रामअनुजआगेकिये आयेजहंरघुनाथ॥

चौ०। नाइचरणसिरकहकरजोरी नाथमोहिकछुनाहिनखोरी अतिशयप्रबलदेवतवमाया छूटैतबहिं-करहुजबदाया बिषयबिवशसुरनरमुनिस्वामी मैंपामरपशुकपिअतिकामी नारिनयनशरजाहिनलागा महाघोरनिशिसोवतजागा लोभपाशजेहिगरनबंधाया सोनरतुमसमानरघुराया यहगुणसाधनतेनहिं-होई तुम्हरीकृपापावकोइकोई तबरघुपतिबोलेमुसुकाई तुमप्रियमोहिभरतजिमिभाई अबसोइयतन-करहुमनलाई जेहिबिधिसीताकीसुधिपाई॥

दो०। इहिबिधिहोतबतकही आयेबानरयूथ नानाबरणअतुलबल देखियकीसबरूथ॥

चौ०। बानरकटकउमामैंदेखा सोमूरखजोकियचहलेखा आइरामपदनावहिंमाथा निरखिबदनसब-होहिंसनाथा असकपिएकनसेनामाहीं रामकुशलपूछीजेहिनाहीं यहनहिंकछुप्रभुकीअधिकाई बिश्व-रूपव्यापकरघुराई ठाढेजहंतहंआयसुपाई कहिसुग्रीवसबहिंसमुझाई रामकाजअरुमोरनिहोरा बानर-यूथजाहुचहुंओरा जनकसुताकहंखोजहुजाई मासदिवसमहंआयेहुभाई अवधिमेटिजोबिनसुधिपाये अवशिमरिहिसोममकरआये॥

दो०। बचनसुनतसबबानर जहंतहंचलेतुरंत तबसुग्रीवबुलाये अंगदादिहनुमंत॥

चौ०। सुनहुनीलअंगदहनुमाना जामवंतमतिधीरसुजाना सकलसुभटमिलिदक्षिणजाहु सीतासुधि-पूछेहुसबकाहु मनबचक्रमसोयतनबिचारेहु रामचंद्रकरकाजसंवारेहु भानुपीठसेइयउरआगी स्वामी-भजियसकलछलत्यागी तजिमायासेइयपरलोका मिटैसकलभवसंभवशोका देहधरेकरयहफलभाई भजियरामसबकामबिहाई सोइगुणज्ञसोईबडभागी जोरघुबीरचरणअनुरागी आयसुमांगिचरणसिरनाई चलेहरषिसुमिरतरघुराई पाछेंपवनतनयसिरनावा जानिकाजप्रभुनिकटबुलावा परसासीससरोरुहपानी करमुद्रिकादीन्हजनजानी बहुप्रकारसीतहिसमुझायेहु कहिबलबीरबेगितुमआयेहु हनुमतजन्मसुफल-करिजाना चलेहृदयधरिकृपानिधाना यद्यपिप्रभुजानतसबबाता राजनीतिराखतसुरत्राता॥

दो०। चलेसकलबनखोजत सरितासरगिरिखोह रामकाजलयलीनमन बिसरातनुकरछोह॥

चौ०। कतहुंहोइनिशिचरसनभेंटा प्राणलेहिंइकएकचपेटा बहुप्रकारगिरिकाननहेरहिं कोउमुनि-मिलैताहिसबघेरहिं लागितृषाअतिशयअकुलाने मिलैनजलबनगहनभुलाने तबहनुमानकीन्हअनुमाना मरणचहतसबबिनुजलपाना चढिगिरिशिखरचहूंदिशिदेखा भूमिबिवरइककौतुकपेखा चक्रबाकबक-हंसउडाहीं बहुतेकखगप्रबिशहिंतेहिमाहीं गिरितेउतरिपवनसुतआवा सबकहंलैसोबिवरदिखावा आगेकरिहनुमंतहिलीन्हा पैठेबिवरबिलंबनकीन्हा॥

दो०। दीखजाइउपवनसुभग सरबिकसेबहुकञ्ज मंदिरएकरुचिरतहां बैठिनारितपपुञ्ज॥

चौ०। दूरिहितेतेहिसबसिरनावा पूछेसिनिजवृत्तान्तसुनावा तबतेहिकहाकरहुजलपाना खाहुसरस-सुंदरफलनाना मज्जनकीन्हमधुरफलखाये तासुनिकटपुनिसबचलिआये तेहिसबआपनिकथासुनाई मैंअबजाबजहांरघुराई मूंदहुनयनबिवरतजिजाहु पैहहुसीतहिजनिकदराहु नयनमूंदितबदेखहिंबीरा

ठाढेसकलसिंधुकेतीरा सोपुनिगईजहाँरघुनाथा जाइकमलपदनायेसिमाथा नानाभाँतिबिनयतेइकीन्ही अनपावनीभक्तिप्रभुदीन्ही ॥

दो०। बदरीबनकहँसोगई प्रभुआज्ञाधरिसीस उरधरिरामचरणयुग जेबंदतअजईश ॥

चौ०। इहाँबिचारहिंकपिमनमाहीं बीतीअवधिकाजकछुनाहीं सबमिलिकहहिंपरस्परबाता बिनुसुधिलियेकरबकाभ्राता कहअंगदलोचनभरिबारी दुहुप्रकारभइमृत्युहमारी इहाँनसुधिसीताकरिपाई उहाँगयेमारिहिकपिराई पिताबधेपरमारतमोही राखारामनिहोरनवोही पुनिपुनिअंगदकहसबपाहीं मरणभयोकछुसंशयनाहीं अंगदबचनसुनतकपिबीरा बोलिनसकहिंनयनबहनीरा क्षणइकशोकमगनहोगये पुनिअसबचनकहतसबभये हमसीताकीबिनुसुधिलीने फिरबनसुनुयुवराजप्रबीने असकहिलवणसिंधुतटजाई बैठेकपिसबदर्भडसाई जामवंतअंगददुखदेखी कहीकथाउपदेशविशेषी तातरामकहँनरजनिजानहु निर्गुणब्रह्मअजितअजमानहु हमसबसेवकअतिबडभागी संततसगुणब्रह्मअनुरागी ॥

दो०। निजइच्छाअवतरेउप्रभु सुरद्विजगोमहिलागि सगुणउपासकरहहिंसब मोक्षसकलसुखत्यागि ॥

चौ०। इहिबिधिकहतकथाबहुभाँती गिरिकंदरासुनासंपाती बाहिरहोइदेखेसबकीशा मोहिअहारदीन्हजगदीशा आजुसबन्हकहँभक्षणकरऊं दिनबहुगेअहारबिनुमरऊं कबहुंनमिलुभरिउदरअहारा आजुदीन्हबिधिएकहिबारा डरपेगृध्रबचनसुनिकाना अबभामरणसत्यहमजाना कपिसबउठेगृध्रकहँदेखी जामवंतमनसोचबिशेषी कहबिचारिअंगदमनमाहीं धन्यजटायुसरिसकोउनाहीं रामकाजकारणतनुत्यागी हरिपुरगयेउपरमबडभागी जोरघुबीरचरणचितलावै तिहिंसमधन्यनआनकहावै सुनिखगहरषशोकयुतबानी आवानिकटकपिन्हभयमानी ताहिदेखिसबचलेपराई ठाढकीन्हतेइशपथदिवाई तिन्हैअभयकरिपूछेसिजाई कथासकलतिन्हताहिसुनाई सुनिसंपातिबंधुकीकरणी रघुपतिमहिमाबहुबिधिबरणी ॥

दो०। मोहिलैचलहुसिंधुतट देउतिलांजलिताहि बचनसहायकरबमैं पैहहुखोजहुजाहि ॥

चौ०। अनुजक्रियाकरिसागरतीरा कहनिजकथासुनहुकपिबीरा हमद्वौबंधुप्रथमतरुणाई गगनगयेरविनिकटउडाई तेजनसहिसकसोफिरिआवा मैंअभिमानीरविनियरावा जरेपंखरवितेजअपारा परेउंभूमिकरिघोरचिकारा मुनिएकनामचंद्रमाबोही लागीदयादेखिकरिमोही बहुप्रकारतिन्हज्ञानसिखावा देहजनितअभिमानछुडावा त्रेताब्रह्ममनुजतनुधरिहैं तासुनारिनिशिचरपतिहरिहैं तासुखोजपठउबप्रभुदूता तिन्हैमिलेतुमहोबपुनीता जमिहहिंपंखकरसिजनिचिंता तिन्हैदेखाइदेवसैंसीता यहकहिमुनिनिजआश्रमगयऊ निहिक्षणहृदयज्ञानकछुभयऊ सदारामकरसुमिरनकरऊं निशिदिनमगजोवतदिनभरऊं मुनिकीगिरासत्यभइआजू सुनिममबचनकरहुप्रभुकाजू गिरित्रिकूटऊपरबसलंका तहंरहरावणसहजअशंका तहाँअशोकबाटिकाअहई सीयबैठितहँसोचतिरहई ॥

दो०। मैंदेखौंतुमनाहिन गृध्रहिदृष्टिअपार बूढभयौंनतोकरतेउं कछुकसहायतुम्हार ॥

चौ०। जोलाघैशतयोजनसागर करैसोरामकाजमतिआगर जोकोइकरैरामकरकाजू तेहिसमधन्यआननहिंआजू मोहिबिलोकिधरहुमनधीरा रामकृपाकसभयेउशरीरा पापिउजाकरनामसुमिरहीं अतिअपारभवसागरतरहीं तासुदूततुमतजिकदराई रामहृदयधरिकरहुउपाई असकहिगमागृध्रजब-

गयेऊ सबकेमनअतिबिस्मयभयेऊ निजनिजबलसबकाहुभाखा पारजानकरसंशयराखा जरठभयेउं-अबकहेउरहकेशा नहिंतनुरहाप्रथमबललेशा जबहिंत्रिबिक्रमभयेखरारी तबमैंतरुणरहाबलभारी ॥

दो॰। बलिबांधतप्रभुबाढेऊ सोतनुबरणिनजाइ उभयघरीमहंदीन्हमैं सातप्रदक्षिणधाइ ॥

चौ॰। अंगदकहाजांउमैंपारा जियसंशयकछुफिरतीबारा जामवंतकहतुमसबलायक किमिपठवौं-सबहीकरनायक कहाऋक्षपतिसुनुहनुमाना काचुपसाधिरहाबलवाना पवनतनयबलपवनसमाना बुधि-बिवेकबिज्ञाननिधाना कौनसोकाजकठिनजगमांही जोनहिंतातहोइतुमपांही रामकाजलगितबअवतारा सुनिकपिभयेउपर्वताकारा कनकबरणतनुतेजबिराजा मानहुंअपरगिरन्हकरराजा सिंहनादकरिबारहिं-बारा लीलहिंनाघौंजलनिधिखारा सहितसहायरावणहिमारी आनौंइहांत्रिकूटउपारी जामवंतमैंपूछौं-तोही उचितशिखावनदीजैमोही इतनाकरेहुताततुमजाई सीतहिदेखिकहौसुधिआई तबनिजभुजबल-राजिवनयना कौतुकलागिसंगकपिसयना ॥

छं॰। कपिसेनसंगसंहारिनिशिचररामसीतहिआनिहैं त्रयलोकपावनसुयशसुरमुनिनारदादिबखानिहैं ॥
जोसुननगावतकहतसमुझतपरमपदनरपावहीं रघुबीरपदपाथोजमधुकरदासतुलसीगावहीं ॥

दो॰। भवभेषजरघुनाथयश सुनैजोनरअरुनारि तिनकरसकलमनोरथ सिद्धकरहिंत्रिपुरारि ॥

सो॰। नीलोत्पलतनुश्याम कामकोटिशोभाअधिक सुनियतासुगुणग्राम जासुनामअघखगबधिक ॥

इति श्रीरामचरितमानसे सकलकलिकलुषबिध्वंसने बिमलविज्ञानबैराग्यसम्पादनो नाम
तुलसीकृतकिसकिंदाकाण्डश्चतुर्थः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु सिद्धिरस्तु ॥

अथ सुन्दरकाण्ड।

श्लोक।

शान्तं शाश्वतमप्रेयमनघं निर्वाणशान्तिप्रदम् ब्रह्माशम्भुफणीन्द्रसेव्यमनिशं वेदान्तवेद्यं विभुम्
रामाख्यं जगदीश्वरं सुरगुरुं मायामनुष्यं हरिम् वन्देऽहं करुणाकरं रघुवरं भूपालचूडामणिम्॥ १॥
नान्यास्पृहा रघुपते हृदयेऽस्मदीये सत्यं वदामि च भवानखिलान्तरात्मा भक्तिम्प्रयच्छ रघुपुङ्गवनिर्भरां मे
कामादिदोषरहितं कुरु मानसञ्च॥ २। अतुलितबलधामं स्वर्णशैलाभदेहं दनुजवनकृशानुं ज्ञानि-
नामग्रगण्यं सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम् रघुपतिवरदूतं वातजातन्नमामि॥ ३॥
चौ०। जामवन्तकेबचनसुहाये सुनिहनुमानहृदयअतिभाये तबलगिमोहिपरेखहुभाई सहिदुख-
कन्दमूलफलखाई जबलगिआवौंसीतहिंदेखी होइकाजमनहर्षबिशेषी असकहिनाइसबनिकहंमाथा
चलेउहरषिहियधरिरघुनाथा सिंधुतीरएकसुन्दरभूधर कौतुककूदिचढेतेहिऊपर बारबाररघुबीरसंभारी
तरकेउपवनतनयबलभारी जेहिगिरिचरणदेइहनुमन्ता सोचलिगयेउपतालतुरन्ता जिमिअमोघरघुपति-
केबाना ताहीभांतिचलाहनुमाना जलनिधिरघुपतिदूतबिचारी कहमैनाकहोहुश्रमहारी॥
सो०। सिंधुबचनसुनिकान तुरतउठिउमैनाकतब कपिकहंकीन्हप्रणाम बारबारकरजोरिकै॥
दो०। हनूमानतेहिपरसिकर पुनितेहिकीन्हप्रणाम रामकाजकीन्हेबिना मोहिकहांबिश्राम॥
चौ०। जातपवनसुतदेवनदेखा जानाचहंबलबुद्धिबिशेषा सुरसानामअहिनकीमाता पठयउआइकहीतेइ-
बाता आजुसुरनमोहिदीन्हअहारा सुनिहंसिबोलापवनकुमारा रामकाजकरिफिरिमैंआवौं सीताकरि-
सुधिप्रभुहिसुनावौं तबतवबदनपैठिहौंआई सत्यकहौंमोहिजानदेमाई कवनिहुंयतनदेइनहिंजाना
ग्रससिनमोहिकहाहनुमाना योजनभरितेइंबदनपसारा कपितनुकीन्हदुगुणबिस्तारा सोरहयोजनमुख-
तेइंठयऊ तुरतपवनसुतबत्तिसभयऊ जसजससुरसाबदनबढावा तासुदुगुणकपिरूपदिखावा शतयोजन-
तेइआननकीन्हा अतिलघुरूपपवनसुतलीन्हा बदनपैठिपुनिबाहिरआवा मांगीबिदाताहिशिरनावा
मोहिसुरन्हजेहिलागिपठावा बुधिबलमर्मतोरमैंपावा॥
दो०। रामकाजसबकरिहहु तुमबलबुद्धिनिधान आशिषदैसुरसाचली हरषिचलेहनुमान॥
चौ०। निशिचरिएकसिंधुमहंरहई करिमायानभकेखगगहई जीवजन्तुजेगगनउडाहीं जलबिलोकि-
तिनकीपरिछाहीं गहैछांहशकसोनउडाई इहिबिधिसदागगनचरखाई सोइछलहनूमानतेकीन्हा तासु-
कपटकपितुरतहिंचीन्हा ताहिमारिमारुतसुतबीरा बारिधिपारगयउमतिधीरा तहांजाइदेखीबनशोभा
गुञ्जतचंचरीकमधुलोभा नानातरूफलफूलसुहाये खगमृगवृन्ददेखिमनभाये शैलबिशालदेखिएकआगे
तापरकूदिचढेउभयत्यागे उमानकछुकपिकीअधिकाई प्रभुप्रतापजोकालहिखाई गिरिपरचढिलंकातिहिं-
देखी कहिनजाइअतिदुर्गबिशेषी अतिउतंगजलनिधिचहुंपासा कनककोटकरपरमप्रकासा॥

छं०। कनककोटबिचित्रमणिकृतसुंदरायतनअतिघना चौहट्टहाटसुबट्टबीथीचारुपुरबहुबिधिबना ॥
गजबाजिखच्चरनिकरपदचररथबरूथनिकोगनै बहुरूपनिशिचरयूथअतिबलसेनबरणतनहिंबनै ॥
बनबागउपबनबाटिकासरकूपबापीसोहहीं नरनागसुरगंधर्वकन्यारूपमुनिमनमोहहीं ॥
कहुंमल्लदेहबिशालशैलसमानअतिबलगर्जहीं नानाअखारेन्हभिरहिंबहुबिधिएकएकन्हतर्जहीं ॥
करिजतनभटकोटिन्हबिकटतनुनगरचहुंदिशिरच्छहीं कहुंमहिषमानुषधेनुखरअजखगनिशाचरभच्छहीं ॥
इहिलागितुलसीदासइनकीकथासंक्षेपहिकही रघुबीरशरतीरथसरीरनितत्यागिगतिपैहैंसही ॥

दो०। पुररखवारेदेखिबहु कपिमनकीन्हबिचार अतिलघुरूपधरौंनिशि नगरकरौंपैसार ॥

चौ०। मशकसमानरूपकपिधरी लंकाचलेउसुमिरिनरहरी नामलंकिनीएकनिशिचरी सोकहचलेसिमोहिनिंदरी जानेसिनाहिमर्मशठमोरा मोरअहारजहांलगिचोरा मुष्टिकएकताहिकपिहनी रुधिरबमतधरणीढनमनी पुनिसंभारिउठीसोलंका जोरिपाणिकरबिनयसशंका जबरावणहिंब्रह्मबरदीन्हा चलतबिरंचिकहामोहिचीन्हा बिकलहोसिजबकपिकेमारे तबजानेसिनिशिचरसंहारे तातमोरअतिपुण्यबहूता देखेउंनयनरामकरदूता ॥

दो०। तातस्वर्गअपबर्गसुख धरियतुलाएकअंग तुलैनताहिसकलमिलि जोसुखलवसतसंग ॥

चौ०। प्रबिशिनगरकीजैसबकाजा हृदयराखिकोशलपुरराजा गरलसुधारिपुकरैंमिताई गोपदसिंधुअनलशितलाई गरुअसुमेरुरेणुसमताही रामकृपाकरिचितवहिंजाही अतिलघुरूपधरेउहनुमाना पैठानगरसुमिरिभगवाना मंदिरमंदिरप्रतिकरिशोधा देखेजहंतहंअगणितयोधा गयेउदशाननमंदिरमाहीं अतिबिचित्रकहिजातसोनाहीं शयनकियेदेखाकपितेही मंदिरमहंनदीखवैदेही भवनएकपुनिदीखसुहावा हरिमंदिरतहंभिन्नबनावा रामनामअंकितगृहसोहा बरणिनजाइदेखिमनमोहा ॥

दो०। रामनामअंकितगृह शोभाबरणिनजाइ नवतुलसीकेवृन्दबहु देखिहरषकपिराइ ॥

चौ०। लंकानिशिचरनिकरनिवासा इहांकहांसज्जनकरबासा मनमहंतर्ककरनकपिलागे ताहीसमयबिभीषणजागे रामरामतेहिंसुमिरणकीन्हा हृदयहरषिकपिसज्जनचीन्हा इहिसनहठिकरिहौंपहिचानी साधुतेंहोइनकारजहानी बिप्ररूपधरिबचनसुनावा सुनतबिभीषणउठितहंआवा करिप्रणामपूछीकुशलाई बिप्रकहहुनिजकथाबुझाई कीतुमहरिदासनमहंकोई मोरेहृदयप्रीतिअतिहोई कीतुमदीनबंधुअनुरागी आयेहुमोहिकरणबडभागी ॥

दो०। तबहनुमंतकहीसब रामकथानिजनाम सुनतयुगलतनुपुलकअति मगनसुमिरिगुणग्राम ॥

चौ०। सुनहुपवनसुतरहनिहमारी जिमिदशनन्हमहंजीभबिचारी तातकबहुंमोहिजानिअनाथा करिहहिंकृपाभानुकुलनाथा तामसतनुकछुसाधननाहीं प्रीतिनपदसरोजमनमाहीं अबमोहिभाभरोसहनुमंता बिनुहरिकृपामिलहिंनहिंसंता जौरघुबीरअनुग्रहकीन्हा तौतुममोहिदरशहठिदीन्हा सुनहुबिभीषणप्रभुकैरीती करहिंसदासेवकपरप्रीती कहहुकवनमैंपरमकुलीना कपिचंचलसबहीबिधिहीना प्रातलेइजोनामहमारा तादिनताहिनमिलैअहारा ॥

दो०। असमैंअधमसखासुनु मोहूपररघुबीर कीन्हीकृपासुमिरिगुण भरेबिलोचननीर ॥

चौ०। जानतहूँअसस्वामिबिसारी फिरितेकाहेनहोहिंदुखारी इहिबिधिकहतरामगुणग्रामा पावन-
श्रवणसुखदबिश्रामा पुनिसबकथाबिभीषणकही जेहिबिधिजनकसुताजहँरही तबहनुमंतकहासुनुभ्राता
देखाचहौंजानकीमाता युक्तिबिभीषणसकलसुनाई चलेउपवनसुतबिदाकराई धरिसोइरूपगयेउपुनि-
तहँवा बनअशोकसीतारहजहँवा देखिमनहिंमनकीन्हप्रणामा बैठेबीतिगईनिशियामा कृशतनुसीसजटा-
इकबेणी जपतिहृदयरघुपतिगुणश्रेणी॥

दो०। निजपदनयनदियेमन रामचरणमहँलीन परमदुखीभापवनसुत निरखिजानकीदीन॥

चौ०। तरुपल्लवमहँरहालुकाई करैबिचारकरौंकाभाई तेहिअवसररावणतहँआवा संगनारिबहुकिये-
बनावा बहुबिधिखलसीतहिंसमुझावा सामदामभयभेददिखावा कहरावणसुनुसुमुखिसयानी मंदोदरी-
आदिसबरानी तबअनुचरीकरौंपनमोरा एकबारबिलोकुममओरा तृणधरिओटकहतिबैदेही सुमिरि-
अवधपतिपरमसनेही सुनुदशमुखखद्योतप्रकाशा कबहुंकिनलिनीकरहिंबिकाशा असमनसमुझुकहति-
जानकी खलसुधिनहिंरघुबीरबाणकी शठहरेहरिआनेसिमोहीं अधमनिलज्जलाजनहिंतोहीं॥

दो०। आपुहिसुनिखद्योतसम रामहिंभानुसमान परुषबचनसुनिकाढिअसि बोलाअतिरिसियान॥

चौ०। सीतातैंममकृतअपमाना काटौंतवसिरकठिनकृपाना नाहिंतसपदिमानुममबानी सुमुखिहोत-
नतजीवनहानी श्यामसरोजदामसमसुंदर प्रभुभुजकरिकरसमदशकंधर सोभुजकंठकितवअसिघोरा
सुनुशठअसप्रमाणपनमोरा चन्द्रहासहरुममपरितापा रघुपतिबिरहअनलसंतापा शीतलनिशितवअसि-
बरधारा कहसीताहरुममदुखभारा सुनतबचनपुनिमारणधावा मयतनयाकहिनीतिबुझावा कहेसिसकल-
निशिचरीबुलाई सीतहित्रासदेखावहुजाई मासदिवसमहँकहानमाना तौमैंमारबकठिनकृपाना॥

दो०। भवनगयउदशकंधतब इहांनिशाचरिवृन्द सीतहित्रासदिखावहीं धरहिंरूपबहुमन्द॥

चौ०। त्रिजटानामराक्षसीएका रामचरणरतनिपुणबिवेका सबहिबुलाइसुनायसिसपना सीतहिसेइ-
करौहितअपना सपनेवानरलंकाजारी यातुधानसेनासबमारी खरआरूढनगनदशसीसा मुण्डितशिर-
खंडितभुजबीसा इहिबिधिसोदक्षिणदिशिजाई लंकामनहुंबिभीषणपाई नगरफिरीरघुबीरदुहाई तब-
प्रभुसीतहिबोलिपठाई यहसपनामैंकहौंबिचारी होइहिसत्यगयेदिनचारी तासुबचनसुनतेसबडरीं
जनकसुताकेचरणनपरीं॥

दो०। जहांतहांगईंसकलतब सीताकेमनसोच मासदिवसबीतेमोहि मारिहिनिशिचरपोच॥

चौ०। त्रिजटासनबोलीकरजोरी मातुबिपतिसंगिनितैंमोरी तजौंदेहकरुबेगिउपाई दुसहबिरहअब-
सहानजाई आनुकाठरचुचितावनाई मातुअनलतुमदेहुलगाई सत्यकरहिममप्रीतिसयानी सुनैको-
श्रवणशूलसमबानी सुनतबचनपदगहिसमुझावा प्रभुप्रतापबलसुयशसुनावा निशिनअनलमिलुराजकुमारी
असकहिसोनिजभवनसिधारी कहसीताबिधिभाप्रतिकूला मिलैनपावकमिटैनशूला देखियतप्रगट-
गगनअंगारा अवनिनआवतएकौतारा पावकमयशशिश्रवतनआगी मानहुंमोहिंजानिहतभागी सुनहु-
बिनयममबिटपअशोका सत्यनामकरुहरुममशोका नूतनकिशलयअनलसमाना देहुअग्निमिमकरहु-
निदाना देखिपरमबिरहाकुलसीता सोक्षणकपिहिकल्पसमबीता॥

सो०। कपिकरिहृदयबिचार दीन्हमुद्रिकाडारितब अनुअशोकअंगार दीन्हहरषिउठिकरगहेउ ॥

चौ०। तबदेखीमुद्रिकामनोहर रामनामअंकितअतिसोहर चकितचितैमुद्रिकपहिचानी हर्षविषादहृदयअकुलानी जीतिकोशकैअजयरघुराई मायातेअसिरचीनजाई सीतामनबिचारकरनाना मधुरबचनबोलेहनुमाना रामचंद्रगुणबरणनलागे सुनतहिसीताकरदुखभागे लागीसुनैश्रवणमनलाई आदिहितेसबकथासुनाई श्रवणामृतजिहिकथासुनाई काहेसोप्रगटहोतनहिंभाई तबहनुमंतनिकटचलिगयेऊ फिरिबैठीमनबिस्मयभयेऊ रामदूतमैंमातुजानकी सत्यशपथकरुणानिधानकी यहमुद्रिकामातुमैंआनी दीन्हरामतुमकहंसहिदानी नरबानरहिसंगकहुकैसे कहीकथासंगतिभइजैसे ॥

दो०। कपिकरबचनसप्रेमसुनि उपजामनबिश्वास जानामनक्रमबचनयह कृपासिंधुकरदास ॥

चौ०। हरिजनजानिप्रीतिअतिबाढी सजलनयनपुलकावलिठाढी बूडतबिरहजलधिहनुमाना भयेहुतातमोकहंजलयाना अबकहुकुशलजाउंबलिहारी अनुजसहितसुखभवनखरारी कोमलचितकृपालुरघुराई कपिकेहिहेतुधरीनिठुराई सहजबानिसेवकसुखदायक कबहुंकसुधिकरतरघुनायक कबहुंनयनममशीतलताता होइहिनिरखिश्याममृदुगाता बचननआवनयनभरिबारी अहोनाथमोहिनिपटबिसारी देखिबिरहव्याकुलअतिसीता बोलेउकपिमृदुबचनबिनीता मातुकुशलप्रभुअनुजसमेता तवदुखदुखीसोकृपानिकेता जननीजनिमानहुमनऊना तुमतेंप्रेमरामकहंदूना ॥

दो०। रघुपतिकेसंदेशअब सुनुजननीधरिधीर असकहिकपिगद्गदभये भरेबिलोचननीर ॥

चौ०। रामबियोगकहासुनुसीता मोकहंसकलभयेउबिपरीता नूतनकिशलयमनहुंकृशानू कालनिशासमनिशिशशिभानू कुबलयबिपिनकुन्तबनसरिसा बारिदतप्ततेलजनुबरिसा जेहितरहींकरतसोइपीरा उरगश्वाससमत्रिबिधसमीरा कहेतेंकछुदुखघटिकहुहोई काहिकहौंयहजाननकोई तत्वप्रेमकरममअरुतोरा जानतप्रियाएकमनमोरा सोमनरहतसदातोहिपाहीं जानुप्रीतिरसइतनेहिमाहीं प्रभुसंदेशसुनतबैदेही मगनप्रेमतनसुधिनहिंतेही कहकपिहृदयधीरधरुमाता सुमिरिरामसेवकसुखदाता उरआनहुरघुपतिप्रभुताई सुनिममबचनतजहुबिकलाई ॥

दो०। निशिचरनिकरपतंगसम रघुपतिबाणकृशानु जननिहृदयनिजधीरधरु जरेनिशाचरजानु ॥

चौ०। जौरघुबीरहोतसुधिपाई करतेनहिंबिलंबरघुराई रामबाणरबिउदयजानकी तमबरुथकहंयातुधानकी अबहिंमातुमैंजातुलिवाई प्रभुआयसुनहिंरामदोहाई कछुकदिवसजननीधरुधीरा कपिन्हसहितऐहैंरघुबीरा निशिचरमारितुमहिंलैजैहैं तिहुंपुरनारदादियशगैहैं हैंसुतकपिसबतुम्हैंसमाना यातुधानभटअतिबलवाना मोरेहृदयपरमसंदेहा सुनिकपिप्रगटकीन्हनिजदेहा कनकभूधराकारशरीरा समरभयंकरअतिबलबीरा सीतामनभरोसतबभयेऊ पुनिलघुरूपपवनसुतलयेऊ ॥

दो०। सुनुमाताशाखामृगहि नहिंबलबुद्धिबिशाल प्रभुप्रतापतेगरुडहीं खाइपरमलघुव्याल ॥

चौ०। मनसन्तोषसुनतकपिबानी तनुअतिपुलककनयनढरुपानी भक्तिप्रतापतेजबलसानी आशिषदीन्हरामप्रियजानी अजरअमरगुणनिधिसुतहोहू करहुसदारघुनायकछोहू करहिंकृपाप्रभुअससुनिकाना निर्भरप्रेममगनहनुमाना बारबारनावहिंपदसीसा बोलेबचनजोरिकरकीसा अबकृतकृत्यभयेउंमैंमाता

आशिषलवअमोघबिख्याता सुनियमातुमोहिअतिशयभूखा लागिदेखिसुंदरफलरूखा सुनुसुतकरैं-
बिपिनरखवारी परमसुभटरजनीचरभारी तिनकरभयमातामोहिनाहीं जौतुमसुखमानहुमनमाहीं ॥

दो०। देखिबुद्धिबलनिपुणकपि कहाजानकीजाहु रघुपतिचरणहृदयधरि तातमधुरफलखाहु ॥

चौ०। चलानाइशिरपैठेउबागा फलखायेतरुतोरनलागा रहेतहांबहुभटरखवारे कछुमारेकछुजाइ-
पुकारे नाथएकआवाकपिभारी तेइअशोकबाटिकाउजारी खाएसिफलअरुबिटपउपारे रक्षकमर्दिमर्दि-
महिडारे सुनिरावणपठयेभटनाना तिन्हहिदेखिगरजाहनुमाना सबरजनीचरकपिसंहारे गये-
पुकारतकछुअधमारे पुनिपठवातेइअक्षयकुमारा चलासंगलैसुभटअपारा आवतदेखिबिटपगहितरजा
ताहिनिपातिमहाधुनिगरजा ॥

दो०। कछुमारेसिकछुमर्देसि कछुकमिलायेसिधूरि कछुपुनिजाइपुकारे प्रभुमर्कटबलभूरि ॥

चौ०। सुनिसुतबधलंकेशरिसाना पठवामेघनादबलवाना मारेसिजनिसुतबांधेसिताही देखांकीस-
कहांकरआही चलाइंद्रजितअतुलितयोधा बंधुनिधनसुनिउपजाक्रोधा कपिदेखादारुणभटआवा कटक-
टाइगरजाअरुधावा अतिबिशालतरुएकउपारा बिरथकीन्हलंकेशकुमारा रहेमहाभटताकेसंगा गहि-
गहिकपिमर्देसिनिजअंगा तिन्हेनिपातिताहिसनबाजा भिरेयुगलमानहुगजराजा मुष्टिकमारिचढातरुजाई
ताहिएकक्षणमूर्छाआई उठिबहोरिकीन्हेसिबहुमाया जीतिनजाइप्रभंजनजाया ॥

दो०। ब्रह्मअस्त्रतेइसाधेउ कपिमनकीन्हबिचार जौनब्रह्मशरमानहुं महिमामिटअपार ॥

चौ०। ब्रह्मबाणतेइकपिकहमारा परतिहुबारकटकसंहारा तेइजानाकपिमूर्छितभयऊ नागफांस-
बांधतलैगयऊ जासुनामजपिसुनहुभवानी भवबंधनकाटहिंनरज्ञानी तासुदूतबंधनतरआवा प्रभुकारज-
लगिआपुबंधावा कपिबंधनसुनिनिशिचरधाये कौतुकलागिसभालैआये दशमुखसभादीखकपिजाई
कहिनजाइकछुअतिप्रभुताई करजोरेसुरदिशिपबिनीता भृकुटिबिलोकहिंसकलसभीता देखिप्रतापन-
कपिमनशंका जिमिअहिगणमहंगरुडअशंका ॥

दो०। कपिहिबिलोकिदशानन बिहंसिकहेसिदुर्बाद सुतबधसुरतिकीन्हपुनि उपजाहृदयबिषाद ॥

चौ०। कहलंकेशकवनतैंकीसा केहिकेबलघालेसिबनखीसा कीधौंश्रवणसुनेसिनहिंमोहीं देखौंअति-
अशंकशठतोहीं मारेसिनिशिचरकेहिअपराधा कहुशठतुहिनप्राणकीबाधा सुनरावणब्रह्मांडनिकाया
पाइजासुबलबिरचतिमाया जाकेबलबिरंचिहरिईशा पालतहरतसृजतदशसीशा जाबलसीसधरेसहसानन
अंडकोशसमेतगिरिकानन धरेजोबिबिधदेहसुरत्राता तुमसेशठनशिखावनदाता हरकोदंडकठिनजेइ-
भंजा तेहिसमेतनृपदलमदगंजा खरदूषणबिराधअरुबाली बधेसकलअतुलितबलशाली ॥

दो०। जाकेबललवलेशतें जितेउचराचरझारि तासुदूतहौंजाहिको हरिआनेहुप्रियनारि ॥

चौ०। जानौंमैंतुम्हारिप्रभुताई सहसबाहुसनपरीलराई समरबालिसनकरियशपावा सुनिकपिबचन-
बिहंसिबहलावा खायेउंफलमोहिलागीभूखा कपिसुभावतेंतोरेउंरूखा सबकेदेहपरमप्रियस्वामी मारहिं-
मोहिकुमारगगामी जिन्हमोहिमारातेहिमैंमारा तेहिपरबांधेउतनयतुम्हारा मोहिनकछुबांधेकरलाजा
कीन्हचहौंनिजप्रभुकरकाजा बिनतीकरौंजोरिकररावन सुनहुमानतजिमोरशिखावन देखहुतुमनिज-

हृदयबिचारी भ्रमतजिभजहुभक्तभयहारी जाकेडरअतिकालडेराई जोसुरअसुरचराचरखाई तासोंबैरकबहुंनहिंकीजै मोरेकहेंजानकीदीजै ॥

दो०। प्रणतपालरघुबंशमणि करुणासिंधुखरारि गयेशरणप्रभुराखिहैं तवअपराधबिसारि ॥

चौ०। रामचरणपंकजउरधरहू लंकाअचलराजतुमकरहू ऋषिपुलस्तियशबिमलमयंका तेहिकुलमहंजनिहोसिकलंका रामनामबिनुगिरानसोहा देखुबिचारित्यागिमदमोहा बसनहीननहिंसोहसुरारी सबभूषणभूषितबरनारी रामबिमुखसंपतिप्रभुताई गईरहीपाईबिनुपाई सजलमूलजेहिसरितानाहीं बरषिगयेपुनितबहिंसुखाहीं सुनुदशकंठकहौंप्रणरोपी रामबिमुखत्रातानहिंकोपी शंकरसहसबिष्णुअजतोही शकहिंनराखिरामकरद्रोही ॥

दो०। मोहमूलबहुशूलप्रद त्यागहुमतिअभिमान भजहुरामरघुनायकहिं कृपासिंधुभगवान ॥

चौ०। यदपिकहीकपिअतिहितबानी भक्तिबिवेकबिरतिनयसानी बोलाबिहंसिअधमअभिमानी मिलाहमहिंकपिगुरुबडज्ञानी मृत्युनिकटआईखलतोही लागेसिअधमसिखावनमोही उलटाहोइकहहनुमाना मतिभ्रमतोरिप्रगटमैंजाना सुनिकपिबचनबहुतरिसिआना बेगिनहरहुमूढकरप्राना सुनतनिशाचरमारणधाये सचिवन्हसहितबिभीषणआये नाइसीसकरिबिनयबहूता नीतिबिरोधनमारियेदूता आनदंडकछुकरियगुसांई सबहींकहामंत्रभलभाई सुनतबिहंसिबोलादशकंधर अंगभंगकरिपठवहुबंदर ॥

दो०। कपिकरिममतापूंछपर सबहिंकहासमुझाइ तेलबोरिपटबांधिपुनि पावकदेहुलगाइ ॥

चौ०। पूंछहीनबंदरजबजाइहि तबशठनिजनाथहिंलैआइहि जिन्हकीकीन्हेसिअमितबडाई देखौंधौंतिन्हकीप्रभुताई बचनसुनतकपिमनमुसुकाना भईसहायशारदमैंजाना यातुधानसुनिरावणबचना लागेरचनमूढसोइरचना रहाननगरबसनघृततेला बाढीपूंछकीन्हकपिखेला कौतुककहंआयेपुरबासी मारहिंचरणकरहिंबहुहांसी बाजहिंढोलदेहिंसबतारी नगरफेरिपुनिपूंछप्रजारि पावकजरतदेखहनुमन्ता भयउपरमलघुरूपतुरन्ता निबुकिचढेपुनिकनकअटारी भईंसभीतनिशाचरनारी ॥

दो०। हरिप्रेरिततेहिअवसर बहेपवनउनचास अट्टहासकरिगरजा कपिबढिलागुअकास ॥

चौ०। देहबिशालपरमहरुआई मंदिरतेमंदिरचढिजाई जरैनगरभेलोगबिहाला लपटझपटबहुकोटिकराला तातमातुसबकरहिंपुकारा इहिअवसरकोहमहिंउबारा हमजोकहायहकपिनहिंहोई बानररूपधरेसुरकोई साधुअवज्ञाकरफलऐसा जरैनगरअनाथकरजैसा जारानगरनिमिषइकमाहीं एकबिभीषणकौगृहनाहीं जाकरभक्तअनलतेइसिरजा जरानसोतेहिकारणगिरिजा उलटिपलटिलंकाकपिजारी कूदिपरातबसिंधुमझारी ॥

दो०। पूंछबुझाईखोइश्रम धरिलघुरूपबहोरि जनकसुताकेआगे ठाढभयौकरजोरि ॥

चौ०। मातुमोहिदीजैकछुचीन्हा जैसेरघुनायकमोहिदीन्हा चूडामणिउतारितबदयऊ हरषसमेतपवनसुतलयऊ कहेहुतातअसमोरप्रणामा सबप्रकारप्रभुपूरणकामा दीनदयालबिरदसंभारी हरहुनाथममसंकटभारी तातशक्रसुतकथासुनायेहु बाणप्रतापप्रभुहिसमुझायेहु मासदिवसमहंनाथनआये तौपुनिमोहिजियतनहिंपाये कहुकपिकेहिबिधिराखौंप्राना तुमहूंतातकहतहहुजाना तुमहिंदेखिशीतलभइछाती पुनिमोकहंसोइदिनसोइराती ॥

दो०। जनकसुतहिंसमुझाइकरि बहुबिधिधीरजदीन्ह चरणकमलसिरनाइकरि गमनरामपहंकीन्ह ॥
चौ०। चलतमहाधुनिगरजेउभारी गर्भस्रवेउसुनिनिशिचरनारी नांघिसिंधुइहिपारहिंआवा शब्द-
किलकिलाकपिन्हसुनावा हर्षेसबबिलोकिहनुमाना नूतनजन्मकपिनतबजाना मुखप्रसन्नतनुतेजबिराजा
कीन्हेसिरामचंद्रकरकाजा मिलेसकलअतिभयेसुखारी तलफतमीनपावजनुबारी चलेहरषिरघुनायक-
पासा पूछतकहतनवलइतिहासा तबमधुबनभीतरसबआये अंगदसहितमधुरफलखाये रखवारेतब-
बरजनलागे मुष्टिप्रहारकरतसबभागे ॥

दो०। जाइपुकारेसकलते बनउजारयुवराज सुनिसुग्रीवहरषकपि करिआयेप्रभुकाज ॥
चौ०। जौनहोतसीतासुधिपाई मधुबनकेफलकोसकखाई इहिबिधिमनबिचारकरराजा आइगये-
कपिसहितसमाजा आइसबहिंनावापदसीशा मिलेसबन्हिअतिप्रेमकपीशा पूछेउकुशलकुशलपददेषी
रामकृपाभाकाजबिशेषी नाथकाजकीन्हउहनुमाना राखेसकलकपिन्हकरप्राना सुनिसुग्रीवबहुरिउठि-
मिलेऊ कपिन्हसहितरघुपतिपहंचलेऊ रामकपिन्हकहंआवतदेषा कियेकाजउरहरषबिशेषा फटिक-
शिलाबैठेद्वौभाई परेसकलकपिचरणनजाई ॥

दो०। प्रीतिसहितभेंटेसकल रघुपतिकरुणापुञ्ज पूछेउकुशलनाथअब कुशलदेखिपदकञ्ज ॥
चौ०। जामवन्तकहसुनुरघुराया जापरनाथकरहुतुमदाया ताहिसदाशुभकुशलनिरंतर सुरनरमुनि-
प्रसन्नतेहिऊपर सोबिजयीबिनयीगुणसागर तासुसुयशतिहुंलोकउजागर प्रभुकीकृपाभयउसबकाजू
जन्महमारसुफलभाआजू नाथपवनसुतकीन्हजोकरणी सोमुखलाखहुंजाइनबरणी पवनतनयकेचरित-
सुहाये जामवंतरघुपतिहिसुनाये सुनिकृपालउठिहृदयलगाये जानिसुभटरघपतिमनभाये कहहुतात-
केहिभांतिजानकी रहतिकरतिरत्नास्वप्राणकी ॥

दो०। नामपाहरुदिवसनिशि ध्यानतुम्हारकपाट लोचननिजपदयंत्रिका प्राणजांहिकेहिबाट ॥
चौ०। चलतीबारकह्यौमोहिटेरी सुरनिकरायशक्रसुतकेरी चलतमोहिचूडामणिदीन्ही रघुपतिहृदय-
लाइतेहिलीन्ही नाथयुगललोचनभरिबारी बचनकहेउकछुजनककुमारी अनुजसमेतगहेहुप्रभुचरणा
दीनबंधुप्रणतारतिहरणा मनक्रमबचनचरणअनुरागी केहिअपराधनाथमोहित्यागी अवगुणएकमोरमैं-
जाना बिछुरतप्राणनकीन्हपयाना नाथसोनयनन्हकरअपराधा निसरतप्राणकरहिंहठिबाधा बिरहअनल-
तनुतूलसमीरा स्वासजरैक्षणमांहशरीरा नयनस्रवैंजलनिजहितलागी जरैनपावदेहबिरहागी सीताको
अतिबिपतिबिशाला बिनहिंकहेभलदीनदयाला ॥

दो०। निमिषनिमिषकरुणायतन जाहिंकल्पशतबीति बेगिचलियप्रभुआनियै भुजबलखलदलजीति ॥
चौ०। सुनिसीतादुखप्रभुसुखअयना भरिआयेद्वौराजिवनयना बचनकायमनममगतिजाही सपनेहुं-
बिपतिकिचाहियताही कहहनुमानबिपतिप्रभुसोई जबतवसुमिरणभजननहोई केतिकबातप्रभुयातुधानकी
बेगिचलियआनियैजानकी सुनुकपितोहिसमानउपकारी नहिंकोउसुरनरमुनितनुधारी प्रतिउपकार-
करौंकातोरा सनमुखहोइनसकतमनमोरा सुनुकपितोहिउरिनमैंनाहीं देखेउंकरिबिचारमनमाहीं
पुनिपुनिकपिहिचितवसुरत्राता लोचननीरपुलकअतिगाता ॥

दो०। सुनिप्रभुवचनबिलोकिमुख हृदयहर्षहनुमन्त चरणपरेउप्रेमाकुल त्राहित्राहिभगवन्त ॥
चौ०। बारबारप्रभुचहतउठावा प्रेममगनतेहिउठननभावा प्रभुपदपंकजकपिकरसीसा सुमिरिसो-
दशामगनगौरीशा सावधानमनकरिपुनिशंकर लागेकहनकथाअतिसुंदर कपिउठायप्रभुहृदयलगावा
करगहिपरमनिकटबैठावा कहुकपिरावणपालितलंका केहिबिधिदहेउदुर्गअतिबंका प्रभुप्रसन्नजाना-
हनुमाना बोलेवचनबिगतअभिमाना शाखामृगकैबडिमनुसाई शाखातेंशाखापरजाई लांघिसिंधुहाटक-
पुरजारा निशिचरगणबधिबिपिनउजारा सोसबतवप्रतापरघुराई नाथनकछुकमोरिप्रभुताई ॥
दो०। ताकहंप्रभुकछुअगमनहिं जापरतुमअनुकूल तवप्रतापबडवानलहिं जारिसकैखलुतूल ॥
चौ०। सुनतबचनप्रभुबहुसुखमाना मनक्रमबचनदासनिजजाना मांगुबचनसुतबरअनुकूला देउंआजु-
तुमकहंसुखमूला नाथभक्तितवअनपावनी देहुकृपाकरिशिवमनभावनी सुनिप्रभुपरमसरलकपिबानी
एवमस्तुतबकहेउभवानी उमारामसुभावजिन्हजाना ताहिभजनतजिभावनआना यहसंवादजासुउरआवा
रघुपतिचरणभक्तितेइपावा सुनिप्रभुबचनकहेंकपिवृन्दा जयजयजयकृपालसुखकन्दा तबरघुपतिकपि-
पतिहिबुलावा कहाचलनकरकरहुबनावा अबबिलंबकेहिकारणकीजै तुरतकपिन्हकहंआयसुदीजै
कौतुकदेखिसुमनबहुबरषे नभतेभवनचलेसुरहरषे ॥
दो०। कपिपतिबेगिबुलायेउ आयेयूथपयूथ नानाबरणअतुलबल बानरभालुबरूथ ॥
चौ०। प्रभुपदपंकजनावहिंसीसा गरजहिंभालुमहाबलकीसा देखीरामसकलकपिसेना चितवकृताकरि-
राजिवनयना रामकृपाबलपाइकपिंदा भयेपक्षयुतमनहुंगिरिंदा हरषिरामतबकीन्हपयाना शगुनभये-
सुंदरशुभनाना जासुसकलमंगलमयनीती तासुपयानशगुनयहरीती प्रभुपयानजानावैदेही फरके-
बामअंगशुभतेही जोजोशगुनजानकिहिहोई अशगुनभयेउरावणहिसोई चलाकटककोबरणैपारा
गरजहिंबानरभालुअपारा नखआयुधगिरिपादपधारी चलेगगनमहिइच्छाचारी केहरिनादभालुकपि-
करहीं डगमगमहिदिग्गजचिक्करहीं ॥
छं०। चिक्करहिंदिग्गजडोलमहिगिरिकोलसागरखरभरे मनहरषदिनकरसोमसुरमुनिनागकिन्नरदुखटरे ॥
कटकटहिंमरकटबिकटभटबहुकोटिकोटिन्हधावहीं जयरामप्रबलप्रतापकोशलनाथगुणगणगावहीं
सकसहिनभारअपारअहिपतिबारबारबिमोहई गहिदशनपुनिपुनिकमठपीठिकठोरसोकिमिसोहई ॥
रघुबीररुचिरपयानप्रस्थितिजानिपरमसुहावनी जनुकमठखप्परसर्पराजसोलिखतअबिचलपावनी ॥
दो०। इहिबिधिजाइकृपानिधि उतरेसागरतीर जहंतहंलागेखानफल भालुबिपुलकपिबीर ॥
चौ०। उहांनिशाचररहहिंसशंका जबतेंजारिगयउकपिलंका निजनिजगृहसबकरैंबिचारा नहिं-
निशिचरकुलकेरउबारा जासुदूतबलबरणिनजाई तेहिआयेपुरकवनिभलाई अतिसभीतसुनिपुरजनबानी
मन्दोदरीहृदयअकुलानी रहसिजोरिकरपतिपदलागी बोलीबचननीतिरसपागी कन्तकर्षहरिसनपरि-
हरहू मोरकहाअतिहितचितधरहू समुझतजासुदूतकीकरणी स्रवहिंगर्भरजनीचरघरणी तासुनारिनिज-
सचिवबुलाई पठवहुकन्तजोचहहुभलाई तवकुलकमलबिपिनदुखदाई सीताशीतनिशासमआई सुनहु-
नाथसीताबिनुदीन्हे हितनतुम्हारशंभुअजकीन्हे ॥

दो०। रामबाणअहिगणसरिस निकरनिशाचरभेक जौलगिग्रसतननबहिलगि यतनकरहुतजिटेक॥

चौ०। श्रवणसुनतशठताकरिबानी बिहंसाजगतबिदितअभिमानी सभयसुभावनारिकरसांचा मंगल-
मांहअमंगलरांचा जौआवैमरकटकटकाई जियहिंबिचारेनिशिचरखाई कंपहिंलोकपजाकेत्रासा तासु-
नारिसभीतबडिहासा असकहिबिहंसिताहिउरलाई चलेउसभाममताअधिकाई मन्दोदरीहृदयकर-
चिंता भयोकन्तपरबिधिबिपरीता बैठेउसभाखबरिअसिपाई सिंधुपारसेनासबआई बूझेसिसचिवउचित-
मतकहहू तेसबहंसेमौनकरिरहहू जितेहुसुरासुरतबश्रमनाहीं नरबानरकेहिलेखेमाहीं॥

दो०। सचिववैद्यगुरुतीनिजौ प्रियबोलहिंप्रभुत्रास राजधर्मतनुतीनिकर होइबेगिहींनाश॥

चौ०। सोइरावणकहंबनीसहाई अस्तुनिकरहिंसुनायसुनाई अवसरजानिबिभीषणआवा भ्राताचरण-
सीसतेहिंनावा पुनिसिरनाइबैठिनिजआसन बोलाबचनपाइअनुशासन जौकृपालुपूंछेहुमोहिबाता मति-
अनुरूपकहबमैंताता जौआपनचाहहुकल्याना सुयशसुमतिशुभगतिसुखनाना तौपरनारिलिलारगुसाईं
तजौचौथिचंदाकीनाईं चौदहभुवनएकपतिहोई भूतद्रोहतिष्ठैनहिंसोई गुणसागरनागरनरजोऊ
अलपलोभभलकहैनकोऊ॥

दो०। कामक्रोधमदलोभसब नाथनरककरपंथ सबपरिहरिरघुबीरपद भजहुकहहिंसद्ग्रंथ॥

चौ०। तातरामनहिंनरभूपाला भुवनेश्वरकालहुकेकाला ब्रह्मअनामयअजभगवन्ता व्यापकअजित-
अनादिअनन्ता गोद्विजधेनुदेवहितकारी कृपासिंधुमानुषतनुधारी जनरञ्जनगञ्जनखलब्राता वेदधर्म-
रक्षकसुरत्राता ताहिबैरतजिनाइयमाथा प्रणतारतिभंजनरघुनाथा देहुनाथप्रभुकहंबैदेही भजहुराम-
बिनुकामसनेही शरणगयेप्रभुताहुनत्यागा बिश्वद्रोहकृतअघजेहिलागा जासुनामत्रयतापनशावन सोइ-
प्रभुप्रगटसमुझजियरावन॥

दो०। बारबारपदलागौं बिनयकरौंदशसीस परिहरिमानमोहमद भजहुकोशलाधीश॥
मुनिपुलस्तिनिजशिष्यसन कहिपठईयहबात तुरतसोमैंतुमसनकही पाइसुअवसरतात॥

चौ०। मालवंतअतिसचिवसयाना तासुबचनसुनिअतिसुखमाना तातअनुजतवनीतिबिभूषण सोउर-
धरहुजोकहतबिभीषण रिपुउतकरषकहतशठदोऊ दूरिनकरहुइहांतेकोऊ मालवंतगृहगयेउबहोरी
कहेउबिभीषणपुनिकरजोरी सुमतिकुमतिसबकेउररहई नाथपुराणनिगमअसकहई जहांसुमतितहं-
संपतिनाना जहांकुमतितहंबिपतिनिदाना तबउरकुमतिबसीबिपरीती हितअनहितजाननरिपुप्रीती काल-
रात्रिनिशिचरकुलकेरी तेहिसीतापरप्रीतिघनेरी॥

दो०। तातचरणगहिमागौं राखहुमोरदुलार सीतादेहुरामकहं अतिहितहोइतुम्हार॥

चौ०। बुधपुराणश्रुतिसंमतबानी कहीबिभीषणनीतिबखानी सुनतदशाननउठारिसाई खलतोहिमृत्यु-
निकटचलिआई जियसिसदाशठमोरजियावा रिपुकरपक्षसदातोहिभावा कहसिनखलअसकोजगमाहीं
भुजबलजेहिजीतेहमनाहीं ममपुरबसितपसीसनप्रीती शठमिलुजाइताहिकहुनीती असकहिकीन्हेसि-
चरणप्रहारा अनुजगहेपदबारहिंबारा उमासंतकैइहैबडाई मंदकरतजोकरैभलाई तुमपितुसरिसभले-
मोहिमारा रामभजेहितहोइतुम्हारा सचिवसंगलैनभपथगयेऊ सबहिंसुनाइकहतअसभयेऊ॥

दो०। रामसत्यसंकल्पप्रभु सभाकालबशतोरि मैंरघुनायकशरणअब जाउंदेहुजनिखोरि ॥
चौ०। असकहिचलाबिभीषणजबहीं आयुहीनभेनिशिचरतबहीं साधुअवज्ञातुरतभवानी करकल्याण-
अखिलकरहानी रावणजबहिंबिभीषणत्यागा भयेबिभवबिनुतबहिंअभागा चलेउहरषिरघुनायकपाहीं
करतमनोरथबहुमनमाहीं देखिहौंजाइचरणजलजाता अरुणमृदुलसेवकसुखदाता जेपदपरसितरी-
ऋषिनारी दंडककाननपावनकारी जेपदजनकसुताउरलाये कपटकुरंगसंगधरधाये हरउरसरसरोज-
पदजोई अहोभाग्यमैंदेखबसोई ॥

दो०। जिनपायनकरपादुका भरतरहेमनलाइ तेपदआजुबिलोकिहौं इननयननअबजाइ ॥
चौ०। इहिबिधिकरतसप्रेमबिचारा आयेउसपदिसिंधुकेपारा कपिन्हबिभीषणआवतदेषा जानेउकोउ-
रिपुदूतबिशेषा ताहिराखिकपिपतिपहंआये समाचारसबजाइसुनाये कहसुग्रीवसुनियरघुराई आवा-
मिलनदशाननभाई कहप्रभुसखाबूझियेकाहा कहेकपीशसुनहुनरनाहा जानिनजाइनिशाचरमाया
कामरूपकेहिकारणआया भेदहमारलेनशठआवा राखियबांधिमोहिअसभावा सखानीतितुमनीकि-
बिचारी ममप्रणशरणागतभयहारी सुनिप्रभुबचनहर्षहनुमाना शरणागतबत्सलभगवाना ॥

दो०। शरणागतकहंजेतजहिं निजअनहितअनुमानि तेनरपामरपापमय तिनहिबिलोकतहानि ॥
चौ०। कोटिबिप्रबधलागहिंजाहू आयेशरणतजौंनहिंताहू सन्मुखहोइजीवमोहिजबहीं जन्मकोटि-
अघनाशौंतबहीं पापवन्तकरसहजसुभाऊ भजनमोरतेहिभावनकाऊ जौपैदुष्टहृदयसोहोई मोरे-
सन्मुखआवकिसोई निर्मलमनजनसोमोहिपावा मोहिकपटछलछिद्रनभावा भेदलेनपठवादशसीसा
तबहुंनकछुभयहानिकपीसा जगमहंसखानिशाचरजेते लक्ष्मणहनहिंनिमिषमहंतेते जौसभीतआवा-
शरणाई रखिहौंताहिप्राणकीनाई ॥

दो०। उभयभांतितेहिआनहु हंसिकहकृपानिधान जयकृपालुकहिकपिचले अंगदादिहनुमान ॥
चौ०। सादरतेहिआगेकरिवानर चलेजहांरघुपतिकरुणाकर दूरिहितेदेखेद्वौभ्राता नयनानन्ददान-
केदाता बहुरिरामछबिधामबिलोकी रहासोठाढनयनपलरोकी भुजप्रलंबकंजारुणलोचन श्यामलगात-
प्रणतभयमोचन सिंहकंधआयतउरसोहा आननअमितमदनछबिमोहा नैननीरपुलकितअतिगाता
मनधरिधीरकहीमृदुबाता निशिचरवंशजनमसुरत्राता नाथदशाननकरमैंभ्राता सहजपापप्रियतामस-
देहा यथाउलूकहितमपरनेहा ॥

दो०। श्रवणसुयशसुनिआयेउं प्रभुभंजनभवभीर त्राहित्राहिआरतिहरण शरणसुखदरघुबीर ॥
चौ०। असकहिकरतदंडवतदेषो तुरतउठेप्रभुहर्षबिशेषो दीनबचनसुनिप्रभुमनभावा भुजबिशालगहि-
हृदयलगावा अनुजसहितमिलिढिगबैठारी बोलेबचनभक्तभयहारी कहुलंकेशसहितपरिवारा कुशल-
कुठाहरबासतुम्हारा खलमंडलीबसहुदिनराती सखाधर्मनिबहैकेहिभांती मैंजानौंतुम्हारिसबरीती
अतिनयनिपुणनभावअनीती बरुभलबासनरककरताता दुष्टसंगजनिदेहिबिधाता अबपददेखिकुशल-
रघुराया जौतुमकीन्हजानिजनदाया ॥

दो०। तबलगिकुशलनजीवकहं सपनेहुंमनबिश्राम जबलगिभजतनरामकहं शोकधामतजिकाम ॥

चौ०। तबलगिहृदयबसतखलनाना लोभमोहमत्सरमदमाना अबलगिउरनबसतरघुनाथा धरेचाप-शायककटिभाथा ममतातिमिरतरुणअंधियारी रागद्वेषउलूकसुखकारी तबलगिबसतजीवउरमाहीं जब-लगिप्रभुप्रतापरविनाहीं अबमैंकुशलमिटेभयभारे देखिरामपदकमलतुम्हारे तुमकृपालुजापरअनुकूला ताहिनव्यापत्रिबिधभवशूला मैंनिशिचरअतिअधमसुभाऊ शुभआचरणकीन्हनहिंकाऊ जासुरूपमुनि-ध्याननआवा सोप्रभुहरषिहृदयमोहिलावा॥

दो०। अहोभाग्यममअमितअति रामकृपासुखपुञ्ज देखेउंनयनबिरंचिशिव सेव्ययुगलपदकञ्ज॥

चौ०। सुनहुसखानिजकहउंसुभाऊ जानभुशुण्डिशंभुगिरिजाऊ जोनरहोइचराचरद्रोही आवैसभय-शरणतकिमोही तजिमदमोहकपटछलनाना करौंसखातेहिसाधुसमाना जननीजनकबंधुसुतदारा तनधनभवनसुहृदपरिवारा सबकेममतातागबटोरी ममपदमनहिबांधिबटिडोरी समदरशीइच्छाकछु-नाहीं हर्षशोकभयनहिंमनमाहीं असस्ज्जनममउरबसकैसे लोभीहृदयबसतधनजैसे तुमसारिखेसंत-प्रियमोरे धरौंदेहनहिंआननिहोरे॥

दो०। सगुणउपासकपरमहित निरतनीतिदृढनेम तेनरप्राणसमानमोहि जिनकेद्विजपदप्रेम॥

चौ०। सुनुलंकेशसकलगुणतोरे तातेतुमअतिशयप्रियमोरे रामबचनसुनिबानरयूथा सकलकहहिं-जयकृपाबरूथा सुनतबिभीषणप्रभुकरिबानी नहिंअघातश्रवणामृतजानी पदअंबुजगहिबारहिंबारा हृदय-समातनप्रेमअपारा सुनियेदेवचराचरस्वामी प्रणतपालउरअंतरजामी उरकछुप्रथमबासनारहेऊ प्रभु-पदप्रीतिसरितसोबहेऊ अबकृपालनिजभक्तिपावनी देहुदयाकरिशिवमनभावनी एवमस्तुप्रभुकहिरण-धीरा मांगातुरतसिंधुकरनीरा यदपिसखातोहिइच्छानाहीं ममदरशनअमोघजगमाहीं असकहिराम-तिलकतेहिसारा सुमनवृष्टिनभभयउअपारा॥

दो०। रावणक्रोधअनलनिज स्वाससमीरप्रचण्ड जरतबिभीषणराखेऊ दीन्हेउराजअखण्ड॥
जोसंपतिशिवरावणहि दीन्हदियेदशमाथ सोसंपदाबिभीषणहि सकुचिदीन्हरघुनाथ॥

चौ०। असप्रभुछांडिभजहिंजेआना तेनरपशुबिनुपूंछबिषाना निजजनजानिताहिअपनावा प्रभुसुभाव-कपिकुलमनभावा पुनिसरबज्ञसर्बउरबासी सर्बरूपसबरहितउदासी बोलेबचननीतिप्रतिपालक कारण-मनुजदनुजकुलघालक सुनुकपीशलंकापतिबीरा केहिबिधितरियजलधिगंभीरा संकुलउरगमकरझष-जाती अतिअगाधदुस्तरसबभांती कहलंकेशसुनहुरघुनायक कोटिसिंधुशोषकतवशायक यद्यपितदपि-नीतिअसिगाई बिनयकरियसागरपहंजाई॥

दो०। प्रभुतुम्हारकुलगुरुजलधि कहहिंउपायबिचारि बिनुप्रयाससागरतरहिं सकलभालुकपिधारि॥

चौ०। सखाकहीतुमनीकिउपाई करबदैवजोहोइसहाई मंत्रनयहलक्ष्मणमनभावा रामबचनसुनि-अतिदुखपावा नाथदैवकरकवनभरोसा शोषियसिंधुकरियमनरोसा कादरमनकरएकअधारा दैवदैव-आलसीपुकारा सुनतबिहंसिबोलेरघुबीरा ऐसेइकरबधरहुमनधीरा असकहिप्रभुअनुजहिसमुझाई सिंधुसमीपगयेरघुराई प्रथमप्रणामकीन्हप्रभुजाई बैठेतटपुनिदर्भडसाई जबहिंबिभीषणप्रभुपहंआवा पाछेरावणदूतपठावा॥

दो०। सकलचरितनिह्विंदेखेउ धरेकपटकपिदेह प्रभुगुणहृदयसराहिअनि शरणागतपरनेह ॥
चौ०। प्रगटबखानतरामसुभाऊ अतिसप्रेमगाविसरिदुराऊ रिपुकादूतकपिन्हजबजाना ताहिबांधि-
कपिपतिपहंआना कहसुग्रोवसुनहुसबबनचर अंगभंगकरिपठवहुनिशिचर सुनिसुग्रीवबचनकपिधाये
बांधिकटकचहुंपासफिराये बहुप्रकारमारणकपिलागे दीनपुकारततदपिनत्यागे जोहमारहरनासाकाना
तेहिकोशलाधीशकरआना सुनिलक्ष्मणतेहिनिकटबुलाये दयालागिहंसिदीन्हछुडाये रावणकरदीन्हेहु-
यहपाती लक्ष्मणबचनबांचुकुलघाती ॥
दो०। कहेहुमुखागरमूढसन ममसंदेशउदार सीतादेइमिलहुनतो आवाकालतुम्हार ॥
चौ०। तुरतनाइलक्ष्मणपदमाथा चलादूतबरणतगुणगाथा कहतरामयशलंकाआवा रावणचरणसीस-
तिहिंनावा बिहंसिदशाननपूछेसिबाता कहसिनशुकआपनिकुशलाता पुनिकहुकुशलबिभीषणकेरी
जासुमृत्युआईअतिनेरी करतराजलंकाशठत्यागा होइहियवकरकोटअभागा पुनिकहुभालुकीसकटकाई
कठिनकालप्रेरितचलिआई तिन्हकेजीवनकररखवारा भयउमृदुलचितसिंधुबिचारा कहुतपसिन्हकरि-
बातबहोरी जिन्हकेहृदयत्रासबडिमोरी ॥
दो०। भईभेंटकीफिरिगये श्रवणसुयशसुनिमोर कहसिनरिपुदलतेजबल कसचकितचिततोर ॥
चौ०। नाथकृपाकरिपूछेहुजैसे मानेहुबचनक्रोधतजितैसे मिलाजाइजबअनुजतुम्हारा जातहिराम-
तिलकतेहिसारा रावणदूतहमहिसुनिकाना कपिन्हबांधिदीन्हेदुखनाना श्रवणनासिकाकाटनलागे
रामशपथदीन्हीतबत्यागे पूछेहुनाथकीसकटकाई बदनकोटिशतबरणिनजाई नानाबरणभालुकपिधारी
बिकटाननबिशालभयकारी जेइपुरदहेउबधेउसुततोरा सकलकपिन्हमहंतेहिबलथोरा अमितनामभट-
कठिनकराला बिपुलबरणतनुतेजबिशाला ॥
दो०। द्विबिदमयंदनीलनल अंगदादिबिकटासि दधिमुखकेहरिकुमुदगव जामवन्तबलराशि ॥
चौ०। येकपिसबसुग्रोवसमाना इन्हसमकोटिगणैकोआना रामकृपाअतुलितबलतिनहीं तृणसमान-
त्रयलोकहिगिनहीं असमैंश्रवणसुनादशकंधर पदुमअठारहयूथपबंदर नाथकटकमहंसोकपिनाहीं
जोनतुमहिंजोतैरणमाहीं परमक्रोधमोंजहिंसबहाथा आयसुपैनदेहिंरघुनाथा शोषहिंसिंधुसहितझष-
व्याला पुरहिंनतौभरिकुधरबिशाला मर्दिगर्दमिलवहिदशसीसा ऐसेबचनकहहिंसबकीसा गरजहिं-
तरजहिंसहजअशंका मानहुंग्रसनचहतअबलंका ॥
दो०। सहजशूरकपिभालुसब पुनिशिरपरश्रीराम रावणकालकोटिकहं जीतिसकहिंसंग्राम ॥
चौ०। रामतेजबलबुधिबिपुलाई शेषसहसशतसकहिंनगाई सकशरएकशोषिशतसागर तवभ्रातहि-
पूछेउनयनागर तासुबचनसुनिसागरपाहीं मांगतपंथकृपामनमाहीं सुनतबचनबिहंसादशसीसा जौं-
असिमतिसहायकृतकीसा सहजभीरुकरिबचनदृढाई सागरसनठानीमचलाई मूढमृषाकाकरसिबडाई
रिपुबलबुद्धिथाहमैंपाई सचिवसभीतबिभीषणजाके बिजयबिभूतिकहांलगिताके सुनिखलबचनदूतरिस-
बाढी समयबिचारिपत्रिकाकाढी रामअनुजदीन्हीयहपाती नाथबंचाइजुडावहुछाती बिहंसिबामकर-
लीन्हेसिरावण सचिवबोलिशठलागुबंचावन ॥

दो०। बातन्हमनहिरिझाइशठ जनिघालसिकुलखीस   रामबिरोधनउबरिहु शरणविष्णुअजईश ॥
छोउमानतजिअनुजइव प्रभुपदपंकजभृङ्ग   होहिंरामशरअनलखल जनिकुलसहितपतङ्ग ॥
चौ०। सुनतसभयमनमुखमुसुकाई कहतदशाननसबहिसुनाई भूमिपराकरगहतअकासा लघुतापस-
करबाकबिलासा कहशुकनाथसत्यसबबानी समुझहुछाडिप्रकृतिअभिमानी सुनहुबचनममपरिहरिक्रोधा
नाथरामसनतजहुबिरोधा अतिकोमलरघुबीरसुभाऊ यद्यपिअखिललोककरराऊ मिलतकृपाप्रभुतुम-
परकरिहैं उरअपराधनएकौधरिहैं जनकसुतारघुनाथहिदीजै इतनाकहामोरप्रभुकीजै जबतेइदेनकहेउ-
बैदेही चरणप्रहारकीन्हशठतेही चरणनाइसिरचलासोतहां कृपासिंधुरघुनायकजहां करिप्रणामनिज-
कथासुनाई रामकृपाआपनिगतिपाई ऋषिअगस्तिकरशापभवानी राक्षसभयारहामुनिज्ञानी बंदिराम-
पदबारहिंबारा पुनिनिजआश्रमकहंपगुधारा ॥
दो०। बिनयनमानतजलधिजड गएतीनिदिनबीति   बोलेरामसकोपतब भयबिनुहोयनप्रीति ॥
चौ०। लक्ष्मणबाणशरासनआनू शोषौंबारिधिबिशिखकृशानू शठसनबिनयकुटिलसनप्रीती सहजकृपण-
सनसुंदरिनीती ममतारतसनज्ञानकहानी अतिलोभीसनबिरतिबखानी क्रोधिहिशमकामिहिहरिकथा
ऊषरबीजबयेफलयथा असकहिरघुपतिचापचढावा यहमतलक्ष्मणकेमनभावा संधानेउधनुबिशिख-
कराला उठीउदधिउरअंतरज्वाला मकरउरगझषगणअकुलाने जरतजंतुजलनिधिजबजाने कनक-
थारभरिमणिगणनाना बिप्ररूपआयेतजिमाना ॥
दो०। काटेपैकदलीफरै कोटियतनकोउसींच   बिनयनमानखगेशसुनु डांटेहिपैनवनीच ॥
चौ०। सभयसिंधुगहिपदप्रभुकेरे छमहुनाथसबअवगुणमेरे गगनसमीरअनलजलधरणी इनकी-
नाथसहजजडकरणी तवप्रेरितमायाउपजाये सृष्टिहेतुसबग्रंथनगाये प्रभुआयसुजेहिकहंजसअहहीं
सोतेहिभांतिरहेसुखलहहीं प्रभुभलकीन्हमोहिसिखदीन्ही मर्य्यादासबतुम्हरीकीन्ही ढोलगंवारशूद्रपशु-
नारी येसबताडनकेअधिकारी प्रभुप्रतापमैंजावसुखाई उतरिहकटकनमोरिबडाई प्रभुआज्ञाअपेलश्रुति-
गाई करहुबेगिजोतुमहिसोहाई ॥
दो०। सुनतबिनीतबचनअति कहकृपालुमुसुकाइ   जेहिबिधिउतरैकपिकटक तातसोकरहुउपाइ ॥
चौ०। नाथनीलनलकपिद्वौभाई लरिकाईऋषिआशिषपाई तिनकेपरसकियेगिरिभारे तरिहहिंजलधि-
प्रतापतुम्हारे मैंपुनिउरधरिप्रभुप्रभुताई करिहौंबलअनुमानसहाई इहिबिधिनाथपयोधिबंधाइय जिहि-
अससुयशलोकतिहुंगाइय इहिशरममउत्तरतटबासी हतहुनाथनरखलअघराशी सुनिकृपालुसागर-
मनपीरा तुरतहिहरीरामरणधीरा देखिरामबलअतुलितभारी हरषिपयोनिधिभयौसुखारी सकल-
चरितकहिप्रभुहिसुनावा चरणबंदिपाथोधिसिधावा ॥
छं०। निजभवनगवनेउसिंधुश्रीरघुबीरहियमनभायऊ यहचरितकलिमलहरणजसमतिदासतुलसीगायऊ।
सुखभवनसंशयदमनशमनबिषादरघुपतिगुणगना तजिआशसकलभरोसगावहिंसुनहिंसज्जनशुचिमना।
दो०। सकलसुमंगलदायक रघुनायकगुणगान   सादरसुनहिंतेतरहिंभव सिंधुबिनाजलयान ॥
इति श्रीरामचरितमानसे तुलसीकृतसुंदरकाण्डः पञ्चमः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु ॥

अथ लंकाकाण्ड।

श्लोक।

शंखेन्द्राभमतीव सुन्दरतनुं शार्दूलचर्म्माम्बरं कालव्यालकरालभूषणधरं गङ्गा शशाङ्कप्रियं काशीशं कलिकल्मषौघशमनं कल्याणकल्पद्रुमं नौमीड्यं गिरिजापतिं गुणनिधिं श्रीशङ्करं कामदं॥ १॥ यो ददाति सतां शम्भुः कैवल्यमपि दुर्लभं खलानां दण्डकृद् योऽसा शङ्करः शन्तनोतु मे॥ २॥ रामं कामारिसेव्यं भवभयहरणं कालमत्तेभसिंहं योगीन्द्रं ध्यानगम्यं गुणनिधिमजितं निर्गुणं निर्विकारम् मायातीतं सुरेशं खलबधनिरतं ब्रह्मवृन्दैकदेवं वन्देकुन्दावदातं सरसिजनयनं देवमूर्वीशरूपम्॥ ३॥

दो०। लवनिमेषपरमाणुयुग बर्षकल्पशरचंड भजसिनमनतेहिरामकहं कालजासुकोदंड॥

सो०। सिंधुबचनसुनिराम सचिवबोलिप्रभुअसकहेउ अबबिलंबकेहिकाम करहुसेतुउतरैकटक॥

सुनहुभानुकुलकेतु जामवन्तकरजोरिकह नाथनामतवसेतु नरचढिभवसागरतरहिं॥

चौ०। यहलघुजलधितरतकतबारा असमुनिपुनिकहपवनकुमारा प्रभुप्रतापबडवानलभारी शोषेउप्रथमपयोनिधिबारी तवरिपुनारिरुदनजलधारा भस्नौबहोरिभयौतेहिखारा सुनिअसउक्तिपवनसुतकेरी बिहंसेरघुपतिकपितनहेरी जामवन्तबोलेदोभाई नलनीलहिसबकथासुनाई रामप्रतापसुमिरिउरमाहीं करहुसेतुप्रयासकछुनाहीं बोलिलियेकपिनिकरबहोरी सकलसुनहुबिनतीइकमोरी रामचरणपंकजउरधरहू कौतुकएकभालुकपिकरहू धावहुमर्कटबिकटबरुथा आनहुबिटपगिरिनकेयूथा सुनिकपिभालुचलेकरिहूहा जयरघुबीरप्रतापसमूहा॥

दो०। अतिउतंगतरुशैलगण लीलहिलेहिंउठाइ आनिदेहिंनलनीलकहं बिरचहिंसेतुबनाइ॥

चौ०। शैलबिशालआनिकपिदेहीं कंदुकइवनलनीलसोलेहीं देखिसेतुअतिसुंदररचना बिहंसिकृपानिधिबोलेबचना परमरम्यसुंदरियहधरणी महिमाअमितजाइनहिंबरणी करिहौंइहांशंभुथापना मोरेहृदयेपरमकल्पना सुनिकपीशबहुदूतपठाये मुनिबरनिकरबोलिलैआये लिंगथापिबिधिवतकरिपूजा शिवसमानप्रियमोहिनदूजा शिवद्रोहीममदासकहावै सोनरसपनेहुमोहिनपावै शंकरबिमुखभक्तिचहमोरी सोनरमूढमंदमतिथोरी॥

दो०। शंकरप्रियममद्रोही शिवद्रोहीममदास तेनरकरहिंकल्पभरि घोरनरकमहंबास॥

चौ०। जोरामेश्वरदरशनकरिहैं सोतनुतजिममधामसिधरिहैं जोगंगाजलआनिचढाइहि सोसायुज्यमुक्तिनरपाइहि होइअकामजोछलतजिसेइहि भक्तिमोरितिहिशंकरदेइहि ममकृतसेतुजुदरशनकरिहैं सोबिनुश्रमभवसागरतरिहैं रामबचनसबकेमनभाये मुनिबरनिजनिजआश्रमआये गिरिजारघुपतिकीयहरीती संततकरहिंप्रणतपरप्रीती बांधेउसेतुनीलनलनागर रामकृपायशभयउउजागर बूडहिंआनहिबोरहिंजेई भयेउपलबोहितसमतेई महिमायहनजलधिकीबरणी पाहनगुणनकपिनकीकरणी॥

दो०। श्रीरघुबीरप्रतापतें सिंधुतरैपाषान तेमतिमंदजोरामतजि भजहिंजाइप्रभुआन॥

चौ०। बांधिसेतुअतिसुदृढबनावा देखिकृपानिधिकेमनभावा चलीसेनकछुबरणिनजाई गरजहिं-
मरकटभटसमुदाई सेतुबंधढिगचढिरघुराई चितवकृपालुसिंधुबहुताई देखनकहंप्रभुकरुणाकन्दा
प्रगटभयेसबजलचरवृन्दा नानामकरनक्रझषव्याला शतयोजनतनुपरमविशाला ऐसेएकतिनहिंधरिखाहीं
एकनिकेडरएकपराहीं प्रभुहिविलोकहिंटरहिंनटारे मनहरषितसबभयेसुखारे तिनकीओटनदेखिय-
बारी मगनभयेहरिरूपनिहारी चलीकटकप्रभुआयसुपाई कोकहिसककपिदलबिपुलाई ॥

दो०। सेतुबंधभइभीरअति कपिनभपंथउडाहिं अपरजलचरनिउपरचढि बिनुश्रमपारहिंजाहिं ॥

चौ०। यहकौतुकबिलोकिदोभाई बिहंसिचलेकृपालुरघुराई सेनसहितउतरेरघुबीरा कहिनजात-
कछुयूथपभीरा सिंधुपारप्रभुडेराकीन्हा सकलकपिनकहंआयसुदीन्हा खाहुजाइफलमूलसुहाये सुनत-
भालुकपिजहंतहंधाये सबतरुफरेरामहितलागी ऋतुअनऋतुहिकालगतित्यागी खाहिंमधुरफलबिटप-
हिलावहिं लंकासन्मुखशिखरचलावहिं जहंकहुंफिरतनिशाचरपावहिं घेरिसकलमिलिनाचनचावहिं
दशननकाटिनासिकाकाना कहिप्रभुसुयशदेहिंतबजाना जिनकरनासाकाननिपाता तेइरावणहिकही-
सबबाता सुनतश्रवणवारिधिबंधाना दशमुखबोलिउठाअकुलाना ॥

दो०। बांधेउजलनिधिनीरनिधि जलधिसिंधुवारीश सत्यतोयनिधिपंकनिधि उदधिपयोधिनदीश ॥

चौ०। व्याकुलतानिजसमुझिबहोरी बिहंसिचलागृहकरिभयभोरी मन्दोदरीसुनाप्रभुआये कौतुकही-
पाथोधिबंधाये करगहिपतिहिभवननिजआनी बोलीपरममनोहरबानी चरणनाइसिरअंचलरोपा सुनहु-
बचनपियपरिहरिकोपा नाथबैरकोजैताहीसों बुधिबलजोतिसकियजाहीसों तुमहिंरघुपतिहिंअंतरकैसा
खलुखद्योतदिवाकरजैसा अतिबलमधुकैटभजिनमारा महाबीरदितिसुतसंहारा जेइबलिबांधिसहस-
भुजमारा सोअवतरेउहरणमहिभारा तासुबिरोधनकीजियनाथा कालकर्मगुणजिनकेहाथा ॥

दो०। रामहिंसौंपहुजानकी नाइकमलपदमाथ सुतकहंराजदेइबन जाइभजहुरघुनाथ ॥

चौ०। नाथदीनदयालरघुराई बाघौसन्मुखगयेनखाई चाहिकरणसोसबकरिबीते तुमसुरअसुर-
चराचरजीते वेदकहहिंअसनीतिदशानन चौथेपनहिजायन्टपकानन तासुभजनकीजैतहांभर्त्ता जो-
कर्त्तापालनसंहर्त्ता सोइरघुबीरप्रणतअनुरागी भजहुनाथममतामदत्यागी मुनिवरयतनकरहिंजेहिलागी
भूपराजतजिहोहिंबिरागी सोइकोशलाधीशरघुराया आयेकरणतोहिपरदाया जोपियमानहुमोर-
सिखावन होइहिसुयशतिहुंपुरपावन ॥

दो०। असकहिलोचनबारिभरि गहिपदकंपितगात नाथभजहुरघुनाथपद ममअहिवातनजात ॥

चौ०। तबरावणमयसुताउठाई कहैलागुखलनिजप्रभुताई सुनुतैंप्रियामृषाभयमाना जगयोधाकोमोहि-
समाना बरुणकुबेरपवनयमकाला भुजबलजितेसकलदिगपाला देवदनुजनरसबबशमोरे कवनहेतु-
उपजाभयतोरे नानाविधितेहिकहिसमुझाई सभाबहोरिबैठुसोजाई मन्दोदरीहृदयअसजाना काल-
बिवशउपजाअभिमाना सभाजाइमंत्रिनसोंबूझा करियकवनिबिधिरिपुसनजूझा कहहिंसचिवसुनुनिशिचर-
नाहा बारबारप्रभुपूछहुकाहा कहहुकवनिभयकरियबिचारा नरकपिभालुअहारहमारा ॥

दो०। बचनसबनिकेश्रवणसुनि कहप्रहस्तकरजोरि नीतिबिरोधनकरियप्रभु मंत्रिनमतिअतिथोरि ॥

चौ०। कहहिंसचिवसबठकुरसोहाती नाथनभलहोइहियहिभांती बारिधिलांघिएककपिआवा तासु-चरितमनमहंसबगावा छुधानरहितुमहीसबकाहू जारतनगरनकसधरिखाहू सुनतनीकआगेदुखपावा सचिवन्हअसमतप्रभुहिंसुनावा जेबारीशबंधाएउहेला उतरेकपिदलसहितसुबेला सोभनुमनुजखाव-हमभाई बचनकहहुसबगालफुलाई सुनिममबचनतातअतिआदर जनिमनगणहुमोहिकरिकादर प्रियबाणीजेसुनहिंजेकहहीं ऐसेजगनिकायनरअहहीं बचनपरमहितसुनतकठोरे कहहिंसुनहिंतेनर-प्रभुथोरे प्रथमवशीठपठाइनीती सीतहिंदेइकरियपुनिप्रीती ॥

दो०। नारिपाइफिरिजाहिंजौ तौनबढाइयरार नाहितौसन्मुखसमरमहं नाथकरियहठमार ॥

चौ०। यहमतजौमानहुप्रभुमोरा उभयप्रकारसुयशजगतोरा सुतसनकहदशकंठरिसाई असमतशठ-तोहिकवनसिखाई अबहीतेउरसंशयहोई बेणुबंशसुतभयेसिघमोई सुनिपितुगिरापरुषअतिघोरा चला-भवनकहिबचनकठोरा हितमतनोहिनलागतकैसे कालबिवशकहंभेषजजैसे संध्यासमयजानिदशसीसा भवनचलानिरखनभुजबीसा लंकाशिखररुचिरआगारा अतिबिचित्रतहंहोइअखारा बैठुजाइतेहिमंदिर-रावण लागेकिन्नरगुणगणगावन बाजैतालपखावजबीणा नृत्यकरहिंअप्सराप्रवीणा ॥

दो०। सुनासीरशतसरिससो सन्ततकरैबिलास परमप्रबलरिपुसीसपर तदपिनमनकछुत्रास ॥

चौ०। इहांसुबेलशैलरघुबीरा उतरेसेनसहितअतिभीरा शैलशृंगएकसुंदरदेषी अतिउतंगसम-सुभगविशेषी तहंतरुकिशलयसुमनसुहाये लक्ष्मणरचिनिजहाथडसाये तापररुचिरमृदुलमृगछाला तेहि-आसनआसीनकृपाला प्रभुकृतसीसकपीशउछंगा बामदहिनदिशिचापनिषंगा दुहुंकरकमलसुधारतबाना कहलंकेशमंत्रलगिकाना बडभागीअंगदहनुमाना चरणकमलचापतबिधिनाना प्रभुपाछेलक्ष्मणबीरा-सन कटिनिषंगकरबाणशरासन ॥

दो०। इहिबिधिकरुणाशीलगुण धामरामआसीन धन्यसोनरयहध्यानरत रहतसदालवलीन ॥

पूरवदिशाबिलोकिप्रभु देखाउदितमयंक कहेउसबहिंदेखहुशशिहि मृगपतिसरिसअशंक ॥

चौ०। पूरबदिशिगिरिगुहानिवासी परमप्रतापतेजबलराशी मत्तनागतमकुम्भबिदारी शशिकेहरी-गगनबनचारी बिथुरेनभमुकुताहलतारा निशिसुंदरीकेरशृंगारा कहप्रभुशशिमहंमेचकताई कहहु-कहानिजनिजमतिभाई कहसुग्रीवसुनहुरघुराई शशिमहंप्रगटभूमिकीछाई मारेउराहुशशिहिकहकोई उरमहंपरीश्यामतासोई कोउकहजबबिधिरतिमुखकीन्हा सारभागशशिकरहरिलीन्हा छिद्रसोप्रगट-इंदुउरमाहीं तेहिमगदेखियनभपरछाहीं कहप्रभुगरलबंधुशशिकेरा अतिप्रीतमउरदीन्हबसेरा बिष-संयुतकरनिकरपसारी जारतबिरहवन्तनरनारी ॥

दो०। कहमारुतसुतसुनहुप्रभु शशितुम्हारप्रियदास तवमूरतितेहिउरबसत सोईश्यामताभास ॥

पवनतनयकेबचनसुनि बिहंसेरामसुजान दक्षिणदिशाबिलोकिपुनि बोलेकृपानिधान ॥

चौ०। देखुबिभीषणदक्षिणआसा घनघमंडदामिनीबिलासा मधुरमधुरगरजतघनघोरा होइवृष्टिजनु-उपलकठोरा कहहिंबिभीषणसुनहुकृपाला होइनतडितनबारिदमाला लंकाशिखररुचिरआगारा तहं-दशकंधरकेरअखारा छत्रमेघडंबरसिरधारी सोप्रभुजलदघटाअतिकारी मन्दोदरीश्रवणताटंका सोप्रभु-

जनुदामिनीढमंका बाजहिंतालमृदंगअनूपा सोइरबसरससुनहुसुरभूपा प्रभुमुसुकानिदेखिअभिमाना
चापचढाइबाणसंधाना ॥

दो०। छत्रमुकुटताटंकसब हतेएकहीबान सबकेदेखतमहिगिरे मर्मनकाहूजान ॥
यहकौतुककरिरामशर प्रविशेआइनिषंग रावणसभासशंकसब देखिमहारसभंग ॥

चौ०। कंपनभूमिनमरुतविशेषा अस्त्रशस्त्रकोउनयननदेखा सोचहिंसबनिजहृदयविचारी अशगुन-
भयउभयंकरभारी रावणदेखसभाभयपाई बिहंसिबचनकहयुक्तिबनाई शीसगिरेसन्ततशुभजाही
मुकुटगिरेकसअशगुनताही शयनकरहुनिजनिजगृहजाई गवनेभवनसकलसिरनाई मन्दोदरीसोच-
उरबसेऊ जबतेश्रवणपूरमहिखसेऊ सजलनयनकहयुगकरजोरी सुनहुप्राणपतिबिनतीमोरी कंतराम-
बिरोधपरिहरहू जानिमनुजजनिहठउरधरहू ॥

दो०। विश्वरूपरघुवंशमणि करहुबचनविश्वासु लोककल्पनावेदकह अंगअंगप्रतिजासु ॥

चौ०। पदपातालसीसअजधामा अपरलोकअंगन्हविश्रामा भृकुटिबिलासभयंकरकाला नयनदिवा-
करकचघनमाला जासुघ्राणअश्विनीकुमारा निशिअरुदिवसनिमेषअपारा श्रवणदिशादशवेदबखानी
मारुतश्वासनिगमनिजबानी अधरलोभयमदशनकराला मायाहासबाहुदिगपाला आननअनलअंबुपति-
जीहा उतपतिपालनप्रलयसमीहा रोमावलीअष्टदशभारा अस्थिशैलसरितानसजारा उदरउदधिअध-
गोजातना जगमयप्रभुकीबहुकल्पना ॥

दो०। अहंकारशिवबुद्धिअज मनशशिचित्तमहान मनुजबासचरअचरमय रूपराशिभगवान ॥
असविचारिसुनुप्राणपति प्रभुसनबैरबिहाइ प्रीतिकरहुरघुबीरपद ममअहिवातनजाइ ॥

चौ०। बिहंसानारिबचनसुनिकाना अहोमोहमहिमाबलवाना नारिसुभावसत्यकविकहहीं अवगुण-
आठसदाउररहहीं साहसअनृतचपलतामाया भयअबिवेकअसोचअदाया रिपुकररूपसकलतैंगावा
अतिविशालभयमोहिसुनावा सोसबप्रियासहजबशमोरे समुझिपराप्रभावअबतोरे जानेउंप्रियातोरि-
चतुराई यहिमिसुकहेहुमोरिप्रभुताई तवबतकहीगूढमृगलोचनि समुझतसुखदसुनतभयमोचनि
मन्दोदरिमनमहंयहठयऊ प्रियहिकालबशमतिभ्रमभयऊ ॥

दो०। बहुविधिजल्पेसिसकलनिशि प्रातभयेदशकंध सहजअशंकसोलंकपति सभागयोमतिअंध ॥

सो०। फूलैफलैनबेत यदपिसुधाबरषहिंजलद मूरखहृदयनचेत जौगुरुमिलहिंबिरंचिशत ॥

* क्षेपक *

दो०। मंत्रिनसहितदशानन चढेउधवरहरजाय सारनकहतबराजसन देखहुकपिसमुदाय ॥

चौ०। एजोसिंहनादकिलकरहीं सप्ततालउन्नतसंचरहीं सहसकोटिअतुलितबलवाना इन्हकेसंग-
बानरपरिमाना रणअजीतएसहजअशंका नादसुनेकांपैगढलंका नभनिरखहुइनकेलंगूरे जनुऋतु-
पावसयुगधनुपूरे बिसकरमाकेसुतगुणखानी इन्हपरसेपयशिलउतरानी बसहिंताम्रगिरिकंदरमाहीं
गोदावरीबिमलजलपाहीं अतिबलआगेधावहिंबीरा इन्हपरकृपाकरहिंरघुबीरा यमहुंकारिसकहिंसंगर-
ढीला कज्जलबरणनामनलनीला ॥

दो०। पदुमअठारहकपिकटक चलइनकोभुजछांह निजकरसुरभिसुमनलै रघुपतिपूजीबांह ॥
चौ०। यहजोआवतअचलसमाना चौदहतारऊंचपरमाना बासपुलिंदाकेतटकरई अंबुदनिकर-
निरखिकरधरई रक्तकमलदलसमसबदेहा जनुबिकशेउसंध्याकरमेहा हनैमेदिनीपूछभंवाई लंका-
सौंहचितवजनुखाई तारासुअनबालिकोजायो अतिजुझाररघुपतिमनभायो हृदयगगनइहिकेप्रभुभानू
पंचपदुमकपिनिकरप्रधानू करैबज्रबासवकरभंगा उदयाचलकहंलेइउछंगा परमचतुरसेनपइहिलागी
रघुपतिकृपाकरतबडभागी ॥

दो०। पाउंधराधरिचापै पन्नगहोइअकाज सेनअग्रसरदेखहु यहअंगदयुबराज ॥
चौ०। यहजोश्वेतबरणतनुरेखा मनहुरजतगिरिशृंगबिशेषा दीर्घकेशदारुणभुजदंडा चलतचपलबल-
बुद्धिप्रचंडा बासकरैजलनिधिकेतीरा पानकरैगोमतीसुनीरा नृपसुग्रीवकेरअधिकारी सबलव्यूहयहरचै-
संवारी जनमनचंद्रहिग्रसनउडाना इहिकरपुरुषारथजगजाना निरखिगगनराकाशशिसोहा शिशु-
अजानतेहिलगिमनमोहा धरणीधसकिधरनजबउडेऊ सहरिजोजनतेपुनिफिरेऊ ॥

दो०। कोटिपंचशतमर्कट रहइंसर्बदासाथ कालहुतेरणलरिसकै कुमुदनामकपिनाथ ॥
चौ०। एदेखहुजेचहुंदिशिघुमडे मनहुंलंकसावनघनउमडे आगूपीछूदशदिशिधावहिं शिलाशृंग-
तरुउरतआवहिं सहसनागबलसबहिसमाना सप्तपदुमइनकरपरमाना काशीपुरीबासइन्हकेरी समर-
कतहुंजिनपीठिनफेरी तीक्ष्णदंतनखायुधधारी द्वंद्वयुद्धयेजानहिंभारी धूमकेतुयूथपइन्हकेरा लंका-
निकटकीन्हजिहिडेरा इहिकरजेठबंधुजमवंता तिहिकेबलकरपावकोअंता देवदनुजकोजूझैताही धरा-
होइकरकंदुकजाही बसैअशंकनर्मदातीरा अशनिसमानअभेदशरीरा ॥

दो०। सचिवसुकंठराजकर रघुबरकरप्रियदास सोजडमंदजोयाहिरण चहजीतनकोआस ॥
चौ०। अबदेखहुयहयूथअपारा पीतबरणहोइगयउपहारा बालअरुणमरीचिजसफूटी निशिचर-
निकरतमोचहकूटी चौबिशअर्बुदइनकरजूहा सहसहन्दशतकोटिसमूहा शिलाशैलजेआगेपरहीं पायन-
मर्दिगर्दसमकरहीं कंचनगिरिकंदरकेबासी इनकरयूथनाथअबिनाशी अतिबलबासवकरहितकारी
सखासुकंठकेरसुखकारी पानकरैगंगाकरनीरा पर्वतशृङ्गसमानशरीरा छिनछिनसिंहनादजोहोई
गर्जतआवतहैकपिसोई ॥

दो०। यशतिहुंगंडगलितगज बलकरनाहिनअंत यहकपिराजाकेसरी सुअनजासुहनुमंत ॥
चौ०। उत्तरदिशिदेखहुरजधानी जनुदुकाललगिशलभउडानी मरकटनिकरबलकिबलटूटे आवत-
उदधिकूलमनुकूटे इहिदलयूथनाथजोअहई अतिबलवंतराजसंगरहई कपिकेरूपअनलअबिनाशी
एहौपारिपात्रकेबासी अतिसुंदरअरुसमरबिपक्षा महाबलीदौगवयगवक्षा एहौगर्जतअतिरणधीरा
पीवहिंतुंगभद्रकरनीरा सहरिसहसनागबलजाही इनमहणककहौमैंताही अपरबलीगंधमादननामा
रणअजेयपुनिसबगुणधामा ॥

दो०। बासवबिबुधहन्दमहं तेजनमहंजसभानु पनसनामयहबानर अतिबलनीतिनिधानु ॥
चौ०। यहजोकुमुदपत्रसमदेहा जसकैलाशशरदकरमेहा लोचनमधुपिङ्गलअतिशोभे कामरूपचितक-

चहुंकोने लंकासौंहलंगूरफिराई गर्जतप्रलयमेघकीनाई सुरपतिसाथयुद्धकहंगयऊ तबतेकामरूपयह-
भयऊ मघवाइहिसनकीन्हिमिताई करैसदायहदेवसहाई सहसकोटिकपिइहिकेसंगा रातेपीतश्वेतबहुरंगा
बचनमृषाममप्रभुयहनाहीं अपरबालिजानहुमनमाहीं दरदुरशैलसदनइहिकेरा मनबचकरमरामकरचेरा

दो०। गिरिबरलांघतआवत चलतउडावतरेणु तरणितेजइनरुंधेउ तारातनयसुषेणु ॥

चौ०। यहकपिलसतमनहुंगिरिगेरू दिनमुखछबिजसिलहतसुमेरू सोइकपिप्रथमलंकजेहिजारी प्रभु-
केहिलगिआवतइहिबारी अंजनिगर्भजनमजसभयऊ क्षुधितजननिसनअरतसठयऊ तेइकहसुपकअरुण-
फलखाहू सुनतचितवइनउतचितचाहू बालअरुणलखिगगनउडाना ग्रसेसिनरणिबासवतबजाना मारेउ-
बज्रचिबुकभइटेढी कोपिपवनसमीरसबबेढी देवबिकलहोइअस्तुतिकीन्हा कुलिशहोउतनुअसबरदीन्हा
विद्यापढतभानुकेपाहीं उलटोगतिरविआगेजाहीं बारिधिलांघेउगोपदजैसे यहिकपीशसनजूझबकैसे ॥

दो०। अंबकपीतबालरवि बदनतेजअतिराज पवनतेबेगअधिकजनु अनलनितंबसुभ्राज ॥

चौ०। अतसीकुसुमबरणतनुरेषा पुरुषपुराणधरेनरबेषा मत्तगजेन्द्रशुण्डभुजदण्डा धनुषबाणअसि-
धरेप्रचण्डा उरबिशालअतिउन्नतकन्धर कम्बुकंठरेषाप्रसन्नबर मुखछबिकीउपमाकविजोहैं शशि-
सरोजसमकहेनसोहैं दशनपांतिकीकान्तिकहैको ललकतमनपटतरहिलहैको देखतअधरनकोअरुणाई
बिंबाफलबन्धूकलजाई शुकतुण्डहिनासिकालजावै थकेसुकबिनहिंपटतरआवै सीसजटाकेमुकुटबनाये
भालबिशालतिलकअतिभाये दक्षिणदिशिलक्ष्मणबलबीरा रामबाहुसमअतिरणधीरा ॥

दो०। बामभागबिभीषण सिरअभिषेकाराज बीजमंत्रसबजानहिं अकसरकरहिंसुकाज ॥

चौ०। अवदेखहुयहसेनसुहाई भादौंमेघघटाजनुछाई कन्याएकब्रह्मउपजाई नैनभूरिअरुरूपलोनाई
बालभावदिनकरबलदीन्हा ऋतुजानीबासवरतिकीन्हा जातकजमलबीरदौजाये देवअंशबानरतनुपाये
किसकिंधापरइनकरथाना देवसरिसमधुबनउद्याना ऋष्यमूकइनकरबिश्रामा चातुर्मास्यबसेजहंरामा
बालीज्येष्ठरामरणमारा यहिकहंराजतिलकप्रभुसारा तारातासुभईपटरानी जिहिकरसुतअंगदअति-
ज्ञानी सहसशंकुकरअरवुदएका अरवुदसहसकिबिन्दुबिबेका सहसबिन्दुगणकनगणिमाना महापद्म-
तेहिकरपरिमाना ऐसेपद्मअठारहसाजा बिग्रहबढेउरामकेकाजा बीरबेषअरुनयनबिशाला कम्बुकण्ठ-
मोतिनकीमाला ॥

दो०। हस्तीसाठिसहस्रबल सदाधर्मकीसीवं श्वेतछत्रसिरशोभित यहराजासुग्रीवं ॥
इहिबिधिसकलदेखाए शारनकपिदलयूह गणैनरावणकालबश अतिशयगर्वसमूह ॥

* इहांतक *

चौ०। इहांप्रातजागेरघुराई पूछामतसबसचिवबुलाई कहहुबेगिकाकरियउपाई जामवन्तकहपद-
सिरनाई सुनुसर्वज्ञसकलउरबासी सर्वरूपसबरहितउदासी मंत्रकहबनिजमतिअनुसारा दूतपठाइय-
बालिकुमारा नीकमंत्रसबकेमनमाना अंगदसनकहकृपानिधाना बालितनयबुधिबलगुणधामा लंका-
जाहुतातममकामा बहुतबुझाइतुमहिकाकहऊं परमचतुरमैंजानतअहऊं काजहमारतासुहितहोई
रिपुसनकरहुबतकही,सोई ॥

सो०। प्रभुआज्ञाधरिसीस चरणबंदिअंगदकहेउ   सोइगुणसागरईश रामकृपाजापरकरहु ॥
स्वयंसिद्धसबकाज नाथमोहिआदरदयउ   असबिचारिजुबराज तनुपुलकितहरषितहिये ॥

चौ०। बंदिचरणउरधरिप्रभुताई अंगदचलेउसबहिसिरनाई प्रभुप्रतापउरसहजअशंका रणबांकुरा-
बालिसुतबंका पुरपैठतरावणकरबेटा खेलतरहासोहोइगईभेंटा बातहिंबातकरषबढिआई युगलअतुल-
बलपुनितरुणाई तेहिअंगदकहंलातउठाई गहिपदपटकेउभूमिभ्रमाई निशिचरनिकरदेखिभटभारी
जहंतहंचलेनसकहिंपुकारी एकएकसनमर्मनकहहीं समुझितासुबधचुपहोइरहहीं भयउकोलाहल-
नगरमझारी आवाकपिलंकाजेइजारी अबधोंकहाकरिहिकरतारा अतिसभीतसबकरहिंबिचारा बिनुपूछे-
मगुदेहिंबताई जेहिबिलोकुसोजाइसुखाई ॥

दो०। गयौसभादरबाररिपु सुमिरिरामपदकञ्ज   सिंहठवनिइतउतचितव धीरबीरबलपुञ्ज ॥

चौ०। तुरितनिशाचरएकपठावा समाचाररावणहिजनावा सुनतबचनबोलेउदशसीसा आनहुबोलि-
कहांकरकीसा आयसुपाइदूतबहुधाये कपिकुञ्जरहिबोलिलैआये अंगददीखदशाननबैसा सहितप्राण-
कज्जलगिरिजैसा भुजाबिटपशिरशृंगसमाना रोमावलीलतातरुनाना मुखनासिकानयनअरुकाना गिरि-
कंदराखोहअनुमाना गयउसभामननेकुनमुरा बालितनयअतिबलबांकुरा उठीसभासबकपिकहंदेखो
रावणउरभाक्रोधबिशेषो ॥

दो०। यथामत्तगजयूथमहं पंचाननचलिजाय   रामप्रतापसंभारिउर बठसबहिंसिरनाय ॥

चौ०। कहदशकंधकवनतैंबंदर मैंरघुबीरदूतदशकंधर ममजनकहितोहिरहीमिताई तवहितकारण-
आयेउंभाई उत्तमकुलपुलस्त्यकरनाती शिवबिरंचिपूजेहुबहुभांती बरपायेउकीन्हेउसबकाजा जीतेहु-
लोकपालसुरराजा नृपअभिमानमोहबशकिंवा हरिआनेहुसीताजगदंबा अबशुभकहाकरहुतुममोरा
सबअपराधक्षमहिंप्रभुतोरा दशनगहहुतृणकंठकुठारी पुरजनसंगसहितनिजनारी सादरजनकसुताकरि-
आगे इहिबिधिचलहुसकलभयत्यागे ॥

दो०। प्रणतपालरघुबंशमणि त्राहित्राहिअबमोहि   सुनतहिआरतबचनप्रभु अभयकरहिगेतोहिं ॥

चौ०। रेकपिपोचनबोलुसंभारी मूढनजानसिमोहिसुरारी कहुनिजनामजनककरभाई केहिनातेमानियै-
मिताई अंगदनामबालिकरबेटा तासोंकबहुंभइतेहिभेंटा अंगदबचनसुनतसकुचाना रहाबालिबानर-
मैंजाना अंगदताहिबालिकरबालक उपजेहुबंशअनलकुलघालक गर्भनगयेहुबृथातुमजाये निजमुख-
तापसदूतकहाये अबकहुकुशलबालिकहंअहई बिहंसिबचनअंगदअसकहई दिनदशगयेबालिपंहजाई
पूछेहुकुशलसखाउरलाई रामबिरोधकुशलजसिहोई सोसबतुमहिसुनाइहिसोई सुनुशठभेदहोइमन-
ताके श्रीरघुबीरहृदयनहिंजाके ॥

दो०। हमकुलघालकसत्यतुम कुलपालकदशसीस   अंधौबधिरनकहहिंअस श्रवणनयनतोहिबीस ॥

चौ०। शिवबिरंचिसुरमुनिसमुदाई चाहतजासुचरणसेवकाई तासुदूतहोइहमकुलबोरा ऐसीमति-
उरबिहरुनतोरा सुनिकठोरबाणीकपिकेरी कहतदशाननयनतरेरी खलतवबचनकठिनमैंसहऊं नीति-
धर्म्मसबजानतअहऊं कहकपिधर्म्मशीलतातोरी हमहुसुनीकृतपरतियचोरी देखेउनयनदूतरखवारी

बूडिनमरहुधर्मब्रतधारी नाककानबिनुभगिनिनिहारी छमाकीन्हतुमधर्मबिचारी धर्मशीलतातवजगजागी
पावादरशहमहुंबडभागी ॥

दो०। जनिजल्पसिजडजंतुकपि शठबिलोकुममबाहु लोकपालबलबिपुलशशि ग्रसनहेतुजिमिराहु ॥
पुनिनभसरममकरनिकर करिकमलनिपरबास शोभितभयेउमरालइव शंभुसहितकैलास ॥

चौ०। तुम्हरेकटकमाहंसुनअंगद मोसनभिरहिंकवनयोधावद तवप्रभुनारिबिरहबलहीना अनुज-
तासुदुखदुखितमलीना तुमसुग्रीवकुलद्रुहदोऊ बंधुहमारभीरुअतिसोऊ जामवन्तमंत्रीअतिबूढा सोकि-
मिहोइसमरआरूढा शिल्पकर्मजानतनलनीला हैकपिएकमहाबलशीला आवाप्रथमनगरजेहिंजारा
सुनिहंसिबोलेउबालिकुमारा सत्यबचनकहनिशिचरनाहा सांचहुंकीशकीन्हपुरदाहा रावणनगरअलप-
कपिदहई सुनिअसबचनसत्यकोकहई जोअतिसुभटसराहेहुरावन सोसुग्रीवकेरलघुधावन चलैबहुत-
सोबीरनहोई पठवाखबरिलेनहमसोई ॥

दो०। अबजानापुरदहेउकपि बिनुप्रभुआयसुपाइ गयउनफिरिनिजनाथपहं तेहिभयरहेउलुकाइ ॥
सत्यकहसिदशकंठतैं मोहिनसुनिकछुकोह कोउनहमरेकटकअस तुमसनलरतजोसोह ॥
प्रीतिबिरोधसमानसन करियनीतिअसिआहि जौंमृगपतिबधमेडुकहिं भलोकहैकोताहि ॥
यद्यपिलघुतारामकहं तोहिबधेबडदोष तदपिकठिनदशकंठसुनु छत्रिजातिकररोष ॥
हंसिबोलेउदशमौलितब कपिकरगुणबडएक जोप्रतिपालैतासुहित करैउपायअनेक ॥

चौ०। धन्यकीशजोनिजप्रभुकाजा जहंतहंनाचहिंपरिहरिलाजा नाचिकूदिकरिलोगरिझाई पतिहित-
करतकर्मनिपुणाई अंगदस्वामिभक्ततवजाती प्रभुगुणकसनकहसिइहिभांती मैंगुणगाहकपरमसुजाना
तवकटुबचनकरौंनहिंकाना कहकपितवगुणगाहकताई सत्यपवनसुतमोहिसुनाई बनबिधंसिसुतबधिपुर-
जारा तदपिनतेइकछुकृतअपकारा सोइबिचारितवप्रकृतिसुहाई दशकंधरमैंकीन्हिढिठाई देखेउंआइ-
जोकछुकपिभाषा तुम्हरेलाजनरोषनमाषा ॥

दो०। बक्रउक्तिधनुबचनशर हृदैदह्योरिपुकीस प्रतिउत्तरसंडसिनमनहुं काढतभटदशसीस ॥

चौ०। जौअसिमतिपितुखायेहुकीसा कहिअसबचनहंसादशसीसा पितहिंखाइखातेउंअबतोही अबहीं-
समुझिपराकछुमोही बालिबिमलयशभाजनजानी हतौंनतोहिअधमअभिमानी कहुरावणरावणजगकेते
मैंनिजश्रवणसुनेसुनुतेते बलिजीतनएकगयउपताला राखाबांधिशिशुनहयशाला खेलहिंबालकमारहिं-
जाई दयालागिबलिदीन्हछुडाई एकबहोरिसहसभुजदेखा धाइधराजनुजन्तुबिशेषा कौतुकलागिभवन-
लैआवा सोपुलस्तिमुनिजाइछुडावा ॥

दो०। एककहतमोहिसकुचअति रहाबालिकीकांख तिनमहंरावणकवनतुम सत्यकहहुतजिमाख ॥

चौ०। सुनुशठसोइरावणबलशीला हरगिरिजानुजासुभुजलीला जानुउमापतिजासुसुराई पूजेजेहि-
सिरसुमनचढाई शिरसरोजनिजकरन्हउतारी पूजेअमितबारत्रिपुरारी भुजबिक्रमजानहिंदिगपाला शठ-
अजहूंजिनकेउरशाला जानहिंदिग्गजउरकठिनाई जबजबभिरेउंजाइबरिआई जिनकेदशनकरालनफूटे
उरलागतमूलकइवटूटे जासुचलतडोलतइमिधरणी चढतमत्तगजजिमिलघुतरणी सोइरावणजगबिदित-
प्रतापी सुनेनश्रवणअलीकप्रलापी ॥

दो०। तेहिरावणकहंलघुकहसि नरकरकरसिबखान रेकपिबर्बरखर्बखल तबनजानअबजान॥
चौ०। सुनिअंगदसकोपकहबाणी बोलुसंभारिअधमअभिमानी सहसबाहुभुजगहनअपारा दहन-
अनलसमजासुकुठारा जासुपरशुसागरखरधारा बूडेनृपअगणितबहुबारा तासुगर्बजेहिदेखतभागा
सोनरक्योंदशकंठअभागा राममनुजकसरेशठबंगा धन्वीकामनदीपुनिगंगा पशुसुरधेनुकल्पतरूरूषा
अन्नदानअरुरसकिपियूषा बैनतेयखगअहिसहसानन चिन्तामणिकोउपलदशानन सुनुमतिमंदलोक-
बैकुण्ठा लाभकिरघुपतिभक्तिअकुण्ठा॥
दो०। सेनसहिततवमानमथि बनउजारिपुरजारि कसरेशठहनुमानकपि गयउजोतवसुतमारि॥
चौ०। सुनुरावणपरिहरिचतुराई भजसिनकृपासिंधुरघुराई जौखलभयेसिरामकरद्रोही ब्रह्मरुद्रसक-
राखिनतोही मूढमृषाजनिमारसिगाला रामबैरहोइहिअसहाला तवशिरनिकरकपिनकेआगे परिहैं-
धरणिरामशरलागे तबतवशिरकंदुकइवनाना खेलिहहिंभालुकीशचौगाना जबहिंसमरकोपहिंरघुनायक
छूटिहिंअतिकरालबहुशायक तबकिचलिहिअसगालतुम्हारा असबिचारिभजुरामउदारा सुनतबचन-
रावणपरजरा बरतअनलमहंजनुघृतपरा॥
दो०। कुम्भकर्णसमबंधुमम सुतप्रसिद्धशक्रारि मोरपराक्रमसुनेसिनहिं जितेउंचराचरझारि॥
चौ०। शठशाखामृगजोरिसहाई बांधासिंधुइहैप्रभुताई लांघहिंखगअनेकबारीशा शूरनहोहिंसुनकु-
जडकीशा ममभुजसागरजलबलपूरा जहंबूडेसुरनरबरशूरा बीशपयोधिअगाधअपारा कोअसबीरजो-
पावहिंपारा दिगपालनमैंनीरभरावा भूपसुयशखलमोहिसुनावा जौपैसमरसुभटतवनाथा पुनिपुनि-
कहसिजासुगुणगाथा तौबशीठपठवाकेहिकाजा रिपुसनप्रीतिकरतनहिंलाजा हरगिरिमथननिरखि-
ममबाहू पुनिशठकपिनिजस्वामिसराहू॥
दो०। शूरकवनरावणसरिस निजकरकाटेसीस हुमेउंअनलमहंबारबहु हरषितसाखिगिरीश॥
चौ०। जरतविलोकेउंजबहिंकपाला बिधिकेलिखेअंकनिजभाला नरकेकरआपनबधबांची हंसेउंजानि-
बिधिगिराअसांची सोमनसमुझित्रासनहिंमोरे लिखाबिरंचिजरठमतिभोरे आनबीरकोशठममआगे
पुनिपुनिकहसिलाजपरित्यागे कहअंगदसलज्जजगमाहीं रावणतोहिसमानकोउनाहीं लाजवन्ततवसहज-
सुभाऊ निजगुणनिजमुखकहसिनकाऊ शिरअरुशैलकथाचितरही तातेंबारबीशतैंकही सोभुजबल-
राखेउउरघाली जितेउनसहसबाहुबलिबाली सुनुमतिमंददेहिअबपूरा काटेसीसनहोइयशूरा बाजीगर-
कहंकहियनबीरा काटैनिजकरसकलशरीरा॥
दो०। जरहिंपतंगमोहवश भारबहहिंखरछन्द तेनहिंशूरकहावहीं समुझिदेखुमतिमन्द॥
चौ०। अबजनिबतबढावखलकरही सुनुममबचनमानपरिहरही दशमुखमैंनवशीठीआयेउ अस-
बिचारिरघुबीरपठायेउ बारबारइमिकहेउकृपाला नहिंगजारियशबधेसृगाला मनमहंसमुझिबचनप्रभु-
केरे सहेउंकठोरबचनशठतेरे नाहिंतकरिमुखभंजनतोरा लैजातेउंसीतहिबरजोरा जानेउतवबलअधम-
सुरारी शूनेहरिआनीपरनारी तैंनिशिचरपतिगर्वबहूता मैंरघुपतिसेवककरदूता जौनरामअपमानहि-
डरऊं तवदेखतअसकौतुककरऊं॥

दो०। तोहिपटकिमहिसेनहति चौपटकरितवगाउं मन्दोदरीसमेतशठ जनकसुतहिलैजाउं॥
चौ०। जौअसकरउंनतदपिबडाई मुयेबधेकछुनहिंमनुसाई कौलिकामबशकृपणबिमूढा अतिदरिद्र-
अजसीअतिबूढा सदारोगबशसन्ततक्रोधी रामबिमुखश्रुतिसन्तबिरोधी तनुपोषकनिंदकअघखानी अन-
जीवतसमचौदहप्रानी असबिचारिखलबधौंनतोही अबजनिरिसउपजावसिमोही पुनिसकोपकह-
निशिचरनाथा अधरदशनगहिमीजतहाथा रेकपिपोचमरणअबचहसी छोटेबदनबातबडिकहसी कटु-
जल्पसिजडकपिबलजाके बुधिबलतेजप्रतापनताके॥
दो०। अगुणअमानबिचारितेहि दीन्हपिताबनबास सोदुखअरुयुवतीबिरह पुनिनिशिदिनममत्रास॥
जिनकेबलकोगर्बतोहि ऐसेमनुजअनेक खाहिंनिशाचरदिवसनिशि मूढसमुझुतजिटेक॥
चौ०। जबतेहिकीन्हरामकरिनिंदा क्रोधवन्ततबभयउकपिंदा हरिहरनिंदासुनहिंजेकाना होइपाप-
गोघातसमाना कटकटाइकपिकुञ्जरभारी दोउभुजदंडतमकिमहिमारी डोलतधरणिसभासदखसेउ
चलेभागिभयमारुतग्रसेउ गिरतदशाननउठासंभारी भूतलपरेउमुकुटषटचारी कछुनिजकरलैशिरनि-
संभारे कछुअंगदप्रभुपासपबारे आवतमुकुटदेखिकपिभागे दिनहींलूकपरनबिधिलागे कैरावणकरि-
कोपचलाये कुलिशचारिआवतअतिधाये कहप्रभुहंसिजनिहृदयडेराहू लूकनअसनिकेतुनहिंराहू ये-
किरीटदशकंधरकेरे आवतबालितनयकेप्रेरे॥
दो०। कूदिगहेकरपवनसुत आनिधरेप्रभुपास कौतुकदेखहिंभालुकपि दिनकरसरिसप्रकास॥
चौ०। उहांकहतदशकंधरिसाई धरिमारहुकपिभागिनजाई इहिबिधिबेगिसुभटसबधावहु खाहुभालु-
कपिजहंतहंपावहु महिअकीशकरिफेरिदोहाई जिअतधरहुतपसीदोभाई पुनिसकोपबोलेउजुबराजा
गालबजावततोहिनलाजा मरुगरकाटिनिलजकुलघाती बलबिलोकिबिहरतनहिंछाती रेतियचोर-
कुमारगगामी खलमलराशिमंदमतिकामी सन्निपातजल्पसिदुर्बादा भयेसिकालबशशठमनुजादा याको-
फलपावहुगेआगे बानरभालुचपेटनिलागे राममनुजबोलतअसबानी गिरहिनतवरसनाअभिमानी
गिरिहैरसनासंशयनाहीं सिरनसमेतसमरमहिमाहीं॥
सो०। सोनरक्योंदशकंध बालिबधेउजेहिएकशर बीशहुलोचनअंध धिकतवजन्मकुजातिजड॥
तवश्रोणितकीप्यास तृषितरामशायकनिकर तजेउंतोहितेहित्रास कटुजल्पतनिशिचरअधम॥
चौ०। मैंतवदशनतोरिबेलायक आयसुपैनदीन्हरघुनायक असिरिसहोतदशौमुखतोरी लंकागहि-
समुद्रमहंबोरी गूलरफलसमानतवलंका बसहिंमध्यजनुजंतुअशंका मैंबानरफलखातनबारा आयसु-
दीन्हनरामउदारा युक्तिसुनतरावणमुसुकाई मूढशिखेकहंअधिकझुठाई बालिकबहुंअसगालनमारा
मिलितपसिनतैंभयेसिलवारा सांचेहुमैंलवारभुजबीहा जौनउपारौंतवदशजीहा रामप्रतापसुमिरिकपि-
कोपा सभामांझकरिप्रणपदरोपा जौममचरणसकसिशठटारी फिरहिंरामसीतामैंहारी सुनहुसुभट-
सबकहदशसीसा पदगहिधरणिपछारहुकीसा इन्द्रजीतआदिकबलवाना हरषिउठेजहंतहंभटनाना
झपटहिंकरिबलबिपुलउपाई पदनटरैबैठहिंसिरनाई पुनिउठिझपटहिंसुरआराती टरैनकीशचरणइहि-
भांती पुरुषकुयोगीजिमिउरगारी मोहबिटपनहिंसकहिंउपारी॥

दो०। भूमिनछाडैकपिचरण देखतरिपुमदभाग कोटिविघ्नजिमिसंतकहं तदपिनीतिनहिंत्याग ॥
चौ०। कपिबलदेखिसकलहियहारे उठाआपुजुबराजप्रचारे गहतचरणकहबालिकुमारा ममपदगहेन-
तोरउबारा गहसिनरामचरणशठजाई सुनतफिरामनअतिसकुचाई भयेउतेजहतश्रीसबगई मध्यदिवस-
जिमिशशिसोहई सिंहासनबैठासिरनाई मानहुसंपतिसकलगंवाई जगदाधारप्राणपतिरामा तासु-
बिमुखकिमिलहबिश्रामा उमारामकरभृकुटिबिलासा होइविश्वपुनिपावैनाशा तृणतेकुलिशकुलिशतृण-
करहीं तासुदूतपदकहुकिमिटरहीं पुनिकपिकहीनीतिबिधिनाना माननताहिंकालनियराना रिपुमद-
मथिप्रभुसुयशसुनाये असकहिचलेबालिनृपजाये अबहींमुखकाकरौबडाई हतिहौंतोहिखेलाइखेलाई
प्रथमहिंतासुतनयकपिमारा सोसुनिरावणभयोदुखारा यातुधानअंगदबलदेषी भेव्याकुलसबहृदयबिशेषी॥

दो०। रिपुबलधरषिहरषिहिय बालितनयबलपुञ्ज सजलनयनतनुपुलकअति गहेरामपदकञ्ज ॥
सांझजानिदशकंठतव भवनगयेबिलखाइ मंदोदरीअनेकबिधि बहुरिकहासमुझाइ ॥

चौ०। कंतसमुझिमनतजहुकुमतिही सोहनसमरतुमहिरघुपतिही रामअनुजधनुरेखखिचाई सोनहिं-
लांघेहुअसिमनुसाई पियतेहितेंजीतबसंग्रामा जाकेदूतनकेअसकामा कौतुकसिंधुलांघितवलंका
आयउकपिकेहरीअशंका रखवारेहतिबिपिनउजारा देखततुमहिअक्षयजिन्हमारा जारिनगरजेइ-
कीन्हेसिछारा कहांरहाबलगर्वतुम्हारा अबपतिमृषागालजनिमारहु मोरकहाकछुहृदयबिचारहु पति-
रघुपतिहिमनुजजनिजानहु अगजगनाथअतुलबलमानहु बाणप्रतापजानमारीचा तासुकहानहिंमानेहु-
नीचा जनकसभाअगणितमहिपाला रहेउतहांतुमगर्वबिशाला भंजिधनुषजानकीबिवाही तबसंग्राम-
जितेहुनहिंताही सुरपतिसुतजानाबलथोरा राखाजियतआंखिएकफोरा सूर्पनखाकीगतितुमदेखी
तदपिहृदयनहिंलाजबिशेषी ॥

दो०। बधिबिराधखरदूषणहि लीलहिहतेउकबंध बालिएकशरमारेउ तेहिनरकहदशकंध ॥

चौ०। जेहिंजलनाथबंधायौहेला उतरेउकपिदलसहितसुवेला कारुणीकदिनकरकुलकेतू दूतपठायेउ-
तवहितहेतू सभामांझजेइतवबलमथा करिबरूथमहंमृगपतियथा अंगदहनुमतअनुचरजाके रणबांकुरे-
बीरअतिबांके तेहिकहंपियपुनिपुनिनरकहहू मुधामानममतामदबहहू अहहकंतकृतरामबिरोधा काल-
बिवशमनहोयनबोधा कालदंडगहिकाहुनमारा हरैधर्मबलबुद्धिबिचारा निकटकालजेहिआवतसांई
तेहिभ्रमहोइतुम्हारिहिनाई ॥

दो०। दुइसुतमारेउदहेउपुर अजहुंपूरतियदेहु कृपासिंधुरघुबीरभजि नाथबिमलयशलेहु ॥

चौ०। नारिबचनसुनिबिशिखसमाना सभागयउउठिहोतबिहाना बैठाजाइसिंहासनफूली अतिअभिमान-
त्रासस्बभूली इहांरामअंगदहिबुलावा आइचरणपंकजसिरनावा अतिआदरसमीपबैठारी बोलेबिहंसि-
कृपालुखरारी बालितनयअतिकौतुकमोही तातसत्यकहुपूछौंतोही रावणयातुधानकुलटीका भुजबल-
अतुलजासुजगलीका तासुमुकुटतुमचारिचलाये कहहुतातकवनेबिधिपाये कहाबालिसुतसुनहुखरारी
मुकुटनहोइभूपगुणचारी सामदानअरुदंडबिभेदा नृपउरबसहिंनाथकहवेदा नीतिधर्मकेचरणसुहाये
असजियजानिनाथपहंआये ॥

दो०। धर्महीनप्रभुपदविमुख कालविबसदससीस आयेगुणनजिरावणहिं सुनऊकोसलाधीस ॥
परमचतुरताश्रवणसुनि बिहंसेरामउदार समाचारतबसबकहे गढकेबालिकुमार ॥

चौ०। रिपुकेसमाचारजबपाये रामसचिवतबनिकटबुलाये लंकाबंकाचारिदुआरा केहिबिधिलागिय-
करऊबिचारा तबकपीसऋच्छेसबिभीषण सुमिरिहृदयदिनकरकुलभूषण करिबिचारतिनमंत्रदृढावा चारि-
अनीकपिकटकबनावा यथायोगसेनापतिकीन्हे यूथपसकलबोलितिनलीन्हे प्रभुप्रतापसबकहिसमुझाये
सिंहनादकरिसबकपिधाये हरषितरामचरणसिरनावैं गहिगिरिशिखरबीरसबधावैं। गरजहिंतरजहिं-
भालुकपीसा जयरघुबीरकोसलाधीसा जानतपरमदुर्गगढलंका प्रभुप्रतापकपिचलेअसंका घटाटोपकरि-
चहुंदिसिघेरी मुखहिंनिसानबजावहिंभेरी ॥

दो०। जयतिरामभ्रातासहित जयकपीससुग्रीवं गर्जेकेहरिनादकपि भालुमहाबलसीवं ॥

चौ०। लंकाभयउकोलाहलभारी सुनेउदसाननअतिहहंकारी देखहुबनरन्हकेरिढिठाई बिहंसि-
निसाचरसेनबुलाई आयेकीसकालकेप्रेरे छुधावन्तरजनीचरमेरे असकहिअट्टहाससठकीन्हा गृहबैठे-
अहारबिधिदीन्हा सुभटसकलचारिहुदिसिजाहू धरिधरिभालुकीससबखाहू उमारावणहिअसअभिमाना
जिमिटिट्टिभखगसूतउताना चलेनिसाचरआयसुमांगी गहिकरभिंदिपालबरसांगी तोमरमुद्गरपरिघप्रचंडा
शूलकृपाणपरशुगिरिखंडा जिमिअरुणोपलनिकरनिहारी धायेखगसठमांसअहारी चोचभंगदुखतिनहिं-
नसूझा तिमिधायेमनुजादअबूझा ॥

दो०। नानायुधसरचापधरि यातुधानबलबीर कोटकंगूरनिचढिगये कोटिकोटिरणधीर ॥

चौ०। कोटकंगूरनिसोहहिंकैसे मेरुशृंगपरजनुघनबैसे बाजहिंढोलनिसानजुझाऊ सुनिसुनिसुभटनि-
केचितचाऊ बाजहिंभेरिनफीरिअपारा सुनिकादरउरहोइदरारा देखिनजाइकपिनकैठट्टा अतिबिसाल-
तनुभालुसुभट्टा धावहिंगनहिनऔघटघाटा पर्वतफोरिकरहिंगहिबाटा कटकटाइकोटिनभटगरजहिं
दसननओठकाटिअतितरजहिं उतरावणइतरामदोहाई जयतिजयतिकरिपरीलराई निसिचरशिखर-
समूहढहावहिं कूदिधरहिंकपिफेरिचलावहिं ॥

छं०। धरिकुधरखंडप्रचंडमर्कटभालुगढपरडारहीं झपटहिंचरणगहिपटकिमहिमहंबारबारप्रचारहीं।
अतितरुणतरलप्रतापतर्जहिंतमकिगढपरचढिगये कपिभालुचढिमंदिरनजहंतहंरामयशगावतभये।

दो०। एकएकगहिरजनिचर पुनिकपिचलेपराइ ऊपरआपुनतरअसुर गिरहिंधरणिपरआइ ॥

चौ०। रामप्रतापप्रबलकपियूथा मर्दहिंनिसिचरसुभटबरूथा चढेदुर्गपुनिजहंतहंबानर जयरघुबीर-
प्रतापदिवाकर चलेतमीचरनिकरपराई प्रबलपवनजिमिघनसमुदाई हाहाकारभयौपुरभारी रोवहिं-
आरतबालकनारी सबमिलिदेहिंरावणहिंगारी राजकरतजेइमृत्युहंकारी निजदलबिचलसुनाजबकाना
फिरेसुभटलंकेसरिसाना जोरणबिमुखफिरामैंजाना तेहिमारिहौंकरालकृपाना सर्बसखाइभोगकरि-
नाना समरभूमिभादुरलभप्राना उग्रबचनसुनिसकलडेराने फिरेक्रोधकरिसुभटलजाने सन्मुखमरण-
बीरकीसोभा तबतिनतजाप्राणकरलोभा ॥

दो०। बहुआयुधधरिसुभटसब भिरहिंप्रचारिप्रचारि कीन्हेव्याकुलभालुकपि परिघप्रसंडनिमारि ॥

चौ०। भयआतुरकपिभागनलागे यद्यपिउमाजीतिहैंआगे कोउकहएकहंअंगदहनुमन्ता कहंनलनील-
द्विविदजमवन्ता निजदलबिचलसुनाहनुमाना पश्चिमद्वाररहाबलवाना मेघनादतहंकरैलराई टूटन-
द्वारपरमकठिनाई पवनतनयमनभाअतिक्रोधा गरजेउप्रलयकालसमयोधा कूदिलंकगढऊपरआवा
गहिगिरिमेघनादपरधावा भंजेउरथसारथीनिपाता तासुहृदयमहंमारेउलाता दूसरसूतबिकलतेहि-
जाना स्यंदनघालितुरतघरआना ॥

दो०। अंगदसुनेउकिपवनसुत गढपरगयउअकेल समरबांकुराबालिसुत तर्किचलेउकरिखेल ॥

चौ०। युद्धबिरुद्धक्रुद्धद्वौबंदर रामप्रतापसुमिरिउरअंतर रावणभवनचढेद्वौधाई करहिंकोशलाधीश-
दोहाई कलशसहितसबभवनढहावहि देखिनिशाचरअतिभयपावहि नारिवृन्दकरपीटहिंछाती अबद्वौ-
कपिआयेउतपाती कपिलीलाकरिसबहिंडेरावहिं रामचंद्रकरसुयशसुनावहिं पुनिकरगहिकंचनकेखंभा
करणलगेउतपातअरंभा कूदिपरेरिपुकटकमझारी लागेमर्दनभुजबलभारी काहुलातचपेटनकेहु भजेहु-
नरामहिंसोफलखेहु ॥

दो०। एकएकसनमर्दिकरि तोरिचलावहिंमुण्ड रावणआगेपरहिंते जनुफूटहिंदधिकुण्ड ॥

चौ०। महामहामुखियाजेपावहिं तेपदगहिप्रभुपासचलावहिं कहहिंबिभीषणतिनकेनामा देहिंराम-
तिनकहंनिजधामा खलमनुजादजेआमिषभोगी पावहिंगतिजोयाचतयोगी उमारामम्हदुचितकरुणाकर
बैरभावमोहिसुमिरतनिशिचर देहिंपरमगतिअसजियजानी कोकृपालुअसअहैभवानी जेअसप्रभुनभजहिं-
भ्रमत्यागी तेमतिमंदसोपरमअभागी अंगदअरुहनुमंतप्रबेशा कीन्हदुर्गअसकहअवधेशा लंकामहंकपि-
सोहहिंकैसे मथहिंसिंधुदुइमंदरजैसे ॥

दो०। भुजबलरिपुदलदलिमलेउ देखिदिवसकरअंत कूदेयुगलप्रयासबिनु आयेजहंभगवंत ॥

चौ०। प्रभुपदकमलसीसतिननाये देखिसुभटरघुपतिमनभाये रामकृपाकरियुगलनिहारे भयेबिगत-
श्रमपरमसुखारे गयेजानिअंगदहनुमाना फिरेभालुमरकटभटनाना यातुधानप्रदोषबलपाई धायेकरि-
दशसीसदुहाई निशिचरअनोदेखिकपिफिरे कटकटाइजहंतहंभटभिरे द्वौदलभिरहिंप्रचारिप्रचारी
लरहिंसुभटनहिंमानहिंहारी बीरतमीचरसबअतिकारे नानाबरणबलीमुखभारे सबलयुगलदलसमअति-
योधा बिबिधप्रकारलरहिंकरिक्रोधा प्रावृटशरदपयोदघनेरे लरतमनहुंमारुतकेप्रेरे अवनिअकंपन-
अरुअतिकाया बिचलतसेनकरीतिनमाया भयउनिमिषिमहंअतिअंधियारा काहुनसूझेआपनपारा मारु-
खाहुसबकरहिंपुकारा दृष्टिहोइरुधिरोपलछारा ॥

दो०। देखिनिबिडतमदशहुंदिशि कपिदलभयउखभार एकहिएकनदेखत जहंतहंकरहिंपुकार ॥

चौ०। सकलमर्मरघुनायकजाना लियेबोलिअंगदहनुमाना समाचारसबकहिसमुझाये सुनतकोपि-
कपिकुञ्जरधाये पुनिकृपालुहंसिचापचढावा पावकशायकसपदिचलावा भयउप्रकाशकतहुंतमनाहीं ज्ञान-
उदयजिमिसंशयजाहीं तबहिबलीमुखपाइप्रकाशा धायेकोपिबिगतश्रमत्राशा हनूमानअंगदरणगाजे
हांकसुनतरजनीचरभाजे भागतभटपटकहिंगहिधरणी करहिंभालुकपिअद्भुतकरणी गहिपदडारहिं-
सागरमाहीं मकरउरगझषधरिधरिखाहीं ॥

दो०। कछुघायलकछुरणपरे कछुगढचढेपराइ गरजहिंमर्कटभालुभट रिपुदलबलबिचलाइ ॥
चौ०। निशाजानिकपिचारिउअनी आयेसबजहंकोशलधनी रामकृपाकरिचितवाजबहीं भयेबिगतश्रम-
बानरतबहीं उहांदशाननसचिवहंकारे सबसनकहेसिसुभटजेमारे आधाकटककपिनसंहारा कहहु-
बेगिकाकरियबिचारा माल्यवन्तएकजरठनिशाचर रावणमातुपितामंत्रीबर बोलाबचननीतिअतिपावन
तातसुनहुकछुमोरशिखावन जबतेंतुमसीताहरिआनी अशगुनहोहिंनजातबखानी वेदपुराणजासुयश-
गावा तासुबिमुखसुखकाहुनपावा ॥
दो०। हिरण्याक्षभ्रातासहित मधुकैटभबलवान जेहमारेउसोइअवतरेउ कृपासिंधुभगवान ॥
कालरूपखलबनदहन गुणागारघनबोध जिहिंसेवहिंशिवकमलभव तिहिसनकवनबिरोध ॥
चौ०। परिहरिवैरदेहुवैदेही भजहुकृपानिधिपरमसनेही ताकेबचनबाणसमलागे करियामुखकरि-
जाहुअभागे बृढभयेसिनतमरतेउंतोही अबजनिबदनदेखावसिमोही तेंइअपनेमनअसअनुमाना बधै-
चहतएहिकृपानिधाना सोउठिगयउकहतदुर्बादा तबसकोपबोलेउघननादा कौतुकप्रातदेखियहुमोरा
करिहौंबहुतकहतहौंथोरा सुनिसुतबचनभरोसाआवा प्रीतिसमेतनिकटबैठावा करतबिचारभयउभिनु-
सारा लगेभालुकपिचारिहुद्वारा कोपिकपिनदुर्गमगढघेरा नगरकोलाहलभयउघनेरा बिबिधअस्त्रगहि-
निशिचरधाये गढतेपर्वतशिखरढहाये ॥
छं०। ढाहेमहीधरशिखरकोटिनबिबिधबिधिगोलाचले घहरातजिमिपबिपातगर्जतप्रलयकेजनुबादले ॥
मर्कटबिकटभटजुटतकटततेलरततनुजर्जरभये गहिशैलतेगढपरचलावहिंजहंसोतहंनिशिचरहये ॥
दो०। मेघनादसुनिश्रवणअस गढपुनिछेंकाआइ उतरिदुर्गतेबीरबर सनमुखचलाबजाइ ॥
चौ०। कहंकोशलाधीशदोभ्राता धन्वीसकललोकबिख्याता कहंनलनीलदिबिदसुग्रीवा कहंहनुमत-
अंगदबलसीवा कहांबिभीषणभ्राताद्रोही आजुशठहिंहठमारउंओही असकहिकठिनबाणसंधाने अतिशय-
कोपिश्रवणलगिताने शरसमूहसोछाडनलागा जनुसपक्षधावैंबहुनागा जहंतहंपरतदेखियेबानर सनमुख-
होइनसकतेहिअवसर भागेभयव्याकुलकपिऋच्छा बिसरीसबहिंयुद्धकीइच्छा सोकपिभालुनरणमहंदेषा
कीन्हेसिजेहिनप्राणअवशेषा ॥
दो०। मारेसिदशदशबिशिखउर परेभूमिसबबीर सिंहनादकरिगर्जतब मेघनादरणधीर ॥
चौ०। देखिपवनसुतकटकबेहाला क्रोधवन्तधावाजनुकाला महामहीधरतमकिउपारा अतिरिस-
मेघनादपरडारा आवतदेखिगयेउनभमाहीं रथसारथीतुरगतेहिंखोहीं बारबारप्रचारहनुमाना निकटन-
आवमरमसोजाना रामसमीपगयउघननादा नानाभांतिकहतदुर्बादा अस्त्रशस्त्रबहुआयुधडारे कौतु-
कहींप्रभुकाटिनिवारे देखिप्रभावमूढखिसियाना करैलागुमायाबिधिनाना जिमिकोउकरैगरुडसनखेला
डरपावहिगहिस्वल्पसपेला ॥
दो०। जासुप्रबलमायाबिवश शिवबिरंचिबडछोट ताहिदेखावैरजनिचर निजमायामतिखोट ॥
चौ०। नभचढिबरषबिपुलअंगारा महितेप्रगटहोइजलधारा नानाभांतिपिशाचपिशाची मारुकाटुधुनि-
बोलहिंनाची कीन्हेसिष्टिरुधिरकचहाडा बर्षकबहुंउपलबहुछाडा बरषिधूरिकीन्हेसिअंधियारा सूझन-

आपनहाथपसारा अकुलानेकपिमायादेखे सबकरमरणबनाइहिलेखे कौतुकदेखिराममुसुकाने भयेस-
भीतसकलकपिजाने एकहिबाणकाटिसबमाया जिमिदिनकरहरतिमिरनिकाया कृपादृष्टिकपिभानु-
बिलोके भयेप्रबलरणरहहिंनरोके ॥

दो०। आयसुमागिरामपहं अंगदादिकपिसाथ लक्ष्मणचलेसकोपतब बाणशरासनहाथ ॥

चौ०। जलजनयनउरबाहुबिशाला हिमगिरिबरणकछुकइकलाला उहांदशाननसुभटपठाये नाना-
अस्त्रशस्त्रगहिधाये भूधरबिटपायुधधरिभारी धाएकपिजयरामपुकारी भिरेसकलजोरीसनजोरी इतउ-
तजयइच्छानहिंथोरी मुठिकनलातनदांतनकाटहिं कपिगिरिशिलामारिपुनिडाटहिं मारुमारुधरुधरुधरु-
मारु सीसतोरिगहिभुजाउपारु असिधुनिपूरिरहीनवखंडा धावहिंजहंतहंरुंडप्रचंडा देखहिंकौतुकनभ-
सुरबृन्दा कबहुंकबिस्मयकबहुंअनन्दा ॥

दो०। जमेउगाडभरिभरिरुधिर ऊपरधूरिउडाइ जिमिअंगारनराशिपर मृतकधूमरहिछाइ ॥

चौ०। घायलबीरबिराजहिंकैसे कुसुमितकिंशुककेतरुजैसे लक्ष्मणमेघनाददौयोधा भिरहिंपरस्पर-
करिअतिक्रोधा एकहिएकसकैनहिंजीती निशिचरछलबलकरैअनीती क्रोधवंततबभयउअनंता भंजेउ-
रथसारथीतुरंता नानायुधप्रहारकरिशेषा राक्षसभयउप्राणअवशेषा रावणसुतनिजमनअनुमाना संकट-
भयोहरिहिममप्राना बीरघातिनीछाडेसिसांगी तेजपुञ्जलक्ष्मणउरलागी मूर्छाभईशक्तिकेलागे तबचलि-
गयउनिकटभयत्यागे ॥

दो०। मेघनादसमकोटिशत योधारहेउठाइ जगदाधारअनन्तसो उठहिंनचलेलजाइ ॥

चौ०। सुनुगिरिजाक्रोधानलजासू जरैभुवनचारिहुदशआसू सकसंग्रामजीतिकोताही सेवहिंसुरनर-
अगजगजाही यहकौतुकजानहिंजनसोई जेहिपरकृपारामकीहोई संध्याभईफिरोदौएनी लगेसंभा-
रणनिजनिजसैनी व्यापकब्रह्मअजितभुवनेश्वर लक्ष्मणकहंपूछाकरुणाकर तौलगिलैआयेहनुमाना अनुज-
देखिप्रभुअतिदुखमाना जामवन्तकहबैद्यसुषेना लंकारहपठइयकोउलेना धरिलघुरूपगयेहनुमन्ता
आनेउभवनसमेततुरन्ता ॥

दो०। रघुपतिचरणसरोजशिर नायउआइसुषेन कहानामगिरिऔषधी जाहुपवनसुतलेन ॥

चौ०। रामचरणसरसिजउरराखी चलेउप्रभंजनसुतबलभाखी उहांदूतएकमरमजनावा रावण-
कालनेमिगृहआवा दशमुखकहामरमतेइसुना पुनिपुनिकालनेमिशिरधुना देखततुमहिंनगरजेहिंजारा
तासुपंथकोरोकनिहारा भजिरघुपतिहिकरहुहितअपना तजौनाथअबृथाकलपना नीलकंजतनुसुंदर-
श्यामा हृदयराखुलोचनअभिरामा अहंकारममतामदत्यागू महामोहनिशिसोवतजागू. कालव्यालकर-
भक्षकसोई सपनेहुंसमरकिजीतैकोई ॥

दो०। सुनिदशकंधरिसाननब तेहमनकीन्हबिचार रामदूतकरमरणभल यहखलनतमोहिमार ॥

चौ०। असकहिचलारचोमगमाया सरमंदिरबरबागबनाया मारुतसुतदेखाशुभआश्रम मुनिहिंबूझि-
जलपियौंजाइश्रम राक्षसकपटभेषतहंसोहा मायापतिदूतहिंचहमोहा तुरतपवनसुतनायउमाथा लागा-
कहनरामगुणगाथा होतमहारणरामरावणहि जीतहिंरामनसंशययामहि इहांभयेमैंदेखौभाई ज्ञान-

दृष्टिबलमोहिअधिकाई मांगाजलतेंइदीन्हकमण्डल कहकपिनहिंअघाउंथोरेजल सरमज्जनकरिआतुर-आवहु दिच्छादेउंग्यानजेहिपावहु ॥

दो०। सरपैठतकपिपदगहेउ मकरीअतिअकुलान मारीसोधरिदिव्यतनु चलीगगनचढियान ॥

चौ०। कपितवदरशभइउंनिष्पापा मिटीतातमुनिबरकीशापा मुनिनहोइयहनिशिचरघोरा मानहु-सत्यबचनकपिमोरा असकहिगईअपसराजबहीं निशिचरनिकटगयउकपितबहीं कहकपिमुनिगुरुदक्षिणा-लेहु पाछेहमहिंमंत्रतुमदेहु सिरलंगूरलपेटिपछारा निजतनुप्रगटेसिमरतीबारा रामरामकहिछाडेसि-प्राना सुनिमनहरषिचलेहनुमाना देखाशैलनऔषधिचीन्हा सहसाकपिउपारिगिरिलीन्हा गहिगिरि-निशिनभधावतभयऊ अवधपुरीऊपरकपिगयऊ ॥

दो०। देखाभरतविशालअति निशिचरमनअनुमानि बिनुफरशायकमारेउ चापश्रवणलगितानि ॥

चौ०। परेउमूर्छिमहिलागतशायक सुमिरतरामरामरघुनायक सुनिप्रियबचनभरतउठिधाये कपि-समीपअतिआतुरआये बिकलबिलोकिकीशउरलावा जागतनहिंबहुभांतिजगावा मुखमलीनमनभयउ-दुखारी कहतबचनभरिलोचनबारी जेहिबिधिरामबिमुखमोहिकीन्हा तेहिपुनियहदारुणदुखदीन्हा जौमेरेमनबचअरुकाया प्रीतिरामपदकमलअमाया तौकपिहोउबिगतश्रमशूला जौमोपररघुपतिअनुकूला बचनसुनतउठिबैठुकपीशा कहिजयजयतिकोशलाधीशा ॥

सो०। लीन्हकपिहिउरलाइ पुलकगातलोचनसजल प्रीतिनहृदयसमाइ सुमिरिरामरघुकुलतिलक ॥

चौ०। तातकुशलकहुसुखनिधानकी सहितअनुजअरुमातुजानकी कपिसबचरितसमासबखाने भये-दुखितमनमहंपछिताने अहहदैवमैंकतजगजाये प्रभुकेएकौकाजनआये जानिकुअवसरमनधरिधीरा पुनिकपिसनबोलेबलबीरा तातगहरुहोइहैतोहिजाता काजनशाइहिहोतप्रभाता चढुममशायकशैलसमेता पठवौंतोहिजहंकृपानिकेता सुनिकपिमनउपजाअभिमाना मोरेभारचलिहिकिमिबाना रामप्रतापबिचारि-बहोरी बंदिचरणबोलेउकरजोरी तवप्रतापउरराखिगुसाईं जैहौंनाथबाणकीनाईं हरषिभरततबआयसु-दीन्हा पदसिरनाइगवनकपिकीन्हा ॥

दो०। तवप्रतापउरराखिप्रभु जैहौंनाथतुरंत असकहिआयसुपायपद बंदिचलेहनुमंत ॥
भरतबाहुबलशीलगुण प्रभुपदप्रीतिअपार जातसराहतमनहिंमन पुनिपुनिपवनकुमार ॥

चौ०। उहांरामलक्ष्मणहिनिहारी बोलेबचनमनुजअनुहारी अर्द्धरातिगइकपिनहिंआवा रामउठाइ-अनुजउरलावा सकहुनदुखितदेखिमोहिकाऊ बंधुसदातवमृदुलसुभाऊ ममहितलागितजेपितुमाता सहेउबिपिनहिमआतपवाता सोअनुरागकहांअबभाई उठहुबिलोकिमोरिबिकलाई जौजनत्योंबनबंधु-बिछोहू पिताबचननहिंमनत्योंवोहू सुतबितनारिभवनपरिवारा होहिंजाहिंजगबारहिंबारा असबिचारि-जियजागहुताता मिलहिंनजगतसहोदरभ्राता यथापंखबिनुखगपतिदीना मणिबिनुफणिकरिबरकरहीना असममजिवनबंधुबिनुतोही जौजडदैवजियावैमोही जैहौंअवधकवनमुहलाई नारिहेतुप्रियबंधुगंवाई बरुअपयशसहतेउंजगमाहीं नारिहानिबिशेषक्षतिनाहीं अबअवलोकिशोकयहतोरा सहैकठोरनिठुर-उरमोरा निजजननीकेएककुमारा ताततासुतुमप्राणअधारा सौंपेउमोहितुमहिगहिपानी सबबिधि-

सुखदपरमहितजानी उतरताहिदैहौंकाजाई उठिकिनमोहिसमुझावऊभाई बऊबिधिसोचतसोच-
बिमोचन श्रवतसलिलराजिवदललोचन उमाअखंडएकरघुराई नरगतभावकृपालुदिखाई ॥

सो०। प्रभुबिलापसुनिकान बिकलभयेबानरनिकर आइगयेहनुमान जिमिकरुणामहंबीररस ॥

चौ०। हरषिरामभेंटेहनुमाना अतिकृतज्ञप्रभुपरमसुजाना तुरतबैद्यतबकीन्हउपाई उठिबैठेउलक्ष्मण-
हरषाई हृदयलाइभेंटेप्रभुभ्राता हरषेसकलभालुकपित्राता पुनिकपिबैद्यतहांपऊंचावा जेहिबिधितबहिं-
ताहिलैआवा यहवृत्तांतदशाननसुनेऊ अतिबिषादपुनिपुनिशिरधुनेऊ व्याकुलकुम्भकर्णपहंगयऊ करि-
बऊयतनजगावतभयऊ जागानिशिचरदेखियकैसा मानऊंकालदेहधरिबैसा कुम्भकर्णपूछासुनुभाई
काहेतवमुखरहासुखाई कथाकहीतेइसकलभवानी जेहिप्रकारसीताहरिआनी तातकपिननिशिचरसंहारे
महामहायोद्धासबमारे दुरमुखसुररिपुमनुजअहारी भटअतिकायअकंपनभारी अपरमहोदरआदिक-
बीरा परेसमरमहंसबरणधीरा ॥

दो०। दशकंधरकेबचनसुनि कुम्भकर्णबिलखान जगदंबाहरिआनिके शठचाहसिकल्यान ॥

चौ०। भलनकीन्हतैंनिशिचरनाहा अबमोहिआनिजगायेऊकाहा अजऊंतातत्यागऊअभिमाना भजऊ-
रामहोइहिकल्याना हैंदशसीसमनुजरघनायक जाकेहनुमानसेपायक अहहबंधुतैंकीन्हखुटाई
प्रथमहिंमोहिनजगायेऊआई कीन्हेऊप्रभुबिरोधतेहिदेवक शिवबिरंचिसुरजाकेसेवक नारदमुनिमोहि-
ज्ञानजोकहेऊ कहतेउंतोहिसमयनहिंरहेऊ अबभरिअंकभेंटुमोहिभाई लोचनसुफलकरौंमैंजाई
श्यामगातसरसीरुहलोचन देखौंजाइतापत्रयमोचन ॥

दो०। रामरूपगुणसुमिरिमन मगनभयउक्षणएक रावणमांगेउकोटिघट मदअरुमहिषअनेक ॥

चौ०। महिषखाइकरिमदिरापाना गरजेउबज्रघातअनुमाना कुम्भकर्णदुर्मदरणरंगा चलेउदुर्गतजि-
सेननसंगा देखिबिभीषणआगेआयऊ पुनिपदगहिनिजनामसुनायऊ अनुजउठाइहृदयतेहिलावा
रघुपतिभक्तजानिमनभावा तातलातमोहिरावणमारा कहतपरमहितमंत्रबिचारा तेहिगलानिरघुपतिपहं-
आयेउं दीनजानिप्रभुकेमनभायेऊं सुनुसुतभयउकालबशरावन सोकिमिमानैपरमसिखावन धन्यधन्य-
तैंधन्यबिभीषण भयऊतातनिशिचरकुलभूषण बंधुबंशतैंकीन्हउजागर भजऊरामशोभासुखसागर ॥

दो०। मनक्रमबचनकपटतजि भजऊतातरघुबीर जाऊननिजपरसूझमोहि भयेउंकालबशबीर ॥

चौ०। बंधुबचनसुनिफिराबिभीषण आयउजहंत्रैलोक्यबिभूषण नाथभूधराकारशरीरा कुम्भकरण-
आवतरणधीरा इतनाकपिनसुनाजबकाना किलकिलाइधायेबलवाना लियेउपारिबिटपअरुभूधर कट-
कटाइडारहिंताऊपर कोटिकोटिगिरिशिखरप्रहारा करहिंभालुकपिएकहिबारा मरैनमुरैटरैनहिंटारे
जिमिगजआकफलनिकेमारे तबमारुतसुतमुठिकाहनेऊ परेउधरणिव्याकुलसिरधुनेऊ पुनिउठितेइ-
मारेउहनुमंता घुर्मितघायलपरेउतुरंता पुनिनलनीलहिआनिपछारेसि जहंतहंपटकिपटकिभटमारेसि
चलीबलीमुखसेनपराई अतिभयत्रसितनकोउसमुहाई ॥

दो०। अंगदादिकपिमूर्छित करिसमेतसुग्रीवं कांखदाबिकपिराजकहं चलाअमितबलसीवं ॥

चौ०। उमाकरतरघुपतिनरलीला खेलगरुडजिमिअहिगणमीला भृकुटिभङ्गजोकालहिखाई ताहि-

क्रिऐसीसोहरलाई जगपावनिकीरतिबिस्तरहीं गाइगाइनरभवनिधितरहीं मूर्छागइमारुतसुतजागा
सुग्रीवहितबखोजनलागा कपिराजऊकरिमूर्छाबीती निबुकिगयेउतबमूतनकप्रतीती काटेसिदशननासिका-
काना गरजिअकाशचलातेंहिजाना गहेसिचरणधरिधरणिपछारा अतिलाघवपुनिउठितेहिमारा पुनि-
आयउप्रभुपहंबलवाना जयतिजयतिजयकृपानिधाना नाककानकाटेतेहिजानो फिराक्रोधकरिमानि-
गलानो सहजभीमपुनिबिनुश्रुतिनासा देखतकपिदलउपजोत्रासा ॥

दो०। जयजयजयरघुबंशमणि धायेकपिकरिहूह एकहिबारजेतासुपर डारेगिरितरुजूह ॥

चौ०। कुम्भकर्णरणरंगबिरोधा सनमुखचलाकालजनुक्रोधा कोटिकोटिकपिधरिधरिखाई जनुटीडी-
गिरिगुहासमाई कोटिनगहिशरीरमहंमर्दा कोटिनमोंजिमिलायेसिगर्दा मुखनासिकाश्रवणकीबाटा
निकसिपराहिंभालुकपिठाटा रणमदमत्तनिशाचरदर्पा मानऊबिश्वग्रसनकहंअर्पा मुरेसुभटरण-
फिरहिंनफेरे सूझननयनसुनैनहिंटेरे कुम्भकरणकपिफौजबिडारी सुनिधायेरजनीचरझारी देखेराम-
बिकलकटकाई रिपुअनीकनानाबिधिआई ॥

दो० ॥ सुनुसौमित्रिबिभीषण सकलसंभारऊसैन मैंदेखौंखलदलबलहिं बोलेराजिवनैन ॥

चौ०। करसारंगबिशिखकटिभाथा मृगपतिठवनिचलेरघुनाथा प्रथमकीन्हप्रभुधनुटंकोरा रिपुदल-
बधिरभयेसुनिशोरा धनुसंधानिकाडुशरलक्षा कालसर्पजनुचलेसपक्षा अतिबलचलेनिकरनाराचा लगे-
कटनभटबिकटपिशाचा कटहिंचरणशिरउरभुजदंडा बऊतेकबीरहोहिंशतखंडा घुर्मिघुर्मिघायलमहि-
परहीं उठहिंसंभारिसुभटफिरिलरहीं लागतबाणजलदजिमगाजैं बऊतेकदेखिकठिनशरभाजैं रुंड-
प्रचंडमुण्डबिनुधावहिं धरुधरुमारुमारुगोहरावहिं ॥

दो०। क्षणमहंप्रभुकेशायकनि काटेबिकटपिशाच पुनिरघुपतिकेतूणमहं प्रबिशआइनराच ॥

चौ०। कुम्भकर्णमनदीखबिचारी क्षणमहंहतेनिशाचरझारी भयउक्रोधदारुणबलबीरा करिमृगनायक-
नादगंभीरा कोपिमहीधरलियेउपारी डारेसिजहंमरकटभटभारी आवतदेखिशैलप्रभुभारे शरनिकाटि-
रजसमकरिडारे पुनिधनुतानिकोपिरघुनायक छाडेअतिकरालबऊशायक तनुमहंप्रबिशिनिसरिशरजाहीं
जिमिदामिनिघनमाहसमाहीं शोणितश्रवतसोहतनुकारे जिमिकज्जलगिरिगेरुपनारे बिकलबिलोकि-
भालुकपिधाये बिहंसाजबहिंनिकटचलिआये ॥

दो०। गर्जतधायेउबेगिअति कोटिकोटिगहिकीश महिपटकगजराजइव शपथकरैदशसीस ॥

चौ०। भागेभालुकपिनकेयूथा हृकबिलोकिजिमिमेषबरूथा चलेभाजिकपिभालुभवानी बिकलपुकारत-
आरतबानी यहनिशिचरदुकालसमअहई कपिकुलदेशपरनअबचहई कृपाबारिधररामखरारी पाहि-
पाहिप्रणतारतिहारी करुणाबचनसुनतभगवाना चलेसुधारिशरासनबाना रामसेननिजपाछेघाली चले-
सकोपमहाबलशाली खैंचिधनुषशतशरसंधाने छूटेतीरशरीरसमाने लागतशरसंभारिसोफिरा कुधर-
डगमगेउडोलीधरा लीन्हतेंइएकशैलउपाटी रघुकुलतिलकभुजासोइकाटी धावाबामबाऊगिरिधारी
प्रभुसोउभुजाकाटिमहिडारी काटेभुजसोहैखलकैसे पक्षहीनमंदरगिरिजैसे उग्रबिलोकनिप्रभुहि-
बिलोका मानऊंग्रसनचहतत्रयलोका ॥

दो०। करिचिक्कारमुखघोरअति धावाबदनपसार   गगनसकलसुरत्रासअति हाहाकारपुकार ॥
चौ०। सभयदेवकरुणानिधिजाने श्रवणप्रयंतशरासनताने बिशिखनिकरनिशिचरमुखभरेऊ तदपि-
महाबलभूमिनपरेऊ शरनिभरामुखसनमुखधावा कालत्रूणजनुतनुधरिआवा तबप्रभुकोपितीब्रशरलीन्हा
धरतेभिन्नतासुशिरकीन्हा सोशिरपराढशाननआगे बिकलभयउजिमिफणिमणित्यागे धरणिधसैधरधाव-
प्रचंडा तबप्रभुकाटिकीन्हयुगखंडा परैभूमिजिमिनभतेंभूधर हेठदाबिकपिभालुनिशाचर तासुतेजप्रभु-
बदनसमाना सुरमुनिसबहिंअचंभामाना नभदुन्दुभीबजावहिंहरषहिं जयजयकहिप्रसूनसुरबरषहिं
करिबिनतीसुरसकलसिधाये तबतेहिसमयदेवऋषिआये गगनोपरिहरिगुणगणगाये रुचिरवीररस-
प्रभुमनभाये बेगिहतहुखलमुनिकहिगयऊ रामसमरमहंशोभितभयऊ ॥
छं०। संग्रामभूमिबिराजरघुपतिअतुलबलशोभाधनी श्रमबिंदुमुखराजीवलोचनरुचिरतनुशोणितकनी ॥
भुजयुगलफेरतशरशरासनभालुकपिचहुंदिशिबने कहदासतुलसीकहिनसककबिशेषजेहिआननघने ॥
दो०। निशिचरअधममलायतन ताहिदीन्हनिजधाम   गिरिजातेनरमंदमति जेनभजहिंश्रीराम ॥
चौ०। दिनकेअंतफिरीदौअनी समरभयीसुभटनश्रमघनी रामकृपाबलकपिदलबाढा जिमितृणबढैलगे-
अतिडाढा छीजहिंनिशिचरदिनऔराती निजमुखकहेसुकृतजेहिभांती बहुबिलापदशकंधरकरई पुनि-
पुनिबंधुसीसउरधरई रोवहिंनारिहृदयहतिपानी तासुतेजबलबिपुलबखानी मेघनादतेहिअवसरआवा
कहिबहुकथापितहिसमुझावा देखेहुकाल्हिमोरिमनुसाई अबहिंबहुतकाकरौंबडाई इष्टदेवसनजो-
बरपायेऊं सोबरताततुमहिसुनायेऊं इहिबिधिजल्पतभयउबिहाना लगेभालुकपिचहुंदिशिनाना
इतकपिभालुकालसमबीरा उतरजनीचरअतिरणधीरा लरहिंसुभटनिजनिजजयहेतू बरणिनजाइ-
समरखगकेतू ॥
दो०। मेघनादमायाबिरचि रथचढिगयेउअकाश   गर्जेउप्रलयपयोदजिमि भइकपिदलअतित्राश ॥
चौ०। शक्तिशूलशरपरिघकृपाना अस्त्रशस्त्रकुलिशायुधनाना डारेपरशुप्रचंडपषाना लागाबृष्टिकरैबिधि-
नाना रहेदशहुदिशिशायककाई मानहुंमघामेघझरिलाई धरुधरुमारुसुनहिंकपिकाना जोमारैतेहि-
कोउनजाना गहिगिरितरुअकाशकपिधावहिं देखहिंतेहिनदुखितफिरिआवहिं अवघटघाटबाटगिरि-
कंदर मायाबलकीन्हेसिशरपंजर मारुतसुतअंगदनलनीला कीन्हेसिबिकलसकलबलशीला पुनिलक्ष्मण-
सुग्रीवबिभीषण शरनमारिकीन्हेसिजर्जरतन पुनिरघुपतिसनजूझैलागा शरछाडतहोइलागहिंनागा
व्यालफांसबशभयेखरारी स्वबशअनंतएकअबिकारी नटइवचरितकरतबिधिनाना सदास्वतंत्ररामभगवाना
रणशोभाहितआपुबंधावा देखिदशादेवनभयपावा ॥
दो०। खगपतिजाकरनामजपि नरकाटहिंभवपास   सोप्रभुआवकिबंधतर व्यापकबिश्वनिवास ॥
चौ०। चरितरामकेसगुणभवानी तरकिनजाइबुद्धिबलबानी असबिचारिजेपरमबिरागी रामहिंभजहिं-
तर्कसबत्यागी व्याकुलकटककीन्हघननादा पुनिभाप्रगटकहतदुर्बादा जामवन्तकहखलरहुठाढा सुनि-
कैताहिक्रोधअतिबाढा बूढजानिशठछाडेउंतोही लागेसिअधमप्रचारणमोही असकहितातेहित्रिशूलचलावा
जामवन्तसोकरगहिधावा मारेउमेघनादकीछाती पराधरणिघुर्मितसुरघाती पुनिरिसाइगहिचरण-

फिरावा मह्रिपक्कारिनिजबलह्रिंदेखावा बरप्रसादसोमरैनमारा तबपदगह्रिलंकापरडारा इह्रांदेवऋषि-
गरुडपठाये रामसमीपसपदिचलिआये ॥

दो०। पन्नगारिखायेसकल ह्रणमह्रंव्यालबरूथ भईबिगतमायातुरत हरषेबानरयूथ ॥
गह्रिगिरिपादपउपलबह्र धायेकोशरिसाइ चलेतमीचरबिकलअति गढपरचढेपराइ ॥

चौ०। मेघनादकीमूर्छाजागी पितह्रिबिलोकिलाजअतिलागी तुरतगयउसोगिरिबरकंदर करणअजय-
मखअसमनह्रठधर सोसुधिपाइबिभीषणकह्रई सुनुप्रभुसमाचारअसअह्रई मेघनादमखकरैअपावन
खलमायाविदेवसंतावन सोप्रभुसिह्रहोइजौपाइह्रि नाथबेगिरिपुजीतिनजाइह्रि सुनिरघुपतिअतिशयसुख-
माना बोलिलियेअंगदह्रनुमाना लह्मणसंगजाऊसबभाई यज्ञविधंसकरऊतुमजाई तुमलह्मणरण-
मारेऊवोह्री देखिसभयसुरबडदुखमोह्री जामवन्तकपिराजबिभीषण सेनसमेतरह्रऊतीनौजन जब-
रघुबीरदीन्हअनुशासन कटिनिषंगकरबाणशरासन प्रभुप्रतापउरधरिरणधीरा बोलेउघनइवगिरा-
गंभीरा जौतेह्रिआजुबधेबिनुआवौं तौरघुपतिसेवकनकह्रावौं जौशतशंकरकरह्रिंसह्राई तदपिह्रतौं-
रघुबीरदुह्राई ॥

दो०। बंदिरामपदकमलयुग चलेतुरंतअनंत अंगदनीलमयंदनल संगसुभटह्रनुमंत ॥

चौ०। जाइकपिनदेखासोबैसा आह्रुतिदेतरुधिरअरुभैंसा तबकोशनक्रतयज्ञविधंसा जबनउठैतब-
करह्रिंप्रशंसा तदपिनउठैधरह्रिंकचजाई लातनह्रतिह्रतिचलह्रिंपराई लैत्रिशूलधावाकपिभागे आवा-
रामअनुजकेआगे आवतपरमक्रोधकरिमारा गर्जिघोररवबारह्रिबारा कोपिमरुतसुतअंगदधाये ह्रति-
त्रिशूलउरधरणिगिराये प्रभुपरछाडेसिशूलप्रचंडा शरह्रतिक्रतअनन्तयुगखंडा उठिबह्रोरिमारुतजुवराजा
ह्रतेउकोपितेह्रिघावनबाजा फिरेबीररिपुमरैनमारा पुनिधावाकरिघोरचिकारा धावतदेखिक्रोधजनुकाला
लह्मणछाडेबिशिखकराला आवतदेखिबज्रसमबाना तुरतभयोखलअंतरध्याना बिबिधबेषधरिकरैलडाई
कबह्रुंकप्रगटकबह्रुंदुरिजाई तबत्रिशूलछाडेसिलह्मणपर काटिकीन्हशतखंडधरणिधर शिखरएकलैपुनि-
सोधावा रामअनुजसोकाटिखंसावा ॥

दो०। आयुधबिबिधप्रह्रारकिय रजसमकीन्हफणीश बिस्मयह्रर्षह्रणह्रिह्रण बिबुधसह्रितसुरईश ॥

चौ०। बह्रुरिबिबिधशरछाडनलागा रणकारणकूटह्रिंजिमिनागा देखियजिमिरवितेजसमाना फुकरत-
मनह्रुंव्यालअनुमाना रामअनुजशरगरुडसमाना उमाग्रसतकूटह्रिंअभिमाना देखिअजयरिपुडरपेकोशा
परमक्रोधतबभयेअह्रोशा लह्मणमनअसमंत्रदृढावा इह्रिपापिह्रिमैंबह्रुतखेलावा सुमिरिकोशलाधीश-
प्रतापा शरसंधानकीन्हकरिदापा छाडाबाणतासुउरलागा घनसमानसोगरजअभागा सीसभुजाकाटे-
न्हपनागा मरतीबारकपटसबत्यागा सीसपरोधरणीतलआई शरप्रेरितभुजनभसोजाई ॥

दो०। रामअनुजकह्रिरामकह्रि असकह्रिछाडेसिप्रान धन्यशक्रजितमातुतब कह्रअंगदह्रनुमान ॥

चौ०। बिनुप्रयासह्रनुमानउठावा लंकाद्वारराखिपुनिआवा पाइसुआयसुरिक्षभकपीशा करगह्रिलीन्ह-
दुष्टकरसीसा तासुमरणसुनिसुरगंधर्बा चढिबिमानआयेनभसर्बा बरषिसुमनदुंदुभीबजावह्रिं श्रीरघुबीर-
बिमलयशगावह्रिं अस्तुतिकरिसुरसकलसिधाये लह्मणक्रपासिंधुपह्रंआये प्रभुह्रिंबिलोकिसीसपदनाय

उठिप्रभुअनुजहरषिउरलाये मुखप्रसन्नतादेखिपूछिजब रिपुबधकहाविभीषणइंतब भरतहिसीसआनि-
प्रभुआगे वानरभालुबिलोकनलागे ॥

दो०। प्रभुआयसुसुनिकोशपति राखेउयतनकराइ कटकसहितरघुबंशमणि शोभितदोनोंभाइ ॥

चौ०। कृपादृष्टिकपिकटकनिहारे भेअमरहितरामबैठारे * क्षेपक * सुनहुंउमाइहिविधिरिपु-
मारे सुरनरमुनिसबभयेसुखारे अबसोसुनहुंबाहंतेहिकेरी गइजिमिलंकलषणशरप्रेरी मेघनादआंगन-
महंपरी बाणबिद्धशोणितसोभरी राजनितहंसुलोचनाबैसी रतितेंरुचिररूपगुणतैसी नागसुतादशकंठ-
पतोहू बासवरिपुतियकहिमयजोहू हेमसिंहासनसोहतिबाला सेवहिंविद्याधरतियमाला पूजहिंबिबुध-
विनयकरितासी सुखप्रमोदकोसकैसराही तहंपतिभुजापरीइहिभांती मनहुंसकलसुखतरुपरचांकी ॥

दो०। तिहिंदिशिदासोदेखिकह शोणितश्रवभुजदण्ड केहिकरकरयहदेखहु मनहुंइन्द्रधनुखण्ड ॥

चौ०। सुनतहिविकलसखीमुखबयना तजिसिंहासनउठोसुनयना नारिसुभावधकधकीधरकी स्वचक-
अशुभदहिनिभुजफरकी होतमहारणरावणरामहिं बीरधुरीणमोरप्रियतामहिं सकलसुरासुरसकैंनजूझी
विधिमनकीकछुपरैनबूझी इतनाकहतिगईचलिआपू पतिभुजलखिकरकोटिबिलापू कंकणमणिगणभूषण-
सोई करिकरसमभुजआननहोई देखतिमनप्रतीतिनहिंतेही तासुप्रभावसुनापहिलेही नींदनारिभोजन-
परिहरई बारहबरषतासुकरमरई ॥

दो०। करिबिचारमनठीकदै मैंपतिदैवतनारि भुजलिखिमेटहुदुचितई सुनिकरदीन्हपसारि ॥

चौ०। लखिरुखतासुसखीउठिधाई तुरतहिखोजिखरीलैआई दीन्हहाथपरमणिअंगनाई लिखत-
लषणकीरतिरुचिराई जोकालहुकरकालभयंकर बरणतसुयशशारदाशंकर धरहिंबिबिधतनुसेवकहेतू
जासुनामभवसागरसेतू मुनिमनपुण्डरीकजाकेघर बचनबिवेकबिचारबुद्धिबर सोइतवलगियहभुजापठाई
ममसिरगएउजहांरघुराई बांचिसकलभुजलिखितयथारथ लक्ष्मणरामजानिपरमारथ नारिस्वभाव-
नदपिबहुभांती बिलपिबिकलकरपीटतिछाती गुणगणसाहसशीलनाहंको कहिरोदतिबलबिजयबांहंको ॥

दो०। तेहिक्षणसखीसयानिएक कहिसमुझाईबैन शोककछाडुपतिदेवता निरखिज्ञानकेनैन ॥

चौ०। सुनिकहसहसाननतनुजाता सत्यकहातुम्हसखीसुबाता बिधिनिर्मितमोकहंदुखलाहू सुखपरि-
पूरिभुवनसबकाहू बिजयरामलक्ष्मणकहंआएउ सुयशसकलमर्कटकुलपाएउ कुलकलङ्कबडलहेउ-
बिभीषण कुलकुठारअससुनेउनदीषण छूटिबन्दिअबसुरगणकेरी निजनिजपुरनिदुहाईफेरी मुनि-
पुलस्तिकरभाकुलनाशा अबरविशशिसुखकरहिंप्रकाशा तेजवन्तपावकपरिहरिदुख बहहिंसमीरआजु-
अपनेसुख सलिलगगनभूनिर्मलआजू सुबमवसहिंसुरनायकराजू ॥

दो०। यमकुबेरदिगपालसब प्रमुदितसुरनरनाग खाईअघायबिहायदुख पायसुयज्ञविभाग ॥

चौ०। इतनाकहिमंदिरमहंआई देखतिमणिगणधनबहुताई सुरपतिभवननपटतरपाई ऋद्धिसिद्धिजहं-
सकलसुहाई देखतविषयनमनअनुरागेउ पतिपदनेहनिपुणमनलागेउ दीन्हेमणिगणभूषणचीरा धेनु-
धरणिगजहाटकहीरा मणिमयशिविकारचेउबनाई भुजचढाइपहिरावबनाई आपुनचढतिभईतहंआई
सुरदुर्लभसुखसदनबिहाई चलीअसुरगृहबाससुवागे प्रजालोगआतुरसंगलागे देखिभीरदशकंधरद्वारे

सजगहोउसबबीरप्रचारे जानाकटकरिपुन्हिकीआई अस्त्रशस्त्रकरधरऊबनाई निपटहिंनिकटपालकी-
आई चीन्हिसकलभटरहेनजाई देखिजुहारिनागपतिकन्या सतीशिरोमणित्रिभुवनधन्या ॥

दो०। द्वारपालदशकंधकहं समयसुनाएउजाइ भईरजायसुबेगिहीं लेऊसुताहिबुलाइ ॥
तिहिंअवसरहिसुलोचना गहेचरणशिरनाइ राखिभुजाघननादकी करुणावचनसुनाइ ॥

चौ०। तुमहिंअछतअसिहालहमारी सुखतजिभइउंशोकअधिकारी नभमारगभुजममगृहपरी संशय-
जानिदीन्हकरखरी लिखीराममलक्ष्मणमहिमाइन्ह क्रमसोंसबबिधिकथाकहीतिन्ह ठगिसोरहीबांचिगुण-
गाथा जरउंसंगजौपाऊंमाथा शिरतहंजहंनरेशहैभाई करियसोयतनबेगिजेहिपाई सुनतकुलिशसम-
गिराबधूकी जीवनआशदशाननमूकी तदपिधीरधरिकरतप्रबोधा कऊजगमोहिसमानकोजोधा अब-
लगिरहाभरोसाभारी कुम्भकरणघननादसुरारी मैंहूंआजुलगिकीन्हनजूझा इन्हसबकरपुषारथबूझा
मरेतेनरबानरकेमारे बातसुनतबडिलाजहमारे गिनतोकवनिबीरमहंतिन्हकी अनिदुर्दशाकीन्हकपि-
जिन्हकी काडुसोचकुलबधूपतोऊ जानेउउन्हसमानजनिमोऊ पुत्रिबिलंबकरऊघटिचारी देखऊमोरि-
भयंकरमारी शिरआनऊंसबशत्रुन्हकेरा बिनुप्रयासनहिंलागहिंबेरा ॥

दो०। रामलषणसुग्रीवनल नीलद्विबिदहनुमन्त माथबिभीषणऋषभको आनौंमारितुरन्त ॥

चौ०। क्रोधावेशप्रगटबलबोलहि हृदयशोकतरुअचलनडोलहि समाधाननहिंमाननिसोई सुनिप्रलाप-
परितोषनहोई नरबानरपुरुषारथदेखत बडोप्रपञ्चकोटकरिलेखत कूदिसिंधुलंकाकपिजारी लघुकार-
माननताहिसुरारी कुम्भकर्णअतिकायमहोदर ममपतिगिरेउनशंकसहोदर तेंहिरिपुचहहिंदशाननजीती
देखियमहामोहकीरीती उत्तरदेउतौपानकहोई करिबिबादतुमसबंसुखोई फिरउराजतोमोहिनकाजू
बिनुप्रियसकलनरककरसाजू ॥

दो०। तुरतहिउठीसुलोचना गईमयसुताजूपास पदगहिरोवतिसकलकहि प्रगटशोकउपहास ॥

चौ०। आदिहितेसबकथाबखानी सुनिसुनिरोवहिंरावणरानी सुनिसोइपुत्रबधूकीबाणी बोलीदुखित-
मदोदरिराणी देविनहोइवृथाऋषिभाषित अपनेमहामोहमनमाखित बीरभावदशकंधरजूझहिं प्राणऊं-
गयेनीतिनहिंबूझहिं भावीबशसुखदुखजगआही उपदेशियेसुनऊभलकाही तैंपुत्रीपरिहरिअवशोका
पतिसङ्गतुरितसाधिपरलोका जाहिरामपहिंपतिशिरलागी तजिसकोचआनहिंशिरमांगी होवनलाज-
आजुकोभूषण समयहीनगुणगणियनदूषण एकनारिब्रतरघुपतिकेरा लक्ष्मणयशतैंसुनाघनेरा हैंपुनि-
ससुरबिभीषणतोरा बालिसुवनहैबालकमोरा मंत्रीजामवन्तसुग्रीवा दुबिदमयन्दपनसबलसीवा जानिय-
ब्रह्मचर्य्यहनुमन्ता शिवस्वरूपभयहरभगवन्ता सदानीतिरतरामनरेशू तहांजातकऊकवनकलेशू सुनत-
सासुमुखकोहितबानी जाउंरामपहिंयहउरआनी चलीजहांलक्ष्मणरघुराई बारबारचरणनिशिरनाई ॥

दो०। देखतिहरषसुलोचना धीरजधरतिबहोरि महाराजरघुबीरकहं बिनयसुनायऊमोरि ॥

चौ०। बानरसकलउठेअसबोली अरिपुरतेंआवतएकडोली यहजानियरावणअबबूझा भयिमति-
घनादजबजूझा हठतजिसीतहिंदीन्हपठाई नजऊंशोचअबमिटीलराई पैठिकटकअतिशयसकुचाई
अनचिन्हारिजिमिपरघरजाई आगेजाइदीखरघुबीरहिं छबिमयश्यामलगौरशरीरहिं भृकुटीबिकट-

कपोलसुहाये शीशजटाकेमुकुटबनाये भालविशालतिलकजुनसोहई ध्यानसमयलखिमुनिमनमोहई बलकलबसनतूणकटिबांधे करशरसुभगशरासनकांधे बीरासनआसनमृगछाला नवपल्लवप्रहनकीमाला चरणशरोजबरणिनहिंजाई रहंमुनिमधुकरसदालोभाई प्रगटभईजेहियतलतेंगंगा श्रुतिपुराणकहकथाप्रशंगा नवहिंमहेशबिरंचिजाहिकहुं लोचनगोचरहोइकाहिकहुं भक्तनआरतिभक्तनजोहित भवसागरतारणकहंबोहित ॥

दे०। प्रणतपालबिरदावली जिन्हचरणनिकीबानि शोचहरणसंशयहरण सकलसुमंगलखानि ॥

चै०। करनिदण्डवतशिरधरिधरणी नवसबकथाबिभीषणबरणी पुत्रबधूदशकंधरकोहै पतिदेवतासुलोचनितीहै करिप्रणामआदरनहिंथोरे करुणावचनकहतिकरजोरे दीनदयालअनुग्रहकारी पतितमोहिप्रभुलेहुउधारी करुणाबचनसुनतरघुबीरा पुलकरामभएशिथिलशरीरा देउंजिवायतोरपतिआजू भुजबलंककमलुषशतराजू आपुउदारदेवसबलायक करुणामयदेखेउंरघुनायक मैंबहुबिचारकीन्हमनमाही जीवनतेअसमरणसराही भुजबलजीतितिलोकवशकीन्हे चैादहभुवनभोगकरिलिन्हे रणतीरथजाचनभलचिन्हेउं प्राणसोधनलक्ष्मणकरदिन्हेउं अबनउचितबिनदैअपहारा तिहिंपरअधिकसुदर्शतुम्हारा जानियहमर्मरबसतसाधी मिलबतुम्हहिजिमिब्रह्मअराधी ॥

दे०। निर्मलगतिअवसरभएउ सुनियसत्यरघुबीर तुम्हहिमिलैनहिंहोइभव यथासिंधुगतनीर ॥

चै०। मनकीजाननहारसुदेवा भवसागरनांघहिइहिखेवा प्रभुलीन्हेउकपिराजबुलाई मेघनादशिरदीन्हमंगाई पाइकृतारथमानेउआपू मेटाबिरहजनितपरितापू देखिकरतसंशयसुग्रीवां भुजमहिलिखासोमोहिनसीवां हसैबदनतैातियहसांची नाहितोनिशिचरमायानांची जैामनबचनकर्मयहदेही पतिदेवतानआनसनेही तैाप्रभुसभाबीचसिरबोलहिं रहिजाइहिजगसुयशअमोलहिं सुनितियवचनहसेउतबसीशा चैांकिउठेसबभालुकपीशा ॥

दे०। शीशपाइप्रभुचरणगहि बहुबिधबिनयसुनाइ आजुकेदिनरणपरिहरहु ममहितकोशलराइ ॥

चै०। बहुरिबिभीषणपदहिनमतिसो रघुबरगुणगणहृदयगणतिसो तुमपितुसमदशकंधरभाई यहिकुलकीतोहिलाजबडाई मुनिपुलस्तिपरिवारकेदीपक पाएउफलरघुबीरसमीपक प्रथममोहबशअनहितमानेउं ज्ञानभयोतवगुणपहिचानेउं युगयुगकरबअकंटकराजू सहितसुकोरतिसुकृतसमाजू सुमिरततुम्हहिसुयशजनपैहैं रघुबरचरितसंगकरिगैहैं सुनतबिभीषणाकरुणाभारी प्रगटनकरतसमयअनुहारी कालकर्मगतिकहिसमुझाई चलीतुरितगुरुआयसुपाई ॥

दे०। बाहिरकरिकपिकटकतें फिरेबिभीषणआपु बिसरेउदशकंधरबयर निरखिहोतसंतापु ॥

चै०। शिरचढाइपालकीचढीसो रघुपतिकृपाप्रभावबढीसो हृदयराखिमूरतिघनश्यामहिं रसनारटतिनिरन्तररामहिं सरितसिंधुसंगमजहंपावन यहसुधिपाइगयेतहंरावण सकलमदोदरिसबरनिवास मनकुंशोकरविकीन्हप्रकाशू पाइरजायसुसेवकधाये चन्दनअगरभारबहुल्याये रचोदारुमयचितावनाई अनुसुरलोकनिसेनीलाई करिप्रणामसबजनपरितोषे भोरजधरिसुमिरतिसतचोषे शिरभुजधरिबैठीकरिआसन भईजनुयोगसिद्धिकोवासन ॥

दो०। दीन्हअग्निज्वालाबढी लपटगगनलगिजाइ लखीनकाहुजातसो सुरपुरपहुंचीधाइ ॥ *इतिहानंक*
चौ०। सुतबधसुनादशाननजबहीं संभ्रममूर्छिपरामहितबहीं दुखितभयउलोचनभरिआये जनुनिज-
मणिअहिराजगंवाये हासुतसन्ततआज्ञाकारी करिबिलापदशकंधपुकारी शक्रआदिजीतेहुसबदेवा
सुरमुनिबंदिकरायेहुसेवा दूसररहानभुजबलदापा स्वर्गभूमितलतपेउप्रतापा इहिबिधिकरिबिलाप-
लंकेशा भयउतेजहतसुनुउरगेशा मन्दोदरीरुदनकरिभारी उरताडतिबहुभांतिपुकारी नगरलोगसब-
व्याकुलसोचा सकलकहहिंदशकंधरपोचा ॥
दो०। तबदशकंधअनेकबिधि समुझाईसबनारि नश्वररूपप्रपंचयह देखहुहृदयबिचारि ॥
चौ०। तिनहिज्ञानउपदेशेउरावण आपुनमंदकथाअतिपावन परउपदेशकुशलबहुतेरे जेआचरहिं-
तेनरनघनेरे तासुक्रियाकरिनिशिचरनाहा भयउतेजहतअतिउरदाहा सचिवआइसबलागुबुझावन
बादिबिषादकरियजनिरावण सुतबितनारित्रिबिधसुखकैसे उपजहिंघटामेघनभजैसे यहजियजानिसुनहु-
दशभाला बचहिंनकोउजगआयेकाला अबप्रभुयतनबिचारहुसोई रिपुकरनाशजवनबिधिहोई बचन-
सुनततेंइकछुसुखमाना कालबिबशजसतोरथज्ञाना इहिबिधिजल्पतभाभिनुसारा लगेभालुकपिचारिहुं-
द्वारा सुभटबुलाइदशाननबोला रणसनमुखजाकरमनडोला सोअबहींबरुजाइपराई रणसनमुखभागेन-
भलाई निजभुजबलमैंबैरबढावा दैहौंउतरजोरिपुचढिआवा असकहिमरुतबेगरथसाजा बाजहिंसकल-
जुझाऊबाजा चलेबीरसबअतुलितबली जनुकज्जलगिरिआंधीचली अशगुनअमितहोहिंतेहिकाला
गनैनभुजबलगर्वबिशाला ॥
छं०। अतिगर्वगणतनशगुनअशगुनश्रवहिंआयुधहाथते भटगिरहिंरथतेबाजिगजचिक्करतभाजहिंसाथते ॥
गोमायुगृध्रकरालखररवश्वानबोलहिंअतिघने जनुकालदूतउलूकबोलहिंसकलपरमभयावने ॥
दो०। ताहिकिसंपतिशगुनशुभ सपनेहुमनबिश्राम भूतद्रोहरतमोहबश रामबिमुखरतकाम ॥
चौ०। चलीनिशाचरअनीअपारा चतुरंगिनीचमूबहुधारा बिबिधभांतिबाहनरथयाना बिपुलबरण-
पताकध्वजनाना चलेमत्तगजयूथघनेरे मनहुंजलदमारुतकेप्रेरे बरणबरणबरदैत्यनिकाया समरशूर-
जानहिंबहुमाया अतिबिचित्रबाहनीबिराजी बीरबसंतसेनजनुसाजी चलतकटकदिगसिंधुरडगहीं
छुभितपयोधिकुधरडगमगहीं उठीरेणुरबिगयउछिपाई पवनथकितबसुधाअकुलाई पणवनिसानघोररव-
बाजहिं महाप्रलयकेजनुघनगाजहिं भेरिनफीरिबाजुसहनाई मारूरागशूरसुखदाई केहरिनादबीर-
सबकरहीं निजनिजबलपौरुषअनुसरहीं कहैदशाननसुनहुसुभट्टा मर्दहुभालुकपिनकरठट्टा हौंमारिहौं-
भूपद्वौभाई असकहिसनमुखफौजचलाई यहसुधिसकलकपिनजबपाई धायेकरिरघुबीरदुहाई ॥
छं०। धायेबिशालकरालमर्कटभालुकालसमानते मानहुंसपक्षउडाहिंभूधरवृन्दनानाबरणते ॥
नखदशनशैलनकरमद्रुमगहिसबलशंकनमानहीं जयरामरावणमत्तगजमृगराजसुयशसुनावहीं ॥
दो०। दुहुंदिशिजयजयकारकरि निजनिजजोरीजानि भिरेबीरइतरघुपतिहि उतरावणहिबखानि ॥
चौ०। रावणरथीबिरथरघुबीरा देखिबिभीषणभयउअधीरा अधिकप्रीतिउरभासंदेहा बंदिचरणकह-
सहितसनेहा नाथनरथनाहीपदत्राना केहिबिधिजीतबरिपुबलवाना सुनहुसखाकहकृपानिधाना जेहि-

जयहोइसोस्यंदनआना शौरजधीरजाहिरथचाका सत्यशीलदृढध्वजापताका बलबिबेकदमपरहितघोरे
क्षमादयासमतारजुजोरे ईशभजनसारथीसुजाना बिरतिचर्मसंतोषकृपाना दानपरशुबुधिशक्तिप्रचंडा
बरबिज्ञानकठिनकोदंडा संयमनियमशिलीमुखनाना अमलअचलमनत्रोणसमाना कवचअभेदबिप्रपद-
पूजा इहिसमबिजयउपायनदूजा सखाधर्ममयअसरथजाके जीतनकहंनकतहुंरिपुताके ॥

दो०। महाघोरसंसाररिपु जीतिसकैकोबीर जाकेअसरथहोइदृढ सुनहुसखामतिधीर ॥
सुनतबिभीषणप्रभुबचन हरषिगहेपदकंज इहिबिधिमोहिउपदेशकिय रामकृपासुखपुञ्ज ॥
उतप्रचारदशकंधकर इतअंगदहनुमान लरतनिशाचरभालुकपि करिनिजनिजप्रभुआन ॥

चौ०। सुरब्रह्मादिसिद्धमुनिनाना देखहिंरणनभचढेबिमाना मैंहुंउमारहेउंतेहिसंगा देखतरामचरित-
रणरंगा सुभटसमररसदुहुंदिशिमाते कपिजयशीलरामबलताते एकएकसनभिरहिंप्रचारहिं एकएक-
मर्दहिंमहिपारहिं मारहिंकाटहिंधरणिपछारहिं सीसतोरिगहिभुजाउपारहिं उदरबिदारहिंभुजा-
उपारहिं गहिपदअवनिपटकिभटडारहिं निशिचरभटमहिगाडहिंभालू ऊपरडारिदेहिंबहुबालू बीर-
बलीमुखयुद्धबिरुद्धा देखियबिपुलकालजनुक्रुद्धा ॥

छं०। क्रोधेकृतांतसमानकपितनुस्रवतशोणितराजहीं मर्दहिंनिशाचरकटकभटबलवंतजिमिघनगाजहीं ॥
मारहिंचपेटनिकाटिदांतनिडांटिलातनमींजहीं चिक्करहिंमर्कटभालुछलबलकरहिंजेहिखलछीजहीं ।
धरिगालफारहिंउरबिदारहिंगलअंतावलिमेलहीं प्रहलादपतिजनुबिबिधतनुधरिसमरअंगनखेलहीं ।
धरुमारुकाटिपछारुघोरगिरागगनमहिभरिरही जयरामजोतृणतेकुलिशकरुकुलिशतेकरुतृणसही ॥

दो०। निजदलबिचलबिलोकितब बीशभुजादशचाप चलादशाननकोपकरि फिरहुफिरहुकरिदाप ॥

चौ०। धावापरमक्रोधदशकंधर सनमुखचलेहूहदैबंदर गहिकरपादपउपलपहारा डारहिंतेहिपर-
एकहिबारा लागहिंशैलबज्रतनुताहू खंडखंडहोइफूटहिंआहू चलानअचलरहारथरोपी रणदुर्मद-
रावणअतिकोपी इतउतझपटिदपटिकपियोधा मरदैलागभयोअतिक्रोधा चलेपराइभालुकपिनाना
त्राहित्राहिअंगदहनुमाना पाहिपाहिरघुबीरगुसाईं यहखलखावकालकीनाईं तेहिदेखेकपिसकलपराने
दशहुचापशायकसंधाने ॥

छं०।संधानिधनुशरनिकरछाडेसिउरगजिमिउडिलागहीं रहपूरिशरधरणीगगनदिशिबिदिशिकहंकपिभागहीं
भाअतिकोलाहलबिकलदलकपिभालुबोलहिंआतुरे रघुबीरकरुणासिंधुआरतबंधुजनरक्षकहरे ॥

दो०। बिचलतदेखाकपिकटक कटिनिषंगधनुहाथ लक्ष्मणचलेसकोपतब नाइरामपदमाथ ॥

चौ०। रेखलकामारसिकपिभालू मोहिबिलोकुतोरमैंकालू खोजतरहेउंतोहिसुतघाती आजुनिपाति-
जुडावौंछाती कहिअसछाडेसिबाणप्रचंडा लक्ष्मणकियेशरहतिशतखंडा कोटिनआयुधरावणडारे तिल-
प्रमाणप्रभुकाटिनिवारे पुनिनिजबाणन्हकीन्हप्रहारा स्यन्दनभञ्जिसारथीमारा शतशतशरमारेदशभाला
गिरिशृंगनिजनुप्रबिशहिंब्याला पुनिशतशरमारेउरमाहीं परेउअवनितनुसुधिकछुनाहीं उठाप्रबलपुनि-
मूर्छाजागी छाडेसिब्रह्मदत्तजोसांगी ॥

छं०। जोब्रह्मदत्तप्रचंडशक्तिअनन्तउरलागीसही परौबिकलबीरउठावदशमुखअतुलबलमहिमारही ॥

ब्रह्मांडभुवनबिराजजाकेएकशिरजिमिरजकनी सोचहउठावनमूढरावणजाननहिंत्रिभुवनधनी ॥

दो०। देखतधावापवनसुत बोलतबचनकठोर आवततेहिउरमहंहनेउ मुष्टिप्रहारप्रघोर ॥

चौ०। जानुटेकिकपिभूमिनपरेऊ उठासंभारिबहुरिरिसभरेऊ मुठिकाएकताहिकपिमारा परेउशैल-
जिमिबज्रप्रहारा मूर्छागईबहुरिसोजागा कपिबलबिपुलसराहनलागा धिकधिकधिकबलपौरुषमोही
जोतैंजियतउठासुरद्रोही असकहिकपिलक्ष्मणकहंल्यावा देखिदशाननबिस्मयपावा कहरघुबीरसमुझि-
जियभ्राता तुमकृतांतभक्षकसुरत्राता सुनतबचनउठिबैठुकृपाला गगनगईसोशक्तिकराला पुनिकोदंड-
बाणगहिधाये रिपुसन्मुखअतिआतुरआये ॥

छं०। आतुरबहोरिबिभंजिस्यन्दनमारितेहिव्याकुलकियौ गिरयौधरणिदशकंधरबिकलतनुबाणशतबेध्यौहियौ
सारथीरथघालिदूसरताहिलंकालैगयौ रघुबीरबंधुप्रतापपुञ्जबहोरिप्रभुचरणननयौ ॥

दो०। उहांदशाननबहुरिउठि करणलागुकछुयज्ञ जयचाहतरघुपतिबिमुख शठहठबशअतिअज्ञ ॥

चौ०। इहांबिभीषणसबसुधिपाई सपदिजाइरघुपतिहिसुनाई नाथकरैरावणइकयागा सिद्धभयेनहिं-
मरिहिअभागा पठहुनाथबेगिभटबंदर करहिंबिधंसआवदशकंधर प्रातहोतप्रभुसुभटपठाये हनुमदादि-
बंदरसबधाये कौतुककूदिचढेकपिलंका पैठेरावणभवनअशंका जबहोंयज्ञकरततेहिदेषा सकलकपि-
नभाक्रोधबिशेषा रणतेभाजिनिलजगृहआवा इहांआइबकध्यानलगावा असकहिअंगदमारेउलाता
चितवनशठस्वारथमदराता ॥

छं०। नहिंचितवजबकपिकोपितबगहिदशनलातनमारहीं धरिकेशनारिनिकारिबाहरजबसोदीनपुकारहीं ॥
तबउठाकोपिकृतांतसमगहिचरणबानरडारहीं इहिभांतियज्ञबिधंसकरिकपिनेकुमननहिंहारहीं ॥

दो०। मखबिधंसकरिकपिसकल आयेरघुपतिपास चलादशाननक्रोधकरि छाडीजियकीआस ॥

चौ०। चलतहोहिंतेहिअशुभभयंकर बैठहिंगृध्रउडाहिंसिरनिपर भयउकालबशकाहुनमाना कहेसि-
बजावहुयुद्धनिसाना चलीतमीचरअनीअपारा बहुगजरथपदचरअसवारा प्रभुसन्मुखखलधावहिंकैसे
शलभसमूहअनलकहंजैसे इहांदेवसबबिनतीकीन्ही दारुणबिपतिहमहिंइनदीन्ही अबजनिनाथ-
खेलावहुएहो अतिशयदुखितहोतिबैदेहो देवबचनसुनिप्रभुमुसुकाना उठिरघुबीरसुधारेउबाणा जटा-
जूटबांधोदृढमाथे सोहतसुमनबीचबिचगाथे अरुणनयनबारिदतनुश्यामा अखिललोकलोचनअभिरामा
कटितटपरिकरकसेनिषंगा करकोदंडकठिनशारंगा ॥

छं०। शारंगकरसुंदरनिषंगशिलीमुखाकरकटिकस्यौ भुजदंडपीनमनोहरायउरधरासुरपदलस्यौ ॥
कहदासतुलसीजबहिंप्रभुशरचापकरफेरनलगे ब्रह्मांडदिग्गजकमठअहिमहिसिंधुभूधरडगमगे ॥

दो०। हरषेदेवबिलोकिछबि बरषहिंसुमनअपार जयजयप्रभुगुणज्ञानबल धामहरणमहिभार ॥

चौ०। इहिकेबीचनिशाचरअनी कसमसातिआईअतिघनी देखिसनमुखचलेकपिभट्टा प्रलयकालके-
जिमिघनघट्टा शक्तिशूलतरवारिचमकाहिं जनुदशदिशिदामिनीदमकाहिं गजरथतुरगचिकारकठोरा
गरजतमनहुंबलाहकघोरा कपिलंगूरबिपुलनभछाये मनहुंइन्द्रधनुउगेउसुहाये उठीरेणुमानहुंजल-
धारा बाणबून्दभइवृष्टिअपारा दुहुंदिशिपर्वतकरहिंप्रहारा बज्रपातजनुबारहिबारा रघुपतिकोपिबाण-

झरिलाई घायलभेनिशिचरसमुदाई लागतबाणबीरचिक्करहीं घुर्मिघुर्मिअगणितमहिपरहीं अवहिंशैलजनुनिर्झरबारी शोणितसरिकादरभयकारी ॥

छं० । कादरभयंकररुधिरसरिताबाढिपरमअपावनी दोकूलदलरथरेतचक्रअवर्तबहतिभयावनी ॥
जलजंतुगजपदचरतुरगरथबिबिधबाहनकोगने शरशक्तितोमरपरशुचापतरंगचर्मकमठघने ॥

दो० । बीरपरेजनुतीरतरु मज्जाबहजनुफेन कादरदेखतडरहिंजिय सुभटनकेमनचैन ॥

चौ० । मज्जहिंभूतपिशाचबेताला केलिकरहिंयोगिनीकराला काककंकलैभुजाउडाहीं इकतेएकछीनिखाहीं एककहहिंऐसोसौंघाई शठतुम्हारदारिद्रनजाई कहरतभटघायलतटगिरे जहंतहंमनहुंअर्द्धजलपरे खैंचहिंआंतगृध्रतटभये जनुबनशीखेलतचितदये बहुभटबहेचढेखगजाहीं जिमिनावरिखेलहिंसरिमाहीं योगिनिभरिभरिखप्परसांचहिं भूतपिशाचबिबिधबिधिनाचहिं भटकपालकरतालबजावहिं चामुण्डानानाबिधिगावहिं जंबुकनिकरतहांकटकटहीं खाहिंअघाहिंहुंआहिंदपटहीं कोटिनरुण्डमुण्डबिनुडोलहिं सीसपरेमहिजयजयबोलहिं ॥

छं० । बोलहिंजोजयजयरुण्डमुण्डप्रचंडशिरबिनुधावहीं परिणामयुद्धअगुह्यजूझहिंसुभटसुरपुरपावहीं ॥
निशिचरबहूथनिमर्दिगर्जहिंभालुकपिदर्पितभये संग्रामअंगनसुभटसोहहिंरामशरनिकरनिहये ॥

दो० । हृदयबिचारेसिदशबदन भानिशिचरसंहार मैंअकेलकपिभालुबहु मायाकरौंअपार ॥

चौ० । देवन्हप्रभुहिंपयादेहिंदेखा उरउपजाअतिक्षोभबिशेषा सुरपतिनिजरथतुरतपठावा हरषसहितमातलिलैआवा तेजपुञ्जरथदिव्यअनूपा बिहंसिचढेकोशलपुरभूपा चंचलतुरगमनोहरचारी अजरअमरमनसमगतिकारी रथारूढरघुनाथहिंदेखी धायेकपिबलपाइबिशेषी सहीनजाइकपिनकीमारी तबरावणमायाबिस्तारी सोमायारघुबीरहिंबांची सबकाहूमानीकरिसांची देखीकपिननिशाचरअनी बहुअंगदकपिलक्ष्मणधनी ॥

छं० । बहुबालिसुतलक्ष्मणकपीशबिलोकिमर्कटअपडरे जनुचित्रलिखितसमेतलक्ष्मणजहंसोतहंचितवतखरे ।
निजसेनचकितबिलोकिहंसिधनुतानिशरकोशलधनी मायाहरीहरिनिमिषमहंहरषीसकलमर्कटअनी ।

दो० । बहुरिरामसबतनचितय बोलेबचनगंभीर द्वंदयुद्धदेखहुसकल अमितभयेअतिबीर ॥

चौ० । असकहिरथरघुनाथचलावा बिप्रचरणपंकजसिरनावा तबलंकेशक्रोधकरिधावा गर्जितर्जिप्रभुसन्मुखआवा जीतेहुजेभटसंयुगमाहीं सुनतापसमैंतिनसमनाहीं रावणनामजगतयशजाना लोकपालजेहिबंदीखाना खरदूषणबिराधतुममारा हतेहुव्याधइवबालिबेचारा निशिचरसुभटसकलसंहारे कुम्भकर्णघननादहिंमारे आजुबैरसबलेउंनिबाही जौरणभूमिभागिनहिंजाही आजुकरौंखलकालहवाले परेहुकठिनरावणकेपाले सुनिदुर्बचनकालबशजाना कहेउबिहंसितबकृपानिधाना सत्यसत्यतबसबप्रभुताई जनिजल्पसिदेखबमनुसाई ॥

छं० । जनिजल्पनाकरिसुयशनाशहिंनीतिसुनिशठकरुतमा संसारमहंपूरुषत्रिबिधपाटलरसालपनससमा ।
एकसुमनप्रदएकसुमनफलएकफलैकेवललागहीं इककहहिंकहहिंकरहिंअपरइककरहिंकहतनबागहीं ।

दो० । रामबचनसुनिबिहंसिकह मोहिसिखावहुज्ञान बैरकरततबनहिंडरेहु अबलागतप्रियप्रान ॥

चौ०। कहिदुर्बचनक्रोधदशकंधर कुलिशसमानलागछाडनशर नानाकारशिलीमुखधाये दिशिअरु-बिदिशिगगनमहिछाये अनलबाणछाडेरघुबीरा छणमहंजरेनिशाचरतीरा छाडेसितीब्रशक्तिखिसिआई बाणसंगप्रभुफेरिपठाई कोटिनचक्रत्रिशूलपवारे तृणसमानप्रभुकाटिनिवारे निफलहोहिंरावणशरकैसे खलकेसकलमनोरथजैसे तबशतबाणसारथिहिमारेसि परेउभूमिजयरामपुकारेसि रामकृपाकरिसूत-उठावा तबप्रभुपरमक्रोधउरछावा ॥

छं०। भयेक्रुद्धयुद्धबिरुद्धरघुपतितूणशायककसमसे कोदंडधुनिसुनिचंडअतिमनुजादिभयमारुतग्रसे ॥
मंदोदरीउरकंपकंपितकमठभूधरअतित्रसे चिक्करहिंदिग्गजदशनगहिमहिदेखिकौतुकसुरहंसे ॥

दो०। तानिशरासनश्रवणलगि छाडेबिशिखकराल रामबाणनभमगचले लहलहातजनुव्याल ॥

चौ०। चलेबाणसपक्षजनुउरगा प्रथमहिहतेसारथीतुरगा रथबिभंजिहतिकेतुपताका गर्जाअतिअंतर-बलथाका तुरतआनिरथचढिखिसियाना छाडेसिअस्त्रशस्त्रबिधिनाना बिफलहोइंसबउद्यमताके जिमि-परद्रोहनिरतमनसाके तबरावणदशशूलचलाये बाजिचारिमहिमारिगिराये तुरगउठाइकोपिरघुनायक छाडेअतिकरालबहुशायक रावणशिरसरोजबनचारी चलरघुनाथशिलीमुखधारी दशदशबाणभालदश-मारे निसरिगयेचलुरुधिरपनारे श्रवतरुधिरधावाबलवाना प्रभुपुनिकृतधनुशरसंधाना तीशतीररघुबीर-पवारे भुजनिसमेतसीसमहिपारे काटतहीपुनिभयेनवीने रामबहोरिभुजासिरछीने कटितझटितपुनि-नूतनभये प्रभुबहुबारबाहुसिरहये पुनिपुनिप्रभुकाटहिंभुजसीसा अतिकौतुकीकोशलाधीशा रहेछाइनभ-सिरअरुबाहू मानहुंअमितकेतुअरुराहू ॥

छं०। जनुराहुकेतुअनेकनभपथश्रवतशोणितधावहीं रघुबीरतीरप्रचंडधावहिंभूमिगिरननपावहीं ॥
इकएकशरशिरनिकरछेदेनभउडतइमिसोहईं जनुकोपिदिनकरकरनिकरजहंतहंबिधुन्तुदपोहईं ॥

दो०। जिमिजिमिप्रभुहततासुशिर तिमितिमिहोहिंअपार सेवतबिषयबिबर्द्धजिमि नितनितनूतनमार ॥

चौ०। दशमुखदीखसिरनिकीबाढी बिसरामरणभईरिसगाढी गरजेउमूढमहाअभिमानी धायउ-दशहुशरासनतानी समरभूमिदशकंधरकोपा बरषिबाणरघुपतिरथलोपा दंडएकरथदेखिनपरेऊ जनु-निहारमहंदिनकरदुरेऊ हाहाकारसुरन्हसबकीन्हा तबप्रभुकोपिधनुषकरलीन्हा शरनिवारिरिपुकेसिर-काटे तेदिशिबिदिशिगगनमहिपाटे काटेसिरनभमारगधावहिं जयजयधुनिकहिभयउपजावहिं कहं-लक्ष्मणहनुमंतकपीशा कहंरघुबीरकोशलाधीशा ॥

छं०। कहंरामकहिसिरनिकरधावहिंदेखिमर्कटभजिचले संधानिशररघुबंशमणितबशरनिसिरबेधेभले ॥
शिरमालिकागहिकालिकातहंबृन्दबृन्दनिसोमिली करिरुधिरसरमज्जनमनहुंसंग्रामबटपूजनचली॥

दो०। पुनिरावणअतिकोपकरि छाडीशक्तिप्रचंड सन्मुखचलीबिभीषणहि मनहुंकालकोदंड ॥

चौ०। आवतदेखिशक्तिखरधारा प्रणतारतहरिबिरदसंभारा तुरतबिभीषणपाछेमेला सनमुखराम-सहेउसोसेला लगीशक्तिमूर्छाकछुभई प्रभुकृतखेलसुरन्हबिकलई देखिबिभीषणप्रभुश्रमपायउ गहिकर-गदाक्रोधकरिधायउ रेअभाग्यशठमंदकुबुद्धे तैंसुरनरमुनिनागबिरुद्धे सादरशिवकहंसीसचढाये एक-एककेकोटिनपाये तेहिकारणखलअबलगिबांचा अबतवकालसीसपरनाचा रामबिमुखशठचहसिसंपदा असकहिहनेसिमांझउरगदा ॥

छं०। उरमांझगदाप्रहारघोरकठोरलागतमहिपर्‌यौ दशवदनशोणितश्रवतपुनिसंभारिधायेरिसभर्‌यौ ॥
द्वौभिरेअतिबलमल्लयुद्धबिलोकिएकहिइकहनै रघुबीरबलगर्वितविभीषणघालिनहिंताकहंगनै ॥
दो०। उमाबिभीषणरावणहिं सनमुखचितवकिकाउ भिरतसोकालसमानअब श्रीरघुबीरप्रभाउ ॥
चौ०। देखाश्रमितबिभीषणभारी धावाहनूमानगिरिधारी रथतुरंगसारथीनिपाता हृदयमांझमारेउ-
तेहिलाता ठाढरहाअतिकंपितगाता गयउबिभीषणजहंजनत्राता पुनिरावणनेहिहनेउप्रचारी चलागगन-
कपिपूंछपसारी गहेसिपूंछकपिसहितउडाना पुनिनभभिरेउप्रबलहनुमाना लरतअकाशयुगलसमयोधा
हनतएकएकहिंकरिक्रोधा शोभितनभछलबलबहुकरहीं कज्जलगिरिसुमेरुजनुलरहीं बुधिबल-
निशिचरपरैनपारा तबमारुतसुतप्रभुहिंसंभारा ॥
छं०। संभारिश्रीरघुबीरधीरप्रचारिकपिरावणहन्यौ महिपरतपुनिउठिलरतदेवनयुगलकहंजयजयभन्यौ ॥
हनुमन्तसंकटदेखिमर्कटभालुक्रोधातुरचले रणमत्तरावणसकलसुभटप्रचंडभुजबलदलिमले ॥
दो०। रामप्रचारेबीरसब धायेकीशप्रचंड कपिदलबिपुलबिलोकितेंइ कीन्हप्रगटपाषंड ॥
चौ०। अन्तरध्यानभयोक्षणएका पुनिप्रगटेसिखलरूपअनेका रघुबरकटकभालुकपिजेते जहंतहंप्रगट-
दशाननतेते देखेकपिनअमितदशसीसा भागेभालुबिकलभटकीशा चलेबलीमुखधरहिंनधीरा त्राहि-
त्राहिलक्ष्मणरघुबीरा दहुंदिशिकोटिनधावहिंरावण गर्जहिंघोरकठोरभयावन डरेसकलसुरचलेपराई
जयकीआसतजहुरेभाई सबसुरजितेएकदशकंधर अबबहुभयेतकहुगिरिकंदर रहेबिरंचिशंभुमुनिज्ञानी
जिनजिनप्रभुकीमहिमाजानी ॥
छं०। जानहिंप्रतापतेरहेनिर्भयकपिनरिपुमानेउफुरे चलुबिचलिमर्कटभालुसकलकृपालुपहंगेआतुरे ॥
हनुमन्तअंगदनीलनलबलवन्तअतिरणबांकुरे मर्दहिंदशाननकोटिकोटिनकपटभटकेआंकुरे ॥
दो०। सुरबानरदेखेबिकल हंसेकोशलाधीश साजिशरासननिमिषमहं हरेसकलदशसीस ॥
चौ०। प्रभुक्षणमहंमायासबकाटी जिमिरबिउदयजाहिंतमफाटी रावणएकदेखिसुरहरषे बिपुलसुमन-
पुनिप्रभुपरबरषे भुजउठाइरघुपतिकपिफेरे फिरेएकएकनिकेटेरे प्रभुबलपाइभालुकपिधाये तरलतमकि-
संयुगमहंआये करतप्रशंसासुरतेंइदेखे भयउंएकमैंइनकेलेखे शठहुसदातुममोरमरायल असकहि-
गगनपंथकहंधायल हाहाकारकरतसुरभागे खलहुजाहुकहंमोरेआगे देखिबिकलसुरअंगदधावा
कूदिचरणगहिभूमिगिरावा ॥
छं०। गहिभूमिपार्‌यौलातमार्‌यौबालिसुतप्रभुपहंगयौ संभारिउठिदशकंठघोरकठोररवगरजतभयौ ॥
करिदापधनुषचढाइदशसंधानिशरबहुबरषई कियसकलभटघायलभयाकुलदेखिनिजबलहरषई ॥
दो०। तबरघुपतिलंकेशके सीसभुजाशरचाप काटेभयेबहोरिजिमि कर्ममूढकेपाप ॥
चौ०। सिरभुजबाढिदेखिरिपुकेरी भालुकपिनरिसभईघनेरी मरतनमूढकटेभुजसीसा धायेकोपिभालु-
अरुकीशा बालितनयमारुतनलनीला द्विबिदमयंदमहाबलशीला बिटपमहीधरकरहिंप्रहारा सोइ-
गिरितरुगहिकपिनसोमारा एकनखनरिपुबपुषबिदारी भागिचलहिंएकलातनमारी तबनलनीलसिरनि-
चढिगयेऊ नखनिललाटबिदारतभयेऊ रुधिरबिलोकिसकोपसुरारी तिनहिंधरनकहंभुजापसारी

गहेनजाहिंसिरनिपरफिरहीं जनुयुगमधुपकमलबनचरहीं कोपिकूदिदौधरेसिबहोरी महिपटकेसिगहि-
भुजामरोरी पुनिसकोपदशधनुकरलीन्हा शरनिमारिघायलकपिकीन्हा हनुमदादिमूर्छितसबबंदर
पाइप्रदोषहरषदशकंधर मूर्छितदेखिसकलकपिबीरा जामवन्तधावारणधीरा संगभालुभूधरतरुभारी
मारणलगेप्रचारिप्रचारी भयोक्रोधरावणबलवाना गहिपदमहिपटकेभटनाना देखिभालुपतिनिजदल-
घाता कोपिमांझउरमारेसिलाता ॥

छं०। उरलातघातप्रचंडलागतबिकलरथतेमहिगिरा गहिभालुबीशहुकरनिमानहुंकमलनिशिबसिमधुकरा।
मूर्छितबहोरिबिलोकिपदहतिभालुपतिप्रभुपहंगयौ निशिजानिस्यंदनघालितेहितबहुतयतनकरतभयौ।

दो०। मूर्छागइकपिभालुतब सबआयेप्रभुपास सकलनिशाचररावणहिं घेरिरहेअतित्रास ॥

चौ०। तेहिनिशिमहंसीतापहंजाई त्रिजटाकहिसबकथाबुझाई शिरभुजबाढिसुनतरिपुकेरी सीताउरभै-
त्रासघनेरी मुखमलीनउपजीमनचिंता त्रिजटासनबोलीतबसीता होइहिकहाकहसिकिनमाता केहि-
बिधिमरिहिबिश्वदुखदाता रघुपतिशरशिरकटेहुनमरई बिधिबिपरीतचरितसबकरई मोरअभाग्यजियावत-
वोही जेहिहौंहरिपदकमलबिछोही जेइंकृतकनककपटमृगझूठा अजहुंसोदैवमोहिपररूठा जेइंबिधि-
मोहिदुखदुसहसहावा लक्ष्मणकहंकटुवचनकहावा रघुपतिबिरहबिषमशरभारी तकितकिवारबारमोहि-
मारी ऐसेहुदुखजोराखुममप्राना सोबिधिताहिजियावनआना बहुबिधिकरतिबिलापजानकी करिकरि-
सुरतिकृपानिधानकी कहत्रिजटासुनुराजकुमारी उरशरलागतमरिहिसुरारी तातेंप्रभुउरहतहिंनतेही
इहिकेहृदयबसतिबैदेही ॥

छं०। इहिकेहृदयबसुजानकीममजानकीउरवासहै ममउदरभुवनअनेकलागतबाणसबकोनाशहै ॥
अससुनतहर्षबिषादउरअतिदेखिपुनित्रिजटाकहा अबमरिहिरिपुइहिभांतिसुंदरितजहुतुमसंशयमहा ॥

दो०। काटतशिरहोइहिबिकल छूटिजाइतबध्यान तबरावणकेहृदयशर मारहिंरामसुजान ॥

चौ०। असकहिबहुप्रकारसमुझाई पुनित्रिजटानिजभवनसिधाई रामसुभावसुमिरिबैदेही उपजो-
बिरहव्यथाअतितेही निशिहिशशिहिनिंदतिबहुभांती युगसमभईबिहातिनराती करतिबिलापमनहिंमन-
भारी रामबिरहजानकीदुखारी जबअतिभयौबिरहउरदाहू फरकेउबामनयनअरुबाहू शगुनबिचारि-
धरीउरधीरा अबमिलिहहिंकृपालुरघुबीरा इहांअर्द्धनिशिरावणजागा निजसारथिसनखीझनलागा शठ-
रणभूमिछुडायेहुमोही धिकधिकअधममंदमतितोही तेंइपदगहिबहुबिधिसमुझावा भोरभयेंरथचढि-
पुनिआवा सुनिआगमनदशाननकेरा कपिदलखरभरभयउघनेरा जहंतहंभूधरबिटपउपारी धाये-
कटकटाइभटभारी ॥

छं०। धायेजोमर्कटबिकटभालुकरालकरभूधरधरा अतिकोपिकरहिंप्रहारमारतभजिचलेरजनीचरा ॥
बिचलाइदलबलवन्तकीशनिघेरिपुनिरावणलियौ दहुदिशिचपेटन्हमारिनखनिबिदारितेहिव्याकुलकियौ।

दो०। देखिमहामरकटप्रबल रावणकीन्हबिचार अंतरहितहोइनिमिषमहं कृतमायाबिस्तार ॥

छं०। जबकीन्हतेंइपाषंड भयेप्रगटजंतुप्रचंड बैतालभूतपिशाच करधरेधनुनाराच ॥
योगिनिगहेकरवाल इकहाथमनुजकपाल करिसद्यशोणितपान नाचहिंकरहिंगुणगान ॥

धरुमारुबोलहिंघोर रहिपूरिधुनिचहुँओर मुखबायधावहिंखान तबलगेकीशपरान ॥
जहँजाहिंमर्कटभागि तहँबरतदेखहिंआगि भयबिकलबानरभालु पुनिलागुबर्षणबालु ॥
जहँतहँथकितकरिकीश गरजेउबहुरिदशसीस लक्ष्मणकपीशसमेत भयेसकलबीरअचेत ॥
हारामहारघुनाथ कहिसुभटमींजहिंहाथ इहिबिधिसकलबलतोरि तेहिकीन्हकपटबहोरि ॥
प्रगटेबिपुलहनुमान धायेगहेपाषाण तिनघेरिरामहिंजाइ चहुँदिशिबरूथबनाइ ॥
मारहुधरहुजनिजाइ कटकटहिंपूँछउठाइ दशदिशिलंगूरबिराज तेहिमध्यकोशलराज ॥
छं०। तेहिमध्यकोशलराजसुन्दरश्यामतनुशोभालही जनुइन्द्रधनुषअनेककियबरवारितुंगतमालही ॥
प्रभुदेखिहर्षबिषादउरसुरबदतजयजयजयकरी रघुबीरएकहितीरकोपितनिमिषमहँमायाहरी ॥
मायाबिगतकपिभालुहर्षेबिटपगिरिगहिसबफिरे शरनिकरछाडेरामरावणबहुरिशिरमहिमहँगिरे ॥
श्रीरामरावणसमरचरितअनेककल्पजोगावहीं शतशेषशारदनिगमकवितेउतदपिपारनपावहीं ॥
दो०। कहेतासुगुणगणककुक जडमतितुलसीदास निजपौरुषअनुसारजिमि मशकउडहिंआकाश ॥
काटिसीसभुजबारबहु मरैनभटलंकेश प्रभुक्रीडतमुनिसिद्धसुर व्याकुलदेखिकलेश ॥
चौ०। काटतबढहिंसीससमुदाई जिमिप्रतिलाभलोभअधिकाई मरैनरिपुश्रमभयउबिशेषा रामबिभीषण-
ननतबदेषा उमाकालमरुजाकीइच्छा सोप्रभुजनकोलेतपरिच्छा सुनुसर्वज्ञचराचरनायक प्रणतपालसुर-
मुनिसुखदायक नाभीकुण्डसुधाबसयाके नाथजियतरावणबलताके सुननबिभीषणबचनकृपाला हरषि-
गहेप्रभुबाणकराला अशगुनहोनलगेबिधिनाना रोवहिंबहुशृगालखरश्वाना बोलहिंखगअतिआरतिहेतू
प्रगटभयेजहँतहँनभकेतू दहुँदिशिदाहहोनतबलागा भयेपर्बबिनुरबिउपरागा मंदोदरिउरकंपितभारी
प्रतिमाश्रवहिंनयनमगबारी ॥
छं०। प्रतिमाश्रवहिंपबिपातनभअतिबातबहडोलतिमही बर्षहिंबलाहकरुधिरकचरजअशुभअतिसककोकही
उतपातअमितबिलोकिनभसुरबिकलबोलहिंजयजये सुरसभयजानिकृपालुरघुपतिचापशरजोरतभये ।
दो०। आकरषेउधनुश्रवणलगि छाडेशरएकतीश रघुनायकशायकचले मानहुँकालफणीश ॥
चौ०। शायकएकनाभिशरशोषा अपरलगेसिरभुजकरिरोषा लैसिरबाहुचलेनाराचा सिरभुजहीन-
रुंडमहिनाचा धरणिधसैधरधावप्रचंडा तबशरहतिप्रभुकृतयुगखंडा गर्जेउमरतघोररवभारी कहाँरामरण-
हतौंप्रचारी डोलीभूमिगिरतदशकंधर छुभितसिंधुसहदिग्गजभूधर परेउभूमियुगखंडबढाई चापिभालु-
मर्कटसमुदाई मंदोदरिआगेभुजसीसा धरिशरचलेजहाँजगदीशा प्रबिशेसबनिषंगमहँजाई देखिसुरन-
दुन्दुभीबजाई तासुतेजप्रबिशेप्रभुआनन हरषेदेखिशंभुचतुरानन जयधुनिपूरिरहीनवखंडा जयरघुबीर-
प्रबलभुजदंडा बर्षहिंसुमनदेवमुनिवृन्दा जयकृपालुजयजयतिमुकुन्दा ॥
छं०। जयकृपाकंदमुकुन्दहरिमर्दननिशाचरमदप्रभो खलदलबिदारणपरमकारणकारुणीकसदाबिभो ॥
सुरसिद्धमुनिगंधर्बहरषेबाजदुन्दुभिगहगही संग्रामअंगनरामअंगअनंगबहुशोभालही ॥
सिरजटामुकुटप्रसूनबिचबिचअतिमनोहरराजहीं जनुनीलगिरिपरतडितपटलसमेतउडुगणभ्राजहीं।
भुजदंडफेरतशरशरासनरुधिरकणतनुअतिबने जनुरायमुनियतमालतरुपरबैठिबहुसुखआपने ॥

दो०। कृपादृष्टिकीवृष्टिप्रभु अभयकियेसुरवृन्द   हरषेबानरभालुकपि जयसुखधाममुकुन्द ॥

चौ०। पतिसिरदेखतजबहिंमंदोदरि मूर्च्छितविकलखसीभरणीपरि युवतिवृन्दरोवतिउठिधाई तेहि-
उठाइरावणपहंआई पतिगतिदेखिसोकरतिपुकारा छूटेकेशनदेहसंभारा उरताडनाकरैविधिनाना
रोदनकरैप्रतापबखाना तवबलनाथडोलनितधरणी तेजहीनपावकशशितरणी शेषकमठसहिसकहिंन-
भारा सोतनुआजुपरामहिछारा बरुणकुवेरसुरेशसमीरा रणसन्मुखधरकाहुनधीरा भुजबलजीतकाल-
यमसाईं आजुसोपरेउअनाथकीनाईं जगतविदिततुम्हारिप्रभुताई सुतपरिजनबलबरणिनजाई राम-
विमुखअसहालतुम्हारा रहानकुलकोउरोवनिहारा तवबसविधिप्रपंचसबनाथा सबदिगपतितेनावहिं-
माथा अबतवसिरभुजजंबुकखाहीं रामविमुखयहअनुचितनाहीं कालविवशपतिकहानमाना अग-
जगनाथमनुजकरिजाना ॥

छं०। जानेउमनुजकरिदनुजकाननदहनपावकहरिस्वयं जिहिंनवतशिवब्रह्मादिसुरपियभजेउनाकरुणामयं।
आजन्मतेपरद्रोहरतिपापौघमयतवतनुअयं   तुमहूंदियेनिजधामरामनमामिब्रह्मनिरामयं ॥

दो०। अहहनाथरघुनाथसम कृपासिंधुकोआन   मुनिदुर्लभजोपरमगति तुमहिंदीनभगवान ॥

चौ०। मंदोदरीवचनसुनिकाना सुरमुनिसिद्धसबहिंसुखमाना अजमहेशनारदसनकादी जेमुनिबर-
परमारथबादी भरिलोचनरघुपतिहिंनिहारी प्रेममगनसबभयेसुखारी रोदनकरतबिलोकेउनारी गये-
बिभीषणमनदुखभारी बंधुदशादेखतदुखभयऊ तबप्रभुअनुजहिंआयसुदयऊ लक्ष्मणतेहिबहुविधिसमु-
झाये सहितविभीषणप्रभुपहंआये कृपादृष्टिप्रभुताहिबिलोका करहुक्रियापरिहरिसबशोका कीन्हक्रिया-
प्रभुआयसुमानी विधिवतदेशकालजियजानी ॥

दो०। मयतनयादिकनारिसब देइंतिलाञ्जलिताहि   भवनगईरघुवीरगुण गणवरणतिमनमाहि ॥

चौ०। आइविभीषणपुनिशिरनावा कृपासिंधुतबअनुजबुलावा तुमकपीशअंगदनलनीला जामवन्त-
मारुतसुतशीला सबमिलिजाहुबिभीषणसाथा सारेहुतिलककहेउरघुनाथा पिताबचनमैंनगरनजाऊं
आपुसरिसकपिअनुजपठाऊं तुरतचलेकपिसुनिप्रभुबचना कीन्हीजाइतिलककीरचना सादरसिंहासन-
बैठारी तिलककीन्हअस्तुतिअनुसारी जोरिपाणिसबहीशिरनाये सहितविभीषणप्रभुपहंआये तबरघुवीर-
बोलिकपिलीन्हे कहिप्रियबचनसुखीसबकीन्हे ॥

छं०। कीन्हेउसुखीसबकहिसुबाणीबलतुम्हारेरिपुहयो   पायोविभीषणराजनिहुंपुरयशतुम्हारोनितनयो ॥
मोहिसहितशुभकीरतितुम्हारीपरमप्रीतिजोगाइहैं   संसारसिंधुअपारपारप्रयासबिनुतरिजाइहैं ॥

दो०। सुनतरामकेबचनमृदु नहिंअघातकपिपुञ्ज   बारहिंबारबिलोकिमुख गहेसकलपदकञ्ज ॥

चौ०। तबप्रभबोलिलियेहनुमाना लंकाजाहुकहेउभगवाना समाचारजानकिहिसुनावहु तासुकुशललै-
तुमचलिआवहु तबहनुमन्तनगरमहंआये सुनिनिशिचरीनिशाचरधाये पूजाबहुप्रकारतिनकीन्ही जनक-
सुतादिखायपुनिदीन्ही दूरिहितेंप्रणामकपिकीन्हा रघुपतिदूतजानकीचीन्हा कहहुतातप्रभुकृपानिकेता
कुशलअनुजप्रभुसेनसमेता सबविधिकुशलकोशलाधीशा मातुसमरजीत्योदशशीशा अविचलराज-
विभीषणपावा सुनिकपिबचनहरषउरछावा ॥

छं०। अतिहर्षमनतनुपुलकलोचनसजलपुनिपुनिकहरमा कादेउंतोहिंत्रिलोकमहंकपिकिमपिनहिंबानीसमा
सुनुमातुमैंपायेउंअखिलजगराजआजुनसंशयं रणजीतिरिपुदलबंधुयुतपश्यामिराममनामियं ॥

दो०। सुनुसुतसदगुणसकलतव हृदयबसैहनुमंत सानुकूलरघुवंशमणि रहहिंसमेतअनंत ॥

चौ०। अबसोइयतननकरहुतुमताता देखौंनयनश्याममृदुगाता तबहनुमंतरामपहंआये जनकसुताकर-
कुशलसुनाये सुनिबाणीपतंगकुलभूषण बोलिलियेकपिराजबिभीषण मारुतसुतकेसंगसिधावहु सादर-
जनकसुतालैआवहु तुरतहिसकलगयेजहंसीता सेवहिंसबनिशिचरीबिनीता बेगिबिभीषणतिनहिंसिखावा
सादरतिनसीतहिंअन्हवावा दिव्यबसनभूषणपहिराये शिविकारुचिरसाजिपुनिल्याये तेहिपरहरषिचढी-
बैदेही सुमिरिरामसुखधामसनेही बेतपाणिरक्षकचहुंपासा चलेसकलमनपरमहुलासा देखनभालु-
कीशबहुधाये रक्षककोटिनिवारणआये कहरघुबीरकहाममनानहु सीतहिंसखापयादेहिंआनहु देखहिं-
कपिजननीकीनाईं बिहंसिकहारघुबीरगुसाईं सुनिप्रभुबचनभालुकपिहरषे नभतेंसुरनसुमनबहुबरषे
सीतहिंप्रथमअग्निमहंराखी प्रगटकीन्हचहअंतरसाखी ॥

दो०। तेहिकारणकरुणायतन कहेकछुकदुबाद सुनतजातुधानीसकल लागींकरणबिषाद ॥

चौ०। प्रभुकेबचनसीसधरिसीता बोलीमनक्रमबचनपुनीता लक्ष्मणहोहुधर्मकेनेगी पावकप्रगटकरहु-
तुमबेगी सुनिलक्ष्मणसीताकीबानी बिरहबिबेकधर्मरतिसानी लोचनसजलजोरिकरदोऊ प्रभुसन-
कछुकहिसकतनओऊ देखिरामरुखलक्ष्मणधाये पावकप्रगटकाठबहुल्याये प्रबलअनलबिलोकिबैदेही
हृदयहरषकछुभयनहिंतेही जौमनक्रमबचममउरमाहीं तजिरघुबीरआनगतिनाहीं तवकृशानुसबकी
गतिजाना मोहिंहोउश्रीखंडसमाना ॥

छं०। श्रीखंडसमपावकप्रगटकियसुमिरिप्रभुतेहिमहंचली जयकोशलेशमहेशबंदितचरणरजअतिनिर्मली ॥
प्रतिबिंबअरुलौकिककलंकप्रचंडपावकमहंजरे प्रभुचरितकाहुनलखेउसुरमुनिसिद्धसबदेखहिंखरे ॥
तबअनलभुसुररूपकरगहिसत्यश्रीश्रुतिबिदितजो जिमिक्षीरसागरइंदिरारामहिसमर्पीआनिसो ॥
सोइरामबामबिभागराजितरुचिरअतिशोभाभली नवनीलनीरजनिकटमानहुंकनकपंकजकीकली ॥

दो०। हरषिसुमनबर्षहिंबिबुध बाजहिंगगननिसान गावहिंकिन्नरअपसरा नाचहिंचढीबिमान ॥
श्रीजानकीसमेतप्रभु शोभाअमितअपार देखिभालुकपिहरषेउ जयरघुपतिसुखसार ॥

चौ०। तबरघुपतिअनुशासनपाई मातलिचलेचरणसिरनाई आयेदेवसदास्वारथी बचनकहहिंजनु-
परमारथी दीनबंधुदयालरघुराया देवकीन्हदेवमपरदाया बिश्वद्रोहरतखलअतिकामी निजअघगयउ-
कुमारगगामी तुमसर्बज्ञब्रह्मअबिनाशी सदाएकरसमहजउदासी अकलअगुणअनवद्यअनामय अजित-
अमोघएककरुणामय मीनकमठशूकरनरहरी बामनपरशुरामबपुधरी जबजबनाथसुरन्हदुखपावा
नानातनुधरितुमहिंनशावा रावणपापमूलसुरद्रोही कामक्रोधमदरतअतिकोही सोउकृपालुतवधामसिधावा
यहहमरेमनअचरजआवा हमदेवतापरमअधिकारी स्वारथरततवभक्तिबिसारी भवप्रवाहसन्ततहमपरे
अबप्रभुपाहिशरणअनुसरे ॥

दो०। करिबिनतीसुरसिद्धसब रहेजहंतहंकरजोरि अतिशयप्रेमसरोजभव अस्तुतिकरतबहोरि ॥

छंद ॥

जयरामसदासुखधामहरे रघुनायकसायकचापधरे भववारनदारनसिंहप्रभो गुणसागरनागरनाथविभो
तनुकामअनेकअनूपछवी गुणगावतसिद्धमुनिन्द्रकवी यशपावनरावणनागमहा खगनाथयथाकरिकोपगहा
जनरंजनभंजनशोकभयं गतक्रोधसदाप्रभुबोधमयं अवतारउदारअपारगुणं महिभारबिभंजनज्ञानघनं
अजव्यापकमेकमनादिसदा करुणाकररामनमामिमुदा रघुबंशबिभूषणदूषणहा कृतभूपबिभीषणदीनरहा
गुणज्ञाननिधानअमानअजं नितरामनमामिविभुंबिरजं भुजदंडप्रचंडप्रतापबलं खलवृन्दनिकंदमहाकुशलं
बिनुकारणदीनदयालहितं छबिधामनमामिरमासहितं भवतारणकारणकाजपरं मनसंभवदारुणदोषहरं
शरचापमनोहरत्रूणधरं जलजारुणलोचनभूपबरं सुखमंदिरसुंदरश्रीरमणं मदमारमुधाममताशमनं
अनवद्यअखंडनगोचरगो सबरूपसदासबहोइनसो इतिवेदवदंतिनदंतकथा रविआतपभिन्ननभिन्नयथा
कृतकृत्यबिभोसबबानरये निरखंततवाननसादरये धिकजीवनदेवशरीरहरे तवभक्तिबिनाभवभूलिपरे
अबदीनदयालकृपाकरिये मतिमोरिबिभेदकरीहरिये जिहितेबिपरीतकृपाकरिये दुखमेंसुखमानसुखीचरिये
खलखंडनमंडनरम्यछमा पदपंकजसेवितशंभुउमा नृपनायकदेबरदानमिदं चरणाम्बुजप्रेमसदाशुभदं ॥

दो० । बिनयकीन्हबहुभांतिबिधि प्रेमप्रफुल्लितगात बदनबिलोकतरामकर लोचननाहिअघात ॥

चौ० । तिहिअवसरदशरथतहंआये तनयबिलोकिनैनजलछाये सहितअनुजप्रणामप्रभुकीन्हा आशिर्बाद-
पितैंतबदीन्हा तातकुशलतवपुण्यप्रभाऊ जीतेंउअजैनिशाचरराऊ सुनिसुतबचनप्रीतिअतिबाढी नैनन-
सलिलरोमावलिठाढी रघुपतिप्रथमप्रेमअनुमाना चितैपितहिदीन्हेउदृढज्ञाना तातेंउमामोहनहिंपावा
दशरथभेदभक्तिमनलावा सगुणउपासकमोहनलेहीं तिन्हकहंरामभक्तिनिजदेहीं बारबारकरिप्रभुहि-
प्रणामा दशरथहरषिगयेनिजधामा ॥

दो० । अनुजजानकीसहितप्रभु कुशलकोशलाधीश छबिबिलोकिमनहरषिअति अस्तुतिकरसुरईश ॥

छं० । देभक्तिरमानिबासत्रासहरणशरणसुखदायकं सुखधामरामनमामिकामअनेकछबिरघुनायकं ॥
सुरवृन्दरंजनद्वंदभंजनमनुजतनुअतुलितबलं ब्रह्मादिशंकरसेव्यरामनमामिकरुणाकोमलं ॥

दो० । अबकरिकृपाबिलोकिमोहि आयसुदेहुकृपाल कहाकरौंसुनिप्रियबचन बोलेदीनदयाल ॥

चौ० । सुनुसुरपतिकपिभालुहमारे परेभूमिनिशिचरन्हजेमारे ममहितलागितजेइनप्राना सकलजियाउ-
सुरेशसुजाना सुनुखगेशप्रभुकीयहबानी अतिअगाधजानहिमुनिज्ञानी प्रभुचहंत्रिभुवनमारिजिवाई
केवलशक्रहिदीन्हबडाई सुधाबरषिकपिभालुजिवाये हरषिउठेसबप्रभुपहंआये सुधावृष्टिभैदुहुंदलऊपर
जियेभालुकपिनहिंरजनीचर रामाकारभयेतिन्हकेमन गयेब्रह्मपदतजिशरीररन सुरअंशिकसबकपिअरु-
रिक्षा जियेसकलरघुपतिकीइक्षा रामसकोपदीनहितकारी कीन्हेमुक्तनिशाचरझारी खलमलधाम-
कामरतरावण गतिपाईजोमुनिबरपावन ॥

दो० । सुमनबरषिसबसुरचले चढिचढिरुचिरबिमान देखिसुअवसररामपहं आयेशंभुसुजान ॥
परमप्रीतिकरजोरियुग नैननलिनभरिबारि पुलकिततनुगदगदगिरा बिनयकरतत्रिपुरारि ॥

छं० । मामभिरक्षयरघुकुलनायक धृतबरचापरुचिरकरसायक मोहमहाघनपटलप्रभंजन

संशयबिपिनअनलसुररंजन अगुणसगुणगुणमंदिरसुंदर भ्रमतमप्रबलप्रतापदिवाकर
कामक्रोधमदगजपंचानन बसहुनिरंतरजनमनकानन बिषयमनोरथपुञ्जकंजबन
प्रबलतुषारउदारपारमन भवबारिधिमंदरपरमंदर बारयतारयसंसृतिदुस्तर
श्यामगातराजीवबिलोचन दीनबंधुप्रणतारतिमोचन अनुजजानकीसहितनिरंतर
बसहुरामनृपममउरअंतर मुनिरंजनमहिमंडलमंडन तुलसिदासप्रभुत्रासबिखंडन॥

दो०। नाथजबहिकोशलपुर होइहितिलकतुम्हार तबमैंआइवसुनहुप्रभु देखनचरितउदार॥

चौ०। करिबिनतीजबशंभुसिधाये तबप्रभुनिकटबिभीषणआये नाइचरणसिरकहमृदुबाणी बिनयसुनियममशारंगपाणी सकुलसदलप्रभुरावणमारा पावनयशत्रिभुवनबिस्तारा दीनमलीनहीनमतिजाती मोपरकृपाकीन्हबहुभांती अबजनगृहपुनीतप्रभुकीजै मज्जनकरियसकलश्रमछीजै देखकोशमंदिरसंपदा देहुकृपालुकपिनकहंमुदा सबबिधिनाथमोहिंअपनाइय पुनिमोहिंसहितअवधपुरजाइय सुनतबचनमृदुदीनदयाला सजलभयेदोउनयनबिशाला॥

दो०। तोरकोशगृहमोरसब सत्यबचनसुनुतात दशाभरतकीसुमिरिमोहि पलककल्पसमजात॥
तापसभेषशरीरकृश जपैंनिरंतरमोहि देखौंबेगिसोयतनकरु सखानिहोरौंतोहि॥
जौजैहौंबीतेअवधि जियतनपाऊंबीर प्रीतिभरतकीसमुझिप्रभु पुनिपुनिपुलकशरीर॥

चौ०। सुनतबिभीषणबचनरामके हरषिगहेपदकृपाधामके बानरभालुसकलहर्षाने प्रभुपदगहिगुणबिमलबखाने बहुरिबिभीषणभवनसिधाये मणिगणबसनबिमानभराये लैपुष्पकप्रभुआगेराषा हंसिकैकृपासिंधुअसभाषा चढिबिमानसुनुसखाबिभीषण गगनजाइबर्षहुपटभूषण नभपरजाइबिभीषणतबही बर्षिदियेपटभूषणसबही जोजेहिमनभावैसोलेई मणिमुखमेलिडारिकपिदेई हंसतरामसियअनुजसमेता परमकौतुकीकृपानिकेता॥

दो०। ध्याननपावहिंजासुमुनि नेतिनेतिकहवेद कृपासिंधुसोइकपिनसों करतअनेकबिनोद॥
उमायोगजपदानतप नानाव्रतमखनेम रामकृपानहिंकरहिंतस जसनिहिकेवलप्रेम॥

चौ०। भालुकपिनपटभूषणपाये पहिरिपहिरिरघुपतिपहंआये नानाजिनिसदेखिप्रभुकीशा पुनिपुनिहंसतकोशलाधीशा चितैसबनिपरकीन्हीदाया बोलेमधुरबचनरघुराया तुम्हरेबलमैंरावणमारा तिलकबिभीषणकहंपुनिसारा निजनिजगृहअबतुमसबजाहू सुमिरहुमोहिडरहुजनिकाहू बचनसुनतप्रेमाकुलबानर जोरिपाणिबोलेसबसादर प्रभुजोकहहुतुमहिंसबसोहा हमरेहियउपजैसुनिमोहा दीनजानिकपिकियेसनाथा तुमत्रैलोक्यईशरघुनाथा सुनिप्रभुबचनलाजहममरहीं मशककबहुंखगपतिहितकरहीं देखिरामरुखबानररीछा प्रेममगननहिंगृहकीइच्छा॥

दो०। प्रभुप्रेरितकपिभालुसब रामरूपउरराषि हर्षबिषादसमेतसब चलेबिनयबहुभाषि॥
जामवन्तकपिराजनल अंगदादिहनुमान सहितबिभीषणअपरजे यूथपकपिबलवान॥
कहिनसकहिंकछुप्रेमबश भरिभरिलोचनबारि सन्मुखचितवहिंरामतनु नयननिमेषनिवारि॥

चौ०। अतिशयप्रीतिदेखिरघुराई लीन्हेसकलबिमानचढाई मनमहंबिप्रचरणशिरनावा उत्तरदिशहिं-

विमानचलावा चलतविमानकोलाहलहोई जयरघुबीरकहैसबकोई सिंहासनअतिउच्चमनोहर सिय-
समेतबैठेप्रभुतापर राजतरामसहितभामिनी मेरुशृङ्गजनुघनदामिनी रुचिरबिमानचलाअतिआतुर
कीन्हीसुमनवृष्टिहरषेसुर परमसुखदचलित्रिबिधबयारी सागरसुरसरिनिर्मलबारी शगुनहोहिंसुंदर-
चहुंपासा मनप्रसन्ननिर्मलआकाशा कहरघुबीरदेखुरणसीता लक्ष्मणहत्योइहांइंद्रजीता अंगदहनूमान-
केमारे रणमहंपरेनिशाचरभारे कुम्भकरणरावणदोभाई इहांहतेउंसुरमुनिदुखदाई ॥

दो०। सुंदरिसेतुदेखुयह थापेउंशिवसुखधाम सीतासहितकृपायतन शंभुहिंकीन्हप्रणाम ॥
जहंजहंकृपासिंधुबन कीन्हबासबिश्राम सकलदेखायेजानकिहिं कहिकहिसबकेनाम ॥

चौ०। सपदिबिमानतहांचलिआवा दंडकबनजहंपरमसुहावा कुम्भजादिमुनिनायकनाना गयेराम-
सबकेअस्थाना सकलऋषिनिसोंपाइअशीसा आयेचित्रकूटजगदीशा तहंकरिऋषिनकेरसंतोषा चला-
बिमानतहांतेचोषा बहुरिरामजानकीदिखाई यमुनाकलिमलहरणिसुहाई पुनिदेखीसुरसरीपुनीता
रामकहाप्रणामकरुसीता तीरथपतिपुनिदीखप्रयागा देखतजाहिंपापसबभागा देखिरामपावनिपुनिबेनी
हरणशोकसुरलोकनिसेनी देखीअवधपुरीअतिपावनि त्रिबिधतापभवदापनशावनि ॥

दो०। तबरघुनंदनसियसहित अवधहिंकीन्हप्रणाम सजलबिलोचनपुलकतनु पुनिपुनिहरषितराम ॥
बहुरित्रिबेणीआइप्रभु हरषितमज्जनकीन्ह कपिनसमेतमहीसुरन्हि दानबिबिधबिधिदीन्ह ॥

चौ०। प्रभुहनुमन्तहिंकहाबुझाई धरिद्विजरूपअवधपुरजाई भरतहिंकुशलहमारसुनावहु समाचारलै-
पुनिचलिआवहु तुरतपवनसुतगवनतभयऊ तबप्रभुभरद्वाजपहंगयऊ नानाविधिपूजामुनिकीन्ही अस्तुति-
करिपुनिआशिषदीन्ही मुनिपदबंदियुगलकरजोरी चढिबिमानप्रभुचलेबहोरी इहांनिषादसुनाप्रभुआये
नावनावकरिलोगबुलाये सुरसरिलांघियानजबआवा उतरातहंप्रभुआयसुपावा तबसीतापूजीसुरसरी
बहुप्रकारकरिचरणनपरी दीन्हअशीसमुदितमनगंगा सुंदरितवअहिवातअभंगा सुनतहिंगुहधावा-
प्रेमाकुल आवानिकटपरमसुखसंकुल प्रभुहिबिलोकिसहितबैदेही परेउअवनितलसुधिनहिंतेही परम-
प्रीतिबिलोकिरघुराई हरषिउठाइलीन्हउरलाई ॥

छं०। लियहृदयलाइकृपानिधानसुजानरामरमापती बैठारिपरमसमीपपूछीकुशलसोकरिबीनती ॥
अबकुशलपदपंकजबिलोकिबिरंचिशंकरसेव्यजे सुखधामपूरणकामरामनमामिरामनमामिजे ॥
सबभांतिअधमनिषादसोहरिभरतज्योंउरलाइये मतिमंदतुलसीदाससोप्रभुमोहबशबिसराइये ॥
यहरावणारिचरित्रपावनरामपदरतिप्रदसदा कामादिहरबिज्ञानकरसुरसिद्धमुनिगावहिंमुदा ॥

दो०। समरबिजयरघुनाथके सुनहिंजेसंतसुजान बिजयबिवेकबिभूतिनित तिन्हहिंदेहिंभगवान ॥
यहकलिकालमलायतन मनकरिदेखुबिचार श्रीरघुनाथकनामतजि नहिंकछुआनअधार ॥

इति श्रीरामचरितमानसे तुलसीकृतलंकाकाण्डः षष्ठः सोपानः समाप्तः शुभमस्तु ॥

अथ उत्तरकाण्ड।

श्लोक।

केकीकण्ठाभनीलं सुरवरविलसद्विप्रपादाब्जचिह्नं शोभाढ्यं पीतवस्त्रं सरसिजनयनं सर्वदा सुप्रसन्नं पाणौ नाराचचापं कपिनिकरयुतं बन्धुना सेव्यमानं नौमीड्यं जानकीशं रघुवरमनिशं पुष्पकारूढरामं ॥१॥ कोशलेन्द्रपदकञ्जमञ्जुलौ कमलयोनिमहेशवन्दितौ जानकीकरसरोजलालितौ चिन्तकस्य मनभृङ्गसङ्गिनौ ॥ २ ॥ कुन्दइन्दुदरगौरसुन्दरं अम्बिकापतिमभीष्टसिद्धिदं कारुणीककलकञ्जलोचनं नौमि शङ्करमनङ्गमोचनं ॥ ३ ॥

दो०। रहाएकदिनअवधिकर अतिआरतपुरलोग जहंतहंसोचहिंनारिनर कृशतनुरामवियोग ॥
शगुनहोहिंसुन्दरसकल मनप्रसन्नसबकेर प्रभुआगमनजनावजनु नगररम्यचहुंफेर ॥
कौशल्यादिमातुसब मनअनंदअसहोइ आयेप्रभुसियअनुजयुत कहनचहतअसकोइ ॥
भरतनयनभुजदक्षिण फरकहिंबारहिंबार जानिशगुनमनहर्षअति लागेकरणविचार ॥

चौ०। रहाएकदिनअवधिअधारा समुझतमनदुखभयउअपारा कारणकवननाथनहिंआये जानिकुटिलप्रभुमोहिबिसराये अहहधन्यलक्ष्मणबडभागी रामपदारबिन्दअनुरागी कपटीकुटिलनाथमोहिचीन्हा तातेंनाथसङ्गनहिंलीन्हा जौकरनीसमुझैंप्रभुमोरी नहिंनिस्तारकल्पशतकोरी जनअवगुणप्रभुमाननकाऊ दीनबन्धुअतिमृदुलसुभाऊ मोरेजियभरोशदृढसोई मिलिहहिंरामशगुनशुभहोई बीतेअवधिरहैजौप्राना अधमकवनजगमोहिसमाना ॥

दो०। रामबिरहसागरमहं भरतमगनमनहोत बिप्ररूपधरिपवनसुत आइगयेजिमिपोत ॥
बैठेदेखिकुशासन जटामुकुटकृशगात रामरामरघुपतिजपत श्रवतनैनजलजात ॥

चौ०। देखतहनूमानअतिहरषे पुलकगातलोचनजलबरषे मनमहंबहुतभांतिसुखमानी बोलेश्रवणसुधासमबानी जासुबिरहसोचहुदिनराती रटहुनिरन्तरगुणगणपांती रघुकुलतिलकसुजनसुखदाता आयेकुशलदेवमुनित्राता रिपुरणजीतिसुयशसुरगावत सीताअनुजसहितप्रभुआवत सुनतबचनबिसरेसबदूषा तृषावन्तजनुपावपियूषा कोतुमतातकहांतेआयेहु मोहिपरमप्रियबचनसुनायेहु मारुतसुतमैंकपिहनुमाना नाममोरसुनुकृपानिधाना दीनबंधुरघुपतिकरकिंकर सुनतभरतभेंटेउठिसादर मिलतप्रेमनहिंहृदयसमाता नयनश्रवतजलपुलकितगाता कपितवदरशसकलदुखबीते मिलेआजुमोहिरामपिरीते बारबारपूछीकुशलाता तोकहंकाहदेउंसुनुभ्राता यहिसंदेससरिसजगमाहीं करिबिचारदेखेउंकछुनाहीं नाहिनउरिनतातमैंतोहीं अबप्रभुचरितसुनावहुमोहीं तबहनुमन्तनाइपदमाथा कहीसकलरघुपतिगुणगाथा कहुकपिकबहुंकृपालुगुसाईं सुमिरतमोहिंदासकीनाईं ॥

छं०। निजदासज्यौंरघुबंशभूषणकबहिंममसुमिरनकस्यौ सुनिभरतबचनबिनीतअतिकपिपुलकतनुचरणनपस्यौ
रघुबीरनिजमुखजासुगुणगणकहतअगजगनाथजो काहेनहोहुबिनीतपरमपुनीतसद्गुणसिंधुसो ॥

दो०। रामप्राणप्रियनाथतुम सत्यबचनममतात पुनिपुनिमिलतभरतसन प्रेमनहृदयसमात ॥
सो०। भरतचरणसिरनाइ तुरितगयेकपिरामपहं कहीकुशलसबजाइ हरषिचलेप्रभुयानचढि ॥
चौ०। हरषिभरतकोशलपुरआये समाचारसबगुरुहिंसुनाये पुनिमंदिरमहंबातजनाई आवतनगर-कुशलरघुराई सुनतसकलजननीउठिधाई कहिप्रभुकुशलभरतसमुझाई समाचारपुरबासिनपाये नर-अरुनारिहरषिउठिधाये दधिदूर्बारोचनफलफूला नवतुलसीदलमंगलमूला भरिभरिहेमथारभामिनी गावतचलिसिंधुरगामिनी जेजैसेहिंतैसेहिंउठिधावहिं बालबृद्धकोउसंगनलावहिं एकएकसनपूछहिंधाई तुमदेखेदयालरघुराई अवधपुरीप्रभुआवतजानी भईसकलशोभाकीखानी भासरजूअतिनिर्मलनीरा बहैसोहावनित्रिविधसमीरा ॥

दो०। हरषितगुरुपुरजनअनुज भूसुरबृन्दसमेत चलेभरतअतिप्रेममन सन्मुखकृपानिकेत ॥
बहुतेकचढीअटारिन्ह निरखहिंगगनबिमान देखिमधुरस्वरहरषित करहिंसुमंगलगान ॥
राकाशशिरघुपतिपुरी सिंधुदेखिहरषान बढेउकोलाहलकरतजनु नारितरंगसमान ॥
चौ०। रविकुलकमलदिवाकरआवत नगरमनोहरकपिनदेखावत सुनुकपीशअंगदलंकेशा पावनि-पुरीरुचिरयहदेशा यद्यपिसबबैकुण्ठबखाना वेदपुराणबिदितजगजाना अवधसरिसप्रियमोहिंनसोऊ यहप्रसंगजानैकोउकोऊ जन्मभूमिममपुरीसोहावनि उत्तरदिशिबहसरजूपावनि जेमज्जहिंसोबिनहिं-प्रयासा ममसमीपनरपावहिंबासा अतिप्रियमोहिंइहांकेबासी ममधामदापुरीसुखरासी हरषेकपिसुनि-प्रभुकीबानी धन्यअवधजोरामबखानी ॥

दो०। आवतदेखेलोगसब कृपासिन्धुभगवान नगरनिकटप्रभुआये उतरेउभूमिबिमान ॥
बहुरिकहेउप्रभुपुष्पकहि तुमकुबेरपहंजाऊ प्रेरितरामचलउसोइ हर्षबिरहअतिताऊ ॥
चौ०। आयेभरतसंगसबलोगा कृशतनुश्रीरघुबीरबियोगा बामदेववशिष्ठमुनिनायक देखाप्रभुमहिधरि-धनुशायक धाइधरेगुरुचरणसरोरुह अनुजसहितअतिपुलकतनोरुह भेंटेकुशलपूछिमुनिराया हमरे-कुशलतुम्हारिहिदाया सकलद्विजनकहंनायउमाथा धरमधुरंधररघुकुलनाथा गहेभरतपुनिप्रभुपदपंकज नवहिंजिनहिंशंकरसुरमुनिअज परेउभूमिनहिंउठतउठाये बलकरिकृपासिंधुउरलाये श्यामलगातरोम-भयेठाढे नवराजीवनयनजलबाढे ॥
छं०। राजीवलोचनस्रवतजलतनुललितपुलकावलिबनी अतिप्रेमहृदयलगाइअनुजहिंमिलेप्रभुत्रिभुवनधनी।
प्रभुमिलतअनुजहिसोहमोपहंजातनहिंउपमाकही जनुप्रेमअरुशृङ्गारतनुधरिमिलतवरसुखमालही ॥
पूछतकृपानिधिकुशलभरतहिंबचनबेगिनआवई सुनुशिवासोसुखबचनमनतेभिन्नजाननपावई ॥
अबकुशलकोशलनाथआरतजानिजनदरशनदियो बूडतबिरहवारिधिकृपानिधिकाढिमोहिकरगहिलियो॥
दो०। सधनचोरमगमुदितमन धनीगहीजिमिफेंट तिमिसुग्रीवबिभीषण प्रभुहिंभरतकीभेंट ॥
पुनिप्रभुहरषितशत्रुहन भेंटेहृदयलगाइ लक्ष्मणभेंटेभरतपुनि प्रेमनहृदयसमाइ ॥
चौ०। भरतअनुजलक्ष्मणतबभेंटे दुसहबिरहसंभवदुखमेटे सीताचरणभरतसिरनावा अनुजसमेतपरम-सुखपावा प्रभुबिलोकिहरषेपुरवासी जनितबियोगबिपतिसबनासी प्रेमातुरसबलोगनिहारी कौतुककीन्ह-

कृपालुखरारी अमितरूपप्रगटेतेहिकाला यथायोग्यमिलिसबहिकृपाला कृपादृष्टिसबलोगबिलोकी किये-
सकलनरनारिबिशोकी छणमहसबहिंमिलेभगवाना उमामर्मयहकाहुनजाना इहिबिधिसबहिसुखीकरि-
रामा आगेचलेशीलगुणधामा कौशल्यादिमातुसबधाईं निरखिबच्छजनुधेनुलवाईं ॥

छं०। जनुधेनुबालकबच्छतजिगृहचरणबनपरबशगईं दिनअंतपुरहखश्रवतथनहुंकारकरिधावतभईं ॥
अतिप्रेमप्रभुसबमातुभेंटेबचनमृदुबहुबिधिकहे गइबिषमबिपतिबियोगभवतिन्हहर्षसुखअगणितलहे।

दो०। भेंटेउतनयसुमित्रा रामचरणरतिजानि रामहिंमिलतकेकयी हृदयबहुतसकुचानि ॥
लक्ष्मणसबमातन्हमिले हरषेआशिषपाइ केकयिकहंपुनिपुनिमिलत मनकरक्षोभनजाइ ॥

चौ०। सासुनसबहिंमिलीबैदेही चरणन्हिलागिहरषअतितेही देहिंअशीसपूछिकुशलाना होउअचल-
तुम्हारअहिवाता सबरघुपतिपदकमलबिलोकी मंगलजानिनयनजलरोकी कनकथारआरतीउतारहिं
बारबारप्रभुगातनिहारहिं नानाभांतिनिछावरिकरहीं परमानन्दहरषउरभरहीं कौशल्यापुनिपुनिरघु-
बीरहिं चितवहिंकृपासिंधुरणधीरहिं हृदयबिचारतिबारहिंबारा कवनिभांतिलंकापतिमारा अतिसुकुमार-
युगलममबारे निशिचरसुभटमहाबलभारे ॥

दो०। लक्ष्मणअरुसीतासहित प्रभुहिंबिलोकहिंमातु परमानन्दमगनमन पुनिपुनिपुलकितगातु ॥

चौ०। लंकापतिकपीशनलनीला जामवन्तअंगदशुभशीला हनुमदादिसबबानरबीरा धरेमनोहर-
मनुजशरीरा भरतसनेहशीलब्रतनेमा सादरसबबरणहिंअतिप्रेमा देखिनगरबासिनकैरीती सकल-
सराहहिंप्रभुपदप्रीती पुनिरघुपतिनिजसखाबुलाये मुनिपदलागहुसबहिंसिखाये गुरुबशिष्टकुलपूज्य-
हमारे इनकीकृपादनुजरणमारे येसबसखासुनियमुनिमेरे भयेसमरसागरकहंबेरे ममहितलागि-
जन्मइनहारे भरतहुतेंमोहिअधिकपियारे सुनिप्रभुबचनमगनसबभये निमिषनिमिषउपजतसुखनये ॥

दो०। कौशल्याकेचरणन पुनितिन्हनायउमाथ आशिषदीन्हहरषिहिय तुमप्रियजिमिरघुनाथ ॥
सुमनवृष्टिनभसंकुल भवनचलेसुखकंद चढेअटारिन्हदेखहीं नगरनारिनरवृन्द ॥

चौ०। कंचनकलशबिचित्रसंवारे सबन्हिधरेसजिनिजनिजद्वारे बंदनवारपताकाकेतू सबन्हिबनायेउ-
मंगलहेतू बीथिनसकलसुगंधसिंचाये गजमणिरचिबहुचौकपुराये नानाभांतिसुमंगलसाजे हर्षनिसान-
नगरबहुबाजे जहंतहंनारिनिछावरिकरहीं देहिंअशीसहर्षउरभरहीं कंचनथारआरतीनाना युवती-
साजिकरहिंकलगाना करहिंआरतीआरतिहरके रघुकुलकमलबिपिनदिनकरके पुरशोभासंपतिकल्याना
निगमशेषशारदाबखाना तेऊचरितदेखिठगिरहहीं उमातासुगुणनरकिमिकहहीं ॥

दो०। नारिकुमुदिनीअवधसर रघुपतिबिरहदिनेश अस्तभयेबिकसितभई निरखिरामराकेश ॥
होहिंशगुनशुभबिबिधबिधि बाजहिंगगननिसान पुरनरनारिसनाथकरि भवनचलेभगवान ॥

चौ०। प्रभुजानीकैकयीलजानी प्रथमतासुगृहगयेभवानी ताहिप्रबोधिबहुतसुखदीन्हा तबनिजभवन-
गवनप्रभुकीन्हा कृपासिंधुजबमन्दिरगयऊ पुरनरनारिसुखीसबभयऊ गुरुबशिष्टद्विजलियेबुलाई आजु-
सुघरीसुदिनसुखदाई सबद्विजदेहुहर्षिअनुशासन रामचंद्रबैठहिंसिंहासन मुनिबशिष्टकेबचनसुहाये
सुनतसकलबिप्रनमनभाये कहहिंबचनमृदुबिप्रअनेका जगअभिरामरामअभिषेका अबमुनिवरबिलंब-
नहिंकीजै महाराजकहंतिलककरीजै ॥

दो०। तबमुनिकहेउसुमंतसन तुरितचलेसिरनाइ रथअनेकगजबाजिबहु सकलसंवारेजाइ ॥
जहंतहंधावनपठैपुनि मंगलद्रव्यमंगाइ हरषसमेतबशिष्टपद पुनिसिरनायउआइ ॥

चौ०। अवधपुरीअतिरुचिरबनाई देवन्हसुमनवृष्टिझरिलाई रामकहासेवकन्हबुलाई प्रथमसखन्ह-
अन्हवावहुजाई सुनतबचनजनजहंतहंधाये सुग्रीवादितुरतअन्हवाये पुनिकरुणानिधिभरतहंकारे निज-
करजटारामनिरवारे अन्हवायेपुनितीनहुभाई भक्तबच्छलकृपालुरघुराई भरतभाग्यप्रभुकोमलताई
शेषकोटिशतसकहिंनगाई पुनिनिजजटारामबिबराये मुनिअनुशासनपाइअन्हाये करिमज्जनभूषणप्रभु-
साजे अंगअनंगकोटिछबिलाजे ॥

दो०। सासुनसादरजानकिहिं मज्जनतुरतकराइ दिव्यबसनबरभूषणनि साजेअंगबनाइ ॥
रामबामदिशिशोभित रमारूपगुणखानि देखिसासुसबहरषित जन्मसुफलनिजजानि ॥
सुनुखगेशतेहिअवसर ब्रह्माशिवमुनिवृन्द चढिबिमानआयेसकल सुरदेखनसुखकन्द ॥

चौ०। प्रभुबिलोकिमुनिमनअनुरागा तुरितदिव्यसिंहासनमांगा रविसमतेजबरणिनहिंजाइ बैठेराम-
द्विजनशिरनाई जनकसुतासमेतरघुराई देखिप्रहरषेमुनिसमुदाई वेदमंत्रद्विजवरउच्चारे नभसुरमुनि-
जयजयतिपुकारे प्रथमतिलकबशिष्ठमुनिकीन्हा पुनिसबबिप्रनआयसुदीन्हा सुतबिलोकिहरषितमहतारी
बारबारआरतीउतारी बिप्रनदानबिबिधबिधिदीन्हे याचकसकलअयाचककीन्हे सिंहासनपरत्रिभुवनसाईं
देखिसुरनदुंदुभीबजाई ॥

छं०। नभदुन्दुभीबाजहिंबिपुलगंधर्बकिन्नरगावहीं नाचहिंअपसरावृन्दपरमानंदसुरमुनिपावहीं ॥
भरतादिअनुजबिभीषणांगदहनुमतादिसमेतजे गहेछत्रचामरव्यजनधनुअसिचर्मशक्तिबिराजते ॥
सियसहितदिनकरवंशभूषणकामबहुछबिसोहहीं नवअंबुधरबरगातअंबरपीतमुनिमनमोहहीं ॥
मुकुटांगदादिबिचित्रभूषणअंगअंगनिप्रतिसजे अम्भोजनयनबिशालउरभुजधन्यनरनिरखंतजे ॥

दो०। यहशोभासमाजसुख कहतनबनैखगेश बरणैशारदशेषश्रुति सोरसजानुमहेश ॥
भिन्नभिन्नअस्तुतिकरि गेसुरनिजनिजधाम बंदीबेषवेदधरि आयेजहंश्रीराम ॥
प्रभुसर्बज्ञकीन्हअति आदरकृपानिधान लखानकाहुममर्मकछु लगेकरणगुणगान ॥

छं०। जयसगुणनिर्गुणरूपरामअनूपभूपशिरोमने दशकंधरादिप्रचंडनिशिचरप्रबलखलभुजबलहने ॥
अवतारनरसंसारभारबिभंजिदारुणदुखदहे जयप्रणतपालदयालप्रभुसंयुक्तशक्तिनमामिहे ॥
तवबिषममायाबशसुरासुरनागनरअगजगहरे भवपंथभ्रमितअमितदिवसनिशिकालकर्मनगुणभरे ॥
जेहिनाथकरिकरुणाबिलोकहुत्रिबिधदुखतेनिर्बहे भवखेदछेदनदक्षहमकहंरक्षरामनमामिहे ॥
जेज्ञानमानबिमत्ततवभयहरणिभक्तिनआदरी तेपाइसुरदुर्लभपदादपिपरतहमदेखतहरी ॥
बिश्वासकरिसबआशपरिहरिदासतवजेहोइरहे जपिनामतवबिनुश्रमतरहिंभवनाथरामनमामिहे ॥
जेचरणशिवअजपूज्यरजशुभपरसिमुनिपत्नीतरी नखनिर्गतासुरबंदितात्रैलोक्यपावनिसुरसरी ॥
ध्वजकुलिशअंकुशकंजयुतपदफिरतकंटकजिनलहे पदकंजद्वंदमुकुन्दरामरमेशनित्यभजामिहे ॥
अव्यक्तमूलमनादितरुत्वचचारिनिगमागमभने षटकंधशाखापंचबिंशअनेकपर्णसुमनघने ॥

फलयुगलबिधिकटुमधुरबेलिअकेलिजेहिआश्रितरहे पल्लवितफूलतनवलनितसंसारबिटपनमामिहे ॥
जेब्रह्मअजमद्वैतअनुभवगम्यमनपरध्यावहीं तेकहहिंजानहिंनाथहमतवसगुणयशनितगावहीं ॥
करुणायतनप्रभुसद्गुणाकरदेवयहवरमांगहीं मनकर्मबचनबिकारतजितवचरणहमअनुरागहीं ॥
दो०। सबकेदेखतवेदन्ह बिनतीकीन्हउदार अंतरध्यानभयेपुनि गयेब्रह्मआगार ॥
बैनतेयसुनुशंभुतब आयेजहंरघुबीर बिनयकरतगद्गदगिरा पूरितपुलकशरीर ॥
छं०। जयरामरमारमणंशमनं भवतापभयाकुलपाहिजनं अवधेशसुरेशरमेशबिभो शरणागतमांगतपाहिप्रभो दशसीसबिनाशनबीशभुजा कृतदूरिमहामहिभूरिरुजा रजनीचरवृन्दपतंगरहे शरपावकतेजप्रचंडदहे महिमंडलमंडनचारुतरं धृतशायकचापनिषंगवरं मदमोहमहाममतारजनी तमपुञ्जदिवाकरतेजअनी मनुजादकिरातनिपातकिये मृगलोगकुभोगसरेनहिये हतिनाथअनाथनिपाहिहरे बिषयाबनपामरभूलिपरे बहुरोगबियोगन्हलोगहये भवदंघ्रिनिरादरकेफलये भवसिंधुअगाधपरेनरते पदपंकजप्रेमनजेकरते अतिदीनमलीनदुखीनितहीं जिनकेपदपंकजप्रीतिनहीं अवलंबभवंतकथाजिनके भवभीतिकदापिनहींतिनके नहिंरागनरोषनमानमदा तिनकेसमबैभववादिपदा मुनित्यागतयोगभरोससदा इहितेतवसेवकहोतमुदा करिप्रेमनिरंतरनेमलियें पदपंकजसेवतशुद्धहियें सममाननिरादरआदरही सोइसन्तसुखीबिचरन्तमही मुनिमानसपंकजभृङ्गभजैं रघुबीरमहारणधीरअजैं तवनामजपामिनमामिहरी भवरोगमहामदमानअरी गुणशीलकृपापरमायतनं प्रणमामिनिरंतरश्रीरमणं रघुनंदनिकंदनद्वंद्वघनं महिपालबिलोकियदीनजनं ॥
दो०। बारबारबरमांगौ हरषिदेहुश्रीरंग पदसरोजअनपावनी भक्तिसदासतसंग ॥
बरणिउमापतिरामगुण हरषिगयेकैलाश तबप्रभुकपिनदिवाये सबबिधिसुखप्रदबास ॥
चौ०। सुनुखगपतियहकथासुहावनि त्रिबिधतापभवदोषनशावनि महाराजकरशुभअभिषेका सुनतलहहिंनरबिरतिबिबेका जेसकामनरसुनहिंजेगावहिं सुखसंपतिनानाबिधिपावहिं सुरदुर्लभसुखकरिजगमाहीं अन्तकालरघुपतिपुरजाहीं सुनहिंबिमुक्तबिरतअरुबिषई लहहिंभक्तिसुखसंपतिनितई खगपतिरामकथामैंबरणी सुमतिबिलासत्रासदुखहरणी बिरतिबिबेकभक्तिदृढकरणी मोहनदीकहंसुंदरितरणी नितनवमंगलकोशलपुरी हरषितरहहिंलोगसबकुरी नितनवप्रीतिरामपदपंकज सेवतजेहिशंकरसुरमुनिअज मंगनबहुप्रकारपहिराये द्विजनदाननानाबिधिपाये ॥
दो०। परमानंदमगनकपि सबकहंप्रभुपदप्रीति जाततजानेउदिवसनिशि गयेमासषटबीति ॥
चौ०। बिसरेगृहसपनेसुधिनाहीं जिमिपरद्रोहसन्तमनमाहीं तबरघुपतिसबसखाबुलाये आइसबहिसादरशिरनाये प्रेमसमेतनिकटबैठारे भक्तसुखदमृदुबचनउचारे तुमअतिकीन्हमोरिसेवकाई मुखपरकेहिबिधिकरौंबडाई तातेंमोहितुमअतिप्रियलागे ममहितलागिभवनसुखत्यागे अनुजराजसंपतिबैदेही देहगेहपरिवारसनेही सबमोहिंप्रियनहिंतुमहिंसमाना मृषानकहौंमोरयहबाना सबकहंप्रियसेवकयहनीती मोरेअधिकदासपरप्रीती ॥
दो०। अबगृहजाहुसखासब भजहुमोहिदृढनेम सदासर्बगतसर्बहित जानिकरेहुअतिप्रेम ॥
चौ०। सुनिप्रभुबचनमगनसबभये कोहमकहांबिसरितनुगये इकटकरहेजोरिकरआगे कहिनसकत-

कछुअतिअनुरागे परमप्रीतितिन्हकरिप्रभुदेषी कहाबिबिधबिधिज्ञानबिशेषी प्रभुसन्मुखकछुकहनपारहिं
पुनिपुनिचरणसरोजनिहारहिं तबप्रभुभूषणबसनमंगाये नानारंगअनूपसुहाये सुग्रीवहिंप्रथमहिंपहिराये
भरतबसननिजहाथबनाये प्रभुप्रेरितलक्ष्मणपहिराये लंकापतिरघुपतिमनभाये अंगदबैठिरहानहिंडोले
प्रीतिजानिप्रभुताहिनबोले ॥

दो०। जामवन्तनीलादिसब पहिरायेरघुनाथ हियधरिरामस्वरूपसब चलेनाइपदमाथ ॥
तबअंगदउठिनाइशिर सजलनयनकरजोरि अतिबिनीतबोलेबचन मनहुंप्रेमरसबोरि ॥

चौ०। सुनुसर्बज्ञकृपासुखसिंधो दीनदयाकरआरतिबंधो मरतीबारनाथमोहिबाली गयोतुम्हारेपग-
तरघाली अशरणशरणबिरदसंभारी मोहिजनितजहुभक्तहितकारी मोरेप्रभुतुमगुरुपितुमाता जाउं-
कहांतजिपदजलजाता तुमहिंबिचारिकहहुनरनाहा प्रभुतजिभवनकाजममकाहा बालकअबुधज्ञानबल-
हीना राखहुशरणजानिजनदीना नीचटहलगृहकीसबकरिहौं पदबिलोकिभवसागरतरिहौं असकहि-
चरणपरेउप्रभुपाहीं अबजनिनाथकहहुगृहजाहीं ॥

दो०। अंगदबचनबिनीतसुनि रघुपतिकरुणासीव प्रभुउठाइउरलायउ सजलनयनराजीव ॥
निजउरमालाबसनमणि बालितनयपहिराइ बिदाकियेभगवानतब बहुप्रकारसमुझाइ ॥

चौ०। भरतअनुजसौमित्रिसमेता पठवनचलेभक्तकृतचेता अंगदहृदयप्रेमनहिंथोरा फिरिफिरिचितवत-
प्रभुकीओरा बारबारकरिदंडप्रणामा मनअसरहनकहहिंमोहिरामा रामबिलोकनिबोलनिचलनी
सुमिरिसुमिरिसोचतहंसिमिलनी प्रभुरुखदेखिबिनयबहुभाषी चलेहृदयपदपंकजराषी अतिआदरसब-
कपिपहुंचाये भाइनसहितरामफिरिआये तबसुग्रीवचरणगहिनाना भांतिबिनयकीन्हीहनुमाना दिन-
दशकरिरघुपतिपदसेवा तबफिरिचरणदेखिहौंदेवा पुण्यपुञ्जतुमपवनकुमारा सेवहुजाइकृपाआगारा
असकहिकपिपतिचलेतुरंता अंगदकहेउसुनहुहनुमंता ॥

दो०। करेहुदंडवतप्रभुसन तुमहिंकहौंकरजोरि बारबाररघुनायकहिं सुरतिकरायहुमोरि ॥
असकहिचलेउबालिसुत फिरिआयेहनुमंत तासुप्रीतिप्रभुसनकही मगनभयेभगवंत ॥
कुलिशहुचाहिकठोरअति कोमलकुसुमहुचाहि चितखगेशरघुनाथअस समुझिपरैकहुकाहि ॥

चौ०। पुनिकृपालुलियबोलिनिषादा दीन्हेउभूषणबसनप्रसादा जाहुभवनममसुमिरणकरहू मनक्रम-
बचनधर्मअनुसरहू तुममसखाभरतसमभ्राता सदारहेहुपुरआवतजाता बचनसुनतउपजासुखभारी
परेउचरणलोचनभरिबारी चरणकमलउरधरिगृहआवा प्रभुसुभावपरिजनहिंसुनावा रघुपतिचरित-
देखिपुरबासी पुनिपुनिकहहिंधन्यसुखरासी रामराजबैठेत्रयलोका हरषितभयउगयउसबशोका बैरन-
करकाहूसनकोई रामप्रतापबिषमताखोई ॥

दो०। बर्णाश्रमनिजनिजधरम निरतबेदपथलोग चलहिंसदापावहिंसुखहिं नहिंभयशोकनरोग ॥

चौ०। दैहिकदैविकभौतिकतापा रामराजनहिंकाहुहिव्यापा सबनरकरहिंपरस्परप्रीती चलहिंसुधर्म-
निरतश्रुतिनीती चारिउचरणधर्मजगमाहीं पूरिरहासपनेहुंअघनाहीं रामभक्तिरतनरअहनारी सकल-
परमगतिकेअधिकारी अल्पमृत्युनहिंकवनिउपीरा सबसुन्दरसबनिरुजशरीरा नहिंदरिद्रकोउदुखीन-

हीना नहिंकोउअबुधनलच्छनहीना सबनिर्दम्भधर्मरतधरणी नरअरुनारिचतुरशुभकरणी सबगुणज्ञ-
सबपण्डितज्ञानी सबकृतज्ञनहिंकपटसयानी ॥

दो०। रामराज्यबिहगेशसुनु सचराचरजगमाहिं कालकर्मस्वभावगुण कृतदुखकाहुहिनाहिं ॥

चौ०। भूमिसप्तसागरमेखला एकभूपरघुपतिकोशला भुवनअनेकरोमप्रतिजासू यहप्रभुताकछुबहुत-
नतासू सोमहिमासमुझतप्रभुकेरी यहवर्णतहीनताघनेरी यहमहिमाखगेशजिन्हजानी फिरियहचरित-
तिनहुंरतिमानी सोजानेकरफलयहलीला कहहिंमहामुनिसुमतिसुशीला रामराज्यकरसुखसंपदा
बरणिनसकहिंफणीशशारदा सबउदारसबपरउपकारी द्विजसेवकसबनरअरुनारी एकनारिब्रतरतनर-
झारी तेमनबचक्रमपतिहितकारी ॥

दो०। दंडयतिनकरभेदजहं नर्तकनृत्यसमाज जीतेउजगमनसुनियअस रामचन्द्रकेराज ॥

चौ०। फूलहिंफलहिंसदातरुकानन रहहिंएकसंगगजपंचानन खगमृगवैरसहजबिसराई सबनि-
परस्परप्रीतिबढाई कूजहिंखगमृगनानाबृन्दा अभयचरहिंबनकरहिंअनन्दा शीतलसुरभिपवनबहमंदा
गुञ्जतअलिलैचलुमकरंदा लताबिटपमांगेफलद्रवहीं मनभावतेधेनुपयश्रवहीं ससिसंपन्नसदारहधरणी
त्रेताभइसतयुगकीकरणी प्रगटेगिरिनानामणिखानी जगदात्माभूपपहिचानी सरितासकलबहैंबरबारी
शीतलअमलस्वादुसुखकारी सागरनिजमर्य्यादारहहीं डारहिंरत्नतटनिनरलहहीं सरसिजसंकुलसकल-
तडागा अतिप्रसन्नदशदिशाबिभागा ॥

दो०। बिधुमहिपूरपियूषन्ह रवितपतेजतकाज मांगेबारिददेहिंजल रामचन्द्रकेराज ॥

चौ०। कोटिन्हवाजिमेधप्रभुकीन्हा अमितदानबिप्रनकहंदीन्हा श्रुतिपथपालकधर्मधुरंधर गुणातीत-
अरुभोगपुरंदर पतिअनुकूलसदारहसीता शोभाखानिसुशीलबिनीता जानतिकृपासिंधुप्रभुताई सेवति-
चरणकमलमनलाई यद्यपिगृहसेवकसेवकीनी सबप्रकारसेवाबिधिलीनी निजकरगृहपरिचर्य्याकरहीं
रामचन्द्रआयसुअनुसरहीं जेहिबिधिकृपासिंधुसुखमानहिं सोइसियसेवाबिधिउरआनहिं कौशल्यादि-
सासुगृहमाहीं सेवहिंसबैमानमदनाहीं उमारमाब्रह्माणिबंदिता जगदंबासंततसुमानिता ॥

दो०। जाकीकृपाकटाक्षसुर चाहतचितवनिसोइ रामपदारबिंदरत रहतिस्वभावहिजोइ ॥

चौ०। सेवहिंसानुकूलसबभाई रामचरणरतप्रीतिसुहाई प्रभुपदकमलबिलोकतरहहीं कबहिंकृपालु-
हमहिंकछुकहहीं रामकरहिंभ्रातनपरप्रीती नानाभांतिशिखावहिंनीती हरषितरहहिंनगरकेलोगा
करहिंसकलसुरदुर्लभभोगा अहनिशिबिधिहिंमनावतरहहीं श्रीरघुबीरचरणरतिचहहीं दुइसुतसुन्दर-
सीतहिंजाये लवकुशवेदपुराणनगाये दौबिजयीबिनईगुणमंदिर हरिप्रतिबिंबमनहुंअतिसुन्दर दुइदुइ-
सुतसबभ्रातनकेरे भयेरूपगुणशीलघनेरे ॥

दो०। ज्ञानगिरागोतीतअज मायागुणगोपार सोइसच्चिदानंदघन करतचरित्रअपार ॥

चौ०। प्रातकालसरजूकरिमज्जन बैठहिंसभासंगद्विजसज्जन वेदपुराणवशिष्ठबखानहिं सुनहिंराम-
यद्यपिसबजानहिं अनुजन्हसंयुतभोजनकरहीं देखिसकलजननीसुखभरहीं भरतशत्रुहनदोनाभाई
सहितपवनसुतउपवनजाई पूछहिंबैठिरामगुणगाथा कहहनुमानसुमतिअवगाथा सुनतबिमलगुणअति-

सुनपावहिं बहुरिबहुरिकविनयकहावहिं सबकेगृहगृहहोइपुराना रामचरितसुंदरविधिनाना नरअरु-
नारिरामगुणगानहिं करहिंदिवसनिशिजातनजानहिं ॥

दो०। अवधपुरीबासिनकर सुखसंपदासमाज सहससेषनहिंकहिसकहिं जहंनृपरामविराज ॥

चौ०। नारदादिसनकादिमुनीशा दरशनलागिकोशलाधीशा दिनप्रतिसकलअयोध्याआवहिं देखि-
नगरविरागबिसरावहिं रतनजडितमणिकनकअटारी नानारंगरुचिरगचढारी पुरचहुंपासकोटअतिसुंदर
रचेकंगूरारंगरंगवर नवगृहसुन्दरनिकरबनाई मनहुंघेरिअमरावतिआई महिबहुरूपरुचिरगचकांचा
जोबिलोकिमुनिवरमननाचा धवलधामऊपरनभचुम्बत कलशमनहुंशशिरविद्युतिनिन्दत बहुमणिरचित-
झरोखन्हभ्राजैं गृहगृहप्रतिमणिदीपबिराजैं ॥

छं०। मणिदीपराजहिंभवनभ्राजहिंदेहरीविद्रुमरची सुंदरमनोहरमंदिरायतअजिरअतिफटिकनखची ॥
मणिखम्भभीतिबिरंचिबिरचीकनकमणिमरकतरचे प्रतिद्वारद्वारकपाटपुरटबनाइबहुवज्रनखचे ॥

दो०। चारुचित्रशालाअमित गृहगृहप्रतिबनाइ रामधामजोनिरखत मुनिमनलेतचुराइ ॥

चौ०। सुमनवाटिकासबहिंलगाई विविधभांतिकरियतनबनाई लताललितबहुभांतिसोहाईं फूलहिं-
सदाबसन्तकीनाईं गुञ्जतमधुकरमुखरमनोहर मारुतत्रिविधसदाबहसोहर नानाखगबालकन्ह-
जिआये बोलतमधुरउडातसुहाये मोरहंससारसपारावत भवनन्हपरशोभाअतिपावत जहंतहंदेखहिं-
निजपरिछाहीं बहुविधिकूजहिंनृत्यकराहीं शुकशारिकापढावहिंबालक कहहुरामरघुपतिजनपालक
राजद्वारसबहीविधिचारु बीथीचौहटरुचिरबजारु ॥

छं०। बाजाररुचिरनबनैबरणतबस्तुबिनुगथपाइये जहंभूपरमानिवासतहंकीसंपदाकिमिगाइये ॥
बैठेबजाजसराफधनिकअनेकमनहुंकुबेरते सबसुखीसबसुचरित्रसुंदरनरयुवाशिशुजरठते ॥

दो०। उत्तरदिशिसरजूबहै निर्मलजलगंभीर बांधेघाटमनोहर स्वल्पपंकनहिंतीर ॥

चौ०। दूरफराकरुचिरसोघाटा जहंजलपियहिंबाजिगजठाटा पनिघटपरममनोहरनाना तहांनपुरुष-
करहिंअस्नाना राजघाटसबहीविधिसुंदर मज्जहिंतहांवरणचारिउनर तीरतीरदेवनकरमंदिर चहुं-
दिशिनेहिकेउपबनसुंदर कहुंकहुंसरितातीरउदासी बसहिंज्ञानरतमुनिसन्यासी जहंतहंतुलसीवृन्द-
सुहाये बहुप्रकारसबमुनिनलगाये पुरशोभाकछुबरणिनजाई बाहरनगरपरमरुचिराई देखतपुरी-
अखिलअघभागा बनउपबनबापिकातडागा ॥

छं०। बापीतडागअनूपकूपमनोहरायतसोहहीं सोपानसुंदरनीरनिर्मलदेखिसुरमुनिमोहहीं ॥
बहुरंगकंजअनेकखगकूजहिंमधुपगुञ्जारहीं आरामरम्यपिकादिखगरवमनहुंपथिकहंकारहीं ॥

दो०। रमानाथजहंराजा सोपुरबरणिकिजाइ अणिमादिकसुखसंपदा रहींअवधपुरछाइ ॥

चौ०। जहंतहंनररघुपतिगुणगावहिं बैठिपरस्परइहैसिखावहिं भजहुप्रणतप्रतिपालकरामहिं शोभा-
शीलरूपगुणधामहिं जलजबिलोचनश्यामलगातहिं पलकनयनइवसेवकत्रातहिं धृतशररुचिरचापतूणी-
रहिं संतकंजवनरविरणधीरहिं कालकरालव्यालखगराजहिं नमितरामअकाममताजहिं लोभमोह-
मृगयूथकिरातहिं मनसिजकरिहरिजनसुखदातहिं संशयशोकनिबिडतमभानुहिं दनुजगहनबनदहन-

कृपानुहिं जनकसुतासमेतरघुबीरहिं कमलनभजहुभंजनभवभीरहिं बहुबासनामशकहिमराशिहिं सदा-
एकरसअजअबिनाशिहिं मुनिरंजनभंजनमहिभारहिं तुलसिदासकेप्रभुहिउदारहिं ॥

दो०। इहिबिधिनगरनारिनर करहिंरामगुणगान सानुकूलसंततरहत सबपरकृपानिधान ॥

चौ०। जबतेरामप्रतापखगेशा उदितभयेअतिप्रबलदिनेशा पूरिप्रकाशरहेउतिहुंलोका बहुतनसुख-
बहुतनमनशोका जिनहिंशोकतेहिकहौंबखानी प्रथमअविद्यानिशानशानी अघउलूकजहंतहांलुकाने
कामक्रोधकैरवसकुचाने बिबिधकर्मगुणकालसुभाऊ येचकोरसुखलहहिंनकाऊ मत्सरमानमोहमद-
चोरा इनहिंनिवाहनकवनिहुओरा धर्मतडागज्ञानबिज्ञाना येपंकजबिकशेबिधिनाना सुखसंतोषबिराग-
बिबेका बिगतशोकयेकोकअनेका ॥

दो०। यहप्रतापरविजाहिके उरजबकरैप्रकाश पाछिलबाढहिंप्रथमजे कहेतेपावहिंनाश ॥

चौ०। भ्रातनसहितरामइकबारा संगपरमप्रियपवनकुमारा सुंदरउपबनदेखनगयेऊ सबतरुकुसुमित-
पल्लवनयेऊ जानिसमयसनकादिकआये तेजपुञ्जगुणशीलसुहाये ब्रह्मानंदसदालयलीना देखतबालक-
बहुकालीना धरेदेहजनुचारिउवेदा समदर्शीमुनिबिगतबिभेदा आशाबसनव्यसननहिंतिनहीं रघुपति-
चरितहोइतहंसुनहीं तहांरहेसनकादिभवानी जहंघटसंभवमुनिबरज्ञानी रामकथामुनिबहुबिधिबरणी
ज्ञानयोगपावकजिमिअरणी ॥

दो०। देखिराममुनिआवत हरषिदंडवतकीन्ह स्वागतपूछीपीतपट प्रभुबैठनकहंदीन्ह ॥

चौ०। कीन्हदंडवततीनिउंभाई सहितपवनसुतसुखअधिकाई मुनिरघुपतिछबिअतुलबिलोकी भये-
मगनमनशकतनरोकी श्यामलगातसरोरुहलोचन सुंदरतामंदिरभवमोचन इकटकरहेनिमेषनलावहिं
प्रभुकरजोरेसीसनवावहिं तिन्हकीदशादेखिरघुबीरा श्रवतनयनजलपुलकशरीरा करगहिप्रभुमुनिबर-
बैठारे परममनोहरबचनउचारे आजुधन्यमैंसुनहुमुनीशा तुम्हरेदरशजाहिंअघखीशा बडेभाग्य-
पाइयसतसंगा बिनहिंप्रयासहोहिंभवभंगा ॥

दो०। संतपंथअपवर्गकर कामीभवकरपंथ कहहिंसंतकविकोबिद श्रुतिपुराणसद्ग्रंथ ॥

चौ०। सुनिप्रभुबचनहरषिमुनिचारी पुलकगातअस्तुतिअनुसारी जयभगवंतअनंतअनामय अनघअनेक-
एककरुणामय अजनिरगुणजयजयगुणसागर सुखमंदिरतिहुंलोकउजागर जयइंदिरारमणजयभूधर
अनुपमयशअनादिशोभाकर ज्ञाननिधानअमानमानप्रद पावनसुयशपुराणवेदवद तत्त्वज्ञकृतज्ञअज्ञता-
भंजन नामअनेकअनामनिरंजन सर्वसर्वगतसर्वउरालय बसहुसदाहमकहंप्रतिपालय द्वंद्वबिपतिभव-
फंदबिभञ्जन हृदिबसुरामकाममदगंजन ॥

दो०। परमानंदकृपायतन तुमपरिपूरणकाम प्रेमभक्तिअनपावनी देहुहमहिंश्रीराम ॥

चौ०। देहुभक्तिरघुपतिअनपावनि त्रिबिधतापभवदापनशावनि प्रणतपालसुरधेनुकल्पतरु होइप्रसन्न-
प्रभुदीजैयहबरु भववारिधिकुम्भजरघुनायक सेवकसुलभसकलसुखदायक मनसंभवदारुणदुखदारक
दीनबंधुसमताबिस्तारक आशत्रासइरषादिनिवारक बिनयबिबेकबिरतिबिस्तारक भूपमौलिमणिमंडन-
धरणी देहुभक्तिसंसृतिसरितरणी मुनिमनमानसहंसनिरन्तर चरणकमलबंदितअजशंकर रघुकुल-

Y

केतुसेतुश्रुतिरक्षक कालकर्मसुभावगुणभक्षक तारणतरणहरणसबदूषण तुलसिदासप्रभुत्रिभुवनभूषण ॥

दो०। बारबारअस्तुतिकरि प्रेमसहितशिरनाइ ब्रह्मभवनसनकादिगे अतिअभिष्टबरपाइ ॥

चौ०। सनकादिकविधिलोकसिधाये भ्रातनरामचरणशिरनाये पूछतप्रभुहिसकलसकुचाहीं चितवहिं-
सबमारुतसुतपाहीं सुनाचहहिंप्रभुमुखकीबानी जोसुनिहोइसकलभ्रमहानी अंतरजामीप्रभुसबजाना
पूछतकहहुकहाहनुमाना जोरिपाणितबकहहनुमन्ता सुनियेदीनबंधुभगवन्ता नाथभरतकछुपूछन-
चहहीं प्रश्नकरतमनसकुचतअहहीं तुमजानहुकपिमोरसुभाऊ भरतहिमोहिनकछूदुराऊ सुनिप्रभु-
बचनभरतगहचरणा सुनियनाथप्रणतारतिहरणा ॥

दो०। नाथनमोहिसंदेहकछु सपनेहुशोकनमोह केवलकृपातुम्हारिप्रभु चिदानंदसंदोह ॥

चौ०। करौंकृपानिधिएकढिठाई मैंसेवकतुमजनसुखदाई संतनकीमहिमारघुराई बहुबिधिवेद-
पुराणन्हगाई श्रीमुखपुनितुमकीन्हबडाई तिन्हपरप्रभुहिप्रीतिअधिकाई सुनाचहौंप्रभुतिनकरलक्षण
कृपासिंधुगुणज्ञानविचक्षण सन्तअसन्तभेदबिलगाई प्रणतपालमोहिकहियबुझाई सन्तनकेलक्षणसुनुभ्राता
अगणितश्रुतिपुराणविख्याता सन्तअसन्तनकीअसकरणी जिमिकुठारचन्दनआचरणी काटेपरशुमलय-
सुनुभाई निजगुणदेइसुगंधबसाई ॥

दो०। तातेंसुरसीसनचढत जगबल्लभश्रीखंड अनलदाहिपीटतघनहिं परशुबदनयहदंड ॥

चौ०। बिषयिअलंपटशीलगुणाकर परदुखदुखसुखसुखदेखेपर समअभूतिरिपुबिमदबिरागी लोभा
मर्षहर्षभयत्यागी कोमलचितदीननपरदाया मनबचक्रममममभक्तिअमाया सबहिमानप्रदआपुअमानी
भरतप्राणसमममतेप्रानी बिगतकाममममनामपरायन शान्तिबिरक्तिबिनीतमुदितायन शीतलतासुसरलता-
मयंत्री द्विजपदप्रेमधर्मजनुयंत्री यहसबलक्षणबसहिंजासुउर जानेहुतातसन्तसन्ततफुर शमदमनियम-
नीतिनहिंडोलहिं परुषबचनकबहूंनहिंबोलहिं ॥

दो०। निंदाअस्तुतिउभयसम ममताममपदकंज तेसज्जनममप्राणप्रिय गुणमंदिरसुखपुञ्ज ॥

चौ०। सुनहुअसन्तनकेरसुभाऊ भूलेहुसंगतिकरियनकाऊ तिनकरसंगसदादुखदाई जिमिकपि-
लहिघालैहरहाई खलनहृदयअतितापबिशेषी जरहिंसदापरसम्पतिदेषी जहंकहुंनिंदासुनहिंपराई
हरषहिंमनहुंपरीनिधिपाई कामक्रोधमदलोभपरायन निर्दयकपटीकुटिलमलायन बैरअकारणसब-
काहूसों जोकरहितअनहितताहूसों झूठैलेनाझूठैदेना झूठैभोजनझूठचबेना बोलहिंबचनमधुरजिमि-
मोरा खाहिंमहाअहिहृदयकठोरा ॥

दो०। परद्रोहीपरदाररत परधनपरअपबाद तेनरपामरपापमय देहधरेमनुजाद ॥

चौ०। लोभैओढनलोभैडासन शिश्नोदरपरयमपुरत्रासन काहूकीजौसुनहिंबडाई श्वासलेहिंजनुजूडी-
आई जबकाहूकीदेखहिंबिपती सुखीहोहिंमानहुंजगनृपती स्वारथरतपरिवारबिरोधी लंपटकामलोभ-
अतिक्रोधी मातुपितागुरुबिप्रनमानहिं आपुगयेअरुघालहिंआनहिं करहिंमोहबशद्रोहपरावा संतसंगति-
हरिभक्तिनभावा अवगुणसिंधुमंदमतिकामी वेदबिदूषकपरधनस्वामी बिप्रद्रोहपरद्रोहबिशेषी दंभ-
कपटजियधरेंसुवेषी ॥

दो०। ऐसे अधममनुजखल कृतयुगत्रेतानाहिं द्वापरकछुकवृन्दबहु होइहैंकलियुगमाहिं ॥
चौ०। परहितसरिसधरमनहिंभाई परपीडासमनहिंअधमाई निर्णयसकलपुराणवेदकर कहेउंतात-
जानहिंकोविदनर नरशरीरधरिजेपरपीरा करहिंतेसहहिंमहाभवभीरा करहिंमोहवशनरअघनाना
स्वारथरतपरलोकनशाना कालरूपमैंतिन्हकहंताता शुभअरुअशुभकर्मफलदाता असबिचारिजेपरम-
सयाने भजहिंमोहिसंसृतिदुखजाने त्यागहिंकर्मशुभाशुभदायक भजैंमोहिसुरनरमुनिनायक संत-
असंतनकेगुणभाषे तेनपरहिंभवजिनलखिराषे ॥

दो०। सुनहुतातमायाकृत गुणअरुदोषअनेक गुणयहउभयनदेखियै देखियसोअबिबेक ॥
चौ०। श्रीमुखबचनसुनतसबभाई हरषप्रेमनहिंहृदयसमाई करहिंबिनयअतिबारहिंबारा हनूमान-
हियहरषअपारा पुनिरघुपतिनिजमंदिरगये इहिविधिचरितकरतनितनये बारबारनारदमुनिआवहिं
चरितपुनीतरामकरगावहिं नितनवचरितदेखिमुनिजाहीं ब्रह्मलोकसबकथाकहाहीं सुनिबिरंचि-
अतिशयसुखमाना पुनिपुनितातकरहुगुणगाना सनकादिकनारदहिंसराहहिं यद्यपिब्रह्मनिरतमुनि-
आहहिं सुनिगुणगानसमाधिबिसारी सादरसुनहिंपरमअधिकारी ॥

दो०। जीवनमुक्तब्रह्मपर चरितसुनहिंतजिध्यान जेहरिकथानकरहिंरति तिनकेहृदयपषान ॥
चौ०। एकबाररघुनाथबुलाये गुरुद्विजपुरबासीसबआये बैठेगुरुद्विजबरमुनिसज्जन बोलेबचनभक्त-
भयभंजन सुनहुसकलपुरजनममबानी कहौंनकछुममताउरआनी नहिंअनीतिनहिंकछुप्रभुताई सुनहु-
करहुजोतुमहिसुहाई सोइसेवकप्रीतमममसोई ममअनुशासनमानैजोई जौअनीतिकछुभाषौंभाई
तौमोहिबरजेहुभयबिसराई बडेभाग्यमानुषतनुपावा सुरदुर्लभसद्ग्रन्थनगावा साधनधाममोक्षकरद्वारा
पाइनजेइंपरलोकसंवारा ॥

दो०। सोपरत्नदुखपावई सिरधुनिधुनिपछिताइ कालहिकर्महिईश्वरहि मिथ्यादोषलगाइ ॥
चौ०। इहितनुकरफलविषयनभाई स्वरगहुस्वल्पअन्तदुखदाई नरतनुपाइबिषयमनदेहीं पलटिसुधा-
तेशठबिषलेहीं ताहिकबहुंभलकहैनकोई गुञ्जागहैपरसमणिखोई आकरचारिलाखचौराशी योनि-
भ्रमतयहजीवअबिनाशी फिरतसदामायाकेप्रेरे कालकर्मसुभावगुणघेरे कबहुंककरिकरुणानरदेही
देतईशबिनुहेतुसनेही नरतनुभववारिधिकहंबेरे सन्मुखमरुतअनुग्रहमेरे कर्णधारसद्गुरुदृढनावा
दर्लभसाजसुलभकरिपावा ॥

दो०। जोनतरैभवसागरहिं नरसमाजअसपाइ सोकृतनिंदकमंदमति आतमहनगतिजाइ ॥
चौ०। जापरलोकइहांसुखचहहू सुनिममबचनहृदयदृढगहहू सुलभसुखदयहमारगभाई भक्ति-
मोरिपुराणश्रुतिगाई ज्ञानअगमप्रत्यूहअनेका साधनकठिननमनकहंटेका करतकष्टबहुपावतकोई
भक्तिहीनप्रियमोहिनसोई भक्तिस्वतंत्रसकलसुखखानी बिनुसतसंगनपावहिंप्रानी पुण्यपुञ्जबिनुमिलहिं-
नसन्ता सतसंगतिसंसृतिकरअन्ता पुण्यएकजगमेंनहिंदूजा मनक्रमबचनविप्रपदपूजा सानुकूलतेहिपर-
सबदेवा जोतजिकपटकरैद्विजसेवा ॥

दो०। औरौएकगुप्तमत सबहिकहौंकरजोरि शंकरभजनबिनानर भक्तिनपावैमोरि ॥

चौ०। कहहुभक्तिपथकवनिप्रयासा योगनमखजपतपउपवासा सरलसुभावनमनकुटिलाई यथालाभसंतोषसदाई मोरदासकहाइनरआशा करैतोकहहुकहाविश्वासा बहुतकहौंकाकथाबढाई इहिआचरणबश्यमैंभाई बैरनबिग्रहआशनत्रासा सुखमयताहिसदासबआशा अनारंभअनिकेतअमानी अनघअरोषदक्षबिज्ञानी प्रीतिसदासज्जनसंसर्गा तृणसमविषयस्वर्गअपवर्गा भक्तिपक्षहठनहिंशठताई दुष्टकर्मसबदूरिबिहाई ॥

दो०। ममगुणग्रामनामरत गतममतामदमोह ताकरसुखसोइजानै परमानंदसंदोह ॥

चौ०। सुनतसुधासमबचनरामके सबन्हिगहेपदकृपानिधानके जननिजनकगुरुबंधुहमारे कृपानिधानप्राणतेंप्यारे तनधनधामरामहितकारी सबबिधितुमप्रणतारतिहारी असिसिखतुमबिनुदेइनकोऊ मातुपितास्वारथरतओऊ हेतुरहितसबबिधिउपकारी तुमतुम्हारसेवकअसुरारी स्वारथमीतसकलजगमाहीं सपनेहुकोउपरमारथनाहीं सबकेबचनप्रेमरससाने सुनिरघुनाथहृदयहरषाने निजनिजगृहगेआयसुपाई बरणतप्रभुकोगिरासुहाई ॥

दो०। उमाअवधबासीनर नारिकृतारथरूप ब्रह्मसच्चिदानंदघन रघनायकजहंभूप ॥

चौ०। एकबारबशिष्ठमुनिआये जहांरामसुखधामसुहाये अतिआदररघुनायककीन्हा पदपखारिचरणोदकलीन्हा रामसुनहुमुनिकहकरजोरी कृपासिंधुबिनतीइकमोरी देखिदेखिआचरणतुम्हारा होतमोहममहृदयअपारा महिमाअमितवेदनहिंजाना मैंकेहिभांतिकहौंभगवाना उपरोहितीकर्मअतिमंदा वेदपुराणसम्टतिकरुनिंदा जबनलेउंतबहौंबिधिमोही कहालाभआगेसुततोही परमातमाब्रह्मनररूपा होइहैंरघुकुलभूषणभूपा ॥

दो०। तबमैंहृदयबिचारकिय योगयज्ञजपदान जेहिनितकरियसोपाइयै धर्मनइहिसमआन ॥

चौ०। जपतपनियमयोगव्रतधर्मा श्रुतिसंभवनानाबिधकर्मा ज्ञानदयादमतीरथमज्जन जहंलगिधर्मकहैंश्रुतिसज्जन आगमनिगमपुराणअनेका पढैगुणैकरफलप्रभुएका तवपदपंकजप्रीतिनिरंतर सबसाधनकरफलयहसुंदर छूटैमलकिमलहिकेधोये घृतकिपावकोउबारिबिलोये प्रेमभक्तिजलबिनुरघुराई अभ्यन्तरमलकबहुंनजाई सोइसर्वज्ञतज्ञसोइपंडित सोइगुणगृहबिज्ञानअखंडित दक्षसकललक्षणयुतसोई जाकेपदसरोजरतिहोई ॥

दो०। नाथएकबरमागौं मोहिकृपाकरिदेहु जन्मजन्मप्रभुपदकमल कबहुंघटैजनिनेहु ॥

चौ०। असकहिमुनिबशिष्ठगृहआये कृपासिंधुकेमनअतिभाये हनूमानभरतादिकभ्राता संगलियेसेवकसुखदाता पुनिकृपालुपुरबाहरगयऊ गजरथतुरगमंगावनभयऊ देखिकृपाकरिसकलसराहे दियेउचितजिन्हजिन्हजोचाहे हरणसकलश्रमप्रभुश्रमपाई गयेजहांशीतलअमराई भरतदीन्हनिजबसनडसाई बैठेप्रभुसेवहिंसबभाई मारुतसुततबमारुतकरई पुलकगातलोचनजलभरई हनूमानसमानबड़भागी नहिंकोउरामचरणअनुरागी गिरिजाजासुप्रीतिसेवकाई बारबारप्रभुनिजमुखगाई ॥

दो०। तेहिअवसरमुनिनारद आयेकरतलबीन गावनलागेरामगुण कीरतिसदानबीन ॥

चौ०। रामबिलोकेपंकजलोचन कृपाबिलोकनिसोचबिमोचन नीलतामरसश्यामकामअरि हृदय-

कंजमकरन्दमधुपहरि जातुधानबहुथबलभंजन मुनिसज्जनरंजनअघभंजन भूसुरशशिनवबृन्दबलाहक अशरणशरणदीनजनगाहक भुजबलबिपुलभारमहिखंडित खरदूषणबिराधबधपंडित रावणारिसुखरूप-भूपबर जयदशरथकुलकुमुदसुधाकर सुयशपुराणबिदितनिगमागम गावतसुरमुनिसन्तसमागम कारुणीकब्यलीकमदखंडन सबबिधिकुशलकोशलामंडन कलिमलमथननाममममताहन तुलसिदासप्रभु-पाहिप्रणतजन ॥

दो०। प्रेमसहितमुनिनारद बरणिरामगुणग्राम शोभासिंधुहृदयधरि गयेजहांबिधिधाम ॥

चौ०। गिरिजासुनहुबिशदयहकथा मैंसबकहीमोरिमतियथा रामचरितशतकोटिअपारा श्रुतिशारदा-नबरणैपारा रामअनन्तअनन्तगुणानी जन्मकर्मअनन्तनामानी जलशीकरमहिरजगणिजाहीं रघुपति-चरितनबरणिसिराहीं बिमलकथायहहरिपददायिनि भक्तिहोइसुनिअतिअनपाइनि उमाकहेउंसोकथा-सुहाई जोभुशुंडिखगपतिहिसुनाई कछुकरामगुणकहेउंबखानी अबकाकहौंसोकहहुभवानी सुनिशुभ-कथाउमाहरषाणी बोलीअतिबिनीतमृदुबाणी धन्यधन्यमैंधन्यपुरारी सुनेउंरामगुणभवभयहारी ॥

दो०। तुम्हरीकृपाकृपायतन अबकृतकृत्यनमोह जानेउंरामप्रभावप्रभु चिदानंदसंदोह ॥

नाथतवाननशशिश्रवत कथासुधारघुबीर श्रवणपुटनिमनपानकरि नहिंअघातमतिधीर ॥

चौ०। रामचरितजेसुनतअघाहीं रसबिशेषजानातिन्हनाहीं जीवनमुक्तमहामुनिजेऊ हरिगुणसुनत-अघातनतेऊ भवसागरचहपारजोपावा रामकथाताकहंदृढनावा बिषयिनकहंपुनिहरिगुणग्रामा श्रवण-सुखदअरुमनअभिरामा श्रवणवन्तअसकोजगमाहीं जाहिनरघुपतिकथासुहाहीं तेजडजीवनिजातमघाती जिनहिंनरघुपतिकथासोहाती हरिचरित्रमानसतुमगावा सुनिमैंनाथपरमसुखपावा तुमजोकहीयह-कथासुहाई काकभुशुंडिगरुडप्रतिगाई ॥

दो०। बिरतज्ञानबिज्ञानदृढ रामचरणअतिनेह बायसतनुरघुपतिभगत मोहिपरमसंदेह ॥

चौ०। नरसहस्रमहंसुनहुपुरारी कोउइकहोइधर्मब्रतधारी धर्मशीलकोटिन्हमहंकोई बिषयबिमुख-बिरागरतहोई कोटिबिरक्तमध्यश्रुतिकहई सम्यकज्ञानसकृतकोउलहई ज्ञानवन्तकोटिन्हमहंकोई जीवनमुक्तसुकृतजगसोई तिनसहस्रमहंसबसुखखानी दुर्लभब्रह्मलीनबिज्ञानी सबतेसोदुर्लभसुरराया रामभक्तिरतगतमदमाया सोहरिभक्तिकाककिमिपाई बिश्वनाथमोहिकहहुबुझाई ॥

दो०। रामपरायणज्ञानरत गुणागारमतिधीर नाथकहहुकेहिकारण पायउकाकशरीर ॥

चौ०। यहप्रभुचरितपवित्रसुहावा कहहुकृपालुकागकिमिपावा तुमकेहिभांतिसुनामदनारी कहहु-मोहियहकौतुकभारी गरुडमहाज्ञानीगुणराशी हरिसेवकअतिनिकटनिवासी सोकेहिहेतुकागसनजाई सुनीकथामुनिनिकरबिहाई कहहुकवनबिधिभासंबादा दोउहरिभक्तकागउरगादा गौरिगिरासुनि-सरलसुहाई बोलेशिवसादरसुखपाई धन्यसतीपावनमतितोरी रघुपतिचरणप्रीतिनहिंथोरी सुनहुपरम-पुनीतइतिहासा जोसुनिहोइसकलभ्रमनाशा उपजइरामचरणबिश्वासा भवनिधितरनरबिनहिंप्रयासा ॥

दो०। ऐसियप्रश्नबिहंगपति कीन्हकागसनजाइ सोसबसादरकहहुंमैं सुनहुउमाचितलाइ ॥

चौ०। मैंजिमिकथासुनीभवमोचनि सोप्रसंगसुनुसुमुखिसुलोचनि प्रथमदक्षगृहतवअवतारा सती-

z

नामतबरहातुम्हारा दक्षयज्ञतवभाअपमाना तुमअतिक्रोधतजेतबप्राना ममअनुचरन्हकीन्हमखभंगा जानहुसोतुमसकलप्रसंगा तबअतिसोचभयउमनमोरे दुखितभयउंबियोगप्रियतोरे सुंदरबनगिरिसरिततडागा कौतुकदेखतफिरौंबिरागा गिरिसुमेरुउत्तरदिशिदूरी नीलशैलइकसुंदरभूरी तासुकनकमयशिखरसुहाये चारिचारुमोरेमनभाये तेहिपरइकइकबिटपबिशाला बटपीपरपाकरीरसाला शैलोपरिसुंदरसरसोहा मणिसोपानदेखिमनमोहा ॥

दो॰। शीतलअमलमधुरजल जलजबिपुलबहुरंग कूजतकलरवहंसगण गुञ्जतमंजुलभृङ्ग ॥

चौ॰। तेहिगिरिरुचिरबसैखगसोई तासुनाशकल्पांतनहोई मायाकृतगुणदोषअनेका मोहमनोजआदिअबिबेका रहेउब्यापिसमस्तजगमाहीं तेहिगिरिनिकटकबहुंनहिंजाहीं तहंबसिहरिहिभजैजिमिकागा सोसुनुउमासहितअनुरागा पीपरतरुतरध्यानसोधरई जापयोगपाकरितरकरई आंबछांहकरमानसपूजा तजिहरिभजनकाजनहिंदूजा बटतरकहहरिकथाप्रसंगा आवहिंसुनहिंअनेकबिहंगा रामचरितबिचित्रबिधिनाना प्रेमसहितकरसादरगाना सुनहिंसकलमतिबिमलमराला बसहिंनिरंतरजेतेहिताला जबमैंजाइसोकौतुकदेखा उरउपजाआनंदबिशेषा ॥

दो॰। तबकछुकालमरालतनु धरितहंकीन्हनिवास सादरसुनिरघुपतिचरित पुनिआयउंकैलाश ॥

चौ॰। गिरिजाकहेउंसोसबइतिहासा मैंजेहिसमयगयउंखगपासा अबसोकथासुनहुजेहिहेतू गयउकागपहंखगकुलकेतू जबरघुनाथकीन्हरणक्रीडा समुझतचरितहोतमोहिब्रीडा इंद्रजीतकरआपुबंधावा तबनारदमुनिगरुडपठावा बंधनकाटिगयउउरगादा उपजाहृदयप्रचंडबिषादा प्रभुबंधनसमुझतबहुभांती करतबिचारउरगआराती व्यापकब्रह्मबिरजबागीशा मायामोहपारपरमीशा सोअवतरेउसुनेउंजगमाहीं देखासोप्रभावकछुनाहीं ॥

दो॰। भवबन्धनतेछूटहिं नरजपिजाकरनाम खर्बनिशाचरबांधेउ नागफांससोराम ॥

चौ॰। नानाभांतिमनहिंसमुझावा प्रगटनज्ञानहृदयभ्रमछावा खेदखिन्नमनतर्कबढाई भयउमोहबशतुम्हरीनाई व्याकुलगयउदेवऋषिपाहीं कहेसिजोसंशयनिजमनमाहीं सुनिनारदहिलागिअतिदाया सुनुखगप्रबलरामकीमाया जोज्ञानिन्हकरचितअपहरई बरिआईबिमोहबशकरई जेइबहुबारनचावामोहीं सोव्यापेउबिहंगपतितोहीं महामोहउपजामनतोरे मिटिहिनबेगिकहेखगमोरे चतुराननपहंजाहुखगेशा सोइकरेहुजोदेहिंउपदेशा ॥

दो॰। असकहिचलेदेवऋषि करतरामगुणगान हरिमायाबलबरणत पुनिपुनिपरमसुजान ॥

चौ॰। तबखगपतिबिरंचिपहंगयऊ निजसंदेहसुनावतभयऊ सुनिबिरंचिरामहिंशिरनावा समुझिप्रतापप्रेमउरछावा मनमहंकरहिंबिचारबिधाता मायाबशकबिकोबिदज्ञाता हरिमायाकरअमितप्रभावा बिपुलबारजेहिमोहिनचावा अगजगमयसबममउपराजा नहिंआचर्य्यमोहखगराजा पुनिबोलेबिधिगिरासुहाई जानमहेशरामप्रभुताई वैनतेयशंकरपहंजाहू तातअनतपूछहुजनिकाहू तहंहोइहितवसंशयहानी चलुबिहंगपतिसुनिबिधिबानी ॥

दो॰। परमातुरबिहंगपति तबआयउममपास जातरहेउंकुबेरगृह रहिहुउमाकैलास ॥

चौ०। तेहिममपदसादरसिरनावा पुनिआपनिसंदेहसुनावा सुनिताकरिबिनीतमृदुबानी प्रेमसहितमैं-कहेउंभवानी मिलेउगरुडमारगमहंमोही कवनभांतिसमुझावौंतोही जबबहुकालकरियसतसंगा तब-यहहोइमोहभ्रमभंगा सुनियतहांहरिकथासुहाई नानाभांतिमुनिन्हजोगाई जेहिमहंआदिमध्यअवसाना प्रभुप्रतिपाद्यरामभगवाना नितहरिकथाहोइजहंभाई पठवौंतोहिसुनहुतुमजाई जाइहिसुनतसकल-संदेहा होइहिरामचरणदृढनेहा ॥

दो०। बिनुसतसंगनहरिकथा तेहिबिनुमोहनभाग मोहगयेबिनुरामपद होइनदृढअनुराग ॥

चौ०। मिलहिंनरघुपतिबिनुअनुरागा कियेजोगजपज्ञानबिरागा उत्तरदिशिसुंदरगिरिनीला तहंरह-कागभुशुण्डिसुशीला रामभक्तिपथपरमप्रवीना ज्ञानीगुणगृहबहुकालीना रामकथासोइकहैनिरंतर सादरसुनहिंबिबिधबिहंगवर जाइसुनहुतहंहरिगुणभूरी होइहिमोहजनितदुखदूरी मैंजबतेहिकहा-बुझाई चलेउहरषिममपदसिरनाई तातेउमाननमैंसमुझावा रघुपतिकृपामर्मसबपावा होइहिकीन्ह-कबहुंअभिमाना सोखोवैचहकृपानिधाना कछुतेहितेपुनिमैंनहिंराखा समुझैखगखगहीकीभाषा प्रभुमाया-बलवन्तभवानी जाहिनमोहकवनअसज्ञानी ॥

दो०। ज्ञानीभक्तशिरोमणि त्रिभुवनपतिकरयान ताहिमोहमायाप्रबल पामरकरहिंगुमान ॥
शिवबिरंचिकहंमोहई कोहैबपुराआन असजियजानिभजहिंमुनि मायापतिभगवान ॥

चौ०। गयेउगरुडजहंबसैभुशुण्डी मतिअकुण्ठहरिभक्तिअखण्डी देखिशैलप्रसन्नमनभयऊ मायामोह-शोकभ्रमगयऊ करितडागमज्जनजलपाना बटतरगयउहृदयहरषाना वृन्दवृन्दबिहंगतहंआये सुनै-रामकेचरितसुहाये कथाअरंभकरैसोचाहा ताहीसमयगयउखगनाहा आवतदेखिसकलखगराजा हरषेउवायससहितसमाजा अतिआदरखगपतिकरकीन्हा स्वागतपूछिसुआसनदीन्हा करिपूजासमेत-अनुरागा मधुरबचनबोलेउतबकागा ॥

दो०। नाथकृतारथभयेउंमैं तवदर्शनखगराज आयसुहोइसोकरौंअब प्रभुआयेहुकेहिकाज ॥
सदाकृतारथरूपतुम कहमृदुबचनखगेश जाकीअस्तुतिसादर निजमुखकीन्हमहेश ॥

चौ०। सुनहुतातजेहिकारणआयेउं सोसबभयेउदर्शनपायेउं देखिपरमपावनतवआश्रम गयउमोह-संशयनानाभ्रम अबश्रीरामकथाअतिपावनि सदासुखददुखपुञ्जनशावनि सादरतातसुनावहुमोही बार-बारबिनवौंप्रभुतोही सुनतगरुडकैगिराबिनीता सरलसप्रेमसुखदसुपुनीता भयउतासुमनपरमउछाहा कहैलागुरघुपतिगुणगाहा प्रथमहिंअतिअनुरागभवानी रामचरितसरकहेसिबखानी पुनिनारदकरमोह-अपारा कहेसिबहुरिरावणअवतारा प्रभुअवतारकथापुनिगाई पुनिशिशुचरितकहेसिमनलाई ॥

दो०। बालचरितकहिबिबिधबिधि मनमहंपरमउछाह ऋषिआगमनकहेसिपुनि श्रीरघुबीरबिवाह ॥

चौ०। बहुरिरामअभिषेकप्रसंगा पुनिनृपबचनराजरसभंगा पुरबासिनकरबिरहबिषादा कहेसिराम-लक्ष्मणसंवादा बिपिनगमनकेवटअनुरागा सुरसरिउतरिनिवासप्रयागा बाल्मीकप्रभुमिलनबखाना चित्रकूटजिमिबसभगवाना सचिवागमननगरनृपमरणा भरतागमनप्रेमबहुबरणा करिनृपक्रियासंग-पुरबासी भरतगयेजहंप्रभुसुखरासी पुनिरघुपतिबहुबिधिसमुझाये लेपादुकाअवधफिरिआये भरतरहनि-सुरपतिसुतकरणी प्रभुअरुअत्रिभेंटपुनिबरणी ॥

दो०। कहिविराधबधजाहिबिधि देहतजीसरभंग बरणिसुतीक्षणप्रेमपुनि प्रभुअगस्तिसतसंग ॥

चौ०। कहिदंडकबनपावनताई गृध्रमइत्रीपुनितेहिगाई पुनिप्रभुपंचवटीकृतवासा भंजेउसकलमुनिन्हकी-त्रासा पुनिलक्ष्मणउपदेशअनूपा शूर्पणखाजिमिकीन्हकुरूपा खरदूषणवधबहुरिबखाना जिमिसबमर्म-दशाननजाना दशकंधरमारीचबतकही जेहिबिधिभईसकलतेहिकही पुनिमायासीताकरहरणा श्रीरघु-बीरबिरहकछुवरणा पुनिप्रभुगृध्रक्रियाजिमिकीन्ही बधिकबंधशबरिहिगतिदीन्ही बहुरिबिरहबरणतरघु-बीरा जेहिबिधिगयउसरोवरतीरा ॥

दो०। प्रभुनारदसंबादकहि मारुतमिलनप्रसंग पुनिसुग्रीवमिताई बालिप्राणकरभंग ॥
कपिहितिलककरिप्रभुकृत शैलप्रबर्षणबास बर्णनबर्षाशरदऋतु रामरोषकपित्रास ॥

चौ०। जेहिबिधिकपिपतिकीशपठाये सीताखोजसकलदिशिधाये बिबरप्रवेशकीन्हजेहिभांती कपिन्ह-बहोरिमिलासंपाती सुनिसबकथासमीरकुमारा नाघतभयउपयोधिअपारा लंकाकपिप्रवेशजिमिकीन्हा पुनिसीतहिधीरजजिमिदीन्हा बनउजारिरावणहिप्रबोधी पुरदहिनांघेउबहुरिपयोधी आयेकपिसबजहं-रघुराई बैदेहीकैकुशलसुनाई सेनसमेतयथारघुबीरा उतरेजाइबारिनिधितीरा मिलाबिभीषणजेहि-बिधिआई सागरनिग्रहकथासुनाई ॥

दो०। सेतुबांधिकपिसेनजिमि उतरीसागरपार गयौबशीठीबीरबर जेहिबिधिबालिकुमार ॥
निशिचरकीशलराई बरनेसिबिबिधप्रकार कुम्भकर्णघननादकर बलपौरुषसंहार ॥

चौ०। निशिचरनिकरमरणबिधिनाना रघुपतिरावणसमरबखाना रावणबधमंदोदरिशोका राज-बिभीषणदेवअशोका सीतारघुपतिमिलनबहोरी सुरनकीन्हअस्तुतिकरजोरी पुनिपुष्पकचढिसीयसमेता अवधचलेप्रभुकृपानिकेता जेहिबिधिरामनगरनियराये बायसबिशदचरितसबगाये कहेसिबहोरिराम-अभिषेका पुरबर्णननृपनीतिअनेका कथासमस्तभशुण्डिबखानी जोमैंतुमसनकहाभवानी सुनिशुभराम-कथाखगनाहा बिगतमोहमनपरमउछाहा ॥

सो०। गयउमोरसंदेह सुनेउंसकलरघुपतिचरित भयउरामपदनेह तवप्रसादबायसतिलक ॥
मोहिंभयउअतिमोह प्रभुबंधनरणमहंनिरखि चिदानन्दसंदोह रामबिकलकारणकवन ॥

चौ०। देखिचरितअतिनरअनुहारी भयउहृदयममसंशयभारी सोभ्रमअबमैंहितकरिजाना कीन्ह-अनुग्रहकृपानिधाना जोअतिआतपव्याकुलहोई तरुछायासुखजानैसोई जौनहिंहोतमोहअतिमोहीं मिलतेउंतातकवनिबिधितोहीं सुनतेउंकिमिहरिकथासुहाई अतिबिचित्रबहुबिधितुमगाई निगमागम-पुराणमतएहा कहहिंसिद्धमुनिनहिंसंदेहा सन्तबिशुद्धमिलहिंपुनितेही चितवहिंरामकृपाकरिजेही राम-कृपातवदरशनभयऊ तवप्रसादममसंशयगयऊ ॥

दो०। सुनिबिहंगपतिबाणी सहितबिनयअनुराग पुलकगातलोचनसजल मनहरषेउअतिकाग ॥
श्रोतासुमतिसुशीलशुचि कथारसिकहरिदास पाइउमाअतिगोप्यमत सज्जनकरहिंप्रकाश ॥

चौ०। बोलेउकागभुशुण्डिबहोरी नभगनाथपरप्रीतिनथोरी सबबिधिनाथपूज्यतुममेरे कृपापात्र-रघुनायकके रे तुमहिंनसंशयमोहनमाया मोपरनाथकीन्हतुमदाया पठैमोहमिसुखगपतितोहीं रघु-

पतिदीन्हबडाईमोहीं तुमनिजमोहकहीखगसाईं सोनहिंकछुआचर्यगुसाईं नारदशिवबिरंचिसनकादी
जेमुनिनायकआतमबादी मोहनअंधकीन्हकेहिकेही कोजगकामनचावनजेही तृष्णाकेहिनकीन्हबौ-
राहा केहिकेहृदयक्रोधनहिंदाहा ॥

दो०। ज्ञानीतापसशूरकवि कोविदगुणआगार केहिकेलोभबिडंबना कीन्हनइहिसंसार ॥
श्रीमदबक्रनकीन्हकेहि प्रभुताबधिरनकाहि मृगनयनीकेनयनशर कोअसलागुनजाहि ॥

चौ०। गुणकृतसन्निपातनहिंकेही कोउनमानमदव्यापेउजेही यौबनज्वरकेहिनहिंबलगावा ममता-
केहिकरयशननशावा मत्सरकाहिकलंकनलावा काहिनशोकसमीरडोलावा चिन्तासांपिनिकाहिनखाया
कोजगजाहिनव्यापीमाया कीटमनोरथदारुशरीरा जेहिनलागुघुनकोअसधीरा सुतवितनारिईषणा-
तीनी केहिकीमतिइन्हकृतनमलीनी यहसबमायाकरपरिवारा प्रबलअमितकोबरणैपारा शिवचतुरानन-
जाहिडेराहीं अपरजीवकेहिलेखेमाहीं ॥

दो०। व्यापिरह्योसंसारमहं मायाकटकप्रचंड सेनापतिकामादिभट दंभकपटपाषंड ॥
सोदासीरघुबीरकी समुझेमिथ्यासोपि छुटैनरामकृपाबिनु नाथकहौंपणरोपि ॥

चौ०। जोमायासबजगहिंनचावा जासुचरितलखिकाहुनपावा सोप्रभुभ्रूविलासखगराजा नाचनटीइव-
सहितसमाजा व्यापकब्रह्मअखंडअनंता अखिलअमोघएकभगवंता सोइसच्चिदानंदघनश्यामा अज-
विज्ञानरूपगुणधामा अगुणअदंभगिरागोतीता समदरशीअनवद्यअजीता निर्गुणनिराकारनिर्मोहा
नित्यनिरंजनसुखसंदोहा प्रकृतिपारप्रभुसबउरबासी ब्रह्मनिरीहबिरजअविनासी इहांमोहकरकारणनाहीं
रविसन्मुखतमकबहुंकिजाहीं ॥

दो०। भक्तहेतुभगवानप्रभु रामधरेउतनुभूप कियेचरितपावनपरम प्राकृतनरअनुरूप ॥
यथाअनेकबेषधरि नृत्यकरैनटकोइ जोइसोइभावदेखावै आपुनहोइनसोइ ॥

चौ०। असिरघुपतिलीलाउरगारी दनुजबिमोहनिजनसुखकारी जेमतिमलिनविषयबशकामी प्रभुपर-
मोहधरहिंइमिस्वामी नयनदोषजाकहंजबहोई पीतबरणशशिकहंकहुसोई जबजेहिदिगभ्रमहोइखगेशा
सोकहपश्चिमउगेउदिनेशा नौकारूढचलतजगदेखा अचलमोहबशआपुहिलेखा बालकभ्रमहिंनभ्रमहिं-
गृहादी कहहिंपरस्परमिथ्याबादी हरिविषयकअसमोहबिहंगा सपनेहुनहिंअज्ञानप्रसंगा मायाबश-
मतिमंदअभागी हृदयजमनिकाबहुबिधिलागी तेशठहठबशसंशयकरहीं निजअज्ञानरामपरधरहीं ॥

दो०। कामक्रोधमदलोभरत गृहाशक्तदुखरूप तेकिमिजानहिंरघुपतिहि मूढपरेतमकूप ॥
निर्गुणरूपसुलभअति सगुणनजानैकोइ सुगमअगमनानाचरित सुनिमुनिमनभ्रमहोइ ॥

चौ०। सुनुखगपतिरघुपतिप्रभुताई कहौंयथामतिकथासुहाई जेहिबिधिमोहभयउप्रभुमोहीं सोसब-
चरितसुनावौंतोहीं रामकृपाभाजनतुमताता हरिगुणप्रीतिमोहिंसुखदाता तातेंनहिंकछुतुमहिंदुरावौं
परमरहस्यमनोहरगावौं सुनहुरामकरसहजसुभाऊ जनअभिमाननराखहिंकाऊ संसृतिमूलशूलप्रद-
नाना सकलशोकदायकअभिमाना तातेंकरहिंकृपानिधिदूरी सेवकपरममताअतिभूरी जिमिशिशुतनु-
व्रणहोइगुसाईं मातुचिराबकठिनकीनाईं ॥

दो०। यदपिप्रथमदुखपावै रोवैबालअधीर ब्याधिनाशहितजननी गनैनसोशिशुपीर ॥
तिमिरघुपतिनिजदासकर हरहिंमानहितलागि तुलसिदासऐसेप्रभुहिं कसनभजहुभ्रमत्यागि ॥

चौ०। रामकृपाआपनिजडताई कहौंखगेशसुनहुमनलाई जबजबराममनुजतनुधरहीं भक्तहेतुलीला-बहुकरहीं तबतबअवधपुरीमैंजाऊं शिशुलीलाबिलोकिहरषाऊं जन्ममहोत्सवदेखौंजाई बर्षपांचतहं-रहौंलुभाई इष्टदेवममबालकरामा शोभावपुषकोटिशतकामा निजप्रभुबदननिहारिनिहारी लोचन-सुफलकरौंउरगारी लघुवायसबपुधरिहरिसंगा देखौंबालचरितबहुरंगा ॥

दो०। लरिकाईजहंजहंफिरहिं तहंतहंसंगउडाउं जूठनिपरैअजिरमहं सोउठाइकरिखाउं ॥
एकबारअतिशैशव चरितकीन्हरघुबीर सुमिरतप्रभुलीलासोई पुलकितभयेउशरीर ॥

चौ०। कहैभुशुण्डिसुनहुखगनायक रामचरितसेवकसुखदायक नृपमन्दिरसुन्दरसबभांती खचित-कनकमणिनानाजाती बरणिनजाइरुचिरअंगनाई जहंखेलहिंनितचारौंभाई बालबिनोदकरतरघुराई बिचरतअजिरजननिसुखदाई मरकतमृदुलकलेवरश्यामा अंगअंगप्रतिछबिबहुकामा नवराजीवअरुण-मृदुचरणा पदपंकजनखशशिदुतिहरणा ललितअंककुलिशादिकचारी नूपुरचारुमधुररवकारी चारु-पुरटमणिरचितबनाई कटिकिंकिणिकलमुखरसुहाई ॥

दो०। रेखात्रयसुन्दरउदर नाभिरुचिरगंभीर उरआयतभ्राजतबिबिध बालबिभूषणचीर ॥

चौ०। अरुणपाणिनखकरजमनोहर बाहुबिशालबिभूषणसोहर कंधबालकेहरिदरग्रीवा चारुचिबुक-आननछबिसींवा कलबलबचनअधरअरुणारे दुइदुइदशनविशदबरबारे ललितकपोलमनोहरनासा सकलसुखदशशिकरसमहासा नीलकंजलोचनभवमोचन भ्राजतभालतिलकगोरोचन बिकटभृकुटि-समश्रवणसुहाये कुञ्चितकचमेचकछबिछाये पीतझीनिझंगुलितनुसोहो किलकनिचितवनिभावतिमोहो रूपराशिनृपअजिरबिहारी नाचहिंनिजप्रतिबिंबनिहारी मोसनकरहिंबिबिधबिधक्रीडा बरणतचरित-होतमनब्रीडा किलकतमोहिधरनजबधावहिं चलौंभाजितबपूपदेखावहिं ॥

दो०। आवतनिकटहंसहिंप्रभु भाजतरुदनकराहिं जाउंसमीपगहनपद फिरिफिरिचितैपराहिं ॥
प्राकृतशिशुइवलीला देखिभयउमोहिमोह कवनचरित्रकरतप्रभु चिदानन्दसंदोह ॥

चौ०। इतनामनआनतखगराया रघुपतिप्रेरितव्यापीमाया सोमायानदुखदमोहिकाहो आनजीवइव-संसृतनाही नाथइहांकछुकारणआना सुनहुसोसावधानहरियाना ज्ञानअखंडएकसीतावर मायावश्य-जीवसचराचर जौसबकेरहज्ञानएकरस ईश्वरजीवहिंभेदकहहुकस मायावश्यजीवअभिमानी ईशवश्य-मायागुणखानी परबशजीवस्वबशभगवन्ता जीवअनेकएकश्रीकन्ता दुबिधाभेदअपीकृतमाया बिनुहरि-जाइनकोटिउपाया ॥

दो०। रामचन्द्रकेभजनबिनु जोचहपदनिर्वाण ज्ञानवन्तअतिसोपिनर पशुबिनुपूंछबिषाण ॥
राकाशशिषोडसउगहिं तारागणसमुदाय सकलगिरिनदबलाइये रबिबिनुरातिनजाय ॥

चौ०। ऐसेहिंबिनुहरिभजनखगेशा मिटैनजीवनकेरकलेशा प्रभुसेवकहितव्यापअबिद्या प्रभुप्रेरित-तेहिव्यापैविद्या तातेंनाशनहोइदासकर भेदभक्तिबाढैबिहंगवर भ्रमतेचकितराममोहिदेखा बिहंसेसो-

सुनुचरितबिशेषा तेहिकौतुककरमर्मनकाहू जानाअनुजनमातुपिताहू जानुपाणिधायेमोहिधरणा श्याम-
सगातअरुणमृदुचरणा तबमैंभागिचलेउंउरगारी रामगहनकहंभुजापसारी जिमिजिमिदूरिउडाउं-
अकासा तिमितिमिभुजदेखौंनिजपासा ॥

दो०। ब्रह्मलोकलौंगयेउंमैं चितवतपाछउडात युगअंगुलकरबीचरहु रामभुजहिमोहिंतात ॥
सप्तावरणभेदकरि जहंलगिरहिगतिमोरि गयउंतहांप्रभुभुजनिरखि व्याकुलभयउंबहोरि ॥

चौ०। मूंदेउंनयनत्रसितजबभयऊं पुनिचितवतकोशलपुरगयऊं मोहिंबिलोकिराममुसुकाहीं बिहंसत-
तुरितगयउंमुखमाहीं उदरमांझसुनुअंडजराया देखेउंबहुब्रह्मांडनिकाया अतिबिचित्रतहंलोकअनेका
रचनाअधिकएकतेंएका कोटिनचतुराननगौरीशा अगणितउडुगणरबिरजनीशा अगणितलोकपाल-
यमकाला अगणितभूधरभूमिबिशाला सागरसरिसरबिपिनअपारा नानाभांतिसृष्टिबिस्तारा सुरमुनि-
सिद्धनागनरकिन्नर चारिप्रकारजीवसचराचर ॥

दो०। जोनहिदेखानहिसुना जोमनमहंनसमाइ असअद्भुततहंदेखेउं बरणिकवनिबिधिजाइ ॥
एकएकब्रह्मांडमहं रहेउंबरषशतएक इहिबिधिमैंदेखतफिरेउं अंडकटाहअनेक ॥

चौ०। लोकलोकप्रतिभिन्नबिधाता भिन्नबिष्णुशिवमनुदिशित्राता नरगंधर्वभूतबैताला किन्नरनिशिचर-
पशुखगव्याला देवदनुजगणनानाजाती सकलजीवतहंआनहिभांती महिसरसागरसरिगिरिनाना सब-
प्रपंचतहंआनहिआना अंडकोशप्रतिप्रतिनिजरूपा देखेउंजिनिसअनेकअनूपा अवधपुरीप्रतिभुवननिन्यारी
सरजूभिन्नभिन्ननरनारी दशरथकौशल्यादिकमाता बिबिधरूपभरतादिकभ्राता प्रतिब्रह्मांडरामअवतारा
देखेउंबालबिनोदअपारा ॥

दो०। भिन्नभिन्नसबदेखेउं अतिबिचित्रहरियान अगणितभुवनफिरेउंमैं रामनदेखेउंआन ॥
सोइशिशुपनसोइशोभा सोइकृपालुरघुबीर भुवनभुवनदेखतफिरेउं प्रेरितमोहशरीर ॥

चौ०। भ्रमतमोहिंब्रह्मांडअनेका बीतेमनहुंकल्पशतएका फिरतफिरतनिजआश्रमआयऊं तहंपुनिरहि-
कछुकालगवायऊं निजप्रभुजन्मअवधसुनिपायऊं निर्भरप्रेमहरषिउठिधायऊं देखेउंजन्ममहोत्सवजाई
जेहिबिधिप्रथमकहामैंगाई रामउदरदेखेउंजगनाना देखतबनैनजाइबखाना तहंपुनिदेखेउंरामसुजाना
मायापतिकृपालुभगवाना करौंबिचारबहोरिबहोरी मोहकलितव्यापितमतिमोरी उभयघरीमहंमैंसब-
देखा भयउंभ्रमितमनमोहबिशेषा ॥

दो०। देखिकृपालुबिकलमोहिं बिहंसेतबरघुबीर बिहंसतहीमुखबाहर आयउंसुनुमतिधीर ॥
सोइलरिकाईमोहिंसन लगेकरणपुनिराम कोटिभांतिसमुझावौं मननलहैबिश्राम ॥

चौ०। देखिचरितसोहरिप्रभुताई समुझतदेहदशाबिसराई धरणिपरेउंमुखआवनबाता त्राहित्राहि-
आरतजनत्राता परमाकुलप्रभुमोहिबिलोकी निजमायाप्रभुतातबरोकी करसरोजप्रभुममशिरधरेऊ
दीनदयालसकलदुखहरेऊ कीन्हराममोहिबिगतबिमोहा सेवकसुखदकृपासंदोहा प्रभुताप्रथमबिचारि-
बिचारी मनमहंहोइहरषअतिभारी भक्तबछलताप्रभुकैदेषी उपजाममउरहरषबिशेषी सजलनयन-
पुलकितकरजोरी कीन्हीबहुबिधिबिनयबहोरी ॥

दो०। सुनिसप्रेममम बाणी देखिदीननिजदास   बचनसुखदगंभीरमृदु बोलेरमानिवास ॥
काग भुशुण्डीमांगुबर अतिप्रसन्नमोहिजानि   अणिमादिकसुखअपरनिधि मोक्षसकलसुखखानि ॥
चौ०। ज्ञानविवेकबिरतिबिज्ञाना मुनिदुर्लभगतिजोजगजाना आजुदेउंसबसंशयनाहीं मांगुजोतोहिं-
भावमनमाहीं सुनिप्रभुबचनबहुतअनुरागेऊं मनअनुमानकरणतबलागेऊं प्रभुकहदेनसकलसुखसही
भक्तिआपनोदेननकही भक्तिहीनगुणसुखसबऐसें लवणबिनाबहुव्यंजनजैसें भक्तिहीनसुखकवनेकाजा
असबिचारिबोलेउंखगराजा जौप्रभुहोइप्रसन्नबरदेहू मोपरकरहुकृपाअरुनेहू मनभावतबरमांगौस्वामी
तुमउदारउरअंतरजामी ॥
दो०। अबिरलभक्तिबिशुद्धतव श्रुतिपुराणजोगाव   जेहिखोजतयोगीशमुनि प्रभुप्रसादकोउपाव ॥
भक्तकल्पतरुप्रणतहित कृपासिंधुसुखधाम   सोइनिजभक्तिमोहिप्रभु देहुदयाकरिराम ॥
चौ०। एवमस्तुकहिरघुकुलनायक बोलेबचनपरमसुखदायक सुनुबायसतैंसहजसयाना काहेनमांगसि-
असबरदाना सबसुखखानिभक्तितैंमांगी नहिंकोउतोहिंसमानबडभागी जोमुनिकोटियतननहिंलहहीं
जेजपयोगअनलतनुदहहीं रीझेउंदेखितोरिचतुराई मांगेउभक्तिमोहिअतिभाई सुनहुबिहगप्रसादअब-
मोरे सबशुभगुणबसिहैंउरतोरे भक्तिज्ञानबिज्ञानबिरागा जोसबचरितरहस्यबिभागा जानबतैंसबही-
करभेदा ममप्रसादनहिंसाधनखेदा ॥
दो०। मायासंभवभ्रमसकल अबनहिंव्यापिहितोहिं   जानेसिब्रह्मअनादिअज अगुणगुणाकरमोहिं ॥
मोहिंभक्तप्रियसन्तत असबिचारिसुनुकाग   कायबचनमनममचरण करहुअचलअनुराग ॥
चौ०। अबसुनुपरमबिमलममबानी सत्यसुगमनिगमादिबखानी निजसिद्धांतसुनावौंतोहीं सुनिमन-
धरिसबतजिभजुमोहीं ममममायासंभवसंसारा जीवचराचरबिबिधप्रकारा सबममप्रियसबममउपजाये
सबतेंअधिकमनुजमोहिभाये तेहिमहंद्विजद्विजमहंश्रुतिधारी तिन्हमहंनिगमनीतिअनुसारी तिन्हमहं-
प्रियबिरक्तमुनिज्ञानी ज्ञानिहुतेअतिप्रियबिज्ञानी तेहितेपुनिमोहिप्रियनिजदासा जेहिगतिमोरिनदूसरि-
आसा पुनिपुनिसत्यकहौंतोहिपाहीं मोहिसेवकसमप्रियकोउनाहीं भक्तिहीनबिरंचिकिनहोई सबजीवन-
महंअप्रियसोई भक्तिवन्तअतिनीचौप्राणी मोहिपरमप्रियसुनुममबाणी ॥
दो०। शुचिसुशीलसेवकसुमति कहुप्रियकाहिनलाग   श्रुतिपुराणकहनीतिअसि सावधानसुनुकाग ॥
चौ०। एकपिताकहंबिपुलकुमारा होइंपृथकगुणशीलअचारा कोउपंडितकोउतापसज्ञाता कोउधनवन्त-
शूरकोउदाता कोउसर्बज्ञधर्मरतकोई सबपरपितहिप्रीतिसमहोई कोउपितुभक्तबचनमनकर्मा सपनेहु-
जाननदूसरधर्मा सोप्रियसुतपितुप्राणसमाना यद्यपिसोसबभांतिअयाना इहिबिधिजीवचराचरजेते त्रिजग-
देवनरअसुरसमेते अखिलबिश्वयहममउपजाया सबपरमोरिबराबरिदाया तिनमहंजोपरिहरिमदमाया
भजहिंमोहिंमनबचअरुकाया ॥
दो०। पुरुषनपुंसकनारिवा जीवचराचरकोइ   सर्बभावभजुकपटतजि मोहिपरमप्रियसोइ ॥
सो०। सत्यकहौंखगतोहिं शुचिसेवकममप्राणप्रिय   असबिचारिभजुमोहिं परिहरिआशभरोससब ॥
चौ०। कबहुंकालनहिंव्यापिहितोहीं सुमिरेसुभजेसुनिरंतरमोहीं प्रभुबचनामृतसुनिनअघाऊं तनुपुलकित-

मनअतिहरषाऊं सोसुखजानैमनअरुकाना नहिंरसनाप्रनिजाइबखाना प्रभुशोभासुखजानैनयना कहि-
किमिशकैंतिन्हैंनहिंबयना बहुबिधिराममोहिंशिखदेई लगेकरणशिशुकौतुकतेई सजलनयनकछुमुख-
करिरूखा चितैमातुतनलागीभूखा देखिमातुआतुरउठिधाई कहिमृदुबचनलियेउरलाई गोदराखि-
करावपयपाना रघुपतिचरितललितकरिगाना ॥

सो०। जेहिसुखलागिपुरारि अशिवभेषकृतशिवसुखद अवधपुरीनरनारि तेहिसुखमहंसंततमगन ॥
सोईसुखलवलेश जिनबारेकसपनेहुंलहेउ तेनहिंगणहिंखगेश ब्रह्मसुखहिंसज्जनसुमति ॥

चै०। मैंपुनिअवधरहेउंकछुकाला देखेउंबालबिनोदरसाला रामप्रसादभक्तिबरपायऊं प्रभुपदबंदि-
निजाश्रमआयऊं तबतेंमोहिंनहिंव्यापीमाया जबतेंरघुनायकअपनाया यहसबगुप्तचरितमैंगावा हरिमाया-
जिमिमोहिंनचावा निजअनुभवअबकहौंखगेशा बिनुहरिभजननजाहिंकलेशा रामकृपाबिनुसुनुखगराई
जानिनजाइरामप्रभुताई जानेबिनुनहोइपरतीती बिनुपरतीतिहोइनहिंप्रीती प्रीतिबिनानहिंभक्तिदढाई
जिमिखगेशजलकीचिकनाई ॥

सो०। बिनुगुरुहोइकिज्ञान ज्ञानकिहोइबिरागबिनु गावहिंवेदपुराण सुखकिलहहिंहरिभक्तिबिनु ॥
कोउबिश्रामकिपाव तातसहजसंतोषबिनु चलैकिजलबिनुनाव कोटियतनपचिपचिमरै ॥

चै०। बिनुसंतोषनकामनशाहीं कामअछतसुखसपनेहुंनाहीं रामभजनबिनुमिटहिंनकामा थल-
बिहीनतरुकबहुंकिजामा बिनाज्ञानकोसमताआवै कोउअवकासकिनभबिनुपावै श्रद्धाबिनाधर्मनहिंहोई
बिनुमहिगंधकिपावैकोई बिनुतपतेजकिकरुबिस्तारा जलबिनुरसकिहोइसंसारा शीलकिमिलुबिनुबुध-
सेवकाई जिमिबिनुतेजनरूपगुसाईं निजसुखबिनुमनहोइकिथीरा परसकिहोइबिहीनसमीरा कवनिउ-
सिद्धिकिबिनुबिश्वासा बिनुहरिभजननभवभयनाशा ॥

दे०। बिनुबिश्वासभक्तिनहिं तेहिबिनुद्रवहिंनराम रामकृपाबिनुसपनेहुं मनकिलहबिश्राम ॥

सो०। असबिचारिमतिधीर तजिकुतर्कसंशयसकल भजहिंरामरणधीर करुणाकरसुन्दरसुखद ॥

चै०। निजमतिसरिसनाथमैंगाई प्रभुप्रतापमहिमाखगराई कहेउंनकछुकरियुक्तिबिशेषी यहसबमैं-
निजनयनन्हदेषी महिमानामरूपगुणगाथा सकलअमितअनंतरघुनाथा निजनिजमतिमुनिहरिगुणगावहिं
निगमशेषशिवपारनपावहिं तुम्हैंआदिखगमशकप्रयंता नभउडायनहिंपावहिंअंता इमिरघुपतिमहिमा-
अवगाहा तातकबहुंकोउपावकिथाहा रामकामशतकोटिसुभगतन दुर्गाकोटिअमितअरिमर्दन शक्र-
कोटिशतसरिसबिलासा नभशतकोटिअमितअवकासा ॥

दे०। मरुतकोटिशतबिपुलबल रविशतकोटिप्रकाश शशिशतकोटिसुशीतल शमनसकलभवत्रास ॥
कालकोटिशतसरिसअति दुस्तरदुर्गदुरंत धूमकेतुशतकोटिसम दुराधर्षभगवंत ॥

चै०। प्रभुअगाधशतकोटिपताला शमनकोटिशतसरिसकराला तीरथअमितकोटिशतपावन नाम-
अखिलअघपुञ्जनशावन हिमगिरिकोटिअचलरघुबीरा सिंधुकोटिशतसरिसगंभीरा कामधेनुशतकोटि-
समाना सकलकामदायकभगवाना शारदकोटिअमितचतुराई बिधिशतकोटिसृष्टिनिपुणाई बिष्णु-
कोटिशतपालनकर्ता रुद्रकोटिशतसमसंहर्ता धनदकोटिशतसमधनवाना मायाकोटिप्रपंचनिधाना
भारधरणशतकोटिअहीशा निरवधिनिरुपमप्रभुजगदीशा ॥

छं०। निरवधिनिरूपमरामसमनहिंआननिगमागमकहै जिमिकोटिशतखद्योतरविकहंकहतअतिलघुतालहै।
इहिभांतिनिजनिजमतिबिलाससमुनीशहरिहिंबखानहीं प्रभुभावगाहकअतिकृपालुसप्रेमसुनिसुखपावहीं।

दो०। रामअमितगुणसागर थाहकिपावैकोइ सन्तनसनजसकछुसुनेउं तुमहिसुनायेउंसोइ॥

सो०। भाववश्यभगवान सुखनिधानकरुणाभवन तजिममतामदमान भजियसदासीतारमण॥

चौ०। सुनिभुशुण्डिकेबचनसुहाये हरषितखगपतिपंखफुलाये नयननीरमनअतिहरषाना श्रीरघुपति-
प्रतापउरआना पाछिलमोहसमुझिपछिताना ब्रह्मअनादिमनुजकरिजाना पुनिपुनिकागचरणशिरनावा
जानिरामसमप्रेमबढावा गुरुबिनुभवनिधितरैनकोई जौबिरंचिशंकरसमहोई संशयसर्पग्रसेउमोहिताता
दुखदलहरिकुतर्कबहुबाता तवसरूपगारुडिरघुनायक मोहिजियायेहुजनसुखदायक तवप्रसादमम-
मोहनशाना रामरहस्यअनूपमजाना॥

दो०। ताहिप्रसंशेउबिबिधबिधि सीसनाइकरजोरि बचनसप्रेमबिनीतमृदु बोलेउगरुडबहोरि॥
प्रभुअपनेअबिवेकतें पूछौंस्वामीतोहिं कृपासिंधुसादरकहहु जानिदासनिजमोहिं॥

चौ०। तुमसर्वज्ञतज्ञतमपारा सुमतिसुशीलसरलआचारा ज्ञानबिरतिबिज्ञाननिवासा रघुनायकके-
प्रियतुमदासा कारणकवनदेहयहपाई तातसकलमोहिंकहहुबुझाई रामचरितसरसुन्दरस्वामी पायेहु-
कहांकहहुनभगामी नाथसुनामैंअसशिवपाहीं महाप्रलयहुंनाशतवनाहीं मृषाबचननहिंशंकरकहहीं
सोमोरेमनसंशयअहहीं अगजगजीवनागनरदेवा नाथसकलजगकालकलेवा अंडकटाहअमितलय-
कारी कालसदादुर्गमक्रमभारी॥

सो०। तुमहिंनव्यापैकाल अतिकरालकारणकवन सोमोहिकहहुकृपालु ज्ञानप्रभावकियोगबल॥

दो०। प्रभुतवआश्रमआयउं मोरमोहभ्रमभाग कारणकवनसोनाथसब कहहुसहितअनुराग॥

चौ०। गरुडगिरासुनिहरषेउकागा बोलेउबचनसहितअनुरागा धन्यधन्यतवमतिउरगारी प्रश्न-
तुम्हारिमोहिअतिप्यारी सुनितवप्रश्नसप्रेमसुहाई बहुतजन्मकीसुधिमोहिआई सबनिजकथाकहौंमैंगाई
तातसुनहुसादरमनलाई जपतपमखसंयमब्रतदाना बिरतिबिवेकयोगबिज्ञाना सबकरफलरघुपतिपद-
प्रेमा तेहिबिनुकोइनपावैछेमा इहितनुरामभक्तिमैंपाई तातेमोहिममताअधिकाई जेहितेनिजस्वारथ-
कछुहोई तेहिपरममताकरुसबकोई॥

सो०। पन्नगारिअसिनीति श्रुतिसम्मतसज्जनकहहिं अतिनीचहुसनप्रीति करियजानिनिजपरमहित॥
पाटकीटतेहोइ तातेपाटंबररुचिर कृमिपालैसबकोइ परमअपावनप्राणसम॥

चौ०। स्वारथसांचजीवकहंएहा मनक्रमबचनरामपदनेहा सोइपावनसोइसुभगशरीरा जोतनुपाइ-
भजियरघुबीरा रामबिमुखलहिबिधिसमदेही कविकोबिदनप्रसंशहिंतेही रामभक्तिएहितनुमहंजामी
तातेंमोहिपरमप्रियस्वामी तजौंनतनुनिजइच्छामरणा तनुबिनुबेदभजननहिंबरणा प्रथममोहमोहिबहुत-
बिगोवा रामबिमुखसुखकबहुंनसोवा नानाजन्मकर्मपुनिनाना कियेयोगजपतपमखदाना कवनियोनि-
जन्मेउंजहंनाहीं मैंखगेशभ्रमिभ्रमिजगमाहीं देखेउंसबकरिकर्मगुसाईं सुखीनभयेउंअबहिंकीनाईं
सुधिमोहिनाथजन्मबहुकेरी शिवप्रसादमतिमोहनघेरी॥

दो०। प्रथमजन्मकेचरितअब कहौंसुनहुबिहगेश सुनिप्रभुपदरतिऊपजै जातेमिटैंकलेश ॥
पूरवकल्पएकप्रभु कलियुगमलकरमूल नरअरुनारिअधर्मरत सकलनिगमप्रतिकूल ॥
चौ०। तेहिकलियुगकोशलपुरजाई जनमतभयेउंशूद्रतनुपाई शिवसेवकमनक्रमअरुबानी आनदेव-
निन्दकअभिमानी धनमदमत्तपरमबाचाला उग्रबुद्धिउरदंभबिशाला यदपिरहेउंरघुपतिरजधानी तदपि-
नहींमहिमाकछुजानी अबजानामैंअवधप्रभावा निगमागमपुराणअसगावा कवनेहुंजन्मअवधबसजोई
रामपरायणसोफुरहोई अवधप्रभावजानतबप्राणी जबउरबसहिंरामधनुपाणी सोकलिकालकठिनउरगारी
पापपरायणसबनरनारी ॥

दो०। कलिमलग्रसेउधर्मसब गुप्तभयेसदग्रंथ दंभिननिजमतकल्पिकरि प्रगटकीन्हबहुपंथ ॥
भयेउलोगसबमोहबश लोभग्रसेउशुभकर्म सुनुहरियानज्ञाननिधि कहौंकछुककलिधर्म ॥
चौ०। बरणधर्मनहिंआश्रमचारी श्रुतिबिरोधरतसबनरनारी द्विजश्रुतिबेंचकभूपप्रजाशन कोउनमानु-
निगमअनुशासन मारगसोइजाकहंजोभावा पंडितसोइजोगालबजावा मिथ्यारंभदंभरतजोई ताकहंसंत-
कहैंसबकोई सोइसयानजोपरधनहारी जोकरदंभसोबडआचारी जोकहझूठमसखरीजाना कलियुग-
सोइगुणवंतबखाना निराचारजोश्रुतिपथत्यागी कलियुगसोइज्ञानीबैरागी जाकेनखअरुजटाबिशाला
सोइतापसप्रसिद्धकलिकाला ॥

दो०। अशुभभेषभूषणधरें भच्याभच्यजेखांहि तेयोगीतेसिद्धनर पूज्यतेकलियुगमांहि ॥
सो०। जेअपकारीचार तिन्हकरगौरवमान्यता मनक्रमबचनलवार तेवक्ताकलिकालमहं ॥
चौ०। नारिबिबशनरसकलगुसाईं नाचहिंनटमरकटकीनाईं शूद्रद्विजन्हउपदेशहिंज्ञाना मेलिजनेऊ-
लेहिंकुदाना सबनरकामलोभरतक्रोधी देवबिप्रगुरुसन्तबिरोधी गुणमंदिरसुन्दरपतित्यागी भजहिं-
नारिपरपुरुषअभागी सौभागिनीबिभूषणहीना बिधवनकहंशृङ्गारनवीना गुरुशिषअंधबधिरकैलेखा
एकनसुनैएकनहिंदेखा हरैशिष्यधनशोकनहरई सोगुरुघोरनरकमहंपरई मातुपिताबालकन्हबोलावहिं
उदरभरैसोइकर्मशिखावहिं ॥

दो०। ब्रह्मज्ञानबिनुनारिनर कहहिंनदूसरिबात कौडीलागिलोभबश करहिंबिप्रगुरुघात ॥
बादशूद्रकहंद्विजनसन हमतुमतेकछुघाटि जानैब्रह्मसोबिप्रवर आंखिदेखावहिंडाटि ॥
चौ०। परत्रियलंपटकपटसयाने मोहद्रोहममतालपटाने तेइअभेदबादीज्ञानीनर देखामैंचरित्र-
कलियुगकर आपुगयेअरुआनहिंघालहिं जोकोउश्रुतिमारगप्रतिपालहिं कल्पकल्पभरिइकइकनर्का
परहिंजेदूषहिंश्रुतिकरितर्का जेवर्णाधमतेलिकुम्हारा श्वपचकिरातकोल्हकलवारा नारिमुईगृहसंपति-
नाशी मूडमुडाइभयेसन्याशी तेबिप्रनसनपांवपूजावहिं उभयलोकनिजहाथनशावहिं बिप्रनिरक्षरलोलुप-
कामी निराचारशठवृषलीस्वामी शूद्रकरहिंजपतपब्रतदाना बैठिबरासनकहहिंपुराना सबनरकल्पित-
करहिंअचारा जाइनबर्णिअनीतिअपारा ॥

दो०। भएवर्णशंकरकलिहिं भिन्नसेतुसबलोग करहिंपापपावहिंदुख भयरुजशोकबियोग ॥
श्रुतिसंमतहरिभक्तिपथ संयुतज्ञानबिबेक तेनचलहिंनरमोहबश कल्पहिंपंथअनेक ॥

छं० ।   बहुधामसंवारहिंयोगियती   बिषयारहरीगईबिरती   तपसोधनवन्तदरिद्रगृही
कलिकौतुकतातनजातकही कुलवन्तिनिकारहिंनारिसती गृहआनहिंचेरिहिंचोरगती
सुतमानहिंमातुपितातौलौं अबलाननदीखनहींजौलौं ससुरारिपियारिलगीजबतें
रिपुरूपकुटुम्बभयेतबतें   नृपपापपरायणधर्मनहीं   करदंडबिदंडप्रजानितहीं
धनवन्तकुलीनमलीनअपी द्विजचिन्हजनेउउघारतपी नहिंमानपुराणहिंवेदहिंजो
हरिसेवकसत्यसहीकलिसो कविवृन्दउदारधुनीनसुनी गुणदूषकबातनकोपिगुनी
कलिबारहिंबारदुकालपरै बिनुअन्नदुखीबहुलोगमरै ॥

दो० । सुनुखगेशकलिकपटहठ दंभदोषपाषण्ड कामक्रोधलोभादिमद व्यापिरहेब्रह्माण्ड ॥
तामसधर्मकरहिंनर जपतपमखब्रतदान   देवनबरषैंधरणिपर बयेनजामहिंधान ॥

छं० ।   अबलाकचभूषणभूरिछुधा   धनहीनदुखीममताबहुधा   सुखचाहहिंमूढनधर्मरता
मतिथोरिकठोरिनकोमलता नरपोडितरोगनभोगकहीं अभिमानबिरोधअकारणहीं
लघुजीवनसंबतपंचदशा कल्पान्तननाशगुमानअसा कलिकालबेहालकियेमनुजा
नहिंमाननकोउअनुजातनुजा नहिंसोषबिचारनशीतलता सबजातिकुजातिभएमंगता
इरषापरुषाक्षललोलुपता भरिपूरिरहीसमताबिगता सबलोगबियोगबिशोकहये
बर्णाश्रमधर्मअचारगये   दमदानदयानहिंजानपनी   जडतापरिपंचकतातघनी ॥

दो० । सुनुव्यालारिकरालकलि मलअवगुणआगार गुणउबहुतकलियुगकर बिनुप्रयासनिस्तार ॥
कृतयुगत्रेताद्वापरहुं पूजामखअरुयोग   जोगतिहोइसोकलिहरि नामतेपावहिंलोग ॥

चौ० । कृतयुगसबयोगीबिज्ञानी करिहरिध्याननरहिंभवप्रानी त्रेताबिबिधयज्ञनरकरहीं प्रभुहिंसमर्पि-
कर्मभवतरहीं द्वापरकरिरघुपतिपदपूजा नरभवतरहिंउपायनदूजा कलिकेवलहरिगुणगणगाहा गावत-
नरपावहिंभवथाहा कलियुगयोगयज्ञनहिंज्ञाना एकअधाररामगुणगाना सबभरोसतजिजोभजुरामहिं
प्रेमसमेतगावगुणग्रामहिं सोभवतरुकछुसंशयनाहीं नामप्रतापप्रगटकलिमाहीं कलिकरएकपुनीतप्रतापा
मानसपुण्यहोइनहिंपापा ॥

दो० । कलियुगसमयुगआननहिं जौनरकरबिश्वास गाइरामगुणगणबिमल भवतरुबिनहिंप्रयास ॥
प्रगटचारिपदधर्मके कलिमहंएकप्रधान   येनकेनबिधिदीन्हे दानकरैकल्यान ॥

चौ० । कृतयुगधर्महोहिंसबकेरे   हृदयराममायाकेप्रेरे   शुद्धसत्यसमताबिज्ञानी कृतप्रभावप्रसन्नमन-
मानी सत्यबहुतकछुरजरतिकर्म्मा सबबिधिशुभत्रेताकरधर्म्मा बहुरजसत्यस्वल्पकछुतामस द्वापरहरष-
शोकभयमानस तामसबहुतरजोगुणथोरा कलिप्रभावबिरोधचहुंओरा बुधयुगधर्मजानिमनमाहीं तजि-
अधर्मरतधर्मकराहीं कलिअधर्मनहिंव्यापहिंताही रघुपतिचरणप्रीतिअतिजाही नटकृतकपटबिकटखग-
राया नटसेवकहिनव्यापैमाया ॥

दो० । हरिमायाकृतदोषगुण बिनुहरिभजननजाहिं भजियरामसबकामतजि असबिचारिमनमाहिं ॥
तेहिकलिकालबर्षबहु बसेउंअवधबिहगेश   परेउदुकालबिपतिबश तबमैंगयउंबिदेश ॥

चौ०। गयेउंउजैनिसुनउरगारी दीनमलीनदरिद्रदुखारी गयेकालकछुसंपतिपाई तहंपुनिकरौंशंभु-सेवकाई बिप्रएकबैदिकशिवपूजा करैसदातेहिकाजनदूजा परमसाधुपरमारथबिंदक शंभुउपासक-नहिंहरिनिंदक सेवौंमैंतेहिकपटसमेता द्विजदयालअतिनीतिनिकेता बाहिरनम्रदेखिमोहिंसाईं बिप्र-पढावपुत्रकीनाईं शंभुमंत्रमोहिंद्विजवरदीन्हा शुभउपदेशबिबिधबिधिकीन्हा जपौंमंत्रशिवमंदिरजाई हृदयदंभअहमितिअधिकाई ॥

दो०। मैंखलमलसंकुलमति नीचजातिवशमोह द्विजहरिजनदेखतजरौं करौंविष्णुकरद्रोह ॥

सो०। गुरुनितमोहिंप्रबोध दुखितदेखिआचारमम मोहिंउपजैअतिक्रोध दंभिहिनीतिकिभावई ॥

चौ०। एकबारगुरुलीन्हबुलाई मोहिंनीतिबहुभांतिसिखाई शिवसेवाकरफलसुतसोई अबिरलभक्ति-रामपदहोई रामहिंभजहिंतातशिवधाता नरपामरकरकेतिकबाता जासुचरणशिवअजअनुरागी तासु-द्रोहसुखचहसिअभागी हरकहंहरिसेवकगुरुकहेऊ सुनिखगनाथहृदयममदहेऊ अधमजातिमैंविद्या-पाये भयेउंयथाअहिदूधपिआये मानीकुटिलकुभाग्यकुजाती गुरुकरद्रोहकरौंदिनराती अतिदयाल-गुरुस्वल्पनक्रोधा पुनिपुनिमोहिंसिखावसुबोधा जेहितैंनीचबडाईपावा सोप्रथमहिंहतिताहिनशावा धूम-अनलसंभवसुनुभाई तेहिबुझावघनपदवीपाई रजमगपरीनिरादररहई सबकरपदप्रहारनितसहई मरुतउडाइप्रथमसोभरई पुनिनृपनयनकिरीटन्हपरई सुनुखगपतिअससमुझिप्रसंगा बुधनकरहिंअबुधन-करसंगा कविकोबिदगावहिंअसिनीती खलसनकलहनभलसनप्रीती उदासीननितरहियगुसाईं खल-परिहरियश्वानकीनाईं मैंखलहृदयकपटकुटिलाई गुरुहितकहैनमोहिंसुहाई ॥

दो०। एकबारहरमंदिर जपतरहेउंशिवनाम गुरुआयेअभिमानतें उठिनहिंकीन्हप्रणाम ॥
सोदयालनहिंकहेउकछु उरनरोषलवलेश अतिअघगुरुअपमानता सहिनहिंशकेउमहेश ॥

चौ०। मंदिरमांझभईनभबानी रेहतभाग्यअधमअभिमानी यद्यपितवगुरुस्वल्पनक्रोधा अतिकृपालु-चितसम्यकबोधा तदपिशापदेहौंशठतोहीं नीतिबिरोधसुहातनमोहीं जौनहिंकरौंदंडशठतोरा भ्रष्ट-होइश्रुतिमारगमोरा जोशठगुरुसनईरषाकरहीं रौरवनरककल्पशतपरहीं त्रिजगयोनिपुनिधरहिंशरीरा अयुतजन्मभरिपावहिंपीरा बैठिरहेसिअजगरइवपापी होहिसर्पखलमलमतिव्यापी महाबिटपकोटर-महंजाई रहुरेअधमअधगतिपाई ॥

दो०। हाहाकारकीन्हगुरु सुनिदारुणशिवशाप कंपितमोहिंबिलोकिअति उरउपजापरिताप ॥
करिदंडवतसप्रेमगुरु शिवसन्मुखकरजोरि बिनयकरतगद्गदगिरा समुझिघोरगतिमोरि ॥

छं०। नमामीशमीशाननिर्वाणरूपं बिभुंव्यापकंब्रह्मवेदस्वरूपं अजंनिर्गुणंनिर्विकल्पंनिरीहं
चिदाकाशमाकाशवासंभजेहं निराकारमाकारमूलंतुरीयं गिराज्ञानगोतीतमीशंगिरीशं
करालंमहाकालकालंकृपालं गुणागारसंसारपारंनतोहं तुषाराद्रिसंकाशगौरंगभीरं
मनोभूतकोटिप्रभासीशरीरं स्फुरन्मौलिकल्लोलिनीचारुगंगा लसद्भालबालेन्दुकंठेभुजंगा
चलत्कुण्डलंसुभ्रनेत्रंबिशालं प्रसन्नाननंनीलकण्ठंदयालं मृगाधीशचर्माम्बरंमुण्डमालं
प्रियंशंकरंसर्वनाथंभजामि प्रचण्डंप्रकृष्टंप्रगल्भंपरेशं अखण्डंभजेभानुकोटिप्रकाशं

त्रयीशूलनिर्मूलनंशूलपाणिं भजेहंभवानीपतिंभावगम्यं कलातीतकल्याणकल्पान्तकारी
सदासज्जनानंददातापुरारी चिदानन्दसन्दोहमोहापहारी प्रसीदप्रसीदप्रभोमन्मथारी
नयावतउमानाथपादारबिन्दं भजंतीहलोकेपरेवानराणां नतावत्सुखंशांतिसंतापनाशं
प्रसीदप्रभोसर्वभूताधिवासं नजानामियोगंजपंनैवपूजां नतोहंसदासर्वदाशंभुतुभ्यं
जराजन्मदुःखौघतातप्यमानं प्रभोपाहिशापान्नमामीशशंभो ॥
रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतुष्टये ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शंभुःप्रसीदति ॥
दो०। सुनिबिनतीसर्वज्ञशिव देखिबिप्रअनुरागु पुनिमंदिरनभबाणी भइद्विजबरबरमांगु ॥
जोप्रसन्नप्रभुमोहिंपर नाथदीनपरनेहु निजपदभक्तिदेहुप्रभु पुनिदूसरबरदेहु ॥
तबमायाबशजीवजड सन्ततफिरैभुलान तेहिपरक्रोधनकरियप्रभु कृपासिंधुभगवान ॥
शंकरदीनदयालअब एहिपरहोहुकृपाल शापानुग्रहहोइजेहि नाथथोरेहीकाल ॥
चौ०। इहिकरहोइपरमकल्याना सोइकरहुअबकृपानिधाना बिप्रगिरासुनिपरहितसानी एवमस्तु-
कहिभइनभबानी यदपिकीन्हयहदारुणपापा मैंपुनिदीन्हक्रोधकरिशापा तदपितुम्हारिसाधुतादेषी
करिहौंइहिपरकृपाबिशेषी छमाशीलजेपरउपकारी तेद्विजप्रियमोहिंयथाखरारी मोरिशापद्विजव्यर्थनहोई
जन्मसहस्रपावयहसोई जन्मतमरतदुसहदुखहोई इहिकहंस्वल्पनव्यापिहिसोई कवनेहुंजन्ममिटिहि-
नहिंज्ञाना सुनहुशूद्रममवचनप्रमाना रघुपतिपुरीजन्मतवभयऊ पुनितैंममसेवामनदयऊ पुरीप्रसाद-
अनुग्रहमोरे रामभक्तिउपजिहिउरतोरे सुनुममवचनसत्यअबभाई हरितोषकब्रतद्विजसेवकाई अब-
जनिकरेसिबिप्रअपमाना जानेसिब्रह्मअनंतसमाना इन्द्रकुलिशममशूलबिशाला कालदंडहरिचक्रकराला
जोइनकरमारानहिंमरई बिप्ररोषपावकसोजरई असबिवेकराखेहुमनमाहीं तुमकहंजगदुर्लभकछुनाहीं
औरौएकआशिषमोरी अव्याहतगतिहोइहितोरी ॥
दो०। सुनिशिववचनसप्रेमगुरु एवमस्तुइतिभाषि मोहिंप्रबोधिगयउगृह शंभुचरणउरराखि ॥
प्रेरितकालबिंध्यगिरि जाइभयउंमैंव्याल बिनुप्रयाससोतनुतजेउं नाथथोरेहीकाल ॥
जोतनुधरौंतजौंपुनि अनायासहरियान जिमिनूतनपटपहिरिकै नरपरिहरैपुरान ॥
शिवराखेउश्रुतिनीतिबिधि मैंनहिंपावक्लेश इहिबिधिधरेउंबिबिधतनु ज्ञाननगयउखगेश ॥
चौ०। त्रिजगयोनिजोजोतनुधरेऊं तहंतहंरामभक्तिअनुसरेऊं एकशूलमोहिबिसरनकाऊ गुरुकर-
कोमलशीलसुभाऊ धर्मदेहद्विजकरिमैंपाई सुरदुर्लभपुराणश्रुतिगाई खेलौंतहांबालकनमीला करौं-
सकलरघुनायकलीला प्रौढभयेमोहिंपितापढावा समुझौंसुनौंगुणौंनहिंभावा मनतेसकलबासनाभागी
केवलरामचरणलयलागी कहुखगेशअसकवनअभागी खरीसेवसुरधेनुहिंत्यागी प्रेममगनमोहिकछुन-
सुहाई हारेउपितापढाइपढाई भयेकालबशजबपितुमाता मैंबनगयउंभजनजनत्राता जहंजहंबिपिन-
मुनीश्वरपावौं आश्रमजाइजाइसिरनावौं पूछौंतिनहिंरामगुणगाहा कहौंसुनौंहरषितखगनाहा सुनत-
फिरौंहरिगुणअनुबादा अव्याहतगतिशंभुप्रसादा छूटीत्रिबिधइषणागाढी एकलालसाउरअतिबाढी
रामचरणपंकजजबदेखौं तबनिजजन्मसुफलकरिलेखौं जेहिपूछौंसोमुनिअसकहई ईश्वरसर्वभूतमय-
अहई निगुणमतनहिंमोहिंसुहाई सगुणब्रह्मरतिउरअधिकाई ॥

दो०। गुरुकेवचनसुरतिकरि रामचरणमनलाग रघुपतियशगावतफिरौं छिनछिननवअनुराग॥
मेरुशिखरवटछाया मुनिलोमशआसीन देखिचरणसिरनायउं वचनकहेउंअतिदीन॥
सुनिममवचनबिनीतमृदु मुनिकृपालुखगराज मोहिंसादरपूछतभयउ द्विजआयेहुकेहिकाज॥
तबमैंकहेउंकृपानिधि तुमसर्बज्ञसुजान सगुणब्रह्मअवराधना मोहिंकहहुभगवान॥

चौ०। तबमुनीशरघुपतिगुणगाथा कहेउकछुकसादरखगनाथा ब्रह्मज्ञानरतमुनिविज्ञानी मोहिंपरम-
अधिकारीजानी लागेकरणब्रह्मउपदेशा अजअद्वैतअगुणहृदयेशा अकलअनीहअनामअरूपा अनुभव-
गम्यअखंडअनूपा मनगोतीतअमलअविनाशी निर्विकारनिरवधिसुखराशी सोतैंताहितोहिंनहिंभेदा बारि-
बीचिइवगावहिंबेदा बिबिधभांतिमोहिंमुनिसमुझावा निर्गुणमतममहृदयनआवा पुनिमैंकहेउंनाइपद-
सीसा सगुणउपासनकहहुमुनीशा रामभक्तिजलममनमीना किमिबिलगाइमुनीशप्रवीना सोउपदेश-
कहहुकरिदाया निजनयनन्हदेखौंरघुराया भरिलोचनबिलोकिअवधेशा तबसुनिहौंनिर्गुणउपदेशा
सुनिमुनिकहहरिकथाअनूपा खंडिसगुणमतअगुणनिरूपा तबमैंनिर्गुणमतकरिदूरी सगुणनिरूपौंकरि-
हठभूरी उत्तरप्रत्युत्तरमैंदीन्हा मुनितरभयउक्रोधकरचीन्हा सुनुप्रभुबहुतअवज्ञाकीये उपजक्रोध-
ज्ञानिहुकेहीये अतिसंघर्षणकरैजोकोई अनलप्रगटचंदनतेहोई॥

दो०। बारहिबारसकोपमुनि करहिंनिरूपणज्ञान मैंअपनेमनबैठितब करौंबिबिधअनुमान॥
क्रोधकिद्वैतबुद्धिबिनु द्वैतकिबिनुअज्ञान मायाबशपरिछीणजड जीवकिईशसमान॥

चौ०। कबहुंकिदुखसबकरहितताके तेहिकिदरिद्रपरसमणिजाके कामीपुनिकिरहैनिकलंका परद्रोही-
किहोइनिरशंका बंशकिरहद्विजअनहितकीन्हे कर्मकिहोहिंस्वरूपहिचीन्हे काहूसुमतिकिखलसंगजामी
सुभगतिपावकिपरत्रियगामी राजकिरहैनीतिबिनुजाने अघकिरहैहरिचरितबखाने भवकिपरहिंपरमा-
रथबिंदक सुखीकिहोहिंकबहुंपरनिंदक पावनयशकिपुण्यबिनुहोई बिनुअघअयशकिपावैकोई लाभकि-
कछुहरिभक्तिसमाना जेहिगावहिंश्रुतिसन्तपुराना हानिकिजगइहिसमकछुभाई भजियनरामहिंनरतनु-
पाई अघकिहोहिंतामससमआना धर्मकिदयासरिसहरियाना इहिबिधिअमितयुक्तिमनगुणेऊं मुनि-
उपदेशनसादरसुनेऊं पुनिपुनिसगुणपक्षमैंरोपा तबमुनिबोलेबचनसकोपा मूढपरमसिखदेउंनमानेसि
उत्तरप्रत्युत्तरबहुआनेसि सत्यबचनविश्वासनकरही वायसइवसबहीसनडरही शठसपक्षतवहृदय-
विशाला सपदिहोहिपक्षीचंडाला लीन्हश्रापमैंसीसचढाई नहिंकछुभयनदीनताआई॥

दो०। तुरितभयेउंमैंकागतब पुनिमुनिपदशिरनाइ सुमिरिरामरघुवंशमणि हरषितचलेउंउडाइ॥
उमाजेरामचरणरत बिगतकाममदक्रोध निजप्रभुमयदेखहिंजगत कासनकरहिंबिरोध॥

चौ०। सुनुखगेशनहिंकछुऋषिदूषण उरप्रेरकरघुवंशबिभूषण कृपासिंधुमुनिमतिकरिभोरी लीन्होप्रेम-
परीक्षामोरी मनक्रमवचनमोहिंजनजाना मुनिमतिपुनिफेरीभगवाना ऋषिममसहजशीलतादेषी राम-
चरणविश्वासविशेषी अतिबिस्मयपुनिपुनिपछिताई सादरमुनिमोहिंलीन्हबुलाई ममपरितोषबिबिधबिधि-
कीन्हा हरषितराममंत्रमोहिंदीन्हा बालकरूपरामकरध्याना कहेउमोहिंमुनिकृपानिधाना सुन्दर-
सुखदमोहिंअतिभावा सोप्रथमहिमैंतुमहिंसुनावा मुनिमोहिंकछुकालतहंराखा रामचरितमानससब-

भाषा सादरयहमोहिंकथासुनाई पुनिबोलेमुनिगिरासुहाई रामचरितसरगुप्तसुहावा शंभुप्रसादतात-
मैंपावा तोहिंनिजभक्तरामकरजानो तातेमैंसबकहेउंबखानी रामभक्तिजिनकेउरनाहीं कबहुंनतात-
कहियतेहिपाहीं मुनिमोहिंबिबिधभांतिसमुझावा मैंसप्रेममुनिपदशिरनावा निजकरकमलपरशिममसीसा
हरषितआशिषदीन्हमुनीशा रामभक्तिअबिरलउरतोरे बसिहिसदाप्रसादअबमोरे ॥

दो०। सदारामप्रियहोवतुम शुभगुणभवनअमान कामरूपइच्छामरण ज्ञानबिरागनिधान ॥
जेहिआश्रमतुमबसबपुनि सुमिरतश्रीभगवन्त व्यापिहितहंनअविद्या योजनएकप्रय्यन्त ॥

चौ०। कालकर्मगुणदोषसुभाऊ कछुदुखतुमहिंनव्यापिहिकाऊ रामरहस्यललितबिधिनाना गुप्तप्रगट-
इतिहासपुराणा बिनुश्रमतुमसबजानबसोऊ नितनवप्रेमरामपदहोऊ जोइच्छाकरिहौमनमाहीं हरि-
प्रसादकछुदुर्लभनाहीं सुनिमुनिआशिषसुनुमतिधीरा ब्रह्मगिराभइगगनगंभीरा एवमस्तुतववचमुनि-
ज्ञानी यहममभक्तकर्ममनबानी सुनिनभगिराहरषमनभयऊ प्रेममगनसबसंशयगयऊ करिबिनतीमुनि-
आयसुपाई पदसरोजपुनिपुनिसिरनाई हरषसहितइहिआश्रमआयउं प्रभुप्रसाददुर्लभबरपायउं इहां-
बसतमोहिंसुनुखगईशा बीतेकल्पसातअरुबीशा करौंसदारघुपतिगुणगाना सादरसुनहिंबिहंगसुजाना
जबजबअवधपुरीरघुबीरा धरहिंभक्तहितमनुजशरीरा तबतबजाइअवधपुररहऊं शिशुलीलाबिलोकि-
सुखलहऊं पुनिउररारखिरामशिशुरूपा इहिआश्रमआवौंखगभूपा कथासकलमैंतुमहिंसुनाई काग-
देहजेहिकारणपाई कहेउंतातसबप्रश्नतुम्हारी रामभक्तिमहिमाअतिभारी ॥

दो०। तातेंयहतनुमोहिंप्रिय भयेउरामपदनेह निजप्रभुदरशनपायउं गयउसकलसंदेह ॥
भक्तिपक्षहठकरिरहेउं दीन्हमहाऋषिशाप पुनिदुर्लभबरपायउं देखहुभजनप्रताप ॥

चौ०। जोअसिभक्तिजानिपरिहरहीं केवलज्ञानहेतुश्रमकरहीं तेजडकामधेनुगृहत्यागी खोजतआक-
फिरहिंपयलागी सुनुखगेशहरिभक्तिबिहाई जोसुखचाहहिंआनउपाई तेशठमहासिंधुबिनुतरणी पैरि-
पारचाहतजडकरणी सुनिभुशुण्डिकेबचनभवानी बोलेउगरुडहरषिमृदुबानी तवप्रसादप्रभुममउरमाहीं
संशयशोकमोहभ्रमनाहीं सुनेउंपुनीतरामगुणग्रामा तुम्हरीकृपालहेउंबिश्रामा एकबातप्रभुपूछौंतोहीं
कहहुबुझाइकृपानिधिमोहीं कहहिंसन्तमुनिवेदपुराना नहिंकछुदुर्लभज्ञानसमाना सोमुनितुमसन-
कहेउगुसाईं नहिंआदरेउभक्तिकीनाईं ज्ञानहिंभक्तिहिंअन्तरकेता सकलकहहुप्रभुकृपानिकेता सुनि-
उरगारिबचनसुखमाना सादरबोलेउकागसुजाना ज्ञानहिंभक्तिहिंनहिंकछुभेदा उभयहरहिंभवसंभव-
खेदा नाथमुनीशकहहिंकछुअन्तर सावधानहोइसुनहुंबिहगवर ज्ञानबिरागयोगबिज्ञाना येसबपुरुष-
सुनहुहरियाना पुरुषप्रतापप्रबलसबभांती अबलाअबलसहजजडजाती ॥

दो०। पुरुषत्यागिसकनारिहिं जोबिरक्तमतिधीर नाहिंतोकामीबिषयबश बिमुखजोपदरघुबीर ॥

सो०। जोमुनिज्ञाननिधान मृगनयनीबिधुमुखनिरखि बिकलहोहिंहरियान नारिबिरचिमायाप्रगट ॥

चौ०। इहांनपक्षतातकछुराखौं बेदपुराणसंतमतभाखौं मोहननारिनारिकैरूपा पन्नगारियहरीतिअनूपा
मायाभक्तिसुनहुंप्रभुदोऊ नारिबर्गजानैसबकोऊ पुनिरघुबीरहिंभक्तिपियारी मायाखलुनर्तकीबिचारी
भक्तिहिंसानकूलरघुराया तातेतेहिडरपतिअतिमाया रामभक्तिनिरूपमनिरुपाधी बसैजासुउरसदाअबाधी

तेहिबिलोकिमायासकुचाई करिनसकैकछुनिजप्रभुताई असबिचारिजोमुनिबिज्ञानी जाचहिंभक्ति-
सकलगुणखानी ॥

दो०। यहरहस्यरघुनाथकर बेगिनजानैकोइ जानेतेरघुपतिकृपा सपनेहुंमोहनहोइ ॥
अवरौज्ञानभक्तिकर भेदसुनहुपरबीण जोसुनिहोइरामपद प्रीतिसदाअबछीण ॥

चौ०। सुनहुतातयहअकथकहानी समुझतबनैनजातबखानी ईश्वरअंशजीवअबिनाशी चेतनअमल-
सहजसुखराशी सोमायावशभयउगुसाईं बंध्योकीरमरकटकीनाईं जडचेतनहिंग्रंथिपरिगई यदपि-
मृषाछूटतकठिनई तबतेंजीवभयोसंसारी ग्रंथिनछूटनहोइसुखारी श्रुतिपुराणबहुकहेउउपाई छूटन-
अधिकअधिकअरुझाई जीवहृदयतममोहबिशेषी ग्रंथिछुटैकिमिपरैनदेषी अससंयोगईशजबकरई
तबहुंकदाचितसोनिरुअरई सात्विकश्रद्धाधेनुसुहाई जौहरिकृपाहृदयबसआई जपतपसंयमनियमअँपारा
जोश्रुतिकहैसुधर्मअचारा तेइतृणहरितचरैजबगाई भावबत्सशिशुपाइपेन्हाई नोइनिप्रीतिपात्रबिश्वासा
निर्मलमनअहीरनिजदासा परमधर्ममयपयदुहिभाई अवटैअनलअकामबनाई तोषमरुततबक्षमाजुडावै
धृतसमजावनदेइजमावै मुदितामथैबिचारमथानी दमअधाररजुसत्यसुबानी तबमथिकाढिलेइनवनीता
बिमलबिरागसुभगसुपुनीता ॥

दो०। योगअग्निकरिप्रगटतब कर्मशुभाशुभलाइ बुद्धिसेरावैज्ञानघृत ममतामलजरिजाइ ॥
तबबिज्ञाननिरूपणी बुद्धिबिशदघृतपाइ चित्तदियाभरिधरैदृढ समतादिअटबनाइ ॥
तीनिअवस्थातीनिगुण तेहिकपासतेंकाढि तूलतुरीयसंवारिपुनि बातीकरैसुगाढि ॥

सो०। एहिबिधिलेसैदीप तेजराशिबिज्ञानमय जातहिंजासुसमीप जरहिंमदादिकशलभसब ॥

चौ०। सोहमस्मिइतिवृत्तिअखण्डा दीपशिखासोइपरमप्रचण्डा आतमअनुभवसुखसुप्रकाशा तबभव-
मूलभेदभ्रमनाशा प्रबलअविद्याकरपरिवारा मोहआदितममिटैअपारा तबसोइबुद्धिपाइउजिआरा उर-
गृहबैठिग्रंथिनिरुआरा छोरनग्रंथिपावजौसोई तबयहजीवकृतारथहोई छोरतग्रंथिजानिखगराया
बिघ्नअनेककरैतबमाया ऋद्धिसिद्धिप्रेरैंबहुभाई बुद्धिहिंलोभदेखावैंआई कलबलछलकरिजाइसमीपा
अंचलबातबुझावैदीपा होइबुद्धिजौपरमसयानी तिन्हतनचितवनअनहितजानी जौतेहिबिघ्नबुद्धिनहिंबाधी
तौबहोरिसुरकरहिंउपाधी इंद्रियद्वारझरोखानाना तहंतहंसुरबैठेकरिथाना आवतदेखहिंबिषयबयारी
तेहठिदेहिंकपाटउघारी जबसोप्रभंजनउरगृहजाई तबहिंदीपबिज्ञानबुझाई ग्रंथिनछूटिमिटासोप्रकाशा
बुद्धिबिकलभइबिषयबतासा इन्द्रियसुरन्हनज्ञानसुहाई बिषयभोगपरप्रीतिसदाई बिषयसमोरबुद्धिकृतभोरी
तेहिबिधिदीपकोबारबहोरी ॥

दो०। तबफिरिजीवबिबिधबिधि पावैसंसृतिक्लेश हरिमायाअतिदुस्तर तरिनजाइबिहगेश ॥
कहतकठिनसमुझतकठिन साधनकठिनबिबेक होइघुनाक्षरन्यायजौं पुनिप्रत्यूहअनेक ॥

चौ०। ज्ञानकपंथकृपाणकैधारा परतखगेशनलागैबारा जौनिरबिघ्नपंथनिरबहई सोकैवल्यपरमपद-
लहई अतिदुर्लभकैवल्यपरमपद सन्तपुराणनिगमआगमबद रामभक्तिसोमुक्तिगुसाईं अनइच्छित-
आवैबरिआईं जिमिथलबिनुजलरहिनसकाई कोटिभांतिकोउकरैउपाई तथामोक्षसुखसुनुखगराई

रहिनशकैहरिभक्तिबिहाई असबिचारिहरिभक्तसयाने मुक्तिनिरादरिभक्तिलोभाने भक्तिकरतबिनु-
यतनप्रयासा संहृतिमूलअविद्यानाशा भोजनकरियतृप्तिहितलागी जिमिसोअन्नपचवैजठरागी असिहरि-
भक्तिसुगमसुखदाई कोअसमूढनजाहिसुहाई ॥

दो० । सेवकसेव्यभावबिनु भवनतरियउरगारि भजहुरामपदपंकज असिसिद्धान्तबिचारि ॥
जोचेतनकहंजडकरै जडहिकरैचैतन्य असससमर्थरघुनायकहिं भजहिंजीवतेधन्य ॥

चौ० । कहेउंज्ञानसिद्धान्तबुझाई सुनहुभक्तिमणिकीप्रभुताई रामभक्तिचिन्तामणिसुन्दर बसैगरुडजाके-
उरअन्तर परमप्रकाशरूपदिनराती नहिंकछुचहियदियाघृतबाती मोहदरिद्रनिकटनहिंआवा लोभ-
बातनहिंताहिबुझावा प्रबलअविद्यातममिटिजाई हारहिंसकलशलभसमुदाई खलकामादिनिकटनहिं-
जाहीं बसैभक्तिमणिजेहिउरमाहीं गरलसुधासमअरिहितहोई तेहिमणिबिनुसुखपावनकोई व्यापहिं-
मानसरोगनभारी जेहिकेवशसबजीवदुखारी रामभक्तिमणिउरबसुजाके दुखलवलेशनसपनेहुंताके
चतुरशिरोमणितेजगमाहीं जोमणिलागिसुयतनकराहीं सोमणियदपिप्रगटजगअहई रामकृपाबिनु-
कोउनलहई सुगमउपायपाइबेकेरी नरहतभाग्यदेतभटभेरी पावनपर्वतवेदपुराना रामकथारुचिरा-
करनाना मर्मीसज्जनसुमतिकुदारी ज्ञानबिरागनयनउरगारी भावसहितजोखोदैप्रानी पावभक्तिमणि-
सबसुखखानी मोरेमनप्रभुअसबिश्वासा रामतेअधिकरामकरदासा रामसिंधुघनसज्जनधीरा चंदनतरु-
हरिसन्तसमीरा सबकरफलहरिभक्तिसुहाई सोबिनुसंतनकाहूपाई असबिचारिजोकरुसतसंगा राम-
भक्तितेहिसुलभबिहंगा ॥

दो० । ब्रह्मपयोनिधिमंदर ज्ञानसंतसुरआहि कथासुधामथिकाढहि भक्तिमधुरताजाहि ॥
बिरतिचर्मअसिज्ञानमद लोभमोहरिपुमारि जयपाईसोइहरिभगति देखुखगेशबिचारि ॥

चौ० । पुनिसप्रेमबोलेउखगराऊ जौकृपालुमोहिंऊपरभाऊ नाथमोहिंनिजसेवकजानी सप्तप्रश्नमम-
कहहुबखानी प्रथमहिंकहहुनाथमतिधीरा सबतेदुर्लभकवनिशरीरा बडदुखकवनकवनसुखभारी सो-
संक्षेपहिकहहुबिचारी संतअसंतमर्मतुमजानहु तिन्हकरसहजसुभावबखानहु कवनिपुण्यश्रुतिबिदित-
बिशाला कहहुकवनअघपरमकराला मानसरोगकहहुसबगाई तुमसर्वज्ञकृपाअधिकाई तातसुनहु-
सादरअतिप्रीती मैंसंक्षेपकहौंयहनीती नरसमाननहिंकवनिउदेही जीवचराचरजाचतजेही नरकस्वर्ग-
अपबर्गनिसेनी ज्ञानबिरागभक्तिसुखदेनी सोतनुधरिहरिभजहिंनजेनर होइबिषयरतमंदमंदतर कंचन-
कांचबदलिशठलेहीं करतेंडारिपरसमणिदेहीं नहिंदरिद्रसमदुखजगमाहीं सन्तमिलनसमसुखकछु-
नाहीं परउपकारबचनमनकाया सन्तसहजसुभावखगराया सन्तसहहिंदुखपरहितलागी परदुखहेतु-
असन्तअभागी भुरजातरुसमसन्तकृपाला परहितसहनितबिपतिबिशाला सनइवखलपरबंधनकरई
खालकढाइबिपतिसहिमरई खलबिनुस्वारथपरअपकारी अहिमूषकइवसुनुउरगारी परसंपदाबिनाशिन-
शाहीं जिमिशशिहतिहिमउपलबिलाहीं दुष्टउदयजगआरतिहेतू यथाप्रसिद्धअधमग्रहकेतू सन्तउदय-
सन्ततसुखकारी बिश्वसुखदजिमिइंदुतमारी परमधर्मश्रुतिबिदितअहिंसा परनिंदासमअघनगरीसा हरि-
गुरुनिंदकदादुरहोई जन्मसहस्रपावतनुसोई द्विजनिंदकबहुनरकभोगकरि जगजनमैंवायसशरीरधरि

सुरश्रुतिनिंदकजोअभिमानी रौरवनरकपरहिंसोप्रानी होहिंउलूकसन्तनिंदारत मोहनिशाप्रियज्ञान-
भानुगत सबकीनिंदाजोजडकरहीं तेचमगादुरहोइअवतरहीं सुनहुतातअबमानसरोगा जेहितेंदुख-
पावहिंसबलोगा मोहसकलव्याधिनकरमूला तेहितेंपुनिउपजहिंबहुशूला कामबातकफलोभअपारा
क्रोधपित्तनितछातीजारा प्रीतिकरहिंजौतीनौभाई उपजसन्निपातदुखदाई विषयमनोरथदुर्गमनाना
तेसबशूलनामकोजाना ममतादादुकंडुइरषाई कुष्टदुष्टनामसकुटिलाई अहंकारजोदुखदउजरुआ दंभ-
कपटमदमाननहरुआ तृष्णाउदरवृद्धिअतिभारी त्रिविधईषणातरुणतिजारी युगबिधिज्वरमत्सरअबिबेका
कहंलगिकहौंकुरोगअनेका ॥

दो०। एकव्याधितेंनरमरमहिं येअसाध्यबहुव्याधि संततपीडहिंजीवकहं सोकिमिलहहिंसमाधि ॥
नेमधर्मआचारतप ज्ञानयज्ञजपदान भेषजपुनिकोटिन्हकरहिं रुजनजाहिंहरियान ॥

चौ०। इहिविधिसकलजीवजगरोगी शोकहरषभयप्रीतिबियोगी मानसरोगकछुकमैंगाये हैंसबकेलखि-
बिरलन्हिपाये जानेतेंछीजहिंकछुपापी नाशनपावहिंजनपरितापी विषयकुपंथपाइअंकुरे मुनिन्हहृदय-
कानरवापुरे रामकृपानाशहिंसबरोगा जौइहिभांतिबनैसंयोगा सद्गुरुवैद्यबचनबिश्वासा संयमयहन-
बिषयकरआसा रघुपतिभक्तिसजीवनमूरी अनूपानश्रद्धामतिरूरी इहिबिधिभलेहिकुरोगनशाहीं नाहि-
तयतनकोटिनहिंजाहीं जानियतबयहबिरुजगुसांई जबउरबलबिरागअधिकाई सुमतिछुधाबाढैनिततनई
बिषयआशदुर्बलतागई बिमलज्ञानजलपाइअन्हाई तबरहुरामभक्तिउरछाई शिवअजशुकसनकादिक-
नारद जोमुनिब्रह्मबिचारबिशारद सबकरमतखगनायकएहा करियरामपदपंकजनेहा श्रुतिपुराणसद-
ग्रंथकहाहीं रघुपतिभक्तिबिनासुखनाहीं कमठपीठिजामहिंबरुबारा बंध्यासुतबरुकाहुहिंमारा फूलहिं-
नभबरुबहुबिधिफूला जीवनलहसुखहरिप्रतिकूला तृषाजाइबरुमृगजलपाना बरुजामहिंशशसीसबिषाना
अंधकारबरुरबिहिंनशावै रामबिमुखसुखजीवनपावै हिमतेंअनलप्रगटबरुहोई बिमुखरामसुखपावनकोई ॥

दो०। बारिमथेबरुहोइघृत सिकतातेंबरुतेल बिनुहरिभजननभवतरिय यहसिद्धांतअपेल ॥
मशकहिंकरहिंबिरंचिप्रभु अजहिंमशकतेहीन असबिचारितजिसंशय रामहिंभजहिंप्रबीन ॥

चौ०। कहेउंनाथहरिचरितअनूपा व्याससमासस्वमतिअनुरूपा श्रुतिसिद्धांतइहैउरगारी रामभजिय-
सबकामबिसारी प्रभुरघुपतितजिसेइयकाही मोसेशठपरममताजाही तुमबिज्ञानरूपनहिंमोहा कीन्ह-
नाथमोपरअतिछोहा पूछेउरामकथाअतिपावनि शुकसनकादिशंभुमनभावनि सतसंगतिदुर्लभसंसारा
निमिषदंडभरिएकौबारा देखुगरुडनिजहृदयबिचारी मैंरघुबीरचरणअधिकारी शकुनाधमसबभांति-
अपावन प्रभुमोहिकीन्हबिदितजगपावन ॥

दो०। आजुधन्यमैंधन्यअति यद्यपिसबबिधिहीन निजजनजानिराममोहिं संतसमागमदीन ॥
नाथयथामतिगायेउं राखेउंकछुनहिंगोइ चरितसिंधुरघुनाथकर थाहकिपावैकोइ ॥

चौ०। सुमिरिरामकेगुणगणनाना पुनिपुनिहरषभुशुण्डिसुजाना महिमानिगमनेतिकरिगाई अतुलित-
बलप्रतापप्रभुताई शिवअजपूज्यचरणरघुराई मोपरकृपापरममृदुलाई असस्वभावकहुंसुनौंनदेखौं केहि-
खगेशरघुपतिसमलेखौं साधकसिद्धबिमुक्तउदासी कबिकोबिदबिरक्तसन्यासी योगीसुरसुतापसज्ञानी

धर्मनिरतपंडितविज्ञानी नरचिंनबिनुसेयेंममस्वामी रामनमामिनमामिनमामी अरणागबेमोसेअघरामी होहिंप्रुहनमामिअविनामी ॥

दो० । जासुनाममवभेषज हरणघोरत्रयशूल सोकृपालुमोहितोहिंपर सदारहहिंअनुकूल ॥
सुनिभुशुण्डिकेवचनबर देखिरामपदनेह बोलेगरुडसप्रेमअति बिगतमोहसंदेह ॥

चौ० । मैंकृतकृत्यभयउंतववानी सुनिरघुबीरभक्तिरससानी रामचरणनूतनरतिभई मायाजनितबिपतिसबगई मोहजलधिबोहितुमभयऊ मोकहंनाथबिबिधसुखदयऊ मोसनहोइनप्रत्युपकारा बंदौंतवपदबारहिंबारा पूरणकामरामअनुरागी तुमसमतातनकोउबडभागी संतबिटपसरितागिरिधरणी परहितहेतुइन्हनिकरिकरणी संतहृदयनवनीतसमाना कहाकविनपैकहैनजाना निजपरितापद्रवनवनीता परदुखद्रवहिंसुसन्तपुनीता जीवनजन्मसुफलममभयऊ तवप्रसादसवसंशयगयऊ जानेहुमोहिसदानिजकिंकर पुनिपुनिउमाकहैबिहंगवर ॥

दो० । तासुचरणशिरनाइकरि प्रेमसहितमतिधीर गरुडगयउबैकुण्ठतब हृदयराखिरघुबीर ॥
गिरिजासंतसमागम समनलाभककुआन बिनुहरिकृपासोहोइनहिं गावहिंवेदपुरान ॥

चौ० । कहेउंपरमपुनीतइतिहासा सुनतश्रवणछूटहिंभवपासा प्रणतकल्पतरुकरुणापुञ्जा उपजैप्रीतिरामपदकञ्जा मनबचकर्मजनितअघजाई सुनैजोकथाश्रवणमनलाई तीर्थअटनसाधनसमुदाई योगबिरागज्ञाननिपुणाई नानाकर्मधर्मब्रतदाना संयमनियमयज्ञजपनाना भूतदयादिजगुरुसेवकाई बिद्याबिनयबिबेकवडाई जहंलगिसाधनवेदबखानी सबकरफलहरिभक्तिभवानी सोइरघुनाथभक्तिश्रुतिगाई रामकृपाकाहूएकपाई ॥

दो० । मुनिदुर्लभहरिभक्तिनर पावहिंबिनहिंप्रयास जोयहकथानिरंतर सुनहिंमानिबिश्वास ॥

चौ० । सोइसर्वज्ञगुणीसोइज्ञाता सोइमहिमंडनपंडितदाता धर्मपरायणसोइकुलत्राता रामचरणजाकरमनराता नीतिनिपुणसोइपरमसयाना श्रुतिसिद्धांतनीककेतेंइजाना सोइकविकोविदसोइरणधीरा जोछलछाडिभजैरघुबीरा धन्यनारिपतिब्रतअनुसरी धन्यसोदेशजहांसुरसरी धन्यसोभूपनीतिजोकरई धन्यसोद्विजनिजधर्मनटरई सोधनधन्यप्रथमगतिजाकी धन्यपुण्यरतमतिसोइपाकी धन्यघरीसोइजबसतसंगा धन्यजन्मद्विजभक्तिअभंगा ॥

दो० । सोकुलधन्यउमासुनु जगतपूज्यसुपुनीत श्रीरघुबीरपरायण जेहिकुलउपजबिनीत ॥

चौ० । मतिअनुरूपकथामैंभाषी यद्यपिप्रथमगुप्तकरिराषी तवमनप्रीतिदेखिअधिकाई तबमैंरघुपतिकथासुनाई यहनकहियशठहीहठशीलहिं जोमनलाइनसुनुहरिलीलहिं कहियनलोभिहिंक्रोधिहिंकामिहिं जोनभजैसचराचरस्वामिहिं द्विजद्रोहिहिंनसुनाइयकबहूं सुरपतिसरिसहोइनृपजबहूं रामकथाकेतेअधिकारी जिनकेसतसंगतिअतिप्यारी गुरुपदप्रीतिनीतिरतजोई द्विजसेवकअधिकारीसोई ताकहंयहबिशेषसुखदाई जाहिपरमप्रियश्रीरघुराई ॥

दो० । रामचरणरतिजोचहै अथवापदनिरवान भावसहितसोयहकथा करेश्रवणपुटपान ॥

चौ० । रामकथागिरिजामैंबरणी कलिमलशमनमनोमलहरणी संसृतिरोगसजीवनिमूरी रामकथा-

बाक्य बिखरी।

अकंटक, निर्भय, वेखटक।
अखारा, कुस्तीकी जगह।
अखिल, संपूर्ण, बिल्कुल।
अखंड, पूर्ण, एकरस।
अग, स्थावर, अचल।
अगम, कठिन।
अगवान, आगे लेनेवाला।
अगाध, गंभीर, गहरा।
अघ, पाप।
अघात, चोट, धक्का।
अचगरी, मसखरी।
अचंभा, अचरज।
अछत, वर्तमान, रहते।
अज, ब्रह्मा बकरा, अजन्मा।
अजा, माया।
अजिर, आंगन।
अजिन, म्रगचर्म।
अटपट, कठिन।
अटारी, कोठा, छत।
अणिमा, सिद्धि आठप्रकारकी।
अतर्क्य, जो जानने योग नहीं।
अतिथि, अभ्यागत, पाहुन।
अतीवा, बेसुमार।
अथाई, सभा, मजलिश।
अदभुत, जो कभी हुआ नहीं।
अदिन, बुरे दिन।
अधम, पापी, नीच, चंडाल।
अधर, ओंठ, नीचे, अंतरिक्ष।
अधरबुद्धि, अल्पबुद्धि, ओठमे बुद्धि
अनख, बुराइ, द्वेष, बैर।
अनट, अनवट, छल, अचल।
अनयास, सहजसे, बेमिहनत।
अनल, आग।
अनवद्य, निर्दोष, निःपाप।
अनामय, निरउपाधि, अरोग।
अनिल, बायू, हवा।
अनीक, सेना, झुंड।

अनीह, कर्म रहित, निचेष्ट।
अनुचर, सेवक, दास।
अनुज, छोटा भाई।
अनुदिन, दिनदिन, रोज रोज।
अनुराग, प्रीति, स्नेह, मुहब्बत।
अनुशासन, शिक्षा, उपदेश।
अनुसार, तरह, योग्य, लायक।
अनुहार, अनुरूप, मुआफिक।
अनूप, उत्तम, उपमा रहित।
अनैस, नकारा, बुरा।
अन्यथा, झूठ, उलटा।
अन्हाना, स्नान, गुशल।
अपगति, दुर्गति, अपनी गति।
अपडर, कुमार्ग, अपना डर।
अपवर्ग, मुक्ति, मोक्ष।
अपवाद, निन्दा, चवाव, दोष।
अपर, दूसरा, अन्य।
अपार, बेसुमार, अगम।
अपलोक, अपयश, निन्दा।
अपेल, अचल, अटल।
अप्सरा, स्वर्गबेश्या, कशबी।
अभिमत, मनमाना, इष्ट।
अभिलाष, लालसा, इच्छा।
अभिषेक, स्नान, तिलक।
अभिराम, सुन्दर, मनोहर।
अमरावती, इन्द्रपुरी।
अमी, अम्रत, सुधा।
अमोघ, सफल, अचूक।
अमोल, उत्तम।
अयन, घर, मकान।
अयुध, शस्त्र, हथियार।
अरगाना, अलग होना।
अरणी, यज्ञमेआगनिकालनेकाकाठ
अरझ, तिउरी दे फिर्ना।
अरि, शत्रु, दुशमन।
अलीक, मिथ्या, झूठ।
अलौकिक, लोक बाहर।

अवगाह, असाध्य।
अवतंस, कर्ण भूषण।
अवध, अयोध्यापुरी।
अवनि, भूमि, जमी।
अवडेर, छल, फंद, तुफान।
अवराधना सेवा, खिदमत।
अवरेब, फेर, चक्र, उपाय।
अवला, स्त्री, औरत।
अवलि, श्रेणी, पांति।
अवलंब, आसरा, आधार।
अविद्या, अज्ञान।
अवसेर, अंदेशा, राह देखना।
अशिव, अमंगल, अशुभ।
अशंका, संदेह, निडर।
असमशर, कामदेव।
असमंजस, दुबिधा, दुचिताइ।
असित, काला।
असंभावना, चिंता, शोच।
अस्त्र, मंत्रयुक्त शस्त्र।
अस्थि, हाड़।
अहह, रोजरोज, अहोभाग्य।
अहउं, हूं।
अहि, सर्प, सांप।
अहिभवन, बिल, बिबर।
अहिवात, सुहाग, शौभाग्य।
अहीश, शेष, अनन्त।
अहेर, शिकार।
अहेरी, शिकारी।
अक्षयबट, प्रयागका बटवृक्ष।
आक, मदार, अर्क वृक्ष।
आकर, खानि।
आकुल, व्याकुल, घावड़ा।
आकृति, स्वरूप।
आखर, अक्षर।
आगम, शास्त्र।
आगर, श्रेष्ठ, मुख्य।
आगार, घर, महल।

आघात, चोट।
आतप, घाम, धूप।
आतुर, जल्द, अबिवेकी।
आदिकवि, वाल्मीक ऋषि।
आधार, अवलंब।
आनन, मुख।
आमलक, अमला, धात्र फल।
आमिष, मांस, गोश्त।
आयसु, आज्ञा, मर्जी।
आरत, दुखी।
आरति, दुख, पीडा।
आराति, शत्रु, मुद्दई।
आवा, पजावा।
आवाहन, बुलाना।
आली, सखी, सहेली।
आशा, दिशा, भरोसा।
आशु, शीघ्र तुरत।
ओघ, समूह, झुण्ड।
ओट, आड।
ओडना, रोकना, आडना।
ओडनखांडा, पटा।
ओर, तरफ।
अंक, अक्षर, चिह्न, गोद।
अंकित, चिह्नित, युक्त।
अंकुर, अंखुआ।
अंचवना, हाथ मुख धोना, पीना।
अंजलि, अंजुली।
अंडज, पक्षी, चिडिया।
इत्थं, ऐसा।
इदं, यह।
इंधन, लकडी।
उकठना, सूखना।
उघरना, खुलना।
उघारना, खोलना।
उछङ्ग, गोद, कनिया।
उजला, छंगन, श्वित्र, सपेदकोढ़।
उजागर, प्रसिद्ध, जाहर।
उज्वल, सपेद, निर्मल।
उडु, नक्षत्र, तारा।
उत्पल, कमल।
उक्ति, कहना।

उत्संग, ऊंचा, उतावल।
उदधि, समुद्र।
उदर, पेट।
उदररेख, त्रिवली, पेटो।
उदार, दाता, सखर।
उदासीन, बेपरवाह।
उद्यम, उपाय, व्यापार।
उद्वेग, क्षोभ, उचाट।
उधारना, तारना, उबारना।
उपचार, उपाय, शुश्रुता।
उपजना, उत्पन्नहोना,।
उपधान, तकिया।
उपवन, बगीचा, फुलवारी।
उपवीत, जनेउ, यज्ञोपवीत।
उपदेश, शोध।
उपल, पत्थर।
उपहास, हंसी, निन्दा।
उपारना, उखाडना।
उभय, दो।
उमा, पार्वती।
उरिन, उद्धार, अदाऊआ।
उलूक, उल्ला, पक्षी विशेष।
उसास, उर्द्धश्वास।
ऊन, न्यून, कम, रोवां।
ऊसर, मरुभूमि।
कच, केश, वाल।
कटक, सेना, फौज।
कटकटाना, दांतपीसना।
कत, क्यों, कितना।
कदली, केला।
कद्रू, नागमाता।
कनक, सोना धतूरा।
कपाल. शिर, खोपडी।
कपाट, किंवाड।
कपि, बानर।
कपोल, गाल।
कबार, नीचरुजगार।
कमठ. कछुआ।
कमलापति, विष्णु।
कमंडल, तुंबी, कठारी।
करज, नख।

करश, इंद्री।
करतूत, करतब।
करारा, ऊंचाकनारा।
कलकंठ, कोयल।
कलवल, तोतरवचन।
कलश, घट, घड़ा।
कलेवर, शरीर।
कलेवा, वासी, नाश्ता।
काछना, वेषबनाना।
काढना, बनाना, उरेहना।
कानि, मर्जाद, शपथ।
कानन, बन।
कालकूट, बिष, गरल।
काउ, कभू।
कायर, कादर।
किकर, सेवक।
किंकिणी, वजनूकर्धनी।
किंवा, अथवा, या।
किमि, कसे।
कियारी, परवा, केदार।
किरात, भील।
किरीट, मुकुटकाअवयव।
किशलय, कोमलपत्ता।
किंशुक, पलाश, ढाक।
किसान, खेतिहर।
कीर, सुक, तोता।
कीश, बानर।
कुंचित, कुटिल, टेढा।
कुठाहर, कुजगह।
कुठारी, कुल्हाडी।
कुंत, वरछी, कांटा।
कुवलय, कोईं, कुमुदफूल।
कुआंरि, कुमारी।
कुराई, रोरी, किरकिरी।
कुसुमित, फूल।
कुलीन, उत्तमकुलका।
कुलद्रुह, कुलद्रोही।
कुधर, पर्वत।
कुपथ, कुराह।
कुंभिलाना, मुर्झाना।
कुलिश, बज्र।

कुरंग, मृग।
कुंजर, हाथी।
कुटी, घर।
कुयंत्र, मेख, खूंटा।
कुधातु, लोहा।
कुंभज, अगस्त्यमुनि।
कूट, मसखरी, शिखर।
कुटीर. कुटी।
कूजना, शब्दकरना।
कूवरा, डेढा।
कूर, क्रूर।
कूंडी, लोहकी टोपी।
केतु, पताका, ग्रह।
केलि, क्रीडा।
कैरव, कोईं, कुमुदफूल।
कोक, चकवापक्षी, कमल।
कोट, रकावा, किला।
कोदव, अन्न विशेष।
कोह, क्रोध, कोप।
कोरी, करोड, वीश।
कोश, खजाना, कली।
कौतुक, अचरज।
कौमुदी, चांदनी।
कौली, अघोरी।
कंदुक, गेंद।
कंडू, खजुली, खाज।
कंठ, गला।
कंप, थरथरी।
कगूरा, बुर्ज, गुंमज।
कृत, सतयुग।
कृपण, सूम।
कृपान, तरवार।
खग, पक्षी।
खगेश, गरुड।
खचना, जडना।
खर्व, छोटा।
खभार, झंझट।
खिसियाना, खीझना।
खेद, दुख।
खोह, कोन।
खंजन, खिखिरिचपक्षी।

खंसना, गिरना।
खभार, झंझट, दुख।
गगन, आकाश।
गति, भरोसा, मरम।
गनी, घनी।
गरल. विष, हलाहल॥
गलानि, लाज, हया।
गवन, जाना, चलना।
गवासा, कसाई।
गहबर, गाढ, प्रेमभरा।
गहरु, देरी, असमंजस।
गात, अंग, शरीर।
गाथा, कथा, चरित।
गाहा, कथा, समूह।
गाढ, मजबूत।
गारुडि, कागभुसुंडि।
गामी, चलनेवाला।
गाजना, आनंदकरना।
गाड, खंधक।
गाल, चोंचला।
गालमारना, झूठकहना।
गोचर, प्रत्यक्ष, आंखआगे।
गोई, छिपी, गुप्त।
गंभीर, गहरा, भारी।
गंवहि, धीरे।
गंवाना, खोदेना, विताना।
ग्रीव, ग्रीष, गर्दन।
गौरि, पार्वती।
गौर, गोरारंग।
घटाटोप, मेघडंबर, वडा।
घरनी, स्त्री।
घने—घनेरे, बहुतेरे।
घालना, डारना, नाशकर्ना।
चक्रवाक, चकवापक्षी।
चकित, दुचित, अचंभित।
चकोर, पक्षीविशेष।
चख, नेत्र।
चपल, चंचल।
चपेटा, तमाचा, थप्पड।
चरणपीठ, खरांउ, पादुका।
चरना, फिरना।

चरित, आचरण।
चाकी, बिजुली।
चाख, पक्षी विशेष।
चाप, धनुष।
चापना, दावना।
चामर, चमरीगौ।
चातक, पपीहा।
चारु, सुन्दर।
चाउ, खुसी।
चिकुर, केश, बाल।
चितवन, ताकना।
चिबुक, दाढी।
चिराना, पुराना।
चिन्ह, निशानी।
चीर, वस्त्र, कपड़ा।
चूक, भूल, तकसीर।
चूडा, मस्तक, चोटी मुडन।
चूरण, चूर्ण, बुकनी, दवा।
चेतन, सजीव, चैतन्य।
चेर, दास, चाकर।
चेरी, दासी।
चोखा, उत्तम, पैना।
चौक, पिसानकी रचना, वेदी।
चौगान, मैदान।
चौपट, बरबाद।
चौवारा, बारादार, बैठक।
चौहट, चौमुहानी।
चंचरीक, भ्रमर, भौंरा।
चंद्रमौलि, शिव।
चन्द्रहास, तरवार।
चंद्रिका, चांदनी।
छरभार, झंझट, सकलभार।
छवि, शोभा।
छाया, असर, परछांई।
छार, राख, खाख, खार।
छाला, चर्म, चमड़ा।
छावना, डेराडालना।
छिद्र, दोष, छेद।
छिनु, थोडीदेर।
छीण, दूबरा।
छोजना, कमहोना, खराबहोना।

छूछा, खाली।
छेंकना, रोकना।
छोभ, दुख, डमाडोल।
छोह, प्रीति, प्यार।
जग, चलनेवाला, जगत।
जठर, पेट, उदर।
जत, जितना।
जन, भक्त, लोग।
जनक, पिता।
जनकौरा, जनकपुर वासी।
जनि, निषेध।
जमन, तुरक, कालयमन।
जमनिका, माया, कनात।
जरजर, बूढा, पुराना।
जरठ, बूढा।
जरनि, दाह।
जरा, बुढापा।
जलअलि, भंवर, आवर्त।
जलद, मेघ, उतावल।
जलधि, समुद्र।
जलयान, नौका।
जल्पना, कहना, झूठबोलना।
जवास, तृणविशेष।
जसु, जैसा।
जहिआ, जब।
जानपनो, जानपन।
जानु, ठेउना।
जामिक, जामिन, रक्षक।
जाय, वृथा।
जाया, स्त्री, जोरू।
जिनिस, प्रकार।
जिमि, जैसे।
जिवनार, रसोई।
जीवनमुक्त, बेपरवाह।
जीह, जीभ, जिह्वा।
जुटना, सामना करना।
जुझाऊ, लडाका, मारुबाजा।
जुझार, लडाका, योद्धा।
जूझना, लडना, समरमेमरना।
जोंक, पानीका कीडा।
जोगवना, रक्षाकरना।
जोटा, जोडा।
जोवना, राहदेखना, मनलेना।
जोहार, प्रणाम, सलाम।
जोहा, देखा।
झंप, मूर्छा, झांई, तांवर।
झर, बरषा, झडी।
झलका, फोला।
झष, मछली।
झारि, बिलकुल।
झींगुल, झंगिया, अंगरखी।
झोंटा, चुटिया, झुंटिया।
झांपना, ढकना, मूदना।
टांकी, छेनी।
टारना, हटाना।
टिटीह, टिटिहिरीपक्षी।
टीका, तिलक, माथा।
टूक, खंड, टुकड़ा।
टेकना, पकडना निश्चकर्म।
टेरना, बुलाना, पुकारना।
टोल, समूह।
ठकुरसुहाती, मुंह देखी बात।
ठट्ट, समूह, झुंड, भीड।
ठाट, सामग्री, बनक, बनाव।
ठानना ध्रुवकर्ना, निश्चय कर्ना।
ठांव, जगह।
ठाहर, जगह।
डगमग, हलचल, अस्थिर।
डमरू, शिवका बाजा, डडुक।
डरपना, डरना, भयखाना।
डसना, काटना, दंशना।
डसाना, बिछौनाकरना।
डहकना, ठगना, वंच काना।
डाकिनी, प्रेतिनी।
डाटना, हटकना।
डाढ़े, जले।
डार, शाखा।
डारना, गिराना।
डाबर, गडहा, छोटा।
डिगना, बिचलना।
डेरा, निवास, तंबू।
डोरी, रसी।
डोली, जनानी पालकी।
ढनमनाना, लुढकना।
ढरकना, गिर्ना, नीचे जाना।
ढहना, गिर्ना।
ढिग, निकट।
ढीठ, गब्बर, साहसी।
ढारना, डारना।
ढाहना, गिराना।
तर्क, बिचार, अनुमान।
तज्ञ, तत्त्वज्ञ।
तर्जना, धमकाना, भय दिखाना।
तजना, छोडना।
तट, कनारा।
तडाग, तलाव।
ततकाल, तुरत।
तनय, पुत्र, बेटा।
तपसी, तपस्वी।
तप्त, गरम।
तमकना, तमतमाना।
तमसा, एक नदी।
तमी, रात्रि, रात।
तरणी, नौका, सूर्य्य।
तरकना, कूदना, बिचार कर्ना।
तरल, हिलता, उग्र।
तरना, उतराना, मुक्त होना।
तरेरना, घूरना, आंख दिखाना।
ताग, डोरा, सूत।
ताटंक, कर्णभूषण।
तातप्यमान, अति संतप्त।
ताति, गरम।
तानना, खींचना।
तापसतिय, अहल्या।
तारा, नक्षत्र, बालिकी स्त्री।
तिमिर, अंधकार।
तिय, स्त्री, औरत।
तिलक, श्रेष्ठ, टीका।
तीछी, तीखी, तेज।
तुरग—तुरंग, घोडा, अश्व।
तुरावति, वेगवती।
तुराई, तुमारी, उत्तम।
तुला, तराजू।

तुषार, पाला, ठार।
तुहिन, कुहेसा, पाला, बर्फ।
तुल, सई, तुल्य, समान।
तेते, तितने।
तोतर, तुलबुल, तोतला।
तोमर, भाला।
तोरण, बंदनिवार।
तौलगि, तवतक।
थका, मांदगी, श्रम।
थरथराना, कांपना।
थान, जगह, स्थान।
थापना, स्थापन कर्ना, कायम कर्ना।
थाह, आहट, खबर।
थिर, स्थिर, ठहरा।
थिराना, निर्मल होना।
दनुज, दानव, राक्षस।
दम, इंद्रियोंका रोकना।
दर, संख।
दरार, दरक, फटना।
दल, पत्ता, समूह।
दलना, मर्दना, तोडना।
दव, दावानल, दौरहा।
दशन, दांत।
दहन, आग, जलाना।
दाइज, दहेज, जौतुक
दादुर मंडूक, मेडुका।
दाम, माला, मोल, द्रव्य।
दामिनि, बिजुली।
दारा, स्त्री, पत्नी।
दारु, लकड़ी।
दारुनारि, कठपुतली।
दिगम्बर, नङ्गा, बेवस्त्र। [वाला
दिनदानी, दीनदाता, दिनर दने-
दिनकर, सूर्य।
दिव्य, उत्तम, सुन्दर।
दिशि, तरफ, दिशा।
दुकाल, दुर्भिक्ष, मंहगी।
दुग, दुर्गम, किला।
दुदुभी, नगारा।
दुभाषी, दुभाषिया।
दुराना, छिपाना।

दुलहिनि, बहू, नई स्त्री।
दुलार, प्यार।
दुर्बाद, कटु बचन।
दुस्तर, अगम्य।
देहरी, द्वार चौखट।
देवि, महारानी।
दोहाई, डौंडी, डुगडुगी, शपथ।
दंडवत, पांव पड़ना, प्रणाम।
दंपति, स्त्री पुरुष दोनो।
दंभ, पाषण्ड।
दंभी, पाषण्डी।
दंश, बनकी माक्षी।
धन्य, प्रसंशनीय, स्याबस।
धनद, कुवेर।
धरकना, धड़कना।
धवल, सपेद।
धर्ष, पराभव।
धाम, घर, बैकुंठ।
धामदा, बैकुंठ देनहारी।
धारिय, धरिये।
ध्यावना, आराधन कर्ना।
धीर, धीरज, सावधान।
धुर, भार।
धुरन्धर, बड़ा भार धरनेहार।
धतना, ठगना, छलना।
धेनु, गौ, गाय।
धारी, बयल, अघोरी।
धंधा, काम।
नक्र, मकर, ग्राह, कुंभीर।
नतरु, नहींतो।
नर्तक, नाचनेवाला।
नभ, आकाश।
नभगनाथ, गरुड़।
नय, नीति।
नरहरि, नरसिंह।
नलिन, कमल।
नलिनी, कमलिनी।
नवल, नया, नूतन।
नसेनी, सीढी, सोपान।
नांई, तरह, मुआफिक।
नाग, हाथी, सर्प।

नागर, चतुर, नगर निबासी।
नाजु, अन्न।
नाठी, नष्ट भई, नाशकी।
नाद, शब्द।
नायक, सरदार।
नासा, नासिका।
निकर, समू ।
निकाय, समूह।
निगम, वेद।
निगूढ, कठिन, गुप्त।
निचोर, तत्त्व।
निचोरना, गार्ना।
निछावर, सदका, वारना।
निज, आप, अपना।
निठुर, कठोर, निर्दय।
नितई, नित्य, हररोज।
निदरना, अनादर कर्ना।
निदान, अंत, आखर।
निदेश, आज्ञा, हुकुम।
निधान, पात्र, खान।
निधि, खान, बडी लाभ।
निपातना, गिराना, मार्ना।
निपुण, चतुर, हुसियार।
निबाह, निर्वाह।
निबुकना, निकलना।
निर्भर, भरा, पूरा।
निमेष, पलक, लहजा।
नियर, निकट।
नियोग, आज्ञा।
निरमय, बनाना।
निरुआरना, सुर्भाना।
निरंजन, शुद्ध।
निरंबु, निर्जल।
निरुपधि, उपाधि रहित।
निवारन, बारन, मना।
निशा, रात्रि।
निशान, नगारा, डंका।
निसारना, निकालना।
निमोल, शुद्ध, सुथा।
निहोरा, प्रार्थना, आसान।
नीर, जल।

नीच, काला।
नूतन, नया।
नूपुर, घुंघुरू।
नेत्र, नैन।
नेवता, निमंत्रण।
नेह, स्नेह, प्रीति।
नाइनि, गैाको टांगबाधनेकी रसी
पंक, कीचड़।
पखाउज, मृदङ्ग।
पखारना, धोना।
पंचानन, सिंह, महादेव।
पट, बस्त्र, कपड़ा।
पटतर, बराबरी, समान।
पटु, निपुण।
पटोर, रेशमी कपड़ा, रेशम।
पताका, झंडी, बैरख।
पतङ्ग, सूर्य, शलभ, पांखी।
पतियाना, बिश्वास कर्ना।
पताेह, पुत्रबधू, बहू।
पद्दिक, मणि, भृगुलता।
पन, अवस्था, बय।
पनच, धनुषकी डोरी, रोदा।
पन्नग, सर्प।
पनस, कटहर।
पबारना, फेंकना।
पर्ब, पूर्णमासी, पोर, गांठ योग।
पबि, बज्र।
पय, पानी, दूध।
पयादे, पैदल।
पयान, यात्रा, गमन।
पयाेद, मेघ।
पर, शत्रु, दूसरा।
परखना, परकना।
परनाम, प्रणाम, सलाम।
परमिति, मर्य्याद, हद, सीमा।
परछना, पूजा कर्ना।
परसना, छूना, स्पर्श कर्ना, परोसना
पसाउ, प्रसन्नता।
परधान, प्रधान, मुख्य।
परभात, प्रातकाल, सबरा।
पराग, धूलि, रज, फूलकी रेणु।
पराना, भागना।
परायण, तत्पर।
पसेव, पसीना, स्वेद।
परावर, पर अपर।
परिघ, लट्ठा, अर्वंड़ा।
परिचर्य्या, सेवा।
परिणाम, अंत, आखर।
परितोष, खातिरी।
परिधान, बस्त्र।
परिवार, कुटुम्ब।
परिहास, ठट्ठा, हंसी, निन्दा।
परुख, कठोर।
पलटना, फिरना, उलटना।
पलोटना, दाबना।
पसाउ, प्रसाद।
पक्षपात, तरफदारी।
पाकी, पक्षी।
पाकरिपु, इंद्र।
पाख, पक्ष, पंद्रह दिन।
पाछना, चीरना।
पाट, रेशम।
पाठीन, पढिना मछली।
पाणि, हाथ।
पाती, चिट्ठी।
पाथ, जल।
पाथोज, कमल।
पाथोधि, समुद्र।
पादप, वृक्ष, पेड़।
पादुका, खराउं।
पामर, नीच।
पायस, खीर, जाउरि।
पारथी, मट्टीका शिव।
पारस, परस पखान।
पारावत, कबूतर।
पावक, आग।
पांवर, नीच।
पाहन, पाथर।
पाहि रक्षा करो।
पाहुन- अतिथि, अभ्यागत।
पांही, पास।
पिय, स्वामी।
पियूष, अमृत।
पिरीते, प्रियतम।
पिशुन, चुगुल, खोटा।
पी, स्वामी।
पीठ, पीढा।
पीन, मोटा।
पीरा, दर्द।
पुंग, पुंगीफल, सुपारी।
पुंगव, श्रेष्ठ।
पुनि, फेर, पुनर्वार।
पुरइनि, कमलपत्र।
पुरट, सोना।
पुलक, रोमाञ्च, रोंवा।
पुहमी, पृथिवी।
पूजना, पूराहोना।
पूप, पूआ, ठोकवा।
पूर, पूर्ण, पूरा।
पूषण, सूर्य्य, पूर्णमासी।
पेलना, हठकर्ना, घुसना।
पेखना, देखना, कैातुककर्ना।
पैज, पैठ, पैरबी।
पैना, तीव्र, चोखा।
पैसार, पैठ, गति।
पोच, नीच।
पोत, जहाज, नैाका।
पोतक, बालक।
पोषना, पुष्टकर्ना।
पोसना, पालना।
प्रकृति, माया, स्वभाव।
प्रगल्भ, ढीठा।
प्रचारना, ललकारना, प्रसिद्धकर्ना।
प्रजाशन, प्रजाखानेवाला, दुखदाई।
प्रण, प्रतिज्ञा।
प्रतिकूल, बिरुद्ध, उलटा।
प्रलाप, झूठकहना, रोना।
प्रतिविम्ब, परछांही।
प्रदोष, सन्ध्या।
प्रपंच, संसार, बखेडा।
प्रभंजन, बायु।
प्राची, पूरबदिशा।
प्राट, बरषा।

फटिक, बिलौर।
फुर, सत्य, सच।
बगरना, फैलना।
बंगा, लबार, दुष्ट।
बंचक, ठग, धूर्त।
बटु, ब्रह्मचारी।
बडवानल, समुद्रकीआग।
बत्सल, दयालु।
बतास, बायू।
बदन, मुख।
बदर, बेरफल।
बनाव, बेष, सिंगार।
बपु, शरीर।
बयन, बचन।
बयस, अवस्था।
बये, बोए।
बरघाशन, कुशासन, दरिया।
बराह, सूअर।
बल्कल, भोजपत्र।
बल्लभ, स्वामी, प्रिय।
बलि. पूजा, सदका।
बलिहारी, धन्यवाद।
बलीमुख, बानर।
बहुरि, फेर, पुनर्वार।
बशीठ, दूत।
बशीठी, दूतकर्म।
बसह, बैल।
बाउ, बायु।
बाजना, लडना।
बाजि, घोड़ा।
बाटझरना, सर्वनाश होना।
ब्रात, समूह।
बादि, वृथा।
बान, मोल, रंग।
बानि, स्वभाव, आदत
बापी, बावली।
बारहबाट, बरबाद।
बारी, फुलवारी।
बारुणी, मदिरा।
बारेक, एकबार।
ब्याह, बिवाह।

बांहदेना, भरोसादेना।
बिकसना, फूलना।
बिग्रह, बिरोध।
बिचारा, बपुरा।
बिछोह, बियोग।
बिजाक, बेबाक, खतम।
बिटप, वृक्ष।
बिढवना, पैदाकर्ना, कमाना।
बितान, मडवा, चंदवा।
बिधंसना, नाशकर्ना, बर्बादकर्ना।
बिनता, गरुड़कीमाता।
बिनीत, चतुर, भला।
बिपरीत, अन्यथा, उलटा।
बिपुल, बडा।
बिबर, बिल, छिद्र।
बिबराना, सुर्झाना, अलगाना।
बिबुध, देवता।
बिबुधनदी, गंगा।
बिभूति, बिभव, खाक।
बिरव, वृक्ष, पेड।
बिरद, यश, बाना।
बिलग, अलग
बिलपना, रोना।
बिशाल, बड़ा।
बिशिख, बाण।
बिषाण, शृंग, सींग।
बिंसना, बिगडना।
बिहरना, फटना।
वीचि, लहर, तरंग।
ब्रीडा, लज्जा।
वीथी, राह, गली।
बेग, जलदी।
बेडा, बेरका।
बेणु, बांस, एकराजा।
बेणी, संगम, गुहाबी, चोटी।
बेदी चौक।
बैभव, ऐश्वर्य।
बैदेही, सीता।
बैनतेय, गरुड़।
बैर, बिरोध।
बैखानस, वानप्रस्थ।

बैसे, बैठे।
बोरना, डुबोना।
बोहित, बेड़ा, बैल।
वृष, बैल।
वृषकेतु, महादेव।
वृषली, शूद्री।
व्यजन, पंखा, बेना।
भगिनी- बहन।
भटभेरा, टक्कर, धोखा।
भट, योद्धा\
भंडार, तोसाखाना।
भणिति, कहाव, कहनूत।
भदेस, असभ्य।
भभरना, हहर्ना।
भरणी, पक्षीविशेष, रेवां।
भव, संसार, महादेव।
भाजन, बर्त्तन।
भाथा, तरकस।
भानु, सूर्य्य।
भानुपोंठ, पथरी, सूर्य्यमुखी।
भावी, होनहार।
भामा, पत्नी, स्त्री।
भारती, बाणी।
भाल, माथा।
भिंदिपाल, ढेलवांसी।
भीति, डर, दीवार।
भीरु कादर।
भुआल, राजा, सर्प।
भूरज, भोजपत्र।
भूधर, पर्वत।
भूरि, अधिक, बहुत।
भेउ, भेद।
भेक, मेढुका।
भेरी, तुरहीबाजा।
भेषज, दवा, औषध।
भोर, भूल, सबेरा।
भोरी, भोली, बावली।
भौम, मंगलबार।
भ्रुकुटी, भौंह।
मकरंद, फूलकी रस।
मख, यज्ञ।

मर्कट, बानर।
मकु, बल्कि, बरु।
मग, राह।
मगन, लस, डूबा।
मघवा, इंद्र।
मचल, पखेरु, अर।
मज्जन, स्नान।
मझार, मध्य।
मद, अभिमान, मदिरा।
मर्दना, लतेड़ना।
मधु, चैत्र, सहत।
मनाग, इषत, थोड़ा।
मनुज, मनुष्य।
मदन, कामदेव।
मयंक, चंद्र।
मराल, हंस।
मरु, ऊसर, निर्जल देश।
मलय, चंदन, मलयागिर पर्वत।
मशान, मरघट।
मष्ठ, मौन, चुपकर्ना।
मसि, स्याही।
माखी, माछी।
माची, प्रसिद्ध, फैलरही।
मानिक, हीरा।
मार, कामदेव।
मारव, मालवादेश।
माष, कोप।
मीच, मृत्यु, मौत।
मीन, मछली।
मुकुर, अयना, सीसा।
मुकुता, मोती।
मुखिया, मुख्य, मालिक।
मुखागर, जबानी।
मुठभेर, सन्मुख।
मुदरी, अंगूठी।
मुधा, मिथ्या, झूठ।
मुनिंद, मुनीन्द्र।
मूरि, सजीवनबूटी।
मेकलसुता, नर्मदा नदी।
मेचक, काला।
मेधा, बुद्धि।

मेलना, डालना।
मैका, नैहर, पितृगृह।
मोई, मोही।
मोचना, छोड़ना।
मोद, हर्ष।
मोदक, लड्डुआ, लड्डू।
मंजुल, सुंदर।
मंडली, जमात।
मंदाकिनी, स्वर्गगंगा।
मृषा, झूठ, मिथ्या।
यती, सन्यासी।
यमकरधार, यमकी सेना।
यातुधान, राक्षस।
यान, विमान, सवारी।
याम, पहर।
यामिनी, रात्रि।
युग—युगल, दो।
यूथ—यूह, समूह।
योजन, चारकोश।
योषित, स्त्री।
यंत्रिका, अंजीर।
यंत्री, लपेटी।
रजत, चांदी।
रजनी, रात
रजाइ, आज्ञा।
रत, तत्पर, लगाऊआ।
रति, कामकीस्त्री, प्रीति।
रथांग, चकवापक्षी, चक्र, पहिया।
रद, दांत।
रवितनया, यमुनानदी।
रविनंदिनी, यमुना।
रमा, लक्ष्मी।
रस, शृंगारादिनव।
रसरस, धीरेधीरे।
रसा, पृथिवी।
रश्मि, चाल।
रहस्य, गोपनीय, उत्तम।
राई, राजा।
राउ, राजा।
राउत, महतो, सरदार।
राउर, आप, आपका।

राका, पूर्णमासी।
राकेश, चंद्र।
राग, प्रीति।
राजि, पांति।
रातना, रचना, लगना।
रारि, रगरा, झगरा।
रीतना, बीतना, खाली होना।
रुचि, इच्छा।
रुचिर, सुंदर।
रुख, तरफ, मर्जी।
रुज, रोग।
रुद्र, शिव।
रूखा, निरस।
रूरा, भला, नीकी।
रेख, लकीर।
रेणु—रेनु, धूलि।
रोचन, हलदी।
रंक, दरिद्री।
रंच, ईषत, थोड़ा, जरा।
रुंड, धड।
लकुट, लाठी।
लगन, व्याहकामुहूर्त्त, टीका।
लघु, हलका, छोटा।
लवण, निमक।
लवा, बटेर, पक्षीविशेष।
लवाई, वत्सलता, पेन्हाई।
लवार, झूठा।
लसना, शोभना
लहना, पावना।
लक्ष्मि, लक्ष्मी।
लीक, प्रधानता, गणना।
लिलार, माथा।
लेसना, बारना।
लोयन, लोचन, नेत्र।
लोल, चंचल।
लौं, तक।
लौकिक, संसारी व्यवहार।
लंपट, कामी।
शक्र, इंद्र।
शकुन, पक्षी।
शाक, साग।

शपथ, कसम।
शर्वरी, रात्रि।
शलभ, पांखी, फतिंगा।
शव, मुर्दा।
शम, इंद्रियोंकासंयम।
शाखामृग, बानर।
शायक, बाण।
शाल, पीड़ा, छिद्र।
शाली, धान।
शिथिल, ढीला।
शिविका, पालकी।
शिला, चटान।
शिवा, पार्वती, जंबुकी।
शिश्न, लिंग।
शिंशिपा, सिरसावृक्ष।
शीकर, जलकणा।
शुचि, पवित्र, सुन्दर।
शूल, त्रिशूल, पीड़ा।
शैल, पर्वत।
शंबुक, घोंघा, सूती।
श्रम, खेद, दुख।
श्रवणपूर, कर्णभूषण।
श्रीखंड, चंदन।
श्रुति, वेद, कर्ण।
श्रेणी, पांती।
श्वपच, चांडाल।
षट्, छः।
स्रक, माला।
सकृत, एकबार।
सगुण, साकार।
सचिव, मंत्री।
सच्चिदानंद, ज्ञानानन्दरूप।
शची, इन्द्राणी।
सचु, आनंद, खुशी।
स्वच्छन्द—स्वतन्त्र, स्वाधीन।
सनाह, बख्तर, चिलता।
सन्निपात, त्रिदोष।
सनेह, स्नेह।
सपदि, शीघ्र, तुरत।
समाउ, अभिप्राय, बरोसी।
समास, संक्षेप।

समीहा, चेष्टा, यत्न।
स्मृति, धर्मशास्त्र।
सयान, चतुर, बड़ा।
सयानप, चतुराई।
सरल, सीधा, सूधा।
सरासन, धनुष।
सरित, नदी।
सरिस, समान, तुल्य।
सश्लोक, यश, कीर्ति।
संहिदानी, निशानी, चिन्हारी।
सांई, स्वामी।
स्वागत, कुशलप्रश्न।
सांथरी, कुशासन, चटाई।
सादे, साधारण।
सारना, काढ़ना, करना।
सारसंभार, बहुत, भार।
सारिका—सारी, मैना।
सावज, शिकार।
साहनी, भृत्य, चाकर।
सिकता, बालू।
सित, सपेद।
सिधाये, सिधारे।
सिंधुर, हाथी।
सिद्धि, अणिमादि ८।
सिराना, चुकना।
सिहाना, ललचाना।
सिंहठवनि, सिंहगति।
सीकर, जलछीटा, जलकणा।
सीदना, दुखपाना।
सीव, हद्दी।
सुअन, पुत्र, बेटा।
सुआर, रसोईदार।
सुकंठ, सुग्रीव।
सुकेतुसुता, ताड़का।
सुभागा, सुहागनी।
सुखमा, शोभा।
सुठि, अति।
सुनासीर, इन्द्र।
सुपास, सुबिहिता।
सुभग, सुन्दर।
सुमन, फूल।

सुर, देवता।
सुरतरु, कल्पवृक्ष।
सुरसरि, गंगाजी।
सुरगुरु, बृहस्पति।
सुरवीथी, नक्षत्र मार्ग।
सूकरखेत, बाराहक्षेत्र।
सूतना, सोवना।
सूर्प, सूप।
सूपशास्त्र, रसोईकी विद्या।
सूत्रधर, काठपुतली नचानेवाला।
सेतु, पुल।
सेल, सांग।
सैन, इशारा, सनकारना।
सोपान, निसेनी, सीढ़ी।
सोहर, सुन्दर।
सोहागिन, अहिवाती।
सौमित्रि, लक्ष्मण।
सौरभ, सुगन्ध, आमवृक्ष।
सौंह, शपथ, कसम।
स्यन्दन, रथ।
संजोउ, सामग्री।
संदोह, समूह।
संपुट, डब्बा।
संपेला, सांपका बच्चा, मदारी।
संसृति, संसार।
सांधा, लगाया।
सांइदोही, स्वामिद्रोही।
हतना, मारडालना।
हते, थे, रहे, मारेगये।
हर, महादेव।
हरहाई, हरहठगौ।
हरास, मादगी।
हरि, विष्णु, सूर्य, बानर, सिंह।
हरषा, हरखा।
हाट, बजार।
हाटक, सोना।
हिम, पाला।
हिमकर, चन्द्र।
हिमालयज, मैनाकी।
हिय, हृदय।
हीन, नीच।

हुति, बदि, तरफसे ।
हुमना, होमकर्ना ।
हुमकना, उछलना ।
हुलसी, हर्षी, तुलसीदासकी माता
हृद, हृच्छब्द ।
हेतु, कारण ।
हेठ, नीचे ।
हेरना, देखना, ढूंढना ।
हेला, अनादर ।
हों, मैं ।
होनी, होनहार ।
क्षत, घाव ।
क्षमा, पृथिवी ।
क्षार, खारा, खाक ।
क्षुद्र, छोटा, नीच,
क्षेम, कल्याण ।
क्षोभ, मोह ।

मोहमुद्गरः ॥

भज गोविन्दम्भजगोविन्दं गोविन्दम्भज मूढमते ॥

मूढ जहीहि धनागमतृष्णां कुरु तनुबुद्धे मनसि वितृष्णां। यल्लभसे निजकर्मोपात्तं वित्तं तेन विनोदय चित्तं ॥ १ ॥ अर्थमनर्थं भावय नित्यं नास्ति ततः सुखलेशः सत्यं। पुत्रादपि धनभाजाम्भीतिः सर्वत्रैषा कथिता नीतिः ॥ २ ॥ का तव कान्ता कस्ते पुत्रः संसारोऽयमतीव विचित्रः। कस्य त्वं वा कुत आयातः तत्त्वं चिन्तय तदिदं भ्रातः ॥ ३ ॥ मा कुरु धनजनयौवनगर्वं हरति निमेषात्कालः सर्वं। मायामयमिदमखिलं हित्वा ब्रह्मपदं प्रविशाशु विदित्वा ॥ ४ ॥ नलिनीदलगतजलमतितरलं तद्वज्जीवनमतिशयचपलं विद्धि व्याधिव्यालग्रस्तं लोकं शोकहतञ्च समस्तं ॥ ५ ॥ तत्त्वं चिन्तय सततं चित्ते परिहर चिन्तां नश्वरवित्ते। क्षणमिह सज्जनसंगतिरेका भवति भवार्णवतरणे नौका ॥ ६ ॥ अष्टकुलाचलसप्तसमुद्रा ब्रह्मपुरन्दरदिनकररुद्राः। न त्वन्नाहन्नायं लोकः तदपि किमर्थं क्रियते शोकः ॥ ७ ॥ यावद्वित्तोपार्जनशक्तस्तावन्निजपरिवारो रक्तः। तदनु च जरया जर्जरदेहे वार्त्तां कोऽपि न पृच्छति गेहे ॥ ८ ॥ कामं क्रोधं लोभं मोहं त्यक्त्वात्मानं पश्यति कोऽहं। आत्मज्ञानविहीना मूढास्ते पच्यन्ते नरकनिगूढाः ॥ ९ ॥ सुरमन्दिरतरुमूलनिवासः शय्या भूतलमजिनं वासः। सर्वपरिग्रहभोगत्यागः कस्य सुखं न करोति विरागः ॥ १० ॥ बालस्तावत्क्रीडाशक्तस्तरुणस्तावत्तरुणीरक्तः। वृद्धस्तावच्चिन्तामग्नः परमे ब्रह्मणि कोऽपि न लग्नः ॥ ११ ॥ शत्रौ मित्रे पुत्रे बन्धौ मा कुरु यत्नं विग्रहसन्धौ। भव समचित्तः सर्वत्र त्वं वाञ्छस्यचिराद्यदि ब्रह्मत्वं ॥ १२ ॥ यावज्जननं तावन्मरणं तावज्जननी जठरे शयनं। इति संसारे स्फुटतरदोषः कथमिह मानव तव सन्तोषः ॥ ॥ १३ ॥ दिनयामिन्यौ सायं प्रातः शिशिरवसन्तौ पुनरायातः। कालः क्रीडति गच्छत्यायुस्तदपि न मुञ्चत्याशावायुः ॥ १४ ॥ अङ्गं गलितं पलितं मुण्डं दन्तविहीनं यातं तुण्डं। करधृतकम्पितशोभितदण्डं तदपि न मुञ्चत्याशाभाण्डं ॥ १५ ॥ त्वयि मयि चान्यत्रैको विष्णु व्यर्थं कुप्यसि मय्यसहिष्णुः। सर्वं पश्यात्मन्यात्मानं सर्वत्रोत्सृज भेदज्ञानं ॥ १६ ॥ षोडशपज्झटिकाभिरशेषः शिष्याणां कथितोऽभ्युपदेशः। येषां नैष करोति विवेकं तेषां कः कुरुतामतिरेकम् ॥ १७ ॥

इति श्रीशङ्कराचर्यविरचित मोहमुद्गरः सम्पूर्णः ॥

गावहिंश्रुतिशूरी इहिमसंरुचिरसप्तसोपाना रघुपतिभक्तिकेरपथनाना अतिहरिकृपाजाहिपरहोई पाव-देइयहिमारगसोई मनकामनासिद्धनरपावै जोयहकथाकपटतजिगावै कहहिंसुनहिंअनुमोदनकरहीं तेगोपदइवभवनिधितरहीं सुनिशुभकथाहृदयअतिभाई गिरिजाबोलीगिरासुहाई नाथकृपाममगत-संदेहा रामचरणउपजानवनेहा ॥

दो०। मैंकृतकृत्यभयेउंअब तवप्रसादविश्वेश उपजीरामभक्तिदृढ बीतेसकलकलेश ॥

चौ०। यहशुभशंभुउमासंबादा सुखदसदाश्रमनमनविषादा भवभंजनगंजनसंदेहा जनरंजनसज्जन-प्रिययेहा रामउपासकजेजगमाहीं इहिसमप्रियतिनकरंकछुनाहीं रघुपतिकृपायथामतिगावा मैंयह-पावनचरितसुहावा इहिकलिकालनसाधनदूजा योगयज्ञजपतपव्रतपूजा रामहिंसुमिरियगाइयरामहिं सन्ततसुनियरामगुणग्रामहिं जासुपतितपावनजगबाना गावहिंकविश्रुतिसन्तपुराना ताहिभजियतजि-मनकुटिलाई रामभजेंगतिकिननहिंपाई ॥

छं०। पाईनगतिकेइपतितपावनरामभजसुनुशठमना गणिकाअजामिलगृध्रव्याधगजादिखलतारेउघना ॥
आभीरजवनकिरातखलश्वपचादिअतिअघरूपजे कहिनामबारेकतेपिपावनहोतरामनमामिते ॥
रघुवंशभूषणचरितयहनरकहहिंसुनहिंजेगावहीं कलिमलमनोमलधोइबिनुश्रमरामधामसिधावहीं।
शतपंचचौपाईमनोहरजानिजोनरउरधरैं दारुणअविद्यापंचजनितबिकारश्रीरघुपतिहरैं ॥
सुंदरसुजानकृपानिधानअनाथपरकरप्रीतिजो सोएकरामअकामहितनिर्वाणप्रदसमआनको ॥
जाकोकृपालवलेशतेंमतिमन्दतुलसीदासहूं पायौपरमबिश्रामरामसमानप्रभुनाहींकहूं ॥

दो०। मोसमदीननदीनहित तुमसमानरघुबीर असबिचारिरघुवंशमणि हरहुबिषमभवभीर ॥
कामिहिंनारिपियारिजिमि लोभिहिंप्रियजिमिदाम ऐसेइहोइकरिलागहु तुलसीकेमनराम ॥

इति श्रीरामचरितमानसे सकलकलिकलुषविध्वंसने बिमलवैराग्यसम्पादनोनाम सप्तमः
सोपानः समाप्तः ॥ शुभमस्तु सिद्धिरस्तु ॥

अथ आरती श्रीरामायणजीकी ॥

टेक। आरती श्रीरामायण जीकी   कीरतिकलितललितसियपीकी ॥
गावत ब्रह्मादिक मुनिनारद   बालमीक बिज्ञान बिशारद ॥
शुकसनकादिशेषअरुशारद   बरणि पवनसुतकीरतिनीकी० ॥
संतत गावत शंभु भवानी   औघट संभव मुनिवर ज्ञानी ॥
व्यासआदि कवि पुङ्गवखानी   कागभुशुण्डिगरुडकेहियकी० ॥
चारिउ बेद पुराण अष्टदश   छहउशास्त्र सब ग्रंथनिकौरस ॥
तनमनधन संतनकौ सर्वस   सार अंश सम्मत सबही कौ० ॥
कलिमलहरणिविषैरसफीकी   सुभगसिंगार मुक्ति युवतीकी ॥
हरणि रोग भवमूरि अमीकी   तात मातु सर्वविधितुलसीकी० ॥

यः पृथिवी भरवारणाय दिविजैः संप्रार्थितश्चिन्मयः
संजातः पृथिवीतले रविकुले मायामनुष्योऽव्ययः ।
निश्चक्रं हतराक्षसः पुनरगाद्ब्रह्मत्वमाद्यं स्थिरां
कीर्त्तिम्पापहरां विधायजगतां तं जानकीशं भजे ॥